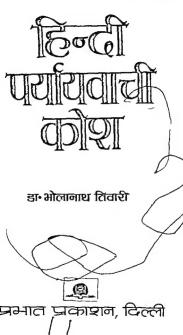


मारवीय विज्ञान हो जोच प्रविद्धान शकानर /420 ओझा



HINDI PARYAYAVACHI KOSH
(A Dictionary of Hindi Symonyms) Ed. Dr Bhola Nath Thwari
Published by Prabhat Prakashan, Chewri Bazer Delh-110008

t

प्रकारक प्रभाव प्रकाशन बाधको बाजार, दिस्ती ११ ०६ இका भोनानाच तिवारी/धंस्करण प्रथम १६६ /मूल्य तीन सी स्पर्य मुक्क कना भारती जन्मनपुर, भजीन साहबस्य विल्ली ११ ३२

## भमिका

क्षोऽर्जस्तद्व्यक्तिकामर्थ्ययोगी बन्दरण करणनः । यत्नतः प्रत्यमित्रेयौ तौ कथ्याचौ महाकवेः॥ (स्वस्थानोप १ )

समान और काम के बदलते हुए परिजेश में सब्द भी बपने सद को तारासता रहता है। कभी वह विशेष सर्व से कड़ हो जाता है और कभी धनेकार्यों कन जाता है। उदाहरण के सिए एक स्वयं भूष का सामान्य अर्थ नतु था किंदु आये बसकर वह हरिया का पर्यापकार्थ कम प्रया। इसी प्रकार 'हरि' सब्ब विष्णु बानर, सिंहु आर्थ अरोक क्षामों का प्रयोग कम प्रया।

यह तो निविष्ठ है हि अपने विचास के प्रवस चरण म सभी प्रायाओं का शब्द संबाद बहुत सीमित रहा है। मानव-सम्प्रता के चिनक विकास विस्व की विधिनन संस्कृतियों के पारस्परिक सर्वेत्र तथा नवे-मये बादियकारों के पत्तरकव्य प्राया के कव्य-मंबाद में समावादय बुद्धि हुई है। इस प्रविच्या में कुछ नये स्वस्य तथा तथे नये कुछ क्य होते नये और कुछ समय के बहतते परिवेच म तथे होते यथे। इसके बावबुद प्रवक्त काया का सम्बन्धात पहुँचे की तथना में कई पुना समझ हवा है।

दिसी भी भावा की समूब्रि में काल के साय-साय बराके पर्यामी का बहुत बहुन गोमसान होता है। पर्यावकाओं मध्यों का एक वर्ष कर बाता है। इतिकार पर या बाकर-विन्यास हेंदू अवका अर्थ-विस्तार क प्रयोजन से बायोध्य वर्ष को आधिना पर राहे के लिए उन सपर की अर्था वर्षप्याण सिंगी एक को चुन सेता है। स्थित पर राहे से देवा बाए तो हुए समस् को अर्था विद्याम पर को व्यक्ति करने की परित हुए। है। (बीम्बर-प्रमुखनिनमामधीयोगी मध्याच कावन)। एक स्वयं का अर्थ दूधरे से मिमसा-बुकता तो हो मकता है किन्तु कह बिलित् मिम्म यो होता है। बस्तु, देव काल और पान की बरेसा प्रयोक तथा बनाग महत्व है उसका स्वयं सर्थ वैविष्ट्य है। इक्तिए सम्बन्दात स्वयं इतिकार दक्ति मानास्य स्वयं कर विदेश बोर देता है। इस निश्चिको दिवनिवासन या ब्वसि-साधुर्य भी कहा जाता है। सर्वेनारमक सेचन की सफलता के मूल्याकन का एक बाधार यह भी है कि उससे किस तरह की बम्ब-सयोबना हुई है।

पर्याप कोल की भिर्मिति के पीक्षे लेखक का वहीं छड़ेस्य है कि मिखते समय एक एकानार को कब्दों के बयन का अधिकाधिक अवसर मिसे। जब कभी रचना कार विवक्षित सन्द के अर्थन में उटपदाला महसूस करता है उस समय असकी बेदाना में यह सुद्द कथ के नहीं जा पाता । ऐसे अवसर पर पर्याव कोल सस्क्रे निए एक हर रोफ कहत प्रसादक कोला है।

प्रस्तुत कृषि हिन्दी पर्यायवाची कोज के निर्माया स्व जो सोसानाव दिवारी की मान्या पारत के प्रसिद्ध कियी पाना-बारणी के क्य मे गड़ी है। पापा-वाहित्य की मान्या पारत के प्रसिद्ध कियी पाना-बारणी के क्य मे गड़ी है। पापा-वाहित्य कीर हरितारी हिन्दी के किए करका बहुक मान्या देश कीर करने कर कर परिमा हिन्दी प्रसीद कोग पर बरोक वर्षमा हिन्दी करने वाहित्य उन्होंने प्रस्तुत कोज को पाण्डुनियि दैवाण की भी। वहना ही नहीं अपने बीवन के सीदिम दिनों में बाद्धिक करवाब मवस्या में भी वे देश-पूछ बेचते गई। सेकिम हमारा पुर्णाय कि बहु बाती पूर्ण प्रकाशित कृति नहीं वेच वके। २५ बन्दुवर १९८८ को बनका देशकान हो गया।

इस कोत में वाँ दिवारी ने प्राय यन सब्यों का चयन किया है वो व्यावहारिक इण्डि से सिक उपानेय रहे हैं समझा हिन्दी सेवल की परम्मरा में निनका स्रीएक प्रमान रहा है। सर्वेताधारण के सिए उपयोगी समाने में एट्टिक कोतकार से इसमें सिक्ट के मानावाबक मूल उत्पाद एवं मरदारीत नक्यों के साथ-धाप बरवी कारती उन्हें सदेशों के उन नावों को भी समानियर किया है भी हिन्दी सब्बन्धारा में जाकर रच-पन गये हैं क्यांत् जो हिन्दी के सपने वन वये हैं। इसके साथ हो प्रचानित देखन बोर सम्बन्धिक सब्दी उक्त पूरावरों को यी पर्याववाची सब्दी के क्य ये समिनारित स्थिम माना है। उदाहरण के सिए 'मूर्च कार का एक पर्याव निवस सोना पढ़ परपर' सी है।

गोह की बन्य विशेषणा यह है कि इसमें बन्यों की संयोजना तो बनारादि तम से है ही पर्यावताओं तब्यों के नियोजन में भी बनारादि तम का व्यान रखा थना है। इसके बताबा कोल की उपायेणणा की ब्यान थ रखते हुए कोलकार ने बनेक स्थानी पर भूत तब्य के साथ ही उसके प्रत्यवात एवं समास्यत कर्यों नो इतमें स्वतन रूप से स्वतिक दिन्या है।

कारा। है हिन्दी के सेवको कवियों पाठकों विश्वकों एवं मोन्नेक्टूजों के लिए सङ्घ चंद्र बहुत ही जरवीयी सिक्क होता।

-- डॉ गुलाबबार बन

कोश



बक १ जदर बॉकड़ा विश्वती नेबंद संबंधा हिंदसा २ कीट, कटिप्रदेश कमर ३ कोड घोट गोडी ४ चिन्ह चिह्न निकाम ५ जैवर, परीक्षाक।

अक्रवनित अस्विमैटिक गणितशास्त्र हिसाव।

संक्तातिका दे अंक्रमूची।

मचन उरेहुना विषय विश्वीकन बनाना सेखन।

र्शकमाल अकतासिका अक से धर तना अकिकार, आतिगत प्रेमासिका।

अक्त पाचा ताळ, मामा फल्प्य मीसा।

भैक्सामा भैकामा भैक्समाना भैक्स करणाना घटकस स्वयाना अनुमान करणा। सनुमान सपदाना सुरुदाना सुरुदाना सरुपानकाना रहसीना सन्दाना ।

संस्थार दे संस्थात।

सक्तुची संक्तानिका नंबरतानिका मार्केवीट नव्यक्ति-मूची (विक्)। संक्ति अभिनिधित अलीले अन्तिवित व्यक्ति विजित चिह्नित

दर्व एकित जिलिक जिलिक विभिन्न विभिन्न हरतिस्थित। अधित करना विभिन्निकत करना (त प्र वि ) तरेकृता विभिन्न करना निक्ता।

संक्रित मूल्य छन। वास वही-मूल्य (उ. प्र.) पुरतक-मूल्य कितावी कोमठ (वि.) प्रत्यक्ष मूल्य (राज म. प्र.) मूल्य करि-हित मृल्य (वि.)।

संबद्धा संदूती हुछ।

भक्तर मेंबुबा मेंबुबा भोड कस्ता कापन वहें, प्ररोह। सेंकरना दे मेंबुबाना।

र्मकृतित होना दे अबुमाना।

हिन्दी पर्याव कोश / १

```
बकुत
```

## वंदस्त

रै वकान बाच निर्वतन असासन रोक बासन ए मेंड्सी भववीक गर्जाकुतः।

नेकोर मूस नकर, एवड़ी घेंट रिकात।

अंशुमा दे अंकुर।

मेंसुमाना में हुरमा बंबुर फेंकना मकुर फोइना में बुधना बंधुरित होमा अँगुवा फुटमा जयना जभरमा जनमना जमना

निकसता बाहर जाता। संय रै अवरे बन्धन करीचाम २ अंक अनुमाम केंद्र प्रमाम

भाव विभाव द्विस्था व अधीर (दे )।

अंगल १ पुत्र बेटा सङ्का २ केल, बाक रीम रीवी।

अगमा कत्या पूत्री (दे०) वेटी सडकी।

भैवहाना भैवहाई मेना भैवशाना भैविरामा ऐकामा बदन तोकना । संपर नावृत्ये निजायठ सुवर्धा।

अंगना कामिनी बामा बासा भामिनी सुवरी सुपूजी स्त्री (है )।

अंधनाई दे अधिन ।

अंग्रेनिया दे औपनः।

अ्वरक्षक वाँडी-यार्ड (वि ) श्रीर रक्षक (मे प्र ) । संपरका

भैमा संबंधन चपकन चौंना चोसक चोलना चोला बामा जोका-जामा बासायर सवाबा केरवामी ।

धंपरेष अँद्रेश बान्ध बान्सवेशीय योग गौरांव फिरंबी विशापती। **बंबरेकी** १ (विकेचम) अँग्रेजी इसविश ब्रिटिस विसायती २ (संता)

वैदेशी कान्समापा इंग्लिस। १ मपायहस्त मपाइत्र अपादित्र हीतस्य मूला मूला-सॅनड़ा अंगहीत

विक्रमाय २ कामदेव (वे )। श्रमार देश्यंगारा।

श्रंपारा असास अंगार बमन्ता कीवला पहुक्ता कीवला ।

अंचुक अंचुकी चोली (है ) वॉक्सि जा। विया कबूल कबूल प्रदूष संस्थीम बारण मबूद स्वीकार। श्रीकार

ग्राह्म साम्य स्त्रीकार्य । शंनीकार्ये

अपनाया परिशृहीत संबूर संबूरगुका निया हुमा स्वीहत। बंगीकत बैंबीठी बोरसी सिपड़ी। संवोही

जैवली (दे०) अपूठा (दे०) र अंग्रह

सपदा सपुरत संपुष्ठ सँपुषा।

सग्ठी अपूर्वी छन्मा मुंदरी मुद्रिका रिग।

बगुर दाब प्राप्ता प्राप्ताफस।

मयोदा भेंपोछी वैंबीछा भेंगोर्छा वयछा साधी वीशिया।

संप्रत दे संगरेत।

श्रेषरा दे श्रीवतः।

अर्थन १ अत्र इसाडा जिला परिलेग (उ प्र म प्र ) प्रदेश (म प्र ) प्रांत प्रांतर, माम सकस २ (बस्त का) भेंचरा मौबत किनास किनारी पत्सा परन्।

सेवार वे सवार।

सबत बौजन सबस काजन सुरमा सुर्मा। मंजनशालाका अंजनसमाई सलाई स्रमण।

संबद-संबद बहिय-सबद, ठररी ठठरी इक्को-सस्सी। करनपुट अवसी बैंबुरी। संबन्धि

अंजाम १ नतीजा परिणाम फल २ अंत शाहमा परिणात पश्चिमाणि समाणि।

मेंट जाना बटना भमाना धाना कम न पहना काफी होना संरमा काम बसना पर्याप्त होता पूरा पहना पूरा होना समाना।

बंदसंट अन्यटा बनाप बनाप मांग-बाँग भाष-बाँग-बाँग कल-बसूत बैतका बेमिर-पर ना।

मद मंद्रकोष मीती फोटा बैदा २ मंदा दैसा।

अंडकोग अंड बांडो फोता वैडा।

संबद्ध १ सनाय-शनाय (दे ) उत्पर्दीय २ सपद्यन्य गाली

नसीय दानी-गरता।

श्रेंडर अधीन बदर रूम गीचे।

सहरपाउड संनभीम बमीदोड मुमियत । अंडरवियर अंतरीय अंतर्वस्त्र कण्डा कण्ठी वीविया।

श्रीका अंग क्रीवा ।

महाकार अंहाकारी बंदापृति वैशानी।

अंत १ अवसान भातिर इति इतिथी उपसंहार परिसमान्ति समाध्य २ उत्सादन उग्मुसन करम सारमा नात निरसन विनाश संद्रार, ३ में गाम नतीजा परियति परियाम फस

४ मृत्यू (रे॰) ।

संत.घरण अंतम्, संतरात्मा अंतर्गेन सात्मा विका यन कृष्य । संतरात्म १ सर्तिम समय मरसम्बर्धी मृत्युकास २ संतकास मृत्युः

मंत्रकी जंत्र अंति अति।

सततः वंत्रतोगत्वा वंत्र में वाद्विरकार, वाद्विरक्ष ।

सत्य सर्वानत्यां नव म नावरकार, नाहरूरहो नतपुर सन्तरमाना गहस रनिवास हरम हरमसाना।

संतरंग अंवरंती अंवस्ती आंवरिक बाध्यवर, आध्येवरिक यूर यनिष्ठ दोस्तामा भिवरिया प्रीतिष्ठ माष्ट्रिक सैनीपूर्व

**ध्र**नवत हार्विष ।

संतर १ समयाय बसमामता प्रक्र मिम्मता मेह विवसता वैमास २ इसे फासला १

संतरप्राम १ मेर करण नेठवु, जर जिला की मन मानस हुदस २ सार्यत निकट चनिक्क, विन्द्रसम जिल्ही अपनीकी।

संतरराष्ट्रीय हे जेतररीष्ट्रीय। संतरराष्ट्रीय १ जेतच्यरम जेतस् जेतर्यन मन हृदयः २ आस्मा वीध

चीवारमा कह होत। संतरास १ (Interval) संतर(स॰ प्र कि स॰ प्र) समझास

समयोकर सम्मोकर २ प्राथका दूरी : अंतरिका आधासर्थकम समीम वननथकक सुमीक वसर्थकम नुभी-

संदर्भ : दे • नाकास : संसरिम (Interim)—१ संतक्षाधीन सन्तर्वती (वि ) सम्स

कातीम मामवर्धी (म प्र०) २ अस्पापी वस्पकातिकः। अतिरिमाः अंतराज्यर, एकतरा इक्तरियाः, पारी हुसार, पारी ज्यर, समेरियाः।

अंतरीय कैय पूर्शिका रासः

सतर्गत संतर्गिविष्ठ, संतर्गत निक्षिण वरीक शायिक सम्मितित।

अंतर्जातः अंतर्वोध अंतर्वृष्टिः। अंतर्वृष्टि अंतर्जात अंतर्वोध आनणस्य प्रकारः।

सत्र १८८ वर्षात्र निर्मय सामित्र इत्या २ असम्बन्ध अवस्थान

बुविधा प्रक्रोपेक संपर्ध-विषयः।
संतर्धान (संतर्धान वीत्राधि)—सबुस्य (१ ) बोधान यापव विरो-सत्तर्धान विरोधित युद्धः। मंतस्थल र्वधकारमय

(Sabotage)-मुप्तप्नेस (वि ) विश्वेस (म प्र ) इवेस अवस्तर सर्वात ।

अत र्जाब १ गोपन (दे ) तिरीमात्र भूप्त होना समाना समा वाना

२ बांतरिक विभिन्नाम सात्रय मतस्य मंत्रा ।

र्वतमव शामिल सम्मिलव समाविप्ट । यतर्मस्त

शंतपन वे अतरात्मा ।

शंतर्थाणी से प्रेस्टर।

संतर्राष्ट्रीय अतरराष्ट्रीय संताराष्ट्रीय सर्वेदेशीय सर्वेदार्प्टीय सार्वभौत्। भंतर्वती संतरिम (दे ) मध्यकासिक।

सतरोप

(Closing belance) -- बन्तिमगेप अंतिम रोक्ड इतिरोप (म प्र उप वि) वाकिरी बाकी चैक्क बाकी।

१ मध्यवर्ती बीचवासा २ बार्म्यतर, बार्म्यतरिक मीतरी। स्तस्य संत्यासरी संतकासी। अंतरभरी

संतिम संतका अस्य काब्रियी करन परम (च प्र वि स

प्र ) काइनच।

भीतेवासी १ ऋषिज्ञी किया पुरुत्ती काव २ वैत्यव घांडास ।

अंस्य दे वंतिम ।

भंत्यत्र भंतिकासी बांध्यवर्णे असूत मत्यूच्य चांडाच गृहः।

TATE १ भीतर (६) २ वंतपुर बनानसाना रिनवास ३ सतः करण बोतर्मन मन हरम।

बंतरप बंदर का आवरिक साम्यंतर आस्थांतरिक प्रीतर अरकती का भीतरी।

वंदाबा अटकम अनुमान (दे) कृत तत्त्वमीना २ इंग इव बंदाव तमं तीर तीर-तरीका।

र्महाजन संदाब से बंदाविया अनुमानक करीब करीब-करीब शगभय ।

र्मराज्ञा व अविद्या

मेरेशा १ मार्थका बटना निता फिन सोम २ बतरा हर. भाग भय संभात व सक श्वहा संख्य सदेह :

के अधिया। सपकार

बंधभारदक्त बंधरा तथाच्छम तथाच्छादित तथावत **श्रंपका**श्मय तमोमय तिभिराष्ट्रन्य विमिरावता।

*र्वस*कूप

मनकूप मेंगा हुनी सुवा हुनी। र्वपविश्वातः वैद्यमाध्यता वैद्यास्या विवेकनूत्य विश्वासः। alau. ै अंध अलाहीन जनक जीवर औरधरा चलाहीन जनमार वृष्टिवीन विस्थवत् नेववीम मधावल् सुर सुरवात २ वविवेकी मूर्व (वे ) विवेक्त्रम्य । **में** या मृत १ बाबाबुस विना सोचे-विकार विना सोचे-समझ २ वेतदाना वेदिसाव बहुवायत से बहुत बासक । वेवापन वेवता वेवत्व बलुक्षीमता वृष्टिक्षीनता। वैधिवारा दे वंदेरा।

मंबर हैं बंधेरबाता पड़बड़ पड़बड़ी घाँछली २ बम्पाय नरपा बार, जुम्म बेईसाफी। मेंचेरा

१ बनकार, बंधेरा बॉवियासा बॅबेराकृष्य तम तमिल विमिर २ विवकारमय (वैसे वेंसेरा वास विभेरी सव)।

१ मैंघोटी बाहबट २ मेंबेस का स्वीमित (वे मेंबेस) रे संबद्ध सोबी। वे माता।

भंबर जाकाम (दे) २ वस्त (दे)।

वंबरदंबर चॅमनाकी साध्यरिकमा साध्यनासिया। विका

१ मजा महिना मनेवा मणमा इसा वसा कारवासनी विदिना गौरा गौरी चित्रका व्यवस्तुता नित्या पार्वती घवानी पार्पवी मेनकात्मवा रहाची वेकस निवा निवानी चैमना भैममुता सिङ्गाहिमी २ ४ माता।

बबु बंग जम वीय गीर, पानी (रे ) पानीय बारि गिनिसः। संबुध व कमका। मनुब १ व बाबस २ वे समुद्र।

अंबुसर द बादस।

मेंबुनिधि 📂 समुद्रा।

मंत्र १ अये यंड दुवड़ा भाग हिस्सा २ वसरा बॉट

माशिक कप से किसी हुद तक हुछ मंत्र में बोड़ा-बहुत म्ब्रमाधिक क्य में / में।

वकारम

दान

मंत्ररात (Contribution)—चदा वेहरी। बग द किरण।

भंगमान दे सूर्य।

सक्द दे धमड।

अरुप्ता १ सब्द बाना ऐंठना ऐंठ जाना ठिट्टर जाना ठिट्टरना २ सनना सन बाना १ वसड (द ) दिखाना ४ बिट करना

हुठ करना।

सक्दबाद द ग्रेजीवाद।

सक्त्वासी : १ शेवी । ज्ञारपनीय सरुप ज्ञारप सक्ह स्वाप्य :

करुपनीय अरुप बरुप्य अरुह, जनिर्वेच अभिवेचनीय अरुपंतीय

सकस्य द तक्यशीय।

सक्तकाना १ अनुभाना (द ) २ घटटा जाना चकित हो जाना

भौचस्का हाना ।

मकरणीय सक्तंत्रम अकर्म्य सक्तं न करने योग्य।

अकर्मच्य बालसी निकम्मा निबद्दू निरुत्सा । सक्यच्यता बालस्य निकम्मापन निरुत्सापन ।

सक्तम्बद्धाः सामस्य । गक्तमापनः । गक्तसापनः सक्तमनीयः सप्रत्याचितः वर्षमानितः वसमयः।

सक्तर अधिकनर, समूमन प्रायः बहुद्या। अक्तीर अवक सत्यंत प्रणकारी रामदाय।

अक्सार अबूक अस्य पुण्याचा राजवाया। अक्साम् १ अवानक अप्रत्यामित क्य मे आकस्यिक क्य है एक-व एक एकवारयी एकाएक विना पूर्व सुवता के सहसा २

अनामास वैनयोग से संयोग से संयोगनका संयोगनकात्। अनामास वैनयोग से संयोग से संयोगनका संयोगनकात्। अनामंद्र वंद्यान साहित पुतीन नेवाकार नेवायान हिसान

निवास रखनवाना हिसाबी।

सकार्य सकार सर्वाडनीय का कर न सके को काटा न जा सके | सकारमी (Academy) सकाडेमी एकेंडमी क्षानपीठ, कानपीरपद

(उ प्र ) विद्यापीठ विद्यासंस्थात (म प्र )। मकारच १ क्षतामास विना किसी कारण के विशा बात विसा वजह

 इ. मताबास विना विसा कारण के दिशा बात दिवसा के अह देवात वैमतमक वैदयह वैसवक २ शहक में ही देकार धार्कती।

रच निर्द्यक निष्ययोजन निष्यस फिजूल बेकार व्यर्थ।

सकाम १ कुथिश पुत्रा २ कमी विस्तात अनुपत्रक्रियः। सकास पुत्रयः व देश्यरः।

अक्रियम १ क्याम क्षेपमा वरिक्र बीन बीन-हीन निर्वत मुख्योता

मुह्ताम २ तुष्छ वष्ट्य।

अक्टिय अकंट अमितहर कार्मभाग शीवन देश धारवार, पैना ।

सक्तामा नामुन होना चनरामा (दे+) धनहामा आयुन होना । सक्ताहर नामुन्य वैचैनी स्नाकृतस्य (दे )।

सकुमाहर बाकुसता वचना व्याकुसता (६): सक्सीन कंबर कमीन बदबात डीनवृत्तः:

सङ्ख्या देश हराया ।

सकेता १ एकाकी एकमाण इकनीता केवल तनहा २ सहितीय अनुपय साजकाण सामिसास ३ सकिसाहित वैरकारीक्स

छहाः ४ सकेने वयं अकेने-बकेन। अकेसा-दुकेसाः अकेन-बुकेने इकसा-दुकना इक्का-दुक्काः

अकेलापन एकांवता तनहाई।

अपेने एकाकी शगहा । सक्कार है बीठ (

सक्तद्वन व उद्दर्धाः स्वसः द दृद्धाः

क्ष्समंद वे बुढिमान ।

सक्तर अधिकार, अधिकासतः, प्रावः प्रायमः, बहुषा बार-वार ।

मश १ युरा श्रृपी २ भीसर, पासा।

असतः अस्तितः जावस अच्छा आवतः पावसः शहुतः दूर्वार्यपुरः । असत्योगितः असता (जिम स्त्री न कत्री रति न की हो) कुमारी ।

अवस्य अक्षर, हाक्छीहर अवितस्वर, अविनासी नित्व देश्वर (दे»)

भनेत । भनापतृतीया संपनी संपतीय मातावीय । अक्षम निश्चि स्थापी निश्चि (४० मे ) ।

आरार १ के अध्यक २ के सिनि ३ सिनिवृत्त ।

असरकः वर्गेन्द्री-स्थी हर्य-व-हर्य, हु-व-हू । अक्षरी वे गर्तनी।

মান ইংহার। ভিতৰ ইংহার।

असिहीन दे० वंदा।

सक्षेत्र अक्षत मध्यय अक्षर, अधुष्य मखेरित बक्षिम्न अवस अन व्यक्तिम अर्थय अर्थयी अर्थेवित अधवत अभन अविभवत सविमानित सन्तवहित सविभाग्य निरंतर, पूरा पूर्ण मुसस्तम साबुत सालिय। दे मिनिभाज्य निरंतर लगा तार ।

यचंदता **व**िञ्नता वाधानता पूर्णता साहस्य ।

अज्ञत अर्थंड मक्तिन अभन्त ननिमन्त अनिमानित पूरा मक्रवित मुसल्लम सामुद्ध सालिम।

वे समाचारपत्र। मसदार

अच्छा न सगना अप्रिय सबना कप्टकर सथना कप्टकर होना संसरना करकना क्यक्ना बटकना बसना पहना चुपना टीसना

टीस मारना भावबार बुबाला बुख स्वना सासना। १ बसवाट बसवाटक कसरतवर, मस्त्रपीठ मस्त्रपूरि मस्त

मलाहा शामा रंगभूपि रंगालय वर्णविश्वगाइ ध्यामामद्यामा २ मठ।

धवित दे संपूर्ण ।

मस्तियार वे अधिकार वधा

अन्यिनतः सरस्य वैद्यार। भवचित

सगम हे कठिन सबस्य बहुए। असम असमनीय अवस्ट औषट, गहम दुर्यम दुर्यम्य । स्यस्य

संपर १ बदरने को यदि २ अयक सुकाद।

यो कि बाबन्व इसके कि संचपि। सपरके

मगन-वचल बास-पास इधर-दक्षर।

बाबामी दृष्टच विकटतम नेक्स्ट, वरवर्ती पास का । संगम्

संपन्नातीः हे स्वायत।

अवस्त्य कुंभव कृंभवात कृषयोनि कृंभसंभव घटच घट सयस्त योगि बटसंमब घटीवृमव।

अवहायण मार्वेसीर्य। सगहन

अपहनी अवहनियाँ अविनयौ आवहायणिक ।

टे विधिम। समाह

वे वयाहा भयाच

अधियाना बम सबना वर्षे होना बलना बसन होना छप्त होना छपना इन्छ होना बहना बाह होना ।

```
अकाश १ दुर्गिस, सूचा २ कमी विस्तात अनुपत्रक्रिय !
  मकास पुरुष है हिन्छ।
    अविश्वम १ क्यास क्याना वरित्र बीत बीत-बीत तिर्धत मुफ्तिस
              मुक्ताम २ सुच्छ शवध्य ।
     सक्टियः सक्ट सप्रतिहत कार्यक्षम तीक्ष्य तेव धारहार पैता।
   मक्तानर
             माकुस होना चबराना (दे०) भवडाना स्थानन होना ।
   सक्ताह्य आनुसता वेजैनी व्याकृतता (है )।
    समारीय कचार कमीन बदबात डीनकुम ।
     科学四等
             रं० इसध्य ।
     क्षेत्रम
             १ एकाकी एकमात्र इक्सीता केवस तनहा २ अदिवीव
             अगुपम जाजवाम धार्मिसाम । अविवाहित गैरसारीमुदा
             छता ४ अकेने दम अकेने-अकेन।
शकेता-पुकेता
             अकेमे-बुकेने इकमा-इक्या इपश-बुक्का !
   अधेतापन
             एकविया समहाई।
      अवेत
             यकाकी क्षत्रशा।
     सरसङ्खेशीतः।
  मस्मक्रपन दे प्रहेंबता।
      लमस दे बुद्धि।
    श्रासमाद दे विज्ञान ।
     असार अधिकतर अधिकामण प्रायः, प्रायक बहुधा वार-वार।
       समा १ वदा वदी २ भीसर, शसा।
      क्षातः अवस्तित पायस अच्छत आवार पायस र्वदूस प्रवादेदुन ।
             असता (जिस स्त्री में कभी रति न नी हो) प्रवारी !
  असत्योगि
             बद्धर समर्राहर बनिनम्बर मनिनाची निन्म दैसार (दे )
     सर्चन
             अलीर ।
स्रापनुतीया अवनी अवतीय आवातीय !
 क्षाना निधि स्थायी मिश्रि (म॰ म )।
      असर १ वे अक्षम १ वे निपि १ निसेत्म।
    सधरम व्यानिश्यों इर्ड-व-इर्ड ह-य-इर्
    अअरी है जर्मनी।
      असील
            के अर्थना
   अभिहीत में बंधा।
```

समियाना

मबंद

मबंद असत मत्तव मत्तर, मञ्जूष्य मबंदित अस्तिन अवस मन बण्डिन वर्षेग बर्षेगी वर्षेत्रित वभनत अभन सविभनत अविभाजित सम्पर्वाहत सविभाज्य निरत्तर, पूरा पूर्ण मुसस्मम साबुद सासिम। दे अविभाज्य निरंतर सया तार । बक्तिनता समन्तता पूर्वता मारस्य ।

यसंदता

बज्ञ बख्द बंखिन मधका बविधका बविधावित पूरा सर्वेदित मुसस्मम सामृत सामिम।

संसदार हे समाचारपत्र।

अकरना बच्छा न सबना अभिय भयना कप्टकर समना कप्टकर होना करकता करकता चरकता चचना शहता चुधना टीसता टीस मारना नाववार गुकरना बुरा बगना भासना।

१ बधवाट बसवाटक करारतघर, मस्त्रपीठ मस्समूमि मस्त COLUM बाला रगमुमि रवासय वर्धवस्थाह भ्यायामदासा २ मठ।

यसिम दे संपूर्ण।

मक्तियार दे अधिकार, गरा।

जगजित वनविनत असंख्य वेजुमार।

अगम दे कठिन जगम्य गद्वराः।

स्यम स्वमनीय अनवट शीवट यहम इत्म इदस्य। बयम्य

असर १ जनरचे जागदि २ असर सुदादः।

मगरचे यो कि बावजूद इसके कि संचपि।

भास-पास इमर-उपर। मेंपल-बर्गल

आवामी दूसरा निकटतम नेक्स्ट, परवर्ती पास का । सपता

अपवानी हे स्वागत।

अपस्त्य कुंचन कुमनात कमनानि कूंपसंसद बटन घट अगस्त याति वटसंभव यटोदमव ।

मगहर बदहायण मार्वेशीर्य।

अगहनी अनक्तियाँ जननियाँ आप्रहायणिकः।

मपाऊ दे अधिम।

भवाष वे ववाह।

वर्भ सबका यम होना असका असन होना तप्त होना दपना मगियाना यम्ब द्वाना दहना दाहु होना।

हिन्दी पर्याय कोच / १७

```
सयुवा/सा वाली नेता रहनुमा रहनर।
        मनुबाना दे सहसर होता ।
        मरोक्तर १ संवर्धान अवासुष मतीनित्रम सन्तर (है ) सन्दर, सनी-
                 तिक अमृतं अमक २ ईश्वर (दे )।
       अपोरला
                 अयोग्या करमा चौकसी करमा चौकीवारा करना चौकीदारी
                 करना चौची देशा देखमा देख-देख-करना राहा करना रख
                 वाली करना वहरा देना पहरेबारी करना सुरक्षित रक्षमा
                 विकासत करमा ।
          सचित्र है आचा ।
       अस्तिका दे जिल्लारीः।
      अभिनेट विजनीक अभिनीरी सर्वटा
      अस्मिकीका है। सम्मिकीट ।
      वस्त्रिहोत्र
                हमनकर्म होम (
       अंच्याच्या
                अवना अक्षमी नायक नेता प्रधान प्रमुख गुक्रम शरदार।
                वश्चनया सान्त, बादा दादू, धैया ।
         सञ्चल
      सप्रजनमा वे सक्रमा
        अपनी
                दे सरवन्य।
                पद्रम से पूर्वता।
        भग्रत
       मेंचराय
                (imprest) पेसनी (स स ) महिमा
                १ मध्यी गावक गेना (वे ) २ जम्मावक (वे )।
        में प्रवृत
       अप्रवर्ती
                पुरोवामी (न+ त+) नप्तस्थित (ग प्र ) पहले का।
   मक्तर होना
                अवदाना आये बढना आवे जाना उल्लेख करना तरक्की
                करता बहुस करता शहनकम्मी करणा शहना।
               टे अवेवम टिप्पणी।
 अपसारक लोह
अक्षारित करता - जार्रातत करता जाने बदाना फारवर्ड करता ।
     अच्छणीय वे मदाहा।
       मताहा अग्रहणीय अस्त्रीकार्य ।
        अक्षिम (Advance) अपाळ अक्षिम धन (त प्र ) प्रेथवास पेसवी ।
arders freezel
               (Forwarding note) अपसारण-भोट (य प्र वि )
               धारमधिय मोट ।
               (Forwarding letter) अवसारण-पत्र (ब प्र
    अध्यय-यम
               अपरि-एम (स. प्र+) पारवीति मेटर।
```

१ = / दिल्ही पर्माय कीश

(Forward) अवसारित करना अवयण करना आने मेजमा सर्ववित करना कारवर्ड करना ।

> अपकर्म अपहरय कुकर्म गुनाह पातक पाप। मप

**सर्च**मा अचरज बाहवर्ये ताज्ज्य विस्मय हैस्त हैरानी।

अंगरवा सेरवानी। संबद्धन हे सर्चमा ।

संचरव

१ गिरि, पर्वेत पहाड़ (दे ) २ अकप अकर सटम सदत अधिय अद्वियस अड थुड छुव निश्चल मुस्यिर स्वावर क्यिर ।

१ पृथ्वी (१) २ निश्चमा मुस्बिरा स्विरा! वचता

अक्स्मात् अप्रत्याधित रूप से बाकस्मिक रूप से इक्बारबी संचानच एकाएक एकाएकी थक-ब-यक सहसा।

भेंचार, भेंचारी कचरी तेमहा निवकी निवकी निमकी संबार पनिहा भीटा सिरक्हा।

सचितनीय समावनीय। वसित्य

सब्द अक्टीर, धनोव बनिष्क्रत श्रीक पस्का रामवान ।

सचेत चेवना: पहित चेतना जून्य बेहोज (दे ) बोधरहित बोधनून्य मुच्छित (दे)।

वेतनारहित वेतनाजून्य बद (वे ) निर्वीव। नचेतन

१ बच्छा-खासा अच्छा-विच्छा अच्छा-पत्ता अनिद्र अमंद बच्छा भाषा उच्च उच्चकोटिका उत्कृष्ट उत्तम अँचे दरभका उनदा जुन चोचा ठीक नक नहिया बेहदर, पना २ सुम अनुनवाना ३ उचित सप्रकृत ठीक बुरस्त सही ४ दे मृत्दर, १ सस्तु चैर हा ६ भाश्यमें है है ऐसा है !

बच्छापन उत्तमता उत्तप्रांना उध्यमी घष्टता। मच्छाई

दे मण्छ। संच्छा-सांधा

भेत्पन अनुभृचितनातीय सस्पृत्य इश्निम । असूत

१ जनमा सनावि २ देवना (रे ) व विष्णु (रे०) ४ NI. ईस्बर (दे ) १ आरमा (दे ) ६ छात्र बकरा मेशा B कामस्य (रे )।

सङ्बद्धाः । मजपर

अवदहाः अवगरः।

अधनकी बजाए धनवान अपरिचित माणाकियः।

अभिकास अन्य अवस्था वनकनमा अनुसार अनुसिद्ध वारोनि निरम्प राज्यात समार्थन ।

सबय अनेय अविश्वितः।

संबंध अनेप बोर्चाबत्। संबंध १ संबंध-संग्रह सर्गत बनस्वर, संग्रह, बराहीन २ देवता

(हे ) व देखर (हे०)।

संबद्ध मार हे सबर। सब्बद्ध हे सवासार।

समझ देशवातार।

समायवद्यर भनायवतानाः म्युवियमः।

सचित्राज्यः परिज्ञीतः विद्यानः। सचित्रः नीयन सहसः।

अजीव सनीवीगरीन अजूबा सद्भुत क्लोखा बसामान्य बारवर्ष बनक वेडव विचित्र विस्ताय ।

मजीर्ण १ अनवण अवण जन्नचा वरहवारी २ जाविका जिल्हा वाहरू वहतायत ।

मधेय अवय अपराजेश अविजेश ।

सम है। समानी !

सम्मतः नामा समामता अमिपक्रमा अमादीयम अमादीयम अमेक्षता नाम्मकपमा कमनस्मी पद्गता बहासत मादानी मात्रमात्री बुद्ध पना नेवकुषी बुद्धिहोसता मुन्दा मुर्चेता।

सजात स्थानी सन्जान सन्वयत सपरिचित समितित नामामूम।

सतान दे वज्ञाः। सन्तरता वे सज्जाः।

जज्ञानी जज्ञ कराड़ी जबोध जद्दमक प्रवक्त धोवरधर्मेश वॉब् जड़ गाधान गासमज्ञ निर्मृद्धि बुढिहीन शोड़ संस्कृद्धि सूर मूर्च इतकृद्धि।

मन्नेय भनोचर, ज्ञानातीत ।

মতেল। অনুসা অনুসাপ লাগা বলমাণা বিশাণ তহুংগা গঠননা আননা লামাগ্রুলা করনা ক্ষাবত বিচল গুলুলা অন্তে হী আনা।

सटकसः १ संदास अनुगान कथास कृत २ पूर्वानुपान पालकपतः। सरकसपत्त्वः १ अंदानी अनुजानधित २ संदानप यंदाससे अनुनात से मनुमानवः।

मरकसवाच वटकतिया बनुमानकुशनः।

सटकत्तदावी अंदात वश्कम वशुगान कथासः।

सटकाना अवस्थान अस्त्राना उत्तराता छेकना विकास ठहराना देर सवाना वसाना फँसाना स्काबट बासना रोकना बाधा बासना विकास बासना।

अटकाक अक्रमन प्रतिबंध बाह्य रकावट रोक विचन।

अटकार बन्दन प्राचम बाधा रकावट राक विकास अटका १ कठिन (दे ) टेवा विकट दुवंग दुस्तर २ झटपटाँग

सनोधा (दे ) विचित्र सवीव ३ सम्पवस्थित (दे )। सदल अवस सब्दिय सपरिवर्तनीय अवस्थानाची सविचल धूव

निस्य पक्कास्थिर।

बरबी अरच्य कोताद, कानन बंगस बन बन ।

सर्द अवस गटस वर्गडनीय वर्षाड्य शृहः।

बरेस्ट करना सनुप्रमाणित करना सस्योक्त करना सस्यापित करमा शास्योकन करना शास्योक्ति करना।

सद्दहाल (कोर की हुँची) क्ष्यक्त क्ष्यबा दहाका। दे हुँची। सरवारिका स्टा बटारी कोठा बाकाकाता।

बर्द्दातिका भटा बटारी कोठा वाकासाना भटठाईस मठाइस बन्टविशति।

स्टार्स मध्यम् वेसी। सटन्से स्टेमी वेसी।

महारह मद्दारह मय्दर्श मय्दर्श ।

अइंदा सटकान बामा स्कावट रोक निम्न स्पन्धान।

सद्यम सटकाव अर्द्गा सम्बाधा (ग प्र ) एकावट रोहा प्रति

बाधा (स. प्र.) बाधा (दे) विध्न व्यवसान : स्रोडिय दे शटका

अक्रियम दे इठी।

माकृषण प कृष्ण अस्त्रक्षा १ पहाचस्टॉप स्टेशन २ करवा व स्रवरी(कबृक्षरॉ

भी)। महाद्वै बाई

सम् १ कम कलिका वर्षे परमामु २ समृदारीक सूदम।

सतः शतपुर इत कारण इस कारण ≣ इतसिए, इती कारण इती नारण थे।

मतएव देवत∵।

```
अतस
```

वरिवयोक्ति

```
मतल देश्यह्याः
मति पयादा(दे) यहस्य वि.)।
```

अस्तिआवश्यक (Urgent) अत्यावश्यक अविश्व (केन्न) अविश्वस्तीय भाषस्थक (उ प्र ०) गर्रत एकरी (४० प्र ) ।

भावस्था च ४०) पूरत वकरा (स० प्र.) स्रतिकम विशेषा सम्बद्ध सुरुपेशहार, सर्मशार्थस्य विरोध व्यक्तिकसः

सरिष्ममण (Violation) उत्संचन श्रंव (विश् स प्रः) स्रोबन्तः । अतिक्रमण बरना (Supersede) व्यतिष्ठित करना (यः प्रः) अतिक्रमण करणा (विश्) अवक्रम करना (प्रःपः) उत्संबर करना

अतिपुष्त (Most secret) परम योगनीव (वि ) परमञ्जूषा (राज ए॰ म॰ वि )।

मतितात्कांनिक (Most immediate) वात्कांनिक (वि ) वर्षमा वत्कास

(म प्र ) तत्काम (वि ) अतितृत्ते (हरि ) । स्रतिवि पात्रम पात्रमा मेक्समाय बम्मायतः।

अतिविष्ह (Guest house) शतिविषयन (वि ) शतिविक्षामा (त प्र ») मेहमानवाना।

सरिविशासा है+ व्यविभिन्त।

मांचमा ।

मतिविश्वतकार आविष्य अविविश्वेषा मेहमानदारी सत्कार।

अस्तिरिश्व अधिक अभावा इसावा युसस्ट्रा छोड्कर फालबू, विदारिश्य विवा विकास

भतिरियतं समित्रः देश सपर समित् ।

सर्तिरिक्त समय (Extra time) वशिष्ठमण (वि॰ म॰ त्र ) वशिक समय (स त्र )।

स्रतिरिक्त विकास-मता (व प्र+) विविधम भता (वि )। समय-मता

अस्तिरेक अधिकायता वाधिकय क्यावनी वाहुस्य। अस्तिकय (Over age) अधिक आषु ।

सतिमारी (Extremist) परमवादी।

सतिसप दे बंधिक।

स्तिसम्प्रा अधिकता (दे ) स्वादशी (दे ) बाहुस्य ।

अतिसमोन्ति अतिरवन अतिरवना अत्युक्ति वहाकर वहना वहा-वहा

```
मदायवी
मविसार
```

कर कहना।

मतिसार वेचिया संप्रहणी।

वतीत गत पूर पूरकाश विमत स्पनीत।

दे अतुसनीय। सर्वत अतुलगीय अतुल अनुपम अदितीय वैओड़ अप्रतिम वैमिसास वेनवीर

साजपाव सामागी।

रे मधपूष्ट । सतृप्त

मत्पतः है जल्पधिकः।

अरयधिक सत्यंत सधिक (रे ) चोर (रे ) क्याबा निहासस बहुत बक्षिक बहुत प्रवादा ।

अंधर, बनाचार बन्याय अनीति अपकार, उत्पात कृरता अत्याचार बळा बनरकस्ती कोराकोरी विवासकी बूस्म स्थानकी

बुराचार, बीपा-बीयी श्रीयामुक्ती नशसदा सक्ती। बत्पाचारी व्यविचारी अनाचारी कावतायी जानिम बूल्मी नृतस

वर्गर । **स**रमा वरमञ् मनिवार्यतः भावस्यकः सपरिद्वार्थः सब्देट ।

#प

**बारं**भ प्रारंभ विस्यिक्साह चुपारम चुरबात युक्त भी वणेखाः ।

संबंध भाके या था।

सर्वोरिटी (Authority) बविकार, प्रमुखा प्राधिकरण प्राधिकार (केन्द्र भावि) सत्ता (वि )।

अनाम अक्षतस्पत्ती नद्दन गंभीर, नद्वरा । जपाह

सरहरीय -सबस्थान सर्वह्म ।

(Inefficiency) बकुचनता (वि ) मपट्ता समनीमता नदश्ता

(H H ) 1 है सक्या। सदद

मदमनीय प्रशास प्रचंड प्रथम पूर्वम । मरम्य

दे जदमा-बद्दमी। शहल-बदल

भइना-बदसी बदल-बदल बादान-प्रदान बदलाव विनिधय सेल-बैन।

अरा १ के चुक्ता २ कंप वक तौर-तरीका नवास हाक

मदायगी सदा कर देता चुकता कर देता देता वेबाक कर देता वेबाकी

हिल्दी पर्याय कोच / २३

मुमतान ।

स्थासतः इनकासः क्ष्मश्री येतासम् कोर्ट न्यावासयः स्थानाधिकरणः। स्थानती कामुनी विधिकः।

सरामती जोग (Judicial enquiry) स्थापिक जोग (राजन च प्रन

कि सम्।

सब्स्य मेराजीन बसोचर सब्ध्य सब्ध्यिकोचर, जोतस सामग्र किया सुध्य विमुध्य ।

सबुध्य (Unformeen) सकरियत (वि ) सत्तिक्त (वि ) समस्या-विका (उ० म ) सबुध्यपूर्व (स म ) सपूर्व बृध्य (म० म ) समवेकित (चैन्स क म स० म )।

सर्वेह १ सत्तपु सर्वेही सर्वव सर्वायी सक्वारियी ए कामदेव (हे )। जब्दम्सा समीव धनुवा सनुद्धा सर्वोक्षा सनुर्व सप्रतिम सस्त्रीतिक संसामान्य सावचर्यजनक पासकारपुर्व निरासा विकित

विमालक विश्वपकारी विश्वपक्षका ।
मधानम (Up-to-date) नदाविक व्याविक भाव का नाम दक

का बादिशक बाधुनिक बाधुनिकतम नवीवदम नव्यदसः स्राप्तावीतः १ के सक्षयनः २ इस स्वयदिकः स्वयदक साम दकः।

शक्ति वै पहाइ ।

क्रमिय अनेना सपुन अनुस्तिय जनन अनुप्य अपूर्व नप्रतिय केनोप्र केनिकाल सामवान भारति।

क्षप्रकारा जगरियकाः क्षप्रमा सम्मी प्रवसीः।

शक्ती देश्यप्रमा।

समस्था भारा नगरामा गहर।

अवम बोछा कसीन कसीना कुस्तित शुद्ध वटिया जिसेरा कोटा तुम्क तुशक्रातितुम्छ नाचीक निषित्र निघ निवस्द, निरुत तीच वीचावय योच प्रशिक्षण वदमास वेदरनत:

सवर : अधराष्ठ, बोप्ड, वन वींठ।

सवर्व है। पाप।

भवर्मेय (Opening balance) भवरबंद (अ प्र ) आदिवेद (केन्द्र) बार्टम केद (स प्र ०) पिछमी वाकी (स प्र ) प्रारंपिक क्षेत्र (स प्र ०) वाकी, रोकक् क्या केद ! परिक कांतिरिक्त कांतिकाय सतीन सहस सनुभनीय सहसित अत्यक्षिक कांत्रिकांश व्यवस्य अपरेपार अपार, समित सातीन स्यावा (१) प्राप्ततू वचा हुमा बहुत (१०) केंच वेजी किरोप ।

अविक आर्थु (Over≋ge) अतिकास (उ प्र∗) वधीलार वयोपरि (स प्र ) वसातील (कि स प्र )।

विकास (Maximum) एक्पलम (म० प्र•) महत्तम (वि ) सबसे जगाता।

स्विकतर १ सक्तर, क्षिकांत क्षिकांश्वतः, अमूनन प्यासादर, प्रास प्रास करके प्रास्थः बहुधा २ इत्पेब-करीव प्रास्त, समगग ।

মাৰিছনা (Eucess) মানিকৈ (ম ম ) বানিলখনা ৰানিকৈনতা বাবীলোকা মানিকৈনতা নামিকাই (ম ম ম ) মান্দৰে। বানিকাই কানিকাই বাবীলোকী মানুকা বানিকাই বাবীলোকী কানিকাৰ কানিকাৰ কানিকাৰ কানিকাৰ বাবীলোকী কানিকাৰ কানিকাৰ

बधिकमास पुरुयोत्तम पुरुपोत्तम मास मनमास सीह।

मिकरण १ (Tribusal) न्यायाधिकरण (च प्र वि म प्र ) २ शास्त्री कारक सन्तर्मा।

निपर्णातः निवक्त भावः करीव-करीव काफी क्याचा हिस्सा पर्याप्त सन्दर्भः

मिक्कारातः । अक्सर, अधिकत्तर, समुमन वनावातर, प्रायः बहुद्धाः।

मधिकाई हे मधिकता।

स्विक्ताना अधिक होना श्याचा होना बढ़ना जिलेप होना जुडि करना नृज्ञि पानाः हे अधिक ।

स्रीयकार १ अव्योदियी आधिपत्य कव्या श्रवा प्रपृत्व प्रमुखता स्राप्त सरा स्वत्य स्वामित्य हक २ विक्रियार काबू स्राप्त व्यव वे पारणित पूर्ण काव ।

मिकारपंत्र मुक्तारनामा ।

अधिकार में (Occupy) अधिकोण करना (वि ) अधिवास में रखना करना (म प्र ) अधिवसित करना (म॰ प्र ) बस जाना (म प्र ) दक्कण करना (हरि स प्र स॰ प्र ) ।

न १ वर्षण करना (हार स प्र सक्य )। निकारसंपास निवास सिवास सिवास सामित स्वास कार्यास, नाष्ट्रीसर, बानेबार, पदाधिकारी प्रतासक गासिक राजपूरण नासक

हिन्दी पर्याय कोश / २५

स्थानवारी स्थामी हश्यार २ पंकित पूर्वजाता पूर्वज (मैसे क्रिकारी विकान) व उपनुषत क्षमसावासा पान योग्य।

अभिकारीतीत्र ये० गीकरसाही ।

व्यविकाष (Encroschment) विश्वम (म. प्र॰) विश्वार (प्र

प्र) बना सेमा (राज म प्र+) । अधिकार्च (Occupation) १ आधिपत्य (स म ) ध्वका (राज

ज प्र) रक्कम (वि स प्र•) । समिवेश (Mandeta) शावेश (स॰ प्र•) प्रापेश (वि ) समावेश (ज प्र) ।

अविवेदारमक (Mandetory) गाँदेवारमक (राज ४० प्र.) प्रादेवारमक

(वि॰) समाविष्ट (च प्र॰)। विनायक विषटेटर सामाबाद निरमक साक्षक।

विविद्यम (Act) ऐक्ट (विश् म प्रश्)।

स्तिमित्रमण (Ensemble) निर्माणसमिति (उ. प्र. वि. प्र. प्र. ०)।
स्तिमित्रमण (Ensel) विश्वान नताना (२० प्र.) निर्माणसमिति करणा

वसना (गर्म)।

अविपति १ अधिप अधिराज अधिराट् प्रवेश्वर महाराज महाराजा धिराण अवुभाव समादः २ त्रम् नानिक सार्व स्थानी।

सर्वेद्रसम्बन्ध (Authentification) प्रमाणीकरण (वि म प्र•) प्रमा

अधिप्रसाणित (Authenticated) प्रवाधिक प्रभावीहरू पुस्तक्ष — करणा अधिप्रमाणिक करणा (तभी) सस्वीक करणा प्रमाधिक करणा (य॰ प्र०) प्रमाधीकरण करणा (व प्र०)।

व्यक्तिमार (Surcharge) विशेष कर (ग प्र ) महिकर ।

समिमान (Preference) सम्मान्यता (म मं) सरवीह (समी) सरीमता (स म•)।

मिष्णास अधिकमाध मनगास सीव।

कमिरोजितकाला (Imposition) वारोपिन करना (अ अ० वि० प० अ०) वारोप करना (स अ )।

क्रियमस्तर (Pleader) अभिवत्तर (व म ) प्लीवर (वेन्द्र राज य म ) वजीस (वि यन मन इरि )।

२६ / हिम्बी पर्यांव कोश

1

स्विवर्गततः (Superannuation) अधिवर्णितः (वि म प्र) अधि वार्षिकी (म प्र राज) निवर्षन (केन्द्र उ प्र हरि)

बार्धक्य (बि ) बुद्धापा (च प्र )। अधिकास अन्तर्भाग जन्मस्यान निवास क्वनः।

भाषवासः चन्मभूमि जन्मस्यामं निवासं वर्तनः भाषवासी निवासी वाशिवा राष्ट्रवेशासाः।

अधिवेशन कार्यस्य जससा बैठक सम्मेसन।

समिसमय (Overtime) सर्विरिक्त समय (केन्द्र राज उ प्र )

सौदरटाइस स्रधिक समय (सं प्रं)।

स्विमुखना (Notification) विकारित (उ. प्र. वि. स. प्र.)। स्विमुखन क्षेत्र (Notified area) विकारत क्षेत्र विकारत क्षेत्र (प. प्र.)। स्विष्ठरण करना (Confiscate) राजसात करना (वि.) राजसात करना

(उ प्र ) समग्रहरूम करना (म प्र )।
अभीन मृत्र सम्बद्धित सम्बद्धित

मामित उपजीवी उपाधित तावे तावेदार निर्मर् नीचे परतन परवा परमुखापेजी पर्यायत मातहत मुखापेजी वसवय नववर्षी वधीभूत∗वस्य सरकायतः।

बधोनस्य (Subordmate office) अधीन कार्यासय (वि )।

भवीर आकृत आयुर उद्विम्न प्रवृतिय प्रवादता वेक्सरार, धेर्मेहीत वेठाव विकत स्थादता स्थार।

भयूरा मपूर्ण वर्षपन्त वसमाप्त बाधा ।

सपेड़ बधवैशी बनता श्रीड़।

अमेली दे बठागी।

सबीपति बधोदया सवनवि दुववि दुरैया पतन।

स्थोनोक पातान रसावतः।

क्षप्रयक्त चैयरमैंन निवेशक नेता प्रधान प्रमुख प्रसिद्धे सदर, समा पति स्पीकर, हेव।

मध्यक्ताः वैयरमेनी संबादत सभापतित्य ।

सध्ययन समुग्रीसन पठन पठन-पाठन पड़ना पड़ाई, पड़ाई-निवाई, परिक्रीसन परायण मुतासा मुताससा तिवाई-पड़ाई, स्वास्थाय।

सम्मयनावकाश (Stody Icave) कम्पयनार्वे छूट्टी (वेन्स्) सध्ययन-सरकास

द्विष्टी पर्योप कोश / २७

(उ ४०) अध्ययन-पूर्टी (वि ) स्टब्री और । सध्ययन-बोच्च पटनीस पहले-योग्याः

सम्मक्तीय वश्यवन-बोच्च पटनीव पहुने-बोच्च । सम्मक्ताम उद्यम पराक्रम परिमाम पुरुषार्व मेहनत ।

भव्यवत्तामः चयम पराक्रमः पारमसः पुरुषानं मेह्नतः। वस्मनतायोः उत्तमबीसः उत्तमी पराक्रमी परिवासी प्रसलप्रदाव सस्पत्रीतः

क्याकाश्यः उद्यक्षास्य उद्यक्षाः पराश्रमा परिवर्तः प्रयस्त्रप्रदश्य सस्यक्षीः महत्रति ।

सम्मात्म सारमा-ग्रेवह सारमा-गरमारमा-ग्रेवंधी सारमा-गरमारमा विषयक सारम-गरमारम-विषयकः।

क्रमावक बावार्य उपरेप्टा ज्याच्याव उस्ताव बुव टीवर, प्रोकेसर, मास्टर, विशवः।

क्रमानकी टीचरी पद्मना चाठन प्राञ्जनसे नास्टरी विकल्प ।

মধ্যাদন বীয়াশ বহানা ধর্বন্-নিকানা থাকে হিমাদ সহিমাদ বিকাশঃ

कस्यापिका उत्त्वाको मुख्यानी मास्टरनी मास्टरानी पङ्गानेकासी विशिक्षाः

सस्याय जननास कोड वाट, प्रकारन प्रकास बाद सबके समुस्तास, सर्वे स्टब्स

सम्पेता (Fellow) मोशपार्थंव (उ. प्र.) बम्पयमक्ती वहुनेनाका पाठक विशिक्ष सम्पेती (स्त्री.) १

सम्पेतावृत्तिः (Fellowship) समित्रवर्ततिः (वश्यः सः शः) वसि वितिकः (विः) विकावृत्तिः (राजः विः) सम्प्रमूतिः वजीषाः स्वितिष्यः।

सर्वय अवेडी (दे ) कामदेव (दे०) !

अनंत अंतर्हिन अनियनत अपरिमित अपनिय असीम अपार, वे अमार, वेहर संस्थातीत सीमार्थीता।

अनंतचतुर्वेसी अनंत वर्गततृती अनंतचीयछ। अनंतचीरध वे अनंतचतुर्वेसी।

अनेतर भाषे उपरांत तुरत बाव तुरंत ही पश्चात, पीछे, बाव बाव में।

अनुभक्तः अकृषित अनुष्य विना पहाः

अन्यस् विना यहा हुआ उत्यह-दावह वेडोल वेडेचा वेडुचा पहा। अन्यिततः अपन्यतिय अविति अवसीय अवस्य अन्यति अपित सर्वे सित अर्थेठ अन्यितनी अमर्थिम अर्थेटम स्थास बहुत

२= / हिम्ही वर्षीय कीश

वयाचा वेमुमार, वेहद सक्याठीत इव से स्थादा !

मनवाहा वपाहा अनिमन्दित सन्धीप्ट सनाकाक्षित सनिम्छ्य।

सन्तर्भातः सन्तर्भा सनामा ननभीतः सनभिक्तं सपरिचितः द्वैदः परामा वैभागाः।

सनजाने बजानतः विना बान विना जान-पूत्ते विना जाने-पूर्ते ।

सन्देखाः अदेखाः अनदीठ अनदीठा विनवेखाः।

अनिधकार अधिकार पहित अनुचित सैरवाजिक नाजायक।

सनिविद्वतः (Umanthonsed) नाजायक (वि मश्य) व्याधिकृत (वेन्द्र राज उ.स. वि.) विनासिकियर के।

सनक्षेत्रता (lesubordimation) अनक्षीतस्थता (कि ल प्र) अनक्षात्रता (म प्र) अवक्षा (कि ल प्र) अनक्षात्रतिका (म प्र) अवक्षा (कि म प्र) अविनय (कि) अक्षात्रक्षवन (कि)।

अनम्बास (जिस दिन पाठसाला न पड़ाई न हो) अंशा अवशास छट्टी जिसास।

सनन्त्रेय बक्त अतीन अतून वपरियेय वैजेदाव।

सनन्मोदन (Despproval) सस्वीकृति (स प्र ) निरमुमोदन (उ प्र )। सनन्म सकेला अवितीय सन्तम अविध्य दश्मीता एवनिष्ठ, एक-

मात्र समक्य बही।

अनयक समिश्रित सपक् नासांका निरक्षर निश्व कोद्रा पद् पत्थर, कामा सक्षर भैन कंग्यकर।

सन्पेशिक अनुवाहा अन्पेष्ट्य सनिव्यित जनावस्यकः।

भनवन कसह सटपट, समझ विगाड मनमुदाब सड़ाई, विधेष ।

समित्र सहाती (६ ) अनंबात (६ ) अनाही सनस्पत्त अपरिचित्र (६ )।

মন্দির্কা (Ignomuce) মহাদ (র স ম সঙ) স্বাধান্দ্র রুপন্ধির।

अनुजिल्लीत अनुपाहा (वे ) अनुपेक्षित अनिविष्ठत ।

अनममा अन्यमनस्य चेवासं विधनस्य चन्मन खिल्म चथाट, प्रश्चड्डा हवा ।

अनमभापन अन्यमनस्कता उदासी किन्नमा।

सनमोतः समूत्य वीगती बहुमून्य मूस्यवान वैश्वकीमती । सन्तित सद्दी (Uncarned leave) सन्तातित स्टटी (वि )।

हिन्दी पर्याय क्रीम / २॥

१ मानिष्ट अपकार, महित हानि २ वडवड पहनही सङ्ग्र दुष दूसा।

वनर्वकारी १ मनवंकर, मनिप्टकर, बनिप्टकारी २ बूस प्रयक्त हानि कर ।

अनम दे जाय ।

अवस बबुक्षण अविध्यत रूप से अविशय निरंप मिरंपर, सनवरत बराबर, बिना रके मुसबाविर, मुसससस समाजार, सत्ता

अपनास उपास निरम्त निराहार, भूबहृश्ताम मोबन म **म**नसर्ग करना नैयम इता।

मराव मकर, बजर-समर बमर बमर्स मृत्युवय वरिमाती संबर्धर चिरस्याची नित्व बास्यत समात्रन स्थानी।

अरमुना बस्त व सुनः हुना ।

मनहोती बद्भुत (दे ) बनौतिक (दे ) असंसव बहीती।

बाब्बापक ततुक्षीयक बाक्का भगाउंसर

अनायत भनदेखा अद्गय बहात मानी होनहार।

सन्तरभार (Malpractice) क्याचार, दूराचार दुरावरम (स॰ म ) दुरा बागरण कुरीति (य प्र ) हुकर्ग हुप्कर्म स्पप्तिचार, प्रयापार ।

धनाचारिता बाचरमङ्गीनशा बाचारमृत्यशा श्वाचारिता परिप्रहोनता वुश्वनित्रता ।

बनाचारी काचरमहीन काचारकृत्य करामारी कृषात्री कुमर्नी कुमार्गी दुष्कर्यी परित्रहीन बुराबारी प्रयोगारी।

समाम बल्त साधान्य वस्सा दावा नाव सस्य।

बनाड़ी बकुमतः बद्धानी अननिष्ठ जनद्, नादान नत्त्वयस मुख्य

वाननं शका ।

सराष्ट्रीयमः सङ्गमस्या सञ्चान बन्धिप्रदेश सन्तर्ह्यान धरदुता नादानी। अनाभग अनाभिन अनीम अदरण असहार नापवरहित अनाम हुमर, निरश्तीय निरामय निराधित निरतहाय बेसहारा वदीम आबारिम।

अनावायम मुह्ताजग्राना यतीमश्राना संबरप्रामा । अनावासय अपनान अवज्ञा कवनानना अवहत्तना तिरस्थार सीहीन क्षावर निशहर बेहरवरी बेक्सरी।

सनावर करना अनानुत करना अपमान करना अपमानना अवसा करना अवमान करना अवमानना अवहेलना करना विरस्कार करना गोहीन करना निवरना निरावर करना वेदरवट करना

भइरक्षी करना बेनग्री करना।

सनावृतः सपमानित तिरम्हतः वेहरशतः दे सनावरः। सनाप-सानारः सह-सह यससम-सस्तमः सीय-सीय सीय-सीय सीय उद्ययदीय यथ्य बहनामः वेतनी वार्ते।

कनामा सक्रातनामा सप्तरिक्ष नामग्रहित नामभून्य।

अनावास १ सासानी स ऐसे ही बरकम बिना यल बेप्रयास वॉही स्वतः २ अकस्थात अचानक वक-ब-यक एकाएक।

मनार्य बायँतर, स्मेच्छ।

सनावतीं सनुवान (Non-recurring grant) बनावर्त सनुवान (राज उ प्र बि ) सनावतक सम्वान (वि उ प्र )।

अनावती व्यम (Non recorring expenditure) अनावती व्यम (स प्र वि )।

जनावरयक अनपेक्ष अनपेक्षित जनीप्तिन वर्षाच्नीय अवधित ग्रैर बक्षी निष्ययोजन पित्रुल व्यर्थ।

अनावृत्तः अन्तरका मागरभरहित निरायरप धृता। अनावृद्धिः अकाल अवर्षण अवर्षा सूरा भूवा।

सनावृद्धः सकाशः समय अतास्त्रसः के अनायः।

अगासम् व वराणः समासस्य अरायी निर्मेष आसमितरहित आसमितमुक्त आसमितमुन्यः।

अनास्त्रा अधिरवास अभदा वास्त्राहीनगा।

समापूर्व सनिर्मेषित विक्युनाया। सनिम सण्डा (९) अल्हस्ट उल्लंग निर्दोष प्रशंसनीय बहिया

(दे )। स्रतित्य मस्यादी कालग्रासी सम्पर्नेतुर, गावर, गासवान

क्रानी । अनिमंत्रितः भगाइन विन वसाया ।

सनिर्वाहत अप्रतिवेधिय निरंपुत्र प्रतिवंधरहित सम्माना स्वच्छेद । सनिप्रकालिक सनिरिचनकालिक साकस्मिक ।

सनियमितं (Integuias) शनियमी (म प्र ) सलम वियम (द प्र ) सनमान (वि ) धमहीन उत्तरा-मृतरा नहस्माह यहबह

हिन्दी पर्याय कोस / ३१

भ्यवस्थाहीत वैकायवा वैदारतीय ।

समिर्णीत (Inconclusive) समिर्णायक (त॰ म म॰ प्र ) समिर्णायक (स प्र॰ म प्र॰) विभारासीत ।

सनिविष्यः सनाविष्यः, सनिविश्वितः सनिविष्यः सन्वितितः।

अनिर्वेक्तीयः अक्य अक्षमीय अक्ष्य अवनैतीयः

क्षानिकार्व (Eugency) जन्माजस्यक (सभी) जाजस्यक (सभी) अपेक्सिस (स प्र ) (Mandatory) अनिवारकीय (Cumpulbory) क्षायस्यक (स प्र०) वास्य (स० प्र केन्द्र राज उ०४०)

सापस्यक (मं प्र०) बास्य (प्र० प्र केश्र एवं उ०४०) बास्मारक (वि ) विवस्यक (वि ) सावस्थक सर्पाद्मार्थ करुणे साविधी परमाध्यस्यक श्रद्धक स्वस्थिमात्री।

अभिष्यम १ वर्षिया निरम्पाद्वीन २ श्रधमंत्रस दुविधा किक्टाँबर विमृद्दाः।

सनिविकाः वनियतं वनिविद्यः, वन्यस्य ग्रैरतेषुदा वृद्यसा सदिग्धः वरिहान्यदः।

জনিতা ই জনখাতে বৰ্ণিদানিত ক্ৰয়ান্তনীৰ নৰান্তিব ০ সন্দুৰ্ভত ক্ৰমন্যাপ নাৰ্থ লগভাত, ধাৰ্যক ৰাস্তুত কাইল প্ৰত বুহানিযুক্ত হানিঃ

सनीतवरवात कुछ नास्तिकताः

अनीश्वरवादी काफिर, नास्तिक । अनुकंश अनुबद्ध हमा यस महरवानी एड्स इमरवीं।

सनुकरण वृत्रकृष्ट कर्म वर्षा गर्दरागा र्ष्य कृत्रकार सनुकरण १ सनुकर्तन समुद्रसम् सनुवनन रीहे मानता पर्यापक्षों पर सन्ता नक्केस्ट्रम पर सन्ताः १ सनुकृषि देवादेवी दार्य

नक्स प्रतिद्वति ।

अनुसूत्रः अनुस्य जुनुसार, अमरिष्कृतः समिण्यः सविरोधी पतः में पतः धर, पर्वासिकः भगोगीकितः पुनासिकः पुनाविकः। अमरुक्ताः अनुसूत्रा सर्विकरणः।

अनुसूत्रमः अनुरूपण एडेप्टेशन सरसीकरण। अनुसूति कामी देखावैधीकार्यं नवस प्रतिविधि।

अनुकतः अक्तित अवहा, मनवहा।

भनुष्म (Sequence) मन (उ०त्र वि० म० ४०) मानुष्यं (वि ) सारतस्य (व प्र ) परिवादी सिवानिमा ।

सनुषक्तिका, (index) अधुकारित (उ. प्र.) अधिनृषक (वि.) रेडनम सन्वसन्त्री अन्यन्त्री (स. प्र.) सम्बानुका वाधानुकारिका सम्यानु-

१२ / हिन्दी वर्षीय क्रीय

कमनी निर्देशक-सुनी सकित-सुनी सुनक (समी)। ममाक रोसनंबर। लगुक्रमांक अनुकरण (दे ) अनुवर्तन अनुसरण (देव) परचनमन समान सन्यमन माचरम् । अनुयामी (Follower) अंधानुवायी अनुकारी अनुप अनुपत जनुषर, अनुपद अनुपाधी अनुवर्ती (म प ) आज्ञाकारी नक्षणी पक्षधर पिछमम्यू पिट्ठू नौकर, महानुयायी समर्वेच हामी। मानारी जपहत ऋषी प्रशानमंद, इतक इतार्थ। अनुपृष्ठीत अनुपह (Grace) बनुष्टंग करम इपा (वि ) च्या छेरद, रियायत (केन राव वि) मेहरवानी। अनुवर अनुय अनुवासी अनुवर अनुवायी आज्ञाकारी विकर, वाबिम पाकर, नौकर, दास परिचारक मृत्य सहामक संबद्ध । अनुचित १ (Undue) बसम्बद्ध (रेग्ट वि ) अनावस्थक (स प्र म म ) २ (Improper) सनुपयुक्त (वि म प्र ) अनुपयुक्त अवाक्तीय अदाह्य अपुक्त समया अनैतिक पैरवानिव नामुनासिव नाबायव बुधा बेबा। अनुष्छेद कॅबिका पैरा पैराबाध क्षेत्रका । अनुव बक्रान कनिष्ठ प्राचा छाटा गाई। बनुसप्त (Permitted) अनुकात (उप्र वि म प्र ) अनुकारित (म प्र ) मनुमतिप्राप्त (राज ) पर्यमद्वारी (वि )। सनुबन्धि (License) बनुमतिपन (म प्र ) नाइसेंस । अनुसन्तिधारी (Licensce) अनुमतिपत्रभारी अनुमतिपत्रभारक (म प्र ) माइसेंसदार, बाइमेंसी। सनुद्वापन (Permit) अनुमतिषच (वि ) पर्रामट (समी)। अनुसरदामी वैर्धातम्मेदार, वैरिक्मोबार हैरमरोसेबंद । अनुसीर्चे असफ्स नाकाम नाकामधाश फ्रेस । (Grant) प्रचाम (म प्र ) श्राट, बार्विक सहामता। अनुदान कंडरनेटिन कड़ियंथी कडिनाची परंपरानाची संदीयं मनुवार

संशीर्वेहृदय ।

समुगय

हिन्दी पर्याप कोस / १३

अनुसय-वितय खुवायद विवृत्तिकामा प्रार्वेश मनाता

मनावम विनवी विनयः

सनुपन मतुम अतुमनीय अहितीय अनुपरेय सप्रतिम, उनमारहित

वैनोह नासानी सानवातः ।
ननुषपुन्तः नामान्तः नामान्तः नामोन्, नामानितः ।
ननुषपुन्तः नप्तिः नामान्ति । निर्माति ।
सनुषपीनी स्पर्योगर्शकः (वे ) केकार वैमसरकः।

अनुविस्थितः अप्रस्तुतः अविश्वमान पैयसँट यायव वैरसीमृद नैरहादिर। अनुविस्थितः व्यापा अविश्वमानता नैरसीमृदयी गैरहादिर।

अनुपासन (Compliance) अनुष्यत (य० प्र) पासन (कई) पूर्वि (स प्र)।

सनुप्रक (Supplementary) तपुरक (स स ) पुरक (राज उ सन्दर्भ (क ति )।

अनुपूरक मीय (Supplementary demand) अनुपूरक अधियाचना (स॰ प्र )।

अनुप्रमाणन (Attention) विभिन्नाचन (स प्र ) तत्तवीक करता त्तवयाचन ।

अनुभवाषितः बटैस्ट करमा रासवीक करना अवाणित करना सास्याकन करना करना सावयाधित करना ।

सनुक्य (Stipulation) १ कमिलीबवा (य प्र ) टहराव (य प्र ) यन प्र ) कर्ष (यन प्र वि ) २ (Aggrement) इच्छार भाषा (उ प्र वि ) क्यार (वेष्य एव व प्र ) रहानंत्री (वि ) श्रेष्ट्रण (वि ) ।

सनुसम् सनुष्टि ठकुमी प्रत्यक्ष तात्र वाकिन्यतः वाकिन्यतः । सनुसम् सनुसम्प्रतात्र वाक्कार, ठकुमेन्त्रर नृष्टकोषी वाकिन्य । सनुसम् (Section) सनुष्टिमाप (स. प्र.) वपविषात्र (४० प्र.) प्रवाद्या (स.) पात्र वेषस्यः।

अनुमूत साममाया सामपुता जाना जाना-नरका परधा आव परीक्षित ।

अनुस्ति (Assent) सम्मति(भ प्र) स्पीकृति (च प्र) (Leave) अनुसार प्र) वजावत (च प प्र०) अनुसारन रजामंदी सहस्रति।

अनुसार अंदान सदावा सटक्स अनुसति क्यान कृत क्यामीता परिकास: सनुमानतः बटक्स से संबादन बंबाद से बनुमान से करीव करीव करोद तलमीनन मोटा-मोटी मोटे तौर पर मोटे रूप से सरावस ।

भनुमान भयाना संदाब करना अंदाबना संदाब भगाना संदाबा करना/ सवाना सनुमानना सटकन संपाना सन्तिमा कृतना।

सनुमानितः वंदासमुदा संदाजिया वानुमानिक सनुमानाधारितः। सनुमेव (Permissible) सनुमाय (केना राज उ प्र) अनुमद

(वि ) स्थोरतर्थे (सं प्र )। अनुसोदन (Approval) साम्यता (सं प्र ) पसन्दवी (सं प्र ) सद्गी सम्बन्धि ।

अनुमोदन करना (Approve) अनुमोदिश करना (ज प्र ) पदान्य करना (म प्र ) मान सेना हो करना स्वीहत करना स्वीकार करना हानी घरना।

सनुमामी सनुवामी पिछसमा धिद्धांत धाननेवासा पिछसमा पीछे धनने वाला समर्वेक (के )।

अनुरक्त सासका फिया सुग्ध भीन ।

सनुरत्नम (Maintanance) रखरवान (उ प्र) परिरक्षम (म प्र) संघारम (स प्र)।

अनुराय अनुरावित जासावित उत्फाद इसक प्यार श्रीति प्रेम भक्ति

सर्वात स्तेहु। सनुराणी सासका प्रमी प्रका स्तेही।

सनुरप ठरह सदृश्य समान समानुपावी।

अनुस्पता (Conformity) अनुसारिता (म प्र ) अनुसूत्रता समता

समानता। अनुरोध त्राग्रह (वे ) प्रार्चना (वे ) निनती निनय।

भनुबंद अनुपनाळ, उत्पर (हे ) बंगर।

अनुवर्तन करना (Adhere) अनुवरण करना (म प्र ) पावन करना (म प्र ) अनुवर्गन करना अनुकरण करना नकस करना संधानु करण करना।

अनुवर्ती (Subsequent, Succeeding) उत्तरवर्षी (वेन्द्र राज उ प्र ) परवर्ती (म प्र वि ) पत्रवात्वर्ती (वि ) अनुवासी (वि ) पारिवक्त (वि )।

हिन्दी पर्याय क्रोश / ३१

```
बनुवर्ती कावब
```

३६ / द्विन्दी पर्वाप कीय

अनुप

```
सनुवर्ती कावड
                 (Continuation Sheet) अभवन (४००० ) अनुवृत्ति-पन
                 (म० प्र•) ।
       अनुवाद
                 उरवा तरजुमा भागीतर क्वांतर।
                 धस्त्राकार, हुमापिया भागोतरकार, स्थातरकार।
      अनुवादक
                 भावृत्ति, पुनरावृत्ति ।
       अनुवृक्ति
                 १ कंट्रोस निर्मश्रम चौक २ क्षात्रा (हे ) बादेश हुस्त ।
     अनुसासन
     सनुस्रोतन
                 १ बाज्यसम् वनस्याः बाज्यसन पडाई, परिजीमनः २ विदान
                 मनन ।
       अनुस्य
                 (Addendum) परिविष्ट (म प्र ) परिवेप ।
                कर्मकाक श्रामिक कृत्य पूजा पूजा-सर्वा संस्कार ।
      সন্তাদ
     अनुसंधान : (Research) सम्बेयन (य॰ प्र ) योज (वि॰ य प्र )
                रिसर्व कोच (राज स म म म म म ) कोचन (म
                अ ) बुँड जाँच-पड़ताल तहसीकात काविष्कार, अन्तीसम ।
                मनुष्राण समुबनम सनुपर्तम देशावेची एकम वस्त्रेह्रदम पर
     क्नुसरम
                वसना यव-विद्वा वर बतना वीवे बतना।
                अनुकरक करना अनुवयन करना अधुवासी होना अनुवर्तन
जनुत्तरभ करना
                करना अनुसरना विसारेकी करना नकत्र करना नक्केक्सम
                पर असना पद-चित्रुर्गे पर असना पीछे असना।
                अनुकृत अनुक्ष युक्राधिक युवाबिक धर्व समान हिसाम
      मनुवार
                से।
     मनुन<del>्चि</del>त
                सेड्म ट्राइम ।
     बनबादि
मनुत्रुचित वाति
               नेद्रम कास्ट ।
               (Schedule) वासिका (वि म म ) परिविद्ध (म॰
     अनुमुची
               श्रारणी-पत्र (शव०) ।
   मनुस्मारक
               रियाइंडर स्वरण-एव।
               बण्डा (दे ) अर्घून अमोखा (दे ) वसाधारण (दे )
       समुठा
               बुबबुरतः बढ़िया यनीरम मनोहर विसक्षण विवित्र मुदर।
               अभागर्द (है ) बनोनाएन स्वासूत्ती मुबरता नितानका।
    सन्दर्भन
               बन्दा किया हुआ तरनुमा विभा हुआ मार्थातरित स्पोतरित
      अनुदिस
               (वैसे अंबारी से हिंदी में)।
              दे सनुपमा
```

अनेक अनिवनत अगणित अन्त एकाधिक नई बहुत बहुत सारे बहसस्य बेल्पार।

**मनेक्क्**पता विविधता(दे)।

समितहासिक इतिहासनिक्य तथ्य संपरे।

धनोचा सजीव सजीवीयरीव अनुठा अवृधुन सपूर्व सहामान्य बारपर्यंत्रमक गैरमामूसी गया नवीन निराद्या विचित्र विभवन ।

बन्ठापन अपूर्वता असामान्यता नयापन नदीनता निरासा अमोक्सपम पन विवित्रता विशक्षणता।

(Informal) वरीतिक (स प्र ) अववारूप (स प्र )। **अगीपचारिक** 

१ बनाव रात्मा दाना नाच शस्य २ वाच चाच-सामग्री खुराक भोजन।

बंबार, बनार, कोप खत्ता चत्ती धान्यासय श्रंखार, अंडरार, सनगाना भवनात भंडार, चंडारवृष्ट् घडारवर, गोवीलाना ।

१ इतर, और और कोई इसरा भिल २ सर, पर, परहीय अस्य पराया बेनाना ३ अंवर (असे पाठावर, देवावर) !

बन्य स्थान पर, कही और, दूसरी बयह । स्यव इसके विपरीत भौर तरह और कुछ इसरे प्रकार से नहीं मध्या तो वरना।

सन्यमनस्क

हे उदासा मंग्रेर, धनर्थ मनीति मत्याचार (रे ) वैरहंशको चस्म सन्पाप

नाइंसाफ नाइंसाफी बेइसाफी। भत्याचारी कूर, वासिम दुष्ट।

अन्यायी सन्योग्य (Reciprocal) परस्पर (समी) पारस्परिक (कई) परस्परा मुक्तीं (स्व )।

अन्देवक मनुरोधाता यनुरोधानकर्या धनुरोधारमु, अम्बेपी खोजी गवेपी पवेपक विज्ञासु, पुछनैया मर्नान्वेपी योधक श्रोध क्रतां कोधार्थी ।

अनुर्मधान अन्वीधन सन्वीक्षा खोज गवेपचा छानवीन बन्देपण बुँड तसाख तहकीक वहकीहात पहतास प्रविसंधान सोध संभाग ।

बंधशिन जपादिन सँगड़ा (१ ) भूमा मुखा-सँगड़ा। सर्पय

अपंजीक्ता (Unregistored) अपंजीवित अर्धजारीहरू (एक ए०४० वि म प्र ) विना प्रविस्ट्री का (वि ) पैरधीनस्ट्रीकृत नैरधीनस्ट्रीकृता ।

मप्तर्ग देश्युक्ताः

सपनर्थ सधोपित अवनित (दे ) बतार विराय विरायट महास तनस्तुनी।

जनकार जनके अनिष्ट, बहित शुक्तान कुरा हाति।

अपकारी अनर्वकारी अनिष्टकारी अनिष्टसाधक अद्विषकारी दुरा करने वाला ।

अनक्षीति दे निदाः।

मपहरम दे कुकर्नः।

सपम बजीर्ग क्या स्टिक्स क्या क्या वरहस्ताः

अप-वृ-वेट सामायुनिक सायुनिक। अच्छनीय अध्यक्ष गणको योग्य।

अस्कृ अविशिव अनगढ़ निरक्षाद नार्खांवा नेपड़ा नेपड़ा-निक्का

जिस मोहा यह पत्थर, कामा सक्षर भैस स्वयंतर : अपन्य साम-मीमाय सीमाय सभी शाम-सभी साम-मीपाम सङ्ग्री-अभी महके-माने संवधि संवधः :

अषमा अवाध अस्वास्म्यक्त नुक्वानरेष्ठ, मुक्तिर, हानिकर ।

अपरस्म पर ते ह्याना वेदसम् ।

अपना आपन आहम (वैद्वे आस्त्र-साशास्त्रार) आहमीय, वाती गवडीकी निज का निजी स्य स्वकीय स्वयं का स्वीज वैयन्तिक आस्तिकता

अवनाना १ मंत्रीकार करना वधिनता अधिवार करना वपना करना बारमधात करना गच्च करना वच्च करना मेगा स्वीकार करना २ वपना बनामा बारपीय बनाना बारपीय क्रांचा स्वाधित करना वसे सनाना करेथे वे स्थाना छात्री है स्थानत।

अपनापन अपनस्य अपनस्य कारमीयदाः।

अपने आप १ थाप थापते आप जुन नृह-ब-सन कृत ही स्पतः, स्थारं स्थानेय २ अभागात नरस्य नैवास्त्रियाए नैतास्त्राः। अपन्यतः अवता अवतेशता वनमानना थमानर, श्यास्ट, तिरस्कार, तौद्वीन निरावर बेहरवती बेनडी मानहानि :

अपमानित अपमानित करना पाश्चार प्राप्त वहावया पर्यंग नार्युगन । भनावृत तिरस्कृत निरादृत बेलावर वेदरवत साधित । भवमानना करणा भनावर करना बनावृत करना सावर उतारना तिरस्कृत करना तिरस्कृत करना निरादर करना निरावृत करना प्रवृत्ति उद्धानना संसावरू करना वेदरवत

करना सांष्ठित करना भागहानि करणा। त अपक्रीति अपवाद कर्मक कुट्याति वदनाई, बदनामी

क्रपयशं क्रपकीति अपनाद कर्मकं कुठ्याति वदनाई, बदनाः साष्ट्रन जिकायतः।

सपर अन्य इतरबीर दूसराबादका।

सपराध अभियोग वसूर कसूर खता असती बुनाइ वृक्त वृसे तृष्टि शम्बन्धे बोच पाप पुत्र ।

अपराधी (Offender) वपराधकारी (उ प्र ) अभियोगी कसूर बार, शुनहवार सुक्षरिय सुसक्षिय वोगी पापी।

सर्पारिकत अन्तर्भी अकार अनुकाना समिवित गर, विरामा वेपाना । सर्पारपथ अध्यक्षण अध्यक्षण अपन्य सभीत कृष्णाः सर्पारिमत अर्थत अनुमान सर्वस्य असीय निस्सीम वेसुमार,

वेहर । अपरिमेय अगनित वर्गामन्त असंस्य ससीम बहुत वैश्रंदार ।

सपरिवर्तनीय दे जटम।

वपश्चिम

(Indispensible Unavordable) बरवाच्य सत्यावस्यरु (म प्र ) अनिवार्ष (व प्र वि म प्र ) अपरिवर्जनीय (वि ) बावस्यकः।

मपरप कुरुप वदशक्त वेडीत महा मीँहा विरूप। संपर्पा दे तम।

अपवर्भ अमरणद नैवस्य निर्वाण परमपद मोसः।

अपबाद १ विशेष ज्यापक नियम का विरोधी २ अपकीर्नि अपवध कृत्सा वहाँ निदा (दे ) अदनायी।

अपनित्र अपनित्र अपूर्व असुनि असुद्ध अस्त्रकार यहा पत्रीक दूपित अस्त्रुवन असिन्।

सत्युवा शत्यत् । अपवित्रता अपावनता सत्तीव सस्वच्छता वंदवी मसिनता।

सरस्ययः वपन्ययता फिन्सवर्गी बहुन्यसः। सरस्यसः सरिस्पनी फिन्सवर्ग बहुन्यसी।

अपराकृत मराकुन सबुभ वसमून कुशकुन कुशकुन । (Abuse) वासी (स प्र) दुर्वभन (स प्र) गासी द्यपशब्द यसीय बासी-गुपता बदववानी। (Abnormal) अमाहत (वि ) असामान्य (स प्र ) भपसामान्य अस्वाधारण (स प्र ) अस्वाधाविक (स प्र ) नियमवाह्य (अ प्र ) नियमविषद्ध। मंपहृत करमा सगवा करना बसात् उठा से बामा वर्गरन अपदृरम करमा ने बाना हाईबैड करना।

**मप्**रत्ये मनगकार, अपहरतकर्ता हाईबैकर । सर्पाय

वक्षप्रकोट्ठ कटास कनवी कोया शबुकोर नवांता। सपार्क (Illegible) वपरुगिय वपरुग (म प्र ) वनाच्य (वि

म प्र) अस्पष्ट (वि स प्र) । अपातः अनुपयुक्त वयोध्य कुपात्र नामाकृतः।

मंदीन भतुस सतुसनीय लक्षिक भर्गत (है ) अतस्य समित सपार मसीम स्वाका बहुत बेहुद।

बपाविक नवौकिक (दे) सोकोत्तर।

दे अपदित्र। क्पावन जपादिज १ अंगमेर क्यंग अपारकुरत क्षेत्र क्षेत्र निर्पय सुख सुज-पुत्र

मुमा-बेनका २ जामसी (वे ) काहिम मुस्त ।

(Appeal) पुत-प्रार्वना पुतरावेदत (वि ) विचायर्प प्रार्वना । क्यीत बबुरा मसमाप्त कम बीवित बामी म्यून बुध्य धैता। अपूर्व

बस्यापन बासीपन स्वृतता धिनिय। यपूर्वता सद्भुष वनोबा विविध विसत्तव दे वसाधारण। सपुव

मपेशा १ श्रीमत्ताचा आक्रीता इच्छा चाह २ बावस्थकता बक्रकः ३ वनिस्वतः।

अप्रेक्षमाकी अप्रेक्षाकी तुलनामे । वपेशाहत

१ इन्छिट चाहा हुआ। वाछिटा २ आवरमङ (रे) नपेशित यक्ती ।

धप्रचसित

(Absolete) कार्युक्त (उ प्र ) अध्यवहृत मतप्रयोग (म प्र ) प्रयोगवाह्य मुप्तप्रयोग (उन्न प्र वि म प्र )। (Unqualified) विकेपित (वि ) विना वर्त (चन समितिवर म प्र)।

मप्रतिहत अवास निर्वाप बाधारहित वैरोक वेरोकनोतः।

स्रतस्पन्न पुष्त हिमा परीक्ष प्रच्छन ।

अमरनारितः (Unexpected) अवस्थित (म• प्र ) अवानक होने वासा अन्याधिक ।

स्प्रयुक्त या चिनित (दे ) सम्भवहुत कारा नया ।

स्प्रमुख समुद्राट, उत्पन्न कुषित श्राक्षा विल्ल बुक्की नाराज रजीवा निर्मोता।

व्ययमम्बद्धाः अञ्चलका स्टब्स्य करना दुवी करना नाराक करना रिमाना।

स्प्रहलता अनुतार अञ्चलत चुळपी चेद नाराची नारावयी रव गोक।

स्प्रमान होता शाला बीधना माराव होता चैनता। सामन के पर्यायों से 'होता' बोडकर और भी गुब्द बनाए वा सकते हैं।

अप्रसाद (Displeasure) अञ्चण (वि ) अप्रसन्तरा (वि ) कोप (स प्र ) नाराज्यो नाराबी (वि )।

सप्रस्तुतः १ अनुप्रस्थित (६) २ चपमान।

स्वाष्ट्रतिकः स्वाष्ट्रतं अन्नामान्यं समहत्र सराधारण सम्बागानिक।

स्त्राप्य वतस्य दुर्नेम् (वे )।

स्रिय (Offensive) सप्तानवनक (वि ) यूपास्पद अग्रीतिकर (स प्र ) अवधिकर, सर्वाष्ट्रनीय नापसंव कुरा।

अप्सरः यदनीयना दिव्य नारी विव्यायना वैववयु, वैववाला वैदायना नावनटी परी पुरनारी पुरवाला पुरसूवरी स्वयंत्रभू हुए। कृष्ट अस्तराई—भनवर विकोशमा रंगा पुकेशी।

सक्तवाह उड़नी तबर विवर्षती यथ यथ्य जनप्रवाद अनुभूति सूठी स्वरः।

अफ्रसर स्थिकारी सहनगर, साफ्रिसर, कर्मगारी पराधिकारी धानवासी शाविता।

अप्रयोग गुम न्यानि साथ दुख पछणाया परवासाय रंथ गोछ। अप्रयोग अप्रयुक्त अधिकत बालू ओपियम नायकेन पोस्त पोस्तोड्मूट

योग्नाद्मन सूर्यस्था। स्व १ अपुना सभी क्षात्र सात्रवस इन दिनों इस वस्त इस समय संप्रति २ साथे भविष्य में (देखों जब क्या होना

```
है !) ---तक मदापि अद्यागीत इस वन्त तक इस समय
तक ---तक का अद्यतन माण तक का।
```

संबद्धः श्राप्तकः ३

अवता : वे नारी।

समाग्र समित्रक अमाधित निर्वाध वाधारक्षित विकास वेरोक,

वेरोफटोकः।

अवीध अकारी वनवार वड अध्युद्धि बढ्मित वाहिन नादान नोधहीन मंदबुद्धि बंदमित मृद्ध मुखं।

सम्बद्धे वर्षे।

अध्यक्तील (Year-book) वर्णस्य (म प्र) वर्णसील (स प्र)

अस्था है पिता।

सम्बद्ध है ।यता । समझ १ श्रमुसीम संवासीन संविष्ट ससस्य दैरसरिकला २ (Undignified) सर्वीरसाम्पर (उ० प्र.) संवोसन (क्रम्त उ० प्र.) अर्थामा

धोंका । समाया किस्मत का मारा कुथाम्यवाती कुथाबा दुधाँम्यकाली प्रारम्य द्वीत सर्वाकस्था बदगरीय भागाहीन दुतथान्य ।

क्षान्य कुमान्य वृहित कुर्मान्य प्रारम्बहीनवा वरकित्यवी वरनवीनी भागान्य कुमान्य वृहित कुर्मान्य प्रारम्बहीनवा वरकित्यवी वरनवीनी भाग्यहीनवा ।

क्रमाथ १ सनस्तित्व सनुपत्थिति अधिकाशनका सत्ताक्षीनका २ कृत्रकी कली टोटा संबी स्थूनका १ प्रधीकी निर्धनका विकास वास्त्रियः

स्रोतकार (Allegation) सामाप (मि ) सारोप (केल धान घन घन प्र) योधारोपम (म प्र)। स्रोतकार (Allegad) कपित (केल घम म त्र) तमाकारित

क्रमिश्रह्म (Science) वितिहरण (स प्र ) क्रम्बा (ह प्र वि० स प्र )।

समियार बाहू-टोना शाह-पूरे तंत्र-मंत पुरस्करण सारख। समित्रात १ तक्यपुक्षीन पूकीम तानवानी पुत्रात २ भगीर (वे )। समित्र बानकार साता, निष्यात पंत्रित पारंपत निजा। क्रमितान वर चिक्क निज्ञानी परिचायक चिक्क सहिवानी।

समियान १ कांच सुरत तरुकोश २ सक्षा बास्या उपाधि नाम।
समिनंदन बानवादन नमन नमस्कार, नमस्के प्रकास प्रकिपात प्रशसा
प्रदूषण कथाई, बदना सुमकामना स्वासत।

समिनय नाटकीय प्रवर्णन परप्रामेंन प्रवशन प्रस्तुति स्वीय ।

अभिनद ताडा नया पद मध्य नदीन गुतना

क्रमिनेता अवाकार, प्रटर कास्ट नामक पात्र सितास्त ।

अभिनेत्री अदाकारा ऐक<sup>8</sup>स तारिका माथिका सिमाराः।

अभिनातः ६ एथता । अभिनामः १ अर्थे जातमः शास्त्रमें क्येय चात्र मंतक्यः मंताः मनतत्त्र माने २ उद्देशः क्येय प्रयोजनः सक्यः ३ ६ण्डाः इरायाः

नीयत यंत्रा मुखर । सनिवत सपेसित सभित्तित रूट रहिस्ट।

समिमाबर पाविषत संस्कृ सरपरस्त ।

मिनिमायन देशायण।

समिम्त १ प्रमावित वसीमृत २ पराजित (वे )।

अभिमतः मंतन्य मत राय विकार, सम्मति ससाह ।

समिमान बकड़ अकड़वाडी बई बहुंचार, बहुंमप्यता ऐंठ बापा सुदी गर्व युनान युक्र, वसंड ठमक देहा दंग दर्ग दिमाग्र

नाव प्रकृत सव सर्वाधवा।

समिमान करना सन्द दिखाना सन्दर्भा ६०लाना इतरामा ऐंठ दिखाना ऐंठमा सर्वे करना समेड ४२मा ठसक दिखाना कनना।

समिमानी जरुवू जरुवू तीर, बहुकारी बहुंबादी ऐंहू, पर्वीता बुमानी

वर्मकी तेही वसी दिमासदार, मदीन।

स्रीमर्थता इंजीनियर, येत्री (स प्र ) । स्रीमपान १ साममण सोदोलन चढ़ाई, धावा हुमसा २ गमन प्रमास

प्रस्कान आर्थ यात्रा। स्रानियोग साया इसवाम पूर्व योपारोपण नाश्रिस सुक्रयसा

नाष्ट्रनः । स्रमियोची समियोचना प्रतियाची मुद्दी, वादी ।

समिराव जानंदरावक कमनीय जूबसूरत चाद, मनोरम मनोहर, रमणीक रमणीय रम्य रविष, नानत सुंदर (वे )।

```
मनिक्षि
```

वरवृद

मनिवर्षि इच्छा चाह पसय प्रमृति मन वर्षि (दे ) वसान । ममितवित इंक्सित इंप्ट बाहा हुया मंक्ति । श्रीमनावर मार्काता इच्छा कामना काक्षा चाइ तक्या बीछा। अभियादन भृहार, जराम समस्कार (दे ) नमस्ते प्रशास (६०) राम राम बंदना । লগিগুরি: वे पृक्षि। अभिव्यक्त पाहिए, प्रकट प्रकाशित व्यक्त सुव्यक्त । समिताच धर्युमा शाप थाप छराप । अधिपद दे० संबदन । अभिषेक प्रश्तनतीनी राजनहीं। अभिसंसि देश पर्वत । अमितार प्रिय-मिमन मनुर-निमन निमन विकास वक्त वस्त । समितारिका कुमटा छिमान पुरवत्ती भ्रप्टा व्यक्तिपारची स्वेरिकी। अभी अजिलंब इसी बन्छ इसी समय यत्काल पुरंत तुरह क्रीरम। अमीप्टा वे इच्छा। समीच्य बांत्रपेत बांपबांवित भाषासित एप्टिय कॉसित बाह्य हुमा नाहित । कमेद देएक्टा। अभय अक्षेत्र मद्द मध्यतीय दुर्वेष । अभोग्य १ अयोगनीय २ वजाय मनश नगरूप अयोज्य। सम्मर्थनाः देश्यार्थना ।

भाग्यपंथ (Surrender) जारमसमर्थेण (वि ) शर्माण (तः प्र **ह**रि०) |

अस्यापतः वितिव सायतुक शङ्करा मेहमान। क्षापावेदन (Representation) नांगवेदन (केन्द्र च ० म ) निवेदन (म प्रक) प्रतिबद्धन (श्रीर अक प्रक) विरोध-प्रदर्शन (विक) ध्यपदेशन (च प्र )।

१ आश्रम देश वान २ आवृत्ति पूनचवृत्ति वैविटत सरक नमात रियाज के प्रश्न संशास (यशित बारिय)।

बे॰ बादल । अन् सहस्याण अतिष्ट अवस्थुत अनुभ अहित बुरा। अमेचस अवपुर, अधहर साधपूर्ण चटाई। शमबुर

समन देशाति।

समर १ अक्षय अक्षस्य सजर, सजर-समर, सनगरनर, सनातवान समस्य समित अविनश्वर, अविनाक्षी चिरंजीवी चिरस्यायी चिरशीवी नित्य मृत्युंचय जाववत स्वायी २ देवता (दे )।

समरता समस्ता अभरता समस्य सनस्यरता चिरजीविता देवत्य ।

समरत्व दे समरता।

अमरलोक दे स्वर्ग।

समर होना समरहा पाना समृत पीना कीवा होना कीवे की श्रीम खामा मृत्यु बीतना मृत्युवय होना। समर के सन्य पर्यायों में 'होना कोसकर सन्य पर्याय वन सकते हैं।

अमरावती देस्वर्ग।

समस्य अमृतफल पेरूफल विही सफरी।

सन्तर्यं देशगर।

समय देशोध।

अपनः १ निर्मेत निर्दोप साफ,स्वच्छ २ अधिकार सासन अमतः वारी हुकूमत ३ नगा नकापानी।

अमानत थाती हरोहर।

अभाग्य अस्वीकार्यं अस्वीकृत नामबृद्, नापस्य ।

समाबट संबापोली आसपापड़।

अमाबस्या जना समावस क्रुष्ट मावन ।

समित दे बहुत।

श्चनिताम १ कातियुक्त तेजस्वी २ बुढ दे ।

स्त्रीर अयाचक अयाची ऐत्यर्पनान प्रस्त्येवाली च्या नरोहपति
करोही खुश्चाल सम्बद्ध स्वत्येष्ठ आसीरवार वौत्रतास्य वतनुष्टेर अगरित धनवन्त अनवान बनाव्य बनिक बनी धन्तावेठ अझावन मानवार पर्यंत सक्याचित स्वत्योपित स्वस्त्रीवान सक्याचित विभववान विभववानी वैभववानी सीमन्त संपत्तिकाली सपन्य समृद्ध सेठ।

सामर्य सपातमासा सपान समृद्ध सठ। समीरी सपायकता प्रेवर्ग शुक्रहामी यौमतमन्त्री अनाद्यता वैभव सपानता समदि।

अमुक प्रसी।

मनूर्तं समृतिमान वन्यका समझ संयोचर, अप्रत्यक्ष निराकार।

हिन्दी पर्याय कोस / ४५

अमृत्य अभोश अनगील कीमती बहुमूस्य वेशकीमती महार्व मूस्य नाम ।

अमृत अभिव अभी आवेत्यात देवभीज्य देवाहार, पीयूप मधु, श्रीवरस समुप्रत्वनीत सदा सीम ।

समीव सपूक निष्यात अध्यर्ग निर्धान्त शहास्त्र रामवाच सफ्ता। समील वे समुख्य।

सक्त है आहि।

अस्याः देश्याताः।

सन्त १ सट्टा दीचा तुर्व २ तेवाव १ सटाई। सन्तीरी सेंभोरी बंधोरी वर्धीताना समोरी

अन्त्रीरो अभीरी वेंब्रोरी वर्धीवाना वर्षारी धर्मारी पित्ती पूर्वारी गरोरी।

सबन १ ऐंग चन पंपीक्षर १ पत्र सार्थ गरूना छड्ड ३ साम्राम चर प्रवस्त (दे०) स्थान ।

वयाल मान केसर।

अमुक्त १ अनुविश अमुरयुक्त अयोग्न युक्तिमूच २ असव

सर्थय असंबुक्त । समोच्य (Unqualifed) १ सनई (उ. प्र. वि. य. प्र.) अनहिंद

(शि म प्र.) २ कमिलारी अनुपतुस्त अवान अजना अजनत अनमने कुराज गांचावित गांमाकूस नासमक निकम्मा निकला निकल्सु फिल्ही बेकार वेकार, सामध्ये

हीत । अयोग्यका अनुपद्भतः अपायका अवस्थता अवस्थिता बुपायका भारत्य क्रियत नामासयी जामर्ज्यकीताः।

अयोध्या अवोध्या अवधपूरी काममपुर कोलमपुरी रामजन्मस्यती सावेत ।

भरण पानम पंतम (रै॰) यम । भरणी पानजा टिमठी मध्यान ।

बरव कतकोटि।

अरमान अभिनापा कार्याका इच्छा काता कामना भाइ मनोरव भुताद सासता वाछा साम इतिक इतरत ।

सर्विष दे श्यम। सर्वी वे अवर्ष।

**४६ / हिन्दी पर्योग का**ज

अरहर अरहर दूबर हरड़।

सराजकता अनाकी समाधि उपत्रव महत्रही हसवत ।

अरि देसमु।

जर्दा बरवी भरनी भरनी मृहयौ।

महिकर भरोचक नापसंद नीरस बीट, जुप्क मुखा।

अथय १ दे नास २ दे सूर्य।

सर्व के सूर्य।

मक बासव अस रस नार।

स्थनः पुत्रन पुत्रा स्थन अर्था साराधना उपासना।

बक्द १ बारजु २ चौडाई (कपश्रकी)।

श्चांत उपलब्धि उपायन श्याई प्राप्ति ।

समित कृतरी (Earned leave) उपायित सबकान (उ प्र म प्र)

रुपाबिर छर्**टी (बि**)।

सर्वी दे सावेशनपता

सर्जुन ऐंडि पंपिन्यन पाडीयसर, पांडीयी पुडाकेश पार्थ बृहल्लसा सम्मनाची।

अबैंड सविनीम सन्तिनंतनीय (वि ) तुरंत पुरत तीम :

समय वे समुद्रः

सप (धन) दे धन।

अस (जनन) अभिशाप अभिशाप आश्वय उद्देश्य तारायं निह् तार्थ प्रकरणार्थ प्रयोजन जनसव मानी सस्यार्थ स्यंस्पार्थ संस्कार्थः

अर्थदेड जुरमाना वडः।

सर्वेषिशास कंत्रुत (हे ) धननोमुच मस्वीवृत्त नृम ।

वर्षतराम इक्नोंनियस धनधास्त्र संपत्तिशास्त्र ।

सर्वशास्त्री अवगास्त्रज्ञ (म प्र ) इत्रानोमिस्ट सपत्तिगास्त्री ।

सर्वात् : सर्वे यह है कि मतभव यह है कि यानी।

सर्थ गई गामा निस्फ।

अर्थानिको देपली।

अर्थम अदा अकासमी वान नक्षर प्रदान मेंट समर्थण।

मर्बाचीन माधुनिक नदीन नया नृतन माडनें हाल का।

महंभ परीका (Qualifying examination) महचारी परीसा सहंस

हिन्दी पर्याय कोच / ४७

प्रवान करने वासी परीक्षा (म॰ प्र॰) योग्यता प्रदायी परीक्षा (Pro) 1

महंता राप्यक्तवा पुणवस्ता पात्रता योग्यता।

यतंनार १ बासूयण बहुना क्षत्रर, भूयण मधन २ काव्यासंकार.

काम्यभूपणः।

सर्गकृत कामृपित कारास्ता परिभृपित भूपित मंदित विभूपित विमंदित स्वा स्वान्धवा स्वान्धवा स्विवत स्मर्बहरू सासंकार, सुसन्मित ।

काकुल कृषित केल कृटिस केल प्रेयराने बाल नेपक सट. 製売車

महरी।

मधोचर, बदुस्य मधत्वक्ष इंडियातीत ईस्वर (दे०)।

मनोका बढितीय बद्भुत बसय-बसय असह्या अर्थन सत्तप अधेबक्क और तरह का और प्रकार का और दिश्म का, बुदा भिरामा न्यारा पूषक कुट, पुटकर, विमन शिम्म विक्किन स्वतंग :

१ हे लायरबाह्य २ यक्तवी स्थार्थी । अलगरेक

बक्तम होना निस्संबता पायनय विश्ववाय विस्तेप अलगाव विवृष्तता ।

समवेता

१ दे सुबर, २ वण्डा (वीसे वसवेसा बादमी)।

के संबर्ध। असबेसी

अप्राप्य बन्धियम्य हुर्सेम । मसम्ब

क्तकड बेनम बेफिक मनमीजी (देन) मस्त (दे ) सापर वतनस्त

वाह ।

काकी वर्यापा पूर्व अरा-पूरा सकेच्छ, सकेट । वसम्

श्वशाहारिया वा वाह, वाह-वाह विदा ! असमिया आसरब करणा सगीया हाना अवना अपनना संक्रित होना अस्तराना

निहाम होना निहित होना गुस्त हाना मुस्ती करना ।

दे असगाम । असहरमी बाबटन बेंटबारा बेंटाई, बॉटमा । असमर्वेन

विश्व निवान पहचान मधाच। अस्तामत

व्यतिरिक्त तिवाय। इलावा

१ दे प्रमद २ दे स्थी। सांस

सनीक १ मनत क्षेत्रा निष्या नया २ मनगवित गर्याचारहित मर्यादाहीय ।

समोहिक १ मपानिक मधाकृत कप्राकृतिक मसाधारण करनामाविक विस्य लोफोलच, स्वर्गिक २ श्रद्रभश (वे ) सपूर्व चमत्कारी ३ संबर (वे०)।

मंतिमेल्यम चनौती । अकिन्द्रेन्स

वे पोड़ा। संस्थ

(Minority) बरासका (रेग्ड श्रज र र प्र )। अस्पतस्यक अस्पनीवी बह्पवयस्य कमसिन नावासिए वास । नत्याय

बपाहार, क्लेक क्लेबा काय-पानी जलपान मास्ता क्रक-

मस्पाहार कास्ट ।

रंग्बर (दे०) बचा परवरविवाद। अस्मा मस्ताह

भाग नासूच, फोड़ा सण । बासर

१ अभगस्य वेपरवाह मनमीबी मस्त जापरवाह २ अनुसव मस्त्रक हीन अपरिपत्तव सब्यावहारिक कच्चा कोरा।

संबद्धारा १ मना भुटरी विभाग २ मध्यावकास रिसेस वक्टा ३ मैतराम व्यवधान ४ कालो प्रतित।

मानरम चूंचट, नकाश पर्वा बुर्का । सद*्ठन* 

ऐंद कमी कर्मक कसर, करावी जामी खोट हुकूम दूपक सवपुष बोप बब्बा नुबस क्याई, मासन विकार, विक्रति।

ऐबी फर्मकी खराव बीटा बुरा। **मद**गुमी

(Disobedience) अपासन (च प्र ) नवहेसमा (म प्र ) अवसा बाजामंग (उ प्र म प्र ) बाजोस्संपन (म प्र ) उस्संबन (इ. प्र.) २ अपमान अवमानना अनावर उपधा विरस्तार।

उदाश कीटेशन। बंबतरम

देवता का सीकिक शरीर धारण करना इस रूप में बन्न विवतार गरीर-प्रहुण अवशर्थ उत्तरमा शोचे वाना।

राज्यम चमचमाता चमकता तिर्मस शुभ स्थेत में बहारी सप्रव शाफ, स्वयक्षा

देन योगवान। मंदराय

भवयपुरी वे अयोज्या।

(Duration) कानावित्र (राज) वास (म प्र) नियाद मद्या

हिम्दी पर्याय कोश / ४६

मारतीय विद्यार्थीय अधिकानि, गरानर 1420 कारी

(म प्र ) २ (Tenuro) कार्यकाल (केन्द्र उ प्र वि ) पदावधि (२० प्र वि ) भोतावधि (व प्र०) हे वरि सीना शीमा हव। संदर्गत मधोयति ममुम्मति वयकर्षे वभी बटती विरावट तपस्यक्षी म्प्रवता प्रवत प्रातः। है। प्रशी।

লক্ষ अपमान (दे ) जनमान उपेका जिस्कार, निरावर नेदरकती **विद्या**त्रका (80)1

मप (दे) वंध वजो मान क्रिस्सा। संबद्ध बप्राप्तवय बस्पायु नावासिय। मेचगरक नमान्तवस्ता नस्यायुता बाबासिबी। संबदासता 3378

अनुवर्धी कनिष्ठ छोटा परवर्धी परवर्धी। वरा हुन। मिरिरड मितहत नावित वस रोका हुना । अवद्य भवरात : जंतराव जवका क्षेत्रिक बाधा प्रतिबंध प्रकातर शेवः।

मक्तीक्ष्य अवरोधी बाधक क्वाबट रोक्टर बासा शोधी। सक्टोहरू अवतरम उतरना उतार, विराध पनम ऋसि। संबंतीय अक्ष अक्षमतीय अक्षमा अवह अतिवेक्तीय।

स्वतंत्र वे सहारा। अवलंकित आधित तिका निकर सहारै एटारे पर।

इप्टिपान देखना पर्ववेक्षण । **अवसोक**न are feet अवहेप उनराह्या नना अचा-तचा वाकी तेय। मबसेय के क्यांजिए ।

१ व्यवस्थानेत जुकर निश्चात्र ही निश्चित्ता नि.सचेड वंगीनी क्षांच धौर पर, २ अभिवार्येत अमरिकार्य रूप से साविमी धौर पर।

दशस गमगीन पुत्ती रजीवा विपादपूरा। 事を行行 ह भीका सुभवसार २ इतायाक वैषयीय बन्त संबोध समय-सरवर

व अवकाश सदही करमतः ४ प्रमंत्र । संबद्धांट रै रवा

भेत (दे ) उपनद्वार खारमा ठहराम निराम समान्यि । बद्धाव

१ आप उम्र वय २ दशा दिवति हाण इस्ति । संदर्भा बनावर, अपनान संबक्षा अवहैसना जनमानना जनेसा क्योतना

शिरस्पार, बेहरश्रवी ।

पर्वाधनीय

सस्पदस्या

सर्वोद्धनीय सनावस्यक सर्विष्ठित सनुषित सनाधिन वसमीचीन निरुपक क्षत्रसा स्पर्धः

सवाक १ वे पूर्ण २ वे परिता

अवाम जनता (वे ) नोगः।

अविश्तः अनुष्म बदूट, बर्बाड क्यो-का-त्याँ पूरा पूर्ण संपूर्ण समस्त साबृत।

समिकारी १ अपरिवर्तनशील निर्विकार २ समिक्क सूस (जैस साधाविज्ञान समूस क्यो।

अविचल अचम बटन शर्विय स्विर।

अवितय ठीक-ठीक यवार्ष सड्डी सड्डी-सड्डी ।

सविदित सञ्चात सनमान सपरिपित नामानुस ।

अविनय असिप्टता अमहता उइवेदा विठाई दुविनीदता वृष्टता।

सदिनस्बर, दे सगर। स्वतिकामी

अविरत दे संगतार।

अविरसः अविशिक्षण यना वनीयत निश्तरः समातारः स्वत ।

सविराम दे सथातार।

अविसव अभी आनन छानन में इसी समय इभी बक्त कन्नी देवत सवात तर्रत कि ) तरन श्रीमा।

स्वित पुरेश काला स्रविताहित सनस्याहा कैसाय कुमार, नवाय ग्रेरशादीगुरा निकट विनन्धाता।

अविश्वसभीय अविश्वासी विश्वासमाती वैएतवारी।

अवेशित (Contemplated) अनुस्थात चितित (स प्र ) परिकल्पित (स प्र ) संकल्पित (स प्र ) स्चितित।

(स प्र) चन्नास्य (च प्र) सुर्याययः। सबतनिक (Homorary) सॉनरैरी मानसमी (म प्र) सम्मानक (सि) भूपत्रका।

मबैध शानून-विरक्ष ग्रैरकानूनी ग्रैरकानिक नावायक विश्व-विरक्ष ।

मध्यतः अयोषर, सज्ञातः सप्रकट अप्रत्यक्ष ।

सम्प्राय १ व्यक्तिकारी अपरिवर्तनधील (शब्द) २ श्रक्तय सनस्वर समिट निरय शास्त्रत ३ त्रहा (दे )।

सम्मवस्या अनियत्रण जनियमितवा अस्तम्यस्तवा चमहीनना चहवह

हिन्दी पर्याय कोस / ११

अध्यक्षी कर

नवनकी मदर्गतकामी वेकायदभी वेतरहीकी वाबरमाहीनहा। व्यक्तियंत्रिक वित्यमित वस्त-व्यस्त उसटा-मसटा सबट पुलट, अमहीत वहवाइ बहुबमुद्द वैशायका बेतरशीय विषयेस्त ध्यवस्यातीमः

समान पदसा प्रथम।

W 81455 असमर्व कमजोर, पूर्वस नि:बक्त निर्वस बसडीन दक्तिहीन। भशन आबार बाल गोवन योज्य पहार्थ ।

असरि किमसी वि । वया।

सहरोरी बकाय अराष्ट्र, बरेह धर्मय अर्थनी असिंह असिंही विरेह विदेशी।

असरिव मस्वित, मांबोमित प्रक्रिय रहेमित शस्त्र बोकित विसस्य 20T 1

भर्माति जन्धवस्था जरियरता भारोमन शर्मात स्थल-पुरुप प्रविक्ता स्थाप कथा समयसी समयसाहर प्रश्ना हेवामा ह्रमथन हरनेह।

अनगृह कामा असर मैस बराकर साधीका बेपडा बेपडा-निका #सिसित सिक्स भोका यह पत्नर ।

सम्बद्ध बार्ड असम्य जर्सन्त्रत जतीम्य उपर्द्ध प्रश्नत बहिन्द क्यमा बँबार पुस्ताक श्रुविमीत अवतमीय वस्तम्क वेजवर

वेद्ववा हरकोग हवा। १ वस्त मृटिबुक्त क्याकरमनिषद संदोप ३ मपनित नसुङ

बंबा नापाफ मैंगा।

सर्वाद्ध गतती बृटि दोप पूस पूसपुर ।

अशुम अपशकुन समयम असपुन।

करोच अपवित्रता अपायनता धनुद्रता छत सूतक।

अप्रस है। परवर।

दे अहि। अयु

श्रजीय अपूर्व अनमुना जनावा अमृतपूर्व असुवपूर्व 無望る आरचनैनयक नया निरासा विकित विसराच विस्मयनगर ।

mffec संया बास्य कुरुश फुहकु जहा सन्जाननकः। मध्यीत अक्टिट्स प्राप्यका निर्मेत्रवता पृहस्पन । अवसीलवा

के पोड़ा। श्चर

भरत्वत भृत्रसास तवेसा। मरबरासा

अश्यपणि अश्यवह भूडचका भूडसवार, तूरमास्य तुरमी मरवारोही

सवार।

बार १ सरट

दे अवस्तिततः। ससरय

बटपटा बनुपपुष्त अपुष्त अनुषित असबढ ऐस्पई मसगत नामुनासिच केंद्रया वेमेस।

(Anomaly) मनियमिनना (उप) विषयता (सप्र) अमगनि विमंपनि (म म )।

मतुष्य भनुष्त अप्रमम्म खुका बिम्म गासूस माराज्ञ। सत्तनुष्ट मसतोप मत्पित सप्रसन्नता खप्रयो चिन्त्रना नाराज्यी नाराजी

बेसको संनोपनिनना। मंडवंड अक्स बट्ट-सट्ट मक्द मनमेल शसप अलग

अत्रद्ध यसम् अध्यवस्थितः अर्थयतः अर्थनानः कटपटीयः कन्नवसूतः यहर-वहर यहर-मद्द पुथक वेमेल विश्वतत विश्वतत।

सत्तमानित सत्तंमास्य ग्रैरमुमनित नामुमकित। असमव बनदावित बनंपमित पर्यानाहीय समस्राहित । असयव

सप्तरीय (Unparhamentary) मिरिष्ट (म प्र+) असम्म (स प्र )।

अपरिमार्जित समा अशिष्ट असम्य सम्बद्ध प्रदेश ! अस्ट त

मसत्र क दे अमावधान।

दे झ्ठ। बसस्य **मसस्यवादी** मूठा निष्याबाची मुपामाधी सबाद, सवाहिया।

बनुतीर्घ नाकामयाक क्रम विकल। बसक्त

नाकामयाची विकत्ता। ससक्तता

चीक चीक-वस्त माम-धमनाव माल-पता सामान। भसेवाव

मसिष्ट नक्तील मनसरीय असंस्कृत समझ बंबार, परेस । असम्य समित्रपण इधर नुजी तकर खाई, उज्रापीह, क्यान्त्रध बसम्बत विक्तव्यविमुख्या दुविधा धर्मसँकट पद्योपेश द्यापेश

शंकरप-विकरण सांप-छत्तृंदर को-सी गरि । कुभवसर कुममय नावक्त बेमीका वेशमय। सनमय

मयोग्य मजनत नमहोर, पुरस नाचार, शामध्येहीत । असमपताः वयास्तरा वयक्तता वयशोरी सामर्थहीनदाः।



में मिरहना बादि ओड़कर और भी बन्द बन सकते हैं।

ससावधानी अनवधान ससावधानना राफसठ राफिसी प्रमाद वेसवरी वेपरवाणी सायरवाणी।

असि हे तसकार।

असित है कासा।

बासिस्टेट जप मन्द्रपार (कमचारी) मातहत सहायक।

सतीय ससीमित सनेन (रे ) अपरिमित सपार बेहद सीमारहित ।

असुंदर १ कृत्य बद्यातमा बदमूरत सींदर्यहील २ बेडीस बेडब बेटेया बेतुला भड़ा मोड़ा।

समुर ग्रंगरि, तमकर, कनुन बानव वितिन वितिनुत देवरिषु देवारि, दैरा स्वातकर नवनकर निधाकर निशिकर, सातु शान रजनीकर राक्षस शुक्रकिय्य सूर्यारेषु सुरवैरी।

समुचिया अइवन विश्वाई तक्ष्मीक्र विष्कृत परेशानी मुस्तित।

नस्त अस्तंत्रन अस्तमित दूबा हुआ तिऐहित समाप्त। अस्तर अंतरपट धैनशेटा तस्त्री मित्तस्त्री साइनिए।

अस्तिवल अस्वताला बहसाल तबेसा वाजियासा प्रयासा ।

सस्तम्पस्त वस्थवस्थित उत्तर-पुन्नद उत्तद्र-पुन्नदा वनद्रा-पुन्नदा कम्हीन यहड-संहड तिनर-विनर विपर्यस्य व्यवस्थातीन।

मिलिस्य सर्वस्थित उपस्थिति भौजूरपी मजूर विद्यमानता सत्ता।

सस्यु १ सन् अत्रस्य इसनिष्, २ सन्द्रा चैर मता ३ को मी

हाजो शाक्षको हो। अस्य देहस्मिगर।

अस्त दे ह्यियार। अस्त्र-शस्त्र दे इतियार।

भरनापा १ श्रामारा भरनामी १ श्रामानामिक सारवी ग्रीपुस्तविश्व २ श्रामेत्य सस्मिद, श्राममंत्रुद, नापायबाद, नाशबान क्वानी।

अस्ति शुरी हाइ।

सरिय-पंतर ठठरी।

सरिकर १ कममय वयमपाता वाँवाकोम विचलित २ मधीर,

सस्पताल सौपद्यासय चित्रित्ताशय विस्पेंगरी वदाखाना श्रद्धांचाना हस्पनाल हास्पिटल।

मस्पद १ बुँधसा २ संदिग्ध।

ससमानता (Disparity) ससमता (वि∗) विषयता (विः) वैदास (विः) ≀

मतमापा भक्क मधुरा अपूर्व अवितः।

भसर प्रमायः।

सप्तान १ मधली करा नेमिलायट बुद्ध सच्या २ मृत मृतस्तर १ मामायिक साम्बन्धिः

मससहा है हुवियार।

अतिविद्यः तस्य यक्षाचेता वास्तविकता सच्याई, सस्य सस्यता।

नतनो सम्म करा प्राथमिक यकार्थ वास्तविक विकृत सुद्ध सञ्चा सही।

मसङ्गतील असहिष्यु विवृत्तिका तुशक्रिकाकः

सत्हनीय दे अस्त्राः

भत्तरूपामः च मध्याः। भत्तरूपतः विकासः प्रतिकृतः विवरीतः विशतः।

मसहासः १ मनाव निरामयं निरामितं निसहायं निसहायं वैसहारः

२ मञजूर माणार, विवस वेवस ! असङ्घ लस्त्रुगीय तीवण तीव तेव पुसङ्घ गावाविमेवर्वास्त प्रयंत्र !

स्ताह वापातः। संत्राह्मारः १ वजर अत्रीव वजीवापरीय अव्युक्त अनुहा अनोका

अपूर्व अक्षायाम्य आरक्यर्यन्तक पत्तक प्रैरणामुश्री कारकारी निरामा विकित्र विसम्बन्ध विकित्य विकेश २ जीवरीय अपूरम जनम्ब अपुनतीय वैकोड वेशियाल वैनकीर, साव माव साम्रामी १ अपने वंश कनास का सावो में एक

४ विष्यव बुरमर। असहाय कठिन बुष्कर, बुस्ताव्य।

सतामधिक सकास वेजस्त । सतामान्य दे नवासारणः।

असामी १ कारतकार, जोता रैयत २ याहक बाहकः

असार : काली सुष्क निचार, निस्धार बृत्य साररहित। सामग्राल १ सतार्क ग्राफिन प्रभादी मापरवाह २ नवेत वेतवर,

असावधानः १ सततकं ग्राफ्रिन प्रमादी नागरवाहः २ नवेत वैद्यवर वेसूस्र वेद्योक संख्याद्वीतः।

असाबमान होना कान ने तेल जानकर पढ़ा होना नापरवाह होना छोना। 'अधावभाव' के नर्यांको में 'होना' तवा 'अधावभानी' के पर्यांको में मिंच्हनां भादि जोड़कर जीर भी सम्बन्ध सकते 🧗।

असावबारी अनवधान अमावधानना सफसन साफिसी प्रमाद बेलवरी अपरवाही सायरवाही।

सति वे तलवार।

सतित हे कासा।

असिस्टट दए भवत्यार (कमपारी) मातहत सहायक।

मसीन, बसीमित अनंत (वे ) वपरिमित अपार बेहव सीमारहित।

जर्मुंदर १ कुल्य बदसकम बदसूरण सींदर्गहीन २ वेडील वेडव बदेया बेतुका भड़ा माडा।

सपुर इंडारि, तमशर बनुत वानव विवित्त विवित्तुत देवरिषु देवारि वैरा ब्लातचर नश्चचर निधाचर निशिचर, साहु प्राम रजनोचर राखस कुत्रविष्य सुररिषु सुरवैरी।

अमुविधा अङ्गान विदेशाई सकतीफ दिस्कृत परेवानी सुरिक्ता। अस्त अस्तीयन अस्तीयत इवाह्या तिरोहित समाप्त।

सस्तर अंतरपद वैतरीन तस्त्री मिलन्सी साहर्तिए।

सस्तवसः अञ्चलका मुब्सास तवना गाविषाणा ह्यवाता । अस्तम्बस्तः अध्यवस्थित उसर-युसर उसरा-युसरा उसरा-सुसरा अम्महीन

वड्ड-मङ्ग निनर-बिनर विपर्यस्य व्यवस्थाहीतः। अस्तिस्य वर्गस्यिति उपस्थिति गौन्दयी वज्ञ विद्यानाता सत्ताः।

सस्तु १ सन सतएव इसनिए, २ अच्छा चैर पता ३ मो मी हा बाहा थाहे जो हो।

मस्त्र हे ह्यांचपार।

**अस्त्र-शस्त्र से इ**थियार।

सस्तायो १ अल्पशीमिक मारबी ग्रैरपुस्तवित २ वितित्व अस्यिद, श्रमानेपुर, नापायवाद, नासवान क्रामी।

सस्य हुई। हाइ। सस्य-पार ठठरी।

मस्विर १ क्ष्मम क्षममाता क्षीवाक्षेत्र विश्वसित २ अधीर अग्रात मस्मिर्वास मस्मिरपति चवन।

अस्पतास औपप्रात्तम विकित्तालय विस्पेंगरी दवाकाना घटाबाना इस्पनाल हास्पिटल ।

मस्पटः १ बुँधसा २ संदिग्ध।

हिन्दी पर्याद कोस / ११

अस्युस्य संस्यत्र कक्ताः

अस्वस्य जीमार, गरीज क्ल रोगिहा रोनग्रस्त रोगी।

अस्याभाषिक वनीसर्थिक अपसामान्य अप्राकृत सप्राकृतिक अस्यभागन

कृषिम बनावटी।

अस्वामानिकता वनीर्धीयकता वभाकृतिकता अस्वभाववता कृत्रिमता

बनाबटीयम बनाबटीयमा ।

सस्त्रीकार समान्य सस्त्रीकृत पृतकार नामणुर —करना १ सस्त्रीकृत करना देनकार करना गकारमा न मानना नामंदूर करना निषेश कराना मना करना २ दुकरादेना स्त्रीकार न करना

प्रहम न करना है चंडन करना प्रत्याक्यान करना।

मस्बीकार्य वे नग्राह्यः १

नस्बौहरत अनुमादित नयान्य अस्वीकार, ग्रैरमकूरभुवा नामंकूर।

अहं देशभिमानः

अहकार दे अभिगान।

सहसारी अकड़बाज सकड़ अधिमानी ऐंडू, नवींचा चुरूछे गुमानी यमंडी ठसकदार वभी वर्षी दिमागदार, दुर्मद महरूर,

मिनानवार, मिनानी सागी। सहसियतः महत्त्व महत्त्व।

बहुमियत महत्त्व महत्त्व बहुम्मन्यता दे बनिमान।

अहरमा अहित्या ऋषि-वसी वीरामी।

महतान १ सनुबद्ध उपकाद भन्ना हिए हित्तसम् २ सामार इतज्ञता।

सहाता कैपस नेरा चहारवीचारी प्राकार, प्राचीर, बाका सहरपताह

ह्रांचा ।

अहिसम् अहिन। अहिसा परपीवृत्रहीनता।

असि वेसीप।

अहित अकस्याय अनिष्ट, वपकार, वर्मश्व गुक्सान दुरा हानि ।

अहिवात पुद्दान सीमाम्यः अहिराना (अहीरों का नौव) वामीरपस्ती कोयः।

सहोर शहर, घीर, योग नीपाश योसक्य ध्वास व्यासा यादन।

सहेर वाबेट, मूपमा विकार।

सहेरी आवेटक बहेतिया व्याग मुख्यक विकारी।

## या

सौकड़े १ (Statistica) श्रेक-संक्रमन (उ. प्र.) सोकड़ेबारी (स. प्र.) २ (Dain) राष्प्राक (ग. प्र.) बाटा बेटा १ (Figures) सेंक (उ. प्र.)।

भौकता भैराव संगाता समुगान सर्गता जाकसन करना कृतना प्रातकतन करना।

सींस वस सीक्ष चसु चरम वृत्र दीवा शवर शयन नेत्र नैन सोचन।

सौपन संदण अँपना खेंपनीया अजिए, बहाता चौक प्रागम सहन।

मापिक कायिक दैहिक शारीरिक। भौत मापिकशासा साथ सपट।

मौचल अंचल भेंचरा छोर परशा परला

बांचिसक क्षेत्रीय भड़सीय स्वानीय।

मोटी वाकी ठाई फूफी बुवा गामी मौसी।

मीत वंश वेंदेड़ी साव ।

जीतरिक संतरंग अंबक्नी आध्यंतरिक भीतरी। स्रोदोसन १ (Movement) अशांति उवस-पूक्य उपाव कसकसी

क्ष्मिक सूचमट २ (Agitation) क्रोम (म प्र )। आर्थी बंधक अँधेरी चकवात संसा संसावात सुद्धान धर्मबन

वर्षेटर, भारताचनः।

भीय-बीच अडबंड जनाप-सनाप श्रीय-बीच सीच।

स्रोच बाग नामाविसाट, नामरतवाविसाट, भत्तर्वेपस्य ।

जीवता अमृतपन अमृतपना अमृता जानवक जानकी बामसा।

मांसु बन्त अध् पशुबन दसुवा नयनवत्त नयनतीर, नेनाबु।

आहंदा सबके माथ जाने मनिष्य मे।

अरहतम् नम् भारु (एमेंडेमं) मद्य मुद्दा बस्तु, नियम।

माइडियालजी मत विचार, विचारवारा सिदात। साइडेटिडी मस्मिता इपता पहचान व्यक्तितः।

साइडेटिडी शरिमचा इपर साईना दे दर्गण।

माईना दे वर्षणः। नाउट बाहर, वेदसार

नाउट वाहर, वेदबस हटा हुवा। मान्नेटपुट करनाद (केना) उत्पादन (सभी) उपन (स प्र ) निय्यक्ति

हिन्दी पर्याय कोश / १७

(वि) निकासी (ज प्र) पैदावार (ज∘प्र वि म भ ) मेरिफ्ल।

वाकर १ जिलाशिकान वान २ छवामा वश्रीण निष्ठि मंत्रार। बाक्यंक विकत्त मनगीहक मगोहर मगोहारी मनीहार्य-कारी गुणकारी जुमानना सन्मीहक सुदर(दे०) हृदय स्रोही।

आकर्षन विचाय कविश दिलकृती सन्मोहम ।

भाकवित बाइन्ट फ्रिया मुख मोहित सम्मोहित।

सामस्मिक नगरमात् होने वासी वाचानक वटने वासी वानपुरानितः सप्तत्वातितः।

आरुस्सिक वर्षिः (Surprise check) जवानक वर्षिः (वि ) सीत्रक वर्षिः (वि )।

आकांका दे इक्छा।

बाकांसी जीवसापी बारव्यंव इच्छूक कांगी वाछी।

भाकार १ जाकारप्रकार कर्युड्य-काठी डील-डील २ दे साहति।

माकाश अंतरिक्ष जंबर, बचर जान अर्थ बालमान अर्जनीक ख खरोल बबन बबनमाइल स्त्रयायच सारापण दिव सु सूचीक

तभ नभगवस नभोगंबस नाक फनक ब्योग सून्य।

आकारायमा वेषयमा मंदानिनी स्वर्तमा। आकारायेल समस्येम अकाशवीर अकारायमानी।

काकारावाणी १ देववाणी शत्रवाणी शत्रोवाणी २ काल इंडिया रेडियो रेडियो।

माकासबुद्धिः वनिविचय बुद्धिः।

स्रात्म सधीर बालीट सल्पर, बातुर, बाते उठावला छड़िन उड़िल कृत्य ववरावा चितित वेदल वेदरार, वेदैन वेताब विदल विस्तुष्य स्थव।

आस्तरा महुमाहट अधीरता आहुरता पढिन्तरा पवरपहट, छट पटाइट, परेकारी वैभीनी विकत्तरा व्यवता व्यापुत्तना !

आहाति १ वहन भेहरा-मोहरा नाफ-नवन नैन-नवव बनावट, वर्ष क्यारेला शवस सवस-पुरत स्वक्षा २ दे आकारः ३ अनुकृति आहेल विज तसवीर, प्रतिकृति प्रतिकर प्रतिमृति।

५८ / हिन्दी पर्याय कीय

भाकृष्ट दे बाकपितः

नाक्रमच १ चढ़ाई धावा हमला २ सावात प्रहाद बार ३

सद्वयंच —करना पहाईकरना टूट पड़ना छात्रा सोसना। सामांत १ समियुन पराभूत क्यीमृत २ सामगित १ परानित

हारा हुमा ४ मधि<u>क्त</u> माण्डल्ल माण्डाबित मायुत्त ।

आरकोस दें कोध।

साक्षेप १ अपवाद अभियोग थारोप इसकाम दोपारोच्य २ कटाझ वट्निन छीटाकश्री तंत्र ताना छत्तती व्यांम्य ।

मास्सिमन जीवजन प्राणनायु।

मासिर अत उपसंहार, नतीजा परिकास फस।

भाकियी अंतका अंतिम अंत्य आक्रियका पिछमा।

भाक्तट महेर मृगया विकार।

आंबेटक अहेरी बहेसिया मुख्यक स्थात व्याचा विकारी।

माच्या वनिष्ठान नाम खडा।

असम्बन्धान आक्यानिका क्या कहाती हिस्सा यस्य वार्षाः।

**बास्**यायिका दे बाट्यान।

सायपुक अतिथि कम्यामध सायत वानेवासा वर्धक वर्धनायी मिसने वासा मुकानाती।

भाग अनि अन्तर बाधी आदिष कृषाष्ट्र बठपानि वठपानस् आप्रवेद ज्वतः ज्याद्या दावानस् वादान्ति अनंतर्य धूम् स्वय नाविकेटा पावकः पीचवाण वृद्धानस् वादस् बङ्कि वैश्वर वैश्वानरः, सप्तविद्धाः हृविधूनं हृतपुकः हृतायनः।

वैसदर वैश्वानर, स्प्तिबङ्का इतिर्युक हुतमुक हुतायन : आयम १ आने वामा समय भविष्य भावी होनहार २ अवाई, कागमन आमद।

भावमन भाना वसरीक साना परापैन परायना प्रवेश करता ।

आया अगाही अवनाभाय अग्रमायः।

आरमामी १ अपना आविषक (वि ) जानेवासा प्रविश्वच्य भावी २ द्वोनहरूर होनेवासा।

स्रापार मृह्य पित्तय शाला ए जनहु, और और, स्पल ३ कोय खराना।

मापाह् सुचेत सतर्क सावसारा।

आमें १ अयाही, सबक्त सम्मुख सामने २ पहले पूर्वकाम स

भूतकाल में हे बाइंबा जाये वसकर बाद में महित्य में। जायह १ अनुरीय इसकार २ जिब पुरायह हुठ हठधर्मी हुट-समिता।

भाषाही : विद्यो पुराप्रही हुठी।

आमार्ति चोट, ठोकर शक्का प्रहार, भार साँका

सावनन १ जस पीना पानी पीना २ स्वेषकता कुल्सा करना हुस्सी करना।

माचरण परित्र चत्तन्, जात वस्तर ।

आसार नाभरण जसन बास बसन धरित।

सावारवान् नाचार-विचार वाला जीलवान सम्बद्धित सवाचारी।

ज्ञाचार-प्यवहार वर्णन व्यवहार दे परित्र।

आचार्य १ क्राध्यापक चस्ताव बुव वीडतः प्रोफ़्सर प्राह्मापक तिसक २ पेडिट मर्मेड विडाम् विसारत विसेपता।

आच्छ्रमा बावृत्त छिमाहुवा दवाहुवाः

आरंश रै अन्त मान के दिन २ अब इस दश्य इस समय।

माञ्चनसः इत दिनो इस वनतः इस समय । साज्ञनमः वे साजीवन ।

मालाम च मानावता

सा**व**भाइतः इन्तिहान परश्च प्रदीक्षण परीक्षा ।

श्रादमानाः नावभाइतः करताः व्यवहृतः करके वीचना-भरतनाः परयमाः । सावभागः वे भावमुद्याः।

विमाया व वाचमूरा।

बाबमूरा भगुपूत बाबनाया वीपा-परचा परीक्षितः। बाबाब मुक्त स्वच्छंय स्वतंत्र स्वाधीन स्वायतः।

माबारी भूक्ति स्वच्छेता स्वतंत्रता स्वामीनता स्वामतता।

खारा भुक्त स्वच्छाता स्वतवता स्वाधानता स्वाधानता

साबिक र्यंग चुटी परेज्ञान। साबीकन सामग्रा करम घट, विक्ती घट, वीक्नपर्यंत मीवन घट,

ताजिबयी २ आमएन मृत्यूपर्यंत मौत तक। आजोबिका काम-काम काम-संसा काम-साम संसा स्पन्धाय वृत्ति

रोजी रोजी राटी।

आसा १ आवेल साईट, नहना कहा करपान समादेश हुनग २ अनुदेश निर्वेत हिदायंत्र ३ इनावत जनुता अनुमति सहमति।

माताबारी सनुवदं मात्रापासक प्रत्मावस्वार हुपमवस्वार।

६० / हिन्दी वर्गाय कोडा

बातापालन (Obedience) बजुपालन (वि ) आज्ञाकारिता (उ प म प्र ) बाजानुबर्तन (केन्द्र वि ) फरमावरवारी हुक्स वरवारी।

भाक्तभय भवता माफ्रस्मावरवारी हुक्मतदूसी। बाहा सम्मकुणे कृत पिटाल्न पिसान मेदा।

आठवर्ष सप्टम्।

आरंबर टीमटाम बकोसला बाँव विकासट ठाट-बाट विखासा पास्ट अवर्धेन प्रपंत्र स्वाँच।

मार्डकरी कॉयी दिलाकापसद पाखडी प्रदर्शनप्रिय।

साँक्टि बकेशा (सन कि) यणना-परीक्षा (स प्र॰) लेखा परीक्षा (सपी) संबोधा (स प्र )

अहिंदर नेचा-परीशक सबीधक ।

भाड़ १ बाध्य बोट परवा पनाह सरण सहारा २ टीक टीका तिसक सिरकटी।

माद्रा विरक्ष विर्यन ।

माइल चोक बाजार, मंत्री।

जातक १ खीफ कर, वास बहुयत वय भीति २ श्वदवा प्रताप प्रमाय रोज रोज।

मातक्षात देशीराम बहस्यतगरी।

भारतंत्रवादी वाकृत् देशरिस्ट बहुत्रतन्<sup>त्र</sup> बहुश्रतप्रथा।

माततायी वत्याचारी बामिम बुस्नी नादिरशाह ।

भारतप १ उप्याना कष्या गर्मी तपन तपित्र वाप २ बाम सूप।

भातग्रह (रोव) उपर्वत्र भरमी किरंग पुत्राक धूबाक। भातग्री १ भनि-उत्पादक २ मन्तिसंप्रती आग्नेय।

स्तिरा ( साल-करावक र सालधना आलप। स्नितिस्य (Host) परियोगी (स्त ) पोपक (त प्र ) मेनवान (वि ) सन्त्रमान (स प्र ) स्तिधिनत्कारक स्नितिस्तिक

भेहमानदार। आतिष्य अतिष-सत्कार, अतिषि-सेषा शांतिर-तथाया खांतिरदारी मेहमानदारी मेहमाननवाती।

मातिस देवागः। जातुर देवाकृतंबतायसाः।

मादुरतः दे बादुसवा चवानसापन।

भूतकास में १ आईवा आने चनकर, बाब में भविष्य में। भाग्रह १ अनुरोध इसरार २ जिल बुराजह हठ हठमनी हट-व्यक्तिता ।

माप्रही विद्यी दुरावही हठी।

मामाल नोट, ठोकर धनका प्रहार गार खाँक।

आव्यमन १ वम पीना पानी पीना २ अवयना कुरना करना कुरनी

करमा ।

चरित्र चलत चास चलत। जाचरण

नाचार भाषरण पसन पान-पत्तन परिचा

माधार-विचार वासा सीसवान सन्वरित सदाधारी। आचारवान् ।

नर्तान व्यवहार दे चरित्र। सामार-स्पन्हार

**१ अस्मापक उस्ताब गुब पंडित प्रोक्टेसर प्राप्त्यापक** वाचार्य तिलक २ पंडित मर्मेत विद्यान् विद्यारक विशेषक।

भावत छिपा हुवा दका हुवा। आंग्रेजन

भाषः १ अधा जान के दिन २ तथ इस दल इस समय।

आजक्त इन बिनो इस बक्त इस समय।

दे आजीवगः। श्राजन्म इम्लिहान परख परीक्षण परीक्षा।

वादमासा भाजमाइत करता व्यवहृत करके जीवता-परवना परवता। भाजनीतः

शासमाधाः वे मात्रमुदा।

अनुसूत बाबमाया शीधा-परका परीक्षित। बाबम्श

साबार मुक्त स्वन्तंत्रं स्वतंत्र स्वाधीन स्वामतः।

भागारी भूक्ति स्वण्डेवता स्वतंत्रता स्वाधीनवा स्वायश्वता।

आजिक तंग हुयी परेकान। आअस्य जाम भए, जिस्सी भए, जीवनपर्यंत जीवन भए, शानीयन

ताज्ञियमी २ जामरण मृत्युपर्यंत मीत तक।

काम-काभ वाम-बीधा काम-धाम श्रीवा व्यवसाम वृति माजीविका

रोबी शबी-रोटी।

१ आवेश आईर, पहुमा कहा फरमान समादेख हुसा मासः २ अनुदेश निर्देश हिंदामत ६ ६नावत अनुवा अनुमति

सहयति ।

**अनु**नत बाजापालक फ्रेरमाबरहार हुक्यबरदार १ भावाकारी

६ /हिन्दी वर्षाय कीश

भाष्टापालन (Obedience) अनुपालन (वि ) आञ्चाकारिता (उ प्र स प्र ) वाजानुवर्तन (वेन्त्र वि ) फरमावरवारी हुक्स बरदारी ।

**आक्रामंग सन्ता** माफरमानरदारी हुनमउदूली।

मारा मन्त्रपूर्वभून पिप्टान पिषान मैदा।

आहर्य बप्टम। आइंबर टीमटाम क्लोसमा कींन विकासत ठाठ-बाट विकासा पासंह

प्रदर्शन प्रपत्न स्वीय ।

साध्यारी कोंगी दिखाबापसंद पार्वाडी प्रवर्जनप्रियः। स्रोडिट संदेखा (धन वि ) यचना-परीक्षा (स प्र ) लेका

परीक्षा (सभी) सबीका (च प्र )

सांडिटर लेखा-परीक्षकं संबोधकः साङ् १ सायवं सोट परेवा पंताहं सरम सहारा २ टीक

टीका विश्वक सिरवंदी।

बाइर विरष्टा विर्यंक। साहत योज वाकार, संबी।

मातक १ खीफ बर, नास बहुबन भग भीति २ दबरबा प्रताप प्रसाद रोण रौता।

मार्तस्याद टेर्स्टरियम बहुशतयसी।

मार्तकवादी बाइक् टेर्रीरस्ट बहुशवगर्व बहुसवपसंद।

भावतायी भत्याचारी कामिम कस्मी नाविरवाह।

मातप १ उप्पता रूपा वर्गी तपन तपिस ताप २ वास सूप।

मातशक (रोग) उपरम गरमी फिरंग मुखाक पूजाक। मातशी १ अभिन-उत्पादक २ अभिर्सनी आसेगा।

मातसा १ मान-उत्पादक२ मानसरतामानय। मातियम (Host)परिक्षोपी(राज)पोपक(उ. प्र.) मैक्सान

(वि) श्रवमान (म प्र) विधिमल्कारक विविधितक मेहुमानदार। व्यक्तिपन्धस्वार विधिन-सेवा वाधिर-तथावा वाधिरदारी

अतिभ्यं व्यतिभि-सत्कारं व्यतिभि-सेवा व्यातिर-सवाजा व्यातिरवा मेक्सनव्यापी मेक्सननवाजी ।

मह्मानदारा मह्माननदाता स्रातिस हे साम।

भारतः च नागः शतुर वे नामुक्त बतायसाः।

मातुरता दे मानुसता उताबसायन।

```
सारम सपना निजाका निजी स्थ स्वकीत।
    आरमगोर्थ आस्पसम्मातः।
     आत्मधारा आरमहत्या सूचमुत्री सूच्याद्य ।
    मात्मवाती हे भात्मईता।
               रे पुत्र।
      जात्मज
               रे प्रभी।
     सरमना
      में रमन
               आत्मकानी तरवज्ञानी तरवक्षी बद्धावर्थी बद्धावानी।
   सारमञ्जानी
               हे आस्प्रजा
  धारमनिर्भर
               स्वाचर्यती ।
भारमनिनरता
              भ्यावर्णकर ।
  बारमर्शराचा
               बारमपुषयान बारमधंशा बारमस्त्राचा बारमसंबोर्तन बारम
               स्तुति जात्मशंसी जुन भियाँ भिट्ठू बनमा ।
               हे आत्मप्रशंसा।
  भारमस्ताया
 अरत्मस्ताची
              भारमध्यमेसक खद मियाँ मिट्ट वननवासा ।
  भारमसंयम बारमनियह, दम ।
 भारपसम्मातः जातमनीरवः।
  भारमस्त्रुति 🐧 भारमप्रशंसा ।
  मारमहेता भारमधातक मारमवाती भारमहन् ।
  भारमहत्या
             वे वारममात्।
     आरमा १ मंतरात्मा जीव नीवात्मा वह हंस २ मंतराब संतर,
             व्यक्तिमंत्र सह ।
मारमाभिमान भारमगौरव नात्मसम्मान ।
सारमानसनी स्नावसंनी।
             भपना निज का निजी संबंधी रिक्टेपार।
   आरमीय
             १ प्रकृति प्रवृति स्वभाव २ देव वान सन ३ वस्थास
     सारत
             मधक ४ इस्मत ।
   माहमी : १ इंसाम मनुत्र मनुष्य मानव मानुष २ वन व्यक्ति,
             के लाजिक पति पूरव स्वामी ४ बाकर, मीकर सहायक
             रेवक १
  भादमीयतः इंवालियन सनुष्यतः सनुष्यत्व ।
            बान आवक इरवत गरिमा गीरव पुरममान प्रतिप्ता मान
     सारर
             मान-मर्यादा श्रद्धा मत्कार मधादर।
```

**बादरणी**य

**भाषार**भूत

सादरकीय मान्य समादरणीय सम्माननीय सम्मान्य।

आहरणाय मान्य समादरणाय सम्माननाय सम्मान्य। आहरणुक्क बद्धापूर्वक ससम्मान सादर।

माहर-सन्कार भावभगत खातिरवारी।

भारमं १ नमूना प्रविष्टति प्रतिरूप प्रविमान २ माईना सारसी क्षेण सीमा।

भाराता (Receiver) रिसीवर (सभी)।

मारान-भरान दे विनिमय।

माराष्ट्र थावाव वर्ष न्दवत (दे ) नगन नमस्कार, नमस्त प्रणाप्त वालेकूम सस्तकाम वालेकम ससाय ससाय :

सादि १ सादिक इत्यादि प्रभृति वर्षस् वर्षस्य-वर्षस्यः २ सार्योग्यक वारमः चाहमा प्रवम प्रावमिक गुकः वः ३ सव सार्यम साधाव इन्यदा प्रारंग विस्मन्ता सुमारमः गृकः मुद्दान श्रीयमेस समारमः ।

बाहित्य दे सूर्य।

माविपूरण ये वीगर ।

मादिम १ साथ पहला प्रयम प्राथमिक प्रारंधिक मूल मौतिक दे सादि २ प्रायन प्रामा प्राथीत।

सारी अस्थला।

बादत समादत सम्मानित।

मारेख १ शाक्षा क्ररमान हुनम २ शनुदेश निर्देश सकेत हिंदा

यतः २ दंडवनः नमस्कारः, प्रणामः। भार्यतः अस्य से इति तकः आदि से अनं तकः प्रारम् से अति तकः गुरू से माजिर तकः।

भावसर (Include) छोटे बस्तवात (स प्र ) प्रवसासर (स प्र हरि ) प्राक्षर (वि ) संसिप्त इस्ताक्षर (स प्र )।

आधोपति सव स इति तक साथि से श्रीत तक प्रारंभ स अत तक नुक्से आसिर तक।

সাধা মত্রা মর্য মর্যার দিকে ডিপুরী (ডিগুরী-ডিক্রী স্বাধা-নারা) রাজ।

आसार १ जड़ शोद बुनियाद मूल मूलाक्षार २ अवर्लंब आसम सहाय।

माधारभूत (Fundamental) भाषारिक (वेन्द्र हरि ) बुनियादी मूल

हिन्दी धर्वांय कोच / ६३

वादा **र**विद्या

वानाकानी करमा

माप्रारशिका माघासीसी मावि (केन्द्र र प्र.) मुक्तमूत मीतिक (केन्द्र राजः)। स्राधार नीव गीव का पत्पर कृतियाव। स्राधनपारी अक्षकपाती चंत्रावर्त सुर्यावर्तः।

चिंता भनपीड़ा मनोस्थया मानस रोव मानसिक रोम वेदना स्थवा संताप।

अधिकारिक प्रामाणिक मुस्तण्य विश्वसंत्रीय विश्वसंतः । स्वाक्तिय समिकता (हे ) च्यासती बङ्कतागतः । आधिपस्य समिकारं, कम्बा प्रमुख स्वामित्वः ।

आधीन संधीन पुनाम शीपे परतन मातहर नहवर्ती बलीमूद। आधीन संधीन पुनाम शीपे परतन मातहर नहवर्ती बलीमूद। सामुनिक नवकारिक नवतन नप-टू-बेट वर्वाचीन आवक्स काः

ৰুপ্ৰকালিক ৰুপ্ৰত প্ৰশ্বীত প্ৰশ্বীন প্ৰাৰ্ক্ষ কাণ্ট ৰুপান কাৰ্তীশান ব্লুমানকালিক বুট্নান বস্ম কা हास কা ২ অধিদৰ বাৰা ন্যা দ্বীন দ্বা সুৱদ।

आर्थर । आङ्काव उरुमाध कृषी प्रशंनता प्रमोव पत्रा पोव, सुरुष्ठ पुत्र वि ) वृष्टे । आर्थदवासक आर्थकर, बाङ्कारकारी उरुमासकारी प्रभोवकारी संगक्तव

नागवदायक जातकार नाञ्चारकाच उत्तरकाच अभावकाच अगावकाच अगावकाच

रिट्यूबर्क सात्त्रात बुबा स प्रधन्नवाधुबक सहय सात्रय सुबधुबक सुद्ध से।

सामिक आक्रायिण जन्मधित सूम मदयद तुष्ट निहास प्रजुनिसत प्रमुखित प्रसन्त प्रहृषित प्रृतिस संतुष्ट हृष्टि। साम १ आवक दृण्यत गरिमा वीरव प्रतिका मान-मर्गादा

सम्मान(दे) शास्त्र २ जण्ड गेंठ ठसक द्वान ६ टेक प्रज्ञप्रविक्षा ४ स्वाधिमान(दे)। देशुला।

आनन-आनन में बारि सीम एक भन म करायट वर वट-पट सर शटपट सुरंत तुका तुका-कुका वेसले-बब्दो पटाफट फ्रीरन।

भाग-माम ठोट-बाट राहुक-भाहक जाम-जीतित सन-धन । भागा मारामन करमा मा टपकमा ना यमकना तसरीय माना

पवार्षण करना प्रभारना प्रवेत करना नुपायपन करना। भानाकामी करना वर-पायर करना आवाद करना आवाद क्षम करना वरदाना करने संबी चुराना टानम होत्त करना वर्षाना वहना करना हीमा-तृत्वाया करना।

६४ / हिन्दी पर्योग कोश

कानन

```
आँफिलियेट करना
मानवंशिक
              (Hereditory) त्रमायत (उ प्र ) बगायत (बि ) बंधान
  आनवंशिक
              यत (उ प्र ) पुश्तनी (म प्र ) पैत्रिक (कई) मौक्सी
              (का) बंधकमायत बंतानकमिक।
              १ सप्रधान मीम २ संबद्ध संसम्न सङ्ग्यती ३ प्राप्तमिक।
  धानवंगिक
              १ इस्य स्वत स्वयं २ तम त ३ जनावमासी भीमन्
       बाप
              हबूर ।
   सापत्काल
              भूसमय दृष्टिन दूष्णाल।
     सापति
              १ उन्न एतराब मॉस्बेक्शन २ मापत भाषता माफन
              मुद्दीबत विपत्ति विपदा श्रेन्ट।
              हे बापति।
      सायका
सापरेट कपना
              १ बमाना परिवासिन करना संवासित करना २ बीच
              भगाना चौर-फाइ करना सर्वेरी करना। दे ऑपरेशन।
     सापरेटर
              बसानेवामा (भ प्र ) बालक (म प्र ) प्रवासक (समी)
               परिचासक (ब श वि ) संचासक।
    आपरेगान
              चीरा चीरपप्रह वर्राही शस्त्रक्रिया घन्यचिकित्सा सस्योप
               चार, सर्वेरी ।
               बापन का पारस्परिकः।
      सापत्री
               १ चनना नुध-बुध होध-हवास २ वर्ड शहकार गर्व
        भापा
               गकर, चमह (दे ) व जीजी बीबी।
               (Emergency) १ भाषात (कई) इमरबॅमी भाषतिक
  सापावस्थित
               स्विति (नई) संगटकासीन स्विति (त. प्र.) २ बाकस्मिक
               सक्ट ।
               पादपर्यंत पैर तक।
       सापार
    मापाधापी वीचतान चड़ा-उनरी चड़ा-उपरी बीड़-घूप होड़।
        बॉपेच नीतिनादय संगीतक।
    कॉप्ट करना चयन करना चनना बरण करना।
               प्रामाणिक विश्वसनीय विश्वस्त (वैश बाप्त बार्य) ।
        भारत
        बाइत दे आपश्चि-२।
```

इ.स.च. १ अर्थन करना ।
 इ.स.च. १ अर्थन करना ।

स्यानापन्न रूप में काम करना स्यानापन्न होना।

रे मुर्ग।

भाषताय गाँकर

**WORT** 

भौकिशिवर

ब्रिम्सी पर्याय कोस / ६५

व्यक्तिसः कार्याक्षय दश्तरः।

व्यक्तिसर विश्वकारी वक्रसर, पशासिकारी।

भावंदन (Allotment) वटि (कहें) निवरण (स प्र ) विभाजन (स प्र )।

माम १ दे०पानी २ वे चमक १ दे सुदरता।

सावकारी एक्साइक उत्पादन कुरुद्र ।

आवा वा वैधा वैधा हुथा मुक्छ।

आक्पारी सीवाई। आवक इस्तत प्रतिका सम्मान।

व्यक्तिक करना अवसोकन करना देखना देखना-आसमा ब्यानपूर्वक निहारना

निरीशन करना ।

सामरक है शासूयक। सामा काति कमक समझ दीप्ति खुति प्रकास प्रमा।

मामार अनुप्रहे अइसान उपकार एड्सान ऋण इराजवा प्रत्यक्षाव कोम मार।

वाभारी अनुवृहीत अङ्ग्रानमंद उपस्य गृहसानमंद व्यनी इतक इतार्व धन्यवादी मुचनुकार।

क्ष्यान अल्पनाया जुनभुकारा स्रामासः १ सङ्काल छत्रया समयः प्रतिबिंद प्रतीति मान २ भ्रम

मि**॰या ज्ञा**म ।

मामीर महीर योग जाना ।

साम्यक वर्णकार, बामरण शहना श्रेवर, ट्रम भूषण श्रेवन विभूपक। साम्यंतर व्यवस्थी सांतरिक।

भाग्यंतरिक अवस्था नातारक

मानंत्रच बाङ्कान निर्मेत्रच स्पोदा स्पीदा बुक्ताचाः

नाम १ माम कामतद पूर्व पिकर्वयु स्थान सहपार २ मामूनी सामारण सामान्य।

सामदली आमय, सामदण साव इनकम उपार्थन पत्राई, धनायप मक्ता प्राप्ति सुनाका साथ ग्रंगाधित।

भागरच तामीत मृत्युपर्यंत भीत तकः। वे भाजीवनः। भागावा जताक जतात कटिनदा तत्पर तुमा हुमा तैयार सम्बद्धः।

मामिय बोस्त गाँस विकार। मामिय प्रोत्नात वो सध्य प्रस्तावना प्रस्ताविका मानस्वन

६६ / हिन्दी पर्याय को स

मुमिका लेखकीय।

बहसे प्रा-श-पूरा समुख। मापुल

एफरीह दिसबहुलाव सन्नाक सन-बहुसाव सनीरंजन मनी मामोर-प्रमोद विनोव हेंसी-महाक।

भाग दे बाम १

१ वे मामवनी २ मासपुत्रारी राजस्य ३ उवाही प्राप्ति साप बसुसी।

इतकमटेक्स । बायकर

रीर्व फैना हुना भवा-भीडा विशास विस्तृत । बायत

बाई भाषी साय नशुं। भाषा

मायात इपोर्ट।

१ फैसाब प्रसार, संबाई-बौड़ाई, विस्तार २ नियमन बादाम

(श्रेस प्राणायाम) ।

१ परिमन महत्त्व थम २ कोशिक प्रमास। मायास श्रदस्या उम्र विदेशी जीवनकाल वय वयस । मापु

कभिक्तर। भायुक्त

जरम भरत-बरत असलहा हवियार। भापुघ

भायुवेंद मापूर्विज्ञान अनवैतरिकास्य वैकक वैत्रविका।

बापुटनान चिरंगीवि चिरंगीवी चिरंगीवी चिरायु दीवंगीवी दीर्घाय दीर्वायुष्य जतायु।

मायोजन भागीनमा इंतजाम दैवारी प्रबंध बदोवस्त भ्यवस्या।

भारंभ १ अन मानात आदि इस्तवा उपलग प्रारंग विस्मिता विकाम्यास सुभारंभ सुरू सुरुवात वीवलेश समार्थ सुत्रपातः २ मानिमनि सदय सत्पत्ति सद्मन सद्भावना वाम प्रापद्य प्रादुर्शादा

बारक्त दे माम। (Reservation)-- प्रारक्षण (म प्र ) पूर्वरक्षण (म प्र ) मारक्षण रिवार्षेयन ।

१ अभिकाषा अरमान आकाशा १ कडा वामना भूगाहिस मारङ् चाइ, तमन्ना मनोरथ मुराद बांछ्न इसरम २ अनुनय मन इन्तना पुत्रारिक निनेतन प्राथना विनती रिवनेस्ट विनय।

मारही माराधिक सीरावन। भारसी बाईना बर्गन वर्गन मुकुर। वसंकरण सवाबट । माराइस वर्षक छपासक पुकारी पुत्रक भन्छ। भारायक **धाराधना** नर्पना आराधन सपासना पूजा प्रार्थना। धाराच्य उपास्य पुष्य । १ विकास २ ऐकोमाराम करार थैन शहत सांति सक्त बाराम सुक मुनिया के उपकर उद्यान करिया पार्क अमीका काय शाबीचा । मारस्ति मर्गक्र समाहमा सम्मित मुसरिमत। (Diagram) माहति (म प्र ) चित्र (उ प्र ) शायदामः भारेक आरोम्प १ तंदुरुत्ती छेहत स्वास्थ्य २ तदुस्तत नीरोग सेहतमह सका । मारोप माक्षेप इनकाम क्षेप दीपारोपच सांधन। भारोपपत (Chargesheet) वोवारोपन-गव (स. प्र.) वार्वश्रीट। बारीप सवाना इसबाम सवाना बोपना होपारीपच करना मत्वे महना स्रोष्टम समाना। अपर कमा विस्प। थाटिकन निर्वात संख्य जीध-निर्वाय जीवपण। आर्डिनेंस शब्यादेश कानूगः। **अ**र्त बिन्न दुवी र्तम परेबान पीड़िय संवया। फ्राइनेबियम मासी न्यए-पैसे का किसीय ! आर्विक सर्व-विवयक मतलब-संबंधी सिमैटिक। सार्वी अवोदा गीना नम भीना। सरह १ महोश्रम महाश्रम शीमम् २ पूज्य मानमीव मान्य श्रेप्ठ। मार्थ मार्पावर्त के भारता। अवस्य वासरा सहारा। भातव १ वे संसार २ मनस्या बच्चा स्थिति हासतः भातम यष्ट कर निकेशन निवास भवन मकान वास । भारतम बालवाभ पाला पापला। भारतगर अफर्मेच्य असहबी अहबी आसरती कामणोद काहिल मानसी गरियार, विक्सप बीसा बीबॅनुवी निकम्मा निचट्टू बट्टर

बासमा

साला PINNE मालियन

बासी

१ क्योपक्यम काउनीत ना

२ वाव सर। अक्रमास अर्थकार परिरंग सिंबन घटना स्तहासियन। हे सनी।

मुसाब चनकर सेवर।

(Recurring) भावतंत्र (प

१ अनिवार्य अपरिद्वार्य नावमी २ महस्वपूर्वः। वनिवार्येता वपरिहार्येता व

साहट कुब ध्वनि मात्र वि सदा स्वर।

वे व्यवस्थापर्धाः वावारायरं पुरा परित्र

शोहरा ।

भवकीसा मस्य रोबीसा वि बाधा उदाता चमक क्यो प्रथा रोशनी।

समालोचक समीक्षक जिटिन १ विदिनियम सनकीय स लोषन २ छिडात्वयम टीव

नियतकातिक नियसकातीक वर्षिव-सत्कार, भारर-सत्का सन्तार स्वामत-मत्तार।

१ बाण्डादत कदर बठन है

सालीसान

बालोक

मानोत्रक वालोचमा

सापविक सावनगत

सावरव

स्रापर्त

मावर्ती

आवापक

काचायकता साराध

भावारमी

MITTE

- आसाम

- बक्ष्यंप्यता समहदीपन जस निकम्मापन बिविसना मैपिस्य उत्तम बडिया यप्ठ सर्वोक्स

मंद सद्भ क्रिशित स्तम सुर

```
बारवर्षे
                बास बास-स्वान झाला सबस सब्स।
वाबाहन
                आह्वान आर्थनग मुहार, टेर, पुकार, बुलावा होक।
      भाषाहर
                 दे उत्पति।
     साविमाव
                 ईबार मबनिर्माण।
                 कमिमूत प्रस्त प्रमाणित वसीमूत।
                  दृहराना पुनरावृत्ति प्रत्यावर्तन २ शतुमुख्य पुलनुंहम
     आविकार
        वाविष
                   आवश जलेजना उद्देव झॉक मनोबम विक्रोध संवेच सनक।
         मापृति
                   (Application)—wall (des w u ) miden (des
          आदेग
                    वि हरि ) बरखास्त (म प्र ) ऐस्सिकेवन पेटिवन
          सावेदन
       अविद्रमपत्र
                     अरेका बटका अब शंका बक बक्-बुवहा पुरहा स्टेड्
                     प्राचेना-पत्र वाचिका।
            आराका
                      सहय ।
                       १ वे वर्षिप्राय २ उद्देश्य (दे ) शीवतः।
                      दे प्रमा
            सारानाई
                       बास समीव घरोसा तबको।
                        बनुत्स्त अनुत्वी आवना बास्स्त प्रेमी महदूव सनम।
              कासय
                        १ भाषापूर्ण २ होनहार।
               साक्ष
           साराजनक
                         आहित जाबीय जाडीवेजन दुवा वृषकायना कुमातीय।
               माशिक
                         हे आधीर्वार।
               नाशिव
                          े बाबी तत्कात दृति दृता दृता कृत हुत होत्र विना
                          पूर्व सेवारी के ? साल्यांसक दिना पूर्व तैवारी का (बैटे
              ज्ञाशीर्वाव
                         दे आजीवीर।
                मारीव
                           बाबुक्षिणा) हे तेव हुए पुर्तीमा ।
                   श्रान्
                            (Short-band) बार्टहर शीमिनि (म प्र ) शहेश मिरि
                           महावेच (वे ) श्रीकर, शिव ।
                             (Stenographer) शीमसेवक श्वितनेवक (म प्र)
                 भागुतोव
                 मागुलिप
                             (म प्र)।
                              अवेशा अवस्य दुर्गूल कोतुङ कीनूहम तायुक विस्ताप
                 माग्<u>रे</u>तिक
                             स्टेगोप्राफर ।
                               कुरत क्षेत्र<sup>ही ।</sup>
                    । हिन्दी वर्गाय को स
```

बारवर्गविक्र

मारबयवन्ति चन्छमा चनित विस्मित हैरान।

सारवर्षनाम सद्भुत असाधारण केमास का करामाती राज्य का चमत्कारी चमत्कारपूर्व चामत्कारिक विचित्र विसराध विस्तरकारी देरतकीव ।

आध्यम ऋषिहुस ऋषिवास मठ मृतिवास।

सामय स्वतं सामरा वनाह प्रथम मधीमा शरम सहारा !

श्रास्परादा प्रथयशाना संस्थाकः।

आसित अधीन तावे निर्मर नीचे मातहता।

साम्बस्त विवासीत विशिष्ठ स्थिर।

सारवास करना आश्वासन केना निश्चित करना विश्वास दिसाना । सारवासन १ बादत तमन्त्री दिसासा संस्थान २ वचन वासदा ।

शारियन कुजीर, नुवार, नवार ।

सायाह जासाह सात । सामंत्री सासन सामनी चीकी पीडी बैठकी मेंचिया ।

सामस्य अनुस्क प्रमासक्त छिदा मुख मोहित सिप्त सम्मीन सीत संस्क सम्माहित ।

बार्सासा बमुर्यान अनुसम बास्ताई इस्क प्रम परित मुह्ब्बट मोह समान सिस्तता गंदास्त सम्मोहन स्नेह । बाह्य १ वार्स्स (है ) बारसी पीड़ा पीड़ी मेंच्या २ बैठकी

अस्तित १ आर्थवी (दे) आ सीगमुद्रा सामासन्।

ৰাজন (Imminent, Immediate)—সম্মনত্বিত (কছি) বিনারত (বি ) অনিক্ত (বা সা বি সা সা অনুসন্মিত (বা সা) নিক্তবর্গা নিক্তবেশ্ব অধীয়ন।

(७ म ) । नगटना । नगटना समापन्य । आड-मास इसर-जनर, इर्न-मिर्न करीड नजरीक निकट, पास पास पत्रीम समीप ।

माचनातः वे आकाशः।

अरायमानी १ वे नीका २ याकी मीरा।

मातरा देशाचय।

आता १ शर्करण सत २ दे सरावा।

मासाम दे सरका

आसानो सरमना सहसियन सुकरता सुवमता सुपीना सौकर्य। भारतार समामद मिन्ह निक्क सञ्जनः आसीन क्षेत्रिका क्षेत्रिक वैद्धा वैद्धा वैद्धा विद्यावभाग हिक्त । आसीन होन्सः हे वैद्धा । आसुरी व्यानचीन बमावृती वासुर, तामसी दामनी पावविक पैजाचिक राजसी।

आस्तिक ईंग्यरवारी ईंग्यर-विश्वासी वेद-विश्वासी (गास्तिको वेद पितक) ।

मास्त्रीन वह हान३

मास्या निष्ठा भरोसा यहाँन विस्थास श्राताः

मास्थाद बावका गया स्थाद।

भाहत १ जायाच धमाका परचाप २ टोह पता ।

जाहत वे पायम ।

आहार जास लागा लुगक निवा बादेट भोवन नोज्यपदार्थ। साहिस्ता आहिस्ता-आहिस्ता बीन धीरे बीरे-बीरे धरे वारे वारे ।

बाकृति इतन-सामग्री हविद्य ।

अलूत वार्णनित बाधाइन किया हुमा माञ्चान किया हुमा बाञ्चानित निममित पुणाया हुमा ।

भाक्तात नामंद्र सुधी प्रसन्तता इपै ।

शास्त्राम वे मानाहन।

₹

ईमलिस बॅबेबी बॉन्स नाथा। इतिस इसास निवेंब स्वेटाः

इंचार्ज प्रभाग्रे (कई) कार्यमाधि (म म ) सारमाधि (म म )

भारससम्बद्ध (केन्द्र च प्र वि )।

हेबन १ पासकार्यम २ कल मधीन येत। हेबरितवर अभिनेता (समी) येत्री (स. प्र+)।

इंडरच्यू साम्राल्यार (सभी) बांतवींचा (वि ) प्रत्यस चेंड (कई) समग्र मेंड (स प्र )।

दंगरेस्ट १ दिस्पस्यी स्थि रतः २ स्थान सूद। दंगोस्थान परिचयः।

७२ / हिन्दी वर्षाय कोश

इस्टी उद्योगः

इंडिया दे मारत।

इतकाल दे मृत्युः।

इंतजाम आयोजन प्रबंध बदाबस्त मैनेजमट, व्यवस्था ।

इतकार देशतीला।

इतहा अति चरम सीमा पराकाप्का सीमा हद।

इंटिए दे सहसी।

इंदोबर १ बुबमय गीसकमस नीमाबुब नीसाम्ब भीसीत्पम २

दं दमभा

इनु दे चंद्रमा।

देश अमरताय अमरपति देशकि देशका देवेन्द्र देवेम मनवा भेषराज वजावर, बृत्रहा शंथीपति सहसास सुरस्य सुरेन्द्र मुरस सुरेशवर।

इंडबात बादु बादुवरी तिसस्य बाबीवरी माया मायाकर्म।

इडजीत इहजित् इंडरमन मेचनाय।

इंत्रपुरी कमरावती इत्रक्षोक देवसोक सुरपुर।

इप्राची इह्रबधू पुनोमना शवि शवी।

इंद्रिय इंद्री कर्मेन्द्रिय गी आनेन्द्रिय।

देंप्रेशन ससर, छाप प्रभाव । इसपेरटर निरीक्षक परिवेशक मुखासना करनवासा ।

इतपरार । तराशक पारवक्षक भुवायना करनवाना । इतपेश्यान व्यक्ति निरीक्षण पश्चित्तण (स. प्र.) सुवायना ।

इंसाम ६ मनुष्यः। इंसानियन दे मनुष्यस्यः।

इसफ्ट देश्याय।

इंस्बीष्मूट पीठ प्रतिप्ठान सस्या संस्थान।

इस्टोब्युसन इंस्पेस्टर व प्रमणेन्टर।

इस्पेरतन वे इंग्पेननन।

इक्ट्ठा १ एकत्र एकत्रित एकपुरत समापूर्वीधृत समयुका संक-तित समुद्रीत संचित समजेन २ संयुक्त समस्वित समवेत साप्ता।

रक्ष्म करना १ एकन करना एकत्रित करना जमाकरना संकतन करना

हिल्ही पर्याय कीच / ७३

संकृतिह करणा संग्रह करणा संगृहीत करणा संबम करणा संविद्य करणा २ चुनमा बटारमा सँबीमा समेटना ३ उनाइना बोड़ना।

**१कतायाः** ४० एकतायाः ।

इस्टारनी श्रक्तमात्, ज्ञातक एक्बारनी एक-य-एक एकाएक एका एकी बिना पूर्व गूचना के सक्त यक वकारक शहुता।

रक्षमाल १ सम्बद्धाप २ वे भाग्य ।

इकराम इनाम इनाम-इकराम पारिधीपिक पुरस्कार !

इंग्फर करार कीम प्रतिष्ठा प्रश्न कायका ह

इक्सरनामा कसर प्रतिकापय ।

इन्तर्भोतः १ एकनात्र केवन एक मान एक (प्राय बेटा के निए प्रदुक्त क्यी-कनी सामान्य क्य से थी) २ एक मान बटा ।

इकाई (Unit)-कृतिट एकांश।

इकारसी एकावती।

इक्का-दुक्ता बदेसा-दुकेसा किटपुट किटपूट। इक्स्तराष्ट्र अनवन विधाव मसबेद मसबैधिमय विरोतः।

इंडरानाच्छः जनवन विवादं नार्याच नार्याच विराद्य । इतिस्थारः १ मालियार, विधिवारं वावा स्वरूप स्थापितः २ विधिवार

जाविषय क्ष्मा प्रमुख ।

इच्छा १ अनिकाया अग्मान आकाव्या आरब् छल्च्या एचना
क्षमना क्षाहिष तनना मन ननोकामना मनोरय दुपर

नाक्षा स्पृहा साम हताया २ मर्वी १ तसव सामसाः इच्छितः मनिमायत अभीप्यत अभीप्य, सामस्तित इप्य, साम्य

वाछनीय वांडिय । इच्छुक बाकांकी चाइनेवासा ।

इसलास १ बैठक स्वतित बना २ बदानत वंशनय म्यायाधिकरण स्थायानय।

इकाञ्चल अनुमति आका नंबूरी स्वीवृति।

इरक्त अवस मादर, सामक कीर्ति प्रतिष्ठा मान निहास समावर, सम्मान ।

इरअतकार आदृत प्रतिब्ठित समावृत सम्मानितः

इक्सामा : अन्द्र दिखाना इतराना धर्मेड करना धर्मेड ये पूर होना रुमक दिखलाना दिनाए तातर्वे आसमान पर होना देर अमीन पर न पड़ना।

इतमीनाम १ तमस्त्री विज्ञमई भरोमा विस्थास संवोप २ धीर. धीरज वैर्थ सत्र श्रीमसा।

इतर बन्य भीर, इसरा मिन्त।

इतराना वे इठनाना।

इतवार बतवार, वावित्यवार, रविवार।

इतरततः इसर-उपर यव-तत्र।

इति बैंत उपमेहार कवन इतना ही पूर्यता वस वस इतना वस

इनना ही मात्र इतना ही।

इतिवृत्तः इतिवृत्तः क्यान्यसंय क्यानी घटना पुरावृत्तः बयान बयन विवरण क्यांन ।

इतिहास धनिवृत्त वेबायेज वायेख पुरावया पुरावयान पुरावृत्त हिली।

इतकाक सदमरचास मीका संयोग सुयोग।

इत्तक्राकन जनस्मात् जनानक इनकाक स चास सं संयोगनााङ्

सयोग है। इतना सबर, नोटिस सूचना।

इस्मीनात च इतमीनात।

इत्यादि आदि आदि-मादि आदि-इत्यादि प्रमृति वर्षेष्ट् वर्षेष्ट्

वर्धसह। इक्ष अन्तर्भागर पुनेत सुमय सेंट।

इसर १ इन कार, इस तरफ इस विद्यान इस सिन्द में २ बाबकस

इस समय इत दिनो।

इनस्थलतः साधकर। इनक्रमानः देणाँवि।

इनकार १ अम्बीनार, अस्वीवृति नार्यकृष्टी निषय यना २ खंडन प्रश्याच्यान -करना--अस्बीनार करना जनाव देना नार्यकृर करना ना करना नाही करना यना करना सुकर दाना।

हनस्वामरी १ परिपृष्टा (वि ) यूटनाछ (नेन्द्र सब बाहि) २ बीच (सभी) जीच-पहताल (वि ) ३ समीक्षा (वि ) पूछपछ पूछपाछ।

इनबार्क नार्यनारी प्रभारी।

```
इमनेक्शन
```

### इसक्र

```
इनवेरसन टीका सुई, सुई।
        इनकोर वरका वरके अंशरका शीतरी।
      इन्ह्राम्स ः जनीपचारिक साधारण सामास्य ।
    इनद्रामेंसन इतसा जानकारी सूचना।
     इनद्रवरान सूत संज्ञमध संचार संदूषण।
    रनपमुर्देका पन् ।
     इन्पनुष्स असर प्रमावः
      इनवेंशन अविप्कार ईवाद।
       इनवेरट है इन्बस्ट।
     इनवसिङ १ समान्य रह २ अवस्त कीमार रखा।
       इनसान
                हे मनुष्य।
    इनसानियत दे मनुष्यत्व।
                १ इनाम-इकराम ईनाम पारिशीधिक पुरस्कार विजयो
        इनाम
                पहार २ टिप वक्की का।
               अनुकंपा इया बया मेहरवानी।
      इनायत
      इते मिने : क्य गिने-दिनाए, यिने-पूने बोड़े पोड़े-बहुत ।
    इन्हमदबस आयकर।
     इन्द्रसाव वे नांति।
       इन्हार दे इमकार।
    इलबापरी दे इनकायरी।
      इन्हार्जे दे श्लवार्ज ।
    इन्बेक्शन टीका सूर्व सूर्द ।
    इन्हार्मन दे इन्छार्मन ।
   इन्द्रानेंशन ं है। इनफार्मेशन।
    इत्ममूर्णस असर प्रधाव ।
    इञ्चनुर्देश यस् ।
      इरबेरान बाबिय्कार, ईबाद ।
      हम्बेस्ट ्रपूँजी निवेश करना पूँजी सराना।
 इनवेरिटवरान वोज छामबीन बांच-पहलास पूछनाछ।
     इम्ब्रासिड दे इनवैशिड।
              दे इंग्टीकान।
   इसटीर्पृट
    इन्स्पेक्टर दे श्लोकरः।
७६ / हिन्दी स्पॉय नोस
```

इफरात अत्यधिक अधिक आवश्यकता से अधिक अकरत से रयाबा

पदाया बहुत बहुत स्थाया।

इबारत अर्थना अर्था माराधना उपासना प्रार्थना पनित । इबारत १ मानय-गठन मानय रचना २ निबंध मसमून नेवा ।

इमसी अस्तिका पिचा।

इमारत कोठी बिस्टिंग भवन सहस हवेली।दे० मकान !

इमायरस्ता अरस अस असवट्टा हिमामदस्ता।

इन्तहाल इन्तिहाल एग्डाम एग्डामिनेतन व्याप परीका।

इयत्ता परिमाण विस्तार, सीमा हव।

इराहा अभिप्राय आशय इटिंगन इच्छा नीयत मंद्या विचार।

इदिर्द मास-पास नतुर्विक नार्गे तरक नार्गे बोर, नार्गे विकासों म । इसकाम नप्ताय समियोग सारोग कोपारोपण शांकन ।

हिनाका अर्थिक कार्याम कारोप कार्यापारीप नाउपा इसाका अर्थका एरिया क्षत्र प्रदेश प्राप्त भूकोड भूमाय इसका।

इसाज १ उपचार, भागनि सीयस चिकित्सा ट्रीटमेट, स्वा दवा वाक २ उपाय तरवीर, तरकीव युवित।

इसाही सस्ता ईश्वर (दे) भूवा।

इतिराम चुनाव निर्वाचन । इस्तवा, इस्तिबा सनुतय अभ्याचेना अब गुडारिच वरस्थास्न निवेदन प्राचेना विनदी विनय ।

> इस्म १ जानकारी जान नोध २ विका विका। इस्मतः १ संझट, बच्चेडा २ नीमारी मत्र रोग व्याधि।

इस्सीयस वर्वम गैरकानुनी।

इसाच इंपित संकेत सैन हिंद।

इरक दे प्रेम।

इस्तहार इतिहार ऐड ऐडवर्टाइबर्नेट विकापन (दे )।

इच्ट १ आराज्य पुनित पूज्य २ अधिसचित इंप्सित बाह्य हुआ।

इतरार दे हुठ।

इतिमप् श्रातः, अतएव अस्तु चुनाचे परिचामसः परिचामस्वकप फला फलानकप।

हिन्दी पर्याय कोश / ७७

इस्तिरी प्रसारीहा।

इस्तीका स्थागपत्र रेजिग्नेशन।

इस्तेमाल अपयोग उपभीग प्रयोग स्पनहार, सेवन ।

इस्स अभिषान बाक्स नाम संज्ञा।

इहतीमा विवयानी विवयी श्रीशन ।

इहलोक मर्स्सनोक यह जमत् यह पुनिया यह संसार। दे प्रसार।

ŧ

ईम्र सिवरफ, हिन्**म** ≀

इँयत जरुनी बसायन सकड़ी-कोयला सदायन सयौना :

ईल इतु, अव यला पीवा।

रिवाद मानिप्कार।

देव १ वेंदुलयुद्दा वकरा देव वकरीय २ वेंदुलफिन मीठी देव।

दैनाम वे पुरस्कार**।** 

ईप्सा अभिकाया इच्छा (दे) इमाहित वाला।

इंप्सित अभिवाधित समीप्तित सावासित इंग्स्टित वांस्टित ।

ईमान १ नास्तिकता बीन बीन-बो-ईमान वर्ष मबहुर

२ खरापन स्थानतवारी नेकनीवती धच्चाई। ईमानदार १ खरा स्थानतवार, गैकनीयत सच्चा २ निरुक्त

निप्कपट सत्यनिष्ठ सत्यपरायण सवाययः। ईमानवारी श्वरिटी निष्ठा निकल्पता सण्याई सत्यनिष्ठा सत्य

हिमानशारी इटप्रिटी निष्ठा निक्छमता सम्माह सामेनिष्ठा सर पराममता।

र्वत दे स्थर।

ईस्वर अंतर्पाणि बसाय बसाय, बण्युत बण्युतावय बन अवग्या बार-समय, अज्ञेय बणावि वयोगि वयोगित बण्या अस्माह बध्यत्त सम्माही बध्यत्त सम्माहीय करवाम्य कर्ता वर्ता, युवा सुवार्थः गरीजीवान कृषाणीय गोलाई विष्यय जवविष्मा वयरीस वर्षाविष्य व्यवसाय वयनियंत्रा ठानुर, विमुवननाव विसोदीनाव वयनियान वयनियंत्रा ठानुर, विमुवननाव दीनानाय निरामन परितापासम परसहा परमणिता परम पुरंप परमाहत परमाहत परमारमा परसेश्वर, परसर्रातमार, पुरंपादम अमु बहा अनवत अववान, महाअमु भागापति मानिक रव रच्या रहेंगा रहीत प्रथा शार्क विष्णु विराद पुरंपादम सर्वेद्या हिता प्रशास क्षार्य स्वत्व सर्वेक्तित मान सर्वेद्य, साह साहत सर्वेटकर्ता स्वयंत्र स्वामी।

ईरवरवादी सास्तिक।

रिवरीय वैदी।

वित सन्। किथित करा बोहा।

इय्यों कुकन सार-जनन काह हैय प्रतिक्षत्रिया प्रतिस्पर्धानस्यर

रहरू माय-बाँट, विदेश स्पर्धा हस्तर । व्यक्ति अपरेक्षिण हर्णाल जनगढाला बाही क्षणी प्रतिस्था

र्दैर्ध्यानु अपदेश्विया ईपांनु जननवामा बाही क्षयी प्रतिस्पर्धेर मत्त्वरी बिद्रेयी।

इता इतामधीह नाइस्ट कुन्टि, मनीहा बीचु।

हिताई विविध्यम किस्ताम व्यिप्टीय मसीही। हिता के इच्छा।

ਰ

चैयली अयुक्ति अयुक्ती।

**रव्य १ अरम्**सन २ वर्गसम्बद्धाः

चरतामा १ उक्ता बाता अस्ता शीधरवाता संय बाधाना सन चक्र बाता मन उपाट हाना २ अस्ती मचाना हृत्वकी

मणाना । वस्ताना जतेत्रिक करना उत्प्रेरिक करना वसाइना शोश दिसाना प्ररिक्त करना बहुरवा देना शुक्रमाना ।

उक्त अस्तिवित नियत कहा नहा समा नहा हुमा वर्गित।

इतितः कथन चमत्कारपूर्वकथन वचन वन्धव्य ।

उक्कड़ना १ असम होना टूटना निकपनापूचक होना २ नासड होना विसहना १ नहबङ्गाना वेनाम हो जाना वेसूस हो व्याना। उसाइमा १ मसय करना बस्ताना छवाइना उसेइना सूरा करना पृष्क करना २ (धाक प्रमान तथा रीन सारि) बटाना मध्य करना ।

प्रथमा १ तक्य होना तक्ति होना निकसना प्रकट होना २ अंडुरित होना कमना भूटना प्रस्कृटित होना ।

अगलना १ सस्टीकरना क्रीकरना वसन करना २ प्रश्नट करना वता देना रहस्य श्रीम देना ।

प्रगाहना वहसीलना नेता बहुन करता बसूसी करता ।

क्याही एक वीकरण चंदा मेना क्यूमी।

उद विभिनीत एत्कट छह्ड उठत करास कर्कत बोर तूफानी वैक दंगई, दुवँमनीय दुवाँत दुवँगं प्रचंड भीयक विकट विकरास।

स्वता वर्षया प्रज्ञता दुर्बमगीयता दुर्बातता दुर्बपता प्रचंडता भीवसता विकटता ।

उपवारी रे मातंबनारी।

उवाइमा वावरण हटाना कोमना नया करना गम्म करना निर्मेश्य करना परवा कोमना या हटाना वेपरवा करना पर्वाश्यक्ष करना चंडाच्येड करना चंडाच्येड्ना रहस्योद्घाटन करना।

स्थादमा सन्मना होना सनास्त्र होना स्थादना उत्पाद होना उद्याद होना खिल्ल होना सन्दर्दना भन स स्वता विरस्त होना विरस्ति होना विरति होना सन हत्त्राः

प्रवाद अनमना वस्यमनस्य तकका हुमा कमन प्रशास प्रदासीन प्रिम्म विरक्त विरत विमनस्य।

प्रशिक्ष संकार उपयुक्त प्रेम सायत कीक ठीक-ठाक संग मा हुक्त तर्कसंग्रा नियमानुका स्थाप्य (fair कि म प्र ) स्थायसंग्रात स्थापीयत किट, स्वा गावक मुशासिय मीचूं, स्वीचित पुक्तिनुक्त पुक्तिसंग्र मोच्य पाहर सायक सामित स्थापक सम्मक सही हसास।

पुष्य १ शाकास से बार्वे करता हुआ शाकास से बार्वे करनेवाना जनाल जमान जरूप जरास जनात जैना करण करें महत्त्रपुर्वी वहा कार्य कृति २ चोटी वा पूर्वेष्ण नीर्येष ३ पूर्वीत पूरव महान, विरिद्ध पद्धव थर्फ ४ बक्टा सुज्यकाटिका सरकृष्ट, बहिया।

१ समिकतम सबस क्रेंचा सर्वोज्य । उच्चतुम

उत्तासता उत्तृवता उदात्तवा कप्यता बुसंदी उरवता २ मूर्यन्यता सीयस्यता ३ कुसीनता महानता वरिष्ठता भप्तता ४ उत्स्पटता ।

📍 बनमनापन मन्यमनस्त्रता उवाधी उवामीनता जिल्ला उच्चादन विरक्ति २ पित्तोच्यारम वित्तविरक्ति।

**त्सप्रकृत बोलना सहया। उच्चारम** 

श्रद्धाप कठन कुठा येप। **वरिएय** 

अक्लइ अनियंत्रित उर्देक उद्दाम निरंतुम स्वन्छंद स्वैन्छा रच्यु सम वारी ।

१ उद्योग प्रधास स्वास स्वास देश २ अध्याप उस्तास वंद उच्छ्वात प्रकरम भाग समूस्माम।

१ चन-कृद २ श्रमाचीवड़ी ३ दीड़-खूप नाना प्रकार के बष्टल-सूद प्रयस्य ।

उछास समाना प्रकास सेमा १ सूपना २ उछसना-सूपना प्रहतना छनीय मारता शीवता प्रीदशा पूर्वमार साधना । भूवान चौकवी छनाँव फर्माय।

उप्रांत जन्माइ (वे ) जयम जन्मास म्फूर्ति। उछाह

उवड़ना-पुबड़ना उस्पू बोसना चिर-पड़ जाना भीदड़ बोसना उबद्दमा तिवर-विवर होना सूच उड़मा १५८ फ्रस्ट हो जाना मध्ट हो वाना अवस्य होमा वर्बाद होमा विनय्ट होना बीरान होना।

अस्य इ अधिष्ट, असम्य उद्देश बद्धत गेंदार पुस्ताच डीठ बनदृष बीठ, बेमदब मॅह्सपा ।

वन्धकृपन विशिष्टना असम्पता चवक्षपना पर्वता चन्न इंदरन चढनता गैंबारपन युस्ताशी विठाई, बेक्टबी।

प्रवरतः विहामी पारिधमिक सवद्वरी।

कबता १ बन्स धीमा व्येत सफ्रव २ निर्मेस साफ्र स्वण्छ।

क्षत्रह बंबहर क्ष्ट झप्ट निर्वेन वियासक बीरान सुक्तान। उदाव उवादगा चेंडहर बनाना विराना-पहाना ध्यस्त करना नष्ट-प्रथ्ट करना निर्जन बनामा वियाबान बनामा बीराम बनामा । १ मालोर डिमियास अयोधि मूर रोतनी प्रकास (दे) उपाला

२ भौवती।

ब शियाला दे॰ इजामा ।

उन्नेता दे समासा।

१ उजना कांतियुक्त कांतिमान शमकीमा बीवा २ स्पेत प्रस्तवन

शकुर ३ मिर्मम सूप्र स्त्रच्छ। मापत्ति एतराच वियोध। सच्च

कृटिया कुटी सोपड़ी पर्वकृटी। चटन

१ उत्तिष्ट होना जल्यान करना जन्नति करना बड़ा होना ब्हर्ना ठाडा होगा २ अवना चावना विस्तर छोडगा।

बठाईसीर : उचनका चाई चोर-उपरका।

दे उरद! वस्य

सांसों से बोशम बायव चपत नी दो प्यादाः। বৰ্ণজ্

दे वाच।

**उद्**गम मामाबा उद्यव कटिबंड तस्पर, तुमा हुमा तैयार (हे ) वताक

सम्बर्ध । अधीर, ब्रह्मीत आतुर, बस्दबाच ध्यप्न इडबंडिया । उतावता

मधीरता मातुरता उतारमापन शस्त्रवाडी वासी स्पष्टवा उतापसी धीघता हरवरी।

१ उत्कट अभिमापा वीत्र इच्छा प्रयक्त अभिमापा सामका उत्करो

२ हे इच्छा ३ आयुक्ता बल्युक्ता वेचैती। अस्यक्षिक असम्य उम्र उद्दाम बोद्द तीच दुर्वम प्रचंड प्रथम यस्य

संश्वनतः । दे उम्मति।

उत्कर्ष स्कित उकेरा हुवा खुरा हुवा निया हुना।

वरकीर्न सक्छा बाला उत्तम उपदा बहिया मेप्ठ सर्वोज्य। SIE LE

थून परिका भूषा आसी रिस्नस (दे)। उत्कोष १ ब्रुव तपा हुमा बहुत वर्ग २ उथ्य वर्म।

उत्तप्त १ अद्वितीय अनुपम प्रथम धप्ठ धप्ठतम सबसे अभ्छा, प्रसम

सर्वयोच्ड सर्वोत्तम २ वे सम्बन्द।

१ उरीची गुमाम २ जवाब प्रत्युत्तर, समाभान हुनः ब्रहर अनुवर्ती परवर्ती परे, बाद का (वैसे स्नातकोत्तर, सोकौत्तर)।

उत्तरप्रदिखः विस्ता नान्य विम्नेदारी विस्नेवारी।

बत्तरराजी चनस्याजा बणबरेह विस्तवार, विस्तवार।

दत्तरोत्तर १ एक के बाग एक कमक कमित का के नरगीववार, रिनों-रिन करावर समाजार, मिलनिसेबार २ माहिन्या-आहिन्या भान-सीमे भीर-सीरे राजा-राजा वर्त-राजा ।

क्ताम जनगडदीहाँ जैंगा।

बसीवं कामान कृतकार्यभाग मधार।

बत्तवना बाठि सपवती बाग-व-सरीय।

कतिका व १८ अपना वारणकाराय कतिकार करना वस्ता क्यान प्रियं करना उमाइना बोध ने माना जा दियाना अस्ति करना महसाना बाय सं बी बामना !

> डरपान अञ्चलक उच्चय उच्चति चन्यस्य तरक्षी प्रयति अस्ती वद्यानस्य।

> बर्ग्यातः १ वर्षमः वर्षमः पंतादः ब्युत्पतिः २ सारम्भ भाविमानि वरण प्राप्तम्य प्राप्तमित धारमः शुक्र मुक्सात ३ सादि मात्र मुस्न साम स्रोपः।

करणमा साविभूतः उद्दिशं उद्दृष्ट्व बना बनाहुमा बनित बन्मा जान पैका अकट, अमिनन आहर्ष्ट्र स्कृत्यन्त ।

ब्रह्मच इ.स.मन्।

चरपातः १ जनग कथम समझ दमा प्रसादः २ अधाति आध्य हमामा हम्मदम हम्मह।

डरकम १ हुम्भिन पुष्पितः २ साझावित चल्लसित धुरा प्रकृत्स प्रकृतिसन प्रमृतिन प्रमान ।

क्षांतर्यं कृषीन कृषीनी छाडना जिलांबन्नि त्याय परिस्पाय बनि बनिदान।

बस्सर्ने करना श्रुवीत गरना छाण्या धमना धिणीवीत देना त्यायना परिस्थाय करना वन्ति देना विविद्यान गरना ।

प्रसाद १ जनमा जन्म समाधेह २ त्योहार पर्वे।

उत्ताह उठाइ उमेंग जोग जोग-वरांग हीसता ।

उत्ताही उत्पाहपुरन कोशवाला कोश-प्रयोगवाला हौसनेवाला। इत्युक्त सर्वत इच्छुन अधोर बाबुल आतुर उतावला उत्तिकित सालायित व्यव।

हिली पर्याय कोश / ४३

बस्युषता जनस-पुनस

सधीरका माङ्कुमका मातुरका स्वतंत्रकायम सल्कंटा स्पवता। वस्पनस्या सन्दर-पुनट समदा-पुनटा पड्डब यड्डबड़ी फेर फार डेरफेर।

वनसः १ कम गहरा किलमा २ सर्गभीर मोला किलमा सुद्र छोटा हनका।

जरक अंकु, उदक जाव कस दोय नीर, प्रय पानी कारि, समिस !

प्रविद्य ये समुद्र।

जनसं भाविर्धात समित होना उत्परजाना निकासना प्रकट होना। जनर १ मामाचय कटर पेट २ को खंधर्म वर्धातम पेट।

उदासः जण्य ज्वार, उदारचरित ज्वारचेता बहा महात् महामना विकासहरय जेन्छ।

जबार १ वाता बानशील वानी फराखिक फ्रीया सकी २ वरियापिक विकासकृतय वै कृपानु, ववानु, वयावान फमकिन।

 श्वारता १ वरियादिली विकासङ्क्षयंता २ इत्यास्ता व्यास्ता रङ्गिवली १ वानवीयता क्रयाबदिली क्ष्यांबी शवाबत ।
 प्रवास कानमा कन्यमंगस्क उक्का हुवा उचाट उदाधीन सम्मन

क्षिण किरनत निमनस्क । क्षत्राची क्षत्रमनापन कन्यमतस्कता क्षणाट, उदाधीनता किन्तता

विरक्ति वियनस्कता। वदासीम १ वनवना वस्थमनस्क तरास बीतराम विमुख विरक्त २ तटाम मिणका।

प्रदासीनतः १ दे उदासी २ तटस्थता।

उदाहरण १ उक्करण पुष्पत नवीर, निवास २ नयूना बानवी। प्रवाहरणार्थं ज्वाहरण के क्या व जवाहरणत बैसे वैसेकि वृद्धांततः मिशास के तीर पर।

उत्पम आरंग शाविमान जलाति त्रवय उत्भव निकास मूस। अहमार अधिक्यांका मनोमान निर्मत निवार, स्पन्त निवार।

प्रद्वाटन करना सनावृत्त करना वष्याहित करना उपाइना योजना वर्ष प्रश्न करना पर्वी इटाना प्रारंभ करना विश्मितमा करना कुरुमात करना भीषवेब करना वगारंभ करना।

व्यक्षोतमा दे मोपमा।

वर्षेच १ समयक स्राणिट उम्र उनकू उद्धत गुस्तास बीट बीट, मुप्ट प्रपत्नम नेमदन २ उनकृत्वल उद्दाम निरकुग स्मेन्द्रामारो।

बहरता अनवहरन अणिप्टवा उत्तता उच्छू बनवा उत्रहण्यन उजहण्यना श्रीकाय पुस्ताची विकाई, मृष्टता निरंकुणवा ।

बहाम १ तम तक्छु क्स तह व निरंकुस निर्वेश स्वक्टंब २ सवस्य उस उत्कट, भीर, तील दुर्वम दुर्वान्त प्रबंध।

वदीन्त उत्तवित उसाडाहुमा उक्सायाहुमा पङ्कायाहुमा। इदीन्त करना उत्तवित करना उक्साना उमाइना बोध दिसान

बहीप्तकरना उत्तविष्ठ करना उपग्राना उभाइना बोध दिलाना भड़काना।

उद्देश १ ध्येश प्रशासन सक्तद सक्त साध्य २ अधिप्राय स्ति प्रेत सामय शास्त्र स्वतस १ समीप्ट, इप्ट इराहा नीयत संशा पुराद ४ प्रयोजन हेतु।

स्वतः दे व्यंदा

उद्धरम १ सम्बद्धरण अबृतास कोटसन सूचिन २ (citation)— बुप्टीत (स प्र ) प्रोद्धरण (वि ) क्वामा (उ प्र स प्र )।

उद्धार करना १ जवारना करनाय करना बचाना प्रसाकरना २ नाम करना निस्तार करना दारना दारदेना यार उद्यारना पर समाना देवा पार करना देवा पार बधाना प्रस्ताय पर करामा था समाना मुख्य बना मोध्य देना सदुवति देना।

प्रमृद्ध चीतम्य चाप्रत ज्ञानमान प्रमुख ।

अब्बट अबरवस्त प्रकाब बहुन वहे शेष्ठ।

बद्भव दे उत्पत्ति।

प्रकृति मुनराह दिग्जनित वहराहुवा भटराहुवा मूमाहुवा भूमा भटका।

प्रचल आमादा चलारू कटिनक तत्पर तुमा हुवा वैपार, मस्तुम प्रकार्मद पात्री गर्माळ !

क्षत्रमः १ जयोग-सम्रा उपनमः काम त्रेका रोजपार, स्पनसाय स्थापार २ अस्मनसाय उदोग नौविद्य परिसम पुरसार्य प्रयाल प्रयास मसनन्त मेहनन मल स्थम ।

उद्यमी अध्यवसायी नमठ, परिधमी पुरुवाची बेहनती :

उद्यान बाराम उपवन गुमकन कुमिस्ती बमन पाईबाए एकं वनीचा बाग बाटिका २ पुष्पबाटिका पुष्पोद्यान कुमबारी। उद्यापन बनुष्ठानांत पारायक धत-समापन।

च्छापन वनुष्ठानात पारायन वत-समापन च्छाप है स्वस्ता

बचोपी वे छवनी।

इस्रोत १ दे प्रकाश २ अस्थाय उत्मेष खड भाव सर्ग।

प्रक्रेक : व्यक्तिका विश्वयता वाधिका वाधिका कार्यका क्यावरी प्राचुर्य वाहस्य।

पश्चिम देशाकुमः।

स्वक्षिमता सभीरता बाष्ट्रकता भागुरता बेकरारी बेक्सी देवादी वैद्याता स्थापुसता।

ज्ञेग १ मानुभारा नवराइट वेबीनी क्याकुसरा २ बावेच जोच स्रोंक रूरण तीच सनीवेग !

कार उरगे बाद नगावगः। कार ज्ञारकी कोर उस बोर, उस बरफ, उस दिला/सिन्स थे।

विमार जास कर्य केविट हुण्युर ।

दबेड्युन अन्तरान उद्घागह गरोग्छ तत्रोगंत सोय-विचार। यनीया सनसामा उन्या संप्राम निवस्य निवस्य।

प्रमतः १ एज्य उठाहुमा एतूप जैया ज्यरउठाहुमा २ वर्माट प्राप्तः १ एपल सम्बन्धः

क्स्मिति अभिवृद्धि अभ्युवय प्रत्कर्य उत्पान क्स्मेय उत्पान क्स्म ऊँचाई चक्काव (उतार चहाव) उरक्की पदोक्ति प्रवित बक्ती बक्कोतरी विकास वृद्धि शीवृद्धि समुक्ति सम्हि।

बल्तम १ परिमार्जन परिण्डार, पुषार २ दे बल्ति (Upgrading)—जरत्रमण (वि ) १ (इस वर्ष में में बस्प समी

चान्यों तथा केन्द्र में उन्तर्यन बनता है।) कुछ कम होना कुछ बटकर होना कुछ नीचे होना।

क्रमीस होना कुछ कम होना कुछ करकर होना पूछ मीचे होना।
इम्मर्स १ खब्दी पानक बाबका बीड्रम विधित्व उनकी सिदी २ खम्मरत मतवामा मदमस्त मस्त सराता है सिदी हतद्वि ४ साचे से बाहर बेहुए।

क्रमद १ दे सम्मत २ नवे में भूत।

श्रममन वे उवास।

उत्साद क्रम ग्रम्म चिताविश्रम जुनून दीवानायन पावसपन

बाबभापम विकिप्तता सनक सिद्दीपन।

उम्मूक्त १ खुना खुना हुआ छुन्छारा पाया हुआ छुना हुआ निर्वीध प्रुप्तर स्वण्डत स्थलक २ उतार, उतारवेता उम्मुक्तहृदय खुने दिन वाला विशालहृदय।

उम्मूच १ आक्रांकी उल्कंटिय उल्लुक सामामिन २ आमादा चराक उद्यक्त कटियड सत्यर मुकाहुमा समार, सन्यड ३ (किसी की ओर) मुखाकिए सुग्र।

डम्मूलन (abolition)-अंत (वर्ष) उत्सादन (कर्ष) खारमा समान्ति (कर्ष) तोब देना (उ प्र ) तोहना (वि )।

बम्मूलन करना अब करना जल्यांकन करना खल्य करना निरस्त करना छोड़ना तोड़ देना मेंसूब करना रह करना।

अस्मेच १ खुमना उत्मीसन (नयनात्मेय नयनोत्मीसन) २ हे जन्मति १ दे अध्याय परिच्छेड बाब छव।

उन्मोधन १ (dascharge बैंग्रे क्या म)—क्यमोधन (वि ) ऋम मुक्ति २ (बैम आरोप छ)—आरोपमुक्त करना (म प्र )

मुक्त करना छोडना। उपकरम १ उपस्कर साज-सामान सामग्री सामान २ (appliance) उपयंत्र औदार यत्र साधन साधित।

इपकार १ कस्याम नेकी परीपकार मक्ता मनाई २ फायदा नाम हित हिल-साधन ३ अनुकपा अनुषह बहसान एहसान इपा (दे) ।

उपकारी उपकारक प्रथान धैरक्वाह परोपकारी गुर्मावतक द्वित-कारक द्वितकारी हिताबितक द्वितमाधक हितेयी।

उपहल अनुकरित अनुपृक्षित अहसानमंद गृहसानमंद कामारी आसी कृतक इतार्व ममनून गुक्तुबार।

उपक्रम १ आयोजन सैयारी व्यवस्था २ दे आरंग।

अपप्रह् धेटमाइट ।

अपकार १ इलाज जोवधि जीपश्च जीपश्चि जीपश्चेषकार, दशा दशाई, दशादाकः २ वे जपाय।

उपअः १ विश्वासर, फसकः २ उत्भावका मई बाध मबोग्मय सूम (श्रीत बह फनके मस्तिष्क की उपज है)।

उपकार उनेर, उनेस करतेश।

बपत्पका माठी तथाई, तसहरी।

अपर्वतः आत्तराक गर्नी फिर्चन स्वाकः।

यनवान (gratuly)---वाणुशीधिक (कई) वेचुटी निवृत्ति-वारिशोधिक (म॰ प्र.) निवृत्ति-पुरस्कार (स. प्र.) ।

(मण्य ) । भवास-पुरस्कार (स. प्र.) । जनवेश १ नसीहर मिला सर्पन सीख २ कुस्पव बीला १ वर्षे प्रवचन सर्पोपदेश प्रवचन ।

प्रपरेशक प्रमदेशकर्मा उपरेप्टा रीतक सर्वोक्षक विस्तक ।

ष्ठपत्रेच नेशीति थोपोलमं उत्पात क्रम्य वहंपत्री सबझ देश प्रसाद वेपायत वसवा विक्रांत, विप्सय लेक्ट, ह्रेशाया हस्सदः

हणाणी नापोमणकारी जलाठी कमयी सबहुत्यू दंबई, मरबाट, कसायी नमवाई विश्वोदी किनाबी शुरुवहुत्यात ।

कपनमध्य १ सूम प्रपत्नीत बनळ, यहसूच क्तर्यक्ष बळोचनीतः २ (संस्कार) जपबीत बनेळ, यहोपनीतः

स्थान रहे स्थ्याम तस्त्रमुख। स्थानिक स्थानक वेस कालोनी।

क्रमानकः जनातस्य पत्र कार्याताः। अपन्यासः अपन्यासिका नामित्रं नामित्रेट, सम्अपन्यासः।

व्यवस्ति मारशेमी अरः।

सम्बद्धिः प्रमाण सबूत शारमः

स्पर्पेश (sub-para)—उपक्रीतका (स म नि न म ) स्प वैराह्मफ (स म०)।

अपमीय इत्तेमाल उपयोग काम में लागा अपत सुर्थ वरमाना प्रयोग स्पन्नार, सर्थ।

चमना तककीह, तुलना समता वादुस्य नास्य ।

वच्युक्त अनुकृष अनुकृष विश्वत ठीवः ठीवः ठीवः वशः फिर स्वा भाकृत मुगाधिव गीर्न् युक्तिकृतत कृतिनवंत्रत वाम्य स्वयः सारक वाजिव नहीं।

जनमीतः १ इस्तेमाल नाम प्रमोप अनहार, २ जपयोगिता जपानेशवा।

वरमोनिता वर्गावेसता काम में भाने में मोन्यता पूर्विकटी सामकारिता। वन्योंमी उगावेस काम का नारवर, कारामद क्रासरेलंड, मतरफ का मुरीव सामकर, सामकारी सामधानक सामगव। उपरांत मनगर उत्तर (साठोत्तर) पश्चान पीछ बाब बाद मे।

रप्युश्य कार-कवित पूर्वकवित पूर्वतियः। उपरोक्त

१ बाम पत्पर, पापाण पाइन प्रस्तर २ बोसा । उपम

चपतस्य में मनसर पर, उद्देश्य सं दृष्टि सं ब्रोप से निमित्त विचार स सिमसिने में।

प्राप्त सुसम हस्तवत। चपत्रव्य प्राप्ति सुसमता।

उपमध्य

उपरो कहा की बोइना गोसा गोहरा विपरी। चपनाः

उपवन काराम उच्चान गुमधन गुमिस्तौ चमन पाईबाम पार्क पूप्प बाटिका पुष्पोद्यान फुलबारी अगीका बगीकी बाग्र बाटिका।

उपवास माहारत्यांन क्राका संबन बता। १ अंत इति खारमा समाप्ति २ निषोड सप्तेप सार **अपसहार** 

साराच । **उ**पस्थित १ प्रस्तुत मीबूद मीबूदा बनमान विद्यमान समुपस्थित

हाबिर । उपस्विति मीन्दमी विद्यमानका हाकिरी।

उपहार गिन्ट ताहुदा नवर, नवराना प्रेवेंट, घेंट सीगात।

किस्सी परिदास मन्त्रील सवाक हुँगी। दे हुँसी ३। बपहास १ उपहान के योग्य जिस्सी उतान सामक महाक बढ़ाने सामक **उ**पहाम्यास्यह

हुँभी उद्गान भागक हास्यास्पद २ खराब निदनीय बुरा । १ बढीवाक्यान भढीवोपाक्याम पुरावतिबृद पुरावच्य पुरा वपास्यान

क्यान पूरावृत्त पूरावृत्तीत २ वंड क्या वंडकवा वभक्या उपच्या ।

वे उपयोगी। उपादेय

**उ**पाचि सर्भकार आस्पद (वि ) खितान टाइटिस विशे (केन्द्र

ਦਭ ਰ ਸ )। खड़ाळ चरनपातुका जूता परभाग धनही। चपानह

**उ**पाप १ जुगत भुगाइ तदबीर,तरबीव धुवित २ दय तरीका पद्धनि प्रचानी रोति १ नोशिश प्रयत्न प्रयाम यस्त

४ इसाज उपचार दवा प्रतिकार, १ साधन । चपाय करना

बुधत करना जुमत भिड़ाना जुमन संगाना जुमाड़ संपाना भुषाङ् चिद्रामा जीन-ताङ्ग धरना जीड़-तोड मिसाना जोड़

द्विन्दी पर्याय कीत / ८१

वोड़ नयामा तदबीर करना शरफीब करना शरदीब विज्ञाना एरकीय समामा ।

क्पार्थम वर्षन कथाना ।

उपावित वित कमाना कमाना हुआ।

उपार्मम दै॰ उत्ताहमा ≀

चनासक १ बारामक पूजक मनत २ अमुरायी ग्रेगी शहासु, स्तेही।

वर्षेम वर्षमा बाराधमा पूजा पूजा-वर्षा शक्ति बाद-प्रक्ति। वपालना

**इंगर्तिका** बाराधिका पुराशित परिवत ।

उपेक्षा १ यनावर, अपयान मनता वयमानना सबद्देशना विरस्कार, बेहरवती ए उदासीनता आपरवाही विश्वित ह बुवा नफरेत ।

उपर्युक्त मे करमा विचामा बरतमा आदि शब्द बोश्फर इसके श्रदेशा करमा पर्याय बन धनते हैं। कुछ बन्य पर्याय है--कुछ न समझमा खाक न समझना कावर-मूली सनझना कास न कासना *साँद* समक्षमा पर्यम समझना )

क्योद्यातः बानुक बीवाचा पुरीवाक्, प्रस्तावना प्रस्ताविका प्राक्त्यन मुभिका ।

उद्भात स्वास वीक। प्रवकाई बमी महली मिचली।

प्रवास करते व बुक्ता ।

**बबतना १ प्रथमना प्रमास बाना २ त्योतना वर्ष ही**ना वर्माना ३ व्यावेश रे भर माना शोध में बाना ४ नरेशिय (रे ) होना ।

है बद्धार करना क्स्यान करना वारना निस्तार करना पार et il Uni श्रताका पार समाना नेहा पार करना २ बचाना बचा मैना ।

भेगाई जम्हाई। उदाती

वरसाना एलजित करना उत्प्रेरित करना बोस दिसाना समाइना भक्षामा ।

क्रमाह मोध बोल-खरोश तरंग मनोवेव भीज होतमा। कर्षक

के क्राव्या है अमहा

दे पार्वधी। क्रमर

अष्टा आसा, तपदा क्रेंपा धरा चीटा चौचक वहिता घना। उपा

बम्मीर बाग बाजा बासरा तथको परीमा।

जम्मीरबार (Candidate)—मधिकापी (म प्र ) सम्पर्णी (सप्ती)

केरिकट, पवाभिकापी (म. प्र.) परीकाची प्रत्याची (राजः) प्राची (कर्षः)।

बाध देश्यायु।

डर १ छाती बस बयस्यस सीना २ अंतकरण अंतरातम अंतर्यन वित्त जी बिस मन मानस हिम हृदय।

करम दे∻सीप।

उरद उड़द उर्दे भी माप माइ।

प्रद अभा जवन यांच आनु, रात ।

बरोज देलन।

बद्देशस्य।

उर्छ दे उपनाम ।

द्रमि देशहर। दर्शर के उपग्राद्ध।

च

उसान १ अटकाव उनधान करिनाई, चक्कर, होतर, दिवहर खेदान केंगाव बाधा २ सनिष्यय अद्यानेश दुविधा पत्रीरेक पिरह गौठ चुनाव येच फर, सपेट, समस्या ४ चिता परेशानी 2, सपात बरोहा।

जनमात्र हे बसमन्।

क्तर-पत्तर १ अध्यवस्था उपत-पुत्रत उत्तर-पुत्तर क्रतर-केर यहवह गहबड़ी २ अवत-ववत ।

श्वलका १ मेवाङ्गुच बाँचा २ वसटा-पुनटा उत्तरा-पुनटा प्रति कृत विवरीत विरुद्ध ।

उत्तरी उन्दी बोक बोकाई, है छई बमन !

वसवा अनुवाय तरजमा भागीतर।

कताहमा उपासेम पिसा गिसा-विकवा शिकवा विकवा-शिकायत सिकायत।

बसूक दे उस्पृ।

प्रस्रा दे उत्तटा।

उत्तरी दे उत्तरी।

प्रस्तपन अधितमय दोइना शाँपना।

प्रस्तातः १ जानंद वाङ्काद जुशी प्रसम्भता हुर्य २ उनंद बोह जोब-करोत होस्सा ३ वे बध्यायः।

परन् उन्त कौतिक बूसट बुग्ब पुगब सदमीबाहत।

दश्च बोलना सब्द बाना नष्ट प्रष्ट हो बाना सर्वेशाव को प्राप्त होना। दश्चेष १ वर्षों कित्र २ निर्वेत संदर्भ इवाला १ प्रस्त ४ माम।

स्वा सर्थारय ससस्युवह तक्का प्रत्युप बाह्यमुहुर्त भिनतार, भीर।

प्रका देगर्न। स्प्रता देगर्मी।

उन्जला वै यमीं। अध्योष पगदी पविचा भाव मुँडासा मुख्या साद्ध्या।

उस्तरा उस्तूच इस रेकर।

उत्ताद १ जन्यापक बाचार्य गुरु गास्टर मुद्दारस विक्रक

२ निष्काश पारंगठ सम्ब विश्वपन्न।

ѫ

🚉 १ सपकी २ वर्धनिकालंडाः

जैवना सपकी मेना तंत्रामुहाना।

क्रॅबा १ उच्च उट्टेंग बचास उत्तुत सन्तर क्रम्ब बनत्वृत्ती गगमनेती पनम्बत्यकी वाडील तुत्र बाला सुनंत उनुमत २ अच्छा आला एच्चकोटि ना उत्तुष्ट उत्तरा बहिया १ चीटी का मुख्य वरिष्ठ जीपेत्स चटा

क्रेंबाई १ पण्यता उठाम बस्याता बुसरी २ बण्टाई स्टाप्टता सम्बर्ग सप्टणा ।

द्भेषा-नीचा असम असमदान अनद-वासद नाइमचार नीच-द्भेष बीहर वियमदान।

केंद्र छट्ट करम बमेल वमेसक संबोध्य मुतुर, साहिया।

क्रवत देशोधर्मा। क्रवह देखकाड

इत्यप्टीच १ अटपटा ट्यामेडा वेडंगा वेतूना वेमेस २ अंटपंट अनाप समाप स्रोत-बीम स्रोत-बीम उसरा-मुनटा उसर चनुन ।

क्रम उत्पात उपहर देश फुसाद सरास्त सैतानी हुनामा हस्सद ।

उत्पंती उपावी सरारती बैदान।

प्रवर्शनावद वे द्वेषा-नीचा ।

करना उचताना उकता बागा अवाजाना पवरामा वयर बाना वी भर बाना तय था बाना भन अवट बाना मन उवाट हो बाना मन उवाट होना !

अन्तरेवी १ ठाक्ठवर, बसवान बसवासी वसिष्ट हस्तिमान सक्ति हासी २ ठेजवान वेजस्वी प्रतापी।

হৰা एপৰীৰণ কৰিও।

कॉम र्जीम तर्रव मौत्र महर बीचि हिसोर।

क्रम्बतीक दे स्वर्गे।

क्तवनूत बंटसंट संबर्ध वसंगत बॉय-बॉय बॉय-बॉय-बॉय बेतुका वेसिर-पैर का बेहुया बाहियात !

स्वा देउपा।

स्टम दे धर्म।

अन्ध्या मधीतपन ताप निदास ।

कसर सनुपताक सनुर्पर वंदर, बंध्या सूमि।

अनुनीह अतर्थेड असमंत्रस स्वेडबुन कसमक्त दुविया इंड धर्मसंकट, पद्योपेस समोपन संकल्प-विकल्प सोध-विकार।

#### Ŧ.

ক্ৰড কৰা বৈলে।

महत्रम दायमान पैत्रिक संपत्ति वर्पाती मौक्सी विद्यसत्त ।

माध भाग रीछ।

महा नेदर्गत नैदिक ऋषा ।

मृतु १ अपूर्टिस भरस सीधा (वीसे रेवा) २ ईमानदार करा १ तन्त्रम सरम सहुत साफ, सीधा ।

मूच १ उधार, नर्व देना सहना तोन इत्यक्षेर २ ऋधि आहम

हिम्दी पर्याय कोश / १३

देशभूम पितृभूम्य≀

ऋष चुकामा अक्षण होना प्रधार वेशाक करना ऋष स्वारतम कर्न स्वता रहा भन्ने चुकामा हिलाव चुक्ता करना हिलाव वेशाक करना हिलाव साठ करना ।

म्ह्या १ मध्यार, देनवार, रिनिया २ अनुनृहीत शामारी ज्याहरा शतम ।

ऋतु १ योतम रिपू, का शीवन सङ्घतुर्ये---वसंत डीरम वर्षा त्ररव हेमंत, तिकिर २ माविक धर्म रच-माव।

ऋदुराम दे वर्तत।

श्रृति १ श्रह्मणि मंत्रहाया यशीयी युणि मुक्तरार श्रूस्त्रहाया २ तपस्त्री सापस यहारमा बोगी साधु,साञ्च।

## Ų

एंड्री इंडरान प्रविद्धि, प्रवेच।

इंदेती बुवाबात राजदुवाबाय हाईकमीवम :

एजरोड़ोम इवाई बहुा।

एक १ सकेशा महितीय बनुषय मपूर्व निरासा वैश्रीह २ अश्रीत श्रीम १ एक-मा तुस्य वरावर समतुस्य समान ।

एकक (unit) इकाई एकोक (ख श०) एकाव (उ ते ) कृतिहा सक्तापिक संकापिक समय-निकः

प्रकातिक संकातिक समकातिक । एकविस एकमन एकाव वस्तिकाः

एकविसः एकनत एकावं वस्तिमाः। इस्तरकः अनुवस्त अनिमेप जनसकः निनिमेप विनापसकं विद्यापः।

युक्तीम अधिशायकर्षण अधिनायकवाद ध्रमण्डण एकछण दिस्टटर विद्य तानासादी राजर्यण ।

एक्सरका है एकपशीय।

ध्यसा : १ एकरव श्रेषक २ इत्तफाण एका येन मेल बील मेल जिलाप संबद्धन सङ्ग्रीत ३ अभिन्नसर, जनेद ।

एकत इष्ट्य एकतित संपत्तित संपृष्टीत सणित । प्रकार है एकता ।

एकरण दे एकता। एकरंत दे वर्णेतः।

१४ /हिन्दी पर्याय कोश

एशस्ट्रा एक्टम अभी इसी वक्त/समय सरकान पूरंत तुरक्ष फीरन। एकदुग दे महादेव। (Unilateral)—इक्तरका एकतरका (च प्र• वि ) युक्तपसीय एकपास्त्रिक (म प्र)। रे इक्जारमी। एक-ब-एक एकवारपी दे इक्बारगी। अकेमा एकम एकाकी केवल एक मात्र एक शिर्फ एक। एकमात्र अनुक्यता विभिन्नता अभेद समस्पता समानता साहस्य पुकरपता साम्य । दे एकाकी। **एकम** इक्टरफा एक्टरफा एक्स्सीय। एकांगी १ निर्वत निभून वियासान बीचन विजन सुनसान सूता एकांत २ निस्तब्ध प्रजात यांत सम्माटा ३ बक्रेमापन एकाकी वन तनकाई। दे एक्ता। एकः वे इकवास्यी। एकाएक एकारी संदेशा संदेशे दम एकमात्र एक्स तनहा क्षेत्रस एक मात्र एक सिक्षं एक। ত্কার एकवित तम्भय तस्मीन इत्तवित्त स्थानमय स्थानस्य एकार्याचन स्विधीवत । वन्मयवा वस्त्रीनवा इचित्रचवा। एकापता एकाधिकार एकाधिपत्य इकारा मानापती। पुकामिपस्य एकाभिकार, इवारा। एक्सचेंज विशिमय। बढ़ाना (कई) बढ़ाना (म प्र ) विस्तार (समी) : एसस्टेशन एक्सपरिमेंट परीसम प्रयोग। निर्यात । एक्सपोर्ड एक्सप्रस माजून बाजुगामी वीववायी देख देश रफ्यार बाला।

एस्तप्नोइट शोपण करना स्थात साधना स्थार्थ-साधन करमा। करना भावतारी उत्पादन गुलकः।

एक्साइब सरिरिश्य सधिक इतर फ्रासनू। पुषस्द्राः

एठना एक्सड्रीमिश्त १ अधिवादी २ आर्तकवादी उद्वर्षणी उद्वर्गादी आहम वहबतपर्व बह्नतपत्तव । एबिटेशन बांबोसन (समी) उत्तेवना क्षोम बनाबोलन विक्षोम। प्युकेशम तासीम पढ़ाई पढाई-सिखाई, बिक्षा । एजेंडा कार्यक्ष कार्यसूची विषयसूची। प्रकारन शतिरिक्तः। एडेप्टेसन बनुकुसन स्यातरम। युत्रवार प्रतीति प्रत्यम भरोसा यकीन विक्यास। एमरचेंसी भापाव (कई) भापाविक (कई) भापाव-स्थिति (केल हरि ) संकटकालीन (च प्र)। **ए**में डमेंट प्रशोधन । एलाउंस बसाउद्य घता। एनान (Announcement)—बाब्यापन (सभी) अभिशापन (बि.) घोषणा (राज म प्र)। बंदेवी चिक्तिसा बाक्टरी इसाथ बाक्टरी चिक्तिसा विमा एतोपेची वती इसाव। एवं सीर, दवाव≀ एवडी कार्यनाहरू वदने में स्वानायन्त ।

एवजा अभिनापा भारतीया ६ म्छा (दे ) ईप्सा कामना ससक नानसा हसफा।

पृष्ठवियात सतर्कता सारकानी होवियाचे। बनुबह् मॉम्मिनेशन उपनार, सुपा।

एहसान अनुबृहीत बाधारी उपहृत ज्ली कोव्सार्व्ड हुत्ता। एहसानमंद

ऐ ऍचाताना क्रीवा भेंगा। १ सन्द्र ऐंड ठमक हैकड़ी २ द पर्मट ३ गेंटन चुमान पेंच दम मरोड़ सपेट समबट। एँठ बुमान वेंच मरोड़ बन मरेट। ऐंडन १ पुनाब दना बस देना मरोड्ना २ अपड्ना बमड (दे )

१६ / हिम्दी पर्याय कोस

करना तनगा।

ऐंडवासिक भाइनर वासीयर।

प्रमुख अस्पतानी गाड़ी मधीय गाड़ी।

ऐंबस्बर राजपूर्व हाईनिमनर।

ऐकनस्य एकमध्या भर्तक्य सङ्गति। ऐक्ट अधिनियम कानून धारा।

ऐक्टर समिनेता।

सेन्द्रिय १ कार्यकारी २ अभिनय सकस स्थाप ।

एक्ट्रेस अभिनेत्री नाविका ।

ऐस्य दे एकता।

प्रशाम कार्यवाही (सभी) कार्रवाह (कई) किया (सभी) कर्म (स स ) अनुयोजन (स प्र )।

ऐक्सिडेंट इपेंटना हादसा।

एप्रिमेड अनुबंध इरुपरनामा कपर रवार्वदी समझीता सहमति।

एच्छिक इच्छानुसारी विकल्प। ऐसन तर्वेश वही।

एकन प्रवचन्त्राः ऐडक्स करना काम रोकना मुस्तवी करना स्विगत करनाः

पुडवन करना कान धकना नुस्तवा करना स्वागत करना। पुडवनमेंट कार्य-स्वयन मृत्यती करना/रखना स्वगत।

एडबस्टमॅड सनुकृतन (च०प्र ) सर्वतन (चि ) समायोजन (समी)।

**एडमिनिस्ट्रे**सन प्रकासन।

ऐडमिशन वालमा प्रवेश। ऐडबर्टाइकमेंट इस्तहार, ऐड विकापन ।

स्यद्रोद्धसम्बद्धः इत्तत्तार्यः, एक विकासन्। ऐश्वर्णतः अग्निम पैसमी विमाना।

ऐडवाइस परामर्थं समाह ।

ऐश्रवीकेट समित्रका वकीम।

श्रेवहाँक तदर्भ।

ऐंद्रस अका-पवा पता सिरनामा ।

एतिहासिक इतिहास-संबंधी तवारीशी शारीशी हिस्टॉरिक्स ।

एस उपयुक्त ठीक माजिस सही विस्कृत ठीक। एनक माना।

एप्रोच १ उपसमन सोर्स २ पहुँच प्रवेकः।

एप्तिकेशय अर्थी नावेदनपत्र प्रानंतापत्र।

ऐवं सबयुण करी कर्मक कराट, बारावी खानी बसती बृद्धि वास बोस सम्बा तुनस बुदाई साधन : एकार्ड सन्तर्गन सर्तमण बेसुका पहा । ऐक्टेंट समुप्तिक गैरहाविए, बविद्यमान अवर्तमाल ।

प्यार अनुवा पानाक भूतं मनकार।

ऐपायः इंडियमोल्प रूपट विकासी विषयासम्बद्ध स्वामनारी। एपाती इंडियमोल्पता प्रोमनिकास विश्वासिका विषयासम्बद्ध । ऐरानौरा १ अवना पुरुष्ठ भाषीय सामान्य हीन २ समनवी अन

नाम अपरिचित्तः। ऐवरेल वे साम्रारणः।

ऐतानः वे वोयजा। ऐतः १ जाराम ऐय-काराम ऐय-काराय ऐकोनाराम ऐकोइक्षराः

चैन सुख चैन २ ऐवाली भोगविकास व्यक्तिभार। ऐद्योगाराम जाराम ऐसावी जन्म ये विकास विवय-पुत्रा।

एरवर्षे धन-बोबत धन-संपत्ति वैभव संपन्नता समृद्धि । एरवर्षेवान वैभवतामी समन्त संपतिवान समृद्ध ।

प्रवर्षसाली विभवताला सम्भव स्पास्तान् समृद्धः। पृकाः इत सम्बर्धः इत इत का इस प्रकार का इसके समानः। ऐसा-ससः विज्ञानीयाः

ऐसोशिएशमः परिपद् संगठन संघ। पहिचा दुनियामी मीमिक सांसारिकः।

# मो

भौकार अंगी को हम्, प्रमथ।

मींद दे माठ।

कोक १ संजीत सेंजुरी कराईपुट ए स्वयन सालय सालाय गृह, मेह सर (१) मकान १ सायय ठिलाना ठोर, यसह। स्रोकाई १ उस्टी कोक के छाउँ समन २ गमणी यदानी। स्रोकारी अपना ठनमा कोध १ डेर शक्ति समुख्यम समूह (दे ). २ असनेम धारा प्रवाह बाढाः

बोड़ा १ सबम कमीना सुद्र बटिया छिटोरा छोटा तुब्छ निहस्ट मीच पोब इसका हीन २ उपका छिछसा।

सोक्षापन कमीनायन सुद्धता यटियापन खिछोटायन युच्छता नीवता हमकापन।

श्रोज १ गांति भनक तेव वोणि २ जोर, ताक्रत दम वस वस बृता वस-वीर्य शक्ति सामर्थ्य १ पराकम गौरप ४ प्रताप।

बुता बस-बाय यास्त सामयः र पराक्रम पारप ० अदापः
बोजस्तितः तेजस्विता कांति बीप्ति प्रमन्तिप्यता प्रमावसानिताः।
बोजस्तिः १ कोनियान दीप्तिमान २ पोरदार, बोरावर तास्तवर

र कारामान द्यारकान र चारवार, वारावर राहटनर तेत्रस्त्री द्यार, वसवान वस्त्रामी विभार, वीर्यवान सबस महत्त्व व्यक्तियासी यनिवनान ३ रामसी पुररावी ४ प्रतापी प्रवावशासी १ वसरदार बोरदार, प्रमावदासी

प्रभावी (वीत मायण)। श्रीसल होना अंतर्थात होना अनुस्था होना गायव होना छिप जाना विधेहित होना शुप्त होना चिनुस्य होना।

ाष्ट्रपं जाना । तरराह्त हाना सूर्य हाना (चनुष्य हाना। कोक्षा भून-श्रेष्ठ जनारने वाना/सावने वासा गुणी पद स्थाना सोखा।

औट १ काड़ पर्या २ छिपाव बुराव ३ पनाह धरय।

सीठ महर, बाँठ मोप्ठ, रदण्डद लव हाट होठ।

भोहनी उत्तरीय उपरनी शावद, बुल्नी बुपट्टा दुक्स दुपट्टा पिछोरी पर्यायाः

मोलप्रीय पूर्वा पूर्वा हुमा तर घरा रंजित नवरेब सराबीर।

सीच क्रमन सपय सीर्यस । सोदन पका चावस नाम ।

भोगर गामिक म्हागी।

मोप भाषा गांवि भगक देव दीन्ति।

भौषिनियन यत्र राय सम्मति।

मापानस्य गाउँ सम्बद्धाः स्रोपीको वाक्रारोगीविमागः

> और १ जानिक तरफ २ तरफ पस (जैसे आप क्सि ओर है?) व दिशा सिन्द ४ किनारा छोर सिरा।

मोरिजिनम सक्षमी भाग प्रारंभिक मूल मोनिक ।

विमीकद सूरतः)

मोना उपन करका पत्वर, बनौरी विनौसी हिमोपस ।

मीकर बात्म समाप्त !

सोवरएक सधिक सायु (केन्द्र राज ) वाशिवय (छ प्र ) धर्षिकायु (उ घ ) वसातीत (म प्र ) वसीतर (म प्र )।

(व स ) वसावार (स प्र ) वसावर (स प्र क)।
स्रोवरहाइस स्रवित्तित समय (कई) स्रविद्याय (सि स प्र )।
स्रोवरहाइस स्रवितित्त समय मत्ता (स्रोत) समयोपिर भत्ता (केन्द्र स्रवर्वस स्वक्रिका समय प्रता (स्रात)

सीबरशहरित करर सिवना निवे के कार निवना।

भोवरकत करणा अस्तिकार करला रहा करला विकश्च निर्धय करला विवरीत

भोबरमुक संपेक्षा करना ध्यान न देना।

आवरतुक उपवाकरता कान तरना। भोबरहासकरमा जोवरहासिम जीपीदार पुनर्गवन (थ प्र ) पुनर्मोचन पूरी सरमत गरम्मतः।

स्रोवधि १ जीवध सीपधि नही-पूरी दवा मेपन २ इसाम उप-भार विकित्सा वदा दवा-दारू।

भार,।पा। ऑफ्ट देवोठ।

असम्बर्धः साथाः असेसः युहिन्दुहिन्तमा नीहार नीहारकमा स्वयतमाः

भोतारा भोतारी कमिन्ना शासन वरावा वरामदा सामवान । भोता नौकरी वर्जा पर स्थान ।

भोह्या नौक्षी दर्जापद स्थान। भोहार माध्यादन मादरण परवा।

# वो

सींचा श्रक्षोत्रुक्ष चसटा गृह कंशका। सोंडो श्लोचडी जड़ जड़दुडि दुर्दिड दुरिडहीन वेसला मूर्व (दे )।

कोकास विसार पीरप शनित समाई सामर्थ हैसियत। सीमड्ड १ अभोधी गंदा २ अभिषेकी ३ शनमोबी मस्त मस्त गीला मस्ताना गीजी।

जीवनः सकस्मात्, स्थानक (दे ) एक-स-एक एकाएक सहसा। स्रोतिस्य स्थानकता मस्टीप्रिकेसन सर्वसंप्रतता सर्वसंप्रत संबति।

१ / द्विम्दी पर्याप कोश

मौद्वार चपकरण दुत धुनियार।

सौतर १ सामुकोय मनमौत्री मौत्री २ उदार दाका दानी भैजातः।

भौदार्थ उदारता सहदयता ।

औरवारिक (Formal)—रीविक (च प्र ) यथाचार (म प्र ) सीप चार (म प्र ) कार्यस रस्मी।

बार (म प्र ) क्रामन रस्म

स्रीतवारिकता फार्नेतिटी रस्म।

स्रीर १ एवं तथा व २ क स्रतिरिक्त के साथ क साम-मार्व ३ सन्य कोई स्रीट, दुसरा क्रिन्त ४ सम्य ग्रीट, पर, पर

कीय वेदाना। औरलः १ के स्त्री २ वे यत्नी।

स्रीरस (सतान) वाजनी विवाहिता स्त्री सं उत्पन्न वायव वैद्य स्वजान । श्रीताह श्राल-श्रीसाह श्रास-श्रीताह वास-गणान वास-वर्ण सहके-

कास बद्धस सतित संतान।

नीपक दे मीपित । भीपकास्य १ डिस्पेंटरी दवाकाना क्रामेंमी २ सस्पनास चिनित्सासय

श्रूपनाम द्वास्पिटन।

स्रोवधि दे सोपधि। स्रोसतः एवरेत्र साम्राज्य सामान्य सामूसी।

सीसान मुख-तुम होत होय-हवास ।

भीसान चना होना

ना मुख-सुध कोना होत-हवास ठिकाने न रहना।

事

करम (दे) क्येतः।

र्शनाल अस्पिनांत्रर, ४८री ठठरी पंतर हुड्डी-गेंससी।

कपन कंकण केंग्रना कहा चुड़ा, हेससेट, बसय । कंपास अक्रियन क्यासा प्रशीव कंग्रत टटपेंडिया टा

महिनन रूपसा प्रतिक सूँछा टटपूँपिया टूटपूँपिया तंपरस्य तंगहाम दिखा दिखी बीन धनहीन निर्धन मुक्ताइ मुखा मरमुक्ता मुख्यसिस मुहताम रॅक, सनद्वारा।

हिन्दी पर्याय कोत / १०१

```
कवन दे सोना १।
        क बुकी १ वेषिया चोत्ती वॉडिश वॉडी। वा बबरी २ वेष पूर
                रक्षक जोवदार द्वारपास प्रतिद्वारी।
         **
               है क्याना
         कवा कैसा
        कत्त अर्थपिताच इपच खबीस वनसीपुर सूम ।
       चंत्रती इत्यता किंपनाई, सुमपना ।
        श्रंदश्च है - कौटा ।
     संदिजेंको जाकस्थिक व्यव (सभी) प्राप्तियक व्यव (उ० प्र ) सूटकर
              म्थय (केम्ब्र राज च त्र व स स ) ।
      केंद्रीला
              बंदकित करीका करिवार, करि कामा।
        66
              माबाब पता युर, स्वर ।
    क्षामा गंडमासा यसगंड ।
कंटरम चंडाप खबानी वाद, नुवास मात्र स्मर्च।
       इंडी इंटमाना माना ।
       कंडा उपका बोईंठा बोईंठी बीखा बोहरा बोहरी।
       शंडम अनुपरीपी क्याइ कृता वेकार का वेमसरफ व्यर्व का।
      संवास नंतास अमास हव हम देन शामर ।
     कॉडिशन १ दता स्थिति हामत २ प्रतिबंध कर्ता।
     कंशील गंदील।
       कंत दं पति।
      शंचा कवही कवरी नुबड़ी।
             १ आह मूस २ गया करना तंत्री शकरकथ बकरकंदी
       20
             व जीमी जिसी जिसी (जैसे बुसप्ट में)।
             र यका बढ़ा २ स्रोह भर्त साट शहर, ३ विश सांद
     कंशरा
            fust t
     संदर्भ हे कामहेव।
     भोद्रक है नेंद।
     कथा मेश मंत्र कांबा एका बुजमूल स्क्रम।
```

अनिकार्य (मजी) आवश्यक (म प्र ) बाध्य (कर्र)

बाडगारमक (वि ) विकासक (वि )।

बंपसारी

संबर्धकी क्षेत्रन काँपना करकराहट।

कॅपित : १ उद्वेतिन कॅपमान कपायमान चवस परध्याता होसाय मान दोलायित बोलित प्रकंपमान सोस विनंपित स्पॉबत

२ बराइका मयभीत समय।

रुप्टीशन प्रतिद्वंद्विता प्रतियोपिता प्रतियोगी परीक्षा प्रतिस्पर्द्धा स्पर्द्धा ।

कपेंसेसन सतिपूर्ति मुमानदा।

क्षीन विश्वान प्रभार। क्षोडिटर असारधोनक टाइपयोजक।

कंप्पटर संवयका

र्रानेस्स १ ग्रॉप मनोधिय २ हीनग्रंथि ३ श्राबास-संदुत्त एनँट

समृह् ।

क्वल कमरा मुक्ता यूनमा बुगासा धून।

बॅबन दे कमता

कई अनेक कई एक कतियम कुछ कुछ-एक बहुत ।

ककहरा वर्णमाना।

क्स १ रमध रोठपै प्रकोप्ठ २ शीव दशस।

रक्का १ क्लास दर्जवर्य खेणी २ बह-मार्गः।

करार किनास कूम तीर, पुनित साहिस।

क्ष असर बुंबस केत येलू बुस्फ, सट शिरोरह । कथरा नववार, कुश-करणट गेंदगी।

क्षहरी अवासत नोर्ट स्वायानम ।

कण्डा १ अनवका अपन्य २ कमडोर, अनम्मस्त अपरिपत्रव ३ अपरिपुट अपुट ४ टीका (पत्की निनाई के पहुले)

१ सस्यामी चैरमुस्तिकन सविद्ध ७ सर्गतिम १६६ । रुक्स-चिटता गुन्त घट गोपनीय सर्वे छहस्य।

क्याराता असित कासा कृष्य घनस्याम श्याम श्यामस सुरस्र ।

महमा क्षप्रशा कण्डा कमठ सूम।

का १ टहापण २ ऐव खरावी लामी दोष।

कब्रती १ क्यारी बरसाती यीत स्वावणी यीत २ (याय) क्यारी क्यामा।

कबार करवान बाकू बटमार, नृटशा।

च्यक दे सेना।

क्टबना नटहा नाटनेवासा।

हिम्सी पर्याय कोट / १ ३

```
कटबरा
```

१०४ / द्विग्दी वर्षाय कोश

## कटकुण्यती

कटबरा कठवरा कटहरा। भटका कटरा पट्टा पँक्षा पढ़ना पाका । कट्यी कटरी पाड़ी। कटपीस दुकड़ा (क्यड़े का)। करहुम कंटफस कटहर, पथश पनस । कटाई कटान कटाव कठराई, काट-छीट छेटाई ठराई छराई षदाई । १ जासप फीटाकसी तंत्र ताना स्थय सर्व्य २ कनती क्टान देखना कनश्चिमों से देखना कनश्चिमां मारना तिरक्षी चित्रवन तिरकी इंदि, तिरकी नवर। कराम कराव कार । कडार कटारी कती छोटी दसबार मुत्रासी । कटि दे कमर। कदिश्रह कामाबा चताक उद्यव कमरकते हुए, तत्वर, तुने हुए, र्ववार, प्रस्तुत सम्नद । नेदीला केंद्रीमा कांद्रीवाला कांद्रबार। क्ट् १ कट्क कड़वा कड़्या तस्त्र तीचा तीचा २ (olicusive) अप्रिय (कई) बुरा लयनेवाला। १ अवसापन सस्यी विवार्ष २ वस्थी धनमुदाब वैमनस्य। कद्ता अप्रियमायी कट्बन्ता कटनी नात बोसनेवासा । कद्वावी क्ट्रवित व्यप्तिय कवन अप्रिय बात कड़की बात चुभनेकासी बात। कटोरदाम टिफिन टिफिन कैरियर। क्टोरी नवीय क्मोरी दीय बीरिवा धोधै। कटोरा १ (deduction) - कमी (म प्र ) काट (म प्र ) गर रेगी काटना (ब प्र ) घटाना (कई) नाथ (उ प्र ) स्पन्नतन (म म ) २ (cut)--वर्तव (कई) क्टाई (वि ) वाट (बि॰) पाटमा (म प्र॰)। दुराग्रही दृष्ट हठी। क्ट्रर १ इरावही विद्री इठी २ वितवादी वार्तपवादी(दे ) कट्टरवांबी उपवादी । पुतक जिद दुरावह हुठ। कठहुँगसत कुलकी जिड़ी ब्राप्तकी हुटी। कडहरजती

करिल म (करने की मुर्तिक थे) है सरपार राष्ट्र देश दूपकर, बुरमाध्य थारी पुलिकत भुहास विकार सङ्ग २ वरदशास्त्र समसास्य ३ दूकर का (सकामो की वृद्धि के)—क्षेत्रधास्त्र विकार, पृष्ठ निरंत रहा देशी थीर दुकर दुक्य दुक्य दुक्य वैक्षीय ४ (बहुक करने की वृद्धि की) दुक्य हैं (बाने की वृद्धि के)—क्ष्मण व्यवस्त्र दुक्याय नायान के (मार करने की वृद्धि के)—क्ष्मण दुक्यार, दुक्याय नायान के (मार करने की वृद्धि के)—दुक्या दुक्यार, व्यवस्त्र केरी वृद्धि के)—दुक्य दुक्य दुक्य दुक्याय दुक्यार वागलें करने की वृद्धि की)—दुक्य दुक्य दुक्या दुक्यार हुक्यार की वृद्धि की)—दुक्य दुक्य दुक्या दुक्यार हुक्यार की वृद्धि की) विकार दिवसीय विद्यास

कठिनाई कठिनता विश्वत बाधा परेतानी।

कठोर १ (सन्ध)—कड़ा सङ्ग र (ध्यक्ति) कथाई, कृर, सस्ताव निर्देश निर्देशी निर्मेश निर्मोही निष्दुर, एक्सर, यक्सर्यदेश का परय पायास्त्रस्य अस्तरमूक्स्य वैद्युरस्तात बेदस वेरहस सम्बद्धित सङ्गा।

करोरता कड़ाई, करता निर्देशता निर्मेशता वैदर्शी बेरहमी सब्दी।

क्ठीत कड़का कड़ीता कड़ीती होग ।

कड़वा १ वटुकड़ था कड़वा रस्ता टीला तिका ठीठा ठीटक ठेक २ कदमता ३ अधिस सदोमन।

क्यूचाहर दे तर बाहर।

कमा १ कॅमन चुका पश्चमा वेरता क्समेट, तसय २ स्टोर, ओस सङ्ग ३ (प्रकाविधा)—कटिका वर्षस्य तपहा ४ (व्यक्ति)—क कठोर।

मदाई मठोरता निरुत्ता निष्ठुत्ता सन्ती।

कड़ी दास्तुक लिक संबंध र

कड़ जा वे जनवा।

कड़ साहर १ (संबध) बहुता कड़बापन कड़बाहर, तस्त्री मनमुदान वैमनस्य २ (स्वाद) कड़बापन विवतता विवाद वीतापन।

च अन्यु,कपिकावन ननीयरनानुस्ता। सर्दे एक्टम पराधी विस्कृत।

करता ए

```
कतरमी करोरी हैची।
              कतरस्मातः १ वाट-छोट बोड़-छोड़ धंबोधन-परिवर्तन २ ज्येड़-हुव
                                                                 न्याचित्
               कतरमा सौध पुराना थाँच बचाना करनी काटना जी पुराना नदर
                       बबामा गबरें चुरामा सामने वामे से बबमा।
               इतल वे इत्सा
              मनार १ वयकि पंक्ति पंग्ति पति पति मात्रा स्थाना भवी
            कतिया कई, कई एक कितने ही बुछ कुछ एक बोड़े बोड़े-ते।
             क्ता और।
             करतः सून वस इत्या।
            कवन जीन कहना बयाम बात वस्तव्य वचनः
           कवरी प्रदर्श प्रदर्श
           कचा १ वे नहानी १ २ कचा-चार्ला पीराधिक कचा सबद्द
        क्वानक फॉट।
       क्वाबस्य प्लॉट।
     कथाबाबक कथा वीचनेवासा रामायची क्यास ।
        कवित विभिक्तवित (केन्द्र राज वि उ प्र ) समायवितः।
    क्वोपकवन वातचीत वार्तानाम संवाद :
         क्रव बाकार क्षत्राई बीलडील झाइट।
       इन्दम इय प्रम पनि पैर, प्रास ।
      इत्तर १ वे बज २ परिमाण माना निक्रवार।
    मनरवान कड़वी यज करने बासा गुणगाहक बुलगाही।
     कदर्व १ जिक्ट, एराव बुरा २ वजम दुरियत गहिए निवित
            गीय ह चूडा-करकट, निकामी बातु, वेनार वी चीत्र ।
    करती वैसा।
  क्वाबार
           (misconduct)—दुर्बोबहार (म प्र ) दुराचार (स प्र
           म प्र) दुरा भावरम बुरी वातः।
          ग्रामितन गायद संबनत संबन है ही न-ही ही सनता है।
/हिन्दी पर्याय कोस
```

क्यापि १ वाराभी सनिक्षी मुतसक हरनिव २ कमी निसीभी

समयः। कदापि नहीं कट्टाई नहीं कभी नहीं कभी भी नहीं विश्वी समय भी नहीं विस्कृत नहीं अुठतक नहीं हुर्रियक नहीं।

इसीम इसीमी पुराशासीन पुरावन पुराशा (१) प्राचीन ।

हर्षु १ विया शीकी २ कासीफल कुम्मांड कुम्हड़ा कोहडा सीताफल व पेठा मतुवा।

हात १ दरबत प्रतिप्ठा बड़ाई मान सम्मान २ सहिमयत महत्त्व।

क्रार्थी क्रमान है जनस्तान।

कनक १ वे छोना २ धतुरा।

कनकटा कामश्टा बूचा।

कमपटी कर्मपटी गंड गडस्यस ।

क्नस्तर कनस्टर, टिन।

कनायतः पितृपका।

कनिष्ठ (junior)—अवर कनीय (वि ) छोटा जूनियर (स प्र ) निम्नस्य (स प्र )।

कती अनुकय क्लिका क्याँ परमायु।

कनेक्सन ओड़ नेस योजन सनाव सबंध संयोजन।

कन्या १ जविवाहिता सहकी कुमारी क्योरी (सहकी) २ दे पूत्री।

कम्बेंगन परंपरा परिपादी प्रचलन प्रचा रीवि ।

कम्लेखन

कपट १ छल छल-कपट छल-छंब बचा धूर्वता घोषा प्रवंचना प्रदेव २ नाप्तंबर, क्लोसला बॉप पायंड प्रपंच। कपटी १ छलिया छली बगावाङ धुर्त होचेबाड प्रवंचक बंचक

द आहेबरी पाखडी देना-सियार।

कपड़ा १ अंबर, चीर पट, बसन वस्त्र २ कपड़ा-सत्ता दूस परि धान पोशाक जिवास वस्त्र।

कपाट किया इंदरणका द्वार, पट।

रियायधः।

कपालः १ जोपड़ी मुड सिर २ मस्तक माना ससाट।

कपि देवंदर।

क्यूत कुपूत्र पासायक बेटा ।

कपुर कपूर बनसार।

क्योत दे अनुबर।

क्योल देश्याला

कपीलकरपनः कत्यित वात यप्प बनावटी वात मनगर्शत बात ।

क्योमकन्पितः शुरु करियत बनावटी शतवहीत ।

१ व्यंबार बकार युक्त बसग्रम स्तेष्या २ क्लाई, सूचा (क्मीक मा)।

किस बरत किस समझ ।

व्यवद्र-बांचड्र कड़ा-करकट निकम्मी चीखें बैकार की बस्तुएँ। क्षांक

कवीता अन काति मुंड वर्ग समुदाब, समूह ।

कब्तर अपोत पारावत परेवा। क्रीज्ञवत क्रम्बी कोप्लबदता बढकोप्लता मनबदता E438

मलावरीय । मिक्तिकार मधिकार विश्ववहण माधिपत्व इदितकार दक्षक प्रकरी

प्रमुख । मध्यस गवार समाधि।

क्रविस्तान क्षमाह।

क्षाची ... किसी बनसर पर निजीवनत किसी समय खबी-कभी कभी

कमार, वाहे-वेवाहे अव-तव वदा-वदा । अपर्यान्त सन्य इने-यिनै एकास कमती कुछ खड़ीहा, युनासी

44 (मैरे पुनाबी पाड़ा) चंद तिनक योड़ा नेक खून मुक्तसर, शय केंद्र शक्षित्व वीमित स्वस्य इलवा ।

१ मदान अञ्चल जसमर्थ पूर्वस निम्मन्त निर्वेत बसाहीन क्वतार मरियम मरिवहीम बिविस म्लय सामध्येष्टीन हुद्दी-हुद्दी २ क्षत्र कृत्रकाय शीम शीमकाय दुवसा-पवता दुवेस वे अब्बास अवस कच्या ४ मधुमाय जन्छा नही टीक नहीं

रीज नहीं भोगा।

कमडोरी अभगतता पुर्वसना निर्वेत्तता।

काशर्यक श्रमुत्ता विचारर्थेक संबीता विशवस त्रियवकी वाँका वनोहर मसीना सुंदर, गुदर्शन ह्लीन । कटि कटिमान कॉर्सिन नव्याप संघ।

t = / दिन्दी पर्याय कोल

कमरा कम कोठबी कोठरी प्रकोप्ट कम सेम।

क्ष्मन अंकुत बक्त करवित्र इंटीवर उत्सन क्षेत्र किसक कोकन्त अक्षत्र अभवात तामरस निविध् नीरक पैक्क पदम पामोज पूंतरीक पुरुष्क, राजीव बनव बारिज स्वदक्त स्वपन सरसिज सरोज सरोरह ।

कपननास कमसदद मुणास मुणासिनी।

कमसा वे सक्ती।

क्षमिनी १ छोटा क्मन २ हुमुदनी कोई।

कमसिन अस्पवय अस्पायुः। कमोडर सिपश्तासार सेनापतिः।

म्पडर विपद्दशासार सनापति

कनाई वर्जन बायव बामदनी बाय पैदा।

कमान १ देधनुष २ कमोध (सेना सादिका)।

कमाना १ अर्जन करना अभिन्न करना आय करना कमाना-समाना कमाई करना काम-साम करके आय करना पैदा करना १ संचय करना (जैसे पाप कमाना)।

कमाल १ कुतनता निपुणता प्रवीचता २ सन्त्रपन सनोबापन विधिनता विधरणता -कर-भव्युत बनुठा बनोबा जनाधारच सनामान्य विधिन विस्तरणा।

कमिश्वर मायुक्त।

कमी १ अपर्याताठा अभाव अस्तता विकास वयी दोटा स्तृतता २ अवगुण येव कदर, वाणी मृद्धि, दोप मुक्त चुपई १ (reduction)—कदोती (म प्र ) चटाना (पाप ; द प्र ) पटाव (वि ) चटी (म प्र ):

क्मीक टीक्ट बनामटे गर्ट।

कमोता अध्यम बोक्ता खुड़ पटिया छोटा तुक्छ तिकृष्ट मीक्ष अवसार होग।

कमीनापन ओछापन सुत्रता भवियापन नीचता।

कमीरात १ भाइत छूट बसामी बस्तूरी बहा २ मायोगः।

कमेडी कमिटी समिति। कम्युनिटी समुदाय।

कम्पुनिरम साम्यवाद।

कम्यूनरमं साम्यवाद। कम्यनिस्ट शाम्यवादी। क्रमामतः १ प्रसयः २ खलवनी हमणसः -हाना--क्रमामतः वरपा करेला कब्दर हाणा ग्रजन हामा निजनी विरामा नाजपात करना।

कर १ वे शाच २ बावकर प्रशक्तमटेक्स टेक्स टाल टोलटेक्स ब्यूटी पुसकर, पहसूच मार्वकर, राहवारी वेस्वटेक्स तुस्क स्पेरिकर, १ वेल किरण।

करतक १ करामात करिश्मा जगरकार २ काडू तिसस्म ३ कुकर्न पुरकर्म ।

करतार ६० किया।

करतूरा १ करनी कर्म काम २ कुक्से दुस्कर्म।

करमनी कमरबंद विकित्ती ताबड़ी शिक्षशा ।

करनी १ करतन करतूत कारताया २ कमें काम कार्व ३ तुकर्म बुष्कर्म ४ कमी।

करामातः १ करिक्सा चमत्कारः २ कुकर्ने दुव्यार्थः।

क्षरार १ अपूर्वय मनुबंब-पन इरुपार इरुपारनामा ऐत्रिमेट रहा मंदी सङ्गति २ वायश निरुवंब प्रच प्रतिका १ दक्षानी

धीरव वैर्व वंगीय तथ ४ शाराम वैन गुच-वैन। करारा १ वहा हुन्दुर हुरहुरा २ नटु, वहा मुंहरोड़ (बनाव

वारि)।
कराल छीड़नाक कोर बरावना भर्यकर भनानक प्रवादह भरावना श्रीपण विकट विकराख ।

करित्या करतम करामात चमत्वार।

**भरी देश्हा**थी।

ब्रारीमा १ कम तरतीय सम्बन्धा २ इंच तह तरीका।

क्रपीब १ बास-पास नवरीक निषट समीप २ करीब-क्रपीब

तकरीयन प्रायः भगमयः। करीयः १ वे वयान्, २ दे देशवरः।

करण १ न दणात्रमक दयगीन २ तारान गुरा।

क्ष्मा के बया।

करोड़ कोट नोर्टक सीमाध। करोडपरि वे नगीर।

करोड्यति वे समीर। कक्षा वहा नटोर, पदम शहन।

११० / हिन्दी वर्णन कोस

कर्वराः कसहित्रय सहाकित सहाका समझल्।

क्रबं भूम उधार, कर्जा सोन।

इन्स्वरार अनुनी बेनवार रिनिया।

कर्ष कान सम्मन्तिय भृति।

क्रमक्ट कठोद कहा कर्नेत।

कर्णधार अवसंव केवेया सहायक सहारा ।

कर्तरी कतरनी कर्तनी केंची।

कर्तमः १ ह्यूटी क्रवं धर्म २ आचरणीय करणीय १ जिम्मेशारी

विभोगारी वासित्व। वर्षा १ निर्माता रचयिता सर्वेक २ दे बह्या ३ दे ईश्वर ४ प्रथमा (ब्याकरण) १ करनेवाला करने-सर्ग बासा

कर्या-सर्वा (व्याकरण) इ.करणवासा करण-सर्व वादा कर्या-सर्वा । कर्या-सर्वा १ करने-सरने वाला सर्वेसका २ विदेशक निर्वेसक

छंपालकः। कर्मम देशीपदः।

कर्म १ करताव करतात करनी काम कारनामा कार्म इस्स २ डितीमा (भ्याकरन) ३ डित्सता प्रारच्य भाग्य (दै)

४ वियाकमें मृतकसंस्थार। वै अमना अहतकार कार्यकर्ता गौकर, मुनाबिन स्टाळ।

भनवारी अमना बहुतकार कार्यकर्ता नौकर, मुनाविन स्टाछ। स्मठ उद्यमी कर्मनिष्ठ कर्मजीस परिभमी मेहनती छक्तिय।

क्तक १ वोहमत बाग घव्या लांधन २ ऐव दोप। क्तकरहित दूब राधुना दोयहीन निर्दोय निष्कर्सक शाय-पुत्रस स्वच्छा कल १ मधीन येत्र संयोग २ वाराम् करार, चैन सुक्ष

३ स्वयना दिन स्थानेवासा दिन माबीकल ४ पिछमा दिन सीता हुमा दिन विगद कन।

हमई १ रिंगेका पतमा लेप मुक्तमा २ र्राया ३ तहरू-अहरू (शहरी) जगक-समक ४ जुनेका लेप सफदी।

क्रमम येन फाउँटेगयेन वालयेन केवानी साहनयेन। कसरा कृष नगरा मट महा २ कंगुरा विवार।

कनह १ वहा-मुनी तकपर तर्क-धितर्क बहुत बहुत-मुनाहिता बहुता-बहुती वाकरूनह, वापुत वास्तितंत्रा बाद-विवाद विवाद २ सचड़ा समझ-संस्ट समझ-टेडा सहाई। **∓**सा

१ बार्ट उपयोगी कथा कारीवरी कौवल छन सहित क्या तिस्य हमर २ करतव करियमा बेस। कतार्थ बद्रा पहुँचा प्रकोच्छ मधिबंध। वार्टिस्ट कमार्वेत कारीकर, फनकार किसी। क्साकार रुनाधर दे चीहवा। कतानाव क्लानिधि कमाप हेर,पूर्व राशि समुख्य समृह (१ ) (वैसे निया-समाप)। धामा स्मापुत्र नाम धाना। कसीचा कसिका देक्सी। कतियन क्षति क्रिकाल क्ष्किकाम । क्षिका कुर्मम कोरक काँड़ी बुंचा बाँडी मुकुत तिनुधा। करते १ गेंदगी कम्मय सब समिनता मैस २ दोप पाप कस्य विकार। क्लेंडर क्संडर, क्रेनंडर, बंबी पंचाय पत्रा । कमक्टर, बनपर-बश्चिकारी विमाधिकारी विवाधीत। क्रमेक्टर १ जियर, यक्त २ वित हरगा क्सेडा क्लेवर १ कावा बाठ पात्र बोत्ता विस्थ दे**ड**, बदन प्रधीर २ आकार, विस्तार (जैस पुस्तक का वनेवर) । क्रमाहार कमेळ जनपान (दे ) नास्ता । क्सेवा श्रदमानना मनगरंत मनोरचना सुध। कायमा कृत्यत्व करमङ्ग करमत्वा कामत्व देवतः देवहम कस्पद्रस पारियात सुख्या । इत्यानव प्रश्नय महाप्रसय सबीत । करपांत क्यांसी नकसी प्रजी बनावदी मनगडेंच माना हथा करियत हवाई ! १ कुत्रस कुत्रभ-क्षेम कुत्रस-मंगस मंदस सुभ भेगत्, क्रमयाचा २ उपकार मता भमाई हिता १ दे कोस २ दे तहर। क्रमोमिनी दे नदी। १ जनवान कंपुर जिरह जिरहवतुत्वर, बश्चार पत्र सरीर 444 शाच सम्माह ।

ক্ৰম

११२ / दिन्दी पर्याय को ब

क्वियत्री चायरा ।

कदर माण्डावन भावरण।

केशपास चोटी जुड़ा। दवरी

कसरत दिल परेट। कवायर

कवि काव्यकार, काव्यप्रणेवा काव्यरक्षिता तुस्कड् साथर ।

कविता वितार्व, कविता काव्य तुक्वंदी नरभ पद्य शामरी।

कविरवः काम्पपूष काम्पसीदर्वे ।

कता १ दे कोबा २ सीच (सियरेट बादि के बुएँ की) दम।

१ दे दक्षिण २ उदाइ-पछाइ खीचवान श्रीमावानी क्यामकरा धक्कमधक्का ।

मनेश टीस तकलीक, बुन्त (दे ) दर्व दुः वदर्व पीड़ा रोम क्य

वेदना व्यवा सताप।

कठिन दुष्कर दुस्साध्य मुस्किस से होने बासा समसाध्य। रप्टसाध्य

नष्ट (दे ) टीस पीड़ा वर्ष सून सान। क्तक

धरम सीमंत्र इसक -बाला-इसम सेना पमाबली उठाना **म**संस बनेक हाब में लेकर नहुमा बैटें के सिर पर हाय रखकर कहुना सीवम काना सीनम सेना सपय काना सपय सेना इसफ

मेगा।

१ सबबुण ऐव कमी आसी चूटि बोच नुस्स मुराई, क्सर विचार २ शवि टोटा मुक्सान हानि -निकानना--१ वदमा या प्रतियोग सेना द्विताव बरावर करना २ कमी

पूरी करना श्रातिपूर्वि करमा। कोर मेहनत वर्तिस व्यासाम । रसरत

कसाह इस्साथ चिक्र विशेष शूचह ।

मपराञ्च क्रमूर, श्रद्धा समती जुर्म बुटि, दोप। इन्दर

क्रमुरमंश मपराधी कुनुरदार, मुत्ररिम दोपी।

कतूरवार कसोटी १ कपपट्टिका निकय २ मानदह।

१ चनन परपरा प्रचमन प्रया रिवास रीति रीति-रिवास करद्रम २ बाबकारी बागात निर्मात-कर, चुगी राजस्य सीमा-भूगकः।

करतुरी करतूरिका मुक्क मृतमधः।

उपनवर, छोटा नवर, छोटा बहर टाउन टाउनविप ) करकरा अद्रहास कोर की हुँसी आहाका। वे हुँसी १३ कहना कवर बताना बोससा। इन्हर आक्रत आपदा मुसीवत वकापात विपत्ति विपदा संस्ट। कतुबा काफी। कहानी १ वक्तसाना आक्यान आक्यायिका कवा कवानक किस्सा बस्य बाबा बास्ताँ बास्तान छसाना प्लॉट स्टोरी २ वर्षन वृत्तीत हास। क्हानीकार वक्सानानियार, मास्यायिकाकार क्याकार किस्सायी ! कहारतः कहनीतः मसस साकोवितः। **क**हासूनी कनहे तकरार, वादविवाद विदाद। कौस नस अगन। कांच लीगाः। कांचन वे सोना रे। कटि। १ केंटक खार, मूच २ तराबू पुत्रा ३ अँकुड़ी हुक । wite १ वे जटना २ अक्रवास अनुसाय अंस खंड भाग सर्व ३ ऐक्सिबेंट इर्वटला हावसा। के पति। कांत कांतर है पत्नी। गहन बन पुर्मेश जंबस । दे जंबस । कोतार कांति १ माना मानोक क्योति तेज दीप्ति प्रभा विमा २ खुव मुरठी छवि बोमा सीवर्षे सुबरताः १ चमक रोनक। क्रांतिमाम १ कार्तिमान देवोगम २ भव्य शैनक्यार मानदार। कारिशम्य निष्यम निस्तेत रीन्डवार वानवार भीइत । कातिहीन कॅपित होना करना भरमधाना वर्धाना प्रथमीत हाना क्षीयला विष्टेपित होना सिहरना । शसबूट करिय बैधा भरत। क्रीसर सविद्याम ( कांस्टीर्युशन कोस्टेबल शिपाही। काइयाँ दे चाशका

कारंदर

शिक्षी परस विश्वीपटम।

कमेटी परिषद् समा समिति।

कार्जनिकर पारियद पार्यंव विधायक।

काक देकीया।

काका से भाषा।

श्राकी दे वाची।

काग वे कीया।

काराज कामव पेपर।

कापडी १ पतन फिसने का (बैसे नीडू) २ खड्पीपी सिखा हुआ सिखित (बैसे कार्यवाई) ३ विचाने की दिखानटी निप्छल निपर्वक (बैस नागवी केर)।

काछ पुष्टिस्मा।

कावस कावर बंबन पुरमा।

कार १ अर्थन काट-छीट तराज २ इसाव चेपचार वोड़ दवा निवारकः।

कार-काँट श्राप्त-वर्गेत जोड़ना-बटाना परिवर्तन-परिवर्धन सजीधन परिवर्णन ।

काटनः कराना करार-व्यांत करना कर्तन करना काट-छाँट करना काटना-छाँटना कुरारना केंग्री बसाना खायका खुरकता छाँटना छोतना दुक्ते करना सम्बन्ध रहा करना रेतुना।

काठ नाफ बाद सन्तर्क सकड़ी -का उस्मू --वब बका मूर्य (है ) मूर्व निहासत देवकूछ पत्मे वच्ये का देवकूछ -सार बाना---आवर्षणंत्रिक हो बाना स्टब्स हो बाना स्वतिह हो बाना--की मीडी---विकार्यो सस्त (बबारे की बीच)

काठी १ जीत २ मेनसंट सरीर-नदेन कद-काठी ६ जिस्म देह सदन सरीर-(दे )

काडा सावेट, नवाय।

कातर १ समीर चंचन स्वादुन(दे) २ दे दुखी ३ दे कायर ४ जनगोकः।

कांतरता १ मधीरता पश्रराहर व्यानुमता २ कायरता हरपोक्यना भीरता ३ जस्ताहरीनता।

कातिक कार्तिक।

क्रातितः तत्त्व करनं वामा बूनी वातक इत्याय।

काइबिनी पटा बादस मेथवासा शारिकावसी।

कारर वे दरपोक।

कात कर्णभवणेश्विय सृति।

कानस्रवृतः कृणवनुराकातर, गोवर, असपदी।

कामन दे बंगस।

काराः एकवेंबा एकतवत एकतेत्र एकाश्च काकसूर्वृती । काराकृती कम्पूर्वको काराकानी कानापुराकी कानावाती।

कानून बाईन ऐस्ट, नियम राजनियम जिल्लान विश्वित

क्रानुनका विधिन्न विधिवेत्ता।

চাৰুনী শ্ৰমানতী আইনী ভাৰুণ-নৰ্মটা ভাৰুণ-শ্ৰমত বিভিন্ন (তাৰ ড স ) বঁহ (ভাই) বীহিক (দি )।

कॉपी १ प्रति २ सनुनिषि नकम् प्रतिक्षिपि १ सम्बास्युस्तिका । कापीराइट निप्तकार प्रकासनाधिकार, स्वस्य स्वस्वाधिकार।

व्यापादक जावकार प्रकाशनायकार, स्वत्य कापूरुण नागर, इरसोक बुखरिण गीद।

कापुरुष रागाए करपाक युवायण भावः। इस्तिस्या वरियानुप्रास तुक-तुम करता—नाको पने भववानः नाको

दम करमा बहुत परेखान/हिरान करना।

काफिर वर्गीस्वरवाकी वार्वाक गास्तिक । काफी १ कहवा काफी २ क्यांचा पर्याच्य प्रयुद्ध प्रसूत परपूर्

यमेप्ट विपुत्र -के क्यादा — वायस्यकता से अधिक ।

शावस्थित वे काविभिया।

क्राविक कम्माकरने नामा निसका कम्बाही। कावित १ योग्य सायक सुयोग्य २ पदित निहान्।

क्राविभियतः १ योग्यता सामिन्यत सिमाइत २ पाडित्य विहत्ता।

काव अविज्ञासर निर्मत्रण वस वद्य।

काम १ कमें नामकाय कामधंबा कामधाम कररोबार, कार्य बंधा रोडनार व्यवसाय २ करताय करतुत करनी कामगामा इरण के स्टेमाल उपयोग उपयोगिता प्रयोग व्यवहार ४ कामधेब (१) १ यरड स्वार्य १ वर्ष प्रयोजन सम्बद्धा

कामकात्र देकामः।

कामपार मजबूर, मेड्नतक अभिकः।

कामचीर अकर्मच्य वशहरी बहरी वाससी काहिल निरम्मा निटम्सा निटम्स, सरत ।

कायर

**रामरिष्** दे शिव। १ नामबाण २ साम आफ्रा पूत रखास। **कामग्र**र नामनिया कोकमास्य रविचास्य मैपूनशास्य शंभोपमास्य। **पं**रमशास्त्र कामसका १ वे वसंत २ (वृक्ष) शाम बाझ पूर रसान । कामांघ वै नामी। शामा अस्पविराम। १ कार्याच कामार्वे कामेच्छामु, कामोडिमा २ वे. कामी । कामातुर १ कामबंदी स्थी कामुका एमणी विकासिनी २ दे स्थी। कामिनी १ इंडियानका ऐयाच कार्याच कामातुर, कामार्त कामुक कामी मोगी विषयासका विषयी २ चकवा (दे)। कामुक दे कामी। १ इण्डिन बांडमीय २ कमनीय सुंदर(दे )। काम्य १ कार्यपञ्चति कार्यविधि वंत तरीका पञ्चति प्रणासी कायका रीति विधि २ कानून कानून कायदा नियम कन विधान-व हर्रा बस्तूर, परंपरा परिपाटी ४ तौर-तरीहा खळर, सभीका ५ डींग करीना तरतीय व्यवस्था। १ अथन अटन बृढ़ स्विर २ स्वापित। हायम एवजी स्वानापम्न । क्रायममुकास कातर, गीवक् बरपोक पस्तद्दिम्मन बुक्षविस भीव। शायर बिम्बी पर्याय शोध / ११७

कामवाबी सफ्मता।

रविरमण बर्तवर्यमु वसंतसका स्मर।

कामबुहा मुरसेनु, मुर्यम सुरमुर्यम।

संबद्दीन सर्वय सर्वयी कदर्प काम कुसुमधन्या कुसुमदाय

नुनुमधर, कुषुमायुध अधनेतु, पवधर,पुष्पनेतु पुष्पवाप पुरपञ्चनु पूर्वायस्या पुरपाश्यम् पुरपायुध पुरपञ्चाग पुरपञ्चर, मकरध्यक गदन मनस्ति मनीक मन्मय मधन भीनकेतन रविकान रविनाय रनिनायक रविनाह रविपठि रविभिन्न

१ उत्तीर्ज पास सफल २ इतकाय इतक्रय इतार्प

**पामत** ६

<del>रा</del>मदेव

कामपदा

कामबन्

कामना

कामपाव

दे कम्पवसः।

दे काम।

हे इण्डा।

३ कारकर सफस।

बरपोक्यन बरपोक्यना बुबविसी बीवता। कांदरता के असीय। **STO**T कारिक वे जारीरिका बाडी मोटर, मोटर गाडी। BTT. १ कमेंचारी कार्यकर्ता २ प्रवंशक मृतशिम ३ कारिता। कारकृत कार्यकामा क्रक्ट्री मिम नक्रयाँप। कारकामा असरबार, ज्यमोगी कार्यसाक्षक प्रभावी प्रभावकारी सफ्छ। कारवर १ वे कंप्तत २ कार्यपटता शोवियाची ३ कर्मध्यता। कारपंचारी १ जनते गारे. बजह बजह में सबब सबब से निमित्त किए. कारम ŘÍZ I वे कच्ततः। कारतासा वे कारीवार। कारबार बाररवाडी वे कार्रवारी। कारवाई कारसाची १ कच्छुष्ठ (के ) कारनामा कारस्तानी २ चानवाओ (R) i कारा कारायार कैंद क्रिकाना येल वेशसाना नवरवंदी वंदीवर वंदीवह कारागृह ह्यासात हिरावत । कारावास कर्मचारी कारकृत कारपरवाब बुगान्ता। कारिका १ बस्तकार मिस्त्री शिक्षकार, विस्पनीनी शिल्पी कारीयर २ निपुच प्रमीग हनसमंद। वस्तकारी बिट्य बिट्यक्सा इस्तकता इस्तकीवस । कारीगरी काय-कात्र काम-बंधा काम-बाम बंधा पेसा रोजनार कारोबार 84वसाय १ बिट्टी पत्र पोस्टकार्ट। erii कारिक। कारिक अविकेश वंपासत पार्वतीनंदन यहानम चच्मुण स्कन्द। क्यांतरेय (personnel) कामिकी (वि ) कमेंबारी वर्ष (स म ) कामिक

१ करतन करतूत करनी कर्य काम शास्त्रवारी नारनामा

नारसाबी कारस्तानी कृत्य २ ग्रंभा पेता।

क्षेत्रियमें (म प्र)।

कार्यकर्ती कर्मचारी।

कायकसाय क्रियाकसाय गतिविधि।

कार्यकारिकी एकबीवयुटिव।

कार्यकारी ऐविटय कार्यबाहरू।

कार्यकरण बनवि कास टम टेम्पोर पदानवि समय।

कार्यक्रम एवेंबा प्रोबाम । कामपद्रति कामचा कार्यविधि बंद तकनीक स्वीका पद्रति प्रक्रिमा कार्यप्रतानी प्रवासी प्रविधि पैति विधि सैती।

कार्यसार चार्च।

कायरत संस्कृत स्थला

रायशही कार्रवाई।

कार्वेक्षित हे कार्वेपवर्ति ।

कार्यवृत्त (minutes) कार्य-विवारण (स प्र ) सिनर (वि ) वृत्त (वि )।

कार्यसुची एवेंडा।

कार्युक्त ५५०।। कार्यालय आफिस बप्तर।

कारबाई काम काम-काब कार्य कार्यवाही।

भाग १ वस्त नेसा समय २ वामामा युव समय।

काससूट यरत बहुर, माहुर, निप इसाहस ।

कॉलन १ स्तंत्र २ जण्डे।

कासरा विज्विका विपृत्तिका विस्तिता हैया। कासा असित कावनुसी कवाया कासा-कनुसा कासा-भूवव

काला-मृज्य काला-स्याह करिया कनूटा कृष्ण बनस्याम सावर, एक्के रव का नेवनर्भी नेवक मुख्की स्थाम स्थामल

सीयना नुरमई स्याह। कालाबाडार भीरबाडाए, मौरुपार्कट।

शालाबाबारिया चौरशाबारिया व्यवसाईटियर अमैक्या।

कानावाजारी जीरवाजारी व्यक्तमार्वेटिंग।

कार्मिकी अर्कवा इच्या अमना वर्षण्या यमुना नूर्यतन्त्रा सूर्यसुता। कासिज उच्चविधानय महाविद्यासय विद्यापीठ विद्या-संस्थान।

कालिमा १ कासापन मेजवर्णना स्थामना स्थामनता सौबकापन स्थाती २ कसक (दे ) वीच साछन । रानी कंपासिनी कारवादणी कालिका कामाश्री वॉडिका वंदी वार्णुडा जिल्लापूर्वी युवा अनवती शहकासी सदानी महाकासी सहाचौरी सहामात्रा खाली।

कालीम मणीचा विश्विय पुत्तीचा ।

काँतोनी जपनिवेश वस्ती मुहुबसा।

वास्पनिकः वस्पनाभस्य कस्पनास्मकः वस्पितः सनवद्याः।

काक्य १ कविया गरम शोयट्टी कावम झायरी २ बदद सिट्टैंकर बाह गम साहित्य।

काम्पकार दे कवि।

कास्त्ररसिकः काध्यप्रेगी काध्यमग्रंत्र शहरमः

काश वानर ऐका होता अवर ऐका मुश्रीकन होता अनर सुदा ऐसा अरता गणि ईस्वर ऐता करता निर्ध ऐसा संघन होता गणि ऐसा होता!

कासी कारीपुरी विभारत वारावती विस्वतावनवरी विस्वताबपुरी

विश्वपुरी । कारोक्सः कुम्बुडा बुच्यांड कॉबुडा पेटा सीतास्त्रसः।

काशत द्विष खेठी।

कारतः द्वापं कराः। बारतकारः किलानं कृपकं कृतिनीनी चेतिहरः, इसनीनी ।

कास्तकारी किसानी, क्षिप वेटी बेटीवाडी ।

भारत कार सकती सरका ।

कार्यक्र कार्या कार्या क्षेत्र क्षेत्

परिभारक सर्वेद ।

किलियी १ श्रुप्रपटिका छोटी पटी छोडे पूँगक २ वजरकर कमर संब काक्षणी नेताला।

स्विच्य सस्य र्वम् कम कम कमा क्यान्या वनिक कोहा।

सिंदु परंतु, वर मवर, सेविन।

कियरंती अञ्चलह अनुती सन्दर, नगपुति । किया अनवा चाहे, या मानो ना।

किया सबसा काहे, या मातो का किसक टेस डाक पनास ।

किन्यूच टेबुडाक पनासः। - किट कन-पुत्रीकार्यम निटर्णय जेवा सामानवायीलाः। कितना १ किसा किस माना/परिमाण/संख्या में २ कहा तक कितनी इसी तक।

किता सदद नम। किताव १ प्रेम पुस्तक पोबी २ कृति रचना।

दियर कारी किस बोर, किस खरफ किस दिवा म ।

किनारा १ कवार कुन तट तीर, पुसिन साहिस २ अथम उप क्षेत्र छोर, १ माजिन हाशिया ।

किनर अस्यमुक किपुरुव तुरंगमुख।

अन्यस्ययमा क्रमकर्पी कियायतमारी मितस्यय मितस्ययिता। विजायत क्रम्यकायी कर्म सर्वे करने बाला वितस्यवी।

कियायतमारी टे किफायत ।

CONTRACT

कियामती अध्यक्तयो कम्बर्षेत्रासा जिल्लामी सस्ता ।

Beleet कंकडबार कंकरीमा किर्यक्रपीयामा औ बाना (गवा)---कानद में विष्न पड़ना रंग में भंग होना सारा गुड़ मोदर हो बावर १

किर किरी १ कण कन किनकी २ कंकरी।

अंश नर, किरन मयुक्त मरीचि रिमा। किरच

किरानी १ नमकं मुंबी निपिकः २ ऐंग्लोइक्रियन किरंटा दूरेशियन।

किराया १ किराया क्रेयर बाहा मार्थक्यय २ किराया बाहा रेंट। केरोसिन निददी का वेसा। **किरास्त** 

किरोद दे मुद्रा

किला कोट, नत्र इमें फ्रोर्ट। काटक ।

कियाङ कपाट निवाही केवाह येट बर, बरवाबा हार, यट, पस्ता

(minor)--भस्पनयस्क (वि म प्र ) जनयस्क (इ विमोर प्र ) नवपुरुक (भ प्र ) शाल (सभी) शास्य (कई)।

किरती नाव नेया गौका तर्राण।

विसलम : १ अंकुर, वस्ता विसलम कॉपल कोमल पत्ता नई पत्ती नकपालन पश्लान २ इस पत्ता पत्ती यह पर्य पानस्क पान ।

**च्या**न काश्तकार, श्रपक खेतिहर, हसबीबी ।

किसानी कारत कवि खेती।

किस्त इंस्टानमेंट खंड दुषड़ा।

विस्स १ तयह प्रकार, भौति शेवः २ वाश वंग वर्रा तर्व बीसी।

किस्मत वे माध्य।

किस्सा वे॰ कहानी २ वृद्योत समाचार, हास व कांड सबड़ा सफरार।

कीचा देशी पढ़ १।

कीचड़ १ करेंग कीच बारा चहुआ गंक २ दसदस ३ सीवर

बीड मीड्य नेजमन।

कीद वे कीड़ा (बहुवचन) कीट-पर्तन।

कीहा कीट कीटानु, इसि (बहुबचन) कीड़े-पटसे कीड़े-मकोड़े।

क्रीमतः १ बाग मुस्य मास २ का महस्य।

क्रीमती सनमोक्त समूख्य वामी बहुधूस्य वेशकीमतः ग्रुस्थवान ।

भीर दे होता।

कीर्तेन भववतृत्ववन धवन-कीर्तन।

कीर्ति इत्यत स्माति नाम नामवरी नेक्नामी प्रतिपदा प्रसिद्धि सस्त्रहरी यस श्रोहरत।

कौतिमान रिकारी।

क्षीलियान व्यवस्थार क्यातेनामा क्यातियाका वाना-मामा मामयर, नेकमाम प्रतिष्ठित प्रतिक्ष मश्रहूर यसस्वी विख्यात विभूत कोहरसमान्ता।

भीत १ मीटा भूटी परेग नेप २ कर्मभूपच क्रुफ्टी भूछी भीगा

चूँभर भैवर पुनार वालग सङ्घा।

सीमारापन कीमार्ग ।

क्षूम १ फेलर, केसर, बाह्यरात २ मबीर, मुनाम रोसी।

कृत पर्वतामा सवावृह, सवामंदप सवाविनान ।

क्षेत्रर देहाभीः

कुंबी १ भाषी भाभी शाभी: २ नी टीमा शीनार्थय स्थास्या संबा

मुका के पुटन के निरासा।

करित १ क्रायस्य २ निरुमाह हताब ह्वोत्साह । वृंद बुटना घोषर (चाक् बादि) ४ क्वाइन पंदवृति । चौद टीक ही बा

कंडल कर्णमूपण बाली मुरकी।

र्मुडी कड़ी कुटा जेंगीर सॉक्स ।

भूतसः असर कम केश नेशू जुल्छ, बास सट।

**पृंद** १ कठित भारहीन मुजरा भीचरा २ क्रेडबेहन मंद मह बुद्धि ।

करन वे साना।

करर नुंदर दिवा विवासना

कीम १ वे एका २ कार्तिकी पर्वकुमी महाकुछ।

र्कमकार दे दुम्हार।

शंबर द कंबर। कैंबारा अविवाहित कुमार क्वाच ग्रैरवाकीमुदा दिनस्याहा।

कुना इंबाय इतार कुनी कुन्नी कृप कुनी।

कमार भारियन क्यार। कुचम १ बारकमें बारकार्य बारहरूप कुण्कम बुश्हरूप पाप बदफ्रम

२ मनाचार, बुराचार प्रव्याचार, व्यक्तिचार।

कुकर्मी अनावारी अपवर्गी कुळार्मी पापी प्रष्टावारी व्यक्तिवारी।

रकरमुक्ता खूंबी छत्रक सदस्य। कररट कामपुर मुर्गा।

मुक्तुर देवुता।

क्रमात दे बदनाम । कस्याति

दे बदनामी।

शंच । दे॰ स्वना

चक्कर, दुरचक पर्वत सातिशाः কুৰক **मृषकी** अवकर असान बाला बुश्यकी पद्यंत्रकारी साक्षिय करने

**4797 I** कवसमा वयसमा पीयमा समक्षमा शैदना।

कुवाती बनावाचे बुक्मी बुमार्थी बुखवाचे बुब्बमी प्रयक्षक पाया।

कुवैला गदा मलिन मैसा मैसा-नूचैला।

TO १ अस्य निवित् क्या तनिक योहा २ नई कई-एक क्तिपय कुछ-एक दुर्वकः १ कुछ-न-दुछ चोड़ा-बहुत स्यूना विका

कुमाति कमीन छोटी जाति शीच वाति कृषी जाति । कृष्टमी कुट्टमी पूर्विका पूर्वी। कृतिया १ उटम कुनी कुटीर, वर्णकुटी वर्षकुटीर वर्षशासा २ सुन्ती, कोपड़ा सॉपड़ी मड़ई, महैया। कृदिस कपटी छली टेका बगाबास हुप्ट धूर्त बना, बठ। कटी १ कृटिया । कटीर है कुटिया। कर्ष दे परिकार। क्टूंबी १ मृद्दस्य २ कुनवैवासे परिवार के लोग। करेंच प्रसत नम्यास क्रथब बावत बुरी बान। क्ठार कुरहाड़ी टौगी परजु, फरसा। कृत्य दे शीशा कतक वक्षास वेदंगा एक वितंता। कतकी बक्यांची बक्यांची विश्वश्रासी। कृतिया कुत्ती क्करी क्करि बुनी सरमा। - तहस १ अर्चमा अचरक साक्ष्यर्य कौतुहरू साम्ब्रुन विस्मय हैरानी २ कौतुक कीड़ा विसदाह १ शलंडा उत्पुक्ता बौत्सुक्य । कुक्दुर कुकर, ककुर, मृगादि, बृकादि, बुति ज्वान सारमेय क्सा सोनहा । भक्ता यहाँ निवा **बद**नादी। माम कराव बहित निरित्त निरूप्ट नीच बदनाम बुध । नृतिसद १ प्रकृति २ प्रकृति मिनान स्नमान। **बुद** रत कदरवी भग्मत्राच प्राकृतिक स्वामाविक। क्सरी मुखर कुवारी कुवासी खती परहा व्यवहा। क्रास स्वृधिः पापद्भिः बुरी नक्षरः। दे परिवार। कृतवा मनधिनारी अनुप्युक्त अधाय। क पति **ক**পির भप्रसम्ब कुछ कोशित कालुश गाराव । कपूत बुट्ट बैटा शासायक सहरा। বাহ

अंग्रेर अंग्रन्याता अध्यवस्था महबद्द घड्वडी बररंतवानी।

देवकोयाध्यसः धनदेव अनदेवता धननाव बगुमव विक्तनाय।

कवरवृत्ती शतका ससकापुरी।

मुबढ़ी मुबदी। करमा

कमक

१ के शना २ मवद सहायता।

कमबूम १ केसर, बाकरान २ सबीर, रोली कुंकुम।

१ अभिवादित सदका स्थारा स्वाद्य सदका वैरसादीगुदा कनार बासक भवका २ राजकुमार, बाहुबाबा ३ काविकेस ।

सरिवाहिया सङ्की बन्या मिस । कुमारी

सप्तर्मी मनावारी पुत्रासी परप्रपट वदवसन व्यमिवारी। कुमार्पी

१ कोका सफेव कोई, २ धवमोन्यस स्वेतोत्पन सिर्वोत्पन कमुद ३ वे कृपुदिनी।

कमुदिनी १ इंद्रकमम क्रमोदिनी कुमुद कुमोदिनी कुबसय कुई, कोई, कोका नमिनी पवित्रनी २ (नीमी) इंदीवर, कोकावेसी

मीसोलन मीचोफर विद्युवस् ।

कबुडू कासीप्रम नुष्पाद कोंड्डा पेटा सीवापस : कृत्हुड़ा

कम्हार कृंपकार, नुकास कोहार घटकार।

करग रे हिरम। करकुरा क्यय कुलुय बस्ता।

करान क्लाम-ए लुबा कुरात मजीव कुरात सरीछ ।

करप महंबर, कवाकार पूडीम वयनुमा वयशका वदस्या वेडीम वेदंगा वदव नेतुरा घटा भींड़ा विदूप विरूप ।

रङ्गना बरमूरती भोंडापन बिहुपता विक्यता।

कर्छ (attached) अम्यानृष्ठीत (म प्र ) अप्त श्रम्त।

कुकी (attachment) अध्याप्रहृप चन्त्री।

१ दूर्वं पुत्रका जोदान सामवान मधना वंत २ संपूर्ण केल सकत सब सभी समग्र समस्य समूचा सर्वे सारा ३ दूस क्या पूज मिलाक्ट, जोड़ योग योगक्ष्य ४ सकित निकिता।

मसती छिनाम बारिमी दुश्यरिता परपुरश्यामिनी पुंतपत्नी रसदा प्रपटा व्यक्षिकारियो स्वैरिशी।

रसपति उपभूसपनि वादसकांससर।

कृतीय -उछान कृष कीकड़ी छातीय फर्नान।

क्ताधिपशि (chancellor)—कुसपति (उ म वि स प्र ) चीसत्तर।

```
कुमित
                                                              र्भा
               १ मनिवर मध्यमनि वष्टसार, श्रीरा २ करका नाज
                विषमी।
         स्मो
               भारिक मजदूर, मजूर, भाहिया।
       क्लीन
               विभाव वांबानी वानवानी सुनुसीत्यन।
        <del>द</del>₹88
               कुरिया चुक्क पूरवा भरका सकीरा।
               कुठार, टाँबी परमू, करसा।
      <del>प्रस्</del>ताबी
       कुबार बसीय बारियम क्यार।
       भूष्यत देवन।
         कुरा
               कास कुमा वर्षे पत्तनो।
       कुलल १ मानद-मंगल भूकल-शेम कुलल-भंगल और, सीरवट
                २ चतुर, दक्ष निपुष पट्ट पार्रयत प्रकीच निप्नात समाभा ।
               कृत्यान कृतन-नेम कृतन मंत्रस श्रीरेयत ।
     क्समता
   क्शसपूर्वक
              वे सकुवाना
              कास कुथ दर्भ पतको ।
       चुरा
              शोक्ष्य तीव वैस वैना प्रसार ।
      क्याप
              दे बुढिमान।
  ভূরাঘদুরি
       कुरती बजनी मल्लयुक्तः।
              मुच्छ, कोड्र यसिश कुच्ट, पून पूना स्वेतकुच्ट।
        कृष्ट
     कृत्मां अक्षू काबीयम कुम्हदा कोंहदा पेठा सीवायम।
             अनुपशुक्त समय वेमीका वेदका।
     क्तमय
              दे पून।
       क्सुम
  कृतुमधन्त्रा
              दे कामदेव।
  क्षुमधाय
    कुमुमगर
   कृतुमाकर दे वसंवा
   कृतुमायुव वे कामदेव।
              के नमुरा
       क्सर
    क्रुपुरमंद,
             वे कपूरमंद।
   ह्युरवार
      कृहरा दुहासा कोहरा थुंग नीहार।
              १ शमायस्या २ कंत्रन करा।
        ন্ত্ৰ
              साव पुहारी।
       श्चा
१२६ / हिम्दी पर्याय कोण
```

TOR

क्षी कृषिकाबुरशंत्रम। क्क दुहर दुहर दुह

न्दी

कुकुर ये दुसा।

सूच जाना प्रस्थान रवानवी -करना--गमन करना जस देना प्रस्थान करना रवाना हो जाना -कर बाना-- अस्साह की

व्यारा हो जाना मर जाना मृत्यु को प्राप्त होना -क्षोतना---प्रस्थान करना रवाना होना ।

१ वनी धीविका धीवी २ वभी की बस्ती टोमा मुद्दस्ना । १ कमरत करना कुँजना याना चहुकमा चहुकहाना कलना २ (कोवस के किए) पुहुषना पुहुक्ता पुहु-पुहु करना पुहु

कुट्ट कोल भाक्तना प्रथम स्वर में गाना पीकना। गुप्त बृह छन्। रहस्यमय। क्ट

मूटनीति गुप्तनीति जान विप्नोमेसी दौन-गेंजवासी गीति राजनय।

कुटोरित १ गुड़ोन्ति २ कटाल छोटाकती व्यंप्य।

कृता करवार, नवाव कृता-करकट निकम्मी बीच रही बीच।

कड़मम्ब भूंदबेहर भासमत बेवक्फ, बंदबुदि ।

कत मंदात सदकत बनुमान ।

कूरनाः उपकृता उपनता स्वतीय सारता/तथाना कूरता-महीरता प्रदेशा पुरस्ता समिना।

क्य दे पुर्मा।

कूपन पत्रका

**र**तकाय

यूम देशखुता।

कृत वे निराध।

क्रूबत देवलः।

हृद मॅफिट नियाह्मा बनायाह्मा चनित रेकित मिनित नेपादित सर्वितः।

दे मुखार्द १।

**इ**तहरय

महत्त्रा महत्तानक्ररामीय पृह्मानक्ररामीय शृतक्ती नमक **रूतप्**न इसम देवस्य।

इतम्बतः अङ्गतज्ञता वहमानप्रधमोशी नमस्हरामी वेबप्राई।

कृततः अनुगृहीत महसानमंत सामारी उपवृत ऋणी एहुमानमंद

पहसान मानने वाला इशार्च भमनून कुवमुशार।

हरतार्थः व्यवसार वामाद उपकार ऋण प्रह्मान धम्मवार। हरतार्थः १ कामयाव इतकाय इतकाय एकन सफलकाम सफल

सनीरण सार्थक २ उपकृतः ३ घस्य । ति १ रणना निर्माण २ उपस्थासः (के ) क्र

इति १ रचना निर्माण २ उपायास (के ) कविता (के ) कहानी (के ) पंथ (के ) चित्र (के ) मूर्ति (के ) ३ कर्मकाम इत्या

करी १ कुलब दश्च निपुच विश्वहरत २ कृतकार्य वंतुष्ट विश्वकाम।

हुते के निमित्त के लिए।

इत्य करतव करतृत करती कर्म नाम कारनामा काम।

ছাসিদ সমাভূতিক স্থান্ত্ৰিক স্থান্ত্ৰ অংখাদাৰিক বিস্থান্তী দক্ষণী স্থান্ত্ৰী।

इतिमता अस्थामाविकता विकास अनासटीयन।

क्रमण अनुवार, अनुवा मनवीपृश सूत्र।

कृपम्बतः सनुवारता कंसूती शुपपता। कृपयः सनुवहपूर्वेक कृपाक्षके कृपापूर्वेक वयाक्षके क्षाप्रपत

मेहरवानी करके। कृता जनुक्रमा जनुसह हनायत करम करणा दवा नगाविश्व

फ़बस मेहरवानी रहेंग रहनतः। कृपाम असि गटार कटारी करवास खद्द राजवारः।

क्रपालु मनुष्रही छवार करमफरमा बमानु, प्हीम ।

कृषि और कीरामु, कीड़ा कीड़ी नीरी । कृक्ष कमबीर, कृषकाय सीण श्रीचकाम दुवसा दुवसा-सवना

दुर्वमः । इत्यकः १ कास्त्रकार किमान वेतिहर २ इनवीची इस्त्राप् इन वाहा दीपपा इनी हानी ।

कृषि दे बेची।

क्टल केसनिर्वयन शरहार्य नामुंशा कार्य कार्या केस्स विधियर निरिक्षारी कोशाव गोरीनाव गोरीना वनस्थाय बहुपति वहुदीर वहुदीर, देवकीमन्त झारणाधीय झारणास्त्र मत्तिकोर, संबद्धानार, नंदनवन गंदनास पीतांवर वैसीयर बनमानी बनवारी बलवीर, मधनगोपास मदनमोहन मदमुदन मननाहन भाधव माध्रो मुक्द मुरसीधर, मुरली मनाहर, नुरारी माहन यदुनदन यदुनाय यदुपनि रसिक बिहारी राष्ट्राकात राष्ट्रारमप राष्ट्रावस्थम बंधीयर बास्ट्रेब स्याममुद्दर सीष्ट्रग्य।

चंत्र केंबनी निर्मोक। केंबुली

केंद्र नामि सध्यविद् सरकत्र सेंटर।

मैतन १ दे झंडा २ घर (दे) निमेतन ।

केन् दे संदा।

कैमिस्ट भौयप्रविकता रमायनी।

केम्पूर अधिक बाजुर्बन किशायत सुजर्बद सुजरक्षाः।

देरोसिन द किरासन।

भना नदशी।

कैसि १ एति सैयून समाय स्थीप्रसंग २ दे दोसा।

वेकर क्पाधार, केवर्त बनट, केवैया धीवर, नाविक मस्साह मौकी।

केवल एक्याच निरा घर, सहव नाव निष्ठ ही।

केर मनके एक नृतम धरपात येमु, विकुर, बटा बटाबुट बुद्दा बाल लट, वेघी।

देशर मेमर, कंद्रम काफ़रान ।

केशव

वे कृष्य विग्रा केम १ विस्ता संबूत २ मामला मुक्तवमा ३ दुर्वटना मामला हादसा ।

<del>वे</del>सर वेशर, गुरुम चाएरान ।

केसरिया १ केन छ बई पीठ पीमा २ केम स्मिथित ।

देसरी १ के सिष्ठ २ के नेमरिया।

क्यरनी वर्तमी वर्तरी वाती। केंबी

चेंप पश्चक शिविर।

क्षेपस परिसर।

बेहर करेट (रोम)।

कैसिस करना निरस्त करना मनमूख करना समाप्त करना।

जबनाई उनटी मोनाई छटि छटि, धवनी मतती बमन ।

हिन्दी पर्याय कोस / १२६

```
कैमी
```

भोड़ा चैकेसी केशमकुमारी केशमसुता केशमी घरतवतनी।

केंदरस भागपनी।

केंद्र १ दोचा संगठन २ संबर्ग ।

केंद्रेर छात्रसेनिक सैन्यछात्र।

र्धन १ वंधन २ देश कारावास ।

कैरणाना वे कारावास।

चैती १ नजरवंद वदी हिरासती २ वपराक्षी व्यभिवृत्तत मुकरिम

मुसमित्र।

कैपस्तूम औपविपुटिका (जिसम दवा वरी जाती है)।

केष्मितः स्मीरा विवरण विस्तृत वानकारी। केब्रिकेट संविधकार।

केश्यर सर्वाची रोक्किश:

कारावर सावाचा राकाङ्गराः। कार्यसः सञ्जर, बेंसुवा बेंसुवा सम्मा किससय दास गामा सामाः।

कोनापरेटिक सङ्कारी।

कोई कुई कुमुधिनी।

कीकशास्त्र कामसारम यविश्वासम्।

कोकिस दे कोवस।

कोक्सिश वे गीमन। कोच जबर, कुछि नम्मिन गैट।

कोषकाम बाडीबाम सार्थी सत्।

कोर वे किसा।

कोटा निवर्शन।

कोदि १ वे वर्ग २ करीहा

कोरोजन १ मध्यस्य उत्परण २ वर गाव रेट।

हारणाम १ मणतरम् उद्धरण १६८, धाव ४८. कोठरी कमरा कोग्ठ।

कोठा १ मटा मटारी भटाभिका २ रहीशाना वेश्यासय।

कोठार अन्त मंद्रार, समार कोठी भेग वणार।

कोठी १ इसारत जासाव बैंगमा भवन मनाम महम वीम हुम्यें हवेगी २ अन्तर्यहार, अमार, फोठार, वंग बचार।

ह्यमा ए अन्त्रप्रदार, समार, फोठार, कोटवाली दे वेथ्या।

ती देशेम्या।

कोड १ कूट धकेत सांवेतिकः २ नाया सकेतमाया व संहिता। कोडा कया अमोटी जानुक दुर्श सीटा।

१६ / हिन्दी नर्याय नीय

कोड़ी बीसी।

कोइ कुप्ट, कुप्ठ।

कोच कोता।

कोतवासी याना पुसिसस्टेबन ।

कोदव दे शतुप।

कोप देशोध।

कोपभवन कोपगृह मानगृह मानगविर।

कोपल वे कॉपस।

कोमल पुरशुरा पुतनुत नरभ नमें नायुक पूत्र-का मसूत्र मुखामम

मृदु, मृदुस वर्द-सा सुकूमार, सौम्य ।

कोमसता गुरगुरापन नवारत मरमाई, नरमी मुसायमियत मृदुस

मृदुलता सुकुमारता।

कोपल कलकंठ कसापी दुहरब कोइसर, कोकिस कोकिसा कीय सिया गरपुष्ट परमृत पिक वर्सतहुत स्थामा।

कीयला कोइला कीक कोल।

कोर १ किनास विस्त हाकिया २ कोण कोना।

कोरम यणपूर्ति।

कोरा १ अञ्चल अनिविधि सामी नया नवीन सावा २ निरा निवार निहास्य -अवाय-साख इनकार, स्पष्ट सना अस्वीकार।

कोद बदासत श्वहरी न्यायालय।

कोर्स पाठ्यकम।

कोलतार वारकोशः।

क्रोसाहल यून रच चोर (दे ) जोरगुण इस्ता इस्ता-पुस्सा दी

हरना। कोस्ट ठडासीतमा

कोश्वरटोरेन शीतपृह् ।

कोबिस १ फुनविध पंडित विद्वान्, २ आता निष्यात पारंपन

मर्गक्ष विश्व विधारम्, विशेषक्ष । कोशः अभिक्षान कोष डिक्शनरी नाममाना निर्मेट्, शब्दकोशः

शब्दसंबद्ध, सम्यार्थसंबद्ध शब्दावश्री। कोश्चितः १ जटन द्राह प्रमाल प्रयास यस्त २ उद्योव कोइ-सूव

हिन्दी पर्याय कोश / १३१

```
कोच
```

क्यों

परिषम पाय-वीड़ मेहतत सम।

शैव है कोत २ सफर खवाना बात तिक्षि भेदार

१ वे कोत २ सफर खवाना बात तिक्षि भेदार

१ (treasury) कीपामार (कई) कोपामय (त प्र)
खवाना (कई) ट्रेडिट सतागार (त प्र) प्रवक्तीय (त्र

प्र)

कोपपाल (treasurer) कोपाम्यल (कई) खडांची।
कोप्टनदता कन्य कम्बी मलावरीय।
कोप्टनदता वाणी वी-विरू कोशमा खाप के क्य मे बाधी वेता बाप वेता
साथ वेता साथितिय वाणी देता स्टचना।
कोहरा
कुद्दु सुद्वास पुंत मीहार।
कीहरा
के अविस्ता

श्रीसिकर वे कार्गतिकर। कीला एकनयन एकनैन एकांस कटटक काक काथ काया सौदा

निरंबीबी थीवाँयु, गनियुक्, बनियुष्ट, वायस बाबस । कौड़ी करविका क्यांटिका वर्षाटिका ।

चौतुदः १ वंडवास यमस्थाए विशवस २ व्यव्हा केस वैत्रद्रमाश समावा ३ विस्तरी सवार विमोद हॅंगी-सवाक। कौरहरू १ वर्षमा सवस्य बारचर्य दुगुहस ताल्युव विस्तर हैरा

कार्युक्तः १ जनभा नगरन जारम्य द्वर्युक्त राज्युन स्वरम्य हरानी २ जातुरता उल्लंडा उल्लंडा ३ जिल्लासा

कीपीन क्ष्मा क्ष्मी कछनी काछा संबोट, सबोटी।

होम १ माति २ देश मुक्त चप्द्र। क्रोमो १ मातीय २ चप्दीय (वैश्रे होनी क्याना)।

क्रीमुदी दे श्रीवरी।

कीर कवर, श्यन यस्ता प्राप्त निवासा।

कौतः १ प्रच प्रतिका वादा वासदा २ उतित कवन वहना वाद

भजन शास्य। स्त्रीया दे कीसाः।

भौतिक १ वै सम्भू २ विश्वामित्र।

कीरीय १ रेकम सिस्क २ रेममी सिस्क का। क्यारी किनारा किमारी केबार बेडा

मारी किनास कमास कमास क्यूक्टार,*पी*क्यमात्रम*ः* 

वर्षे किस काम संक्रिस कारण किस वबहुते किसकिए वर्षोक्रर।

१६२ / हिम्बी पर्वाय कोल

चंदन साँसू दिराना साँसू बहाना सार्नेनाद विश्लाना चील्लाच, स्दन रोना चोना-सोना विसाप।

कम १ सनुक्रम तरतीय तारतस्य विन्यास श्रृतसा २ दर्श भेनो।

कमस्य कम्मूक्त तरनीववार, व्यवस्थित शृक्तावज्ञ मिनसिसेशार। कमशः एक-एक करते एक कशायक कमशे कमामून्त कमानुका कमानुमार, तरतीव स तरतीववार योग्न-याश करते सीरे सीरे, जैकरवार, वाध-वारी स ययाकन ययाकुम सर्व-सर्व-

निस्तिनेदार, निस्तिय सः। सम्बद्धाः समोद्याः शहर, रोपश्वरः।

कमहीन अञ्चलस्या अस्त-अपस्य उत्तर-पुना गर्व-भव्य पढ़वड़ बेनरतीव बेनिमधिसा विपर्यस्त ।

क्नांक (serial number) - अनुक्रमांक (म प्र०) ।

कमिक उत्तरोत्तर कमपुरंड कमानुभारी नमानुकूत तरतीववार, छिनछिनेवार।

्ययः तारीवता भागभागः -विकयः—श्वरीव-धरोकः।

सीति इनडसाब उसटफोर परिवर्तन फरफार, बसावत राज्यसीति

रियोस्पूरान निडोह, विष्मव । कॉनिकारी कन्द्रमाची राजडोडी विडोडी विष्मवी ।

भारतेरियम मानदंव मापवंत्र।

काइसिस संबट।

काइस्ट वे ईमा ।

क्रिकेट वेंद-बल्ला बेटवास।

क्रिया १ कर्म करतब करतूत करनी काम कारनामा क्रूस

२ समुख्यान कमकारः ३ त्रिया-कमं प्रतक्षमं भादाः कार्यक्रमाप वतिविधिः।

कियारलायः वार्यवसायः वर्ताविधः । कियारमकः अनुप्रयुक्तः व्यावद्वारिकः।

किमाविधि श्वाप्ता कार्येपञ्चलि कार्येविधि श्वंय तरीहा यज्ञति पीति विधि।

वियाशील वर्गेठ वर्गेनिष्ठ, वियानिष्ठ सक्रिय।

क्रियासीसता कर्मेट्या कर्मेनिय्ठमा क्रियानिय्ठमा सन्त्रियता। किस्सान ईसाई, ईमानुयायी किश्चियन विस्तानी।

हिन्दी पर्याप कोश / १३३

विस्तरा

क्यांति

जिस्मस बढादिन। चीड़ा

आमोब-प्रमोद करणील केलि बिसवाड बंत बेल-कृत बेल तमाचा ।

क्रीस मसाई।

मागवकूका भावसमूका भागे से बाहर, कृपित कोशित सुम्ब 43 कका कीवा हुन। परसा नाराश बच्ट, साल-पीला।

मार्चो से कुन उत्तर बाना आँको से अंगरे बरसाना बागवक्सा च्य होता होना भागमधुका होना उपन पहला सबस पहला कपित होता कोप करना कोध करना खफा होना भीमना सुन बौत्तना बरम होना गुस्सा करना गुस्से होना सस्ताना ताब बाना तान में बाना शीका शेता तैन बाना रीड ये बाना स्यौरी चढ़ाना बांत पीवना माराच होना बरस पड़ना बिपड़ना बीचभागा भुडूटी वानमा मुँह भूमामा रूट होना रोष करता साल-गीले होता।

बत्वाचारी बारतारी कठोर कवाई,वस्माद बासिम बस्मी क्र मादिरकात निर्देश निर्देश निर्मेश निष्युर वर्षर, वेदर्द वेदर्दी वेरहम किस।

मृ रहा

कठोरला निरुपाई निर्वेषता निष्ठ्रता परवता वर्वरता वेखमी।

केश प्रमाद पानसपन सनकः। केटिट : स्थाद, अपूत्र कर्ता।

मोन करेन किरेन।

बप्रसम्भठा बमप बाबोच कोप लोभ खील प्रकरी बुस्सा -सस्साइट रीव नाराजनी प्रकोप बौक्साइट रिख योग।

चोक्ति रे ऋ।

कोधित होना दे ऋदहोता। बाव का पुतका पुरशाबर गुरशेवामा नुस्तैत पुर्वता। क्रोधी

क्सब समा। क्तव

क्तके मूंबी मुहाँर८, निपिक।

ट्टा ट्टाहुमा चका चका-मांदा बना-हारा बकाहुमा वतत

धाक्त परिवर्गात परिवर्गत विपवित वर्गत।

वकृत बकाव यकावट परिवताति परिवर्गति वाति। रतांवि

३४ / हिम्दी पर्याय कोख

क्लाक दीवास पत्री।

क्षिक पिगेह पुर वंशनबौहड़ी बौहडी।

स्तिपः १ कार्या स्तिर देउर स्तिर यू स्तिप को स्तिपः २ श्रास

क्षित्र हैं "रक्षिया।

क्रिक्ट करिन पूर बटिल (दे ) दुक्ह कुर्बोध मुक्तिस ।

क्तिप्रता विकाद पूक्का बन्तिक पुन्हता दुवीवता मुन्तिमाहट।

मनोनर (बन ना) स्वाहक।

क्लोब १ नपुष्ठ जल्डा नामा पुस्तक्षीन मुकलम हिन्हा > ठंडा सद ३ नामर उरपाठ बुद्ददित पीट ४ नमजोर, सिजनिया शनिकारित।

क्तेश १ कण तक्साङ, दुख दुव-दश पीड़ा वेशना व्यया २ खट पट, अयहा सत्ता<sup>2</sup>।

नदौरा धैरशानीयुदा विनव्याहा।

श्याच काहा कार्रा ।

स्वारः अग्रोत मान्तित मानात कुमार कुपार।

श्वारा दे नदीय।

स्वादर बाबान घर, निवास वर्षेट, सराव ।

स्वातिही १ विस्म कार्टि प्रशाद सणी २ पून (समी) युपता (इरि केन्द्र राज ) युनवत्ता (केन्द्र) विदेवता (केन्द्र राज

च प्र)ः क्वानिक्रिकेनन अर्द्धनायास्त्रताः

कम निर्मिय पत्त भिनट, समहा मैक्टि।

समर्भपुर एक शप में दूर बात बाला जन्म नप्र होने बाला चीम समान्त

हो पान वाना दे अस्थायी। क्रमिक अध भरता बन्त याही देरतक रहते वासा दे अस्यायी।

क्षप्रिका १ समुविष्या २ विजनी (दे)।

क्षत्र कटा हुमा सरींच दाव कोट, बरम ४५।

क्षत्रविज्ञतः आह्य कायन चीरताया चीरतया चीटित अध्यो विश्वतः सङ्ग्रह्मनः।

क्रानि देहानि ।

क्षतिपूर्ति (compensation)—अनुपूर्ति परिपूर्ति (देग्द्र) प्रतिकर्ष (राज उ प्र वि स प्र ) सुवावता हरवाना ।

हिन्दी पर्याय कोस / १३१

च्या पक्षी दे चिक्रिया।

कपोल अंतरिक वाकानगंडस वयनगंडस नमोगंडस ।

बबासच उसाठस पूरी तरहा

क्वांची कैंडियर कीपपास कीपाव्यक्ष ट्वरर रोकडिया।

व्यवाना दंकीय ३।

भरक है घटका।

श्रादकता १ मेंदेश होना मार्थका होना २ मवरमा अदश्टा सबता अधिय सगना वाशना बढ़ना वड़वड सनता अपना नानदार

दुवरना बुरासनना साधना। संदेका १ मॅबेबा सार्थका २ विंदा फिक्क, सोच १ सदस हर मास प्रय स्वास ४ स्विचः।

स्टपट अनवन झनड़ा(दे) अवड़ा-टंटा टटा टकराव मतभेद मनगटाव (दे)।

सटमम वेंड्स वड़िस वड्डस उत्पुच घटकीट चटकीड़ा घटकिरवा मत्त्रुच।

सदराग अंतद परेतानी वचेड़ा नफड़ा।

कटाई छट्टी/तूर्ज बीक (बींस बनारदाना अनवूर बमहर इसमी आदि)। कटाकट आनन-कानन ने चटपट चटाचट बस्वी-बस्दी तरंग प्रशासन

कराफर ।

सदारा कवाड खचडा बेकार का रही।

बारात अम्मता यहापम तुर्वी।

बरिया खटोला छोटी बाट छोटी बारपाई।

खट्टा भाग चटतुरस चुनक तुर्व।

महदापन दे घटासा

सङ्ग्रहः कान्छमाङ्का घटपटी बही पाडुका।

प्रक्रिया परिया शही चाक चासही।

भारम दे समगार।

साहब दे नहसा।

त्रत चिट्ठी पत्र सटर।

वतना मुगनमानी सुम्पतः। वतन देवरमः।

श्रतरताक १ लोकनाक बरावना भवेकर भगावह, बीयच हीननाक,

२ अनिप्टकर तसरेवामा नुवसानदेह हानिकर।

व्यतरा १ खोफ,बर, बहुमत भय २ अदिवा आर्मका खटका

३ स्टिक

चता अपराध क्लूर, ग्रमती चुर्गत्रृटि भूम।

जल्म १ कतम पूर्ण परिसमाध्य समाध्य २ नष्ट बर्बाट विनयः।

श्रदान कान बान गाइन।

**महर का**वी पाका हमकरवा का कपड़ा हैंडलूम ।

इस्बोत दे जुगनू।

कपड्स वपड़ा भरेश टाइस नरिया-पटरी।

कापतः १ उपमोन सार्वे स्पय एफ्रं२ निकास विकी संसा

कक्रमी १ बप्रमन्तरा गाराबयी गाराबी कीप कीव तुस्सा।

खबर १ जानकारी यूनांत स्थापार सूचना २ शोज-स्वद सीर-शबर हाल हाल-चाल ३ संविध संदेशा ४ पेतना सजा सुबबुध सूचि होत होत-ह्वातः।

सवरदार चौकला चौकस जायकक बाग्रत संवेत सबय संवर्क सावधान होतियार।

श्ववीस १ कंब्र इपन मक्बीनूस २ मनहस्र।

क्रम्त सक पायलपन सनक।

स्रम्ती अन्ती पायस नामसा सन्ती।

क्षम सुकाब टेड्रापन बजना।

स्रमानतः गथन कोरी वैद्यानी विश्वसमाधः।

स्रयास वे क्यान।

कर देमगा।

बरमोस अस्त्राजनक्याः।

करल इमामवस्ता धम कल्म बौरी-ढडा हुमामवस्ता ।

सरा १ सण्डा असणी निर्दोध विद्या वैभिलावट, विशुद्ध २ ईभागवार छसछंदरित निष्यपट, देशाव सण्या सण्ये दिस का साफ।

कराद

र सम्म कमीना चोटा घटा वटिया बुट्ट को कौड़ी का निवृष्ट नीच पतित विवतः हुमा बुद्ध वेकार का घट, प्रश्नी बाहियात संकृतम हुमका (स्पनिन) २ वदी संटिया को कोड़ी की बुदी वेचार वैचारकी वैमसप्टक, रहो सहियम वारावी

वाका

हमकी (वस्तु) ३ मनुमित सक्रोमन पैरवाधित केना (बाट) ४ मनार्थिक समुग्र (देन) ३ धूपिट विशास्त (बाटाचरम) ६ दुरी (दिसटि कार्षि)।

बाराबी मजबूग ऐव शहनक वहनाही तृष्टि बोच मुक्स बुराई, विकार, विकृति।

करीर त्रथ मोल लेना -क्रारोक्स ---कम वित्रथ वेचना-क्रारीदना वेचनामोल ऐसा।

इ.स. १ वर्षा व्यय सर्फ २ इस्तेमाल उपमोन वपता।

वर्षीता वित्यामे वपस्पयी उड़ाठ, वरीच छिन्तवर्ष बहुन्दवी मुक्तद्वरत बाह्यचे।

सक्त १ सहस पुत्र कोण कुर्बन कुष्ट, सूत सीच बदमान कठः २ कवी।

व्यतक देससार।

श्वमनायक सपनायक विशेग।

सत्तवसी १ अणोति शनसनी इलावस इड्डॉप स्डूबड्डी २ वबपह्ट स्वकृतवा।

चलत बढ़वा बढ़वन बाधा स्कावट, व्याचात ।

सताती हुती भवदूर थमिक।

स्तिहान सरिहान सकस्यान विजयान।

चली वर्गवसः

क्रमत देवंगर।

स्रत्याद यंत्रा।

बस्तः वया कृत्युय पुरवृग मृत्युय।

स्तोद करणी भीती क्ष्मणी शनकर, बाँड सनकर।

स्रोदान वे परिवार।

स्रोतानी १ पुष्टीनी पैतृक वंशपरंपरायत २ वच्छे वांशन का सुमीन।

भाई चंदक बहुद्या परिवा।

साळ वडक पेटू बहुधोशी धोजनमहा

स्ताक मूस मिट्टी राख।

सारुतार अकिंवन तुच्छ नावीश।

श्वाका कींबा न्यता स्परेता।

१४ / हिन्दी पर्याम कोश

काफी ग्रेथुरा मटमैला मटियाना।

कान कारित बुगती।

जाम जारत युनता। जामा जामा।

सार सरिया करोता करूना चारपाई पर्तय मनी।

बाही बाबात बतीय।

काता (ledger)—कावानही (उ म वि म म ) केकानही

(य प्र) नेदर।

स्तातिर १ वर्ष (वेसे स्मरणार्ष) कि) विष्, (के) वास्ते (के) हेतु, २ वितिय-सत्कार, सांतिष्य सावर, वावर-सत्कार, साव भगत क्षत्रता सातिर-सवाबा सत्कार सम्मान।

कारित्वारी विविधि-शत्कार, वातिष्य आवर-शत्कार, वावभगत क्षातिर वेवाचा मेहमानवारी मेहमाननवाची :

बाती कार्यकार, तरबान बढई।

कारर पेछार।

कादिम देशीकरः

बाच १ कानेबोध्य भ्रष्टम भीव्य २ वाहार, बाचपदार्थ बाच सामग्री बाराङ भीवन ओव्य पदार्थ भीव्य सामग्री ।

कार्यपदार्थ कार्यमामग्री वार्य जिम्म भोज्य पदार्थं भोज्य सामग्री एसक एमत ।

बाग्राम्त बनान सस्ता।

भारत कान चवान महिन।

खानदान दे परिवास। खानदानी दे खाटानी।

भागा (संशा) श्राम भीवन।

काना (त्रिया)—काहार करना चनना चरना चारना चूपना श्रीमना श्रेंचना टूंपना पाना प्रशास सना प्र्यंत्रना दियारी वरना भीवन करना भक्षण करना मात्रम पाना राटी खाना

सुहक्ता। जानी सबयुष ऐव क्यांक्तर, वटि नुक्स बुराई।

श्वामीरा अवाक्, धूमसूम भूप मौत।

व्यामीसी १ वृष्पी मीन २ नीरवटा शांति सम्माटा ।

कार १ वस्तर, देइ मोना सार्गसम्ब्री २ ईर्प्या (खारखाना)।

हिन्दी पर्याय नोग्र / १४१

श्वार है। करेरा।

१ शारपुरत नमनीत २ सर्वविकर कडशा । सारा

धारिज करना (dismles) निरस्त करना (म प्र ) (set askle) बगास्त करमा (केन्द्र तथा कई) निराहत करना (च प्र ) रह

करना (कि म प्र)। बारिस बाव ब्यमी।

वमका वसकी वर्ग स्वका ।

**क** स्था माव्यगिमी मात्रप्यसा मारी भौती।

निकालिस परिसुद्ध प्योर विसुद्ध सुद्ध। **का** निस

१ खड़ा रिल्म रीता बुन्य २ मोरा औन तारा बासी

 बसार बोबना निरर्वक निष्क्रम निस्तार, व्यर्व सार्श्वानः ¥ फ्रकत भर सब्ब साथ सिक ही।

कांत खसम बरबामा पति बालम धतो मर्वार, मई सिमी वासित वक्सम भीतार सावन सैया स्वामी।

१ डेठ विविष्ट, विकेष स्पेत्रम २ प्रश्नान प्रमुख मूक्ता। **811** १ अच्छा ।अच्छा-सासा अहिया भसा २ वाची पर्वाच THE प्रचर, मरपर।

**का**शियत ह विश्विष्टता विशेषता सिपत ए प्रश्नति स्वमाव।

गाहक निर्धंक कम से मों ही व्यर्थ में। बाहमबाह

चाडित दे व्याहिय।

विवही

१ इसरान्त विकास विकास २ मिला-युका मिमाय वहबद्ध (वैस विचरी पदना) बोलगाम परमा घोटाना ४ वदरशकाति।

१ आकर्षण कशिव विकक्षी सम्मोहन २ तनाव । सिचाद

fical पतकात्र हैर्मन । रबाड़ा बीखा जॅबसा सहेरी सरोचा परीवा वारी

विकारी वासायम् ।

श्याचि पदवी। वितार्थ

**श्रंबल क्षेत्र प्रदेश प्रात प्रमाय।** विस्त

नियमत्वारी टहत सन्त-धैवा परिपर्या मेवा तेवा निकारत भूष्या ।

सनुबर शिकर, साहिम चाकर दृहसुना नौतर वरिवारत विदम्यार

षुष ।

क्रिक्त १ धनमता संस्थानस्य संबमाध्यस्य उदार उदार उदार उदार उप्पत चितित बुखी विमनस्क स्पप्त २ सप्रसन्त ऋड नाराज रस्ट।

क्रिनता सनमनापन सम्यथनस्क्रमा उपाट चवासी बुख।

हिसमा १ हुपुनिन होना पुण्यित होना फूमरा २ आसंदित होना साङ्कापित होना उत्पुट्टल होना उत्पतित होना व्याहोना अफूल होना अफुल्सत होना अपुण्यि होना असल्य होना।

किताकी केमने वामा जीवर। किताक १ अंग्रहमन उसरा प्रतिकृत वर्षाताक, विपरीत विश्व २ तुसना में पुरुषिने में विपरीत विरोध मा

विसाहमा १ जन्तुस्म नृत्युधित पुरिन्त २ सामंबित साङ्कादित उत्सर मिन प्रमुक्ति प्रमुक्त प्रपुत्तिन मुस्कृपना हुमा । सम्मान निक्रण हुमा।

**विश्ली उपद्**षास मन्त्रीस सवाक हुँसी।

सीम दुइन दुइना धीज धाम (र ) चित्र चित्रना सस्ताना सस्साहद श्रीमनाना श्रीमनाइट गोव (र )।

कौन जीना मुरमुण भवा नाई मात्रा माना मावा।

क्षत्रमी १ चनुहर यसरा नाज लारित २ चृत्रमाहर शुरसुरी। क्षत्र सपने साप आपसे आप क्षत्र-व-क्षर स्वतः स्वयं।

**बुदररी जा**ग्यपांच आत्म**ह**त्या ।

सरप्रक ४ शुरगर्व।

भुश्यस्यो वे नुवयर्गी।

सरपर्व शुरुवर्वी मनत्त्रवी स्वार्थप्रयाप स्वार्थीय स्वार्थी।

छडपर्की १ सम मनसब मनसमीपन मनसमीपना स्वामी परायणका स्वामीसना २ दे खुरवज्ञः।

खुरमुक्तार : भात्राव स्वकंटव स्वतंत्र स्वाधीन स्वायशः।

सुबरा : १ पुटकर, पुटकस रिटेश स्पुट २ शूथे पैते विस्तर, पुटकर देवसारी देवका ।

खुरा बस्ना कस्नाह बन्ताहुगला इसाही वरीम सानिक बुदावेर गकर,परवर्गवसार रज्जान रहमान रहीम सतार। दे हावर भी।

```
ब्वाहाफिय
```

बुक्र

```
खुदाहाफ्रिय
               ननविदा गुडवाइ, टा-टा वा नाइ-वाइ ।
                मधिमान (वे ) अहंकार वर्षे गुरूर वर्मकः
        भूगी
       चंदार
                शारमसम्मानी ।
      चुद्धिया
                १ युप्तवर वर बासुस भेविया २ युप्त छिया छिमा हवा
               पोक्रीबा ।
      चुमार,
               १ नका हमका नद्या २ आसस्य डीसापन वरावट
      चुमारी
               विधितता हुसकी बकावट।
        बुर
               टाप अपक सूम !
               वसमतम जुरजुरा-जुरजुरा शाहमशार, विपमतम ।
     नुस्दरा
               वाहार, बाच बामा निवा भीवन।
      बुराक
    सुरोक्रात
               जपद्रव सदहा वसेहा श्रक्ताः।
     सुर्वशीन
               मादनास्कोप सूक्यदर्शक यंत्र।
      पुर्शह
               १ चंट, वासारु वासू सूर्व २ बतुषवी, धनुवेंकार ३ दूरा
              बुका-मुर्गेट बुका।
      नुसा
              नंबा बौडा बिनव बिद्धाल बिस्तीर्थ विस्तृतः २ बाहिर,
              प्रकट स्पष्ट १ वोषेत्र खुना हुना।
              १ निकाङ मूलवरून मूलवात अध्येत्वान शंक्रप सार-तरून
    कताता
              शार-शंक्षेप शाराम २ शाफ्र स्पप्ट सप्टीकरम।
              बुल्सम-बुस्ता इकेकी कोट पर विम-दहाड़ सबके वेचने
   जुले अपन
             सरेबाम ।
भूमे तौर पर
             १ बुले मान अस्त्रम-बुल्ला शरै आप शार्ववितृ रूप से
             २ दो-इक विना भाष-सपेट के साफ-साफ स्पष्टत'।
             १ धार्नदित बाङ्कादित प्रत्युस्त एस्पतित प्रपुतिसन प्रसम
      स
             प्रसम्मविता प्रवन २ अच्छा बढ़िया (वैसे मुक्किस्मव म)।
             कुत्रनसीय तदवीरवासा भाग्यदान भाग्यदाको सोमाग्यदासी।
बुराकिस्मत
चुरारि स्मती
             कुष्टनसीबी शीमाप्य।
             १ बानंदी सुप्तमिकाक विद्यादिम प्रताममुख प्रसामहृदय
   क्रुतविस
             मीजी विनोदी हुँसमुखा २ चुहसवाय मद्योतिया सवाधिया
             मनसरा हैनोड । 🚡
             दे सुद्धकिस्मतः।
 बुशनतीय
             दे लक्तिरमती।
 युशनतीबी
             मुर्वन्न मुर्गि सुवास सौरम।
```

सत्तव्हार सुग्धपुषन सुर्वधवाका मृत्रासगुकत सुवासवासा।

ब्रामिकाक ने खुसदिस ।

भूगहाल भाने-पोत सपन्न समृद्ध सुवी दे धनी।

बुरामर चाटकारिता चाटुकारी चापमुमी मुठी प्रकसा ।

क्यामर करना वे भाषमुखी करना।

बुग्रामशे चुग्रामशे टट्टू (विशेष रूप से बनावरसूचक) चाटकार,

चापमूस । चुत्ती १ सानद बाह्याद उस्सास प्रमन्तना हुए २ इच्छा प्रवर्धि रवा।

इरेड १ गुप्क मुखा २ वर्रागक नीरम क्खा।

सुरकी क्वापन शुप्तना।

भूतार दे वृंदवार।

भूरेसार १ जीवनाक बरावना भयंकर, भयानक भयाबह भीपण होसनाक २ कुर, निदय ३ खतरनाक।

भूंट क्लिया काना कार छोर।

र्वतः समान् कौटा कीम पूरः।

चूँटी कील टॅंग्नाटॅंग्नी सेखा जुन १ त्वत रक्षिर, लहुलाहुआचिन २ वस्स वस हस्या।

सुनवाराचा सूनवाराची मारबाट, हिसा।

 मृत्री १ डाविस सून करनवासा थानक धानी भार द्वासनेवासा २ दे सून्वार।
 मृत्र १ अच्छी तरह छवकर श्यादा नाम तक बहुत भरनेट

खूब १ अच्छा तरह छनकर त्यादा नान तक बहुत भर-पट (जैन 'खब खाया) २ नाविमेतारीष्ठ, प्रबंधनीय (जैने खूब काम विया) वे अच्छा उत्तम उमदा भना।

चूबमुरत दे सदर।

चूबसूरती दे सुदग्ता।

भूबी सफ्डाई कामियन कृत विधिष्टना विशेषना सिप्रस सिप्रा।

भूराक द वराक।

मूसट १ वेरीनक मनहूस २ बक्त्नु (दे)।

क्षतिहर काल्यकार विसान इयक हमशोबी। सती काल्य काल्यकारी विसानी इपि कृषिकर्म केदी-बाड़ी

श्रुनी-बारी पॉर्मिया

त्त । बद्धमाम गम म्मानि बुग्र मसास रज शोक।

हिम्ही पर्याय क्रोज / १४३

चरहै असाफरें दूख है सॉरि।

कमा कैंग भीमा छोसवारी वेश तेबू पहाब बामियाना विभिन्न

क्षेत्र १ जीहा क्षेत्र-कर स्पोर्ट २ खिलवाड़ क्षेत्र-तमाझा मन बहुमांव मनोरंजन ३ जीहुण खेला लीमा ४ माछान काम हुक्का काम ४ मठाविध्यों केसि जासोव-प्रमोच-६ मधिनय साटक नोटंडी स्वार।

कत-कृत १ कीड़ा चेल स्पोर्ट २ केल-समासा सनवहत्ताव सनोर्डकता

सबैदा केवट बेवट बेनेवाका नाविक मस्त्राष्ट्र गाँसी ।

भीर करवा।

चैरकाह,

**बैरक्स**स

चीर १ कुमस मुजस-र्मयस सीम शाम-मुखस विरियद २ सम्बा सस्य कुछ विदा/परवा मही कोई बाद मही।

मुम्मितक मुमेन्छ् हिंचपितक हित्।

भीरातः यान वान-पृथ्य सर्वार्थः।

भीकमा १ पोपना पोमा २ सामी जुम्ब सुनवा रिस्त ३ जसार, निस्तरक निस्तार।

कोकतायन १ पोसापन २ निस्सारता।

स्त्रोत १ जनावन निर्माणक कोज-बीन बवेषणा २ शाविष्कार, ईजार वे सन्त्रीयण सन्त्रीमा ४ तलाय संभान १ सता पता कोज-धवर पता-ठिराना ६ तलाशी वर्षः।

श्रोतमा स्वा-पतास्थात कोड करना कोड-ब्रीट करना चित्रस सेकर हैत्या जन हासना छन-ब्रीट करना

स्त्रमधीन करना स्त्रम भारता देलाल करना दलादेना पदा स्रामाः

स्तोडः १ मिलाबट मिखण २ सबपुत्र ऐंड वर्षी पनद होग नुबस बुराई ३ कपट छम छम-वपट छन-छंद दश घोषा

प्रदेव । स्रोदा १ मिसावटी मिथववासा (वैश मोवा) २ नवती (वैसे शिवना) ३ अवनुत्री ऐसी वपटी उत्तराव सवा बुरा।

क्रीता दे नदहा।

क्षोता गैंबाना भटाना हाच से भिक्त जाने देना।

कोपडी क्यार क्याल बीच सर सिर।

खोषाः को बा बोवा मादा।

चोष्ठ कंदरागका गडा।

भौक दे हर।

ब्रीयनाक हे बरावना।

क्रीशना उप्प्रनता उदमना उदाम भाना गरम द्वीना गरमाना क्षीय वाना प्रदर्भा।

**4410** हे प्रसिद्ध । ब्याहराया

क्याति कीर्ति नाथ नामवरी प्रतिष्ठा प्रसिद्धि सशहरी यज्ञ कोहरत ।

स्यातिप्राप्त दे प्रसिद्ध।

ब्यासः १ कृपाशाय विचार २ भाव भावना ३ मनोवृत्ति ४ ब्यान थाद स्मरण स्मति।

अवास्त्रविक करियत प्रजी। च्यासी

क्योंड रापना स्वप्न।

क्योंहिस दे इच्छा।

ग

शतकर्नदा बाह्यभी विषयता देवनदी देवापना भानीरची गपा मंदाविकी विष्णुपदी सुरतर्रीयकी सुरक्षति सुरनदी भुरसरि मुरसरिता स्वर्गपया।

गंपाजमनी बिचरी पूर्रंगा निमा-मना निमित्त संकर।

पंच १ शस्मार्थंडी गोसा बाजाए द्वाट २ वंधा धेन चेंद्रशार्ध बाई ।

गमा बस्बाट भेंदना वेंदोर, वनोर।

मंची वंडी विश्वयायम सवरी।

पॅठिया आमवास ओइवर्ड गठिया वाग वासमूख । पश्चाता कंटमाना प्रसर्गह ।

हिन्दी पर्याय कीस / १४७

पॅडा र्यंडा-ताबीक ताबीक।

र्यतच्य गतन्त्र स्थान महिस मीवन-ए-मक्सूब, सध्य सस्य-स्वान।

र्वदथी १ कुड़ा २ मत्त ३ मैस ४ मसिनता मैसापन ।

गेंद्रका यदा मसिन मैला।

गदा १ अपवित्र समुद्ध वेदमा धनीज विषक्ट नापाक मसिन मैका मैका-कुवैसा २ कुत्सित महित विनीना वृत्रित

मेला संसा-कुणैसा २ कुरिसत सहित चिनौना वृत्रि नायाक जुरा ३ व्यक्तिस्ट सरसीस फुहुस फुहुड़ ।

र्षंद्रम कनक येह्नँ नोधूम योहूँ।

गंड १ बास बू, महत्त २ खूबबू, पुर्वस मुदास सीरम ३ दुर्वस वदक् ।

बंधकी इँपत्पीत नंधकरंती यंश्रकतनी इसका पीमा दे पीता।

मधर्षे किन्तर विष्ययायक देवयावक विद्याबर पुरवायक। धंवर्षविद्या सगीत।

मधबह देहना।

गमी नतार,गांतिक गुरध-विक्दा।

मनीर १ स्वाध धतन बचाह यहुए २ विचारतीत बात संबीदा सीरियस (व्यक्ति) ३ कठिन यूद बटिन (स्वस्था) ४ पोर मारी (संकट) १ यहरी प्रवाह (शीद) ६ नहन गहुए (चितन कम्पयन) ७ क्यास क्याह पहुए (विद्यान)

चिताननक चित्रनीय चित्र्य सीरियन ।

सेंबई दे गैवार। पेंबास अभिवन्ययी फब्रुसक्क फेंबू बहुम्पदी मुस्तहस्त नृद्यकः,

वाह्याच ।

गाँबाना योना मुटाबा हाथ से नियम आने देता।

गैंबार १ सनाही अधिष्ट, सबस्य उनह गैंबई यवारू ग्रामील रेहाणी वेतकर बेससीका २ बुद्ध वेवकूफ, पूर्व (दे ) ३ जनपड़ अक्तिकित शासावों वैपड़ा-रिखा जिल्ल सोड़ा पढ़ राजर।

मऊ १ नाम धनु, २ निरीह निष्टपट भोना भोना भाना सरम सीधा सीधा-माथा।

मपन : वे बाकाश ।

मगरचुँवी नगरपर्शी

```
कसम कलगा कसशा क्षेत्र गगरी घट घरा।
पदरा
```

गळ दे इग्यी।

विमयपत्री विजयकरी। पदक

पबद समयम् ।

पडटिड राजपणितः।

गबदह

पदव १ वर्षान बन्ता अपूर्व बारवर्षजनक राजवांका कमाल का निराक्षा २ अवेर वस्याचार, बन्याय पूरम -दाना — क्रमामत बाना इत्यामत बर्च करना इन्द्रर बाना बाब पियाना

विक्सी विरागः । उप काल म एक्के बीर में सुबह-सबेरे, सुबह-सुबह सबेरे गजरहरू

सबेरे बहुत सबके बहुत सुबह । गमरा पूर्णमाला पूर्णहार, मासा।

दे गणता यज्ञानन

मदुहर बाँट बाँटी यहा वठरी यह यही युनिया यूना योग्सी

वत्त बहुचा बहुची बुकचा बोल लुट्टा। बनाबट रचना-विश्वास विश्वास संबदना संरचना । गठन

मठरी दे बहुर।

पठिया भागनात जोड़ वर्ते बाय वातमूल।

पडीसा क्ताह्वा वल गुवल्ति सुदीस हुप्र-पुष्ट। १ मस्तम्यस्यका सम्यवस्था पुत्रबंध पहुबहुबुटासा यहबहु गड़बड़

शामा मन्दर-प्रदेशक महदरी यहु-भड्ड योसमास प्रपत्ता माधाना २ जनन-भूषस अपद्रव यहबड़ी: ६ सपड़ा (दे ) शवड़ा-शंशट शफहा ४ अस्तम्यस्य बहुगङ्ग (दे )।

गड़बड़ी १ वे सङ्बङ् २ विकार।

दे महुमहू। प्रमह

पहरिमा महरिया यहरी विद्यास धेविहासा।

१ उनटा-पुनटा उनटा-श्रीया उनटा-पुनटा कटपटाँय यहंडमहड महबड़ अध्यवस्थित अस्तव्यस्त वैतरतीय व्यवस्थाहीतः

२ मिसा-जुना भिनाह्वा मिचित ।

यहरी गङ्ग बहुर (दे ) हेर हेरी पुलिया पोटली (दे )। मध्या बाहु बाहु। बता बोह पहता वहा पर्व धार।

मढ़ किला, कोट बढ़ी बुर्ग फोर्ट ।

गड़ना करनाकर सेना कल्पित करना कल्पित कर सेना यह नेना जासी बना सेना जाससाबी करना सूठे गड़ या बना सेना।

मही दे वड़।

पर्व जन मुंह दस वर्ष वृद क्षेत्री श्रंव श्रमा समुदाय समूह (दे) २ प्रपत्र श्रिवकण सिक्पारियत् सिक्पार्येव ३ अनुषर, परिचारक सेक्फ (दे)।

यक्तंत्र वकराज्य अन्तंत्र प्रशासंत्र सोक्तंत्र।

मनना १ गिनती गुमार २ ताकाव संक्या १ हिसाब हिसाब किताव ४ बाकनम १ जनवचना मर्थमसमाधी।

यणनायकः, नवपटि देवलेशः। यज्ञासियः

ननस्य दे नेत्रगाः।

पणितः बंक्यणितः वरिवर्गीटिक यचित्रकास्त्र सैवर्मीटिक्सः सैस्स हिसाव।

समेश ऑपिनेज बाविनुक्य एकबर पत्रबदन प्रजानन नजनायक सम्पर्धित मणाविष्य वृद्धि श्रिमातृत क्रेसाहर प्रवानीनंदन संयोक्त, कर्मुक विष्णवृद्ध विष्णेख विनायक मूर्यकर्म विक्रि विनायक कृतिनुक्क हेरन्य।

वस्थासम्ब स्वातमामा स्थातिप्राप्त सानै-माने नाथी नामी-निरामी प्रतिस्कित मान्य सहस्त्री सम्बद्धियाः

कत १ अतीय यया हुना वृत्रिक्या शीता हुना मृत विश्व व्यक्तीत २ अंतिम पिछना लास्ट ३ वरहूम मरा हुना मृत यशक्रिय स्वर्थीय (वे )।

यतप्रयोगः अप्रचलितः अप्रकृतः प्रयोगस्यस्यः।

मतानुवतिकः : अंबानुकरण करने बाशा परंपरानुवायी परंपरावादी सकीर

का ग्रकीर।

यतार्थिक : अप्रचलित पत्रप्रमीय पुराकासीय पुराना प्राचीय सूत्रकासिक ।

यति १ चास प्रवाह रथतार, वैग स्पंतन (वैसे हरमपारि) हरणन २ व्यवस्था दशा हास हालतः ३ थाया सीला (वैसे ईस्वर की पति) ४ मृक्ति मोस ।

मितिविधिः १ कार्य-कसाय विधा-कनाप २ सरवर्गी हत्तवतः।

पितरीत १ यतिमान असवा-फिरता मोबाइस २ प्रमितवाडी

(दे)। पदमद अनिवित बाह प्रसन्त (दे)।

ग्रदर १ बगावत विश्रोह विप्तव २ स्वत-पुथल सामानी पश्चकः

परहा दे दशा।

गद्दा गरेला विसम (बुबबुदा) विद्यावन विद्यीमा श्रीज्ञक मैंन्स (मोटा) सेवा।

यही १ आसान बुर्खी एजिएहासन सिहासन सङ्ग २ पड पोस्ट व प्रदेशा तोसङ लेखा।

यक्तपीत सक्तकास्य।

यधा १ वर योता गर्दा नर्देम राजम रासभ वैद्यादनंदन

श्रवकर्णजीतसावाहन २ मृखं(दे)। सनीमतः अक्की बात संत्रोपकी वातः।

गम्मा इस इंख उल क्रम पीका।

गप मपद्वजीय कथ्य सूठो स्तर, सूठी बात बक्तवास वक्तवास स्यवं की बात ।

परमारना परवर्णीय करना अप इकिया शुठ-सच दोसना वकदास करना।

गप्पी १ यरबाब यर शारजेबासा वर हॉकनेबासा यरोड़ा करोड़ी जररङ बड़बड़िया सरकाब सवार २ यालू बक्की बड़बीसा बतक्कड़ बतक्कड़ी बहुमारी बासूनी घड़मड़िया कामार।

यक माडा बना चनी बुनाबट बाला ।

गळनतः १ सस्तार्कताः असावधानी वेपरवाही सापरवाही चूक समती सम ।

प्रवन १ (embezziement)— पवन (शर्मा) क्षत्रहरूप (स प्र ) क्षत्रहरूप (स प्र ) व्यवहरूप (स प्र ) (defacation) — क्षत्र (समी) क्षयान्त (स प्र ) व्यहरूप (स प्र ) हृइप (स प्र )।

```
मफगोस दुःख (रे ) रंज सोक।
       ग्रम
   ग्रमसोर
            सहनशील सहिष्णु।
    समयीन चवास बुबी रंजीवा।
            र्वनोछा जॅनोछी अंगोछा अनीसी।
     पमग्रा
            चसना जाना प्रस्चान यात्रा करना रुद्धत होगा।
     नमन
           १ वायस्थनता प्रकरत (दे ) २ ६ण्छा (दे+) भाष्ट
     प्रश्व
            ३ यससव स्थार्थ।
           १ पर्जन करना गरवन-तरवन २ विमाड़ना वहाड़ना
  गरभनः
            रे नक्नकाना ४ वक्षमकाह्य यस्त्र धर्मन-सर्वन क्रास्त्र ।
            १ भागस्यकतावामा करूरवर्गद २ इच्छूक (दे ) चाइने
  प्रसमय
           नामा ३ गरणी गरण्।
           दे गर्दम !
   गरदन
    परम दे वर्ग।
मरमाभरम वाजा जिसकुस गरन ।
   गरमी वे गर्मी।
    परल
          वे पहर।
  गरिमा यंत्रीरता पुरुष महानता संबीदनी।
   गरिष्ठ
           कम्य करनवामा कृपाच्य धारी।
   चरीय -
           १ अकियन क्याम तंबदस्य दरिह धनहीन नादार,
          निर्मम मुँहताक मुफ़सिस २ वयनीय बीन शीम-हीन।
 ग्ररीकी
```

बराब १ बाक्यन क्यान त्यावस्य स्था व्यावस्थ नाहान नायायः
निर्मम मुंह्यान मुक्तिन २ वस्तीव बीन दीन-हीन।
परीक्षी अक्तिनात कंपाली गुन्तन तंत्रवस्ती तंत्री विद्वात वारि
इस अम्ब्रीनात नाहारी निर्मेत्रता मुंह्यावी पुरत्नेत्ती।
गवड्ड प्रस्तात ध्योग त्योग नावांत्रव परिचाय पन्नवारि मुक्त स्रोजी विच्चवाहन विद्वारण वेत्रवेश मुष्येपरा हरिताहर।

गाना । पर गुक्र वे वर्गडा

ग्रस्ते हे गुक्री।

चर्च गतनगरनार्थ(दे)।

शर्जन गणना । गर्जन-सर्जन जिप्पाइ बहाइ भैपनर्जन।

सर्वमंद आवश्यनतावाला इच्छुत नरवी नरवू पकरतमंद बन्नरेत शाला समन्तार, सरवृद्ध सार्वारा हाजसी।

मर्त वे पहला।

र्व के पूसा

१५२ / हिन्दी पर्याय कौश

गक्षण कंठकंछ कंछर बटई गला ग्रीवा वाँटी।

गर्दभ वे गया।

यर्भ पैट हमना।

वर्मपात वर्षमाव ।

यमपात यमकाया धर्मवती के युनियी।

वर्मधान वर्मभारण।

समासाय सम्बद्धानी। सर्माराय सम्बद्धानी।

र्मानाय वर्णवानाः। र्मानची वर्भवती गामिन सन्तर्भ हामिसाः।

गर्म चत्प कुनकुना परम यरमायरम यूनपुना शनता क्ष्य

वाता।

गर्मी १ आतप जण्यता कम्मा परमाङ्ग परमी तपन तपिष्ठ

ताप निवास ः धीम्म धीम्मकास निवास ६ साततक

उपबंध गरमी किरंपरोग। मर्वे अहंकार, अभिनान मुमान धर्मत (वे ) वंध वर्ष फटा: वर्षोत्ता नकड़वाज नकड़ अभिनाती सहवारी सुमानी सकटी

ৰুক্ট কৰ্মটা হ'লী। আছিল প্ৰথম কৃমীৰা কুমিল অংখৰ দিছিল নিতুম্ব গীৰ ৰুটো।

गसगढ चेता।

पनतः १ वयनार्वे अक्षयं गृह, गृहा विषया २ अनुतः पृटिपूर्णे द्योपपूर्वे नतीय ३ वताहः नपुरपुरत यपुरतः व्यक्तिः ४ अनुभिष्ठ असमीचीन वैरवादिव वैरपुनाविव नास्याय गायनुस्त नामुनाविव १ वर्नेविक नीविन्यस्त्व वैद्यापाः

प्रसतक्रहमी क्सती क्षोता भ्रम भाति नतिभ्रम मुदानता विभ्रम। १ मण्यात्र जुर्ग २ वहुद्धि पृटि दोष भूग भूतपुरू

३ बोखा प्रम मित्रक्षम विकास) गला १ परवन वर्षन ग्रीमा २ परेवान ३ फंड ४ आवाड १ फंडस्ट.सर स्वर।

यसी क्या कोट, कोरी बती-क्या गैस शीवका शीवी।

यतीचा कातीन यातीचा। ग्रजीब १ वंदा चीकट शमिन शैला शैला-कचैला २ वप्तिक कतुब नापाक ३ कूस-करकट वंदशी यंदीचस्तु,सैसा किस्टा।

गम्मा मुड बस रेहड़ (बीपायों का) । छस्मा अनाज अस्त धाणास्त पैवाबार फससा। गवनमें वासन सरकार। यवर्त्रस् राज्यपासः। नवास विद्वा भीवा वेवसा सरोवा बातायन। यवाही सहादत साहय। गर्वतमा समुत्रामान अस्तेषण योज रिसर्च मोछ। पात चनकर बीचा राजंड रीड रीव। परती बिह्ही (carcular) परिपन सर्वतर ! बासा कौर बास निवासा। पहन १ वंधीर बहुछ २ घना दुवेंछ निविद्य स**बन ३** कटिन है आमुवन। पहरा १ मचाध खळल खळलस्पक्षी बचाइ मंभीर (बेटे पानी) १ प्रवाह (बैस नीव) १ बमा दुमेंस निवित तुमीमण (बैसे बंधकार) ४ वनिष्ट गवदीकी (वेसे सबंधी) ४ यंत्रीर पहन (बस्ययन) ६ मोध चटक (रंब)। गहराई वंशीरता गहरायम । पद्मर १ विस विवर १ करा गुका पूरा ३ वस्ता वर्त बार। १ मिरह मूखी सींच चेंद्रा बेंसन २ बड़बन बनसन बन साब १ जमबन (दे ) मनमुटाव। पांभीवं वे वंभीरता। गोंक यहा बाम टीमा बेहात पुरवा पुरा बस्ती। पाइड १ वनप्रश्नेक मानंदर्भन २ नमुना मेता। पाइडेस देख-रेश निवक्तम मार्गदर्शन । गासर वसता वसता वसमा समस समसे समसी वाहरी वाहरी वहा। गिशी हें इन रैन रैमवाड़ी २ कार, मोटर मोटरवाड़ी वे यान बाहन सवारी ४ छडड़ा बैसवाड़ी शबट। ै गहरा विनय्ह (विष) २ वटक बटबीमा खोल (रंग) है वरिधम महत्त्र सम (साहेवी बनाई) ४ बाउन

मिपत्ति संच्य (याह्रे दिन)।

गात गात्र हे सरीर।

याचा १ मध्यमाना मान्यान कथा कहानी किस्सा बास्तान कसाना २ मृत्तात समाचार, हाम-चाम।

थान वे गना।

पानः १ यात्र पीतः तराना नग्रमः २ मौसीकी स्पृतिक सनीतः। याद्रितः १ समावधान वेपरवाहः सापरवाहः २ वेसवर, वेसुसः।

योक्रित १ समायकान वेपरवाह सापरवाह २ वेसवर, बंधुध। गाम १ गऊ, बळ्याता योगाता वैद्या यो श्रेष्ट्र, पदस्विती सुरभी २ सम्बाह की याम निरीड मोला मोला-माला सरस

सीधा सीवा-सावा बहुत सीवा।

यायक गानेवासा नवैया।

गायकी यानविद्या याना वायन गायनविद्या शायनकारण।

सामव अंतर्थान अदृश्य अदृष्ट, वनुष्टिचत अपकट बोसस गैर हाजिर घूर्यचर विरोधेषुक तिरोहित राष्ट्रवरकर, सुका विक्तुस विश्वीन। -शुंता--चरपुक्त रवरियो से 'हीशा' जोड़कर इससे पांच वर्षेष। इसके सर्वित्तव 'सी दो स्वारह होना 'ऐसे भागका बैसे वसके देश से सीतं स्वार्थ स्वार्थ

सार देशहरा।

मास्यित समिनावक संस्कृतः।

यार्ड १ कारड पहरेदार सुरक्षामार्ड २ चौकी पहुंच रखवासी ३ रेलवेबार्ड।

र रलवनाडः। पार्हसम्य गृहस्थासमः।

गाल कपोल रचसार।

ग्रामिक्त वदाचिए सायद संभवन संशव है हो सकता है।

पाली अपद्यव्य पाली-मलीज नाली-गुक्तरा दुर्वचन अपद्यानी । पालतिक्या मसन्द्र।

तरिक्या मसनव।
गाहरू क्या श्राप्टिटार, अधियनेवामा श्राप्टीशर, शाहरू मीन नेत्रे
वाला।

गिइपिकाना अनुनय-विनय करना बया की भीख साँचना नाक रवड़ना मिन्नत करना धिरियाना हाब-पैर बोडना।

थिक गीध गुप्त दूरदृष्टि।

निमती १ विनमा २ अवद गए ६ वलमा तादाव र्गवर मुदार,

हिली पर्याय कोस / १५५

पिनमा

विसास

....

र्षण्या। किना १ वय

१ वर्णनाकरमा गिनती करना सुमार करना २ महत्त्व समझना (तुम्हे वे कुछ भी नहीं गिनते)।

विनेगिनाए, गिनेचने

इने-पिने कुछ कुछ पोड़े से पोड़े-बाड़े।

निषद चपहार, वोह्मा प्रेबेट मेंट।

पिरमिट कुनाहक कुकसास विश्वीना निर्विटान सरटा।

पिरानदं कुनाह्क हरूसाध । यदाना । वरावटान सरटा गिरका विरिवा निर्वापर, वर्षे ।

दिश्ला १ समाधि पदार विश्वाद विश्वाद तमस्युती पदान स्थायन ह्यात २ सम्बद्ध होना सदगित होना तत्र तम्याना विश्वा पदमा पदम होना परित्त होना सुदुद्धना स्थायन होना स्थापित होना ह्यात होना द कभी बाना दिशावर सामा महान सुदुष्टना (तोना सुदुद्धा) ४ दिला (तत्र ) १ ट्यक्ना (शाम)।

पिरपतार करनाः वरेस्ट करना सवरबंद करना पकड़ सेना वदी बनानः डिरासत में नेना।

विस्थी बंग्रक देवता

गिरह गाँठ, इंपि।

गिरहरूद १ वॅडकटा २ वेबकटाच पाकेटमार।

पिरा विकास सम्बामा गहुँया सहावै।

निरा दे सरस्वती। गिरानी महेंगाई, महेंगी।

निरि दे पहाड़। निरिका के पार्वती।

मिरिजा गिरिराज

विरोडि १ दे हिमालय २ वोवर्धन पर्वत ३ तिय (दे )।

गिरीम

गिरोह पट जत्या टोसी बस मंडसी।

पिलहरी पट्टो गिनाई बिस्की पिस्सी बीधुर बेयुर।

विता विता-विक्या विकया विकया-विकासस्य। विताक १ आवस्य स्थेत २ स्वाई नेहाक।

विनास **:** म्लास।

१५६ / हिम्दी पर्याय कोश

पीतः १ यात्र याना वराना सम्मा सांग २ कोकनीठ १ सर्च यीतः ४ वदाई, यशः (४ तो तुम्हारे ही बीत माते फिरते हैं)।

गीरम् १ दे सियार, २ कायर, करपोक बुश्रविस ।

गीच विद्यागुग्रा

पीला आर्थ भोवा कृषा (पानी या रस मे) तर तरवतर, नम पुर नम भीवा (पानी मे) सबल सीमबुक्त सीमा।

गीलापन आग्रेता नमी सीलन ।

मुंचा वेकणी।

मुंबन पूंबना मनमनाहट।

युवा युवनी निवा निवी।

र्गुबाइरा १ जयह स्थान २ जबकाण वक्न समय ३ सुभीता सुविधा ४ जारिका समाई।

गुंडई बाबारणी सुंदापन बहमाश्री लोकरी कोइवई।

र्युडा मानारा कुमार्पी वदयनन बदमात सोफर, बोहदा।

पुषकाः गुज्छ गुज्छक स्तवकः।

सबरना १ कटना बीतना व्यक्तित होना (समय) २ पवना (किसी पर युवरना) वृंबाना (ब्रव्स से युवरो तो ) ४ सरना

(बानाकेसाम वेन्द्ररमप्)। मुक्रर-बसर मुकारानिर्वाह,समय-सामा।

मुकारना काटना विताना व्यतीत करना ।

गुडारा १ युडर, निर्वाह २ शुडारा-भक्ता बीवन-निर्वाह-नृति -करना-- गबर करना युडर-वसर करना बीवन-पापन

करना। गुबारिस भवं निवेदन प्रापेना विनती।

मुक्तिता यत पिछना बीता हुआ व्यतीत ।

्युद निरोहगुहुनत्याद्योतीयमध्यायंदनी।

मुडिका १ वाटिका बढी २ शोशी पिछ।

गुक्हन सङ्ह्स गुक्हर जमा सवादुमुम देवीपुरम।

गृह्डी कनकीया चेंग पत्रगः।

मुख १ बण्डाई सण्डी बात २ सूबी निपन ३ खासियत बिशिय्टता विशेषता ४ ससर,तासीर,प्रमाव १ झाविपियस योध्यता नियातन ६ वसा छन विद्या हुनर ७ प्रसंसा

```
मुचकोर्तन
           बुषकवन वारीफ प्रथसा बहाई बढोवान स्तापा सराहुगा।
 युषयस्य
नुषप्राहक
           क्रादान युषवाही।
पुणानुषाय
           वै॰ वृषक्रीतंत्र।
    पुषी
            १ धुवशान, बुधवामा मुनी २ कोला काइ-पूर्व करनेवासा
           सवामा सोका ३ योग्य भावन प्रमरमदः
   नुत्वी
           १ बाँठ विख्, बॅबि २ उमझन प्रमान कठिनाई मुस्सित
           मुक्किमाह्य समस्या।
           नुबकार मुक्काण बुबाए, यूरेबाए, यूरेबाला नरम मातल
  नुबनुबन
           मुलायम ।
   मुबद्दी १ क्यारी भूवद २ फटी-पुरानी चीज वेकार चीज रही
           चीत अका साम -- कीचड़ में कमन जुल का हीरा बीच बा
           सामान्य परिवार में जन्मा बहुत प्रतिभाषांभी स्पनित ।
    नुवा
           पाँच प्राञ्चार मनहार।
           कुत्रकृता डेबापर्न नीमवर्त सिरधर्न शीरधर्म ।
 युवपुका
पुनहवार
           १ अपराधी कुतुरकार खठाबार, बोधी बुक्तरम २ पालकी
           पापी १
           १ पातक बाप २ सपराध कत्र, कना शोप ।
   नुगाह्
           क्षा कर में जुबके-जुबके जुब पुत्र जुब बाव छिने-छिने,
  युगवुव
           क्रिये तीर बर, क्रिये हुए।
    <del>पुष्ठ</del>
           १ अंतर्निहित बुढ़ बोपनीय छिपा छिपा हुआ प्रच्छन
           चहस्यक्य २ तृप्ता (माम के लाव)।
           ध्यिया नुर्या वानुष भविता ।
 युपाचर
           १ कंदरा मुद्दा २ फाह वर्ते बह्वार घार ३ विस मौब
   गुष्टा
           विवर।
  पुचनपू 2 जात वानवीत वार्ता वार्तानार समायय चंनाप संवाद :
           १ किना भाग २ अक्षात व्यक्तियः।
 मुक्तास
          सक्य अभिमान बाईनार, यर्थ यूरूर यमध (दे ) रंग
  पुनान
           दर्ग नाय ।
          अधिमानी अहकारी वर्गीमा घरंडी वंत्री वागकर।
```

(दे०) (वैदे युग्नवाम) = काम्ययुग १ कोरा क्षेत्री शाया

**बुमारी** 

गुनकीर्यन

१५८ / हिन्दी वर्गाय काम

धावा रस्ति।

पइ

र्युया

पुक

एटने वासा।

```
गवता
         मुरुष बहुप्पन महानदा।
 गुरवार नीफे भीरनार बृहस्पतिचार।
         वं चर्मक।
   गुकर
  पुरूरी
         अकड़वाज जरुडू अधिमानी अहंकारी वर्षीला नुमानी
          ममडी दंगी।
          १ गुप्तकर (दे) २ वय ३ सनुकर, काकर टह्सुसा
    पूर्वा
         नौकर।
          दे पुत्रना
    पुल
गुलपुपाइत वे कोर।
 युनदार १ हराभरा २ चहन-पहसवामा रीनकवासा।
  मुलनार देशाल।
  गुसज्ञन
          उपनम बाह्य बाहिका।
          पाटल सेवती।
   गुनाव
  नुसाबी
          रै प्याची प्याजू हमका साम २ कम बोहा इनका (वैधे
          नुसाबी बाटा)।
   गुलाम
          १ परतंत्र परवश पराधित २ चाहर, शस नौकर
          परिकार ३ कीत दास ।
  मुलामी १ दासता परवंत्रता परवत्तता २ चाकरी तीकरी
          ३ परिचर्या सवा।
वृत्तसम्पातः वादं वायक्यं स्नामधर स्नानावारः।
  गुस्ताम् दे हीठ।
          रे क्रिडाई।
 युस्ताली
          वे शोश।
   गुस्ताः
          वै भोगी।
 युस्सावर
पुरसेवासः दे कोशी।
   युरमेल
          वे कोशी।
          दे गुका।
    पुहर
    गुहार
          दुशर्द पुकार ।
```

१ अनवीतना भूक वेजवान २ चुन चुप्पा चुप्पी साम्रे

अभिप्राययमिन पृष्त मुद्दा रहस्यमय रहस्यपुष्त समितिकः

मध्यापक मानामें टीनर, मास्टर शिक्षक।

हिम्बी पर्याय शोश / १५६

```
र्वह
```

• /

२ यधीर, बहुन बहुरा ३ बस्पट छिना प्रकारन मोर ४ कठिन बटिस इक्ह दुवीय मुस्किस। पुरक कमरी विवक्त विरक्तुट पटा-पुरामा कपका। नुसर बपुष्पक्त उद्देवर कमर गुस्सर। पूछा निक पीछ चुन्दि- १ तीववृद्धि तेवनकर २ दूरस्त्री। पृत्क सिविमनार। पृहत्य इट्टामी पूढी वृहस्वामानी वरवारी परवारवामा। पृहस्तामी पृहपति घरनामा । है पृहस्वामिती मामकित २ वरवामी बामा परती बीबी में बंदुक पुरवांत वांत वानीवांन हैंव्वांत : मेम भीड़ा केम। मैदमा क्याय कावास बेह्बा जोविया भववा । मेहेबा बंदुमी मोछ बाबायी। मेहूँ कनक मनुम कोबूम कोहूँ। पैरे बाग बाग्य बडा दुबरा स्यास पर परफीन परावा वैरहसाकी है अस्वाव । पैरकानूनी वर्तेश नियमनिषद वेशायश । **गैरनुमहिन नसंसद (१)**। परमुस्तकिम मस्यायी। र्वरमानुकारि है अनुपरिवति । र्परवाजिक है अनुवित । नेरहाबिर अनुपस्थित अनिसमान ऐनतेट : पैरहाबिरी अनुपश्चिति ऐवसेस ! योडाजन बोदास महार भंडारगृह सामगोणाम : इत्तरी बुब्बी। योतालोर हुवनी मारने / सवाने वासा पनहुस्ता । र मक उक्कम कोरा कोड़ योदी २ संबन सांबन (वैदे १९० / हिन्दी पर्याय कोछ

चावल इस्वी बादि सं गोद मरते हैं) -भरता—श्रीनाद होना पत्रवती होना -सेना— बलकपृत्र ग्रहण करना।

गोदाम मोहातन मंदार मोदाबार(म प्र ) मानगोदाम सम्हामार (उ प्र ) स्टोर।

राष्ट्रीय पोष्ट्रीत वेता दिनांत प्रदोष याम संस्था सांस साम्प्रदेता

योप आहिर बामीर योगाल ज्याका ।

पोप सहार, सामार पापाल ज्याका भोगल दिशाव निरोमान दराव ।

गौपनीय कान्फिडेंसक मुप्त।

गोपास १ महीर थाणीर, गोप म्याना २ इच्छा (दे)।

मोपी अहिरित योपिका स्वासित।

गोपीनाथ दे कृष्ण।

पापावस्तम योजसम्बद्धाः अक्तना

 अन्य ना दुरमन अहमक यावधी वनक्यकर बोचू बहुबृद्धि बहुमति जाहिल बुद्ध वेशकम वेयक्क, बोद्या बीहुम मंद बाँड मंद्रमति।

मोदा सैन वसे कि मानो ।

मोरस १ इम (वे ) २ इक्रिय-मुखा

योरा वेहुँवा गोय-विष्टा गीर, भौरवर्गी पौरांप स्वेतांप २ बंग्रेस अमरीनी फिरनी मरोपीय।

गोरी १ योगी-विट्टी यौरवर्की यौरांवी व्हेतांगी २ सुवधी (दे)।

योल वंडमानार, नील-मटोल योखा योसाकार, वकाकार मंडसा-कार, वर्तुम बतुमाकार वृत्ताकार।

योतमाल अध्यवस्था पड़बड़ पड़बड़ी थपना बोटाना हेराक्रेरी: पोली १ पिन बाटिना २ बोलनीपर ३ छोटा योला (बाक्सी)

कुनेट। योसोक व स्वर्थ।

पालीक्यासी वे स्वर्गीय। वीरास स्वान स्थान कोवा निर्माण स्थात ।

योगाना यक्रमाना गीवाना ।

पौरदः मास मीट।

```
पोप्ठी बैठक साहित्व-समा सुदूदशोप्ठी ।
    मोसार्द १ वे बोस्वामी २ वे ईश्वर।
  मोस्वानी पुताई योसाई, जिस्सिव संपत्नी वर्ता बोबी संन्यासी।
       मी १ के याग २ वेस वसीवर्ष वृद्याः
     योष
            मध्याम मध्युक सप सहायकः।
    यौतम
            रे पुष्ट ह
   गौतमी
            सहस्या महिस्या गीवमपत्नी ।
     वीर
            है । योग ।
     चौर
            १ वितन वितन-यनन विचार, तोध-विचार; २ इसाम
            ध्यान विचार।
           इन्हरं कीर्ति यस सम्मान २ काप्पम बहुता महिमा।
    मीरव
बौरवशाली
           इन्डवनार कीविनाम महिमानाम यशानी सम्भाग ।
   पौरांव
           दे वोशा।
    गोरी
           दे वार्वती।
गौरीतंकर महादेव किथ (दे )।
      संभ कियान इति पुस्तक रचना।
  श्रीवकार ऑबर, कृतिकार पुस्तककार राष्ट्रहर, वेसक ।
     श्रीव
           यांठ थिएक बुली कोइ।
           वसित शहन भगा हुना निगला हुना पमझा दुवा पीड़िश
     €स्त
            मुखना ।
           १ अमीकार, अंजूर, स्थीकार २ वकडवा (शाविष्यद्वय) :
    पहल
           १ प्रहणकरनं बाग्य मान्य स्वीवार्व २ उपित सुताबिक।
  प्रहचीय 💮
     वांद
           बनुदाग महामता।
   चार्च र
           कोर्गे पीड़ारचम फ्रीरव नैवान ।
           १ बेड़ा यांव देहार पूरवा पूरा वाली मीवा: २ सप्तप्र
    श्राम
           (संबीत) सरवम।
           दे प्रेयरा
    सामर
   द्वामील १ प्राथवाची बाग्य बेहानी: २ मनिष्ट उमहर वैदर्द
           बेंबार, १ शामविषयक सामसवधी (वेसे शामीण क्यान्याएँ)।
```

ब्राहरू चाह्य १९२ / हिन्दी पर्याप कोल

द्वाहः प्रदिवास भवर मवरवष्ट ।

कस्टबर ऋता सरीदशार धारीयार नाइक।

बह्मपीय मान्य स्वीरार्थ २ उपित (हे ) ।

प्रीदित सभाई। प्रीटियकार्ड समाई पत्र समाई कार्ड। प्रीप्ता दे वर्दन। प्रीप्त समीं निदाय। पूप दे सका।

प्रश्न कोटि तम सभी सोपान। समुदी समुद्रहराधि सामुदोपिक उपवान।

चनुपद स्नार्वकः पैनर सामर, व्याकरच नव्यानुवासनः।

ग्नानि सवस्य मध्योस केर दुव (दे ) साक ।

म्तास १ बीबा २ विमास।

ग्वाक्षाः वहीर, कामीर, योप कूछवाकाः।

## घ

धरा १ विश्वात २ पीरियह। भंदी छोटा वेटा वेटिया।

धर १ वे यहा २ वे शरीर।

घटक संय समयम सूनिट रचनानयम संबटक संरचनाय।

घटती क्षर क्रमी स्यूनवा।

बदना १ तम होना २ वदित होना ३ वदि मानच मामसा

माक्रमा युर्णेटना नारसात हारसा। यदा समझते नारम कार्रीननी मटाटोप समपस्ति नेममामा

मैगराज्युह सेवावनी है वादल। बराटोर कार्रोबनी नेपर्पनित सेवसला सेवसमूह सेवावली।

परित यो पटा जो हवा यो हवा हो।

बरिया १ अध्य सरोव पुण्डे वो नीड़ी था निष्टप्ट, परित पोथ सुरा बेनार का नचर द्वीन हैस (व्यक्ति) २ सराब पुण्ड बो नीडी की सुरी बेनार थी सस्ती (बस्तु)।

प्रविहा १ पनित बदमाय संपट व्यक्तिकारी २ नाइयाँ चार सो बीम चालाक होशियार, ३ दुष्ट दुरा।

कमक कमबा कुँच ययरा तनरी वट टिन्सी। मबर २ वंटा। युरी क्षण वटिका पस २ कसाई पत्नी बीबास पत्नी भेड बड़ी बाब व बबसर सम भीका बक्त समय। धन है वे बादम २ बहुरा कमबोर, कता समीमूत निविद् १ बहुठ वेच भीपक मुससाहार, २ बहुरा पना बहुठ बना । यनवरकर हे मुर्था। चनापम सचनता। वनस्याम १ वे इत्या १ २ वांतित काला इत्या स्थाप स्थापन सविमा स्वाह, व वे बाबम । है कपूर कपूर।

घना १ राजिन यक पहुत वन (घन व्यवकार धीन वस बोबाई) बनघोर बनीपूछ निविष्ट संहत सपन सूचीमध (मंबहार) २ मंतरंत बहुरा बांगिक विवरी बांतहारी रोटी (बाने) बाने विसी निवट है (वोस्त) व बनवरत विदल क्यावार।

भेतरंत बहुए यादा थना विवरी वीतवादी रोटी वाने वास बिमी निवट का निवटस्व संगीपी। वितिवयं विश्वक बनाया बहुत विश्वक बहुत स्वादा ।

भवता ववद्रावा

पड़बड़ सहबड़बोटामा बडबड़ी बोमबाम बुटामा बोटामा ! है बधीर होना सवात होना बाबुस होना बातुर होना जताबमा द्वीमा जिल्ल द्वीमा बहामित दीमा सुम्य द्वीमा पबड़ा जानां वनसा जानां पबराना वेचैन होगां विसम होता विश्वम होता व्यव होता व्याहुत होता हरवड़ा वाता इंडबड़ामा २ बकरामा बक्ति होना बनावमान होना वर मान दोना विश्वमित दोना हैरान-गरेमान होना हैरान दोना रे बीनाम खता होना बहुरे पर हवाइयां बहना दिन में वारे दिवाई बड़ना बिल बकसे रह/हो बाना पैरों तसे से जनीन विसनमा इनाइयां बढ़मा द्वाम-गैर कम बाना द्वापों के तीते वह बाता होन बहता होब पुम होता होय आहा होता। र सधीरता बाहुमता बाहुरता बताबमापन वनाबमी

प्रकाहर ६४ / दिन्दी पर्याय कीश र्वाप्तता क्षोप परसहर, देवीनी व्यवता २ वनवणी परेवानी हरवडी देवती।

पर्वेद सक्तृ समित्र न सहंगर, सहनत्त्रा उक्तर यह पुमान पूकर, त्य दर्ग ताब प्रध्य सद सदासना बुदापिमान केकहो।

सर्वेड करता "सेसेड" के पर्योगों से समामानेय करता या विद्याला आहकर इसके पाँच वन करते हैं। इसके सीजिरिका सकल साववें बास साल पर हाना इत्याला चनड में बूर होता दिमाण साधमान पर होना दिमाण हवा के बोड़े पर होना दिमाण हवा में होना पैर बसीन पर न पहना साबि कई मुहावरें शी हमी अर्थ में सात हैं।

पमडी सम्बद्धात सम्बद्ध सर्वेश समित्रानी सहकारी गुनानी कमी महकर महास हैस्कीबाद ।

समासान १ मम्सान भोर, भर्यकरः २ वमामान युद्ध यनकोर युद्ध भर्यकर नटाई।

ममीचे देशमहीचे।

सर १ आवाम नृष्ठ नेष्ठ क्या आम तिवाम बवेस वासा वास बामस्थान २ असन आमस ओक निरेत्र निरेतन तिवस वेगम सरन ६ नका कमस कोरों ४ नोठों नित्तस प्रासाद वैयमा बीनो अङ्ग वेगम सरन देशों १ त्रविया तुर्यी कृति घरीस सुन्यी सोतझ कोरडी ६ अधिवास ठीव किमाना ठीर, ठीर-किशाना वयह स्थान ७ अस्मपूमि बम्मस्थान निवाम-स्थान स्वरेस ६ कोठा साना-१ गृहस्थी। वे बसान।

बरनी मर्थोपनी पृष्टिमी गरनानी नृहस्वामिनी जावा जाय दारा सर्मतनी पत्नी (दे ) जीवी भागों स्त्री !

**घरबार** १ मृहस्यी घरकार, २ निवास-स्थान ठौर-ठिकाना।

घरवारी कुटुंबी मृहस्य परिवारवाला बालबच्चोंबाला।

परवाता १ पृष्टमानी २ आवनी कार्विव परि (दे ) मई स्वामी। पराठी कम्मापदा कम्मापदीय सोप।

पराना १ कस खादान परिवार, बंग २ अल्ल आस्पर, योत्र १ संपीतका वचना। १ वरका घरळ, एक २ जनमा बानसका चरका स्व कीय ६ भए में बना स्वतिवितः।

धर्मण शिस्सा रशहा

प्रमुका पत्रा चानु अभुशा सेवा ।

पतियासः असकतः असकता।

काइनी खुरीट पुटा हुआ चढ असता-पुत्री (धरिवामी हिसी चाच क्षेत्र के वर्ष में) पालाया।

बायरा स्वर्ट।

बादा कमी यटी टोना डेक्किसिट नुकसान हाति।

गरी वर्ष होची पास वैसी।

१ चन सम्र हत्या २ आवात चोट प्रहार, नार ! वस्त

१ प्राथमात्रक बार कामने वासा (वैशे प्रहार हमधा) पातक २ क्राविस सूनी इत्याचा

बातक होता (वैश्वे बाल्मपाठी)। पारी

र मातन सूप २ के वर्गी। पाप

वे मूर्व। भागक

मामत आहत अवन्तित चीट वाबा हुना चौटित बक्दी विसद ।

**धातमेल** मब्दनबृद्ध मिलाबट, मिसमा ।

तत चीट प्रकृत सम । COTTON . १ थर, सन्भवनार, बास-बात बास-मूख तुक २ तुक्छ चास

माचीतः। विश्वविश्वानाः जिस्सानाः प्राचैना करणाः। विविद्यामा

१ जमटा-गुजटा नक्ष्मक स्वयनित २ मॅड्स बनेड विवर्तिक स्थानाभावः हे अस्पट पिषपिष (निचायः) ।

पिन रे वृषाः

বিশাস্য १ विभवासा जुनास्त्रत जुनित २ कृतिसन **व**हित कुरा बीजत्सः ३ वंदा सतीक मानिन मैगा।

थिया कर्द्र तीकी।

धियाकस कर्दुकन । ब्रिराय मेरायंत्री मराम !

१ विशायट रयकाई श्वकाहर, २ जुगई पिसाई ३ पारि Parent . व्यक्ति मञ्जूषी वेद्वनताना (विषये का)।

पितः-पिटः १ ट्टा-स्टा दूराना-चिराना पुरामा-बुरामा २ फिट्पेपिठ ३ वस्थिमनुती पुरान कर्रे/स्थातो/विचारी काः।

व बाक्नानूना पुरान कर्यकृतका/विवास

पिस्सा १ रयहरतहा२ ठोकर वल्का।

थी पुता

मुंगको : युगा चुँगकी।

र्युपराला ऐंठवार, ऐंठनदार, कृषिन कृटिश चुनराला चुमानदार, चनकरहार, छन्मेदार।

मुंबक मृपुर।

मुरना १ गाँठि बानु ठेंमुना ठेंद्रुना धावर्षीय २ एकना (साँस)।

चटला १ पात्रामा पायनामा २ वंडर्रीयपर वॉविया निकर। मुक्कमा भुककना सिक्कना सिक्की देना क्यटमा बॉटना बॉट

ता शुक्रफना शिक्ष्मना शिक्ष्मी देना क्षप्टमा कटिना बटिना फटफारना कटि पटकार करना वाक्ष्मा करना नाराव होना फटमारना विवाहमा।

पुक्को १ प्रिकृषी बॉट बॉट-स्पट, बॉट-स्टरणार, लाजुना धमकी भवनी (शीवकृ भवनी) समर्थी (शीवकृ समनी) २ वंबर पुकृषी सुटी धमकी।

**बुद्धवार** अञ्चपति अञ्चारोही बुद्दबद्दा तुरवासङ् तुरंती।

घइताम सन्दर्शना अस्त्रम् पृत्यार।

भून नाय्डकीट मूग।

युन्ता गुम्मा बुप्पा मीतरबाउन।

युमल्कड् दूरिस्ट, पर्यटक अनवातील यावाकर।

मुनाव १ टर्जनोड २ चनकर, ६८, ३ वस सपैट।

मुनना १ निव बाना इन होना २ बसना पित्रपिना होना

क्ष कमडोर होना श्रीण होना जुल-कुलकर नोटा होना। सुमना अंवर लागा/वाना पत्रना चुमना ठुप्ता वादिल होना संतरा प्रकार पैठना प्रविष्टहोना प्रवेस करना भीतर जाना हेलगा।

धसपैठ यनि पहुँच प्रवेश रसाई।

भूषट १ अवर्ष्ठन मार्क्सण पर्वो २ मोट ३ नक्तम ।

पूर पुरनो।

र्मुस देवृत।

र्षुता पूनामुक्तामुप्टिप्रहार।

पुषका १ चक्कर कारण चक्कर स्थाना चारों और फिरवा वरिचमाकरला फेरे सकाना २ वटन करणा मूमना किरमा यर्थेटन करना प्रस्थकरणा मद्दयस्ती करना वाचा करणा ग्रेटन करना प्रस्थकरणा मद्दयस्ती करना वाचा करणा ग्रेट करना ग्रेट-वचारा करना १ सटन युगलन मुगाई यरिफासक य्येटन प्रस्थ नटरकरनी यात्रा ग्रेट ग्रेटर कराटा बायावरी ४ फिरका ग्रुपना ।

पूछ १ प्रकोष पाँदी का परमा जाँदी का गृहा रिस्तत श्रीय २ पृक्ष (बडी वाति का)।

भूतकोर रिश्वतकोर।

पूजा है किन जुबूच्छा नक्ष्मण २ वर्का विकृत्वा निर्मात ।
पूजास्त्रव समित समित्रकर, वहा यहित विजीता पूजिल पुणोन्पाहक विद्यालयानक विद्यालयानी विद्यालया

मृभितः है । पृत्रास्त्र ।

ज्त है भी: प्रेरा है सहाठा बाका हाता है चनकर, शक बायरा परिधि सक्षम समय जुरा है सर्वोदा तीमा शीमारेका चहारवीमाधी

भारतीयारी। सोंसानसत मोंयू यह नेवमूक पूर्व (दे)।

धाँच दे बॉवादवंत ।

ग्रीहर्कः १ विश्वसता सीमनाः २ बायुत्ति करना योखना पृष्ट्रशना याद्यकरना बार-बार नष्ट्/बोस/पड़कर कंडस्व करना रहना

३ वीसना स्थवनाः स्रोतिसाः नीत्र बाजियाना कोता नवेपनः।

घोटाला धड़बड़ महबड़बोटाला महबड़ी शोलपाल वरता हैराकेछै। घोड़ा अथ्य चोट, चोटक तुर्वेस शुर्वम तुरंग वानि सेमब

हुय। पीकृ १ जवना पोटिका २ औना स्तूल ३ पुनीकी एक ने मेंग्री की सीकियाँ।

सोर १ वह बल्कट बचंड प्रवस २ तीवन तीव तेंड प्रयस् ६ कारतस्य वोरसार ४ वर्तिमन विकि वहुत स्वृतं व्यक्ति २ त्वंतिमन विकास स्वेटस् प्रतानक विकास ७ यना दुवैन वसन - निज नहा । स्वशिष्ट्रभना अवृत्रोवना एलान ऐसान विकेशी कोट पर भोचना विक्रोरा मुनावी निज्ञप्ति सूचना।

प

चंग कशकीया बुक्डी पर्संग।

चंदा १ आरोप्य तंबुदस्त नीस्य नीरोप प्रसा-पंदा २ अच्छा (रे) पमा सुंदर (रे) रे निर्मण गुढ साफ्र।

चेंगुल १ पत्रा २ काबू, पकड़ वस वस ।

चंचरील दे शीए।

बधीर सर्वात बस्चिर बातुर उत्तावना कपमान चटुम र्वजल 💮 चपम चल चलचित्त चलायमान चिलविस चिलविता चुलबुका चुल्ली बाबाँबोच बनमय बोलायित नटबट, मुराहा मोस विश्वनित इस्तमसूत्रत।

भद्रीरता बस्थिरता बातुरता बातुरी उताबतापन चपसता र्ववततः चिमविनापन नुसबुनाहट।

१ दे सध्यी २ दे जिन्ही। चंचला चंच चींच होर, सुंद्र :

चंद काइया बाव बुटा हुवा बाधाक धराना।

चैंदाल १ जीवास स्वेपच २ मत्याचारी कृट(वे ) कृदकर्मा

चालिस ३ कमीना शीच (रे.)।

चंत्रिका दे लंडी। भंडी १ दे बुर्ना २ उप कर्नचा चंडालिनी सपहासु (स्त्री)।

₹€ बस्य कुछ कुछ-एक कुरोफ योड़े थोड़े-से।

चंदन क्षराज पंत्रसार समयक समयोगुमक श्रीकंट संदन सर्पांबास सर्पेप्र पीला चंबन-पीतपत्र पीतचंबन हरि चंदन हरिप्रिय शाल चंदन-कुचंदन ताम्राम भारकरिय रक्तचंदन रक्ष्मसार।

चेंद्रमा चानाट गंगा।

चंदा १ दे चंद्रमा २ क्षमहती क्षमाही बेहरी :

वे चंद्रमा । चंदा

पत्रपृष दे विवा

चंद्रप्रमा हे चौदनी।

चद्रमा वनिव बन्धिय धर्माकर, वमुतकर, वमुतरिमा वमुताबु, रहु, उङ्गाति उङ्गात धर्माममुत बोपसीस कनाधर, कता निधि कुमुबंधु, कुमुदिनीशित स्थाकर, क्ष्मानाव प्रदाय चंदा चंदा चाँच छात्राक तमोहर तारकेक्दर, तारामीक तारामान कारायति तुचाररिका तुचारीकु विश्वत देगोकर, नहाननाच निवाकर निवानाय निविज्ञाय मर्थक महताव माहेताव मुक्कांकन मुचाक मेहताव रजनीयि रजनीय एकेत विश्व कवार, ववांक व्यक्ति शिचुकरमा पुथायु, मुखाकर, सुधारिस सोम हरियांक शिवकर, निवांसु।

चंद्रमुक्ती दे सुवरी। चंद्रवार सोमवार।

चंद्रशेकर दे विवा

चढिका वे चौरती।

वनक वंदा । धार्यमा स्वयंपुरम हेमपुरम।

भीवर भगर।

बक्ताबूर वंड-वंड वृद-वृद, हुवहे-दुकडे।

चक्रमा जीता दना शोवा क्ररेव चुनावा।

श्रकता १ श्रीषी हीरसा २ रदीप्याना वैत्रयानय ।

चक्का चलवाक पूर्णिमा राजिनियोगी सुरणाव।

श्वकाश्वक १ मण्डी तरह वशिक मात्रा में सून मरपूर मरपैर २ मण्डा जून बहिया ठाटवार, शवाबी बहिया चत्रती।

र जण्डा जून नाइना ठाटनार ननाना नाइना राजना। चरिता श्राम जाडचर्यणस्ति र्यन जीवक मीवस्ता निस्मित

स्तंतित स्तव्य हुनगावनमा हैरान । भक्तोर अधारमधी कौमुबीजीवन नविकाणायी !

भरकर समृतक झीतर वेंच कर सन्धा रे युसरा युसती विर चकराना है बीच चनकर, मेरा ४ चरितमा केरा संस्कारतर मति समयाकार गति १ सम्बन्धन परेमानी

हिरानो (रे )। व्यक्तिकार

चक्का पहिसा। चक्की चक्की चक्कियाजीत औरता। १ चन्नान्य सुवर्तेन चन्न २ तमया पदक मैडल (जैसे बीर षक महाबीरषक)।

भवपाणि भवधारी भवायुध विध्यु (वे )। वनधर

चकवाक दे चक्या।

चनवातः वनबर् वात्रचनः वात्याचनः।

बज् 🛚 श्रीधः।

चनुहीन दे संघा।

अक्समा आस्वादन करना बीकना जवान पर रखना बायका नेता रहास्वादन करना स्वाद मेना।

चचा अंत्रम काका चाचा पितिया पितृस्य पिती।

वचेरा ववाबाद विविधानत ।

चट बल्द बल्दी झट, तूरंत तूरत तूरत फूरत छोरन फोरन से पैक्तर जीम।

बदसीता महरा बाद्या जटक महरूरीमा धोक्रा।

चडनी वरमेह, गाँग।

चडपट **अभी भट, अस्य बस्दी अट दुरत दुरत तुरत-फ़ुरत अमा**-शीम शीम।

चटाई कुमासन मोनर, योजरी धरमा पाटी मेंडरी सामरी घीतनपाटी ।

चहोरा चटपटाप्रिय स्वारशमी स्वारमोनुष स्वारध्यसनी । चट्डान पत्यर प्रस्तरशंड शिलाबंड।

चड़ाई १ वे बाकमण २ वारीहण चड़ाव १ वशियातः।

चतुरंगिणी वे सेमा।

> चतुर कुशन बालाक दश निपुष पट्ट, प्रमस्त्र प्रदीम बुद्धिमान

(द) विज्ञसमाना नुभातः। ननुरता मुशमता बातुरी बातुर्वे बालाकी बस्रना निप्रयता पट्टा

प्रयत्मता प्रशीपता बुद्धिमानी (रे ) शवानापत्र । चतुराई **ब**ंदुरानन दे बहुता।

ব্যৱিদ चतुन्य बारों बोर, बारों बरफ़, समी बोर, सभी दिशाओं ने । ব্ৰুদ্ৰ t freg !

१ चावर बेडशीट २ वटी अंडी बेस चहरा चाहर, हुस चहर मुस भाम ।

भग भवक छोबा बूट, शहसा।

भाषता विषया।

चपसः वे वाध्यक्षः

वरराती अर्रती ववहासी पूरा

भाग अस्मिर, मस्मिरियरा चंत्रस चुनवुमा गटकट शोख । चरनता अस्थिरता चंचमता चुसबुसापन नटचटपना क्षोत्री।

भाषता १ वे विश्वती २ वे शक्ती।

वपाती पुगका स्थाकी रोटी।

दे चमकीमा ।

क्लोट १ माचात क्लेटा अस्का ए सावड धनावा कप्पड़ ।

षश्वरः मत्यर पीवराः।

बरोगा अना-बरेगा वर्षण दाना गूँवा गुवा।

थमक १ शाम बाधा काति चनक-धमक बनमगाइट तेत्र धमक बीप्ति पानी पीनक २ दे प्रकास ३ कीम कींग्रा ४ चटक चमक चिक्र चिताक वर्र ।

वसकार

कांतियान होना कांतिबुक्त होना कींत्रना चमचम भरना चमचमाना वयमवामा शिममिलामा वमकमा बीरियमान क्षिमा ।

वमकीला

चनकार

अभिवाम बारवार, बाजायान बालीकित चञ्चल कांवि कान जमनकार, जनकाता जमायम जनमन जनमनाहर बाला अवर-नवर, जाञ्चस्यमान क्यांतिवय क्योंतियेय क्योतिमान तैजनान बीप्त बीप्तिनान वैदीप्यमान, चृतिनान प्रकादमान प्रवासवाम सारवर रीनक्दार।

चनका १ जम्मच निम्मच १ नगटा निगटा १ पिछमानू। चमहा अन्नदी यात्र नमही वर्ग नाम निस्द स्वचा ।

चमङ्गी के बन्धा

१ बारताधिय कार्य अलोकिक कार्य वारवर्ष वाधात वसरकार वरितमा विसस्य विस्थयनमञ्जूषा २ अनुहासम् काव्य सौरवे विमधानता ।

बमार वर्गकार, मोवी।

चम् दे हेना। श्रमच देश चनवा।

१७२ / हिम्बी पर्वाय कोख

चयन १ चयन-किया चुनना चुनाई, चुनाव बरण २ चयनिका सहद्व सचय संविधना सेसेवतन (पुस्तक जावि)।

चयन करना चुनाव करना छाँटना निर्वाचन करना निर्वाचित करना।

चर १ पुण्यचर (दे ) जामूस घेदिया २ एमणी क्रासिव सपीर ३ पत्रवाहक संदेशनाहक संवादशाहक।

चनार र प्रत्याहरू चयमगहूरू स्थादशहूरू सरका सहना इस लीस स्ता सोबा करेर ।

वरण १ पर पर पाँच पैर-२ छंद घरण छंद-पद बसोक-घरण । वरणविद्व मस्तेत्रचय परिवृह्य ।

करपरा सीक्ष्म तीका तीता तैव परपरा।

धरपर पन विदार्व वीक्यता तीकापन दीवापन परप्रयुपन !

भरवी वर्तीमेर वसा।

चरम १ मित्र मंद्र मासिरी परवर्गी २ कर्मिंस्, चरमिंस्, चरमदीमा पराकास्त्र सीमांत इद ।

करमकारी अतिकारी करमणंत्री।

चरित १ आयवच्या इतिवृत्त इतिहास कथा बीवती वृत्तांत २ आवाद, आवाद-विचाद, बाचार-व्यवहाद, वरित्र जात व्यवहाद, करती करता ।

चरितामें होना १ चरणे होना ठीक-ठीक चटित होना ठीक-ठीक साथू होना २ इटाइटच होना हतामें होना धण्यकाय होना धण्य मनोरण होना सार्थक होना।

चरित्र : १ आपरण जाचार, जाचार-विचार, जाचार-व्यवहार, जास चनन जीम श्रील-व्यात २ एच्चरिचता सदाचार; १ मारावच्या इतिकृत इतिहास क्या चीननी कृतिन ४ कार- कैरेक्ट, शाव।

चरित्रमान बाधरनवान शीसवान शक्यरित साधु।

चरित्रहीन सम्म सामारा दुश्यरित पतित पापी श्रदकार, श्रदयसन वहमास सर्पना मुख्या तोहरा।

वर्षा १ उस्तेष निक्र नामनेता बयान वसने २ वात बातचीत बार्तानाप १ वहत बहुत-मुवाहिता वाद-विवाद ४ विचार, विचार-विसर्त १ वर्षा-गरिवर्षा।

चर्चित ब्यान ध्यावनामा पाना-माना विश्वनी चर्ची हो नामी

हिन्दी पर्याय करेश / १७३

दे बहुवमा । वहबद्दाना

पुदाना ।

बुद्व करणा बोसमा १ (वर्षन और शमन्तरा व इधर-उधर)

१ (पश्री) कमरमकरता कृतना वहचरणा वहचरणा चहुर नह श्रीमना अयुरव करना २ (बोमन) बुद्दना बहुकना बुहू

भारत क्सरथ पहुंचह बहुबार नयुर मन्द्र।

चीपा-पून पून बंध बांध नीसमी पुन । वह

आवन चाट देव बान सन ध्वसंत्र सीका चतकः

चयक जाम व्यासा सदयात मधुपात गुरागद।

चरमा

१ ऐनव गाँवस स्पेस्त स्पैस्त २ जलकोत नाना नोता।

चरमधीय जिलने आंधों ने देखा हो अत्पन्त अत्यक्षदर्शी (नवाह) ।

र्थाचम मन इतित विचलित। चसायनान

चनान भानाम रनमा ।

वसनी अविया माखा पालगी छन्नी छमनी।

भावना रक्षतकर होता रेगना सीटना सरकना हटना।

युक्तरना निश्चनना चुनुचना चंपल होना शतता नगता हरकमा हमना हमकमा हक्षममा विकास बोलमा बीवमा निवजना मी को व्यारह होना फिरना किवरना जान जाना

आने बहुना जावा नाफूर होता रातकता विस्ततना चलनः

म्बावहारिक होवियार। प्रवसन प्रकार त्रका रहम रीति रिवास।

१ (परिचर्मी सब से) काइयाँ बाव बुटा हुमा चंट बामाक चतता-पुरवा भामबाब दुनियातार, २ (पूर्वी क्षेत्र में) बतुर, व्यवद्वारकुलत

(य०म ) चनिष्य (स प्र )। क्सविष पित्रम, मुबी चित्रमा क्षित्रेमा ।

क्त : १ अरिक्ट, चंत्रक चलायमान चलता लंबक को बचल न हो (mobile) चनता-फिरवा (वि व व व ) चनवरीत

व्यक्तिवयम् पिष्टपेशम् ।

वर्मवश्च अधि वशु (दे ) नयन नेव नेन ।

भगेषार भगार (वे ) गीजी।

चर्न

साम भगवा (रे ) भवती समा।

प्रसिद्ध मध्यक्षर ।

बहत-पहत ब्यवाय रोतक।

चहारविदारी महाता चारबीवारी छरविवाली प्राचीर, हाटा ।

चौरा दे बणहा

चौडाल १ जीरम डाम स्वपंच २ अक्षम चंडाल नीच पतिय।

wie १ दे पहला २ कपाल-केंद्र सध्य स्रोपकी।

१ कोमूदी चंडिका चंडपमा जुन्हाई, जुन्हेगा स्पोलना चारमी २ क्लेंब जाजिम सक्ट क्रमें सक्टेन बडी बहुर, १ बँदवा

चेंदोबा चडातप दितात।

चारी मसबीत रशत स्था रीप्य।

अवसर, मौका बक्न स्वीप समय। चांस

कमपति (पश्चमे धनता था) कुलाविपति (वर्ष) । वाससर

दे मौकर। चाकर

चाकरी वे गोकरी।

খান্ दे छ्री। अक्त काका चचा ताळ, पिविया पितृस्य पिती।

चाचा चाची: माटो पानी चची ताई।

वे चापनुसः। चादुकार

चारुकारिता वै चापसूरी।

परिष्ठाः परीकाः । चानक

१ नुक्रमता अबुराई, बातुर्व बशता निपुणता पट्ता चातुरी २ दुनियाबारी व्यवहारकुष्टलता व्यवहारवसका व्यवहार पट्ठा व्यावहारिकता १ बार सी बीसी वालाकी प्रबंधना

होशियाची । चादर १ वे बहुर १ २ बत्तरमंट बत्तरार्थय उत्तरीय दुक्त गाल ६ बोइनी चुम्नी दुषट्टा दुपट्टा पिछीरा पिछीरो।

भाषः १ दे धनुष २ अर्थेनृतः १ नृतीय। वापसूस मुमामयी सुगामदी टट्टू चाट्कार नस्तीयणा करनेवाना । बापन्छी बनावर वादुवारिता वादुकारी टकुरसुहाती सस्तोवप्यो

स्तवम् । बारमुली करना वृशामद न रना टबुरमुहाती करना तेल श्रयाना तेल मासिक करना वैस-भागिस बूट-पॉसिश करना बूट गॉनिश करना मक्कम समाना मकनियाना ससका शयाना सूर-प-सूर

हिन्दी पर्याय कोश / १७४

मिनाना स्वर-में-स्वर निभाना ह्रां-में-ह्रां विसाना ह

बाबी कृषी बोसनी बामी वाली।

चामुछ कब कोड़ा (दे ) बेंद बॉटा सोटा इंटर।

बाधी दे बागी।

भाग दे० चनदाः।

थामर चॅनर, चॅनरी चौर।

चार्मुश देश दुर्गी ।

चाम चामहादीः

भाषपानी भनेवा वसपार माध्या :

भारत कोवियायक संदीयन धाट।

चारनेवारी वहारवेगारी (वे ) वार्वदी बहरवनाह :

कारपाई बटिया खटोला खटोलमा खट्या खाट पर्यक्र प्रसंप प्रसंपती पर्मेयरी भन्नी सैया हेचा ।

चारशाम । उद्यान उपना पाचे मनिया शरीचा शाह ।

भारा १ वस्त्र (वे॰) तस्त्रीर (वे ) तस्त्रीय दुवितः २ प्रदूरी पास नेहना।

बाद बाज्येक कवनीय बुबयुना बुदयुत्त दिसक्य श्रमोरम मनोहर रमधीक रमणीय रस्य घीवर क्यशन सनाव सनिव सबोना सूंदर (दें ) बुरस्य श्रीस्व हसीम

हुदवशाही।

चावता है भुवरता। - चार्च है वारोप २ कार्यधार, विम्पेसरी विध्येषारी।

बार्ट १ वालिका २ बारेक वनमा स्नरेचा।

चाल १ चाल-बाल २ वित, तेजी एखार, नेव १ चतुर्घाई कर बात चालाणी बूर्वला बूर्वलापूर्ण चाल ४ दिक बीच बीच वैंच हमर्गका १, उत्तान सम्बीध संप्रीत सर्वीय स्वीता ।

बालक १ प्राप्तर २ गामसट-१ संगासक।

कालकान बाचरम (दे०) चरित्र (दे )।

सासहरम १ गोर-गरीहा स्थवहार २ शांत्ररच वरिष (दे ) पान समगः

बाजबाद पर्या नाइनी जलना-पुरवा (पश्चिमी द्विरी क्षेत्र ने त्रमानत वर्ष में) छमी सरवाद, मूर्त । वे जानाक मी।

१७६ / दिन्दी स्पॉन कीस

चात्तवाडी १ कपटीपना काइयोपन छम बूर्वेता नीचवा पाडीपन पाञ्चीपना मनकारी। ३ चामाकी थी।

चालाक १ जस्ताव काइयाँ पाच नृटा नृटा हुआ वंट वयड़ चतुर चलता-पुरबा (पूर्वी प्रवेश का सर्ये) बुनियावार स्पवहा-कुलल स्पावहारिक स्थाना होवियार, २ उस्ताव कपटी चनता-पुरबा (परिचयी प्रवेश का सर्ये) चालवान स्रतिया स्नती हुप्ट, यह हवात ३ कुमल बस निपुण पट्ट प्रवीश।

छमा बुष्ट, यह ह्वरत २ क्रुयन वस निपुत्त पट्ट प्रवीप। बालाकी उस्तावी कार्यापन बावपना चंटह वपहुपता चहुरता चतुराह वार्युच चातुरी दुनियावारी स्वानापन होतियारी। वे चानवाजी थी।

वात् १ उस्तार २ कारवी वाव पुटा हवा वंट वयह वयुर, वसता-पुरवा वासवात दुनियादार व्यवहारहुडस स्थाना १ (बीराम) वरिष्णहीत हुरवरिष वंपट ४ वर्तमान (दे ) १ (बंगावि) नाम करता वसता वसता हुवा और और-ठावः

बाबन १ बान २ तेवृत तबुत १ पात ४ बस्न बण्डत। बाह १ बिबनाया बरनाम साकांचा १ण्डा १एडा कामना बाहिक क्याहिक चाहत बाहना तमना बीडा मनोरप मुख्य सनक मानसा १ बच्च २ बावस्त बनुयय प्रीति मेन (१) मुहस्त ३ बाय।

बाहत दे बाहर २। बाहना बीमिनाया करना क्या करना जी बाहना जी में बाना मन करना नन ने बाना बावि। 'बाहर (श्वचा २) के पर्यायों ने करना 'होना' बोहकर करा पर्योग कनाए जा स्कटे हैं।

भागा वनना नुहाना चोहना। बाह्मेचाना अभिनाचि बानोची इच्छुक क्याहियमंद। बाह्य हुना बमिनाचित अभीस्थित जमीस्ट आकांक्षित इच्छित इस्ट इंसिस बाहित।

चाहै १ समजा याचा २ ६च्छा हो जी भाहे सन में आए। चिमारी दे चिननारी।

चियाङ् धर्मना रहाङ् जिस्साहट, चीखाः चित्रक चित्रन करनेवासा विचारकः।

विदान गौर, विदान-पनम स्थान विवार छोव सोव-निवार। वित्रमीय १ चितन-मनम-बोख विचारणीय २ खराव चिताननक इरी कोवनीय।

१ नटक तमझन चटक बटका बुटका दुन्तिकता सीच १ परवा परवाह क्रिक है बरिवा बार्चका बदना हर,

चिता करमा बासंका करना भावकित होना उरना हुनियता करना क्रिक वितासस्त है चितित । वितातुर

वे चितिता

वितामिक कामवमिक विवासित ।

चितित वधीर बादुस बादुर विक्रम सुख्य चितासस्य चितादुर विवायुक्त फिनमह बेटरार, विक्स विक्रिया ध्यह ध्याकुम

१ जितानीय जिताजनक जितापूर्व २ जितानीव विकारचीय। विच्या विश्व

वितरा विवस विधिटक पूजा।

है विभागन तिमामिती २ वटक वसक विस्तृत वील चुक वर्त ।

. वित्रमा-बुण्डा विकस्य विकसम् गिव्छिम् मसूब पुविकस्य -पड़ा-निर्माण्य बेलमं बेहमा।

१ विकान विकासहर विकासन समुख्या स्विधावा रे भी पूरा । तेम लेह ४ पर्वा। विवित्सक कॉनटर बैस हकीम !

विकित्ता हमात्र सम्बार, बना बना-साहः।

विकितालय वररनाम वीपमामय श्वासाना वद्मासाना हरण्यास हासप्टिम् ।

बिरिसासास्त्र मात्रुविज्ञान भाषुर्वेद प्रचमारसारम मोचिवज्ञासम् स्वास्थ्य है जाम।

देवका तका हिमका

विदरी है विदुरी २ वायाच अस्य वात्रा विविद् करा बीहा

१७० / हिन्दी पर्याय को श

-मर--मत्यस्य अस्पमाना मे बरा-सा चोड़ा-सा।

विश्वकतः १ उक्कता २ फटना।

बिरटा १ गोध बोरा-बिट्टा २ कोत सफेव।

बिद्रा वाता पिहरिस्त बही सेवा नेवा-नोबा सूची हिसाब-बाता

हिसाय-बही। विश्वती विद्वी-पत्री क्रत पत्र पाती।

विद्वी-पत्री क्व-किवाबत पत्र-व्यवहार पत्राचार।

चिद्दहीरली बाकिया पोस्टर्मनः।

विद्विषदा असहनशील विद्वनेवाला पुनवनिवास वदनिवास।

विका दे पितरा।

विदिया अब चटक चिटा चिर्दा शीडोव्यव वंछी वसी व्हेक पीकी

पासी बनपाडी विहंस विह्यम विहन सकतः। विदियाणानः विशियाचर वः।

विद्रीमार वहेसिया व्याध व्याधा बाङ्गिक।

विक १ दुक्त कीज बीस शस्त्राहट शुँसमाहट, रोप २ नवि

যিদ সুধা অনুদ্ধা দক্ষতে বিশ্বি।

বিশ্বনা স্বাৰণা জীৱনা বিশ্বনিয়াল দক্ষানা দ্বীত্বনা

স্বাৰ্থ চীনা বিশ্বনা বিশ্বনা।

चित्त १ संघर, संघण्डल अवर्गन जिल्ला मन मानस हृदय

२ उतान पीठ के बस । वितक्तकरा १ कमरा वर्जुर, जितमा २ बहुरंगा स्वविदंगा स्वतरंगा।

चित्रवन १ वृध्यि वैचना नकर २ गन्धियों सारमा कनिवयों से वेचना तिरामी नकर निर्यक्त विध्या

वितेरा वित्रकार,पेंटर,सुसम्बर। वित्त नैयणरम सैयर,अंटरतम सैयमन सैयस् वित जिसस की

विस भन मानस हिय हियरा हृदय।

विशास्त्रक आकर्षक (दे ) मनमोहक (दे ) हृदयपाही (दे )। विश्व १ हाईन तनवीर, तस्त्रीर पेंटिन प्रतिकृति २ छापावित्र

क्रोटो। विवस्ता विवस्ति हाईस पेटिन सुस्थिती।

वित्रकार कतानार विवेश गेंटर मुनिवर। विवनार वित्रका हाईय गेंटिय।

द्विर्णा पर्याय क्रोस / १७१

विजयः १ वंकन संदेशन विज्ञांकम र निक्रमण वर्णनः १ व्यक्तम विज्ञाः १ व्यक्तम विज्ञाः १ व्यक्तम व्यक्तमः विव्यक्तः विव

विपविताः विपक्तेत्रासा सञ्चार, सतीसाः विविविपत्तमः असीसायनः

> विषयी देश स्थाना ! विद्युक्त दूस्की दूस्की धोड़ी !

विषया क्या दशका वस्तुपनाहर

विमनी धूनांकतः।

चिरंकीय १ सायुष्मान् चिरंजीयी चिरंजीयी चिरंगुः, रीपंजीयी धीर्चातु २ चिरंजीती हो यीर्पंजीयी ही यहुत दिन नियो सर्वजीय।

विरत्य किरायत वास्यत समायत २ अवीमी पुराशामिक पूरा-काबीम परातन परामा प्राणीत।

चिर विरस्तायी वीर्णस्थावी बहुछ दिनो तक टिक्ने/डहरने/रहने काला:

विरकास बीर्वकाल बहुत समय ।

चिरवीयो असर, आयुष्माम विरजीय विरंतीयी विराष्ट्र, दीर्पजीयी दीवांपुः

चिरनिशा मृत्यु (हे ) मीत (हे०)।

किररमामी अगर, विशंतन टिकाझ, बैकिंगीकी बहुवीकी बहुत किमें एक टिक्ने रक्षने कामा आवनत स्थानी है ।

विरामानीय १ सवा-सर्वया स्मरण करने योज वहाँ दिनो तक याद करने शायक २ पूजनीय (दे०) पूज्य (दे ) १ वीतिवान (दे ) सक्षानी (दे०) ।

विराय दे बीपका

चिराग्रसन विराग्रसनी सैवट समारान ।

विरायु बायुष्मान विरजीव विरजीवी रीवेंजीवी रीर्मायु दीर्वायुष्म।

चितक वे वर्द।

विस्तर्पों कोभाहस पीक्ष-पुत्रार, शोर-पुत्र शोर-पुत्रार शोर-गरावा हस्ता हो-स्टमा।

विक्ता समुधनी दोरी प्रत्येचा।

चित्रमाना श्रीमाहम करना चित्रमाना श्रीकता-चित्रमाना श्रीकता-कृत्रमाना गरियामा वाप-रे-वाप करना ग्रीर करना/ नवामा ग्रीर-मृत करना ग्रीर-करावा करना हुस्का करना/ मचाना हो-चन्ना करना।

बिल्लाहरू कोचाहक विस्त-मीं बील बील-पुकार, बोर, घोर प्ररादा

गोर-पुश इल्ला हो-हस्ता।

विष्टुक दे दर्दे।

चिह्न १ समित्रान पङ्ग्यान २ सलामट इतित चिन्ह निहान साइन विजयत ३ साधार फला संदेश संसादना ४ साप दुरमार्च मार्च मार्च १ स्रीक स्रोकेस्य संदेश संकेतक संदेशिक्षण ९ स्रोक बोबक सम्बन्ध

चींदा कीरी विवेदा विद्वा व्यूटा।

भीटी भिर्वेटी भूटी पिपीतिका। भीक्ट येदा मैसा (है )।

वीच : मंदन विस्ताना विस्ताहट, वीख-पुकार वीत्कार:

बीज भीज-मता हमा पहार्थ मता।

चीड सनीवर।

धीइकाइ दे चीरफाइ।

भीरकार अंदन विस्थाना विस्ताहट श्रीकृ वीकृ-पुकार, विवाह विष्याह विचाह ।

चीनी १ जोड़ बूरा शरूर, शक्कर, शक्करा २ दोन-निवासी चीनवानी ३ चीनी भाषा:

चीक प्रधान प्रमुख मुख्य। चीर कपडा पट बगन बस्प (दे )।

भौरता १ भीवना भीरतान्ध्रहता छाहता विदीर्थ करता २ ऑररेशन करना भीड़-साह करता भीस लपाना बर्राही

हिन्दी पर्यान कोस / १८१

**करना शस्यक्रिया करना सर्वरी करना ।** 

भीरकाड़ -

- बॉपरेकम चीर-पाड़ चीरा जराँही सस्यक्रिया सध्य विकित्सा सर्वरी ।

चुंगी नायातकर, कर वृत्दी, पथकर, महतूम भासकर, मुख्य,

सीमा कर सीमा नुस्का

प्रक मैंधमेर ।

ব্ৰণ चुम्मा चुम्मी चुनमा चुमना-चाहमा चुना पुरुषी बोठा मिह्ठी।

बुक्शा वदा चुकरों निज्लेय देशक।

बदा होना चरम होना खाला होना चुक्ता हीना निःकेप ही कुमना

वाना बाकी न रह जाना बेबाक होना बेबाकी होना।

चुकाना (tepay)--अवा करता चुक्ता करवा देता नि संब कर देता

प्रतियानकरना (ग. प्र०) वेशाककरना संबक्त करना (बि०)।

बुरमङ् श्रुतिया पुरस्य पुरसा सरका सकीरा। चुप्रद १ (पत्ती) उभूक उत्तम् (दे ) २ (व्यक्ति) उत्तम् वेदकूक, पूर्व

(T)1

चुनमसोर इसर भी संबर लवाने वाला भवाई भूगमा भूवली करने वाला मारव निवक पिश्चम नयाने-पुत्राने नाला पुत्ररा । **भू**यतकोरी इबर की उबर सवाना जुनकी जुनती करना समाना-बुप्तामा

मृतरई ।

चुवती इप्रर-शी-दक्षर सवाना भूतमधीरी मुतरई। इप्रदेशी ब्रह्मद सवामा भूवती धामा/समाना नारव का सिन्य भुक्ती करना

**ही**ना नारव होना लगाना लगाना-चुनाना । १ वॅश्रीतयों से पुट पुट की भाषाक २ वटाश छीडाकची बुटकी र्दब ठाना फन्ददी व्यंग्य -बजते--जान-नी-भान में

बरपट, झट-बट, सुरत-पूरत देवते-वेवते वात-बी-वात वे । मजेबार बात सतीका। चुरक्ता

चुरी चुटैवा चुरकी चीठी निधा ! वृदिया १ बाइन बायन विकासिनी प्रेवनी भूतनी २ उवा कर्नेबा चुरैत

प्रचंडा रथमंडी ६ ब्रूबमा। १ चयनकरता चुनावकरता छेटाईकरता छोटना विश्रीपन

बुनगा करना निर्वाणित करना अश्य करना २ (ईट मी) विनाई

चुस्ती मर्गनिस्य अस्पपता हैजी तत्पत्ता फूर्वी मुस्तैयी सम्बद्धा। चुहल ठट्ठा ठठोसी ठिठोनी दिस्तवी पश्चिम मबाक हुँसी-उट्ठा

१ कसा कसा हुवा संग सेकरा २ अधियित बश्लव को बीना न हा भुस्त-पुरस्त तत्पर निरामस्य फुर्टीना मुस्तैर सम्बद्ध ।

भंजनि अँभूरी। बुर्मा षुस्त

चरारती वैद्यान।

हरना वे क्रिपाना हकता हुयना मुकाना । १ जनम जपम जुल्सी २ कपनी वपत्रवी नटचट, पात्री चुतवृत्ता

पुरनुरा चुराना : १ (बस्तु) बड़ा नेना चोरी करना छोरना नै उड़नाः २ (व्यक्ति) अपहरण करना अपहृत करना हरच करना

कराच नुरमुख।

चूमना चूमना वाटना बुखराना बुखारमा पुचकारमा प्यार चुनकारना करना ।

कोषना कोचना बढ़ाना वृत्तेष्ठना चुमोना बँदाना बदाना चुभाना बींचना बेचना भवना मोकना।

चुमना १ यङ्गा बुधना बैसना २ अध्ययना अच्छान समना कौटा/ धीर/नक्तर-सा भूमना कीटे-सा खटकना/पड़मा न स्वना नायबार युक्तरना बुरा लयना सासना १ अन मंबैठना।

चप्पी १ भागोधी निस्तम्बता गीरवता यौन २ सन्ताटा।

मुम्मा भूम्ना भितरभाउस। चुप्पा

बोसे बिना बोसे-चाने।

निर्वोक साक्साम। चुपके चुपके से भोरी-कोरी धीरे-धीरे से बिना बताए, बिना चुपदाप

१ कामोस मौन बांत सन्त २ बदाबु कामोब नियत्तर चुप

चुम्नी बोदनी दुपट्टा दुपट्टा २ चूनर, चुनरी।

चुनौती आह्वाम चैनेंत्र ससकार -देना--चैनेत्रकरमा ससकारता ताम ठोंक कर भुनौती बना तास ठोक कर समकारता।

चुनाव एसेक्टन अपन निर्वाचन मध्यान वरण सेनेक्टन। সুবিধা वण्छा पुनाहुवा छँटाहुवा वहिया।

चुनाचे दे इसमिए।

रूरना चुनाई करना चुड़ाई करना।

## १ वर / हिली वर्षाय कोय

केवस कंगर देश नहाँ एक महाचारी नस्ता कीतसा। केटी अनुसरे सेटी सतो शेषपानी परिपारिका वाँगी केविका। केटी चेत्रणा आन संता नुकनुष होत्व (दे ) होश्वन्यत होगा हमासः

भेक १ सवरोध दकावट, रीक बाधा व्यवधान २ बुग्यट देवक बुंबी ?

बुत्हाः १ बुत्हा-बोका २ बुत्ह बद्धी बक्ती। बुह्याः बेबुर बुधा बृहिया बुधटी मूच मुक्क बुध मुखा।

*मीडना चाः* करमा।

बूर्च कृता कृता कृता वातार, पंत्री कृता छन्न । बूर्वे अरमा कृता कृता कृता कृता/कृत करना पातार करना पीतना सीटना सारीक करना कृत्रनी करना पहीन करना सकुछ

भूरन द नृतः। सर्वे सरक सम्बद्धानाम् व्यक्ति सम्बद्धाः

भारकरशाः भूरत देशूर्वः

चूनः दशकना रिक्षना शीक करनाः । भूमना चुन्तन सेनः चुन्मा सेनः चुन्मी सेनः चूमवा-बाटना साह च्यार करनाः ।

चून १ आदा निवान गैंगा २ पूर्व गाउक्य, बुकती। चून: क्षममा शिवना शीक करना।

चूतर मुसर अपन निर्दय ।

भूत १ माम माम रक्ताच (पेड़) २ हुर, घन योति।

भूत्राकमः भूत्राकरण सुननं बाल नुत्रानाः । भूतौः भूता संकल कंपनः कंपना पहुँची वससेट, सङ्ग्री ।

मूहा १ चित्रहा १ चीटी (है॰) पृष्टिया मुहा जिला ह

भूमी कुल भूमी नगोधर स्तन।

विश्व कर कार्या २ अवसर कोगा शिक्ष कर बाना भीड़ा पुकरा वा कोरा शुक्रवसर पूकरा था की देना ३ पूक बाता पुट बाना शुस्र-पूक हीरा यह बाना ।

मुक्तः १ अबुद्धि करना ससती करना भूत करना वृत-वृत्र करना,

क्ट्रा हास्य-वियोगः भूक बमुकि मसरी भूस मूल-क्टाः

पुरुत्तवास ठानेबीवास दिस्तवीवास प्रशास्त्रिया मध्यस्य, विभोधी । पुरुत्तवासी ठट्ठा ठठोसी ठिठाली दिस्तवी परिदास सञ्चाक हुँसी

ह्यस्य-विनोध ।

बैतन सीवद्यारी ज्ञानपूक्त प्राणपूक्त प्राणकान प्राणी।

चेतना १ चेतमा जान संज्ञा मुख्युध मुखि होत होत्र-चन होत हवास २ चेतमा चारण जास्ति जायरण्या १ वॉर्स बुनना बोर्कों स परसा तकता/हत्ना चोरण्या होता स्थन होता होत से बाला।

बेताबमी बार्निय।

चैन जंबीर, वेडी शृक्षसा।

बेरी अनुवरी वासी भीकरानी परिवारिका बाँबी सेविका !

बेसा विद्यार्थी साविवे जिप्य।

बैप्टा कोशिश (४) अवल अवास यला

चेहरा आष्टित सामन चहुय-मोह्य मुख्य मुख्या बदन यक्ता। चौतः भीत्र वसतदुत।

भैतम्य चतन चतनावरवा मै सुध-बुध मे होस म होश-हथास मै।

भीती १ स्वी २ चैठा चैत्रवीत ।

चैन समन-चैन साराम निर्देश्ववा चावि सुख मुख-चैन नुख-सावि।

चैत वपड़ा कपड़ा-सत्ता चीर चत परिमान योसार बसन वस्त्र मिनास:

वैत्य चुनौनी ततकार।

चौंच चंच, टॉट होए, तुर ।

बोकर डिलका भूगी।

भोचा १ अच्छा उत्तम क्या वर्तिमा गुढ २ ईमानदार, क्या निष्कपट, सन्मा ३ जामनेवार नवेवार, सुस्वाद स्वादिप्ट

४ मरता मर्गा मुख्या मुखी ५ तक बारवार, पेता। चौट १ बाबात मात टक्कर, ठोकर, प्रका प्रहार, २ माव कदम तम १ बालमण बार, हमला ४ ठेम।

कोटी १ चुने चुटिया चुरको तिथा २ नवरी केशपास जूटिका खूडा परोटी केशी ३ शिखर, सीर्थ गृत ४ चरम दिदु पराकारका पीछ।

भोवदार वरवान द्वारपान पहरेबार, प्रतिहार प्रशीहार ।

चोर जनका बडाईभीर ऐकागारिक कवाक कवाक मठका मठका निष्कृत चौड़े चाई, चौट्टा चौरक चौरटा वेदकर वेदकार ठम ठीनमा वर्षेत बाक तरकर, वस्तु नक्यक बटमार राह्यन नुटेश बंबक संधियाबीर हारीत । बोरी स्टाईनियी विश्वकटी तस्करी बटमार, राह्यनी नृट नृट पाट नृटमार।

चीला १ तर देह बदन मरीर (दे ) २ जेनरका चीमा सवादा ।

भोती है क्षेत्रकी-१।

चौंबना १ नर्चना / सचरव / तात्र्युव/विस्तव/हैरामी होगा बात्यवें होया कात्यवेचिक होना चित्र होता २ कान यहे होया चौकन्म / यदस्यर/वोकस/धनक / धनके / धनक / होत्रियार होना ।

चीक योत वसकर वसकर वोमुहानी चीराहा २ सीमन प्राप्त सहस ३ विशाद (चीनर सादि की) १

चौक्क्ष्मी १ उक्क्षकुर उक्काल पुतान पुतान कुर-परिर चौकाल कर्लाय कर्लाय २ पुट पुट्ट विरोह चढालचीकड़ी टोमी इस मंदली।

भौकलाः १ धवरपार चौकत कायकक पावत सबस सबस सावतान क्षीतिकार २ मावकिन अभिन सबक ।

भौकस १ देश्यीगमा १ २ अच्छा सामा छमदा छए योचा दुस्स्य अहिया १ युस्त-दुरस्य शंदुष्टन गीरीम स्वरम ४ यामाक (१):

भ वालाक (ह )। व्योका १ (बार का छमूह) चीजा वीवा वीवा वार्य से २ रजों का चीका ३ जूम्हा-चीका वीका-जूम्हा चीका बर्तन भ चीक ३, जरूका चीकी होरिया।

स्तान व चाक इ.चरचा चाका हु। रक्षाः सीकी हे तका दीवान २ बहुबा टिकान वेटा पहाच स्टेमन स्वान ६ सुगीयर ४ पहुरा १ चयमा होरिया।

चौद्धीदार योश्रहत गोईत गहरेदार प्रहरी रखसाना । चौद्योदारी प्रवस्तारी चौद्योदारा बहरेदारी रखनानी । चौद्योर चतुम्पीचक चौद्योता चौपट, चौर्यूटा ।

भौतरा भीतर केंगा

भौपान पोनौ ।

बौतुमा अधुर्दम चरनुमा चारपुमा जीवमा चीनुमा।

बोहर कार्रवार, परमा पोहाईबामा पोहा-परमा पोहानवामा मोहमा। चोड़ाई अर्थभोड़ान भौड़ापन।

चीतरा वे चबुतरा।

भौभ भवूनी।

भौजाई चतुनील जीवा मान पाद पाव।

चीवापन चतुर्वानस्था शुद्धाई वदापा बुद्धानस्या ।

चौत्ररी चौष्ट्री नंबरबार, प्रधान प्रमुख मुखिया सरवार सरपंच।

श्रीपामा जानवर, हंबर हॉबर, पत्र, मबेशी ।

चौपास बन्दिया दालान वरांदा क्यामदा बैठक बैठका ।

भीवें चत्रवे चतुर्वेशी।

चीमक चीमक धनका।

श्रीमासा वतुर्मोस वातुर्मान बरसाठ वर्षान्तस, वर्षाकाम ।

चौरस बरावर सपाट समतल हमचार।

चौरा क्रम चबूतरा मनवरा वेदी समाधि स्तूप । चौराका नॉसिन योत चनकर, चकर चीक चीमुहानी चौरस्ता

एक्। नायन पान नगरः भौरास्ता मोहुद्राः

चौहरी सीमा।

(शहर कामा । स्मृत पिरा विराह्मा पठित घट विवित्तत -होना—विरता पिरावट झाना विवता दिय जाता भीचे बाना पठित/घट/ विवित्तत होना स्टामित होना ।

च्युका वे चित्रका।

## Ø

छमा खेन्स खंद खटेना छोन्स।

स्टेंबना (पुनकर) अभय किया जाना असम होना स्टेंटर चाना निकास काला ।

स्र्वेंग्ली (retrenchment) कटीती (उ. प्र.) वाणी काट-स्रोट (म. प्र.) स्टेंग्ली स्टर्गी स्टर्गी, संस्थाफ (sorting) स्टेंग्ली स्टर्गी (संभी) स्टीट स्टर्गी स्टीटमा।

मेंदा छेटा हुआ। १ (बुरे अर्थ में) अन्त्रत नंबर का परसे दर्जेका परसे सिरे का (बक्माक पानी कुट मैदान बादि) २ कुट पानी बक्माक

हिन्दी पर्याय कोत / १ ५०

बटनार राह्यन नुदेश बंचक नींश्याची८, हारीत :

चोरी बस्पहिंगी विख्यती तनकरी बटमार, शहबनी मूट मूट पाट, सूरमार :

मोता १ तन देह बदन, मरीर (र ) २ मेंपरचा बॉपा तबारा।

योसी दे संपूरी-१।

चौकवा १ सर्पमा / समरत / तात्रमुश/तिरस्य हैरावी होता आरथर्से होता आप्यर्चणित होता पत्ति होता २ तत्र सहे होता चौकता / समरामा / प्रमास / समर्थ होता २ तत्र सहे होता होता ।

कीक योल चनकर चनकर, चौजूहानी चौराहा २ बॉयन प्रावप सहस ३ विसाप (चीनए-सादि वरी) ।

च्हा र स्थान पुत्रात काल काहर १ स्थानका राष्ट्रास शुरात तुलीक नृष्-परि कीरास कलाय, फर्माव २ पुत्र, पुरुष, पिरोइ कडाककोन्छो होसी, इस प्रेडकी र

बीकमा १ बहरमार मीनस मायकन मायण समय स्वयं सावमान होस्यार, २ मामनित सनित सर्गकः

बीरस १ दे बीरमा १ २ अच्छा शाका उपण करा चोका बुस्त वृद्धिः ३ बुस्त-दुष्म तंदुष्टा नीधेस स्वस्य

४ मान्यक (दे०) । हिर १ (बारका समुद्र) चौत्रा चौत्रा चौत्री (साम्यादिन) २ रतों का चौत्रा ३ जून्या-चौका चौत्रा-मृत्यू: चौका

बर्जेन ४ जीर- १ जरता चीती हीरिसा । चीची १ स्था दीवान २ बहुबा दिवान क्षेत्र पहाच स्टेबन स्थान १ चुनीमर, ४ यहरा १ वरणा हीरिमा ।

श्रीकीशार योहत्त्व शोहैंज पहरेशार अवसी रखनासा । श्रीकीशारी श्रवत्वारी श्रीकीशास पहरेशारी रखनाओ ।

श्रीकोर वपुष्टीयिक वौशीता चौकद, चौर्युदा ।

श्रीकाश श्रीकट, मन

श्रीपात्र पोत्रो ।

बीनुना चनुर्वृद्ध चरपुरा चरएता चौदना चौदना।

चौहा वर्षेत्रार, पत्रमा चौड़ाईवामा चौड़ा-पत्रमा चौड़ानवामा बीहमा । चौडाई सब चीड़ान चीडापन ।

चौतरा दे चदूतरा।

चीव चतुर्थी।

चौंपाई चतुर्यात चौंया शाग पाद पात ।

चौबापन चतुर्ववस्था बढाई बढापा वृद्धावस्था ।

चौक्री कोष्ट्री नवरबार प्रधान प्रमुख मुखिया सरबार, सरपंत्र।

बौराया जानवर, बंबर, बॉयर, पलु, मंदेशी ।

भीवास समित्रया द्यामान बरोदा बरामचा बैठक बैठला !

भीते भारते प्रत्येश ।

चौमड चौबड़ व्यवहा ।

भौमासः भतुर्माम भातुर्माम बरसात वर्षानृत, वर्षानाम ।

धीरस शराबर, तपाट समनत हमबार।

श्रीरा अत्र त्रबृहरा मण्डरा देशी समाधि स्तूप।

चौराहा नांविन योम चनकर, चनकर चौक चौमुहामी चौरस्ता चौरास्ता चौहुद्रा ।

चौहदी सीमा।

एड्ड्रा थाना। च्युत गिर्मालम्बाह्मा पतित ग्रस्ट विचित्तत -होना—पिरना पिरावटक्षाना विचना दियं जाना भीचे माना पतित/ग्रस्ट/ विचित्तन होना स्वस्तित होना।

क्यका दे चित्रका।

## 它

र्षेया चौगुरा छंबू छन्दा छोगुर।

र्छना (पुनकर) यसन किया थाना असम होना छोटा थाना निकासा थाना ।

प्रेम्मी (retrenchment) बरीती (ज प्र ) कमी बाट-छोट (स प्र ) छेटाई छन्नी छटाई, स-माफ्र (sorting) छेन्नी छेटाई (सभी) छोट, घटनी छोटमा।

मेरा ग्रेंस हुआ १ (बुरे जर्म में) अन्त्रम नंबर का परसे दर्जे का परसे सिरे का (बदमास काबी कुट, मैताल आदि) २ कुट पांकी बदमास

हिल्दी वर्षीय क्रोज / १ एउ

बैदान १ पासक धुर्वे ४ अच्छा मुनाङ्गवा पुनिशा बढ़िया।

<del>चें</del>दाई रे छेटमी।

संद १ पता बहर २ कपट छक्ष बूर्वता (वीते छम-छंद में) के मंत्रिक मंत्रम ।

<u> पंशेरह</u> पश्चक बहरनंद ।

र देशा बैलपाड़ी रेड़ी शहिया सढी शायड़ २ कवाड़ **BACK** क्रमहा गया-मुजारा टूटा-मूला रही रही-सही अहड सद्वह (बस कार वाबि को बैंसपाड़ी-वीरी धीमी पति से करें)।

अवाना भी घरकर बाना तृप्त होना तृप्ति होना । प्रकार

कर का समृद्ध (ताथ मे) छकड़ी क्लकी सिक्सर (विकेट मे) स्रम्भाः -पंजा---१ फपट-छम भाग मामवाबी धूर्वेटा बदमादी २ सुध-तुम होन-हवास (में उट्टेंग हो सक्का-पना भूत बाबोये)।

तक्षमा तक्षकामा परेकान होना वेचैन होना व्यापुण होना। **इट**पटी गा

स्थवटी १ वेचैनी २ मानुसता मातुरता व्यापुनता।

स्या **स्व**स्ट्रेरती छनि अब योगा सब-बन सुरस्ता (है॰) ।

छठमा समी पण्ड । 801

१ अकेना एकानी २ व्यक्तिसहित क्यारा क्यारा हैर **B**\$1 शारीचुदा ।

कमणी बोबी बंडा बेल वस्टि सदर सक्टिया बनुटी साठी स्वी सीटा सोंटी सीटा सोटी।

क्सरी

१ भारत २ भ्रम । १ छत्री छाता २ राविवङ्ग रावछन ३ कुकुरपुत्ता थुनी 審书 <del>क्रमक भूकोड़ पवरम -क्रामा---।।श्रमकाम सरम सामा ।</del>

सम्बद्ध दे रागा।

१ कृत्रिय (गैरा छत्रमवेक) युष्ट २ वनावटी कवट छन (छन **अ**श्म छद्म मे)।

सनक-मनक छनकार, छन्छन, संकार, सनकार, अनक्षानाहर 製作家 बगञ्चन ३

क्षम छनमा जुन गटमा नाबी छनना बाँतकाटी रोटी होना कनना बोस्टी/मिनवा होना येल-जोल होना हैमयेन होवा।

प्रिटिय मुख्य। क्याई

छन्पर कुटब छात् छा ह सोपडा सोपड़ी पर्वेकुटी पर्वशासा ।

ध्रवीला समवेका छैना नमकीन बाँका रैंपीना धनीला सनीला स्वीला सदर्शि ।

करोली सप्पाप सतवेथी इड को परी बाँद का दुकड़ा नमकील परी क्लीली बाँधी रेपीली क्षमी सनीली सुवरी (दे ) तुमुकी हसील हसीला हर।

हणान प्रणान हुए । इन्हरा १ इन्हरा इन्हरेन वरण का तन्त्रेनी तन्त्री (स्त्रीपिण मात्र क्षो के मिए प्राय प्रयुक्त) पर्तमा-पुक्ता स्मिम २ चुस्त कर्मीका विस्त्री वी-ती देवीवामा।

छल १ कपट छम-वपट छम-छेद छन-छर्म छम-छरेब छमावा छिताब ठगी दगा धूर्वता विश्वासवाह २ साँचा घोषा घोषाखरी योखा-मट्टी योखेबादी प्रवंचना वंचना ।

छस करना बाँखा थे यून ऑफना नपट/छन-कपट/छन-कर्य/छन-कर्म/ छस-करेव/ठिपी/बद्धा/पूर्वना/खोचा/प्रयंचना करना सीसा/ बोखा/बक्तमा देना चूना समाना मुँह सेना।

क्रममी आया चलनी चालनी छन्ती।

ভলাৰা १ ভল (दे) २ জীবা দল দাতি ६ ৯০৫ জনাৰ। বিদ্যাধিস্থা।

इतिया इती वर्ष्टी वश्रवाब धोवेगाव करेगी वपलायपत लक्कार, रेंपा विधार 'छन' के वर्षीयों से स्वास्थान करनेवाला' उत्तर पेते वाला' बोडकर सभा सीमें नात्रक पर्याव बनाए का करते हैं। इसता १ अंगडी संपी प्रतिका २ रिपा (नेविरिय) बस्य ३ वर्ष

छम्मा १ अँगुठी मुँदरी मुदिका २ रिप (न्कीरिय) बचय ३ मृद।
छात्र खुबमूरती छटा कप सासित्य सावच्य सवाब बोमा भी
सबस्य मृदरता मृपमा सीवर्य सौन्छत हुन्छ।

छिम्पृह १ नाटकपृष्ट, नाटकपर नाट्यपृष्ट २ सिनेमाचर सिनेमा साउस सिनेमाहाल ।

द्वांद उसटी उस्टी की बागा।

छोडना १ अनय करना अलयाना छैंटनी करना छैटाई करना छन्नी करना छटाई करना निकासना निकासित करना २ चयन करना चुनना चुनाव करना ।

ष्ट्रीव स्टीह दे छाया।

छाछ छाछी तम महा भठा मही माठा सस्ती।

छा**व** सूप सूर्व ।

छात्रन १ माण्छादन कमड़ा (वे ) वस्त्र (वैशे मोबन-छात्रन) र पपईन पपरैस छप्पर छावन छान छान् प्रसानी

**छाता** छवरी छत्र।

काती १ जर यज बजस्यल छीना २ कमेबा की मन **ब्र**स् (बैंसे 'छाती बुड़ामा' से) है उरसिय उरीब हुए चूंची

१ मध्येता पडनेवामा विद्यार्थी विकार्थी २ थेमा विद्या। छात्रवृत्ति बागेतावृत्ति बजीफा स्कॉसर्गकर। भारासम् छात्रावास बोविवद्वातस होस्टन ।

छानबीन जन्मेपच वांच-पड़वास वच्चविद्य वहुचीकाठ पूछपछ

१ माञ्चादन करना माञ्चादित करना मागरण डामना . इकमा २ पसरना कैमना विश्व वाना -का बाना-सूरी बोमना बाक बोना हाबी होना हाबी हो बाना।

है मसर सङ्ग्रो प्रमान प्रभाव २ बाह मार्का है सुन्ना मुहर, प्रतिमुद्धा (म प्र ); ४ चिन्हु, चिक्क ठण्णा मार्क पहचान १ इप्रेजन ।

खापमा । शिट करना मुझ्य करमा मुझित करमा।

छापा १ याचा रेड २ बाकमच चनाई इंगला १ चिक्क ठणा

**छापाळाना** प्रेस मुद्रमानयः छाया

र कहियां छांब छोड़ बेड साया २ तसक ३ परछाई, परछाड़ी प्रतिष्ठामा प्रतिबिंद ४ मेतछामा प्रेतपमाद प्रेतवाका पृतकामा पूनवाका।

भावाचार छामाचित्रकार, छोटोग्राफर।

छायाबिन किन छवि छोटो छोटोग्राफ।

कार १ बार बाद रेड् २ वर्ष मूल ३ याक मस्य रखा।

भाग क्षितका बोकना बन्तसः।

छाता ( निनवां निमावां पुत्रवाक मृह्याक २ ससका पंछासा प्रदोसा ३ बाब बगड़ा वर्ग (मनवर्ग मृगछासा) :

१६ /हिन्दी पर्याय क्रीबा

ग्रावनी केंद्र कीय केंद्र पहाब शिविर, सेनावास स्कमावार ।

ष्टिनुनी १ कमिव्टिका कानी जैंगली छोटी जैंगली २ छठी जैंगली पटनमुत्ती।

हिछला १ तपमा (वालाव आदि) ५ (ध्यक्ति) शंगभीर, उपसा नंभीरतारहित संभीरतामृत्य भूँछ। सताही हमका हस्का ३ कोला कमीना वार भीरा गीष पोप।

र बाछ। कमाना जुरू छाटा नाच पाय। छिछनायन १ त्रवकायन क्वांग्रपन सनहीयना इसकायन हरूपमन

२ ओक्षापन सुरता वटियापन छोटापन नीवता हमकापन । विक्रोता ओक्षा कमीना सुद्र वटिया छोटा निकृष्ट नीव पोच वपहात इसका ।

छिडोरापन अधिवापन व मीनापन सुरता वटियापन विछोरपन छिडोर पना छोटापन नीवता इनकापन ।

प्रितपुर १ खुशरा फुन्कर, फुटनग २ नहीं-नहीं यम-तम 3 जिल्ला

छिड्डन १ आहे करना क्षांता करना थीला करना छिड्डन करना छीटना यह करना मिश्रोना सिंबन करना सिन्द करना सीचना छाकरना २ स्थीडावर करना (बीचे बान छिड्डना)।

क्रिकाव क्रियामा विकास फैलासा स्था

फितराना इसर उधर करना विवर-विनय करना फैसाना विक्रयना विकेशन विक्रीय करना।

छि। १ छेद राभ नूषण् २ वित्त विवर ३ मवदाय जगह ४ दमो योग मधि।

छित्रान्तेषय आसोचना खुचुर निकासना दोष दूवना दोपपर्यन दोपान्त्रेषण शुक्ताचीनी मीन-नेख निकासना।

िडान्देपी बातोषक युषुरनिकाषु शेयशर्तक शेयान्वेदी बुक्ताची । डिनाम सत्तरी दुसटा सुरचरिता पातुना पुरुषकी झटा व्यक्तिचारियो स्वेरियो ।

फिनाता स्वीपचार ।

क्तिम-जिल्ल सामय मानव सदस-व्यक्त छिल्ल-विक्टिल्ल दुकड्-दुकड्डे तार सार, निगर-विभार, मध्य प्रस्ट।

फिल्मिलकरना १ चवताबूरकरना चूर बूरकरना दूवकु-दूबकुकरना धार सार करना कोह-फोड देना बन्नियाँ उड़ाना बन्नियाँ

हिन्दी पर्याम कोस / १६१

विवेरता तक प्रकट करना परक्षचे एकाना पूर्व-पूर्व प्रकारा पुर्वे-पुर्वे करना पुर्वे-पुर्वे विद्यारना २ अक्रय-अमय करना मस्त-भ्यस्त करता क्रिया-विक्तिश्च करवा तित्तर-विसर करवा।

नृहगोधिका पत्नी जिल्लुहरा विहतुहरा। **डि**एकती :

अवस्ति हाता अप्रकाशित रहता अस्त होता थाइ मे ही बाता विषमा मोशम होना सोट में हो जाना बायब होना मुन्त होना बुम होना हुकमा तिरोधिश होना पुरुक कामा/रहना दुवकमा सुकगः हट याना ।

मापट, कोट में पुष्ठ, पुद्धा यूद्द किया हुआ। प्रच्छमा धिया विशेष्टित दुवका दुवका हुवा भुका-छिना।

वंतर्ज्ञांन फरना वाक्रम करना ओड में करना शास्त्रा बाद क्रियाना देना गुप्त रखना क्रियाकर रख देना हुकाना तिरोहित कर देना दवाना बुक्काना बुदामा पत्री गामना पर्वे की बोट में भरता/रथभा मुकाना मुकाना-छिपाना ।

योपन क्रियाय-मुख्य मुराय परवा ।

रिज्ञाय क्रिके-क्रिके मुख्यून मृत्य कर है जुनके भूगके, भूगके से सिमकर, किरे हुए, धीरे से अच्छमतः मुके-छिने।

शास बीक्सा वस्कन। क्रिक्तका

१ जनकम क्षेत्र श्रीकर २ वाथ (छोटा) १ कटाझ श्रय स्रोदा तावा प्रवती फर्मती।

क्टास फीटा तंत्र ताना बोसी बोमना धनती स्वप्य **औटासरी** अपनीति -करमा -- शहास करना क्रीटा शतना फीटाकसी करना दहोका देना श्रंब करना शाना मारता फरती करना भवनत का बूता मारता मीक्षे कृरी मारता व्याय करता श्यामोतित ब्रह्मा ।

ਇਰ ਇਕ ਇਹ ਇਹ । मी

क्षीमा सीका तिकहर। शीका

किर्योक्ती कीचकृतकाम खीलानेचर दुवेति दुवेबा क्रमीइत धीयातेश शव भट्ट -होना --कीकश्वताल/दुर्गति/दुर्ववा/प्रवीहत होना भए पिरना ।

(wasiage) अति (च प्र०) वान (स प्र वि ) हानि (च प्र) क्यी धरी छटाव नाम।

बाहरण करना वपहुत करना ऐंठ मेना सपट मेना भूट छोनना शमा से सेमा इरच कर शेना इर सेना।

१ छिम्मी छेमी फसी २ चिंदा सेम सेमा। **डी**मी

१ लबाबुर, सण्यावती सण्यामु सामवंती २ कोमभ छ्दैपुर नाजुक मुनायम ।

पुरकारा सद्वार, स्वार, छुट्टी सूट, नवात निवात निस्तार, मुस्ति मोक्ष रिहाई।

**पृ**टपन खुटपना बचपन (दे ) सङ्कपन (दे )।

हुन्दरा १ जनसवा (धान) जुना २ खाबाद निर्वेश मुक्त स्वच्छद स्वनंत्र स्वाधीन (छट्टा सीड) ३

भूदही १ अवकारा प्रूर्नेत रत्मध वन्त समय २ असा अनम्याय संबक्तात तानील ३ (release) उग्मोचन सरकारा निर्मृतिन मुक्ति मोचन (उ. म.) खिहाई, सम्मोचन (व.)।

१ असम करना असहवा करना पूचक करना २ (बूछ समीया छुड़ाना पुरी कीब का) साफ करना रगइकर हटाना ३ (भीकरी सं) अलग करना निकालना बर्जास्त करना हटाना ४ (आदत) दूर करना ५ नजात दिलाना भूकत करना बाबाद करना ६ भाकार करवाना छुटकारा रिमाना नवाठ दिसाना मुस्ति दिसाना ।

(रोग) छुविहा छुत्रवासा धंनधबम्य स्पर्धबम्य। वहा

क्रा १ उलाय रेवर २ चाक् घ्रय।

छुरी भनकु भागू।

(rebute) सरहार (स म ) शटीती (उ ⊯ वि ) स्र वटौनी (केन्द्र राज संप्र ) सूट (सभी) बहुा(उ प्र मि म प्र ) रिवेट (वि म प्र ) रियायत (remussion) धामा धामादान (म प्र ) परिवार (नभी) माफी (सपी) (exemption) माणी (सभी) मुनित (उ प्र म प्र ) विमुक्ति (उ म ) (waiving) मधित्याव (वि ) छूर भारा छोड़ देश नजान निस्तार विमुक्ति स्वण्डदता स्वर्तवता ।

 १ परमना शंस्पर्ध करना स्पर्ध करना हाच सनाना মুধা २ सनमा सटना स्पर्शकरना।

धूमंतर होना अवृत्र्य होमा मी यो न्यारङ् होना रक्ष्मक्कर होना ।

कड़छाड़ १ (जारीरिक) कोषना धूना छड़बानी स्थाना २ (बाठबीत हे) कुड़ाना विद्याला यू-प्री मेना छड़बानी/वेहच्छड़ करना स्थानिमोद करना हुँची-दिक्षेत्री करना १ छेड़बानी श्रीय स्थानिमोद हुँची-दिक्षेत्री।

सेवृत्ता १ कॉलना सूना बसामा २ (स्पंत्र हुँसी साथि से) कुहाना विदाना चुटकी सेना छीटाकवी सरसा व्यंत्र-विनोध करता। छेद छित छक तरेड़ दरस बरार विक रोत विवर सुराहा।

क्रेयना चुमाना चुमोना मुखेड्ना क्रियं करता क्षेत्र करता क्षेत्र करता क्षेत्र करता क्षेत्र करता क्षेत्र करता क्ष

स्टेश पनीर।

छेरी दे समर्थाः

र्छना समयेका ज्योका छैनचिकनियाँ छैनछ्यीसा याँका श्रीका छैना रेंगोला समीका। वेश्युवर।

सोकदा सोक्य कोरा तदका नीता। कोकबी संक्ष्मी सोचिया।

क्षत्रका काकण काण सङ्ग्रस्त नारवयाः कोदा १ अक्षम नमीना (वे ) श्रुड मीच (वे ) श्रीम २ अक्ष्य-वदाक कमस्त्रस्त ३ कनिष्ठ मृतिकर, ४ ठिवमा नाटा

वयस्क केशबंध है कागान्त मूग्नवर, य ठिवला नाटा ४ वेशी निर्मि मुलक्ष्यंक, गुन्तवर बसु, वंदिवन्त झुस्य ९ वर्टम बर्देव केवा ७ वलीत घरकर, य कोठाह, कहा ६ सुर्व वार्धित मूहत १ अवर अम्मुक वर योग ११ तता नगरान्या।

११ तन्हा नम्हान्सा।

छोटानम समीनायम सुद्धा छटणा गीमका (है) धानरहा।
है समय होता तबना दिवानस्ति देता यौरा स्वर्णा स्थाप
करता त्याप देना परियादस्त देता यौरा स्वर्णा स्थाप
(की) हाम मोड़ देना १ सावाम/मुक्त/स्वण्डम/स्वर्णन करता
स्टब्डाय देना १ सावाम/मुक्त/स्वण्डम/स्वर्णन करता
स्टब्डाय देना १ सावाम/माड/मुक्ताफ करता ४ शहस्त म
स्टला म सावाम/माड गरेगा म स्वीकारणा ४ रिका/स्वर्णस
म रखना ६ संग/माड म रखना ७ वही सौर मचा लाग
(से) माड/माडाम कर देना म आपन सरगा माडा स्वर्णन स्वर्णा
१ समात स्वर्णन स्वर्णन स्वर्णन माडा स्वर्णन स्वर्णन
स्वर्णन स्वर्णन स्वर्णन स्वर्णन स्वर्णन स्वर्णन

स्रोहाहुना १ स्यत्त स्थामा हुमा परिस्वतत २ भावाद मुस्त स्वच्छेर १ चलाया हुमा फेंडाहुआ ४ भवतिष्ट व्यवसेप विकट्ट नटा बचा सेप।

छोर अंबस ओर, किनारा कोना सीमा हुद हाशिया।

छौरा दे छोनता।

कोरी दे छोक्छी।

छीक बढ़राबपार।

छोता १ छवा पशुकायक २ सुकरोटा (सूक्षर का कन्या) १ सुबछोना सुबकायक ४ बण्या सावक।

## ল

वकरान वररान १ रेसने वंकयन २ जोड़ संक्रिय

वन मुख रच नशाई संबाम समर।

चय (शाहे बादि का) मोर्था।

चयम (movable) अस्याची (श्र प्र ) अस्याचर अस्मिर (नेन्द्र राज आदि) चन्न (समी) चन्नाययान।

संपत्त १ सटबी अरम्य नांतार कानन दान (शामानिन म) बन नन विपन २ जनाइ निर्मेन विपादान सुनसान।

भेंपता विक्रमी प्रवास झरोबा वारी माधा।

संपत्ती १ जमलनिवासी जंगलवामा वनशासी पत्रवासी शहरी २ गैरपालनू १ जनवीजा जनपोई (जंगली वास) १ जमल ना वनैता वस्प ४ समस्य उजह गेंबार वॉयह वहसी हुगः

कंपतीपन अंतर्भीपना असम्यता सबहुता सँबारपन बाँगङ्कृपना बहुसीपना।

कंचा और रात । कंचना अच्छा नमना फनना शाभा देना मृंदर (दे सुदर के अस्य यसीय भी) अगना सोहना।

क्षत्रासः १ क्षीतर प्रपंत्र विषेषु शरुहा २ माधामीह सोमारिकता ३ जनान चैनाव वीपन।

श्वत्राली अंत्रालिया श्रमहान् प्रपत्नी लफहबाज नपाहिया ।

हिन्दी पर्याय शाम / १९५

वंबीर १ मदी शुक्रमा विकड़ी हार २ नेती हमकड़ी ३ बूंबी छोक्स विकड़ी ४ सर्वमा बसाल विकड़। बंतर-संवर १ बाइ-टोना टोमा-टोटका संव-संव २ वेशवासा।

रन्भवर र चाहुन्टाना टामान्टाटका यथन्यत्र २ वश्चमासाः स्वतरो संत्री विविधय पंचांच पत्राः

मतु वातमर, जीव जीवगतु, बीवशारी शावशारी शाणी ।

अवृक्त बीवड जूबास सिवार।

र्णम अपूरा भोगड जबहा शाहा

सेमाई : सनावी समुजाई सन्धा :

वहीं गतमीनम पीर, जर्नर, बुजुर्व बुश्वा बृद्धा बद्धा वर्षामुख बृद्ध :

व्यक्ति पीरी कुबूर्वी कुक्षापा वार्तवव वृक्षावस्था ।

सक सङ्ख्या विद्युटः।

अक्ष्य विश्वत चतुरा वक्ष्यता अक्ष्यवी प्रकारताः

मध्यमा करकर प्रकार विश्वत में नेना बश्चम में नेना बाँबना !

क्रमीरा हर, पून शकि सबह तथन समुख्य सपूह।

क्षमा तत पाप शण। क्षमी बाहरा कार्यकात पायम पोटकामा हवा पोटिक।

क्षप्त क्षप्तत् आमम खल्क बहु बहुत्त विभूतत विकास हुनिश कक्ती क्षप्ती शिक्षी पृथ्वी बहुता पन वयमंडक वृष्ण मृतस धूमकल धूमि शर्लोलीक साथ समृति शर्क शुन्ति ।

क्षप्रस्, क्षप्रका क्षप्रशिका

वे दुर्भी।

जगरील दे देशकर ।

चपरीश्वर द इतवर

सनकीश्यपी वे हुगाँ। स्थानियता वे ईन्मरः

क्ष्मलाता हे दुर्गाः

अक्रमयं भमकता अभक्षतर, जमकीमा चन्नच क्याचमाता क्या सन्दर्भ देशीयमान।

स्राममाहर समक समक-राग्त, अनगर प्रकाश धीनक ।

क्षपत् १ शास्त्रय (जशास्त्रय) बाह् (बारशनपाह क्षत्रपाह) वा दियार, पुत्राय गीता नोका-गहल २ तुर्ती वर्ता पत्र पोस्ट, गर्तवा काला म्यान ३ लीट, स्वान । स्पाना १ उठाना उड्डोधन करना उड्डोधित करना चैनन्य करना साम्रत करना वैद्यार करना समय करना साम्र भ्रान करना हात में साना २ उठाना नीय तोड़ना १ तेज करना पुस्ताना (मान) ४ विज्ञ करना (मान)।

क्रमन १ पेडू २ चूतक निर्तेत ३ जीव रान ।

श्रमण अत्येव बुरा अध्य समानवीय गहित निध निरुष्ट।

कच्या जननी प्रसूता माँ माता शरकोरी वानिया।

बण्याद्यर वण्याद्याना प्रसृतियृह मैटरिमटी होंग भूतिकामृह सौरयह सीरी:

स्त्रः काकी निर्णायक न्यायाधीसः।

भववात मान मनोविकार।

अक्रमेंट निर्णय फैसला।

श्रद्धीरा टापूडीम।

भटना ठमना ठमी करना घोषा देकर वर्षमा साथ कर सेना मुहना।

बटा उनक्षेत्रक बटानुट झाटा नट।

स्रोटल १ उन्हानदार, उत्तानकाता पठिन यहन दुर्वोद्य पेंबहार, वेंबवाला पेंबीबा पेंबीला पेंबीबा। दे निकट्ट घी २ वटाबारी वटावाला।

निस्ततः उत्तमन कठिनाई बृहता दुकहृता धुक्येयता येथ भुनिकस मुक्तिमाहट।वै निमय्टताथी।

श्रहर जामानय उद्दर पेट।

बङ्गान्ति वङ्गानसः।

कड़ है अवद, अवत स्वावर गतिरीन २ वहबुद्धि वहमति मातमात्र पुढ़ पुरक्त पुर्व (१) विवेत्रजूम व अवनत धवेदनजूमा संवेदनहीत ४ आधार श्रीव सुतिगाद मूल-द चेटाजूमा चेटाजूमा निमच्द तिर्गव स्तुत्व ।

बहता नाममानी बुदिहीनना वेषकुळी मुद्दना मुर्चाना (दे )। बहुता अहाई करना पण्णीकारी वरना बैठाना समाना ।

भड़पुढि दे शहर। भड़पति

बहार पटित जहा हुमा अहित विजिटित विविद्या । बही धटिवरैंगा जही-बूटी (१ ) विर्दे।

```
백기물리
                    बड़ीबुठी खटबिरैंसा बरबिरई बनीयछ।
                      व्यवा विरोह पूट बमात टक्की टोसी दस मंडसी यूव समूह।
                                                                       बनसूति
                             १ बनता सोक सर्वसाधारण सामाग्य व्यक्ति २ बादमी
                            नीव व्यक्ति है समुख्य सर्वभौरत स्वी-पुस्प ४ क्वीमा
                    वनक १ के चिता २ मिनिसेश राजींच निर्देत।
              बनकारिमी है सीता।
                  बनका कापुरच नपुशक मेहरा हिबका।
               वनगवना मर्पमनुमारी सँसस ।
                 बनतंत्र हे मोक्रवंत्र।
                बनता बदाय बाम जनता बाय शोच बन बनताशास्त्र दुनिया
                       (प्रक्रिया) बाबिमाँव उत्पत्ति सब्बन बनना नम्म पैदाइक
                       प्रवस्त प्रसुव प्रावस्ति।
              बनना बाबिपूँव करना उत्पत्ति करना क्यान करना उद्घुत करना
                      चनन करना चनम देना वाम देना पैशकरना अवनन करना
                     प्रस्त करमा प्राहुर्पृत करमा विवासा स्थाना ।
             बननी हे माता।
          जननेदियः १ द्वार पन पोठका योनि २ संड साह सिव मौड़ा विका।
                   रै जवन क्षत्र अवैक पूजाय संदत्त राज्य स्टेट २ वेपसंबत
                   निमा विस्टिक्ट।
          वनमिय जोकप्रिय सर्वप्रियः।
          ननमत नोक्सता
     वनभतसम्ह भोविसाहर मतववना मतसंबह रामकुमारी।
       वनवित्री हे माता।
       वनरत
                (इत्ताताता)-महाबसाधिकत विषहतासार वेनानायक
               (बि ) सेनामी (स म ) सेनापति (स म )।
               र कोनाइन पुन जोर बोरपुस २ नक्ष्माह, कनपुति
              प्रसिद्धि ।
    बनवासा अनवात बरात का पड़ाव !
    नगमति किन्देती जगमतिक चौक्रमवाद ।
१६८ / हिम्बी वर्माय कोश
```

सनसाधारण वे वनता।

भनावा १ मरबी ताबुत र मुर्वा साश सव।

**बनानवाना अंत पुर रनिवास हरम।** 

चनाना अताना माभूम कराना भूषित करना सूचना देना।

बनाना १ जोड़ पत्नी (दे॰) बीबी स्त्री २ कापुरप बनजा स्प्रैम हिमबा ३ करपोड़ (दे ) ४ निर्वत्त (दे ) ४ बीरपों का

हिमार्गेका (अनाना दिल्ला) ६ बी॰कॉ/रिक्यो का-सा । सनानायन १ जोरतपना जीत्यो चैसा हाव-माव स्त्रीत्य स्त्रीयः २ जनकायन ।

क्रमाद जनावधासी महास्य महोदय भीमन् श्रीमान्।

इप्तार्थन दे विष्णु।

अनून जन्माद बीवानायन पायसपन बाबसायन विशिष्तता ।

**अनुनी वीवाना पागल वावला विदिन्छ।** 

क्षत्रेऊ १ (सूत्र) उपकीठ त्रह्मसूत्र सत्रोपकीच २ (संस्कार) उप नवन उपकीछ।

बन्नतः देश्वर्षः

अस्म १ आविभांत उत्पत्ति उद्वम अनुमत अनम मैदाइम प्राप्तुर्भाव २ बारंच बारेम विस्थित्सा खुरवाटा श्रीयमेक्ष ३ अनन जनम प्रजनन प्रस्त ।

कम्मर्सुडली धन्मपत्रीः। कन्मदित्र कम्मतिक कम्मतिकस वर्षेत्र वरसपाँठ, यौग-य्-वैदाइग्र वर्षेत्राठ साक्षमिरह हैपी वस्त्रदे।

कमपत्री । कमकूंबनी।

क्रमभूमि जन्मस्यान चितृभूमि मातृभूमि ।

कम्मसेना १ व्यवस्थि होना अवतार नना/होना वयतीय होना उत्पत्ति होना उद्धम होना उद्धम होना उद्धुत होना वयमना वैद्या होना प्रदुष्धि होना प्रदुष्धिन होना २ आरंप/पार्रम/विश्वमा/जुडमात/योगयम होना।

श्रमीय देश्बीया।

कमाध्यमे हृष्यप्रमाध्यमे हृष्याद्यमे ।

वार अाप मंत्रपाठ मंत्रावृत्ति गीनगाठ गीनस्मरम । वात्रसम् पूजा-माठ संध्या-कार्य संध्या-नामत्री संध्या-पूजा ।

हिन्दी वर्षाय कोछ / १११

वया अवृह्म पुवृह्म जपापुम्य वश्रापुन्य देवीकृत्य ।

**मबद्दाः गी**शक् बंद्यः काकृतः

समरदस्तः १ मणनाम नवी सन्तिमाण शन्तिभागा शन्तिभागी सन्त सम्बन्ध २ सोश्याप ३ मजबूत ४ छत्र अल्ब्स्ट कोर, प्रचंत्र।

खबरदस्ती १ खबरन जोर नवरदाती से बबाधन बबाव डासकर अस पूर्वक बनातु, इंट्यूबंक २ विवासी बोस्-अवरदाती

पूर्वक वनातु, इत्यूर्वक २ विवासती बोर-सवरत प्यादनी तीनाओरी ३ अन्याचार, सन्याय वेदशासी।

बाबरम वे श्ववरवस्ती १ ।

बबह (यमा काटकर) गरन भूग वस इत्या।

क्षवानं १ जिक्का जील रखना २ वोली भाषा वाणी ३ इकरार, कील जीरता भाषा ४ बात कील।

श्रवामी मीविष न्याव--- फठरण कंठाव मीहववामी याद !

वाता भागवक नाह---कठरण कठाड महत्रवान। याद । श्राम्य १ अधिकार करलेमा कुर्क से नेता हरण २ धीरण वैर्म सक्त सहस्त्रोत्तरा (conficulto)----पायकार् करना

(म प्र+) हरणकरणाः

**कभी क**र भी विस्वकत/समय भी ।

समस्यः यमाण नमासका मीक् श्रकुतः । समना १ वाकाहोना ठीत हो जाना (सैसे वृद्ध/वर्क जनना) सन्तरे स्रवह जनना/होना (श्रनीत केन शावि) २ बेन्द्ररित होना

अंकुर आना/निकसमा चयना ।

श्रमतुरियत दे लोक्तंत्र।

कामा १ वक्टा एकक एककित संयुक्ति संबद्ध र कथानय करो-हर बागा धन बता राजि नियोग ३ पूँकी मुनवन ४ धन पैका रकम कथवा।

समाई सेंबाई, जामाता शामाव।

श्रमात १ अवा क्यास बरना मेनी २ पुट, विशेष भएना सूँव

मंडली समूह (हे )।

समावार १ भूका सरी बेस्तर बेहतर हमधोर, इशासकोर भी-भूकन भूकिए संबन समित बेस्तरिन बेस्तरानी बेहतरानी मेहतरानी मेहनरित इसकोरित ।

चमरतः अविनी प्रतिमृति बेस स्थारिटी।

बमानतहार बामिन प्रक्षिम स्योरिटी।

क्षमाना १ समुरित करना उपाना २ याडा करना ठीव बनाना ३ उन्तिन्धिकाम/वरकरी के पम पर बदाना स्मयस्थित करना (सक्त समाना स्थापार समाना)।

कमाना १ काम थुण वक्त समय २ मुद्दुत सेवासमय।

क्रमाथ क्रमावका भीव संकृत समृह (दे )।

कर्नोद्दार १ जमीवार, क्यीनदार, तास्मुदेवार भूस्वामी मासिक्जमीन २ कास्त्रवार, इपक विसान चेतिहर हमबीबी हमबाहा।

चर्मीहारी १ भूस्वामित्व मिस्कियत २ वेती (दे ) ।

वामीन दे भूमि।

वर्षती १ अन्मनाठोत्सव वर्षेनाठोत्सव (वंशे रवनवर्षशी स्वर्ण बसनी) २ वेस्, संडा (दे ) ध्यवा पताचा।

सम १ जीत फ्राह निवय २ जनर रहे जयनयकार, विदासार संजीवार।

चयमाल १ जयमाना जैमाना जैमाना विजयमान २ स्वयंत्रपाल स्वयंत्रमाना ।

स्वयन(शाना ।

सर १ कनक छोना (दे ) स्वर्णे हेस २ दीसत हम्प वन सन सौसत धन पति वैचा रचमा रूपमा-वैचा वित्त संपत्ति सरमाया ।

भरक वर्षण, बृहका बुका कुछ ।

बरह १ मानात चार २ चुणा (गणित)।

करा शीबापन बईफी बुढाई बुढ़ाना बुद्धावस्था।

करा बाटे में नमक वरावर, वर्णभाग वेग विचित किचित् मात्र वावम भर कोटी भर, जुरूरी मर, छटाक भर, बरा-ता तिस भर, तुक्थात्र थोड़ा बोड़ा-ता नाम मात्र वो रक्षमात्र रखी भर, केल मात्र ।

व्यक्ति द वरीयाः

अरीया पहुँच माध्यत्र रास्ता बमोमा साधन विसंतिता ।

चकर अनिवार्यतः अवश्य अवश्यमेव निश्चय निश्चय हा निःभरेह विका सकीशुबद्धा वेशक साविमी तीर पर। चकरतः व्यक्तिमार्थेया अपेका व्यवस्थनता सरक्ष २ काम प्रयोदन (दे)।

चकरी १ विनिवारपीय श्राप्तवार्ये अपरिहार्य अपेक्षित ज्ञानस्यक भावानी २ महत्त्वपूर्णः

मर्च सटका।

सबर १ मीर्न मीर्म-सीर्न दूटा-फूटा २ कमबोर क्षीय दुर्वस १ मर्कि भरत बुबा (वे ) बुद्ध।

वर्ष केसरिया गंधकी वपई वर्षचमेशी शाफरानी पांचु पियल पीछ पीछा वसंती सरशती शुनइरी इन्दिया इस्बी।

चर्च १ तंत्राकृ सूर्ती २ भावन पूनाव पोशाव ।

खर्मल् भूवानी।

व्यवीं पीकापन पावता पावरता।

कर्मन नैसारिक पत्र पविका साधिक पहसाधिक पत्रिका होस पत्रिका।

सरीह सापरेकन करनेवाला चीर-फाड़ करनेवाला चौरा सवाने वाला सम्बंधितमक सर्वतः।

कल श्रेंडू कीम काव उदक कररस कीवन दोन्य गीर, पर पास पानी बारि, समिला

भाकम पुद्धार, गूर। भाकीहा समितहार।

भसचर मसनारी बनगत, बसगीन।

जसम मसमात दे कमन।

जलव जलघर वे गावसा।

वसमस्यु समुग्री शक् समुग्री शृटेखा।

जलकि वे समुद्र।

क्षमण १ ईंपनी कुछन बाह क्षेप मत्तर २ कप्ट वर्द बाह पीड़ा

पीर, नेबना ।

सत्तना १ जाय नवना साम होना वरणा जायनस्मान होना राध होना बहुना वेदीयमान होना ध्यपना प्रकासन होना बरना वहना भरम होना ध्यमिनुत होना दिवस होना मुक्तनत स्वाहा होना २ वट्ट होना उपाड हो जाना वर्षार होना विकट होना १ वट्ट होना उपाड हो जाना सर्वार सीप सीटना बस-भुष जाना जी असना सन-मन में आप समता दिस असना।

बसनिवि वे समूत्र।

वतपात सल्याहार उपाहार, कमक, वनेवा चमटाव खरमेटाव वाय

पानी नास्ता। कनपानगृह कैंछे भायवर रेस्वा होटस होटेस।

सस्त्रपात सावसार सरना निर्श्तर प्रपाठ नाटरकान ।

जनप्रवाह १ छारा बहाब २ सबद्येपप्रवाह, धूनप्रवाह मस्मप्रवाह।

क्सप्तावन १ जलप्रसय २ वाड शैलाय। कस्तयान १ जलपोन बहाज शिप २ विस्ती नाव नीवा (दे )।

मलबाय भावहृषा भावोहृषा हृबापानी ।

क्सासः १ आर्गदोत्सव जस्तव संवजीत्सव समारोह २ अधिवेजन समा सम्मेलनः।

बलसेना नेवी नौसेना।

बनाना १ (शाम) ज्याना सुन्नमाना स्थानकरणा सहाना स्रयाना (शाम स्वाता) प्रव्यक्तित करणा पास करणा पाससात् करणा प्रस्तीत्व करणा पास करणा प्रस्तीत्व करणा सहान्य है (बीपक) करणा स्वाता स्वाता सामना रोजन करणा १ (शाम) अर्थिक स्विता स्वाता सामना रोजन करणा १ (शाम) अर्थिक स्विता स्वाता साह-संस्कार करणा प्रकार करणा स्वीति स्वाता स्वाता साह-संस्कार करणा प्रकार १ हैया वरणा वरणा शाह पैसा करणा। व

श्रतास भागा नाठि देव प्रकास।

चतासतः मोटापन कमीनापन छोटापन चटियापन नीचता ।

नताततः वाहारा करायाना छाटारा नावसरा गान्या। नतात्रय वाहेया वाह्म वाह्माव पुरुष्ट, पोखर पोखरा बावडी नानसी छर, सरमी छरोवर हुइ ।

वसील १ ओछा वसीला यटिया छोटा तीच २ सपमानित प्राथील करणा ~ १ सपमान वरणा अपमानित करणा भावक उदारणा इन्तत खदारणा वेसावक करणा वेदन्तत करणा २ लाजिया करणा योगिया करणा।

```
क्षपीर बातुर, झरावका चोड़े पर सवार, हड़वड़ीबाब
বাৰ্থাৰ
                बसीरका बातुरका बातुरी छवाबनायन छताबसी बस्दी
     RECEIS.
                इड्डिया ।
                  १ लग पूर्वी सीमता २ संघीत्वा बातुरता बातुरी
                 हरवरी हरवदियापन हरवदवाची ।
      वस्याकी
                   बहुजाना इस्वदाता। जस्बी और बस्पवादी के पर्यामी मे
                  उतावली बारवाची बापता इक्वडी।
                    प्रवाहिता वा बीर भवाना बोहकर बाग प्रवीस
          समी
                     बानमधानन में बटाबर बटाबर सट हे तुरंत दूरत दूरत
      ब्रामी करना
                    बनाए था सकते हैं।
           ন্তানা
                     कुरत हैकी के कुर्ती के झीरन बीझता है।
                      र प्राणवंत देनेवाला छात्ती पर वडानेवाला पूत्री पर
                      बहानेवासा २ कूर निर्देश केरहम।
                       तस्य गोजबी मोजबान दुवक गुवा।
             Media.
                        १ किलोर ठरून होजबी नोजबान यह बुदन दुवा
                       बहाइट बीर पूरवीर।
               RETRE
                         २ क्रीजी सिपादी सेमिक।
                         तरुवाह, तरुवाचा तास्त्र्य दुवावस्था सोवत ।
                          १ बतर प्रापुष्टर, २ प्रतिबोध बदना १ इनकार, नाई।
                          मना मनाही नेवा सममवंता व्यक्त प्रपट करता समा
                           माफी मीन केना इनकार नाही | मना | मनाही कर देना
                 बदानी
                            ने बाला - वेपे नाइध हिस्मत दूर बाला पस्त हो बाला
                  MALE
                             वृत्तासामी वृत्तासाता व्यावसार, विम्मेबार, विम्मेबार।
                            बोन बाना समाप्त हो बाना।
                             वसरवाधित बबाबदारी विस्मा विस्मेदारी विस्मेदारी
                               ् उत्तरार्व बवाब के निए (वंदे तार पोस्टकार्ड) २ प्रति
                   Malagit
                   ववागदेही
                               बोध की बबते की (जैसे कार्रवाई) बचन म ।
                              वाधित्व ।
                                १ सदगति छठार बटाव तगरमुकी २ साझ्य समान
                                मांच एल शीरा-मबाहर जेकेन बेकेट बेरी शरी।
                                  े बलाव जनसा मंबबोलाव महोस्सव इंगीनाव २ जानेर
                    २ ४ | दिल्बी पर्वीय कील
```

भूबी मनल इप **इ**र्थ-संबक्त २ नाच-माना मृत्य-संयीठ

राग-रंब । बस्टिस १ इन्साफ स्थाय २ वश स्यायमूर्ति न्यायाधिपति स्यायाधीय ।

बस्टीफ्रिकेसम भौतित्य।

श्रस्ता कान्यास्य वस्त ।

बहुम्नुम १ योज्ञ नरक (दे ) २ वंदी वनह कुछ जनह बहुत कटकर/दुवकायी जयह बहुत कुछ वयह।

बहमत १ भाषत परेकानी मुखीबत (वे ) २ बटराय संसट, परेकानी मंबेद्रा ।

बहर कानकृट, यरन याहर, विव इसाइन ।

बहरवाद कारबंदत ।

अहरीता अहरवाना प्रायहारी विदास्त विवैधाः।

बहरीतापन विदाशतता विर्येतापन ।

नहीं शही हो नहीं जियर, जिस वक्ष सिस स्थान पर, स्था। यहीं नहीं के आलग सरक वर्ष जवत, अगती दुनिया विस्त संकार।

अर्ही-तहाँ १ इतस्ततः इवर तवर यव-तत्र २ अपन विरत्न १ चारों तरक, सब तरक समी बोर, तवंब।

वहाड १ सर्पदयोग यसपीत बसयान पीत वेडा (बहाडी वेडा) बोहिन २ एरोप्सेन प्लेन यान वायुवान विमान हवाई

जहाय ।

अहाबरानी (shipping) नीचामन (वि स प्र) नीपरिवहन (वि) नीवहन (वि प्रविवक्ति स्प्रा) पीनचामन (स प्र)

वोतपरिवहन (नेन्द्र वि )।

बहानत अजना अनिमहता सनाधीपन बहमभूपना पॉन्पूपना नावानी साममधी बुद्धाना देशस्मी देवस्की मूददा मूर्गता।

अहीं जिम जगह पर ही जिस जगह ही जिस स्वात पर ही। वहीत असमनेय दुशाय दुशायदुद्धि शीरपवृद्धि शांतिसनेद, वृद्धि

मान मेखानान् मेधानी विच्छाच नमसदार। चहेब टीना विशव वितक-दोहन बहेब बाहब दाय यौतुकः। चर्ने दे जानः

कांगन् अधिष्ट, असम्य उत्रह येंबार, अंगमी बर्नेशा हुत ।

हिन्दी वर्षाय को छ/२ १

तेप हर बंबा बबन बागू, रान । जंदरविवर, कण्या कण्यी घुटम्ना निकर शुष्टिर। १ (trai) ट्रायल परक विचार (राज कि ) विचारण > (test) ट्रस्ट परीक्षण १ (enquiry) जीव-पहताम वाचिया विश्वास पहलास परिपृच्छा पूछपछ पूछलाछ पहलास-चोच (उत्तर पुस्तकों का) संकादन करना काणी देवता संबर छानबीन कोजबीन तहकीकात। स्थाना परीक्षण करना मार्क्षि करना मूल्यांकन करना। हे बांच भी (अध्य पर्यांयों को बनान के लिए)। संबग (बजा का विमोग) उचित जावत ठीक गुनासित वाजित। क्षमा बुकार बेटी पुत्री सङ्की। बबाइरवेष्टि बाहिट, जेक्ट बंडी सबरी। 100 बीब धोमना उठमा उद्दुद होगा बदना बाद उठमा बाहर साई होना निज्ञा स्थापना नीव त्यापना वेबार होना सबेत/सबय/ संदेश वायना १ जदबोधन बायना निज्ञामाच २ वदराता देवी-बायरच साबधान होना होब मे बाना । देवी-देवता का कीर्तम-धनन करने के लिए रास घर बनना दापरम रहज्जा रात्रिजागरण रात्रिसकीतंत्र। ह्नबरवार चोकमा बायत सचत सबय सतके सावधात। चेतना चैतन्य जागरण चायस्कता प्रदृष्टता प्रदृष्टि । अमुख उद्दुत बना मिल्लंड प्रदुत । अरमा-चठाना बायक्क उद्दुरु/प्रवृद्ध करना चैताय करना/बनामा बचामा देशार बागृति **3180** १ जिल्लामेवा जिल्लापी मीख मॉयनेवाला मेंपठा मदन करना अचेत करना। ग्राचक २ बान ग्रावि वानेवाला (श्रवमान का विपरीत)। १ बोरनी बाबर फ़र्क २ कारपेट, कालीम बसीबा MINE খনকুনা ৰদ্বনাতা উম্বান হীতিমান মুৰালনাৰ वाधिम १ तंब देव शीवकाण सर्वी हैमंत २ तंब देव सर्वी। प्रकासवान प्रकासपुर्व । वास्यस्यमान इंदन इसपीत इनक कादन कुटन दर, सोना (है ) स्वर्थ । २ ६ | दिली वर्गाय कोस

कार्ति १ जात बात-गाँत जाति-विराहरी विराहरी (वैते कायन्य बात्री कुनी) २ पुरुष कुछ खाबान परिवार बात्र होने ४ क्रवीका जनसमुख्या २ कोटि वर्ग वर्गी (सम्बेटी जाति का वोश) ६ वर्ग (बाह्यप कार्यस साथि)।

भारतीय १ गावि-वियमक वावि-सर्वश्री २ क्रीमी घप्ट्रीय।

बाहु १ बाहुन्दोना टोना-टोटका २ बीम्बार-तंत्र-पंत्र पुरस्यस्य भग-नत्र ६ ईडवास तिसस्य माया ४ कीपुरु बेस बाहुन्दा बाहुत्तरी तमासा मैनिक।

जादुवर १ वाजीवर, २ इहाबालिक ऐंडवासिक मायानी।

जादूगरी वे बादू।

बाइ-होना टोना टोना-टोटका संब-संब।

जान १ जानकारी ज्ञान परिचय (जैसे चान-प्रदेशाम में) २ दम तरूव बक्त भूता जरिन शामर्थ्य १ वींच दम प्राप्त (जैसे किइननाम) -सुद्राना —पीटा सुद्राना (दे )।

मानदार

१ अभिन्न जाननेवाला जानपहचानी परिचित पुनाकारी बाडिक २ अपूर, सवाना होशियार, १ आता वाँ दान विज्ञ निव वेता।

ानसः । पत् वराः । चानकारोः १ वशिकतः जास-यहचान परिचय भागुमान वाकप्रियस

> २ अशन बोछ विवेका हो के सीना।

श्वानको श्वानकोशीयन जामश्रीनाय श्वानकोपति

वे समा

चानदार १ जानवामा जीवधारी प्राणधारी प्राणवान सनीव सप्राण २ जीवेत जीवस्वामा प्राणवान विस्मती।

सानना १ सम्म हाना जानकारी होना सान होना परिचय होना २ अभिज्ञहोना जवपन होना जान होना पत्राहोना परिधिक होना सामुस होना वाडिक होना विदिव होना १ सुबद होना पत्राहोना सामुस होना पूचना होना ४ सुबद्ध होना बाद होना प्रचीय होना ३ सुनुभव करना १ स्थानना। -पहचान वीस्-पहचार परिचय सेस-मुसाहान वाडिक्टम।

बान-पहचान चीन्ह-पहचान परिचय सेश-पुनाबान वावक्रियण। साम-पुनाकः सोच-समझकर, सोच-विचार कर सामिन्नाय। भागवर १ भीव जीवसारी प्राणी २ चतुष्पव जीवामा इंगर, होर पणु, मृत्र (भूमराज मृत्रवा स्वाद से) हैवान ३ महिन्ट सराम्य पञ्च जीवती ४ जड मुर्च (दे )।

नामसीय उत्तराधिकारी।

शासाम चराराधकारा ।

शासा १ स्वायर होना कारे बढ़ना गरिमान होना चमन करना

पनमा चनायमान होना निकस्ता प्रस्तान करना वडना

सरकता २ समझ होना चसे बाता दूर होना परे होना

३ समिकार (फब्टे या हाणे) से निकस बाता निकसना

४ को सामा सायव हो जाना दिर बाता प्रस्त हो सामा

प्रकार होना होना होने होना ४ खुकरना सीरता ६ नथ्ट

(वे ) होना। साना-माना च्यात कात प्रसिद्ध (वे ) समृहर विकास सुवात सुप्रसिद्ध।

वानिव बार, तरफ पन।

सानी १ पनिष्ठ जिमरी दिशी (वैसे जानी दोस्त) २ सानसेवा सानपासक प्राथनाती (वैसे जानी दुरमन) ।

भानु १ घुटना २ जॅवा जॉव सन।

भाव थय जपनाः।

कापा १ करन जरना जन्म पैबाइक २ वे कापायर।

बापायर बच्चामर, बच्चाबाना असूतिनृह मैटनिटी होस सीरगृह सीरी।

बाफरान केसर।

चाँव काम काम-काच कार्य नौकरी सर्विसः।

चाका कानून कामदा निवन व्यवस्था।

बाम कटोरा १५ १५क प्यासा प्यासी।

भामन १ बह्टा यौषनु ओरलः २ बामुन (है )।

स्नामा १ भुतद्यार, वॅनरपा २ थपहा परिधान पोबाक वस्त्र सिवास ।

भामिन (surety) वामानतदार (म प्र ) प्रतिमृश्मोर्टी।

सामृतः वंदुष्मः सामन फरेंदा । सामृतौ नीसकोहित वैगनी वैजनी।

श्चायका टेस्ट मश्चा सम्बन स्वाद ।

श्रापकेशर टेस्टी बढ़िया मजबार, नबीज भरवतवार तरस पुस्वाद्

स्ताद ।

कासक उचित (दे) वा (सैसे माजायक स) औरू मुनासिक वाजिक सैसा

जायकः जीव-महतास जीव-परक निरीक्षण-परीवय मूस्पानम् । जायकः जमीन भाषकः कर-मनीन धन-संपत्ति परिसर्पत्ति मिस्कि

यत संपत्ति संपदा। सामा सर्वापिनी सोरत जोक पत्नी (दे ) वीबी सार्या स्त्री।

बार बालना बातिन उपपनि यार।

भारत अनीरस (म प्र ) सर्वेद्य संतान ।

साम १ पाग छंदा २ छन छन-छन्ट छन-छन छन-छन् छन कोब टका झीला प्रवंचना परेव संबना।

सामसास छना छन्छरी जामिया दशस्त्रास स्वत्रास प्रवचक क्रोसी

चातताथी छन छनछंड छन-करेर वश्रवाधी बोचा-सही घोवेबावी। चातिम कनाई कूर जस्कार चून्यी निर्देश निर्देश निर्मेश निष्टुर गर्मास बनर, बवर बेरहम।

नुसस्य वनस्य वर्ष्यः

वातिमानाः कृरवापूर्वः निर्देयनापूर्यः निर्मेननापूर्यः निष्कुरनापूर्यः नृशंसः

नर्मसनापूर्यः वर्षेरः वर्षेरवापूर्यः।

भाली १ बाम २ नक्रपी बनावटी।

बानुस खद्रिया मृप्तचर वृद्धां चर श्रेविया सीमाईडी ।

बानुसी पुष्तवरी भेदनेना।

काहिर जुना हुआ बाना हुमा बाना-मुना झार प्रकट प्रकाशित विदिन सर्वेविदित सामन सुप्रात स्पर्टाः

बाहिरा कर में क्रमर से देवने पर/में वेचने पर देवने में प्रत्यत्ततः, प्रत्यक्ष में प्रत्यक्ष कप म साफ्र-माफ्र, सामने स्पटतः।

क्राहिल सहसर पुरुदहर यानदी वाणू वेसलन वेदपूछ । दे मूर्णभी ।

बाह्मची दे मंगा।

जिस्मानी दे जिस्सी।

विदयों १ बियमानो ओवन हमान २ बायु उस्त क्य के उत्साह जनम ओज समीवता होममा।

विद्यमीनामा दे जीवनचरित ।

हिन्दी पर्याय कोश / २ ह

विदा भीता हुना भीतित प्राथनान समीव सप्राण। विशासिक १ क्रमीस्वाज प्रसम्मणिक संसम्बाद २ जलाती

१ वृत्तिभाग प्रसन्तिक हैंसमुख २ उत्साही उमंप्रवासा वीवेत १ विस्त्राविक्षय मवाकिया विनोदी हैंसने-बूँसाने वाला हुँसी-मवाक गरनेवाला हुँसोड़।

विस चीच हम्म बस्तु, सामग्री सामागः।

विक उत्मेख वर्षानाम प्रसंव बमान बात।

विषर १ कनेवा सकुछ २ विवस वीवट, साहस हिस्सठ ३ उर, विषया वी विकासन इत्या।

जिगरा जियर जीवट साहस हिम्मत ।

विनरी नर्यंत विनयः समिन्न निमन्तद्वस्य विनयः विसी नप्रविक्षी (जिन सावि)।

[तम भाग]।
विक १ सह (बदरंप मे) २ गतिपोध ६ तंप मकहूर, विवस !
विकास: १ वामने की इच्छा खानेच्छा झानेच्छा २ उत्सूक्ता

कृत्हम कौत्हम १ तहकीकात पूछवाछ प्रस्तः। विकास विकासवामा कानेच्यु, जानेच्युक जानेच्यु।

कितना विस्परिमाण का/मे विस्पराणामे/का। वितालना के निर्वोक्षिय।

क्तिंग्रियः अस्मिनित् वीविधनित् कामनित्, वितारमा परंतप स्वनित्।

जिल् भीतनेवामा पेता प्रतह्याम विवयी विवेता। विद मह भागह इतरार, हराग्रह इट, हराग्रिसा इट्समीं।

ावद नद् मात्रह इंटराट दुराशह हरू हरू अर्था व हरूसमा विद्वी भड़ी विद्विपम आप्तती तुरासती हरी।

जिल्हा वहाँ जिल्ल कोर विस्त राष्ट्र, जिल्ल विकास के जिल्ल सिस्त सं। जिल्ला विकास पिताच प्रेत प्रतासमा वैद्यास प्रतासन प्रतासन सिस्स

लिन विस्म पित्राच प्रेत प्रतास्मा बैतास भूत भूत-मेत सूत-बैतास। विसीर्कद बर्कोर, सर्वोच्न कोण वसीरुव पूरनः।

बिन्मा १ उत्तरवाधिक बनावरेडी किम्मेबारी विम्मेनारी शायिक २ अभिमानकरू देखरेख संरक्षण सरका सुपूर्वनी नैता~ उत्तरकाशिक/काशिक/विम्मेनारी सेना बीका उठाया।

विभ्नेतार १ छत्तरकारा उत्तरवायी ववावदेह २ विस्मा निपाने

विम्मेदारी है विम्मा १।

श्चिमराजिया चर, जी दिल हुवय हिन्छ।

२१ / हिन्दी पर्याय कोश

१ दादत भोज २ सातिस्य मेहमानदारी। जिपायन

बियारत १ तीर्थेन्जेन तीर्थेयाचा सर्वेयाचा २ वर्जन वेद्यता।

बिरह १ पुछताल प्रस्त प्रतिप्रश्त २ बहस-नुवाहिसा १ कवच बिरहबस्तर, बस्तर वस ।

कृषण विद्या बन्दर, वर्ग शीहकृषण । विग्रवस्तर

बिराफ विरोक्त कराया।

विका चनपद (उ. प्र.) संदल (य. प्र.) सवदिवीयन :

जिसामीस

कसरूर, मंद्रसाधीश समाहर्ता।

र जमरी बाल पवडा पवडी त्वचा २ वावरच बाडॉडव Care वे (volume) चंड यंच (राज म म ) ग्रंपचंड

(स प्र ), पुस्तक (राज ) माय बॉस्यम । विकास के विकास के व विसदार

P CHARLET I जिल्ला है है

जिल्लाको जिल्लाको जिल्लाका जिल्लाका ।

जिल्लाम जिल्लार जिल्लाकाचा साहर ।

विकास की है जिल्हा है।

बिस्सतः अनावर अपमान अवमानमा तिरस्थार तौडीम वैद्यवती।

जिल्ला के करीर।

जिल्लामी काथिक जिल्ली वैद्यिक शारीरिक।

जिहाद धर्मयुक्त गरहरी नहाई।

विद्या के बीम।

की १ किल त्रवियन मन २ दिल (दे) हृदयः ३ और प्राप ४ दम हिम्मन।

भोडा इस्ट्रे मिथी पाहन बहनोई।

मापा रीवी बड़ी मापा बहुत । करिक्री

१ जय में फतब समय २ विशी (मुक्टमें में)। कोत बीतना

अय होना भी होना अनह याना या होना अनहयाब होना मैदान भार लेना विजय का सेहरा निरं पर बेंधना विजयधी हाय स्पना निवय होता विवयी होता सर करता। व इराना ।

क्रीतर १ जीवा जानता जीवंत जीवित प्रायमुक्त मन्नाम २ जीता हमा जेता फ्रनह्याच विजयी विजेता।

हिन्दी पर्याय कोश / २११

बीन काठी बढ़ी भारवामा।

भौता जिहा खुना भीनित खता ह

प्रीमा देसीही।

चौम १ वयान निश्चा रसमा रसना २ निष्:

भौमनः काना काना काना भोजन करना ।

चीरो सहा भून्य सिक्रर सोम्ना।

श्रीचं १ कटा-कटा यसा-सङ्ग सर्वर वर्वारत श्रीनं-तीर्क ट्रा प्टा पुराना पुराना-सूराना पटका पटा पटा पटा-पुराना कटीयर समा-समा २ सरट सर्वर, श्रुत बुक्षा पुढ़ा पुढ़ा ।

बोर्न स्वर पुराना कुबार।

बीमोद्धार टूट-कूट ठीक करना पुन संस्कार पुनर्नवन पूरी सरस्यत -करना--धीक करना ठीक-ठाक करना दुन संस्कार करना

मरम्मत करना सुधारमा । भीवतः १ मानवार औठा-अपठा प्राणवान् सवीध सप्राण

२ तस्ताही वर्षणों स परा। स्रोम १ चैतन वीवसारी नहीं बेह्यारी ग्राणी शावसारी करीर भ्रापी करीरी २ जास्ता चतन तरन जीवारमा कह हम

३ जान जीवमतस्य प्रामः।

बीवर्ततु १ कीई-मकोडे वालबर २ मानवेतरप्राची। बीवर १ बीवंग्रता बीवशीयनित २ कमठता कार्यतनित पराक्रमः

बुढता सक्त ४ विक्स परात्रम शाह्म हिम्मत
 हीसमा।

स्रोबदबार १ बीवत कीवत्यामा सवीव वीवनीमस्ति बासा २ कर्नठ कार्वजीक बाका पराकरी १ पुत वक्त्यवीव ४ साहरी द्विस्मतावर हिस्सती हीसकमय होससेबासा।

स्रोचन १ विश्वतानी जिस्की प्राण (प्राणीत थे) श्वतात (सावेहसाद में) २ अस्तितस्य वजुद १ वे पानी-१ ४ अस्पेत प्रिय परम प्रिया प्याचा प्राणीयय -अस-स्वाचनम सावीयन

क्षामरच तार्विचनी मृश्युपर्यतः

सीमनकरितः विवयीनामा भीवनकवा जीवनवरित्र वीवनवृक्तांव सीवनी सायोगैर्यः तवानेजस्रो ।

भीवनमुक्तः सनासकतः वीदराव ।

वीवनी हे जीवनधरितः।

कोर्बोहसा जीवहत्या प्राणियात प्राणिहरण हिसा।

भोगस्मा भारमा भवन जीव तरक कह हस।

वीविका भागीनिका निर्वाह-सामन रोबी रोबी-रोटो वृत्ति ।

कोवित ज़िया जीना जीना हुआ प्राणनान सजीव सप्राथ सही

सनामतः।

मुविद्य गति पाल हरकत हिसना इसमा।

वृंधील यूकः। वर्षा

শুমা অুচ।

मुझाफाना भूशायर जूबगृह।

सुधारी जनाही बनारी सूपभीड़क।

बकाम शत्रता सस्यी।

स्पाध क्षेत्र तक्कीर युक्ति। भूगत खद्योव ज्योतिरिंग ज्योविरिंगच पटिवरमा भगनोमिनी चुमन्

सोनक्षिरवा ।

बुगासी पापूर, रोमंच ।

६ भूगतः।

बुर्युत

मुद्दसः १ मिन पूनानफ रक्ष २ वरमि चिड विरतिः

शन चत्र दुवना भाग हिस्सा। च्य

बुझार १ बुझाळ, बुझार सड़ाका २ वहाबुर वीर शूर।

१ इक्ट्ठा होना एकत्र होना एकत्रित होना अमा होना भूरमा

जभावज्ञा होता २ बुङ्ना नवक होना धटना ३ गुल्पमनुत्या करना गूपमा सिपटना।

१ इकट्ठा करना एक्ष करना एक्षित करना बमा करना चुटाना

२ इतिशासकरना जुपाइ करना प्रवेश करना ध्यक्तमा

कला । अमान जमानहा भीड़ सभा सम्मेशन।

सुराव

उण्डिप्ट रूपमा जूना करना। बुदारना इत्रष्टा होना एक प्रदेशा एक जिल होना जमापहा होना भीड़ भुद्रश

होगा ।

बुद्द धोइबी यमत युगल युग्य।

मुहिशियरी व्यायपानिका ।

हिन्दी पर्याय कोल / २१३

```
र बसद बसहवा स्वारा पूपक, विसय- २ दूसरा मिल
               मुख्यक्तिक ।
       जुदाई
              १ वसगाय बसइरवी पायस्य पृथकता २ फ्रियंक पुरस्त
              विकोह वियोग विप्रतंत्र विरह हिया।
              दे जन्म।
       नुनुन
      मुमृती दे चनुती।
      चुन्हाई वे चौबती।
      मुक्ती जबंदी बहोरतयः।
      भूगान दे बदान।
      मुमला १ वाक्य २ जीउ।
      भुमा जुववार।
    भूमेरातः बीखे, बीरकार, वृक्ष्यविकार ।
     बरमत साइस हिम्मत।
      मुक्त बाह्य हिम्मत ।
   सुरमाना दे जुर्माना।
     चुराव पायवाका पैताका मोका।
       मुमः सपराधः इतवास कृतुर वाता तकती पुनाहः।
    मुमीना अर्थदेश डॉड वंड वेनस्टी।
      भूरंत बाइस हिम्मव ।
      ब्रुत र छन छन-क्यट छन-छंद छन-छद्म शाँतर दगा दम
             बोखा च्टेन।
     भूताम वस्तामा बना रेक्क मीपनि ।
    भूमाहर कोरी कोशी तंतुवाय बुनकर।
     मृत्स देवन्सः।
बृत्यः, बृत्यः। देशातः।
     षुस्य
            बस्पाचार, अनाचार अन्याय उत्पातः कृत्वा क्यारवी
            नुमंत्रका चन्ती।
     भूपनी १ ह अस्याचारी कासतायी वालिय वर्तर, २ कृर निर्दय
            निर्मम कुशस बैदर्व बेदर्वी वैरहम।
    मुस्तम् योगर्दश्तनातः।
```

१ अधिवादन शमस्थार प्रचाम सलाम २ जाराईन

**बु**हार २१४ / द्विमी पर्याम कीव

बाह्याम पुकार।

बुही गुण्छपुष्य बृहीयूषिका।

🕻 केलकीट, जिसके जुभी जुबीस युका शीख।

चूचू माऊँ, झाऊ हीमा।

चूमना असमना शनकृता शनका करना सक्ता-सटना सक्ता-मरना

सड़ाई करना सड़ाई-सपड़ा करना संवर्ष करना। बुद १ पटसन पदुसा पाट सन सनई २ केमपास बटा पूड़ा

कड़ी साटा कट। भूटन क्वसिप्ट उच्छिप्ट उच्छिप्टान्न छोड़ा हुमा जूठा भूठा

भोजन भुक्त पृक्त पदार्थ। सुठा १ उभिन्नट २ तवकिष्ट, जुटाराहुमा ३ प्रयुक्त स्पवहृतः।

वृता १ उभ्छिन्ट २ तवसिन्ट, वृक्षराहुमा ६ प्रयुक्त स्पबहुत वृद्धा १ कवरी केलपाल कोटी २ यदूर पूला बौका।

भुद्री अतरज्वर, अंतरिया गर्वया ठंडम्बर मनेरिया शीतज्वर ।

वृत्तमपैटार १ वृता-वृती वृतापकार भृतीपैकार मारपीट, मारापीटी २ अवहा थया सकाई।

भूता उपानइ पदमाण पनही पादमाण।

कृतिसर अत्रर, कनिष्ट कनीय (वि ) छोटा (वि ) निम्नस्य (स प्र)ः

मूस १ रस २ रसासीरका ६ पन्य।

बूही दे जही।

केठ १ ज्योष्ट (मास) २ वेठवत वेठवर प्रसुर पाईकी भाई साहब।

कता दे निनेधा।

बर चरीता वनिती बीसा देवा पैसी वनित्ती पॉक्टि।

भवन्तः १ पाफिटमार २ गैठफटा निरह्नट निर्म्यन्तराः।

व्यक्तवं अपरी कार्च पॉक्टिकर्च पॉक्टियनी।

भेबी छोटा (जैस जैको संस्करण) पाकिट (पॉक्टिएडिसन)।

चेत चेतवाना कारा कारायार, नारायास (१) क्रीव कैटवाना वंदीनृष्ट्र।

पौदर दे आधूपन।

वोह्न १ दिमाय मस्तिष्क २ वनम श्री प्रता वृद्धि मिट सेम्बा समग्र समग्र-वृद्ध सुग-वृत्त ३ श्वारणाणकातः

हिन्दी पर्याय कोश / २१५

वीकेट - मरकिन वकाहर काकिट काविट वीकिट वंडी तबरी।

बीम बीमधम्बिसंबी जीनी।

चीम जाम मुस्मा।

वैशा विस किम्म/शरह/प्रकार का का संसा-वयो-कान्यों वैसा का-वैसा वैसा ही।

का-वसा वसा हा । वैने को लेसा हैट का बवाब परवर, बोड़-फा-दोड सवाल-का-बाबाद ।

वर्षेत्र विषयः क्षेत्र विषयः विषयः विषयः क्षात्र विषयः व ४ विषयः विषयः

करेंक १ कसीका रक्तपा रक्तपायिकी २ परोपबीकी पैरासाइट १ विषक् स्वार्वसावकः।

भोजना तीस करना तीलना वयन करना ।

मोजिय अंतरा रिक्त - बताना - भाग में कूरना साथ से बेसना श्रीवाली में सिर देना खताय स्तामा खताय मोन सेना खताय सेना सिर गर बताय सेना।

भौषिया वेचना वैरिक शतका।

बोड़ १ एकीकरण शुक्र टोटस नीवान नोण तमानसन २ तांठ प्रणि १ कोड़-तोड़ का लोड़ा बराबर, बराबरी का मैच समकत समान -तोड़—१ कम-कपट र्यावरींक २ विदेश का/पृत्ति।

श्रोहका १ (याकि) जमा करना बोढ़ करना बोढ़ निकासना/स्थाना टोटल करना[मिकसमना पीवास करना बोव करना योग निकासना १ (बन आदि) इकट्टा करना एक करना स्थान प्रकार करना बमा करना जमक करना स्थाना क्षिय करना ६ पोसीस्त करना वस्त्र करना स्थाना निकासा बोधना ५ मिकाना सामिस करना संस्था करना संस्थान करना स्थानिक करना समिसित करना।

भोड़वी भुवन भोड़ा यसस युगस युग्म ।

कोड़ा १ क्याबह भूता पनहीं २ शर-मात्रा पठि-मली सर्व-बीरत सिर्धा-बीती १ लोड़ बोड़-बोड़ का करावर, वरावरी का मैच संपद्धत समुद्धा समान। भोड़ी बोड ओन-तोड का बोडी-पाड़ी वशवर बरावरी का भेच समक्ता समतस्य समान।

कोन कटिबस क्षेत्र सहस्र।

भोवन १ जवानी (दे ) युवाबस्था (दे ) यीवन २ स्तन (दे ) वे बहार रीनकः।

भोर १ ठर्मा शोध अवत जान तावत दम वन बन-पीय नित र अधिकार, काबू वध -पुरम-अस्थापार (दे )।

खोरदार १ (भाषण जापि) बोजस्त्री बतरदस्त दमनार, सगस्त २ (स्थानिक सादि) जवरदस्त तेव तेव-नर्शर प्रवट प्रवट भीषम।

अपेट देपली।

स्रोतः सावेश आवेप उत्तेजना उत्साह उर्थन जोश-ऋरोश द्वीसमा।

सोरीमा बावेगपूर्ण उत्तवन उत्साहप्रव वीय-सरीव से मरपूर योग बाला कोक छ भरा।

मीहर देतामाय।

कोहार अभिवादन बुद्दार (है ) नगम्बार प्रयाप ।

भी वस यस धान्यराज वानीं यस।

भौहर १ अण्डाई उत्तमता कमास धूबी विशेषता २ फरतव।

भौद्री १ रत्नविशेषा २ परवर्षमा परवीया पारश्वी एलपारवी। श्राप्त भाषण याना-वृक्षा जाना-समक्षा नाना हुवा परिचिठ भाषम विज्ञान विदित्त शृक्षाठ स्विज्ञाठ सर्विदित।

हातस्य बाननेयोस्य झानगस्य झानमोचर अन बोप्रयस्य दिश्चयः। सानः १ इत्स बाननारी परिचय प्रनीति बोध विवेदः सबोधः

२ आरम्प्रात गाल्पनोध स्वरोध ३ तस्यक्षात बहुद्धात।

शानपीठ वशायमी। जानी श्रेभारमञ्जा

१ आरमञाणी आनवान शरणजानी श्रद्धशाली विद्यानी विवेकशील विवेषी २ आणिम पवित्र विद्वाल मुपटिन सुवित्र ३ जानगर, शासवान्।

क्तापन (memorandum) १ मार (उ. प्र.) शारिका (उ. प्र.) २ स्मरमपन क्वृतिपन।

अस्य वे अरातव्या

```
क्यतंत
               १ अधिकता आधिषय बहुतायत बाहुत्य २ अत्याचार
                (b ) कठोरता कड़ाई, बबरदस्ती बुस्म बोर-जबरदस्ती।
स्यादती
                अवननीय अवनिष्ठ अनाम अति अतिरिक्त स्रोतिकय अतीव
      बमाबसी
                 बतुत बतुत्रनीय अतुसित अत्यत अत्यधिक अवाह अधिक
                  अधिकास अधिकाधिक अनेत अन्यन अन्यिम अमीनतत
         क्याबा
                  ह्ममुक्त अनेक अपरंपार, अपरिमित वपरिमेव कपार असस्य
                  बसीम बसीमित बातारीत और कीटक यहरा धमा बनेरा
                   श्चीर ठसाठव हेर,नाना निश्चावत परम हुण्कम प्रवाह प्रमुद,
                    प्रमूठ फानपू वह बहुठ बहुत स्थावा बहुतरे बहुस बहुतंब्य
                    केनुमार केहर भारी भूरि महा सातायात विपुत्त
           स्तावातर : व्योवक्टार, व्योवकांत्रतः अपूनन प्रायः प्रायं करके बहुत
                      ् धाना बावत भोज महामीज २ बतिजिसाकार
                      करके बहुधा ।
                      कातिस्य मेहमानवारी मेहमाननिवाकी मेहमानी।
                       क्षेत्रमणित समेदी क्योमेदी रेखानचित ।
                क्योच्छ : १ बेठ २ केठा वडा ब्रह्म वृत्व १ उक्क पूक्य घोच्ठ
                         १ किस सम्ब/समय/वर्त वैस ही २ विस इंग्र सिस
                        Y MEEL
                  क्यों
                         प्रकार में बीरे।
                          ह अकास।
                           ह जुबन्
               क्योदिरिय
                            आकासनिका खनोगनिका प्रहृतिका क्योरियसास्त्र नसम
              क्योतिरमध
                           हे प्रकाशमय ।
                क्योसिमय
                             आकाणिकारिक् लगासक पहलारकी नक्षणकारकी नजूमी।
                  क्योलिय
                            विधा शबूग मुबूग।
                   क्योतियी
                              श्वाणा प्याप्तर वावत श्रीम रोटी।
                             र बोदगी।
                               े अच्छा अस्यस्य स्पष्ट विषया साझ, मुस्पन्ट स्पन्ट
                   क्योत्समा
                              बर, जूरी कीवर दुवार।
                               २ बीप्त प्रकालमंग (दे ) प्रकालनात्।
                        W
                       SPERM
                 प्रदी दिली वर्षीय कीत
```

न्यादन १ जोडना सिसाना वेस्टक्टमा २ नौकरी संजाना सौकरी सुक्रक्टना सेवारंस करना।

क्याला धर्मी जलन तपन तपिय ताप।

Ħ

सकार संहति श्रमकार सनझनाहट,श्रनाझन सम्लाह्ट।

सहत सर्वात व्यक्तित निमादित एपिन शक्ति ।

सम्बाद् शाहशादी।

मझर १ जन्दान समेला पनका परेशानी प्रत्य बहेश बनश्र बनास लफ्डा पटराप २ सनश्र सगश-सफट, सनश-टंटा टंटा १ नश-मूनी तु-नु-मै-मैं।

मसर सम्बद्धाः पूर्वानायः ससर सम्बद्धाः

संसरी १ जानी २ जानीबार खिड्नी !

र्शना अंधड आँधी वडवात शंताबात तुष्टान प्रसन्न बवडर।

संसोदना सप्तारेना सटकारना क्षोरना हिसाना-दुसाना। संडा नेतन नेतु सडी बचन बचना निकान पराका परचम फरहरा नावृता/कहराना —सीवचार जमाना वाधिपन्य करना

श्रीतमा जीत सेना विकय प्राप्त करना। प्रेपोला प्रवक्त ध्राक्ती श्रीपाली श्रीपा प्राप्ती।

सक धान्त संश्वे धून सनक।

शक्तीरना है समोहना।

श्रशासः चारवस भावता वमवमाता भगावम वास्वत्यमानः

सरोरा अवोर अटवा आका। अवदी ग्रनी दुनी बाबमा मनवी।

साल वे मर्ट्या -मारना - वश्य पंवाना वश्य बाया वरना ध्यव में समय नैवाना समय बर्बाद करना ।

समझ्याः चनह करणा जूसना सनसक नरणा सवदना सपड़ा चरणा सगद्र-स्टानच्या धनचारवचना तु-तु-मैं-मैंचरमा दंगाचरना वदातककरणा भिड्ना रचनककरणा सहमा सहना सहना न्यस्ता

हिम्बी वर्षांय कोश / २१६

सड़ाई करना बाद-विवाद करना विवाद करना हुक्जत करना।

क्षपड़ा १ कताह, कहासुनी सबय सकरार तु-सू-मैं-मैं मुहामुही निवाद हुण्यत २ व्हटपर सबदा सबदा-क्रसाव टंटा कसाव व वंगा पार सवाई संबर्ध।

सगहान् अस्माना फलह्कारी कनह्मिय कनहा कमही बटपरिया जंबानी समेनिया बैगई, फसाबी बचेडिया सहाका नड़ाकृत

सन्तर संघर, सन्वर, मटका।

सद सभी मिनने बानन-धानन में एकबम बटनट कट से बुननी
बानटे बस-बात-बार बाली कामी-ध-बस्ती तर से तलात
तरफाव हुएए चुटा-चुन्त देवते-बेबरी पत्रक सनक्ते पत्रक
मार्थे क्याकट कीरव डी रेन्टर शीध
कीमारिकीम।

सद्धकता १ झटका देना झटकान्या हिलाना २ ऍटना चुराना चुरा सेना प्रार सेना के सेना हिल्दा सेना १ छीन सेना झरट सेना नुट लेना। सदका १ चर्च टकट, चक्का २ एकायादी प्याप्त (सटका पोस्त)

६ माचात बॉक गोनामातः

सदपद वे सट। सदमा अधित होना गिएमा सच्या स्थलना निपात होना पदसर होना पात होना स्वासित होना।

झड्च १ अवडा टक्कर मित्रंत मुठमेड २ वहासुनी शकरार, तू तु-मैनी विवास ३ देश रार, लडाई, संबर्ष।

प्ता । अभिने वर्षा समावार शहना समावार गरिय समावार वर्षाः

भ्रमक श्रीकार, श्रेष्ट्रवि शतकार, शतशत समस्ताहर शतासन सम्बाहर।

अनुसनाहर हे समका

सरकी अँव साँप रांत्रा निशा नीव इनकी नीव।

सपरमा सपट्टा मारना टूट पहना सपकता । सपटका मात्रमण सपट टूट पहना भाषा । के संसद । शरना १ चरमा असप्रपात निर्सर प्रपात सोता २ करणी छन्ना छन्नी पौना।

सरोका १ किश्मी यमाश्र सँतरी दरीका कातामन २ रोधनकान। सनक १ माभास सीनी दर्शन पृथ्य २ माभा जमक दमक

व द्वाया हार्षे, परकार्ष, प्रतिविक साथा। सस्त्रामा उवस उठमा प्यक्त हुन वामा युद्ध हो बठमा क्रोधित हो बामा जुस्स हो बागा क्रिका ठीवमा बीम उठमा माना बुस्स म विस्सा उठमा विश्वविद्याग विश्ववामा विस्साना होससा उठमा मुँससाना बीयसा उठमा।

शत्मार्ट जनना कुडन कोछ स्रोम कीन बीस ग्रुस्था विवृधिकृतना स्प्रसाहर, कोकसाहर ।

सीई १ वक्ता विसी काई बाज समा (मुँहके) २ काया परकाई, प्रतिबंद सावा ३ समक (१) ४ करट छल (१) शोबा (१)।

श्रीवना चारी-दिप देवना शास-सांच करना देवना निरक्ता निहारनाः।

सिको १ आमास समक दर्जन दुस्य २ दर्जनीय दुस्य।

श्रीपड से बप्पड़।

মাৰ-মাৰ বহুলুকী বিচাৰিত ভিৰতিৰ বিৰক্ষিত নিৰ্মাণ কৰাত, বু-পুনী-নী ৰক্ষাক বক্ষাৰ বচন-নুৰাছিল ক্ষাক বিৰাধ বাহৰিবাৰ চুক্তা।

स्रोता श्रीमा-पट्टी ठपी दवा दम-बुत्ता दम-दिसासा दोखा पट्टी प्रदेव बद्दशामा भूसाया वेचमा।

साइ १ सोमेनी सोमेनी-सोमेनी साइ-सूर सनोरचार २ साइ इत्यूष उत्यूष होइस-स्थास १ शूप साइ-संबाह साही ४ साइ-स्टेचार, सिड्यों डॉट, बॉट-बपट, डॉट-स्ट्रकार, बुलगर, प्रताइना प्रस्ता त्याह ।

दुर्तार, प्रवादना मलना सनाइ प्राइम्बर कानन संगम (दे ) सन सन्।

भाइ-सन्पद् युप साह साढ़ी यौद्या पौद्या । साहदार शाहायार साहवाला शाहियोंबाला पेड-सीवोंबाला ।

साइका १ साहना-पोछना शाह-पाछ करना पोछना-साइना साछ करना २ मोर्गदी-साधीवी करना शाह-प्रुक्त करना शूब-प्रेव/

हिन्दी वर्षाय शोध / २२१

भूत-बामा उदारमा भंत्रीपचार करना।

मान भूना बढ़ती बुहारी सोधनी धोहती :

झापङ्ग वे चप्पङ्ग।

मान १ सीम में गीरा २ चरपरापन चरपराहर तीक्सता वीता-पन वेथी।

सिकसिक देशीय-साव।

मिशक सेंप परोपेश करता धर्म कशोपंत्र संकोश हिचक।

प्रित्सकता किंग्जर्तमध्ये प्रमुख होता अंपना पर्योपेक से प्रमुख होता अंपना पर्योपेक से प्रमुख होता समाप्त समाप्त से प्रमुख होता समाप्त समाप्त से प्रमुख होती करता हमाप्त समाप्त से प्रमुख होती करता है

सिक्कमा आड़ पिकामा/कपाना डॉट रपट करना डॉटना डॉन्टा-इपटमा डॉटना-टटकारणा डॉट-पटकारण करना टाइना हैना महादमा देना महाड़ित करना पटकारणा अर्पना करना करावण सहाद पितामा जानेव-पदामत करना।

स्तावना सवाब (प्रशामा सानव-प्रसाधव करना । सिम्हकी साढ बॉट बॉट-व्यट बॉट-व्यटकार तावना दुवकार, प्रवाबना फ्टकार, प्रार्थना सवाब सानव-प्रकाशत ।

जिल्ली **वे** शीगुर।

ामस्ता व आपुर। सीबनः १ दुवावारीना (अपनी) परेचानी पुनाना २ कुवना वीवना

वीक्षता ३ पळ्याना पश्चाताप करना ।

सीर पुरवृत्त जंगीरा मिल्मी।

मॉसी पुहार श्रृष (छोटी)।

सीना वांबर, बांबरा वालीदार, शांसर सिमिना प्रिल्मक पत्तला वारीक।

शील देवासाय।

र्मुससाना सुध्य होना बीसना विविधिताना सस्ताना बीबनाना। र्मुससाहर १ आमोस सोन सस्साहर बीबनाहर २ फुटन बीस

ह्द १ आणोश सोश सस्साहट वाजनाहट २ हुटम चान पिट।

शुंड गच गरोह शिरोह, बुट बुट बरचा जमकट टुकड़ी टोसी यक क्षत्रा श्रीक संबक्त सबली बुच शेहड वर्ष यह समझय समुदाय समूह।

तुसना १ अभिवासन करना जमन करना नमस्कार करना प्रमाम करना २ नवशा निद्वारना समयना सटकना(शीचे की बीर) के मुकाव होना प्रवृत्ति होना रचि होना रमान होना भंतम हो बाना विशव हो जाना विशोव होना १ हार भागना ६ अर-बाना(बच्चो के लिए प्रयुक्त) ७ दवागा।

मुकाना स्वाता नेवाना निहुत्तना संबकामा संघाना रे झुकना।

सुकाय प्रवृत्ति रवि सतान।

सुग्गी उटन दुटिया दुटी दुटीर क्षोपक्ष्यट्टी सुग्गी-सोपड़ी क्षोपड़ा क्रोपड़ी पर्णदुटी पर्णशासा।

मृदपुरा सलासुबह उपकास शबके पौष्टने की बेसा बहा मुहूर्य भार सुबह-सबेरा।

मुठमाना भुठाना भूठा ठहराना भूठा बनाना शेवमा।

मठाना दे मुठमाना।

मुरमुट भूज नतापृह नता-विताम।

शुरी जिन्न समेन्ट सिक्ट्न सिन्नट।

शुसतका अवनाश्चराना श्रीयना सूकना।

मुनाना १ दोसियकरना २ आसरे मरवना नटकाना।

मूठ अनुत अयथा अवचार्च सवास्त्रविक शतत सरस्य प्रसत

मूटा निराधार, निस्सार मिच्या मृया सक्तेत मूठ।

मुक्कु वनारण नाहुक निराधार केशर म श्री ही स्पर्ध मे । सूठा १ सूठ २ वसत्यवाधी सदालमाणी निम्माचाणी य वसारविक योटा वांधी विचावटी नकनी दनावटी । सूमना वींच्य होना कांचना शोक याना वोनाना सहराना हिना । सूमता १ हिडोना २ सुनना पानमा ३ रखी का पुन सुननेवाना

मूसा १ हिडोना २ मुमना पासम पुना।

सँप श्रम यमिवगी सन्त्रा शास । मॅपना शर्माना समिया होना श्रमामा सम्बद्ध होना ।

मेरिया शर्मामा समिक्षा होना सन्तामा सम्बद्ध होना । श्रीक्षमा श्रद्धामा (जीते क्ष्ट) वर्षांश्व करमा भोवना सहन करमा

सहना। स्रोंक १ गणि स्रोका केग २ कोर, ताक्रश वस्ति ६ उप्पाद यावस्थन सनक ४ कावेग सर्वेग उद्देश २. धूमार नता। स्रोंका क्षारेश सटका स्ववत स्वाह वहाव रेता।

सारण सरारा प्रटेश धरण प्रवाह गहान रता। सोंपहो चटन दुटिया हुटी दुटीर शुली सुन्धीनरोपरी सोयहपट्टी

सापचा पर्णदुटी पर्णगाला।

झोस

दयना

शोस तरी रस रसाकोरकासूपः।

सोसा चैमा बैग।

झोणी १ येथी वैंग २ आर्थिण दामन परुसा पस्तु।

2

रंधन टाइपकरना टाइपिन मुझलेख (स प्र )।

हकार देकार बनाका अनुपर्दकार।

र्धेकित टाइप टाइप किया हवा ।

दकी टैक (इव भरने का) वर्तन।

होंगड़ी टीय पाँच पैर चाठ -मारना---(किसी के काम म किसी का) काम रोक बेना टेंपड़ी बढ़ाना न होने देना बाधा डासना

क्काश्वट कालना विचन कालना। १ पुरत-पुकरत ठीक ठीक-ठाक फिट २ वैपाए प्रस्तुत स्य

मुस्तेद ३ तुप्त सनुष्ट।

मारुवर विकाश अवर्थन अपन। रहबट

टंटा ब्बटराय जांसट समझा पणका परेलानी अफूका २ है टटचंट।

१ अभिनेव दृष्टि एकटक देखना पड़ी हुई नजर, निर्मिनेव टक टकटकी वृष्टि स्विरं दृष्टि २ भाससापूर्वं दृष्टि <del>वांध</del>ना या भवाना-एक्टक वेश्वना स्विर वृष्टि स वेश्वना ।

१ मोटकाना टक्कर बाना टक्कर मारना ठोकर बाना दकराना धक्का बाना मिड्रेंस होना मिड्ना २ डॉनाडोल पूमना

माराभारा फिरना। दक्साल टक्यामा विकासाना ।

टकसामी **भ**ण्छा पारा चोचा प्रामाणिक सुद्ध।

इका १ अध्य क्षण क्ष्मवा-पैसा २ वसन्ता कृपैसा।

१ जाजात शटका ठोकर धक्का बचात २ मिक्ट मृठभेड़ टक्कर समर्थ ३ तुस्य वरावर, समानता ४ मुकावशा सामना का--वरावर का समकका समान मुशाबने का समग्रस्थ ।

रचना दुस्य । हरका अन-भैनासा कोरा टाटक शाका तुरत का दूरत का कना/ निकामा (वैसे टटका खन्छन) धारोच्या नया !

टरपंत्रिया दे इटपंत्रिया।

हरीनमा १ (हुठ बोजने जानने या सामृत करने के निष्ट्) सूना टक्टोरना टक्टाहुना दवाना स्पर्न करना २ बोजना बूँदना दवामना ३ जोच करना चांचना यहाना याह नेना परवाना।

इत्वी १ टिट्या टहुर टाटी २ चिक चिक्रमन परचा ३ गृह, मूँ गु, मोबर, छी-छी (कच्चों के तिए) पाखाना पुरीप सक ४ ट्वांयकेट बनमुविद्या पाखाना वायक्त्र श्रीकालय संवान।

बटद भोड़ा (है ) छोटा बोड़ा टॉगन।

देण देनक देनकार देनाका देनादेश।

दममन सूत्र चंदा टनमना वंदुरस्य प्रसन्त स्वस्य।

नमन चून वना ध्यमना घडुररा प्रचल स्वर टपक टीस वर्ष(के)।

टपरना १ जुना निजुरूना बूँध-बूँद मिरना रिसना २ मिरना सरना नीच सा जाना ३ करनना चयरना विसनना निस्तुना टप-टप करना दीस सारना वर्ष करना।

हमाहम खटाबट बटपट बटाबट बस्पी-बस्पी देखते-देवते फटाफ्ट श्रीक्रामा से ।

टप्पा उद्यान नृद फर्नांग।

दक्त द शब्दि।

टब नौदनाद।

हमदम चाहाबाड़ी वीचा बग्बी।

हमाटर टोमैटा विशायकी बैनन।

हर १ सह जिस् (रे) हठ (रे) २ वनक् (रे) ऐंठ (रे) ३ टरटर (मेडक नी मानाव)।

हरकता शिवश्या विमय जाता ग्रायब हो जाना असा जाना हरक जाना जी वो प्यारह हो जाना ।

**टर्न १ जु**साव मोड़ २ चम कारी।

टम अवधि वास वक्त समय।

इनियम वशिमस्टेलगं≀

```
टर्समा
```

२१६ / हिम्बी पर्यांच क्रोब

## टाइपिस्ट

```
हर्गमा
              १ (मेडक का) टर-टर करना २ (बोसने में) अधिप्टता
              करणा घष्टचा करना वक्षवास करना।
              १ बिसकता सरकता हटना २ पोस्टपीन ही काना स्वसिध
      टलगा
              हो बागा।
      286
              करक कराक, क्यक टीए वर्ष वीका वीर।
       बसर रेक्स (हे ) विक्रम
     रस्का देश बांस ।
      दशनी
             उपनाचा राप राम रासी प्रशस्त भेत बास तथा।
      बहस
              १ ब्रियमण देखमास परिचर्या संख्या हेवा (१०)
             २ पायरी मौकरी।
    बहलना
             भूमना भूमना-फिरमा चलना फिरना धैर करना इया
    टहुनुका
             क्षियमध्यार श्विषमधिया मौकर मृत्य क्षेत्रकः।
              १ सटकाना कच्चा करना गुममा बोहना विश्वाह करना
    रांचना
             सीना २ चढामा टीच मेना वर्ज करना सिख सेना।
             र मोश - र चकती शकती किया किया है समाई.
      टोका
             शीवक ।
             कोड चरण पन पद पाँच, पांच पैर ।
      ato.
             औटकामा बटवाना प्रवक्तामा प्रदामा गर्रहमा कटकामा ।
    z luan
होता. डॉमी
             मठार एठारी कुसावा कुलावी बना करता।
  टांड सोट
             परसक्ती पाटम संधान।
            कर्मक व्यक्ति हैं -ब्रांग---१ कर्मच व्यक्ति हेंहें २ अनर्पन वार्षे
      योड
             मकार वक्यांश -क्रीम फिल---नतफल नाकाम ।
             पनाकृत, टासिमाइटिस ।
    elfer.
             १ क्या क्या इवा २ प्रशंक बुरा (वैसे टावट पोबीसन) ।
     XTEX.
             १ जपाति पवनी २ माम-३ सोर्यम सूर्वी हेरिय।
   शहरिक
             १ (type) छापा (कई) टक्न (वि ) पूर (म॰ म )
     EIRY
            मुत्रमेश्व (म. प्र.) -करना -- टकित करना सुद्रमिश्वित करना
             (अ. म.) २ फिल्म नमुना प्रकार।
            टेक्स्क्रम टेक्स्प्यम ।
टाइपराइटर
            (typist) अक्ष टाइपकार (केना च अ०) नुप्रमेशक
  टाइविस्ट
            (w w) i
```

टिक्सी

रिकार

```
मियाची शुक्रार।
राइप्रायश
   दाइम
           काम (वे ) वश्व समय (वे )।
टाइमरेबुल
          समयसारिणी ।
टाइमपीस
           पत्री टब्स वाच वेशवती।
           कपड़ा कपहैस कपरेस ।
   शास
  टोर्डिट
           टट्टी पाषाना बायकम भीचमृह शीवालय संबास।
           जपनवर, इस्था कामोनी नवर नवरी पुरवा पुरा
   टाउम
           मुहस्सा बहर।
  शनिक
           पुष्टई बसवर्धक दवा बसविश्वती स्कृतिवासिनी।
     धाप
           धुर मुम।
     र्होप
           १ मुर्चेन्य भएड सर्वधप्ड, मर्बोश्य २ कर्पसूत्र ।
           वकीरा शीप।
     513
           बुद्द कूनवा सांदान परिवार वास-अच्छे।
    टावर
     टार
           कोमवार वारकोश ।
    शर्ष
           भोरवसी बैटरी।
           बटाना बट्टान ग्या देर।
     र एक
            १ अवायद करना अस्ताना विसकाना टरकाना ह
   दोलना
            डियामा दूर करना दूर रखना दूर रहना बचना
            सरकामा इटामा २ चमता करना दरकामा घता वर
दरसमहोत्र
           स्वर-नगर क्षानापीछा सामरस सामाराजी ट
            टामना बहाना बहाना बनामा हीमा-हवासा ।
    हौंबर
            मीमार ।
    श्रीवेश
            अंशाष्टा यमध्य तीमिया।
    Tent
            टिक्बर ।
     fent.
            Ex I
    दिवद
          स्टास्प ।
            टिक्ट क्सर्क बुक्तिय वसर्क ।
 रिवट बाब
    टिकडी ३ १ तिपाई स्टूल २ वरणी ताबूत रत्यी प्रवमान समन
            अङ्गा श्रष्टा रहना जनना चना रहता वसना रहता
            स्थित रहुना ।
            त्र्युक्त टीका विविधा विकी वेंबी।
```

१ टिननेवाला मजबूत २ बटल विरंतन प्रश्न

हिन्दी पर्याय शोध

```
& Account
                                                                          Aωα
```

दिकिया टिक्की टेक्सेट वटी वटिका।

टिकोरा अधिका अंकी बीरी ।

हिन्दी १ दे॰ टिकिया २ अभावती बाटी भीरी सङ्गी । विषय १ सत्तव तैयाद प्रस्तुत युरतेष २ चुस्त पुस्त-पुष्स्त ठीक

ठीक-टाक क्रिट, फिट-फाट I कररी टिडिम टिहिसरी टिटिमा। विरहरी

बास्त्रत स्वाती स्वित ।

दिश्रम कीका पर्तव पराया फॉलका कक्या । दिश्हो टिटिटम क्लवा समय।

fire कमस्तर धम्बा विस्ता।

टिम १ इनाय पुरस्कार बच्चीब २ यस रिकास बस्कोच।

विषयाप १ अच्छा चल्हण्ट, चलम बहिया २ फ्रिट. फ्रिट-छाट बना इता बना-सबरा बबा-संबा बजा सवा।

<del>दियान</del> र टिप्पची **विश्व**ता २ टिप्पची (दे०) ।

(comment)-- १ टीका टीका-दिप्पची २ बासोचना (प विध्यको

प्र ) स्थानोषमा (य॰ प्र ) ६ शीट ४ (gote) मीट, टीप (बि ) ५ व्याच्या भाष्य।

क्षमाकृषती बन्भपती टीप टीपत देवा । टिम्बस

१ कटोरवान टिकिनग्रीरियर २ घोषन मध्याञ्च-मोवन क्रिकिन HT!

दे॰ टेमिफ्रोग । टिलिफोन

शिव्या दे वर्षि।

शी चाप। शोबा

१ इक्षेत्रजन वैक्तिनेकन सुई २ तिसक विंडी एवितिक ३ अवसम मॉबटीसा ४ वर्ष की, कुबी तकतीम रीपिका भाष्य विवेचन विवेचना व्याख्या व तिचक, मैंननी।

अर्थकार, कृती-सेलक कृतीकार वीपिकाकार, वीपिका-नेधक हीकाकार ब्राय्यकार विवेशक स्वाक्शकार ।

होबा-दिपाची है श्राभोचमा ।

टीकर है। सम्मापक ।

शीव है टिप्पन। बीधन हे दिपान ह

२२० / हिम्बी पर्वाय कोस

टीपना १ चाँपना भोटना बवाना मसकता २ (विसी का देखकर) अनुकरण कर सेता नक्षण कर सेता लिख सेता।

टीबी स्तय समरोग दिन तपेरिक राजरोग।

दीमटाम आडंबर (दे) विकास प्रदर्शन बनाव सियार ।

टीमा १ दूइ मीटा २ मुन ३ पहाबी।

होवी टेसिवियन दूरदर्शन।

टीस क्षमक चसके टपक टपकन टपका टमक टमकन दह पीड़ा पीर, वेदना व्यथा भूम साल।

हीसना टपकना टमकना कसकना वसकना वर्ण्डोना दुखना पीड़ा होना पीर होना/उठना शुक्र होना।

देश १ मुत्र सुत्रा भूता हथकटा २ ट्टाईंटा।

दुष्ठ अस्य अस्य-सा योगा थोश-सा।

**र्कड़कोर** ट्रकडतोड़ परामित परोपनीबी ।

दुक्ता १ वंश क्षेत्र अवसव कोड खड टूक भाग हिस्सा २ विदी विट ३ कटपीस पीस ४ कतरत १ कीर, सास।

कुमक, निरोह युट कुट जल्बा अमान सुध टोसी बस्ता धड़ा मंडमी थून समुस समा।

दुण्या सदम भोछा जुद्र छोटा तुच्छ।

दृटपुँजिया स्राक्षिण कॅमला करिक कीन दीन-हीन निर्धेन मुख्यतिस।

दूँदी टेप नल नलका।

ट्रक दे दुक्का।

दूरना १ असम् होना असमाना उत्तहना बांब-बांब होना पाँडित होना चटकना चटकना चनकना टक्के-टुक्के होना पूकक होना अन्त होना २ आवमक करना ट्रट पहना अपट पहना सावा कोमना पित चटना ३ बन्ताह/साहण/हिन्स्व योना सम्भव टुटना दिस टुटना।

ट्र-पूट (wear and tear)—पिसाई (व प्र ) विताई-पिसाई (व ) छीज (स प्र ) छीजन।

क्षा चंडित इट-पूटा मना।

इटा-च्टा १ किन-भिन्न बीचे जीर्चगीर्च अवस्य भागावधेय २ वामबनाठ तवन-गदी मामूची तावान्य (जैसे वह टूटी प्टी बेर्बेडी बीच नेता है)। H

ट्रम बामूयन वहना बेनर (वे )। कृत कृत्यद्वारा ।

देशासेंट रनमित बेस-प्रतियोगिता ।

इरिस्ट पुमकक पर्यटक भागावर।

टैर्ट (वोते की बोसी) रेर्ट जल-बचन बात करनुप्रक वक्तार करूनास व्यक्ती बात हुउवत से बोल बाता-मरमा ।

वांबे मूब सेना वात बसना वम तोड देना मर बाना। है

है काडा कटा युरी युड़ी २ छोलवारी वस्तु, शामियाना। (tender) निविद्या (कई) निविद्यान (वि ) मस्ताव (म त्र ) प्रस्तुति (स प्र )। वेनाव ।

ै सवसव बाह आसव सबस सहारा २ कोट, बाग चौड बम बुनी बुन्ही है जह जिस स्वीहरु ४ प्रथ प्रतिका

मनठामी बात र प्रत्यावती पक्ति (सबीत)। रखना सनाना (मत्त्वा टेकना) २ सनसन/भामन/सङ्गरा नेना १ कोट/बस/बूनी लयाना ४ टेक सवाना बोटेंबना वहारे बैठना वहारे मेटमा।

**उक्नीकी** जिल्लीय।

 बाबा ऍठबाद ऍठनवार क्वांटल खमबार बुमावबाद देवा तिरछा टेडा-मैडा तिरछा विरखीहाँ विवेश वक विका बीमा बाह्रिस बेडा बाह्मिम बड़ २ बाठिन विसाद, टेड्डी

बीद, वेशीवा विकट, मुक्किल विध्या। देकापन नावापम कृटिमठा टेबाई, बकुरता बाँकपम। बेंड्रा-नेड्रा बाडा-विरक्षा ऐंडा-बेंडा टेड्रा-विरक्षा बांडा-विरक्षा। बढेरिक टेप इत्तेकिनक टेप पट्टी श्रीता सेनो टेप। देवल हबुल

र पटल मेज २ वालिका सारिकी फलका बेर वाबाच वाञ्चान पुहार योहार, पुनार, बुमावा होनः। हेरना र बाह्मान करमा पुढार समाना पुकारना इनामा होक समाना २ वनापमा वाना तान श्रेवमा और से नामा । वार्तकवारी बहाकू।

/हिम्बी पर्याम कोश

टलर टेसर मास्टर, वर्जी ।

द्दसदाम .....

श्लोपास वार।

हतिकोन हत्तीकोन पूरमाय फोन।

हेलिकिन टीवी दूरवर्षत्।

दश है सादता

टवा अन्यकृष्टमी अन्यपंत्री टीप सम्मपत्री ।

इस् किनुक दाक नाहर, पनाथ।

टेस्ट १ समित्रीय मुकाय स्थि २ सामका स्थाय ३ इन्तहास इन्तिहास परीशा।

हैक १ कड रकी शासाब २ युख टैक।

दक्त कीशम चातुरी दिविगस दम व्यवहार जळर।

टैक्स १ कर २ बायकर, टोलटैक्स पुसकर विशोकर महसूत सीमाकर।

र्टम टॅपनी घण्यी बंधनी सटकन।

हैय अल तसरा।

देश्यित (tani) परिवात (वि) परिवात मुक्त (स. घ.) प्रशुक्त

(उन्नम्प्र) धूलकदर(उन्न)।

होच टोकमा टोकाटाकी टोकाटोकी।

होक्न विक्क निवानी स्विनक। होकना टोकाटाकी करना बळलंडाओं करना पूछकर होनना पूछताछ करकेटोकना।

बोकरा खीचा खोमचा चीमरा छावड़ा सावा टोकना श्रमा श्राप्ता बीगा।

दोक्सी खाँची चेंगेरी छावड़ी दलिया वासी दौरी।

दीसाठाली दोवना दोवाटाकी करना टोकाटोकी करना दश्वसंदाकी पूछ-कर टोकना ।

बोरका १ जानू-टोना टोना टोना-टोटका तंत्र-सन २ लटका।

दोदम पुत्र जोड़ पुत्र योग जोड़ (दे ), सीवान योथ (दे ) । दोड़ अधाय वनी शांति भाटा नृजनान हामि।

होडी १ समामवी २ अधन वचीता होही वच्चा तीच।

टीन टोन मनुवान सहना स्वर स्वरतीती। **टोना** eta, मिषार बाबु-टोगा टोटका टोना-टोटका वेष-मंत्र गूठ। शेव बारेजी टोपी योक्स बीच माइट बीच करूट बीच जिस्साब सफारी क्षेप स्पोर्स क्षेप हैट। है टोपी। कमहोत कुमही बंबर टोपी बडी टोपी। है टोप टोपी। टोपी १ के डोच २ गांबी टोपी बुपिवण डोपी १ के डोपा। टोला जपमगरी कामोमी प्रहस्ता। टोली विधेह पुट चौकरी जस्या जमात शुढ़ टीम टक्की बस ै बोज उटोल बुँड २ बता-पता बाहर, सबर, पंछ समाचार । बबर मेनेवासा बृद्धिमा बोब-खबर सेनेवासा बोबी बोबनेबामा टोह सेने/सवाने बाला ईंडनेवासा ! मपुष्टिलक द्युवनिया निजी विसक। स्पृत यम । १ वृधिया सह संह साइट २ मसी। ह्युववेल नलक्षा इंच बर्टबी पेटी बन्स संहक सुटकेस। कृत्व १ स्थास २ मकीत विकास । द्रोसपोर्ट परिवद्दन बाह्न सवारी। इतिकर धनावमा नवसी। हांक १ कोलिस प्रयास प्रवास २ बाजमाहत परीसा प्रयोव । हारकुरमः विश्वस्य त्यावाधिकरमः। होतन है जीच परीक्रम २ क्रुक्तमा ३ नावमाहक प्रवीत । दिश कीर कैर-सपाटा। इतिमेंह इताब उपचार दवा। ट्रेडमूनियम संबद्गर संच समिक संच । हैंग रेख रेलगाड़ी। देनिय प्रक्रितक। देवेशे १ मासरी दुवांत २ पुर्वटना । र्वेडिक याताबात ।

द्धाः, द्वारा कंद्र, हाथ काहा राज्यमा सर्वे ।

ा बहुन्ति कालक नद्दाः द्वाका क्रीमा सद्दुरण 113

३ हरू ४ न्दर् ज्यारन सहस्र।

सर्द ्राप्त, जार्च रागाः, स्मा (कृष्यामा। स्मेर ।

टंट, टंटच है उस।

ರದ ಕರಪಃ

टकामुनाने सुरान्द्र (हे), चान्यारा, चारणाणा 

स्कृत्य । १ स्कृतका प्राकृतिक स्वार्किको 🏲 शक्ताको ।

हक्<mark>यां । क्रांति</mark>स्त, स्कृतान स्थम, सिम्पन सरदारे स्वकित।

द्रवरत्ता इ द्रष्ट्रपद्रता ट्रम - बार्न हमहाप्रमे, हजी हुनै होहेराज प्रस्तव क्रीमें, रहन १

द्याना विकास समझारण समझारा कार्या केला देशा दरी करण

इतना, बोद्यारेका, धुरमा धुर केला मुख्या नुपकेता। इनअस्ट, इन्द्रहर इन्द्रस्य होता द्यारा, टाविस्ट, स्यो

छानून इटा होगा, इरेंद्र प्रदर्गः दयगा।

बाहु-टोग हरी है, स्क्लीहर । स्टॉनी

FE (\$ ) \$t (\$ ) == E (\$ ) 1 12 ब्रेंबर-१बर, ब्रॉस्ट-१बर, १४४० टटा १वर ।

व्यये इद्यमी हिटोनो दिस्तरी, पीर्ट्य यस व बस्परी विशेद,

स्टब हुँचा हुँगी-राज्य हुँगी-राज्यको हुँगी-सराज ।

*च*ैनी देख्य।

छन्छ । हत्त्रम् एतमा १ वतक देन पीता (रे.)। क्रमित्रम बसाबद्धार गरीब हुईक्रा बाँख बनहोन निर्देश ब्लब्जादेशन

(R ):

हतना कार्य होता क्षित्रता प्राप्त होता हुए होता।

क्टाचा क्रमाप, स्थान।

निर्मान्य बद, देशार, अस्सा--निर्मान्य वेट देशार करना टम fament attall

इस्सा १ इटान्सर सम्बेद्दर १ सेचा

ठस

कण्यी कराव दारू देशी वराव महुवी कराव।

हर्स ठनुद्धाः वक्मेंच्य कासी निकम्मा निष्क्रिय बेकार बैठा बेठा-ठासा।

१ कव्यस कुक्षमस्य क्षपण सम्बीवृत्त (दे) २ अतः अमोग्र याववी गोवर बोच्, नासमझ वैसमझ बोदा मोडू, मंदबुढि मुख ६ कड़ाठोस सबत ४ आरानसी सस्तः।

बक्द वह दक्ताना ऐंठ, दंग दर्ग तान। 257.5

सुबी बाँसी। ठसका

कसकर, सभावाभ दूधकर पूरी तरह पूर्वतः मरपूर मुहाँमुँह। स्सारस ठहरना १ अवस्थित होना जमना टिकना डेरा कालना बेरा देना क्मनान बाना न काना बसना रहना रूकना स्वित होना स्थिर होना होना २ इंतबार करना प्रतीक्षा करना ३ धीरव रकता भैगे रक्षता सद रकता ४ काम तै होना वै होता निर्धारित होना निविष्त होना।

ठब्रराना : १ माना टिकाना क्य देना चेक्ना २ वैकरना निर्मारित

करना निश्चित करना। जनवद्भवा अवरोध रकाव स्कावट रोक स्थित्वा। ठहराव

बट्टहास नक्कहा विभविजाकर हुँसना बोर की हुँसी। ठहाका তৰৈ शासय जनह ठिकाना ठौर, ठौर-ठिकाना स्वान !

१ इंस्कर (हे) २ देवता (हे) ३ मालिङ स्वामी <u>जाह</u>र ४ मधिपति नामक शरदार ६ वनीदार ६ समिव (श्रवियो की एक जपाधि) बाबू, व श्राह्मण (बंदाबी ब्राह्मण) १ टैगोर (मूलतः वंगाली बाह्मजों की एक छपात्रि)

नाई नाईठाकूर। ठाकूरबाड़ी वेचवृह वेचन वेचस्थान देशासय मंदिर, विवासा। **टांकुखारा** 

१ रोव रोव यान २ आहंबर तहक-मुक्क दिखायट, तार विकास प्रवर्तन १ श्रीमार समायट सम्बा ४ डेन दन वर्वप्रकार, लेली।

डारबार : १ सुबसुरा ठाटवासा अच्य सुंबर (र ) २ ४ इक-सङ्क-बामा रोबदार ग्राम-मीक्त वामा सजा-धना।

१ चोन-बाब बान-बीक्स संबंधन २ मार्डबर, च<del>डक-ग</del>ड़क। ठारबाट १ बारंगकरना छड़ना प्रारंगकरना मुख्यावकरना नुक ठानना करना २ शहराना निक्यमकरना निक्षित करना पक्का करना सकल्प करना सुनिश्चित करना।

कार १ पाना द्विम २ ठंड ठंड बीत सीत सर्थी।

ठाला सामीपन निठन्नापन वेकारी।

हाली जाती उनुषा निकामा निरुत्ता निष्त्रिय बेकाम बेकार।

ठिकाला १ जयहूँ ठोँछ, ठोज ठींहा स्थाल २ श्रावाम त्रिवाम निवासस्थान बसेता दिहास्य वास १ श्रास्य ग्रास्य ४ जरोसा सहस्य ३ श्रातम्या ठौर-ठिकाला स्वा १ वंडस्य ७ इस्त्वाम प्रवेष वयोबस्ट ८.अँठ पारावार सीमा कृष ।

विषया छोटा बाटा बीना।

ठिठकना कना सहमना स्नंभिन होना।

विदुरना (सर्वी से) अपद्रमा ऐंडमा परिना पाठ हो भारा डिटरना डिरमा परपाना विष्कृता।

किठोली जुहम ठट्ठा (हे ) दिल्लापी मशाक वितोव हुँसी हुँमी-ठटठा हुँसी-मशाक हास्य-विनोद ।

क्रिला बनाय यमरी पद्मा क्रिली।

ठीक तारिकत यमात्रय्य यमाच बास्तविक सक्त स्था २ प्रामा-विक पुस्तवय बही ३ बक्छा बेमिलावट प्योद,मुद्ध सही ४ ठी निविचन पक्का स्थिद, १ बक्छा बुस्त-दुस्त ठीक ठाक तंदुरत्य दुरस्त गीरोन स्वस्य होस में होग-दुबाद में ६ बागुन्त ७ उचित वरपुनन मुनातिव समीमीन ८ ऐन सही।

ठीक-ठाक के टीक ४ १,६।

शिक्ता १ (मिट्टी के बर्डनका) दुणका दुणकी ठीपरी सिट्टी २ दुणक बस्तु नाभीब निरमेंक बस्तु वेशारणी भाव। फीला के स्का।

होरेगर हे ठनेगर।

कीहा १ आसन गही ठिकाना स्वान २ सीमा इद।

कृष्णा १ दुकाई होना ठोटा जाना पीटा जाना प्रतादित होना सारा जाना हानि होना २ तपना (वैस जर्बाना दुकना)।

दुकरामा ठोकर नारमा निरस्तार करना कूर हटाना धरियामा सपका वेना निकालना निकाल बाहर करना। दूर्दी चितुक दूर्वी ठोड़ी तुव वाडी वा**ड़ी** हन् ।

ठून्दी दे ठून्दी।

टूँठ १ हूँठा पेड मुख्य बुका पूजा पेड़ २ हूँठा बुंज बुका इसफटा।

र्द्देश हे हूँहा

ट्रेसना कस कर भरना कसना नुसाना भूसेकृता ठूसमा दश-स्थाकर भरना २ वहुत बाना धकीसना वसर्वस्ती क्षामा ।

ठेंपा १ अर्गुठा ठोसा २ अर्थका दंड माठी।

क्का १ अट्रैक्ट ठीका समिद्र (केन्द्र राज छ प्र आहि) २ विस्मा ३ इवारा गहा।

हकेबार कट्रैकर, ठीकेबार, संविदाकार ।

ठठ १ निपट निरा बिस्कुल २ बॉटी बालिस निर्मेत हुड (बैसे ठेठ डबमाया) १ ठेठ बोली ठेठ मापा बुढ माथा।

ठेसनाः बाने बहाना हकेसना शक्का देना। हेस बावाध चोट धक्का शक्का

ठाँकनाः १ दुकाई करना पीटना मारता २ पावना वसाना।

ठोँवा सिद्धाद्धाः।

होकर १ वाबाट सङ्घनीट स्वकर, स्वकर, २ वोट स्स

होको दे दुस्ही। दोस १ कका कठोर परता प्रस्ता २ पदा-निका विक विद्वान्

(दे) वे संबन्त (दे)। तीर व्यवह, ठीव ठीडा स्थान २ व्यवस्य, मीतमाः

\_

उंक बीड़ देंब। दंकमारमा बीड़ बेंसाना शीड़ मारना देंसना दसना दंक पूमाना दंब चमाना देंस सारना।

इंका बुंदुमि बुंदुभी धौंसा नगावा थेरी नाव।

इक्ट कीयामा जानकर, श्रीकर, कोर-बंगर, पत्नु, स्वेसी। इंटल १ कोडी कार, काली साम भावा २ तना पेड़ी।

क्ष १ दे बंबा २ दे दक।

बंबा स्वरी इक दंड साठी सोटा सोंटी सोटा सोटी।

कडी १ जीटा बंबा बीड़ बीड़ी २ वेंट हल्या हैंबिल ३ छड़ी कथा मोटी मोटी।

क्रम क्रीस सक्तार, शस ।

दकार १ बेकार २ गरव बहाइ।

बकारना १ वकार क्षेत्रा काराया बेकार सेना २ गरसना बहाइता १ (कुछरे का माल धंपति आपि) का सेना पत्रा सेना हुवन कर साना हुवय कर बाना इड्डप केना।

बस्तेत भोर, बाक् दस्य बटमार राह्यन भटेरा।

इसेती भीरी काका राहकनी नटमार।

डम कदमंपगफासः।

क्ष्मम् अस्यिर, क्षायमान कृषित क्षांकाकोल किमता दोसित सरवकाता विकासना

भव्यकृता । च्यान्तः । क्रममनामः अनिरुवय मी स्थिति में होना अस्विर होना काँपना ऋषित होना काँवाडोम होना विथना चरपरामा सहखड़ामा विश्व

नित होना। इपर कहर, पेम पम बाट मन माने रहमूबर, शस्ता राष्ट्र।

श्रद्धना अवकर बडा होना टहरणा ठहरा खुना बुढ छना। इयद यहनी शिवनी होट होट-यदनार यदनार मर्स्सना।

वरटमा पहुंच्या पहुंची रोता सिन्दमा सहश्ची देशा बीटना बीटमा चटकारमा बीट पिसाना बीट-चटकार करणा चटकारमा बुरा मसा बहुना मसमा करणा !

क्पोरसक डीमिया डीमबाब बीवमार डीयमारने वाला बींब हॉकने बाला क्पोरनेय संबी-बीडी डीवनेवाला।

क्फ चंत्र दक्ता ताता।

दयमा चंग इफ, इफमा इपमा। इक्सी चंग इफ, इपमी।

बक्दबाना अमुपूरित होना अमुपूर्ण हो जाना आंसू छसछमाना ।

बनरा नहिंदिहा नर्ते जोहरू पोचर पोखरी।

हम्मा १ वेन टिन डिम्मा डवरनचार वर्नेनः २ क्यार्टर्नेट डिम्मा रैमडिम्मा ।

इसक क्ष्मतम दिसदिय।

वसी १ कठपुरकी विकासटी नकसी बनायटी २ चूप मूक मौन। वर १ मार्चक खोऊ नास शहरात थय मीति सत्रास २ इव

र १ मातक चाफ़ नाथ बहुबत घर माति सत्रास २ वदा शाक रोज १ जदेशा आक्रमा चटका चत्रा।

दरनः १ जार्विकत होना कीप बामा गीपमा बीछ बाना गरत पहना/होना सहस्न बाना गरी जाना गरीना सहस्ता सहस्त बाना भयपीत होना पंजरत होना २ वरेका/बार्टका/बारका/बारका/बारका/बारका/ बत्या होना बार्विकेट एक्ना/होना ३ वीकना ४ बून बुस्क होना बून सूच बाना सहस्ता १ दिरुक्ता ६ वीकना बीक बाना।

हरपोक कविमा कव्यादिम कावर, कायर, कायुक्य वीवद हरते बाला व्यक्ति भीव।

हराता वार्तिक करना जस्तकरना वर्रो देना शहमा देना प्रमकाता प्रवतीत/प्रवाकृत/प्रवादुर करना श्रवस्त करना ।

करावना १ छत्र बोडिनाक भोर, पर्यकर, प्रवकारी प्रयक्ष प्रयानक भगावह भीषण रोड हीयनाक २ करान बोनहर्यक विकट विकटान ६ कारनाक।

अरावा उक् धूवा विवृका।

कराहुका कार्तिकत चौफ चाया चौफनका करा नस्य धनपस्त प्रव-चीत भगानुका भगानुत शंवस्त ।

इसा खड दुरुका दुनकी क्ली।

बलिया चेंथेरी टोक्स टोक्स वाली दौरी।

इसना काटना काट बाना डेक मारना देखना दंखन ह

बहुर छन्द, वंत्र पत्र मग मार्थ सस्ता (रे )।

इपिर चौपाया भागनद् होद् पनु मनेत्री।

बांट चुड़की शस्त्राहट, शाव शिवाकारता किड़की बूँसलाहट बांट-वपट, बांट-कटकार, शावना धमकी विकास, गाँउ शाखबरी गाराबी प्रशादना फटकार, मस्त्रना सताव सानठ

सानत-मसामत ।

बटि-इपट दे बॉट।

बीजना भुड़कना शरणाना शाहना बाह पिलाना शिड़कना प्रित कारना बीटना-कपटना बीटना-फरणाना वाहित करना दुरकारना अगकाना शिरकारना प्रवाहित करना पटकारना मत्सना करना सतावना सानत-मनागत करना ।

बॉट-फरकार है बॉट।

बीड़ १ मेड़ २ सर्वतंत्र जुर्माता वड वड हरजाना १ अप्पू। बीडमेडु, १ परस्पर/समीपता/सामीप्य सवाहोना ज्ञान २ सनवत बीडामेडुर खटपट सनड़ा (वे ) सड़ाई सवर्ष।

श्रीकी (तराजकी) श्रेवी।

 वाक्षा (१०८ मू का) बढा ।
 वाक्षां क्षण्यविस्तत विक्त अस्थिर, अस्थिर विक्त अंपायमान पड़बङ्ग स्थिरताविद्यान ।

इसि दंव वडी मक्दी सक्सा मण्डर।

बाइट दे बायट।

काइन १ पुढ़ेल कालिनी पिसाचिनी प्रेवनी भूतनी भूतिन २ टोनही टानहाई, टोना करनेवाली १ कुक्स करावनी ४ चंडासिनी प्रवकाल सदाक/सदाला (स्थी)।

बार्डक्ट प्रत्यक्ष ।

बाहरेक्टर निर्देशक निर्देशक श्रीकासकः। बाहरेक्टरी विरेक्टरी निर्देशिकाः।

रस्टरा विस्तृति । शाक विद्री विद्वी-समी सेना

बाक्याना काक्यर पीस्ट कॉफिन।

काका कर्मती काकावनी बटमारी राष्ट्रवनी मूट-बसोट मूट-पाट।

दे पीरी। सामाजनी के शका।

बाहिया १ विटटीरमी गोस्टमैन २ धावक ३ हरकाच ।

बासू बनैत बस्यु बटमार राह्वन मुटेरा। वे चोर।

कॉक्टर विकास युक्ती विविश्तिक विक्तितक नेषुरोरीय प्राष्ट्रिक विकित्सक प्राणावार्य वैद्य हवीन होस्योरीय ।

बॉस्टरी चिकित्सा वैदानी हशीमी।

काट नाम नाई कानम। काटा साँगक।

ৰাত। আগড়া ভাত অধিভ হাত।

द्याम संपर दर्श।

श्रायट आहार याना विजा सूराक बाहट मीजन।

शायन बाइन भूतिनी (दे)।

कायरी वेर्नीवनी वैभिक्ते ।

दार, दश्त टड़नी दासी वंत गाला काला।

बालना १ विराना गेरना छोडमा बाना फेंकना २ विस्से करना वायित्व देना घार आसमा घार देना ३ सास्त्र करना प्रस्ता ४ परवना परोसला।

१ टहनी बार, डाम बंत नाच बाका ९ उपहार, मेंट डामी ३ चरकोच वस बसिया रिक्वत ¥ कुवई, चेंपेरी डिमेबा

श्रास्थित कौपना कृपायमान कृपित विगना कोसना धर बार्बाडोस बराना बोलित विचलित विचलित होना विकॅपित -होता--हे जगमयाना।

कसूया ईप्यां कृष्टन कार वक्तन हेप प्रतिहतिका प्रतिस्पर्धा बाह मत्त्वर, रस्क बाव नाथ-बाँट सौविया बाह्र, स्पर्धा हस्य

हीस १ हिस्टेंदर: अभिनायक तानालाह।

विक्टेंडरसिप अधिमायक तंत्र अधिनायकवार तानाशाही।

दिवना १ नर्माबाच्यूत होना विचमित होना हटना हिसना २ मिरना (दे ) ३ अनमवाभा (दे ) विचलित होना।

र जीत (दे ) किभी किमी फतह निवय २ बास्पद (वि ) किसरी वपाधि सनद।

डिवरीबार १ डिवरीक्कोस्डर २ ऋतेक्सान निजयी विजेता । के किसरी।

क्रियो

१ अभिकास परिकारपना परिकाप २ वर्गताच्छ तर्थ कियादन -नमना।

विदेशियम प्रत्यर, बासस सेरिया।

किटो सभीम मही।

बिठौना टीका नकरवट्ट।

ब्याची ब्यास राविधोजन २ राविधोज। डिनर

क्रिपार्टमेंट विभाव बोबा। क्रियो सावार संदार।

चपाक्षिपत्र विद्यी प्रमानपत्र सनवः। **रिक्**रोस

क्रिकोमेंट राजनियकः। विष्मोमेसी दे कुटनीति।

क्रिप्रेंस रकास्यका।

विकास विकास वेस अच्या अस्त्री विकास ।

> विवेद बहस बहत-मुबाहिसा बार्बाबवाद वादविवाद प्रतियोगिता।

विस्ता १ केस बस्ता कावी जिस्सी सपूर २ करार्टमेट रेलडिस्ता। दिसोड सीय।

विमास्त्रेशन प्रदर्शन।

डिमाचेसी जनतंत्र प्रशातंत्र सोक्तंत्र ।

बिरेस्टरी बाहरेस्टरी।

क्रिया १ सत्तरी पोट रकाबी २ शासपदाथ घोषन प्रशान

ਸ਼ਿਨਾਵੇਂ ਸਿਧਣਾਵਾਂ।

विस्तित १ बस्बीकृत बारिक नामेंबुर २ (नीकरी से) निकासना निष्कासित करना वरधास्त करना -करना-- १ वस्त्रीकार करना धरबीकृत करना चारित करना नामबर करना २ (शौकरी है) निकालना/निष्कासित करला निकाल बाहर/

बरकास्त करना हटा देना हटाना।

प्रेयच प्रेपित करना भेजना रवानपी। विस्पेच

हिसिप्तिक अनुशासन नियमण। श्रीव १ वह चड़कर की यह वार्ते वेखी २ सिट्टी सिट्टी-पिट्टी ६ धर्मंड (६ ) -हांकना--वीप मारना वड़ी-बड़ी बार्चे करना बद-बद कर बातें करना शीसमारको बनना होनी बचारना

संबी-चौबी श्रीकरा ।

रेल । बीवल श्रीह थप्टि (दे) नवर निनाह।

रे भागार, इब इब-गाठी बीनदीन दौना २ हरीर शील

(R)1

शीसडीत बाकार बाहरित परकाठी लंबाई-श्रीहाई संवान-श्रीहान स्वकृष 1

१ मेनदेन २ वर्ताव व्यवहार। शेलिंग

**ब्**यड्यो १ बणी डौडी २ एलान ऐलान घोषणा विद्रोरा मनादी।

दे दूषहुरी। इन्मी

दपहरा वे दपदा । श्रीमकेर शोकर

बुन्तिकेट १ वाली नकती २ अनुसिपि प्रतिसिपि । हुरकी अभगाइन यक्का गोता श्रमी बुदकी। वृत्रामः गाठा देना इद्योगा दुव्यी वेना बुद्दामा (

पवित्रीस करना, चुमामा कमामा किराना हिनाना हिनाना-इमाना इसामा ।

र्मगर १ टीका दृद्ध जीटा २ पहाकी। बुबना १ यवनका बाबा यवकी बाना योता बाना/समाना बक्रबन

होना कमत्रवाधि मेना इवकी यारना/सवाचा निमन्त्रिक्ट

द्वाना २ वस्त होना ३ वर्ड होना नष्ट होना समाह हीना हवाइ-वर्षांद होना वर्षांद होना ४ विहन-मान होना सम्मव

होना सिप्त होना भीन होना । तारील तिबि दिवाक। रेर

इंदर श्रीवने।

बढ़ बढ़ा श्योदा ! द्या स्वयुता स्वीदा !

<del>डेकिसि</del>ट कमी याटा १ डेमरेक शर्वरंड विभरेच नुर्माता रंड हर्नामा

वरी दुग्यसामाः। बेबरी १ श्रमा टिकान संबू बहाब बामियाना सिविर देश

२ छावनी ३ बाबास घर, नियान विवास-स्वान बकान बास बासस्वाम । इतिहेट प्रतिनिधि ।

इतिसेचन प्रतिनिधि-यहस ३ देतिकरी १ मदायथी वरिवान (सभी) वितरम सुपूर्वेश भूवतान

भास सुवाई, २ जमन बननविधा प्रतय प्रसृति। चौबट इर हार, दरवाका बहतीन देहरी देहतीन दे **इहरी** इयोदी । ईना

वस प्रम प्रथमा पर कानू । **ईम** पूरता बंध बाँग । किरती हेंनी तरी तरची नाम नेवा नीका। बोंबी

रती (दे ) यूवा कोबी संयुक्त सिमुक्ता। शंहो शोका कोच्ये शोई होणी।

२४२ / दिली पर्याव कीत

कोर चुन गुण शिक्ता चैवडी चेवरी ज्या कोछ कोरी ठाँटु, ताँत ताचा धागा प्रत्यचा रज्ज रसरी रस्सी सूठ सूता सुत्र।

श्रोतः जनपात्र बास्टी।

कोलना चमायमान होना कममयाना (दे ) किंगना विचमित होना हिमना हिमना कोसना ।

श्रोनी बोला पासकी मियाना निविका।

बाँडी बाँडी १ इगइमी क्रमी विज्ञोच २ कोपणा मुनावी।

कील १ ठाट कहडा बीचा (दे ) बनायट २ डव रंपर्डम सक्रम (दे )।

क्यू अवसेष देव कावी सेष।

स्पूटी (doty) फर्तेच्य (उप ) कर्म (सप्र) कार्य (सप्र)

क्रजे २ कर शहसूम गुलक।

क्योहा डेडपुना क्वा । क्योही चौकट, पेट डेड्री करवावा हार, पौड़ी पौरी फाटक ।

कृत्यंत्र विश्व विश्वकता पेटिंग।

कृति नाटक (वे )।

द्वामा नाटक(य)। द्विक पेगपेयपशार्वे।

## æ

हंग १ हायदा कार्य-पाति कार्य-प्रणासी कार्यविधि क्रियाचित्र तरीका निमम पदविष्ठ प्रियम प्रणासी येवत रिति विधि स्तेती २ उत्पास तरवोर तरीका पुनित १ दर्ग परिपारी स्तुर, प्रचमन प्रचा रिवास नीक ४ दस ठीर-तरीका सकर, तमीका १ द्वरीना त्रम तरवीय ध्यवस्था ६ वास् चास चनन चास-बास देव-दीर देव रव रव-बेच ध्यवहार; कहाल हास-बास न तरह प्रचार, भावि ह देवनीक तत्रशीय-पान-चनका विका उपयुक्त हायदेश ध्यवस्थित सही पुनसा हुसा।

रॅंडोरची धर्मोपर योपर डिडोरची डिडोरिया मुनारोशासा ।

हिन्दी पर्याय कोश / २४३

**दरी** १ बटठर गड़ी पुलिशा २ दे हेर।

हेमा १ ईट कॅक्स चक्का लोव्ट २ बंड बक्का ।

भारत्र रक्षेत्रसा रोगमानी विकाश शार्वत्र क्या प्रमा स्रोत बट स्वर्धन ।

शंकी बार्डवरी बकोत्तरेवाम विश्वाचा करनेवाला विश्वादरी पास्त्री प्रपेकी बवकाभवत बनावटी मेंड में राम बबक हैं श्रुरी बासा रेंचा सियार स्त्रीन करनेशासा ।

भोर बंबर, बॉबर, बोर-बयर, चौपाया जानवर, यह प्रवेती । इतिह

इक्स बोलक बोलकी वृहस पटड नवन। बोला

१ किरोगा, बीट कीवा पिसई, पिस्न पिस्स; ए (क्टा डालने के किए बना) ठाट ।

## क्ष

र करा बना बस्त छोटा पतका सँकरा संकीर्व संकृतिह रिक्टा हता २ विक दुवी परेवान विकस हैरान हैरान-परे शान ३ (बोडे की) कसन चीन पेटी तरना ४ संबदस्तवि )।

इ-की करना परेकान करना सवाना । तेप करना अक्रियन काली हान गरीन तेम र्यम्बास बन्दीन निर्धेत संबद्धान

फटेहान । दे तनदस्तः र्तपहास

अक्रियनका गरीको संबदस्ती संबद्धानी धनद्दीनता निधेनका मंत्री

फ्टेबासी । दे स्थम्य । संब

सक्रम सन्जीव मसमस्र।

तंडुत वे शंदूस!

१ बोट, बोरी शाना भाना एस्सी सूत सूत्र २ वंद दाँव ਰੰਗ

रैशा १ वेयुनास समग्री का नाका ।

१ अधिकार आबु-टोना र्तक-संत्र प्रेक-संत्र २ र्तकर्षक ня वस्ति प्रभावी रीवि ४ राज्य सासन सरकारः 🗴 धासनप्रवासी (बचतेत्र अनतंत्र प्रजातंत्र राजर्जन

बोकनम्)।

बच्छा-विच्छा चया निरायम नीरोम सला चमा सहतम्ब तदुदस्त

स्वस्य ।

बरजना बारोग्यता निरामयता भीरोगना सेहतमंदी तंद्रदस्ती स्थास्य ।

श्रवत बाबस बाउर तेंद्रशा तंरुल

लंदर

१ अर्थनिका उँवाई ऊँव शपनी २ आसस्य (दे ) व अर्थमुच्छा तीम बङ्काशी ४ क्लानि चकावट शिमिलता ।

जनीया नियामा निराम । तहरन् तवाक १ वीनी वर्षा तमाव्य भुरती भूनी २ तमाकू (विसम की)

३ छिक्ती नकष्टिकती नसबार नास सुँबती :

त्रवीह उपदेश दाकीद नसीहन शिक्षा सीछा।

क्षेमा छोलवारी टेंट हरा रावनी शामियाना हिविर। संबू

संबद्ध इक्तास एक्तास समस सानप्रसा

सबोली : पानवाला बरई।

वसरम्ब बर्चमा अवस्य बारवर्षे शास्त्रव विस्मय हैस्त हैराती।

हामस्तुक १ तास्मन भवसय नाना सरोकार २ नाना रिस्ता सुबद्ध ३ मेना मेना-दैना।

लाई १ से २ को प्रति ३ बास्तै सिए।

बा (बैस बाबानुबाह) तकक था (बैंग ताबिश्वी) प्रान्त । FIG.

तरमा द देखना।

तक्कीर देगामा।

तरनीक टेक्कीक (वि ) तक (संग्रं) प्रविधा (संग्रं) प्रविधि (इ. प्र. वि. म. प्र.) यत्रवातूप (म. प्र.) रिस्प (वि. म प्र) द संग।

दरगीधी देवनिक्स प्राविधिक किली (बि.) शिलीय (ब. प्र म प्र)।

क्लह, कहामुनी चटपट शयहा टटा बहुम बहुछ-मुकाहिसा STEETS. मृंहार्म्ही रार, सहाई संबंध।

सदरीर हे भाषण।

तरमीक द दुख।

क्षणीम बेटाई, बांट भाग।

```
वगरा
```

२४४ / हिन्दी पर्वाद कीय

```
र्वकरका समाचा ।
     सकामी : कर्जशोगः
     तकिया
             तपक्षान वामतमिना नेंद्रमा नामिन नतमन विद्यामा
             भिराका ।
तरिवासमाम सम्बद्धांक्या।
     तक्ता टेक्नातक्ता।
       तक छाड़ महुका यहा याता सस्ती।
     सक्य दे शापा
   तक्तमीना अंदाव बटफ्त अनुवास।
      एकः १ मासन यही राजवही विद्यासन २ चीची :
 तकतनसीमः वहीनसीन धवाधिद्वासवासद् विद्वासनास्त्र ।
   तस्त्रपोसः चर्र, भावर बेडकपर वेडधीट।
     तक्या १ वटरा वस्सा २ बीबी वक्य ३ बरवी टिक्टी।
     क्करी पटची वाटी पविचा।
            १ मोटा-वयमा मोटा-वाका वंदुस्स्त पुष्ट स्वस्य झा-नड़ा
     तगर्वा
            इस्ट-मुख्य २ बमवान बसी मजबूद सबक्त बस्तितार
            वस्तिकामी सक्तरा
            हे तमका।
    तपना
    तपाइ हवाडी हवार हवारी हससा ?
    तवाता तकाजा स्थरक्षण ।
  दबस्था स्त्रीय वर्ष विका
           छोड़ना (वै ) त्याव देना त्यावना ।
    विभाग
    सम्बर्ग देश सन्बर्गः
 तमर्वेकार
           वे तन्वंकार।
   त्रमुर्वा
            १ अनुभव (वे ) आन वानकारी सनवा २ प्रवीव
           बरतमा व्यवहार।
 त्रवृष्टेकार अनुभवनाता अनुमयी जानकार, आगी।
           श्यार (दे) फिनारा क्ष तीर पुनित साहित।
           १ जवासीन निष्पक्ष स्नुद्रम २ निरपेस निर्मिप्त निर्मिकार,
   तहरू
           ३ अलगः।
           है नहीं।
   सर्विती
           १ नहीं (हे॰) २ तथाई, वरेटी वसहती तसहती समेटी।
```

## मातिय हिन्दारे नेप पविकास पदान 1420में हिम्मान

वेददना

संक्रमा १ वृक्षमा घटवना घटता टूटना घटना २ क्षेप्रसाना । सक्क-महक आरंबर, ठाट-बाट, दिखाबा धान जीवन मनप्रम समावट । सक्का १ असम्मबह प्रान प्रातःकाल विहास विननार भीर स्वेटा

सुबह २ छील वदार।

तकृते अन्यमुबह पात काल भिनसारे योर म सबेरे सुबह-सबेरे, सुबह-मुबह।

दहर बाहुनना छ्रपटाहर पीड़ा बेदना ब्याहुसता।

तड़ाय असाम्य ओहड़ ताल ताशाब पर्भावर, पुजर, शोकर, सर, सरोबर प्रदे।

तङ्गानेङ्कः आनन-प्रातन स खटाचर शटरर तुरत तुरत तुरत तुरत-कृत्य चराच्छ मोमला में।

तदिन दे विज्ञानी।

तही १ रोज रोज-बाज २ ऐंठ मणड, दर्प।

त्तस समय का तत्सामिक ।

तनैया वरंबर, मिट।

तानान वानिषय थानन-स्थानन थे उसी पड़ी उसी पान उसी समय सन्पर, तत्वाच तुरत तुरत-फुरत स्थापन क्रीरन।

तत्सातीन

तत्व १ सार सारतत्व सारास २ अससियण स्थाप स्थापंता बास्तविकता ३ भेद की बात रहस्य ४ तत्त्वदर्शन दर्शन बद्धावान।

तस्यतः तस्यत्रानी तस्यवर्धी तस्यविद् तस्यवेता दार्थनिक बह्यतानी।

तत्त्वतान ज्ञान वर्त्रनज्ञान बद्धाकान।

तरकारन ज्ञान वरणकान बढ्डामान। तरकारनी करूबज करवदर्थी कर्चबांची कर्चबिड् कर्चवेना बढ्डाजानी। तरकार: बस्तुन वास्तव में वास्तविक रच में सचयुच सारकः।

तस्यविद्या धर्मनगास्त्र। तस्यवेता दे तस्यमः।

तत्वावतान देखरेळ निरीक्षय ।

तत्पर दे ईयार।

तरपरता चवतता कटिक्यभा मुस्तैयी सन्नयता ।

तरराबात् असरं उपरान्त जनने बाद, तवर्गनर तदुपरात । तबस्यान् परमपुरव पुत्रनीय पूरुप मानतीय धार्य सम्माततीय

हिन्दी पर्याय कोस / ५४१

```
सम्माम्य ।
```

वेत्सम वेत्सम्य वेदनुस्य वहुए।

तवा १ एवं कोर-२ छसी प्रकार, यसी तया ऐसे हो।

तमाकायतः कारोपित तकाकम्य तकोकतः।

तमायत ये बढा

तनामत य बुद्धः

समानि तथपि तथ भी तो भी फिर भी।

सर्वेष पत्ती तरह पत्ती प्रकार, वही वैशा ही।

सम्म १ सश्चित्रक यसार्व बास्तविकता श्रवाई श्रव्याई श्रास-२ (lact) बात (बि॰) ३ अस्त अवार्व शास्त्रविक।

वर्षतर के वक्तेतर।

तर्वतः च व्यक्तारः। तर्वतः समुद्रे उपरांत समुद्रे बीहे, अस्त्रे शाद शरपत्वात्, सर्वतः

वबुषर्वत ।

सरमुक्प १ (concuposding) बनुवारी (वि ) तत्सम (वि ) समस्य (वि ) २ वसी के समुक्त वसी के अनुसार, वसी के

स्थान। तरमुक्तार जलके बनुसार, उसके पुराविक उसी के अन का।

त्रद्वि क्यापि त्रवंशी ठो भी किरमी।

सब्बीर चपान (दे ) शरकीय नुवित (दे ) ।

तथर्थ ऐवहाक ।

तराकार १ वसी आकारका तहुन २ तत्वय तस्कीत ।

तहुररांत असके अपरात उत्के बाद उसके पीछे, वस्पन्यात् धरवर वर्णवरः।

तर्मय वदुत्पन वर्वातः।

तम दे बरीर।

समसीर दे जासीचनाः।

तनवाइ तनक्वाइ तस्य प्याप महीना बेतन (दे ), देशरी ।

तनवेष मनगरा। ततरकुत सवनत पदामनत।

तनरवृती अन्तरि वदावनति।

समझान क्षेत्रशाच कवच (है ) कंपून निरम् निरम्हतक्षर वक्षार, सम्बाह ।

तमका देश्यककृताः

अपरय बारमज तनुज शन्दन पुत्र वेटा सुन सुनू । तनप भारमधा वा तनुवा बुहिता नंदनी पुनिका पुनी बेटी त्तनया भुता ।

तनहा अकेना (रे) एकागी।

समहार्दे अवसायन (दे ) एकाकीयन ।

तनाव १ टेंबन परेशानी वैभीनी व्यवना २ बीमातानी सवर्ष।

सनिक हिषित् कावत घर, काटी घर, कुटकी घर छटाक घर बता वरा-मानित्यर दिन घरको तुष्यात्र थाहा योहा-सा नाम मात्र नाम मात्र को बहुत योडा सबसेस सेम मात्र सहब पर सकेवी भर, आहे में शमक बरावर।

**१ वे** शरीर २ **दे दुवला।** 

तन्त्र देपुत्र।

सनुवा सनुवा दे पुत्री।

सम्बो भाग जोगी तराज्ञी क्षत्रीर/बोरी/रस्ती:

सम्बद श्रुवार्वाचल सम्बोन बत्तचित्त ब्यानमध्य ध्यानस्य।

दिन्संयता एकाविकतना एकावता तस्सीनता बत्तवित्तता स्थानसम्बता ब्यानस्थना भयन मीनता।

तम्बंधी कृषामी कोममानी छरहरी क्षमी बुबसी-पत्तमी सुप्रमारी। तप तपम्बर्धा तपस्या साधना।

१ अपि करना गर्मी प्रीप्त जनन तरित ताप दाह भूप तपन निवाप २ कुछ (दे)।

तपरचर्या है तप ।

के शपा तपन्याः

जोविनी नापनी बैरानिन योगान्यामिनी वोविनी बैराविन सपरिवनी

सम्यामिनी नाशिका साध्नी मास्त्री।

क्रिय अभी जानो क्यमी तथी क्यावन क्राएस वैदागी मुनि तपरणी यजी योगाम्यासी योगी बीतराम बैरापी संन संन्याती साधवं साधु नामू निद्धः।

क्षपारू से १ जल्दी ही तुरन तंत्री है २ अवश्य संघोध में ताब से । सरिया के सपन।

सरेहिक शय शयशेन टीवी दिश महमा राजमहमा।

तपोभूमि दे शपोनम।

तपीवम

तसा

```
है सर्वे।
          तप्त
       तफ़रीह बायोव मामोब-प्रमीव दिशवहसाव मनबहशाब मनारंबन
                मनोविमोद हवासारी।
               राफ़रीह के सिए, मनोविनोद के सिए, सैर-सपाटे के सिए।
     वक्रशीयम
      तकतीम कैंडिनत किटेम बेकमप स्थीय विकरक (वे ) विस्तार।
          तव १ उप बन्द प्रस्तसमय तथी ए तत्पाचात तब बाकर.
                के प्रस्त कारण अस वनक है।
        तथका १ सामाजिक स्तर सामाजिक समुद्राय २ दशका यह ।
      सम्बील बचना हुआ परिवर्तिक ।
     तबदीसी वे परिवर्तमा
      सबसबी सबसिया सबामची।
     तबाबता टोस्कर बदली स्वागान्तरम ।
       स्थात व्यंत व्यस्त गय्ट वर्शन वितय्ट ।
      तवाडी
              मान वर्षाती विमास सरप्रभाष सर्वप्रकृत
      संख्यित
               १ जिल की तबीयत दिस का २ तंददस्ती हैइत स्वास्थ्य
               ('जनकी समिवत बाराव 🛊 मेंसी बांबच्यविद्यये में)।
              तबीवतबाद, भावक एसिक सञ्चयव !
  सबीबतकार
       तक्ताः भुक्तात नश्यासा।
              ? श्रमी श्रम उसी वडी उसी वडन उसी सबय २ वसी
              कारण जसी बनाई से।
      श्चर्मचा । छोटी बंडुक पिस्टल पिस्त्रीम रिवास्वर।
              अंग्रकार, अंग्रेस अंग्रिकास समय, समस दिविद ।
       समया । शक्ता सम्मा पदक शिला।
     द्यस्वद्रमः क्टबर्, संस्कृति धागता।
       समस् १ वे सम २ सकान भन भ्रोति।
    तमस्थिती समा (दे) पात (दे) ।
     समस्मुक ऋचान कातावेत।
     तमहीय वे धूनिका।
        तमा १ रबनी शत (दे ) राणि निका २ अँग्रेश राज अमा
              अधायायाः तमिला तमी।
२१२ / हिन्ही पर्वाय कीस
```

तपोबन बाधम सपम्मि सपस्यम सपस्यमी सपायम सपीन्ति सपी

सोक साधमास्त्रसः।

पदनी वर्षा वंदाक तवाय सुरती सूर्ती। तमाक तमाक

चपन चौटा सापह यपेड़ा यप्पड़ बोहबा । तमाचा बधकारमय असकार से विशा अंश्वकारायत तमाव तपाद्यम

तमाण्डावित तमोगय।

तमाच्छावित हे तमाण्डला तमाम वे संपूर्ण।

तमारि दे सूर्य।

तमासबीन समाजाई तमाजा देखनेवाला वर्षक देखनेवाला। श्रीडा वित्तवाड क्षेत्र बेल-तमाला बेला बाद दिखादा हमारा

वृक्य माटक स्वीय।

तमिल

के बंदेगा। अंबरिया अंबरी अंबेरी एक अमा अवायस्या कालनिया लिंग र नासराणि शजदा तमस्त्रिनी तमी तमीका तामसी वियामा नक्त निज्ञा निसीय यामा रात रावि विभावती अवासर ।

तमीसी संबामी श्रांबुक्तिक धानक्रशेश पानवामा बरई।

१ साम वै निपटामा हुवा निवदाया हुवा परिसमाध्य पूरा त्रय किया हुआ समाप्त २ ब्रह्शमा हुआ तै तै-तमाम तैमुदा निविषत मुकर्रर, धुकरेरमुका सुनिविषत ।

१ उलाम दरम उमि अभि अभिका महसीत धमसदा तरंग मीज सहर, नहरी शीम सहरी थीचि हिमशोर, हिमशोरा हिमोर हिमोरा २ (नन नी) चर्मन गीव सहर ३ सपीठ

मारी स्वर-वहरी।

दे नहीं। वरगिनी सरीयत क्रमिम सर्वायित सङ्ग्रामा हिमोर मारका ।

थाई पीना नम पूरनम भीना सिक्त शीना≀ 70 तरकती करकती तुम नुमी तुमीर क्षीच नियंद। तररा

धाजी शांच संस्थी साथ माथ-थव्यी शांसन । तरकारी सरवीश १ जपाय पान जुनाइ तरबीर, तरीना पद्धति प्रणासी युक्ति रीति २ व्यवस्था (६) ३ वनावट, रचना

र्वरचना ।

मधिवृद्धि उत्पान उम्मति (दे०) पदान्तरि प्रयदि सङ्गी

हिन्दी वर्षाय कोद्य / ४३

**थड़ोतरी विकास विस्तार, वृद्धि।** 

तरसान **वे बढ़**ई।

तरबीह अच्छा मानना वडकर मानना वेड्वर मानना प्रधानका

शरमुमा ये अभूगाय।

तरिव १ सर्यं (दे) २ नाव (दे):

तरिनवा कामियी तर्थमधुवा यमुना (वे ) सूर्यकत्या सूर्यपुत्री।

तरतीय करीना कम तारसम्य विश्वास सिनसिसा । वरतीवपर करीनेवार कमक सिससिसेवार।

ताबबार करानवार कमया । समासमा तरबद्दव कठिनाई मुक्किम परेवानी ।

तरना पार करना भुक्त होगा मोख पाना/प्राप्त करना सहस्रति पाना/प्राप्त करना/होना।

हरनी किस्ती वर्णण नाम नीका।

क्तरन्तुम वान पुर,स्वर।

सर्फ १ अमेर पस (मे) २ विद्या (में)।

क्षप्रकार पक्षपाठी पक्ष मं पहनेवाला हिनायठी।

तरक्रवारी पक्षपात हिमायत।

तरवृद्ध देतर्वृत्।

तरबुद ६ छवुत्रः सरमीस परिवर्तन परिवर्तन-परिवर्धन रहोददस सकोधन सुद्धारः।

तरस बीजा प्रय पतसा प्रवहंगान बहनेवासा।

वरस्तवा वारान्य प्रवता इत्रात्य पतसापन प्रवह्मानवा ।

तरस नवणा दया (दे) रहम।

तरसना बहुत बाह्ना भनवना समयाना सामव करना।

तरह १ किस्म किशम प्रकार, भाँति २ समस्या स्था स्थिति

ह्यम्। संप्रदेशे देशस्थी

सरह्यार १ अच्छा खूबमूरत सुंबर २ मोकीन।

तराई पाटी तटी तराही तरी तरेटी तसहटी वीची घूनि।

तराष्ट्र १ कौटा तकडी तरजूर ताकड़ी तुसा अर्थकीटा वैसेंस २ वैमाना माप ३ पसड़ा प्रसच ।

तराना याना त्रीत नग्रमा।

तराबोर पर-बतर, भीवा सराबोर सिन्छ।

सराबद ठडक ठंडर सरी बीतलता।

तरास १ काट काट-छीट २ वतरन टुकड़ा।

तराशना वतना वाटना वाट-छटि करना।

तरी १ कानी किली तरणि तरणी नाव गाँवा २ एस एसा योरका सूप व आईता गीलापन ४ ठंडक ठंनक तरावट

थीवसता ५ तस्टी वस्तर्रः।

हरीका उत्तर कायरा कार्यप्रति कायप्रवाली कार्यसिधि किया विधि इंग (१) तहलीर, तरकीय नियम प्रतित प्रक्रिया प्रपाली रौति विधा विधि वैती स्टाइस ।

सब ४ पेड़ा

हरण जनान नवोदित युवक (दे ) युवा ।

**तदयाः** जनानी भोवन तादध्य युवाबस्या यीवत ।

सदगी जनान होने नवदुवती प्रमदा पुत्रनी रमणी।

तरेरना असंनोप से देखना असहमनि से देखना आर्थि विद्याना आर्थि चडाकर वैक्रना शोध से देखना ग्रस्मे से देखना पूरकर देखना चूरना !

तरोई देशोधै।

तर्के १ वर्गाम २ पटहुरुवत र्यहर-मंदन बहुम बहुस-मुबाहिसा

बार-विवाद विवाद हुउबर ६ तर्वविद्या तकमास्त्र लॉकिंकः सर्व-वितर्के १ त्रहाणोह स्त्रीम-बर-वरील बहम-पूर्वाहिता बाद-विवाद २ लोख-विचाद ६ क्सट क्टासूनी बावणसह बामुद्ध बाविवताः।

सर्वेद्यास्य सर्वेदिया मंतिक सार्विक ।

सक्रमण्या हे समित।

तकतम्मत वे अपितः।

सर्कानास वडहुज्यतं कुलकै।

कर्ट टेलुमा धनना।

तार्वे १ क्रिस्म कन संरक्ष प्रकार २ रीति बंध क्या सैसी व कमानट एकना एकना प्रकार संरक्षना ।

सर्वेत बीट-सपट बीटफरकार समकाना फटकार।

तर्जना बाँट, बाँट-बपट पटनार मयप्रदर्नन ।

तत्रमा दे बनुपार।

```
तर्बुड
```

ì

रासकीम

तक्ष किंवित कांतिय तस्तुज मतीरा मधुरक्त मांतक्त हिपुत्राना वित्रमाना । सम्म आज्ञार, तका पैदा स्वतः । तमम कांत्र (पाने की) तीय सम्बार । तमम तरका पहतस पादतम ।

समबार असि करवाल करीली कृपाय श्रव संतर सहस सहस श्रीहा फोड़ास तेन समिर।

समाहरी ये तथाई। क्सा १ तम तभी नेवा सतह, २ तम्मा (भूते वादि का)।

शक्ताक बांपरमत्यान सर्वध-विच्छेत्।

हाताश वे खोष। समाशामा जोजना खोजन्हि करना खोजनीन करना स्टोसना ईडना

हैरमा ।

तमानी भोग योजनीन तसास ।

श्रमी वेशका। समे वेशीये।

सामीन अंशर्लीन एकाव एकाविल वस्मय बलविल स्थानमन

श्यानस्य निवास नभा रत सिथ्छ। सम्बोतना प्रकारका प्रकारिकाता सम्बद्धा सम्बद्धा थ

सम्मोनका ध्यावता स्वाविषता वस्त्रवता वस्त्रिता ध्यानभागा ध्यानस्वता निमानता वयन विच्तता ।

त्तवः सापका तुम्हारा तेरा भवदीयः। सक्तः सावाः

तवाका जावर, जानजनत जातिर, पाठिर-तवाका मान मेहमान वारी मेहमाननवाकी सम्मान ।

समानक रंडी वेच्या (दे )।

सवारोकः वृतिशास शिस्द्री । सवासतः जीवट परेकामी वर्षेड्रा ।

सस्वीक करना १ वर्टस्ट करना वर्टस्टेशन / अनुप्रमाणव / विभिन्नमाणन / सावयांकन करना २ पुष्टि (समर्थन करना १

ससरीय रचना है वैठना।

तस्तरी पासी प्लेट, रकावी रिकाबी। तस्त्रोत प्लामीनान बाबस बाइस सलस्ती ग्रेमें सरेवना।

२४६ / हिली पर्योश की व

```
वहरीक
```

```
तसदीक
           १ सटस्टेशन सनुप्रमाणन (केन्द्र) विभिन्नमाचन (वि )
           तरबोक (नेन्द्रादि) सारुयांकन (ने ब्रावि) २ पुट्टि, समर्थन ।
           १ (रोप का) निवान पहुंचान २ ठहराव निश्चय
 तराष्ट्रीश
           विश्वच्यास ।
  ततवीह
           अपनासा नासा सुनिरती।
           श्रीर, बाउर तस्मई।
  तनपर्द
   तसमा फ्रीना।
   <del>तसमा १ पनीमा वरनोई २ तयाङ।</del>
 सप्ततीम १ नमस्कार, प्रयास (दे ) समाम २ स्थीकार स्थीकति ।

    शास्त्रासन इनमीनान बाध्य दादम दारस दिमासा(दे )

  तसस्ती
           स्तोप (दे) मक्त मात्वना २ श्रीरव सँव साति।
  तस्कर
           भोर स्वत्सर।
  तस्करी
           (smuggliog) भपवहन (च प्र ) नर्वं प्रप्रेपच (म प्र )
           चुनीखारी (म. प्र.) चोरमुवारी (उ. प्र.) चौर्यायन (म.
           प्र ) तम्करी-स्थापार, स्मर्गतय ।
  तस्कीन
           द तमकीन।
  तस्दीर
           वे तसदीकः।
  तस्योह
           व धमकीहा
           दे तममई।
   तस्मद्र
    तस्मः
           द वनमा।
  तस्तीम
           दे तमनीम ।
   तस्वीर
            १ सनुष्टति चित्र (दे ) छनि छोटो छोटोग्राफ २ चित्र
           विषयः पित्रका प्रियम मुक्ती मिनेसा।
            १ परनास्तर २ तक पेंद्रा ३ तस बाहा
     तह
 तहरीह
           अनुर्मधान शामबीम छानबीम जांच जांच-पहलास।
तहरी होत
 तहत्राना
           त्तमगृह तलपर वैममेट, घुरेंवरा घृमिगृह।
  तहजीव
           तमबुद्रम मंस्कृति सम्बना।
           तहबीबयापना मिष्ट संस्कृत सम्य (ह ) सूनंस्कृत ।
सहजीवदार
   तहमद
           तहनीर तहमन भूगी भूगी।
   तहरी
           विषयी ।
   तहरीद
            बादोचन ।
```

वहरीर ताबा तहरीर शिकत शिक्य-पहत शिकाई सिवाबट, सेक्स।

तहरीरी मिका सिका हुना निकित सिपिनदा। तहत्तका बार्तक उकत-पूथस बत्तवसी घुम शतसनी हुइकंप

हमधम । तहस-नहस भीपट मध्द मध्द प्राप्ट बर्बाहा

त्रहांचील १ जगही बसुनी २ जपियमा तहसीनदारका क्षेत्र सक-किमिकान ३ तहसील का बयतर। तहस्रोत्तना चगाइमा चगाही करना बसूस करना बसूसमा।

वडी उस भगह, उस स्थान पर तन बहुरी। तर्वक उद्भव नृत्य शावनमृत्य प्रमर्थकर नृत्य विवनृत्य श्रहारमृत्व।

तांत १ मुच कोर (वे ) कोरी ततु, प्रस्तंत्रा विविती २ तार (छारंबी बाबि का)।

वाँता बदुट पॅक्ति कथार, पक्ति बाइन सिक्सिका। লাহিত मिनारी तनम तंत्रसारनी मंत्र-तंत्रविद् :

तीवा दामा ताम तामक। पान बीदा। तांबुक

ताई बाटी चाची। ताईव अमुमोदन पुष्टि समर्पन।

धाउन वादन प्लेम। ताउद (बाप का बड़ा भाई) चाचा ताया पितिया पितृब्य पिती। ताक १ जाना तथ ताबा २ वयसरकी प्रतीसा याद किएक ताङ

भौके का इंतबार, १ ताक-साँक। १ क्वत कोर पावर, वस (दे) द्यन्ति २ सामर्प्य। त्रक्त

वे वेखना। वाक्ता इसमिए कि जिससे विसस कि। ताकि १ बेताना २ बतावनी चैतावनी देना ६ अनुदेश।

ताकीद श्रृटिभूग कमरबंद करवनी किकिमी। तानको कोराद्यामारेकासूत सूत्र। दे कोर मी।

तागर के मुक्ट। ताव

श्राप्तियेक एकतिसक राज्याधियेक राज्यारीहन। ताबपोत्ती आ। बतकका (वैसे समाचार) टटका घारोग्य (वैसे दूध) वाडा मया मनीन भूतन क्रम सदाइरा३

२५व / दिल्बी पर्वाय की स

साविदयी दे आजीवन। सारमुक दे समस्मृद।

ताइ वरमूत्ता

साइना १ बॉट साड़ सिड्डी बॉट बपट बॉट-फटमार दुलार प्रताइना फटकार सताब २ गीप जाना भीपना भीप सेना।

ताड़ी आकासी मासमानी सर्वत नीरा।

. स्रोतः १ पिता नाप (दे) २ (प्रायः वडा) मार्वे भ्राता ३ युक ४ पुण्यः।

तातील सतास्वकाय छुड़ी।

हास्कालिक हत्कामीन साप्रनिक सामयिक।

तास्विक १ तस्वपूर्वं सारवधित सारमूत नारवान २ आधारपूर

बृतिवादी मूमपूर्तः।
तात्पवः १ अभिगावः वि ) आयय सतस्य २ इच्छा मंत्राः ३ वप

(दे) भाषार्वे मान सावन ४ उद्दश्य प्रयोदन । झादारम्य १ सुमिलता एवता एक्त्व समस्यता साहम्य

२ तक्यीनवा। साहाद अवद मिनवी चंग्या (दे )।

क्षाइक्षः उसकी शब्द असके लगान उस-वैसा क्षसा वसा।

त्तान आसाय सम तुर, स्वर (दे )।

सानता १ की जनर पैसाना बीचना २ मारन के लिए उछाना (अंध मुक्ता)।

साना १ आधीप जगहात नटाश चुटनी छीटानची तंत्र फती व्याम (दे ) तागाजनी व्यामोलिन २ शूर्त (बुनावट में सेवाई ना)।

तामासाह् अधिनायक विकेटर, नाजी निरंदुक राजा प्रामित्र स्वेक्टा भारी जासन हिटसर।

तालागाहि। स्रक्षितायण्डीत नासियम प्रामियम निरशुप्रता स्थल्छा चारिता।

ताप १ आवि चण्यना कत्मा पर्मी तपन निवास २ कट प्रय ताप (वैद्वित वैवित गीतिक) दुल (वे ) पीड़ा ३ स्वर, ब्यार।

तापतः तपस्थी तपी तपीयन वती संस्थानी साधक माचु सायू !

हिन्दी पर्याय कोल / २१६

```
वापसी
```

२६ / हिन्दी पर्याय को छ

```
तापसी वपस्थिती संन्यासिनी साध्नी साध्वी।
   तानवतोत्रः अनगरतः वरावर गुतवातिरः भगातार ।
       साबुस काँकिन शबपेटी।
        त्रांस अधीन समीनस्य साम्राकारी काम्रामुक्ती माद्यहत क्सीसूत ।
    वाबेरार आज्ञाकारी दास गाँकर (हे ) सेवक।
     तामरस १ कमस (वे ) २ सोना (वे ) ३ तांवा तास (दे )।
     वामसी जासूरी वयोगुजी।
             तीया तासका
      ताञ्च
             कुम्कुट मूर्गा।
   तांचनुत्र
             टेलीग्राम बायर।
       FILE
     सारक १ वे ठारा २ (अधिक की) पुरुत्ती।
             टार बामर पिच (जैसे पिचरोज)।
   तारकोस
     तारव
             उक्कार(म) निस्तार(म) पार सवाना।
   वरितरित
            अनुस्म कम कमवश्रता वस्तीय निरंतरता नैरीतर्ग
             विमविद्या ।
             १ जबु, उडवम धबु, शारक तारिका नक्षन नक्षत विद्यास
     तारा
             २ (बीब भी) पुतनी ।
  साराभिय चंडमा (वे ) ताराबीस वारापित तारापीय।
   तररापच
            वे साकास ।
   शारीक बेट निवि विनोक मिति।
   दारीची ऐतिहासिक तथारीकी ।
   दारीक दे मशंसा।
    द्रास्त्यः दे स्वानस्या।
   सास्त्रिक १ तर्केक्टी बसीस देने बाता बसीस पर बसीस देने बासा
            २ इन्बर्धी ६ तरका तरविष्, तरववेता तकेशास्त्री
            निवासिक ४ तर्कपूर्ण ।
            १ करतक स्वति ठेका तान शासी २ शरकुम ताइ बीप
     तात
           पथ- के शासाब (वे )।
            सकापा।
शासमञ्जानी
           वाम्बियमक वाम्-संबंधी वासु स उच्चीरत ।
   तालय
           क्पूप्रस कपस बंदा साँक।
    तासा
           बाबी जलाक्य कोहरू सीम तहाय तर्नमा वह पर्माकर,
   तालाव
```

साविका

पुण्कर वीखर, योग्र योग्र बाव वापिका बापी सद, सरोवर, हुद टेबस क्रिइरिश्न ग्रेइरिश्त सारियं वातिका साजिकसम ভাৰ বিভাৰী বিভাৰী। १ की कुनी कोलनी वानी वामी सरमी मामीच दे विकास रान ताम्। ताल् ताम् । रास्तुक दे तथल्कः १ (काग्रंक की एक) बीट २ कीप ताच साबीक वयथ चंतर। कार्य जोश्रंय नार्य । **STR** बगर, मुग-बोप प्रभाव । तासीर तिस इन क्याय जास दाशीय वृत्ति । ति**र दमी** पालकाव पान । तिकोना विस्की विषयी विषी।

विपत विश्तवर

वेतरतीय ।

दे विविच्या । व • सहनमीमता ।

दे सङ्गतीस ।

faunt वितर-वितर

> तितारी तितिया

> विविधा तितिश

तितिष्या

क्रुवापन क<sup>्र</sup>वापन भएनराहट रि हेकी ह शिवना शीनपुना । तिवृत्रा तिमारस वाणिज्य व्यवसाय व्यापार, सीनाव

बॅर्नास्या विजया मनिरिया शीतक

अस्तव्यस्त अमहीन हिन्स्यान

क्ट्ना निकास विधार, तीश्यता

१ अनुपूरक परिसिष्ट २ डिटिम्मा

१ समोमा २ तिनकोना त्रिकोर्च क्टु बढ़वा बढ़ुआ बरपछ तीवा

तिचित्रक कर्नेडर खंबी पंचाय पता। तिचित्रानि विधिक्षय। বিৰকা বুগা तिसक्दोता तिक्दोसा । तिवारा १ तीसपी वफा/बार २ तिगवरी (तीन द्वार वाला कमरा दा गरामका)। विपारी तिमाहा श्रैयाशिक। विधिय ते जोबकार। तिमिराध्यन बंधकारमय अधिरा विभिन्नावत । **विमहाभी** वित्रमृहानी विरमृहानी। िरका जनरेव बाहा जाहा-शिरक्षा धरेव देश (दे ) शिर्मक बाहा वेंद्रा । तिरस्कार बनदेशा जनस्ता वपमान (दे ) अवजा अवमानना सद हेसना उपेधा नजरबंदाय बंदण्यती। विरस्त्रत जनाइत जबमानित भवहेपित स्पेतित बेहरहत : तिरात जनकरेत तीरमध्य मिकिसा। तिरिधा बीरत जोम जोक दिय सगाई, स्त्री (दे ) १ तिरोक्षक योगम क्रियना/क्रियक। मंतर्कात भंतरमांत अवस्य श्रीमस वावय सुगतर, तिरो विरोमत शानित नौ को स्थायक रफुवरकर सूप्त विसीत विसूप्त विरोडित -दोना - उपर्यक्त पर्यायो में 'होना' ओडकर कियावाची बन्ध बनाये का सकते हैं। Graine १ बच्च देश दिरका २ (वप) अविकारी मूल १ (बोनि) पत्र-पञ्जी विर्यंत माननतर जीन। १ टोका पृंद शासतिसक २ की कवी टीका स्थावना (Here हीका (विकास के पर्व) ४ अभियेक प्रजितिक शक्यामिथेक । १ छटपटाना वैजैन होना व्याप्तन होना २ चौधना रिसमिसामा भौकियाना ( सरपटाहर बेचैनी स्थाकृतता चनाचींच चीचियाहर। विसमिनाहर १ हे॰ यात. २ हे चनत्कार। Gener

तिसस्य

firfaux

२६२ / हिन्दी दर्याय कीय

तिसंबति १ तिसपानी मृदकाप विस-पानी की बंजिस २ छोड़ना

तिकांजली स्थाय सर्वध-विष्युद्ध।

तिस्मी १ गुस्य विस तसहम पिसही प्सीहा बरबट।

तिवारी त्रिपाठी त्रिवेदी।

विसरत विसरहर विश्वीनिया मध्यस्य।

विहाई वृत्तीयाम।

तीक्ष्म १ तीव तेव धारदार पैनी बारवाना २ वाल वोता नुवोता १ कुबाब तेव पैना प्रकर ४ उब प्रवंड १ कट्ट कडवा कड वा वरपरा तिक्स तीला तीला परपरा।

तीस्त्रता १ तीस्त्रा तेवी २ दुवायता तेवी पैनापन प्रवरता ३ नुसीनावन ४ उदया प्रवत्ना १ करनावन रहूबाहुट बरस्पाहुर, निकाना तीनावन परस्पादन परस्पाहुर।

तीक्नवृद्धि वे बुदियान।

तीका १ कड़का कड़का चरपरा निश्च बीक्प शीवा देश परंपरा २ तीत्र तेश पैना ३ वश्रिय बंटु कड़का कड़का

(बान मारि)। वीसायन १ कड़वायन व्यस्पाहर निकामा विवाद वीनायन वेडी परपाहर २ वेडी पैनायन १ मारियना क्यांका वर्षाका।

तीन तुठीया हरवानिका।

त्तीता पदुक्त्वाकड्मा विकास्य।

तील जय जि में सेंह।

तीमारवारी (रोनी की) देखभान परिचर्या वैचाटकुल वैचानुभया ।

सीरदाज कमानकी तीर बनानेवामा बनुवेर ।

तीर १ नाराच बाम बाम विशिव शर, यारच चिसीमुख १ तट (दे )।

तीर्थ शीरव पवित्र स्थल पुत्र्यक्षेत्र ।

तीर्वमात्रा तीर्पाटन।

शीली कवा तार, नताई।

तीब १ (पनि के लिए) तित्र होत त्यरित हुए दूरपामी केय बात शत्यर २ दुशाव तीवनवृति धीववृति वृतिसात (१०) होसियार व भवन (४) ४ मनियय १ प्रचंड सतहः

हिन्दी पर्याय क्रोल / २६३

बहुत बेहब (दर्दशादि)।

तीवता १ सिप्रता देशी भूतमामिता नेग (निति) २ जितस्यदा

मस्यश्चिकता असञ्चला (बंध नावि) ।

तीसरा तृतीय सोयम।

सोसी भविसी मचसी।

र्त्तग सम्मत जेवा जेवाईवासा।

तुंब १ मुख २ चंत्रु, चोंव ठोर।

तुंबा तुबी तुमश्री शोमश्री शिक्षापात्र।

तुंब चवर, तोंब पेट।

नुक **अं**त्यानुप्रास **का**फिया।

तुष्य श्वरणनीय अवस्य अधम ऐरा-गैरा ऐसा-गैसा स्रोक्षा किस

केट की मूली किस वसी का सुद्र आरक्सार गया-मुखरा पदा बीता परिया जूछा छोटा बजीन तुच्छातितुक्छ वो कौही का नवस्थ नाचीय गीच गोच बापुरा वेचारा हीत हैय।

कुन्त्रता : बोखापन जुबता बटियापन छोटापन बसासत नयध्यता मीचता ।

पुण्य भारमक्या आस्पकहानी आस्मयस्ति जारमयरिक ('तुनुक

बाबरी नाम में प्रवृक्त)।

तुतत्तला तुवसमा इकनामा। दुनकमिबाध असहनतील कोशी (वे ) चिवृचिद्रा ।

आरप्पूपवान् सीमान्। <del>तुम</del>

कोसाहस कोरनुत हस्सा होइस्सा। **तु**मुम तुम्हाराः मापका तव तेरा तोर स्वदीय भवत् भवतीय।

तूर्रव तुरंगम

वे चीका ।

तुरम अधिकान आनन-फानन में उसी वन्तं/समय एक्सम खटाखट दुरंत शह से भटाशह मृटकी बचाते अस्य मस्य-सै-जस्य शारी

सटपट तत्त्राण तहाकसे तत्काल पुरत **देवते देवते देवते**-ही-रेखते धड़ाधड़ पत्तक सपकते/मारते फटाफ्ट फीरन शत-ही-शत में बीम नौमाविद्यीम स्टबर, हाथाँहाव। दे हो पै।

दर्ष दे पुरंत। तुप्त

२६४ / दिन्दी पर्काय कोब

कुरप द्वेप नेपकाई हुएस !

्तुरहो दुरही र्युहर्थय मुरबंग रथधिहा विवास ग्रायी क्षिया।

तुरीयावस्त्रा बहुगवस्त्रा।

तुस समास्रहाभूकः।

तुर्गो अम्मता बटाई, बगस बहापन।

कुतना - चपमा बरावरी मिसान मुकाबिना समानना सादृश्य साम्य।

तुला कोना तराज्ञू धर्मकटा वैलेंस।

पुस्य १ एक-छा वाऱ्या -वीदा -वरीका ऱ्या की तरह/मानिक/ नाई कराक्य, न्यत् शकुत तथ समक्या समान समक्य

समतुन्य २ (equivalent) तुन्याक (रेग्ड)।

तुस्यतः अभिन्नना एकक्पना बरावरी समता समस्य समस्यतः सादृश्य साक्ष्म्ये सान्यः।

दुम्यांक तुस्य (उ. प्र.) धनतुस्य (व.) धनमूस्य (स. प्र.) श्रम योनन (स. प्र.) समान (स. प्र.)।

दुवार १ गाना २ दुहित नक्र हिम १ नोहरा ४ बीन

कामकण। कुछ अवाया कुछ तोगमान्त परितृत्व मनन्त संतुत्र, संनुत्छ।

वृष्टि इस्मीमान तमस्मी वृष्ति क्षोप वरिकृष्ति संतुष्टि, सवृष्टि सरोप।

वुहित बोम (दे) तुपार।

दुनोर धरकम धर्मम धून निषय।

सूत शहनूतः। सूती १ मनेरी (एक छोटी सुदर चिड़िया) २ योवा (एक बहुत छोटी जानि या) १ मैनाः।

मुकान अंधर सांधी चंडचान सभा संमानान प्रभंदन ह

तुषानी उप चगडनी प्रणड प्रनादी भयकर।

तुमतङ्गारः १ मार्डवर, तङ्क-मङ्गरः बनावट शान-शीवत सीट-पराधः २ तु सुम ब्रास्टि बनाबर बोबक सर्वनामः

सुमना (ग्राय-वर्द नो) जनय-अनय करना उधेहना ।

भूमार वान का वर्णसङ्ख्या का विस्तार, व्यर्थ में बढ़-वड़कर शी सई बात (तुमार बॉधना)।

तूल १ नवान पैनान निस्तार, २ नपास महार, वर्ग सेमल ।

हिन्दी पर्याय शोध / २६४

```
বুলিকা
```

वेदर

युक्तिका भूरेपी कृषिका तुक्ति तुनी। तुम्ब कुत क्विमा नास दूब दूर्मी सरपतः। सतीय सीक्षरा पर्वे सोयमः।

वृतास वासरायस्यासम वृतीसा वीत्र।

तृपत दे संतुष्ट।

तृष्ति दे संतोष। दुवा १ पिपासा प्यास (दे) २ अभिकाषा ६ अस कामना

क् सामच (के ) शिव्या कोग।

नृतितः १ पिपासु, प्यासा २ विमिन्नापी इच्छूकः।

सेय वे तमबार।

तेच १ ओच योगस्थिता तेगस्थिता वर्णस्य प्रताप २ आसा सालाक कांति यसक यसक-दमक क्यांति दीन्ति प्रकास

प्रभा विभा । तेख १ तीवम सारवाद, पैना पैनी सारवाना २ खबरकार्त

भोरतार १ कुषाड यहीन वीक्पपृत्ति मैसामी ४ महेना १ क्वाम्बार, जिल्ला तीला वि कुर्वीसा कुर्वीसा ७ क्षित्रमामी वीवर्गीत स्वरिवर्गीत हुवगामी सीम्बासी सुल्युत्ति = साइन स्वय, स्वयंत्र स्वतं चेक्यावरामा

रोबदार, रोबीला। वैश्वस्थिता कर्नेस्थिता बाजस्थिता वैनम्यता वेनदुस्तवा वर्षेस्थिता

तेषस्यी कारिमान कर्नेस्थी बोबस्थी वेबसान् वेबसुस्य वेबसान वेबोमम वर्षस्यी।

तेको १ तीवभवा नुकीमापन पैनापन २ कुताबदा प्रकरता मेक्समिता १ सहुँगी सहुँगाई ४ विस्तृता तीवापन तीता-पन-४, पूर्वी पूर्वीकानी ६ तीवता।

तेरस भयोवकी।

चमक 1

तरत नवादकः तेरह त्रयोदकः।

तेरा बापका तन दुम्हारा खबीन भनदीय।

तेल आयस विकराई, तेल (तैलवित्र वादिये) स्तेह। तेली कानु र्तमकार।

तेली कानू र्तमकार। तेलर १ इंड सौर-तरीका रंग-डन २ कोपदृष्टि कोमदृष्टिः

२६६ / हिल्दी पर्याय कोत

६ पृषुटि घाँह।

तेहरा विपरवा।

तै दे तय।

तैनात नियद नियुक्त निर्मारित मुक्टेर।

हैयार १ मामाचा उताक उद्धार कार, मार्टिय कमर में बसे-समाय कई तत्वर, धुना प्रस्तुत बद्धपरिकर मुस्टेंड सेन सल्वद समुद्धार सुमन्त्रित २ रच टियन रहामंद्र राजी

१ मोटा-नाहा हुप्ट-पूप्ट।

तैरना अन्यमा करना विरना पॅबरना पॅरना पॅडना पॅरना।

र्तन देवन।

र्तय आवेप कोप त्रोध (दे) योज ताव।

तैसा चन-वैता उन प्रकार का चन-सा ताद्धा वैसा ।

शोंद बदर, बढर, सुन्द पेट।

वॉरबाता जन्मदाहर तुन्दित तुन्दैत वॉब्ड्स वोदस दोदबामा।

ताङ्क काट अतिकारक।

तोज़ना १ वड-बंड करना खडिय करना चटलाना टुकड़-टनड़े करना टुक-टुक करना अन करना भन करना २ विष्येद करना १ मेरिजनम्म वरना अस्तवन करना ४ उप्यूतन करना समाधन करना समाध्य करना (धेवा वह उपवाल)।

कोइ-कोइ अंतरवेंस वोबना-पोबना नप्ट प्रपट, सैबोटाय ।

तीका येशा येगी।

वीतता तुरमानेबामा इक्सा हक्मानेबामा।

तीना चीर, निर्धानिहरू कुच मुजटा मुखा मुखा। तीनाचाम वर्षि फेर नेनेवाना वेम्पीयत बेलिहास बेचफा।

तोती तुषी भूगी भूग्यी।

तीप शृक्षतास यजनास तुपक शतक्ती।

तीपकी योगंबाज वाप क्लानेवाला ।

क्षोपना दश्नादौरनाक्षीपनाः

तोबा छि सम ! सम ! हाय तोबा श तोबा करना वाल ककता कामो को डाय समा

ररना कान वस्त्रना कानो को हांच नयाना विनायिन देना न करने की गरथ धाना/निना अपवपूचक त्यान करना।

सोप देपानी।

```
तोवस
```

<del>n</del>ff

```
तीयक वे कमन।
सोपद तोयग्रर हे भादमा
    त्रोसरिं
             वे समुद्र।
```

सोवकिविव तौर्स दे तोरी।

होरच बंदनबार।

तोरी विवालोधी बेंखबा वेबबा तरीई तूरैया तोरई दौरैया नसवारी तोरी नेतवी।

तीसक पदा मैदेस । हे संशोध ।

नोव

तोडका उपकार नवराना पाइर, बायन बैना सेंट, सीबाद। सीर-मरीका : हे अंत ।

तील शोक्त प्राप्त बचला।

काँटा करना कोबना शीव करना बढन करना बढन केना। ਨੀਵਰ चीलाई मुलाई बीलना बदन सेना।

कौतिया बँघोमा नवसा टाँवेश साछी।

त्रौद्धीन बनावट, अपमान (वे ) वयमानना क्यारी वैदरवती बेकडी sas sassusa i

क्रोडा त्याचा परिस्थकतः। FD and

त्याव जन्मर्गक विकास । स्यापना १ कान पकरना छोड़ना ठकराना तबना तिस्रोबसि देना वीदा करना त्याच देना परित्यान करना मुख मोड़ना से हाब

बोबना २ वर्तिवान करना ३ बसपाना वसन/प्रवक करमा Y संबंध-विश्लोक करता।

इस्तीक्ष्य । स्यापपञ्च

(resign) इस्तीफा देना पहत्याम देना (वि ) पद त्याय करता त्यागपत्र देशा (H N ):

निर्मित्व निरम्ह बैरानी विरम्त विरामी बैराम्यप्राप्त स्यामी र्सन्याती साध् ।

क्काका करीय प्रपेक्षणीय उपेश्य त्यावने योग्य नामंत्रर FUTTE परिस्वाच्य कर्म हैय ।

बस शरह, उस प्रकार एस मौति वैसा वैसे ।

२६० / हिम्ही पर्याय कोश

```
त्योरिम
```

आंबर

```
स्पोरिस
              (पीछे या आये का तीसरा नर्य) स्पोरम त्योक्सास परार।
       स्योरी
               १ अवनोषन चित्रवन दृष्टि निपाह, २ गीह प्रकृटि।
     स्योहार
              उत्पव स्थीहार बर्धोत्पव पर्व ।
              विकारी विवाह विवाह जिका
        चयी 💮
    क्रमोक्सी
               तेशस ।
               परिरक्षण परिरक्षा प्रतिरक्षा बचाव रखवानी संरक्षण
        वाध
               सरका द्विकागत।
               बचाने बामा प्रतिरक्षक राहक।
       भारती
               कोक, बर (वं ) सहतत मय समास ।
        चास
              ट्रैनेडी दुवावणी ।
      बासदी
              वे जियामपत्री।
    विकास
  विकासरसी
              विकासक विकासनिक विरामनेसा ।
     विकोध
              विकोतः विमुख।
जिनयन जिनेच
               है महानेव।
    विषयमा
               है यंदा।
 चिपद्यवामिन<u>ो</u>
     विपादी
               रिकारी जिल्ली।
       विपंड
               दीया विसक (मुनव वीन भाडी रैवाओ बासा)।
    जिपूरबहुन
               त्रिपुरवहन निपुरध्न त्रिपुरानक महादेव (दे )।
     त्रिपुरारि विपुरारि विपुरान विपुरानक महारेक (१ ) ।
       बिक्क निकोश विकास
      त्रिनदन है जिलाक।
        किया है नारी।
      त्रिलोक जानाम (न्वर्ग) पाताल और मृतनोक (पृथ्मे) त्रिमुबन ।
     जिलोधन
               विनेत्र विद्रार महानेत्र (दे )।
      fufferer .
               तीन प्रशास्त्रा विद्या।
       (man)
               निकारी क्रिपारी।
        बरि
               (error) १ अपूर्वि (वि भ प्र ) चुक विभ्रम (प॰ प्र )
               २ अपूर्वेश कमी करार, जामी स्पूतता है अपराध दोव
               मस ।
     र्थयासिक
               निनमाही निमाही।
               विनेत्र जिलाचन जिल्ला निकर्त विक्पास महारेव (दे ) ।
       स्रोहर
```

हिन्दी पर्याय कोळ / २६३

त्यथा चास अस्ता मस्ती असे।

वदीय भाषका तुम्हाश तेरा सम्बीय।

रकरा व पास्त्री।

त्वरितः १ वस्वी/विची/विच से वेगपूर्वक २ लगी वाविसंव स्नष्ट वरकान दुर्रेस क्रीरम लीझ सस्वर ३ किस दीय हुए।

## द

क्कन दे दशीति।

वरुना वर्ग-अंव वीला होना वजर-पजर डीले होना वास्तांत होना पूर पूर होना वकन/वकावट होना वक्कर पूर होना निडास होना ।

भका बास्तात क्सांत (दे ) विकाद परिस्तात परिधांत पस्त सर्व-मस्त विविध सांत सम्ब ।

मकाम वे समाति।

चका-मांदर वे बसात ।

पकाषद दे नतावि।

विकत वे स्रांत ।

चन बयन ग्रेम पत्रोधर स्तुन।

वर्तमी वन का कांडा स्ततपाकः

वपरना वपनी देना (इनके बाबाद से) वप-वप करना वपनपाता।

भवकी वयक वयकता वाय।

पपड़ी करतन स्मिन वासी थपेडी।

थपवपाना वपक्रमा वपक्री देना।

भपेक् १ श्राकात सोका ध्वकर शक्का प्रहार २ कपड़ (दे) ३ तदंबाबातः।

वयोडी अरक्तम-व्यक्ति वासी थपड़ी।

कप्पड़ चटकन नटकना कटकमी कहा चपत चपेटा चौदा छपाड़

स्रोपड् सापड् रामाभा वर्षड्डा बोह्ना ख्राट ख्राटा सप्पड्डा यमना टिकना ट्याप्टा वंदद्योगा स्कना।

बमाना देना परुवाना सुपूर्व फरभा सींपना हवाने करना।

परधरानां अपित होना कांपना प्रकपित होना वर्राना।

**थ४** तीसस्य तृतीय।

वर्मामौडर तापमापक/तापमापी यंत्र ।

चर्रामा (डर से) नौपना करना बहुसना भयभीत होना। यस चयह भूमि स्वत स्थान।

पर्या मिस्त्री राज राजगीर।

पद्म ।मस्त्रा राज्ञ राज्यारा

यहराना कॅपिन होना कॉपना वरना वर्षाना यहम जामा यहमना। वर्षवना सामगण पाममा पामा।

नाती १ वयानत प्रशेहर २ वर्गार्जी।

माता होतवामी बौकी पुसिस बौकी।

बानेबार बारोबा पुनिध सबद्दस्येक्टर सबद्दस्येक्टर।

भागः १ झावात ठोंक वपक २ वप्पड (दे) ३ विद्धा छाप विचार

चापी मुंगरी।

याम परहरोक।

थामना परवना संभातना सहारादेना शाय देना।

भार भाग पराता

वाला देथीयसा।

बानी छिप्रमी छीपा टाठी तका तकारी वरिया बाम ।

पाह अत अनुमान संदाद "हराई पता पार, सीमा हद। दिक्ररी दे मिदात।

विमती चरती पेवन पैबंद ।

विभागः चरता प्रवत प्रवदाः विमादर छविषुद्व ठटरा,नाटवायुद्व नाट्यज्ञासा अंच रवज्ञासा क्षेत्रः।

चीसिस डिसटसन छोधनिवस सोसप्रवस

मुक्ता-कडीहत युडी-धुडी लड़ाई-सयड़ा।

नुशी यू-यू धिनशाय, नानन ।

पुत्रवृत्त पुत्रपुत्रा भारो मांसल मोटा स्त्रूत।

चुसमा क्षेत्रस क्षेत्रस गुरुमा कुरुमा काचा। यु पुमानुचक सन्य किः क्षी की क्षिक।

पुर कह चेंदार, पीक सार श्लब्या नाना।

पूरना १ उपमना पूक्केना पूक्तिकालना २ पृक्षिपुढ़ीकरना धिरकारना निवाकरना कुरा/बुरा-मनावहना।

हिन्दी पर्याय शोध / २७१

**पू पू करना** विनाता पूथा करना नफरत करना।

पूनी कमा कम्बा चाँड़ टेक टेकान बूध बूनही स्तंत्र।

चेपली भक्ती निनती पेन्त पैनद।

बैक्स श्रामनाह ।

करता अध्यक्षका अनीता अनीता जीता होरा होना होड़ा श्रोकरा

बदुआ बद्दू। वे पैसी। भैसी बपीती बसीती बालसी बील बाली थन बेना होएी होनी होकरी पन्टिट, बटका बदुना बदुट । वे बीहा।

थोस १ होलसेन २ हेर एडि।

बोक्त है हामबास ए डर पाँड । बोड़ा सरप्तर स्थाप देवतु क्षम कमती किषित् हुछ कोदाह, छोटा बच बरा-था तिनक बोडा शबस्य स्थूम परिस्त माञ्चली मुख्यसर रेच रंजक सब्द, सेस सुक्त स्कर्म हमका

हरन । कोदा-बहुत फिनियु कुछ-कुछ स्पूराधिक । वे बोड़ा ।

भोदा-सा अध-सारं**च रंचमाव। दे योहा।** 

बोड़े इने-बिने कुछ विकटी के पिने-बिनाए, पिने-बुने। बोबा १ बाबी बोबना पोसा सारकीय २ निकन्स अर्थ का

६ बलीक झूठा। बोबायन १ बालीयन बोबसायन योसायन सार्यीनका २ स्ट

३ निकम्भापन व्यवैदाः। बोक्तः बारोपम/बारोपित करना बारोप पराणः विपकाणः शटा

करियतः कारोपण/काशोपतं करना कारोपभगना विभक्तना सूर कारोप लगाना प्रकार अल्बे सहगा।

नोबङ्गः नृष्य मृह (शया नाननधे का या बादमी के निय नवमान नार्च) मुखदा ।

ध्यूरी, ध्योरी सिशीत।

पित्र वे गोमाचा

द

इंग अवाङ्,बारवर्षेत्रशित त्रशित घीत्रस्या विस्थित स्त्रीमित स्तरुधः। थमई अप्राची समझामू येना करनेवाला शैदान ।

बंगसः १ कुश्ती वजनी मस्सयुद्धः २ प्रतिद्वद्विता (शैस दो पहत्तवार्नी कार्यनस्)।

रंगली वहा बहुत बड़ा बहुत भारी (वैसे दंगली वदमास) :

रणा १ तमात वजहर समझ देश-क्रमार क्रमार मारणाट मारणीट, रॉयट-२ मुस-मगड़ा धोर जोर-सरावा हुस्कड़ हो-हरमा।

श्याई समझा/दया/देवा-क्रमाद करनेवासा ।

इड १ अर्थरंड सवा २ डंडा साठी सॉम्म सोटा ६ वस्सू डॉड ४ वडी सिनटा

बंडनीय वंड के योग्य वंड पाने के योग्य वंड्य श्वाबार ।

इड प्रचाम वृद्धवन् सादर प्रमाण सादर अधिवादन साध्टाय प्रचाम ।

र्थंडतः जिन वेड निमा हो स्वा पाया हुवा स्वायापृता । इसी वड-कमंडम् झारच करनवामा वानप्रस्थी सन्यासी साम्र।

बत दण्द्र दशर्गदीत द्वित्र रद रदगः।

र्यतस्या किनरेती जनसृति । रंपति श्वती पति-यस्ती सर्व-सौरत मियाँ-सीबी स्त्री-यूच्य ।

वंभ वकड विभाग अहकार, यनै गुमान गुक्रर, वर्मड वर्ष नाड हैकडी :

दंभी अपकृषात अफड अनकुका अभिमानी सहपारी पुनानी मनदी स्नौत सहकर, हेरबीबात:

दप्द देशीत।

दक्तियानूस १ संबंधपरंपरावादी पुरावपणी पूराने विचारो का प्राचीनता-विक्रमानूसी पोपक २ पिमा-पिटा पुराने वर वा पिट्टरेस्टिटा।

दशः दुक्तमः चतुर निपुत्त पक्षेत्रः, प्रशीच विषेषक हाणियार। इक्ततः हुद्यमा कीमक निपुत्तवः प्रशीपदा विरोधकतः (efficiency) वर्षकत्वा (व प्र व प्र ) दुक्तत्वा निपुत्रता प्रवीपना (व प्र )।

विश्वमा १ जनुव विश्वम २ वाहिना दायौ ३ जनुवूस।

विज्ञयर्थनी विद्यासक्ती राष्ट्रिस्ट। विज्ञा १ दान २ पुरस्कार, मेंट- ३ पारियमिक शुक्तः। विज्ञा वक्ती विज्ञानी विद्याहा वाधिमास्य वाधिम्यः। रवस

दवादमा

वक्त विधाइन इंटरक्रीयरेंत टाँग बड़ाना इस्तरोप । वक्त रुपना वक्त रुपना वक्त विधाइन करना वांक्रशन वक्तां वक्

विदानी करना हुन्तकोप करना । रहाः कपट छन्न छन्न-कपट बगावानी छोबा बोबेबानी सीसा

रधा क्षत्र छन् छन्-क्षर बगावामा होचा मार्थवामी सीसा प्रत्येकमा परेव विक्तासभातः

वर्षाबाच्च कपटी छनी घोचेबाक प्रवंचक छरेबी विश्वास्त्राती। हर्षाबाको हे हवा।

वसामाक्षा दे दना

वर्तक कोव निया हुआ सङ्का पोध्यपुत्र यूतवाना । इसकिन एकार प्रशासिन सम्बद्ध सम्बद्धि स्थानम्

वस्त्रितः एकाष्ट एवाध्यित सम्मय राजीम ध्यातस्य ध्यामसम् । वस्त्रितः एकप्रता एकप्रता एकप्रता राजस्यतः । वरिद्वासः स्वितास्य अभिवीतः व्यवहासः वरिकास्य, वर्षिकीतः ।

र्वाच सही।

वनावन १ बटाबट जन्दी (दे ) जन्दी-कस्बी छटाछट २ दनदन इन्दोन करते हुए।

दन्त दे ग्रससः।

बक्रमानः (बसीन में) माङ्गा दवाना वक्रन करना ।

रका ऐक्ट भारा। इस्तर कॉफिल कार्यांक्य।

इत्तर काल्ड कामालया इत्तंत्र रोबडाजवामा रोजवामा शेवीमा।

दबरका कार्तक क्षांक प्रभूतक बोस्वासा श्रीवसाय।

वनमा १ बोझ के तीचे पन्ना भार के तीचे बाना पिषकना २ उद्धर न पकना बवाब से बाना गीचे हटना व (बवाब के कारण) किसी की शक्कानुसार कान करने को निवस होना सुकता प्रतिपना ३. जनकर न करनेक पन्ना पीकोस

करना हिमकना हिमकियांगा। देवांना १ बावना २ गीके हटाना ३ गीके इटले को विश्वत्र करना ४ दमन/बांत करना ४ विषकाना विवास।

इ.सम्मृतात करता र १४वकाता १४वाता । स्वाद १ वॉप शाव २ प्रभाव रोव रोव-दाव ३ प्रेचर, पार, ४ भार वस्ता

रबीव भारी मोटा।

दंबोचना दंबालेनाधर दंबाना पक्क लेना।

१ जान भी प्राच २ व्यास सौस ३ सथ पन समहा दम ४ कस कस-बन क्रम्बत कृतत कोर, ताक्षत वम-क्रम बम सकित सामध्ये ।

१ जामा जालोक जनक जनकमाहट बीन्ति सुवि रौनक दमक २ अपि यमी ताप।

१ कस कस-बान कव्यात कृतत बोर ताइन्त दम दस दम्खम शक्ति २ सामर्थ्य १ साहस हिम्मत ४ जीवनीयस्ति पुषवार्षे ।

दमन कुपनमा दवाना दम निरोध रोकमा।

श्रम्यमा स्वास सीम हेंफरी। दमा

बंका कोम नगाका। हमामा

बमा १ अनुकंपा अपूबह कृपा रहम २ मेहरवानी १ कडवा कारम्य तरस स्वान्ता ४ सद्दानुमृति सद्द्यता हमदर्शी।

क्षरम काना बयाह होना हबित होना पत्तीबना हबय हबित इया साना शुना हुरय परीजना ।

हमादृष्टि हृपावृध्टि ।

बवानव ईमान बयानतवारी सत्पनिष्ठा ।

हयानतहार र्ममानदार, सम्बा सत्यनिय्छ।

दमानिकान दयानिधि वयानु (दे )।

१ दे बयामु २ वे दिस्तर। क्षामय

बयाई 💮 दयापुण दयामय।

१ अनुप्रही छवार, कृपानु रहमविस २ मेहरवान इयान् गरणानिसाम करवानिधि करणामय करवासील करणामानर करणासिष्ठ बयानिधान वयानिधि बयामय दयानाम दयाश्रील दयासाम्र, दयासियु सदय।

१ कीमत माथ मूल्य रेट हिसाब २ दरबाबा द्वार **₹**₹ ३ अमह स्थान ।

असल में अनीमयत में तच्यत बरहड़ीकत बचार्यत बस्तूत: दरमसत बाक्ष्म बास्तव में बास्तविक इप में शब पूछा जाए तो सब पुष्टिए तो इक्षीयत म ।

बर्श्व नार दे बूर। इरक्रास्त

दे बावेदनपत्र।

```
दरका
                                                            ∎री
       दरस्त देपेडा
      बरपाह १ भक्षणा समाधि समाधिस्यक।
     ररमुखर
               यकारा वर्षास्य सहस्य।
      बर-बर
               चनह अयह स्थान-स्थान पर ।
               करकरा बरवारा भूरवरा वानेवार, खावार, खीसा।
      दरदरा
               १ बढ़वा (कबूनरों भूवियों का) २ कोठरी कोठरिया बहुत
       दरवा
               भोदा कमरा।
               कोक्बार क्योबीबार हारपाल प्रतिहासी।
     दरवान
     हरवारी
               राजसमासवा
   दरमियान
              दीच दीच में मध्य सब्ध मं।
  ररमियानी
              १ बीच का भव्यवर्ती २ विचौतिया सम्पर्ध ।
    दरवाचा
              १ वर द्वार २ क्योबी बेहरी बेहनी वे बीर प्रतिहार
              सिंहपौर ४ कपाट विवाद विवादी।
      दरदेव
              १ मीनिया क्रकीर संग्र साथु साथु २ भिक्क भिक्रमता
              भिकारी मैंबता संबन।
              हे हरसाना।
    बरवाता
    दरमाना
              १ दर्जाना विश्वामा वृष्टियोचर कराना २ प्रकट/बाद्विर
             करना स्पष्ट करना।
             १ द्वार २ दरव वयर (दे ) फल्न ३ दीवें बद्धा मारी
     दराच
              ४ वधिक ज्यादा वहुत।
      बरार
             छिद्र क्षेत्र वरेड् वरेर, बरक बरका बरद कटन राज
             विदायः।
     र्वादा
             १ मास्प्रशी बतु २ बातवर, प्यू, ६ कूर, वदमास सैवान।
             अकियन अमानप्रस्त कयास गरीव तंत्रदस्त दरिश्री दीन
      रचित
             बीन-हीन निर्धन मुफ्तिस रंक सर्वहाय।
             अफिन्नता कंवासी सरीवी तंपवस्ती तंत्री वाद्यि वाद्यिय
    दिखता
             दीनता दैन्य निर्धनता मुफसिसी।
     वरिया
             दे सदी।
            १ जवार (दे) २ वानी (दे)।
 श्रीमानिल
             दे उदारता।
 बरियाविसी
   इरिया≇त
             बाद मानुम।
             १ को हु, मुफा मुहा २ दशा विक्रोना (विक्रिप्ट) क्यारंबी।
       दरी

 ५ / हिम्दी पर्याय कोश
```

दरीया विद्वकी गनास सरोद्या।

दरीका १ (भूमतः) पान-वाजार २ पच्य वाजार हाट।

दम अफित (वे ) शिक्षा निवित ।

दर्भ करना (to enter to make entry) एटर करना नोट करना (स म ) प्रविध्दि करना निकास ।

दर्जा १ कमा क्यात वर्ग भयी २ कोटि रिक धर्मी ३ मोहदा पद पदवी पोस्ट मर्तवा रनवा स्थिति (दे )।

व्यविभाइन व्यविन व्यविधानीः।

दर्शे समीक्षा दरवी वास्टर वी।

हर्द करक रूप्ट क्यक बसेश चमक चतक चिसक चिस्त्क इस पीड़ा पीर पेन बेदना व्यवा मून ।

धर्प ऐंठ सक्य अभियान (दे ) अह सहवार, पर्व गुमान गुरूर धर्मक सद ।

क्षेष आईना कारले कारली मृतूर, शीक्षा ।

दर्रा चाटी पास नादी।

इसा चाटायास नासा

दशक समाजनीय देखनेवाला इच्टा प्रेशक (दे )। दशकरीयाँ (visitors gallery) मैसरी (वि ) दर्गकरीयरी (म प्र )

वर्तकवीची (वि. संश्रेष्ट)। सर्व १ और समाजान सम्बाद्या

बत्तन १ मेंट शुनाकात साधात्कार, २ बवसोकन सीकी बेचना निरोक्षण १ अध्यात्मधास्त्र तस्वज्ञान क्रमसक्य क्रिमासकी बद्धाविका ।

इरॉन देना भाना उमरीफ माना।

इसैनाबी बार्यचुक वर्जनार्वे मानेवाला ।

वर्शनीय अभिराम दिन्य देखने थोन्य इच्टन्य प्रियदर्शी विश्वकप प्रस्थ मनभावन मनोरम मनोहर, रमणीय रचिर, ललान सुन्दर ।

इस १ मरोह निरोह युद्ठ युप बार्या झुढ दुस्ड्री टोली नवती सहह समुवाय समूह २ पंथको पंख्री ३ पत्ता पत्ती पत्र ४ कीच नििमिनी सेना ।

बसारम मीचड़ (दे ) यांच बहुटा बहुना प्रांत पांच ।

इसन कुषममा नष्ट करना रौरमा सहार।

दत्तवरन् माया राम यया राम दत्तवस्तन वाताः।

इल-इत दे सेना।

कुटना विचीतिया मध्यस्य। दनास

**इ**सित १ दुवनाडूमा सर्वत भसनाहुमा रीवाडूमा २ पस्त हिम्मत इवोत्साइ ३ -वर्ष---वकुत भनवाति विग्रेस्व क्सास।

श्मील दे । तर्क। **इ**सेस बंद सवार ।

EW.

दे जंगल।

दवा १ कोवर्डि थीयस औपसि बरमान बनाई दबा-दाक हवा बीरो भेपन २ इलान उपचार, चिकित्सा दवा-दाक दवा

क्षेत्र । स्वासाना सर्वात बौपधानय विकित्सास्य सहावाना इत्याताना

बाबात मसियात्र । दवाद

दबादाक वे बना।

दतकार वे बसानन।

बत्तपीय वे बनानगः बसरके कव्योक की समप्ति वसस्यवन यमक्तक।

दसहरा रामनीला विजयावसभी।

इसा नक्ता गवि परिस्थिवि स्थिति हाम हान्तः । दशनम

बनुबेश दबकंठ बन्नजंबर बन्नगुब बन्नमीनि बनिशिर पौसरस्य राक्षस्रवित राज्य (दे ) संकाराम संकारति मॅकेश्वर ।

इस्त १ कर, पाणि इस्त हाम (वे ) २ व्ह्टी पाधाना (दे )। इस्तुक (बरबाबा) बटबहाना भइमहाना ।

कारीवर मिस्त्री विस्त्री। बस्तकार कारीयधे विश्व विश्वकता हुन्तकीयन इस्तवित्य। दस्तकारी भाटोश्राफ सही साहन सिवनेषर, स्वाबर, हस्तासर।

इस्तकत (squad) १ जरना (क प्र ) दुक्त्रो (वि ) यस (छ बस्ता प्र ) बुन्द (स प्र ) समूह (दे ) २ वेंट सूठ हैंकिन

१ (कानव की) यही। म्मंब्र 1 इस्टाना बस्त कानेवाका विरेक्छ। इस्तावर

काराज मसेखा। शतावेव १ कमान साफी २ हान से भेनी जानवासी (नैसे दस्ती शरती

२७० / दिन्दी पर्वाय कोश

चिट्ठी) ।

रस्पुर १ वर्श चलन चास परंपरा परिपाटी प्रका रोत गीति रवाज रिवाज सीक २ जायदा नियम विधि।

बस्यु बर्वत कामू चह्रवम मुटेश।

रहकता जसता प्राप्तना।

रहसमा गाँपमा काँप प्रठमा/माना ग्रीक्रक्क्या होना कर जाना भयभीत

होना/ही उठना/हो जाना ।

बह्तीक १ चौछद् बहरी देहती २ ह्योड़ी धरवाका डार।

रहरतः जातक क्षोक्र वर (दे) पैनिक भय।

वहाइ १ नरज गर्नन पर्नना विवाद विषयाद बाह नाव हुंनार, २ जातनाव वे चनोनी सफकार।

बहाडुमा १ वरजमा वर्जन करना वर्जनाकरना विचाडमा विष्याङमा हकारना २ वसवारमा ।

दहाना मेह मुँहाना मुखा।

बही वर्षि।

रहेत क्याप्तन नहन टीका डावरी तिमक तिसक-रहन पाइन पान-रहेन पान मेनुक।

श्रीतः १ वर्षे देवानं (वैशे देवानसाय म) वर्ष्ट्र दसन द्वितः एव प्रदन २ देवाना वीना।

रक्त २ दशना काता। क्षांपस्य पति-पत्नीका पति-पत्नी-क्षिपसक पति-पत्नी-सक्की मिर्सा

वीतीका। बीच १ उपाय चास निक दोव-पेंच २ बाठ मीका ३ पारी असी। है साथें।

बॉब-देख दे बॉन।

शाई साथा धानी मितवाइक।

कार्वे दाविने।

हातिल ऐडमिट प्रविष्ट ।

वाखिलाः ऐडमिसन प्रविध्टि प्रवेशः।

कारा १ ऐस वर्णक पाइमन बीप धम्मा लांछन २ विसी धम्मा।

दावदार दागवाला दानी धर्म्यवाला I

पादिम अनार, विहीवाना।

हिन्दी पर्णय कोस / २७१

```
- बाइ चहुआ चौमहचौमरचाहा
```

वातस्य १ वेगेवासा (मुनत वैनेवासा-वातस्य बीपसासय) २ वेगे सोम्य देगः।

वाता १ वानतीस वानीः २ वेनेवाता।

दाव १ वह विनाद विनाय २ ठारीफ प्रतंसा शाह-बाह बाद वेना —रारीफ़/प्रशंसा/बाह-बाह करना।

बादा १ आचा शाळ (अवसी) पितासह बादा २ अस्त तात

वका भाई, भैंगा भैंगा भी: वादी जदमा अपनी ताई (जयभी में) पितामही बड़ी माँ:

दावुर सक संबुक नेवक।

बान औरात धकात बान-दक्षिणा।

बानकर्मकानपुष्य।

दानव ध राज्यसः।

 श्रीमची १ निश्चिम रिश्चिम २ श्रानव/राज्यस का/विमयक/ संबंधी।

दानशील देशनी।

दोता १ जनाव (काएक बीज) अपन ग्रन्सा २ पदीना पर्वम मुजैना भूजा ३ गुरिया सनका ४ अक्समंद (दे) वदिसात।

बानापानी १ जल-जन २ रहते का गीय/संगीय।

शानी उदार, वरिमादिन वादा वानकर्ता वामगीर, वानकीस क्रमाण सकी सवावर्ती।

दानेदार ब्रुश्चा दरवरा दानेवासा ।

श्रम क्रीमत मृत्य गोस ।

यामन वंशस बीधन पत्ना पत्नू।

बामाद : कॅबर की (सेनीय) वेंबाई, जमाद कामाता वसाव। बारिती वे विकसी।

बायरा मौता मेरा गंबत पृत्त।

दार्घा दक्षिण दाहिता।

बामाव १ हुर्दुवी सर्पित २ भानीबार, हिस्सेबार।

वाधित्व १ उत्तरकाधित्व कार्वभार, विस्मा विस्मेवारी विस्मेवारी २ देनवारी (Iability) ३ कर्तव्य।

4 didici (mondy)

द्वारा दे पत्नी।

वारित्य अन्तिनता नेपामी हरीवी वरित्रता वीनता वीन-हीनता क्षेत्रामी मुक्किमी।

e fini 3mani

बाद काठकास्ठलकड़ी सक्छ।

दोदश १ भोर समेनर, सीयण २ कठिन प्रचंड विकट १ कठीर कडा फूर निर्देश नृक्षम प्रचंड सक्ता।

बाक १ वार्यव (दे ) २ दवा दवा-दाक मोपछ जीपछ जीपछ।

बारीका वानबार, संबद्धसेक्टर ।

बारोमबार अवनंव घरामा महादा।

बार्गनिक १ तरबन तरबवेला दर्शनकारणी फिनामकर २ दर्शनतास्त्र सर्वती ।

काल क्षममन्त्रा क्षमहन कालि द्विक्य पश्चित पश्चिमी सफदा सप पश्चिम सामन सप।

दासान असिव जामाच चोग्रस चौदारा विवास दनान दरामश वराहा सहन।

वार्वे १ चान २ अनुकल स्थाप सदमर, उपयुक्त स्वस्तर मीडा ३ चान प्रस्ति ४ वार्वे-वेच येच वंद (क्रासी)।

बाबत याना व्याना व्याना हिनर शांत भीन महामोन रोटी लंब सहमोत्र।

दावा १ (suit) काम्यर्गन (उ. प्र.) व्यवहारवाद (म. प्र.) २ अधिनार, स्वरंत १३० ६ अभियोग गातिस सूट मुक्तदमा ४ जोर दुवंता दशव।

बाबात प्रक्पॉन बबान बारिका मिलवानी मितिपात :

शाबामसः इव दावा वावामिन वर्गान्त ।

शानेतार अधिकारी स्थलाधिकारी हुक्यार।

दारारचि दे राम।

क्षास के नीवन्द्र २ के शूनाम।

शासता शूनामी परवयता।

दाती ट्र्मनी मोंडी गौकरानी (दे ) जूत्या सविका। दारती दास्तान १ मण्यामा क्या कहानी (दे ) विस्ता वादा २ दया

बजान वर्गन विषयप वृत्तीत हाल हाल-चाल। बास्य १ बास वा-ना बानभाषपुरत बानोचिन बास्यपहित/

हिन्दी पर्याय कोस / २८१

भावनासी २ बास्यभक्ति बास्यभाव।

बाह १ ईच्या बनन बाह, बाज़ा सपन तुन्त हेप पीड़ा सताप २ जेरनेच्यि बनाना बाह्यसंस्कार।

राहरूमें मुर्वा/तन समाना/पूक्ता बाहर्सफार।

राहरण पुराग्या यसायामुग्रम्मा बाह्यसम्बर् वाक्षिण वक्षिण वार्यो :

राहिने १ दायी कोर/तरॐ दायेँ २ अनुकस प्रसम्पः।

रिक्षः १ साय टीकी त्रिविक राजयकमा २ तय परेक्षान हैरान १ विक (के ):

दिस्त बोर एरफ़ दिस् विता सिन्छ।

दिलान्त १ कस्ट तंत्री तक्क्षीण परेवाणी २ कठिनाई (दे ) प्रक्रिका

पुरस्य । विकास विश्वति विद्याधिय विवीत विकासिय विद्यासीतः।

विकास विकास देना/पहला दिवाई देला/पत्रता दृष्टिनदा/दृष्टिनोक्स

होना बेच्छने में भाना।

दिवालामा विकास नामा । दिवालामा विकास । दिवाला देशा वर्तन होना विकास विकास है विवाह देशा/प्रतास दीवान

विकाई देना वर्तन होना विकास दिखनाई/विकाई देना/परना व वृद्धित्वत होना कृद्धिगोचर होना सीकना !

दिशासः विकानटी दिश्योजा क्यानटी। दिश्याला क्षेत्रकारा दर्बन कराना दिश्याला वस्टियोजर कराना निरी

सम्बद्धाः प्रदेशः क्यमः । विश्वास्त्रः दे विश्वाकः ।

रिकासः १ मार्डसर, टीम-टाम डॉप तक्क-सङ्क पास्ट बनावट, स्वांत २ विकास्ट विकासटीपन बनावटीपन बनाव !

स्वांत २ विकासक विकासकापन बनावटापन बनाव । विर्यंतर नेवा नाज वियंतर (एक प्रकार के वैन साधु को यस्त्र सारण नहीं

करते) निर्वसन निर्वसन विवसन। दिलाक अकामान्य वहत शहा नका भारी महान्।

दिलाका अवासास्य बहुत वड़ा बड़ा घारी सहान्। दिलाकोकनेत्र कृत्यवन्ता।

विश्वरीत सामान्य जानकारी/परिषय सामान्य क्य से विश्वाना स्पृत

प्रदर्शन । रिकास विकासम

विष्णाम विश्वासम्। विष्णामित ववुमार वृषराह पर्यसन्द बहुका हुआ घटका हुना मुका विष्णामित मटका। विष्यात होना - उद्दश्रात/गमराह/पयप्रपट/पटना हथा होना घटकना घसना घटकरा ।

विगरिक्य हेम-बेकात्तर-विकास सर्वविकास ।

विभिन्नायी हेल-देशासर विजय करतेवासर सर्वविजयी ।

विद्याना अवस्थादः नक्षक भवस्या ।

दिन सह:, विवय दिवा मीम रोज वार बासर।

विनक्द वे सर्य।

दिनवर्ग दैनिक नाम दैनिक काम-नाम ।

दिनदित दिनोदित रोज-स-रोज।

दिनमणि है नर्थ।

दिनमान इ सर्वे।

दिन-रात भौबीछो घटे रात-दिन सदा (दे ) सर्वशा (दे ) अमेगा

(दे ) हरवड़ी हरवचन हरसम्ब।

रिनोक सारील निवि विनि । विनोत हे संस्था।

दिनोधः १ उस्म २ चमणावद्य ३ जिसे दिन में न दिने दिनोधः।

विनेश दे सूर्य।

दिनेरबर दे मुर्थ।

दिनींग्री : दिवन-जीवता दिवनाग्रना दिवांग्रना ।

विस्तात मस्त बहुन की प्रका बाबि सम्ब शति सरितपर प्रेचा समझ नृत्त-कृतः।

दिमायदार १ दे बहुनारी २ दे बृद्धिमान ।

दिमाची दिमान-विषयक/संबंधी मानसिक।

बिया चिक्क सीप शीपक प्रशेष ।

विधारा कटार, खांदर।

दियासताई दिविया बीनशभावा याचिम सनाई।

हिल बर बरम क्रीजा क्लेका कर क्रिय क्रियर क्रियर क्रिय मन हिप दिवस दिया हृदय।

क्रिक्स दे संदर।

विस्तामा दिनपूरेच विभवन सन्तास सन्ते ।

क्रिकाम सनोरंजक शेवक।

रिसक्तियो अभिनित्र इंटरेस्ट शकान रुचि बसान प्रवृत्ति ।

हिन्दी बर्यांग कोश / २०३

विसक्तमई इतमिनान तसस्त्री संतुष्टि संतोय।

दिलकार १ जवार, फ्रम्याच २ रसिक १ प्रिय प्रेमी ।

दिशवर भारा (दे०) प्रिया

बिसावर १ वहाकुर (वे ) भीर, शुर २ जलाही विशेष, साहसी

हिम्मती (दे)। दिलासा बास्यासन डाइस तसल्मी दमस्मासा सीरव दैर्म

सारवना । दिनासा देना १ जाववासन/ठसक्सी/दमदिमासा देना बीरव/सारवना देना

धीर/धीरच वैद्याना २ श्रीष्ट्र पाँछना ।

दिली १ जिन्दी २ हार्दिक।

विकारी पुरुष ठठ्ठा ठिठोली विकारीवाकी परिवृत्त मनीस मवाक मसकरी होंगी (वे )।

हिस्सारीबाच कण्डाकी शृहसकाच ठट्टेबाच ठिठोसीबाच सचीसी सची सिया मध्यार पश्चरेबाच हैसमूच हैसोड हैसोडा।

दिश्लमीयाची वे विस्त्रगी।

विस्ती बेसडी बेसडी बेडमी गई विस्ती ।

विश्वंपतः निर्वाणप्राप्त परलोक्तासी मरहम नृत स्वर्शीन !

दिवस वे दिन।

दिया दे दिना।

विकासर दे सूर्य।

विवासा टाट उत्तर बाना दिवासा निक्तना/होता ।

हिम्म १ वनीनिक देवी सोकातीत सोकातर २ वाकाबीय

स्वर्गिक ३ सूंबर (दे ) शब्ध ४ कांतिपुण्छ।

रिध्यक्तु १ शानवरा, प्रशावका, २ शतीकिकश्वी समीकिक वृद्धि सामा शानी नोकोत्तरपत्ती ३ मंद्या नेपद्दीन प्रशावका सुरक्षाय ।

दिम्योगना वे मपारा।

दिला १ मोर, वानिव एरफ सिन्स २ दिला।

विहासी वीनिक पनार/पारियमिक/मेहनताना/नेवन/नेवन। बीमान कनडोकेसन विद्यातः

दीक्षा यहमच संबीपदेखः।

दीका युरुमण संचापदसः। बीदा १ विष्टि नजर (दे

स १ दृष्टिनदर (१) २ ऑध्य (१) चर्हानमन नेम

३ िठाई बुस्साहस घुप्टता।

**शीदार वर्मन वेच**ना मरकारा सामात्कार।

शीकी मामा नीजी वड़ी बहुत।

शीत १ व ग्रीव २ धर्मे मजहूव मतः।

दीनता व्यक्तिपाता समाव कंपानी ग्रापीवी दारिवृत दुख देग्य निर्धनताः

बीनरवास बोनबंबु वीनानाय भववान (वे )।

दील-दुनिया इहसीन-परलीर यहाँ-वहाँ सोक-परलोक।

बीनार मुहर सोहर स्वर्णेमुद्रा।

शीप वे वीपक १।

वीपकः १ विराग विया वीप दीया प्रदीप मीमवत्ती शसस समा २ बलेवरः।

शोपमालिका ये शीवाली।

बीपाइली हे बीवाली।

शेप्त १ समस्ता सम्बीमा असम्याताहुमा २ अलटाहुआ प्रकासिक प्रतीपन।

भग्याल प्रदान्त । दीन्ति १ माना मानोक चरण्यमता प्रतीनि चुनि प्रकास प्रभा

मास्वरता विमा २ वाणि चमक चमक-दमक दीनक। दौन्तिमान् स्रोमानय काविसान् कारियुक्त चमकता युविमान्

प्रचायमान भाग्यर। शीमक सम्मीय वासी।

दीया विराग दिया दीव दीवर प्रदीव अमझ (शमा) दिश्ररी।

दीय वड़ा विशास विम्तृत मुक्तिनुत्।

बीर्यकाय शांदीन बड़े बील बील बाला बिगालकाय ।

बीर्पेजीवी समय, आयुंशान विरंजीव विरंजीवी विरंजीवी विरायु दीर्घाप:

दीधवाहु सामानुबाहु प्रमथबाहु महाबाहु । पिरमणता सामस देर बीमापन मुन्ती ।

वीर्यमुक्ता सामस १२ सीमापन मुग्ती। वीर्यमुक्ती सामसी १९ समानवामा सीमा मंद विमंदकरतेवाला सूस्त।

रीर्जार्यनगत्नीता

चौर्याषु बायुष्मान विश्वीव विश्वीवी दीर्यायुष्य स्थानु।

हिम्बी नर्याय कोस / २८५

## २८६ / हिम्दी पर्याय कोस

१ जलरीय चुन्नी दुपट्टा दुपट्टा २ वस्थ (दे )। 400

**बुकानदारी बुकानदारी**।

हुकानक्षमा हुकानबार, हुकानबासा। इकानदार

হুকাৰ। दुक्त

१ अनुनय अनुनय-विनय निवंदन प्रार्थना विनती विभय ₹#1 २ अशीस आक्री आसीर्वाद आसीप ३ वरकास्त याचना।

दु स्वध्य मञ्ज्ञ स्वयम कुरवण बुरा स्वयन ।

पुस्तास बीठ, श्रृष्ट वदमिवास।

**इ**त्साहबी

रै अनुचित्त शाहरा शीमोस्तवन करनवाला शाहरा **हा**निकर साहर हिवाहित का विकार किए जिना किया गया साहर ९ मधामीनका पुस्ताची विकपना विकार, मृष्टता। अनुषित स्थ से साइसी झानिकर पाइस करनेवाना झानि नाम का विचार किए विना साहस करनेवाला २ नवासीव

**ु**साह्य

क्रमास्य वं बुस्साध्य ।

दु बह बस्हा अस्हरीय क्टसहरीय क्टस्हा।

वे 'दुव्व' तमा संबद्ध क्षम्य ।

दुक्त

पटक् पटका भेदि, भेरी।

**र्**युनि

विवादेवारी वियामी वीपदामोत्सव वीपमामा वीपमासिका दीपमासी बीपावची बीपोस्सव। न्यानक बंका हरका राजा स्मामा वींचा मगावा नीवरा

बीवासी

बीवार बीवास रै मित्ति भीत प्राभीर, २ वनरोध स्कास्ट तेन व्यवसात् ।

बीबानी

चेन्पत्तता बुनून बीबानबी पावसपत बाबनापन विक्रिप्तता । १ पनभी विकिप्ता २ माम-मवानत संपत्ति-स्यादासय।

**दीवानापन** 

शैवट

१ चन्पत्त जुनूनी पायम बावना सबनू, विक्रिय्त सिर्छिरा २ भाषिक मासनत तन्मय युग्ध।

बीबाना

रे बीबानापन ।

बीबाननी

षौवान**स**स्ता राह्मकम बैठक बैठका ।

शीवान

१ अमास्य मनी नजीर, २ कचहुरी करबार राज्यसमा १ गवल-संबद्ध ४ बैठक सवलिस मीटिंग सभा।

बीवट विरागदान वीपकाधार, दीपाधार समादान **।** 

हिम्बी वर्मान कोश / २०७

रुगी सनमन बनमना सम्प्रमानस्य सप्रसम्य सम्प्रमान सहसरम

दुक्तिया रुवी । दुनिधारा

उवास क्या में बुची पीड़िन व्यक्ति। दुन्नारी

कप्ट/दुक्त/पीड़ा (बादि दे दुन्त) पहुँचाना की दुन्ताना व्यक्तित

मासद नासदी। दुस्रति दुषाना

कप्टमय कप्टपूर्व दुरापूर्व। कुछ के काय पर्वायों से सब पूर्व इसमय मार्थि पर जीवनर इसके थम्प पर्याय बनाए या सकते हैं।

सरते हैं।

करकता करवना करक होना टपक्ता टमकता द्रीस उठना दुक्तमा टीचना टीच मारता वर्ष करना कुळाना कुछ होना फटना सामना । 'दुन्त' के बन्ध पर्यायों से भी इसके पर्याय बनाए बा

बप्ट देना बाइमा संय करना बुखाना शीवाना परेज्ञान करना फेर में बाबना संदर्भ करना संदाप देना सदाना इतकान करना हैरान करना। 'बुख'के अपर्युक्त पर्यायों में करना' दिना था 'में शामना' जैस विधापतों को बोड़कर बस्य पर्याय बनाए जा सकते हैं।

**बु**चवायी -कप्टकर, राज्यायक राज्यार दुखर दुखप्रर। दुस देना

मूलप्रद सामक सुहेना ।

बुखराता बुखरायक दुखरायी दुखारमक बुखोही पीइन

मुखीबत विगति। अवसायअनक करून नासद वर्तनाथ दिलसिकन कुल्दर दुव्यव

१ दुवामधी वहानी दुवपूर्ण वयान २ कथ्ट दुवा (दे) दुसङ्ग

कप्टकर कप्टकारी दुखर, बुधराता दुखरायक दुखरायी दुसरर दुक्तप्रव संवापी।

बेद गम ग्लानि बहुमत टील तकलीक, वाप बास दर्द वर्षे दुखड़ा दुख-दर्वे पीड़ा भीर बना विपदा विद्यापि मलाक मातम मुसीबत यणका मातमा एव रंजोग्रम रोना (बही हो रोना है) विपाध बैधना व्यथा मूल जोक सक्ट संवाप।

सफ्योग अवसाद आफ्न कप्ट कसक नुबन बसेन बिम्नठा

रुव

दुनिया दे संसार≀ **दु**नियाबार चालाक बनानासाच दुनियासाच व्यवहारकुटस व्यावद्वारिक। कालाकी जनानासाकी दुनियासाबी व्यवद्वारकुरुसाया दुनियाशारी व्यावहारिकता । बोक्सी पहर, वाबर, दुक्स। दुपकृत दुपहरी क्षाहर, मध्याच्य दोपहर । अध्यक्त अमुबोर कृत कृतकाम शताय कृषित सीम दुवसा क्षीमकान सरहरा ठटरी ठठरी बौनर, तनु, तन्त्रंन (तम्बंनी वन्त्री) दुवना-परामा दुर्वस परामा परासा-बुवसा हीनांव। रुवकायता इकता शीमकायता शीमना दुर्वसता। बनापन बोबारा पूनः फिर, फिरस। दुवारा बुमाविया इटस्पेटर। दुर्मीश्वमा दुर्खंडा प्रुतस्ता शेखंडा दोतस्ता दोमविता। र्षुष्ठ । दुम (collusion) क्पट-संक्षि कट-सम्ब (म प्र ) दुरसंचि (इ दुरमित्तीय प्र पि )। दुरवस्या अभोनति सराव हावत बुरा हान हीनदया। **अप्र**ना जिल्हा (दे)। ₹राष्ट् २८० / हिल्ही पर्याय को व

वृषमुहाँ दे दूधमुद्दाः।

पुरस दे दूषा [तकार, बुतकार काड सिड्की डॉट-फटकार फटकार सताब।

हबी करना

¶गमा बुगुना धुना दोनुना बिगुन ब्रियुनित ।

दुषी करना भाग पर नगक छित्रकता छाती पर मूँग बलाना बले पर नमक छिड़कना एवं करना भाक में बम करना नाको चने बबबाना परेनान करना परेवान-हैरान करना हैरान-परेवान करना।

बार्त उत्पीदिस स्वास सम्मन कप्ट में शुक्स बिग्न सम्मीन तंगहाल तप्त नसित नस्त बन्ध सीग दुवार्त दुवारी दुविश दुविया दुवियारा पीविस वेदार मनसूम मर्माहर रंबीबा विपन्न विमनस्क विपन्न अववित दोकाकुम बोकातुर सोकाभिभूत सोकार्त संतप्त सरापित समस्त संपीक्ति ।

इराप्ट

```
बुराबरसः वरित्रहीतता बुराबार बुरा सावरण दुरी वामकण्टा
       बुराबार बत्याबार बनाबार बुस्म (हे )।
       बुराबारी बत्याबारी बताबारी बासिम बुस्मी बुस्ट।
       द्रिसमा बोटा बोटे मनका दुरावारी दुवन दु शाम दूर क्रिक्ट
              १ छिपाव छिपाव-बुराव २ कपट छन।
     दुषयोच (muuse) अनुचित्र प्रवोच कुमबोच (स प्र दि ) 🗫
             रै ठीक ठीव-ठाक सही २ मरम्मन ३ बार्ट्सर
             < विचित्त चपपुच्छ ।
  दुबस्त करना
             ठीक करना मरम्मत करना मुधारना।
     बुबस्ती सरमत।
            १ कटिन विसाद गहन युद्ध हुवाँछ > २०७११००१ ------
      468
           उम्मान उनमाव कठिनाई विसप्टना इत्राप्टन
    रहता
     र्गीस
           Tritt aug !
      दर्ग
           रे किसा।
    बुरित छीछानदर छीछमेदार बिस्मत हुन्न 💝
          सराम सहस्य सीसट नितन हुन्ता रू
          बिक्ट।
          संवा सविका सवा सनंतर्भक्त
    दुर्गा
         सन्दर्भेश सन्दर्भनी उहा क्या एक रिक्ट
        संदर्भवा
कारमायमी कामाधी कार्निका
        वाराधिका वनशेषकी वस्तुति
        वरतेश्वरी पर्वनात्मका प्रवृत्तः ह
        प्रवासी महा प्रवासी होत्या
        महामाई महामामा महाम्बर कर्
       मिहवाहमी सिहवाहिनी हिन्द्रान
       बबपुष ऐव वधी गावी क्षेत्र केर
रपंरमा
       एक्सिकेंट हाक्सा !
```

CK WALLER LOOK

## २१ / हिली पर्माय कोश

বুৰীৰ अधाक्षाता कठिनाहै, विसय्टता नुवता दुक्दता येथीवापन। युवीधता समान योटी किस्मत प्रारम्बहीनता बदकिस्मती; बदनसीवी दुर्माम्य

**इक्ष**कावता शीलकायता दुवलायन। महाहा कठिन क्सिप्ट बूढ़ दुक्ड पेबीसा पैकीसा।

१ शबनतता कमचोरी निज्यन्तता निर्वेशता २ इन्सा बुर्बसता

इक्षित बीवकाय तमु, तस्वयं (पू ) तस्वेवी (स्त्री) दुवसा दुवसा-पतवा पतना।

बुक्त १ बजनत कमबोर, निज्ञनत निर्वेत्र २ इस इसकाम

व्यतिवर्षि वटल दुनिवर्षि। बुनिवार

दुवर्षता दे दुईवंता।

बुर्वर्ष वे बुर्वर्ष ।

बुर्बर्यता दे वृर्वमनीयता।

रु वं वं दे दुर्दमनीय ?

बुर्वेश १ बुर्माप्य प्रारम्बद्दीनता वदनसीवी २ वसमय कुसमय बुरा समय बुरे दिन।

वर्षाकाल ।

वृद्धान्ततः उद्देवता दुर्वमनीयता (दे )। बुर्वित १ असमय भुतमय बुरा समय बुरेबिन २ बरसात

बुर्बान्स छहंड बुर्वमनीय।

अपनित विस्मत स्थमीय स्थिति दुरवस्था दुर्गेत दुर्गेति पुर्वता प्रभीहर ।

बुर्बम्धताः वे बुर्वननीयताः।

बुबंग्य दे बुबंगनीय।

दुर्वननीयता १ बदम्यता प्रदामता दुर्दमता दुर्दम्यता दुर्वान्तता दुर्दप २ उत्तरका उपना धर्मक्या मयकरता।

बोर प्रवड मबंकर।

बुर्बेयता अनेयवा बुर्वमनीयवा बुर्वम्यवा बुर्बाग्ववा विकटवा। बुर्वमनीय १ अवस्य उद्दाम बुर्वम बुर्वस्य वुर्वास्य बुर्वेष २ बल्कट छग्न

दिक्ट ।

पुर्वेय समित बनेय बदम्य कठिन पुर्वेम पुर्वमनीव पुर्वेम्य पुर्वान्त

दुर्जन सम्पन्नन सम्बुष्ट ५ठ। बुर्धनता असम्मनता असपना बुष्टता अठवा। दुर्माम्य

## दिली वर्षांय कोत / २६१

सावसी । वृतियाः अत्रतंत्र जनिवयस असमंत्रस अस्मित्ता आपानीचा प्रचेष् जून उद्योगोह नवस्मक सर्मनंत्रर प्रधोगेस समापंत्र सक्त्य-

बुनारी अत्यक्तिक प्यारी आधिका तारा/मूर/की पृतनी कहेती प्यारी सावसी।

बुसार व्यार व्यार-बुसार मधता ममता बमत्तव वास्तव्य । बुसारमा वृममा वृममा-बाहमा पुवनारमा व्यार वरना माह वरमा । बुसारमा अत्यक्तिक व्यारा जीव का तारा/मूर/की गुतर्गी, वहता व्याप

tends South

दलहा दूसह पूरहा सीमा बन्सा बर। युम्पट्रिक युमहत दुसहीया युमही दुसहत नीमी बमटी बम्सी बम्

बुर्म्मनकी । बादनी इस्तती हुटेकी खराव सत/बादन वासा ।

भावना बरमण।

कुम्मेतम् इस्मात हृश्य धराव भारत नतः वृशी भारत/भणः

बुध्वेषहार बुग बर्ताव बुग व्यवहार।

्रमुचित्रीतः अक्षात्र अविनीतः जीवायः असम्य युग्तासः शीठ मृथः । मुर्म्यसम्मः भुप्रयोग पुरम्यसम्या वदरेतज्ञाम वदण्तवार्यः।

वृत्तिनियोग (musppropriation) लगाहरण एवन पुरुपमेत ।

दुवंह १ कटिन दूसर २ सवह बच्टबहा

पुरोप समान्य नामान्य इत्याचित्र प्राप्त पानाः पुरोपन १ सप्राप्त नामीः २ स्ट्रेयपन स्ट्रिनः।

दुर्तन अप्राप्य बनान्य देव ना चौद दूष्याच्य नायाव ।

दुर्नेष्य अनम्म निरुत्युर्गम दुस्तरः।

युगीयम् कीरवराम सुवायम्।

बुमुक अधियंबद बदुभावी बदबबान अनिष्टमुख ।

वृत्य अस्तु सहस्रात सहस्रत ययाच्य यमस्य यस्य सर्वेष्ठ ।

बुर्मेति १ पूर्वान पुत्रुद्धि पूर्वेदिः २ तक दुध्य पात्री सठ। वर्मेद अकब् सङ्कारी सहसम्य यर्वाच्य पर्मादी वर्मी वर्गी समुक्तर,

दुकास बुद्धाम सूचा। इपेंच संपंक्ष सुप्रति।

दुर्मिक्स (मूसतः वह काम जिसमें भिक्षा मूक्तिक से थिये) वराज

बुर्भावतः दे दर्भाव।

मंद्रमान्त । दुर्माव दुभावमा तथ नीवास्त्रयता बुरा भाव ।

```
दुववार दुहिता
```

विकस्प सौंप क्रक्टूंदर की-सी गति सोज-विवाद, हिपक हिवकिचाहट।

बुतवार वे बुस्वार।

दुशाना (इनी मोटी) चहुर, संबस ।

युरवकः विवसः सक्ति।

पुरवरित्र मानारा कुणाली दुरवस्ति ववधलन वस्माल व्यक्तिथारी

कोहरा।

दुरबरिमा कुमटा छिनाल पूर्वपती भ्रष्टा व्यविवारिची स्वीरिजी। बुल्बेच्या कुवेच्टा कुकर्म।

बुरमन वे कन्।

बुरमनी वे शतुरा।

बुरबार कठिन (दे) युक्किम युहास।

बुक्तर कटिन कटकास्य बुशास्य बुनर मुस्किन समग्रास्य।

रुक्सं अन नधर्म अपन्तं अपराध कराचार, कुरुमं कुसूर, रुक्स्य (दे ) दूराचार, पाठक पाप ।

बुष्करव अत्याचार, जनाचार जन्याय कुकर्म जबरवस्ती बूस्म कोर

क्वररस्ती हुराचार, कुफर्म (१ ) हुप्टाचार, निर्वस्ता बरसमुक्ती बसारकार वेहंसाफी व्यक्तिचार।

बुद्ध सर्वज्वन लगानु नवाकव कवितुवी कुमनी कृपरमा बक्त योदा गृजा महिद्या बुवील दुस्कामद दुरावारी बुदाला बुद्धास्त्र वृत्तेन बुपीत बुद्धान दुष्कार्मी दुष्टाला बुद्धाहत बुद्धानुष्टि गैरामुक्या गाबी गावकी गावकमा

पापाचारी पानर, बदराह, वठ बैदान ।

बुध्याच्याः दुर्नम नायान। बुसह, बुसह्या ससह जसहा।

दुस्तर वटरपीय कठिन दुर्गम दुलस्य।

बुस्सह दे दुशह। बुस्ताम्य दे दुसाम्य।

दुस्साहस दे दुन्साहस ।

कुस्त्रभाव युद्धीलता ववभिकाती। कृहाई गुहार, युकार।

पुष्टिता वे पुणी।

२१२ / हिनी पर्वाय कोत

दूरहुन दे बुसहिन।

दूर्वा धास दुवा

पूरी अंतर, दूखन क्रासमा।

रुनचार टेसिकम्युनिकेशन । दूरामत दूरने जाया मुदूरायतः।

मुदूरस्यित ।

दुरभाष टेसिफुन टसिफ्रोन टेमीफ्रोन फौन। यो दूर ही दूर का दूरस्य दूरस्थित कासने का मुदूरवर्धी हुरवर्ती

हुरबीन टेसिस्कोप पुरवर्षक्यम ।

दूरवर्गी

पूर्वोतुमान पूर्वानुमानिता २ सूत्र पूत्र-पूत्र। अवशोची परिनामवर्धी दूरवेश पुरवर्षक।

१ बद्रशोषिता अद्रसाषिता दूरवियी दूरदेती दूरदृष्टि **र्**पर्याग्रहर

दूरदर्शन टलिविजन ।

बुरदर्शक यंत्र देशिस्कोष दूखीन।

**बूरमंदेश** अग्रसोची दूरदेश दूरदर्शी पूर्वसोची।

ध्रप्रसमेपर विलय पुरूर।

₹**र** अजन दरशिनार दूरवर्ती दूरस्थ निनाय स्वाया परै पूमक

युहान । हुरदेश दूरबंदेश दूरदर्शी पूर्वेग्रोपी।

**रू**भर असाध्य कठिन कप्टसाध्य बुप्कर, बुस्साध्य मुश्किम

**कून**៖ दुगुना बोगुना।

भाग) ४ उज्ज्वस स्वेत सकर।

दूषपुर्ही अपरियम्ब राज्या बणकाना। १ हुधवाला २ दूर्धनिर्मित ३ अधिक दूर्धवाला (पैमे दूर्धिया **द्**धिया

**इ**घ शीर मोरस बुग्ध पय पीयूप स्तन्य।

हुती पुटनी चरी पत्रवाहिका सरेशवाहिका।

**दू**नावान ऐंदेसी सफारतस्त्रामा।

संगरहर, सफ्रीर, हरनारा ।

a एसची क्रासिब चर, पत्रवाहक प्रविधि राजदूत सदेशवाहक

दून दूषमंदीमं द्वितीयाः।

दुकानदार दंदुकानदार।

दुकान युकास प्रमाशीय।

दे दुनहा।

दूरमं १ कपित्रन करना बुधित करना विवाहमा झस्ट करमा विधानत करना २ वधराध जुर्म बाव सम्बा संक्षित्र विकार इ संबद्धन ऐव कसी कसर खासी वृटि बोध दुस्स

व भवनुष एवं कमा कसर बामा बृष्टि बीध मुख बुरावै।

द्वितिः कमकित बाराव बोपयुक्त बुरा विसवा भ्राप्ट विदायतः। द्वितः १ और, दूजा वितीय २ सन्य गैर परकीय परकीया

रह १ और, दूजा विकीय २ सन्य गैर परकीय यरकीय (स्त्री ) पराया परायी (स्त्री ) ३ संवर (बीचे पाठांवर)।

पुक जीवा(थे) बुन गयन नेन।

दूर्मचम अक्षपट, अक्षपटल नपनपट नेत्रच्छा पनक (दे )।

वृत्त असि जीव (दे) वृक्ष नवन नेव।

बुंब सामा मटल सट्ट शिविय कड़े वित्त का वशवार, धैर्मशान प्रात्त निश्चल निश्चित पत्रका पामवार पुत्रदा पुन्ट मसबूट मुस्तकिन स्थिर।

बृहिकता स्विरवेदाः

वृक्षकेता वृक्षणित वृक्षणियमानी पत्रके इरावेका स्थिरणिला।

मृत्या जन्मता जटनता मुझ्य धैर्म तिस्थनता पायबारी स्रक्य

चनित विजरताः। जन्मिका

बृक्तिरचयः निरचय सकस्य । बृक्यसिक्तः अटक महित वृक्तिरचनी वृक्षकस्यी

सिक्कः अटक मेडिय बृड्गिक्चभी बृड्धकस्पीः बृद्यः चित्र सभावा नवारा परकारासीनः।

बुरम्पदत्तः विश्वासनी पैनोरमा ।

बृध्दकूर १ जूटमला पहेली २ मुदाबीं कविता। बृध्दति उपाहरण ज्वलंत उपाहरण गवीर नमूना निर्देश

मिताला। दुविट १ आखि दुविटकोण स्थान नखर, निवाह, २ तमीव परख

पहचान। होच इस्टिनसरिया पण्डिका यत क्या विचार, विदात।

वृध्यिकोच वृध्यि नवरिया पर्णिक्य सत क्ला विचार, सिद्धति वृध्यिपातः अवलोकन ताकना वेचना निहारनाः।

वैक्षमा सपलक वेकना/निहारण सबलोकन करना जींच पड़ाकर वेकना एकसम वेकना/कूरना/निहारणा कनवियों (से) ताकना/ वेकना कृरना साकना टकटकी बांककर/नवाकर वेकना टुकूर-टुकूर देखना ताथ-साँक करना तिरछी नवर से देखना वर्तन करना दृष्टियत करना दृष्टिगोचर करना दृष्टि बानना/बीबाना/केंबना वेबना-भावना नवर/निवाह बानना/ बीकाना निरक्षमा निरीक्षण करमा निर्नियेच बेळना विशोधना विश्वयद्ग्टिकामना विष्टुनावसोकन करना छरसरी शौर पर **दे**खना सिहाबनोकन करना।

देशरेक देलादेखी

गाइडेन देखवास निमधनी निधिक्षय निर्देशन रखवासी। के अनुकरण पर को वेलकर, को बेलने के बाधार पर।

हेरीव्यमान

बर्यत चमकता उज्ज्वन कातियान चमकता चमकीसा जरमन जयमयाता हवा चारनस्यमान श्योतिप्यान दमनता दिन्य दीप्त प्रकासपुथ प्रकासित प्रदीप्त प्रसापुर्व भास्तर। देनदार ऋणी कबदार, रिनिया।

देशा

सदाकरना अर्थेण करना अपित करना क्षर्यना अरभी पर रश्रमा यमाना प्रधान करना अस्तुन करना फेरना बध्यना बाँटना वेचना मनवान करना मुगवाना शीटाना समर्गम करना समयित करना सुपूर्व करना सीपना इवास करना हस्तांनरित करना ।

क्षु दानम्य क्षय क्रिय जान शीम्य देशा-शावना केने मीम्य प्रदेग भूनतान योग्य (राज म प्र ) सदेय (वि )।

रेर हेर हरना

मतिकाम अवेर अरसा देरी विसंव कृतय। सिंदियास करता विसंत्रित करता कैर संयाना देखे करता बैर करना विश्वंद करना समय समाना।

रेती रे रेपा देशही हेशही दिल्ही देहसी।

देव t tuni

देवपूर दे बृहस्पति ।

वैक्ता अगर असर्थ आरितेय भावित्य विकत देव विवृद्ध सूर : देवशास तारपीन देवनाय्ठ देवतार, कुरवास स्मेहनुशा

देवदून नहीं पैगवर प्रशिक्ताः।

देवनदी देगमा।

देवपति दे दश

रेक्टरला रे अपाराः

```
देवपूप
```

वेजपुग वै सत्तपूरा। देवांप दे नारदा देवसोकः स्वर्ग(दे) इत्रपुरी।

देववम् वे अपरया

वेषवाणी संस्कृत ।

देवस्थान १ भूत शाकृते का स्थान २ सविर (वे ) वेदासय। बेक्टिया

बप्तरा (१ ) वदनांगमा दिब्यमारी देवनासा रेनवसू परी भूरवटी सुरनारी सरकामा सरसम्दरी स्वर्शवद्या स्वर्शेक्सा।

वेवामधिय वे मर्खा।

रेक्स्स्य मंदिर (वे ) विवासा । देवी १ चेंचक माता जीतला २ काफी (हे ) श्रमस्या वनन्याता दुर्ग यववती महकासी सवानी ३ सवाचारिची

सीवा-सावित्री संबीता । देवंक वे इंद्र

क्षेत्रेस है होता

बसः १ मूल्क २ राज्य राष्ट्र १ क्षत्र किया प्रदेश प्रायः। वद्यातस्यूलारित बद्यातस्यूलारिक देवनात देवी। वेतम

परदेस विकेश विसायदा हेशांतर

ट्र, ट्रबर, वेलप्रभन पर्वटन थाचा विहार। बेसरत हेसी १ स्वदेशी स्वदेशोत्पान २ (Indigenous) देशव (३ प्र

कि) स्ववेशी (च प्र ग ग ग)। वेसावर विसादर परदेश विदेश।

हेसी १ स्वकेडी २ परंपरायत (पैसे बेसी पी देखी बवा)। रेंह वे शरीर।

देहती १ वहलीय २ देसही दिस्ती। नोलोकबास बेहरपान बेहरपात बेहायसान निश्चन मस्ता बेहरिय

मृत्यु (दे ) मीत बद्धात स्वर्गवास । र्ववर्ड, बांच प्राम । बेहात

रेहाती वैवार ग्रामवासी ग्रामीण धाम्य शहकानी।

देहायसान वे मृत्यू। १ जीव रेड्डबारी प्राची शरीरवायी शरीय २ माला

रेडी भीवारमा । **११६ / हिन्दी पर्यात को**व

दैत्य दे रागस।

र्वनदिन १ दैनिक नित्य का रोज का रोज का २ दिनोदिन रोज-सरोज ३ प्रतिक्षित रोज रोज।

राय-वारागास्त्रशासकार। वैनेविजी क्षापरी विभवी रोजनाशकाः।

हैनिक १ दैनीयन प्रतिदिन का रोज ना रोज रोज का २ अखबार, हेनी (अयुज पेपर) जैनिक्यन समाचारपत्र।

र्वनिकी बायधे दैनविनी शेवनामचा ।

रैम्प १ कातरता दरिइका वीगता विपम्नका २ विमझता।

दैया १ वर्ष नेव २ लट्ड बाक्यर्य है देशा रेडेंगा।

र्वत्र १ दे भाग्य २ द्वानी द्वोनेवाली बात १ रे ईंग्वरः

दैवयोग इतिष्ठाक चाम संयोग।

वैवयसान् अवस्मात् इतिद्वावन इतिद्वाक से कित्यत से भास से वैवयोग स ववातृ भाव्य से स्वायवशान्, संयोग से सीमाव्य से ।

देवी ससीतिक ईश्वर की ईश्वरीय देव की।

देहिक देहसंबंधी बारीरिक।

शीममा जारज वर्णसकर हरागी।

बोबच जहन्त्रम तरक समातम समपुरी समलोक ।

दोना चदीना दोनिया दोनी।

बोपहर दुपहर, दुपहरिया दुपहरी मध्याह्न ।

क्षेत्रारा दुवारा दूसरी कार। क्षेत्राविदा दे क्ष्माविद्या।

बोर्मुहा १ तमयपदी पुनरका दोतरका २ वरटी ठली १ मनिश्वमनीय।

बोरमा इरगा।

बोलायमान भगता हवा मुलता हवा हिलता हवा।

होध संदराध अबदुण हमजाग ऐव जेगी कर्मन करार, नमूर, धारा खराकी साथी आर्थी जुर्थे बुटि बात दूवक ध्यवा पूरम पाप जुर्धा लोटन विकार, विश्ति (Ault) अपधा (स स ) नमूर (ठ स वि ) विषय (स स )।

योच निकासमा असमोचना करता जैयसी उठाना जैयसी रखना छिडान्येयन करता टीका-टिप्पणी नरना नुस्तायीनी करना अधिया च्येडना मीनमेश्र निकासमा।

दोवयुक्त अपराधी जनपूजी ऐनवार कसकी क्रस्रवार, ब्रहाबार, बर्मी

होयी मुकरिम पापी। दोवरहित व्यवगुनरहित बोपनुस्य बोयहीन मिर्बोप शाफा

दोपारोपन अपरोध सवाना अभियोग अवाना आरोप स्थाना इसवाम सवाना जैंगशी उठामा ऐव निकासना बोच महना/खनाना करना

रोपी आरयना । अपराधी विभिश्वत लिभियोगी कलकित कश्रवार, खताबार, बोकी

नुनद्वयार, दोपयुक्त मुजरिम मुसजिम।

विदापिक। होसामा वे मिनः बोस्त

शोसताता १ बोस्ती मिनता मैंबी (दे ) २ बोस्तीका मिवता/मैंबी

शोसती मित्रता सैत्री (कि)।

बोहता बौहित खेवता नवासा नासी।

बौडिनी धेवती नितनी नवासी नातिन। बोहती

रीड बटर भवबर भवाई मानशीह रेख। दौरुवृप १ कोजिया प्रयत्न प्रयास यस्त २ बीइमान परिमम (है )

भावबीड मेडनत थम। गठिमान होना तीव्रपति स बसना दुसकी बसना दौड़मूप दौरता करमा बीडमान करना बीड मारमा बीड सवाना पराना धनना भावबीद करना भावना सरपट बीड्ना स्वेम

कसना । বীত্রনার दौक्ष्य ।

बौद्राबोद्धी १ बीक्स्प बीक्साम भागवीक २ बातुरका बस्थवाची बस्बी शीशता हक्यकी :

श्चवेड्ना व्यवेरना चमाना (असे क्सम बीड्राना) बाउड्राना दौड़ाना दौराना पौछा करना पोकियाना पोकियाना बहलाना धमाना संवेदना।

१ कास टाइम बस्त समय पीच्यिक २ कम पाण वाणे होर (बैसे शराब का श्रीर भनना)।

१ यस्त भूमना थनकर फेरा घ्रमण सैर २ आवर्तन (वैसे चौरा

मियों ना क्षीरा) भावृत्ति छिट, ३ ओडिया खींची चेंपेसा टोकरा असा।

बीरान बीचा

बौरी यांची चैंगेली टोकरी क्रिया काली।

बीजेंग्य वृजेनमा वृष्टता (दे ) दीमेंनस्य।

बोर्बस्य सहस्ता रमबोरी वृर्वेनना (दे )।

दौनतः सन धन-दौसन धन-परिष्ठ मान मास-मधा रपया-पैधा सङ्गी धेपति सपना सरमायाः।

दौसतकाता आवास सरीवजाना घर अकान निवास निवासस्थान कुम स्थान स्थान ।

बौततमर दे भनी।

दीहित दे दोहना। स्तति अस्तासामानिका प्रस्ति प्रसादिस कोमा।

चित्रातः आभागव आमापूर्वं चमकीसा क्षीप्तपूर्वं क्षीप्तमय प्रमा पण प्रमामय शोभितः।

चुत जुला

मूर्य दुन्तरः मृतनृहं कथास्त्राना नुसायर सुनसाना।

चौतक विद्व प्रतीक बोधक सक्त मनतक मुक्क।

इव यीमा तरम (पानी-सा) प्रमास पिपमा ।

प्रवच सरण इतित होता पित्रसन्ता।

प्रमय १ भीज पदार्थ बस्तु २ दे छन।

इप्टब्स वर्मनीय बन्नमेपोस्य देने जाने योग्य प्रक्षणीय विचारणीय।

प्रदा दर्शन देशनवामा।

द्याला संगूरदायः।

इत क्षित्र सेव त्वरित सत्वर।

हुसपामी शित्रपति शिप्रमामी तेष चमनेवासा स्वरिय-पनि हनमनि सरकरपामी।

हुम १६ वेड २ सना।

होह १ अदावन बस्मनी वैमनस्य वैर वैर-विरोध धारुना धारु भाव २ इच परश्रद्धिनवित्तन विद्यत्त।

होही अहिनवित्तव हेथी बुरा बाहनेवाला विद्वयो।

शौपरी इप्या हुप्दगुत्त डोग्दी पंचानहुमारी पांचानी सैरंग्री।

```
बंद्र १ वे शंजर्ग २ दे वृतिश्चाः
          कुल्ती बजनी मध्तवृद्धं भूष्टियुद्धाः
  र्वेडयज्ञ
     FØ
          हो ।
  इत्यस दिवस वारह।
   हापर हच्च्यून तृतीययुन्।
    हार बेट बर बरबाया (वे ) फाटक ।
 इरस्का कुनस्वमी हारनाधीतपुरी हारकापुरी हारावती हारिका।
          केन्द्रीपर, कोववार कौकीवार इयोडीवार व्योदीवान
बरदपाल
          बरवान बीवारिक प्रतिहार, प्रतिहारी प्रतीहार।
          के बारीये के मार्फेट से होकर।
   गरा
          १ शाह्यण २ पत्नी (दे) ३ श्रीरमा (दे) ४ दौत
   दिस
          (R)
बितीमा
         बुह्च हुन दोन।
बिपद्यिय
         (bilateral) उभयपन (म प्र ) उभयपानमं (म प्र )
         बुतरफा (वि स प्र ) दिवसीय (च प्र ) दिपारिंगक
         (उप्र∙ स्त्राम्याम्याम्यायः (विष्)।
हिद्दितः : पूनदक्ति ।
 ब्रिरेड
         भींच (वे ) भ्रमर।
 विवेदी
         क्वे।
         (bicameral) हिसवनीय (वि ) हिकोच्टीय (म ॥ )
<u>बिसदन</u>
         हिमझी (म म )।
         बबीच टापु।
   हेच ईब्बॉ बैमनस्य बैरमान मनुता (वे )।
  ची
         ईप्पॉल, विदेपी विधेशी वैधे (वे ) समृ (वे )।
```

## 旺

क्षेत्रा आजीतिका क्षप्रण उद्योग काम कामकाण कामक्रीय काम स्राप्त कारोबार जीविका गीकरी पेका रोजवार, व्यवहाय । हिला १ कृता पढ़ना जूबना २ पिरवाणा वर्ष वाना वैठ जामा। चेंसाना चुमाशा पड़ाना चुमाना चुनड़ना।

द्धरुपरामा इरना दहनमा बहुमन वामा।

नुष्ठकाना ।

यकारेल १ शक्कमभक्का श्रक्तमभक्का १ सर्पेश २ समाधार (१ )। श्रक्तिमा अन्तरा शक्तिमा शक्तिमा शक्तिमा स्टब्स

धकेमना टक्कर मारशा होकर सारमा क्षेत्रना बुतकामा धक्का देना

धररमधरका है सकापेल।

श्रमका सामात भटना टक्कर छोकर, प्रहार।

प्रज्ञ १ क्लाब बनाव स्थियर शृक्षार, समाय स्थाबट २ क्परंप समाय सान सोमा सम्बद्ध व दव ४ ठसक नद्धरा

नाक-सथा। सरको विर, निषका चीर दुवके पट्टी -स्टिक्समें बक्काना---चवनामुरकरना पूर पूरवाना दुवके-दुवक करना विकेशना परक्रके दकाना पूर्व दकाना।

धर्मेय विश्वेदर गया (दे ) नाम निराधरण निव्यमन निर्वेदन बस्त्र श्रीम विवरण ।

धड़ १ कर्बंध तता धड पिंड कड मुद्द स्थान २ चट, तुरेत सुरत घट स घटाक से शीम।

धहरूम छत्रमा धुरुपुरी स्परत हुत्रमति हुर्मति ।

सहस्त्रा उल्लाम निपन होना नीपना रूपमा सरस्यान पर्याना सहस्त्रा सम्प्रक करना प्रश्नेत करना सहस्रहाना पुरपुराना स्वंतन करना प्यस्ति होना हिनना।

बद्दशा अंद्रिशा सार्शशा घटना दर (दे ) भय।

यङ्गपड्राता शहस्यह करना घटचटाता सहस्रङ्ग करना पङ्गस्य करना प्रमुख्यानाः २ जरवतात्री वनमा जस्दी करना/स्वामा हङ्गस्त्री करना/स्वाना ।

ग्रहम्ते के साथ विना रकाबट ने नेगटन नेग्रहन । ग्रहम्ते से

ध्यक्ता सर्गतन्त्रः दनपरा।

प्रकृष्ण १ ग्रहाग्रह चटपट, अस्ती स चटाक से पूर्ती से २ निप्रहरू प्रकृति से विना हरे विना निहास/उप/मंत्रोच के ।

प्रदास १ ग्रहायर बटपट चराचर अर्था अस्पी अस्पी हे प्रटाकट,

भी प्रता से २ वनवरत जनवरत क्य से निरंतर, बरावर, विना को प्रतानार।

भतुरा चंटफम कनकः।

यसक सीभ समझ अपट सी शिक्षा।

ध्यक्ता वन उठना बनमा बाज्यस्थान होना क्यसित होना देवीप्यमान होना प्रज्यसित होना प्रवीप्त होना प्रमाहना अस्तरामा

धनंत्रम १ जर्जुन (दे) २ जान (दे)।

वन ऋदि कर, क्रम्य दाभ चौत्रस्य धन-दोशल धन-देशील नक्र-नारम्यम् पूर्वी पेसा सुद्धा रक्रम वयया रुपया-पैसा सक्सी विक्त सुपत्ति संपदा सरमाया !

प्रमृद्धवेर करवत धर्मी करपधिक बनवान् कधोड़पती धन्नासेठ बहुत

वडा बनीर रहेंस कवरती।

वक कोदाना (refund) है सनवारती प्रस्तर्थय (वि य प्र) वापसी
है सन केरना (केन्द्राविकई) सन वापिस करना प्रस्तर्थन करना
य प्र)।

धनवान देशनी।

भनवानु देशनी। भनवंबंसी (peconiesy) वार्षिक (स प्र वि च प्र ) भन दिययक शन-संबंधी त्रनीव (वि ) वित्तीय वैतिक (स

प्र )। क्षमद्वीतः व्यक्तियम कैपास गरीय वस्तिः निर्धन मुफर्मसः।

धनाइय व धनी।

श्रमिक व धनी।

धनी वानीर एक्पर्वेशान् देक्पर्यकाली करोवराठि क्ष्यर, बौस्तरापंट हम्पत्रान्, अगुक्केट अनशान् अलाक्ष्य धनिक धनी सामाप्टेठ पालबार, मालामाल रहेंच सवसीवान् वीक्षकाली भीनंतु संपत्तिकाली संपन्न समुद्र मुद्यपन्त सेठः

मनीजोग चेक (bearer cheque) नीमरर चेक नाहक चक (नि स म्र) नाहकदेश चेक (राज छ प्र)।

सनु दे भनुष।

पनुर्वर, वसरैत तीरंबाव तीरबंबाय बनुषेर, बनुपंधारी वानैत। धर्मारी प्रमुखिया टीर्रदाकी ह

धनुष नमान कोर्नप्र आप धनु धनुनी धन्या पिनाक सरासन !

ग्रामासेठ दे सनहुदेर।

ग्रन्य १ उपकृत कृतकृत्व कृतार्थ २ सम्य-सम्य बहुत सूत्र बाह्

बाह-बाह् शामाय । शस्त्रवाद सामार, इनकता यी

श्रम्बनार साभार, कृतज्ञता येनम मेहरवानी गुकिया। श्रम्बा देव नर्गक तोहमन बाह्य बोद नांद्रन।

धम्बा ऐव वर्णक तोहमन बाग्न दोय मोछन। श्रमक १ सामान चोर २ साहट, ब्रमॉन स्वयः।

धनका वृक्षां पार्टिक कार्य परिवास स्थाप प्रति । साम्याना स्थाप विद्याना साम्या परिवास प्रति हैता साम्या स्थाप प्रति । साम्या स्थाप प्रति । साम्या साम्या स्थाप प्रति । साम्या साम्य साम्या साम

पिसाना बाँट बपट करना बाँडना-बपटना बाँडना-घटनारना बाँड-पटनार करना फटकारना बदर कहती/भगकी बेना। बसकी १ गोदहमुक्की थीटहम्मको पूडकी सिक्की बदरमुक्की

 १ मोदबपुत्रको थोपहममको पुत्रको सङ्ग्रेस बदरपुत्रको बंदरभमको २ बॉट, बॉट व्यट, बॉट-स्टटकार पटकार, मन्त्रका।

धमनी नम नाड़ी शिख।

द्यमाचीकड्रो । उप्तमकद उपत्रव क्रमण धीया-धीयी भीषा-मुक्ती १

धरभी देपृष्ये।

हरती दे पृथ्वी।

धरना १ टहेराना निर्मित करना रखना स्थापित करना २ (बैटने भी) हङ्गाम ।

धरा दे पृथ्वी।

भरातन धरतितम पुम्बीनम (जनीन की) सतह २ सत्रधन प्रैमाव रक्ता विस्तार।

मराघर दे पहाड़।

बराधीस दे धनाः

धरासायी १ व्यस्त विष्यस्य २ पराजित पराधूत परास्त पस्त ।

व्यक्ति है पृथी।

सरोहर समानन जमा यानी प्रतिभृति a

धर्म १ दैमान बान धरम पंथ मबहब मन अंग्रहायः २ कस्तापः-कारी वर्भ दानपुष्प धम-वर्म वैस्पर्य पुष्प सस्ति गुप्तसर्थ मन्द्रम सदाबार महाव मुहत ३ करमीय वर्णस्य प्रद

¥ प्रकृति प्राकृतिक गण स्वधाक। सर्वाचरण सामिक स्थवतार । चर्च बर्चा धर्मभ्यत सर्मेपवित धर्मभ्रप्ट। prefar (legitimate) भीरस (राज वि म प्र ) धर्मशात (म я )ı द्यमंद्रवाची मानवरी कपटी विद्यावरी सर्व पार्वकी। द्यमंत्रिक सर्वेपरायण धर्माणारी सर्वात्मा स्वामिक। <del>क्रांपन्</del>ती है पली। समेशिय समेश्रवण समेवान समेवील शासिक। धर्मवृद्धि सामकृष्टि धर्माधर्म-विचार सर्यासर्ग-विवेक विवेक । धर्मग्रग सत्बम सत्यव सत्ययग । १ सम समराज २ युधिप्ठिर । धर्मनिष्ठ धर्मप्रवय EUT F कर्मात्वा । मसाक्रिरणाना संध्य । धर्मग्रामा अमंत्रिय अमंबृदि अमंगका असंस्था असंस्थीय ग्रॉमध्ठ राजंगीक दर्मी प्राणिक पुरुवरमोक सवाकारी सुकर्मी सुक्रती। दे पविद्या। प्रभं संसद बर्मार्ववर अधिककास आहमर, होंन पार्वाट पोपपंची पोपसीसा । चार्यामा प्रमेनिष्ठ समप्रवय समिष्ठ समेनुद्धि समबीस समी सामिक पच्चात्मा । धर्मार्व धर्म के मिए. परोपकारायें। र्धास्ट हे धर्मात्मा । धार्ची ते धनकीसः। अवदात जनमा अञ्चल चमकीमा निर्मेश पाइर जुस्स **UKB** शक्त स्थेत सफेब सित। अंग्रेर, अंग्रेरधाला अंग्रेरगर्दी अनीति बतावाबी श्रीप्रसेशाणी र्घायकी क्षांत्रभीकाजी धीवेषाजी मनमानापन मनमानी स्वेच्छा श्रारिता ।

कासा स्वेण्डाचारी । श्रीकोरवाजी वे शीवनी ।

सार्थक दबदवा प्रभाव प्रतिद्वि एवं रोवदाव शैव रीवदाव

बगाबाज शांधसीबाज भोवेबाज स्वावशी / मनगानी करने

र्धायसेवाक

मोहरत।

धाक समनः 'धाक' के पर्यायो स यमास्यान शामित होना जलना बैठना साहकर इसके पर्याय बनाए या सन्ते हैं।

प्राक्त समाना प्राक्त के पर्यायों में ययास्थान पठिना धातिस करना अमाना बीधना बादि बोड़कर इसके पर्याय बनाए जा सकत है।

प्रावक केन रोजनराँक तेजतराँर प्रभावकाणी प्रभावी धर्व रोजवक्त रोजवाजवाला रोजवार रोजीका रीजवार, केर हिस्मती। बाता कोर कामा जुत सुता।

यादु १ चनित्र वनित्रपतार्थ मेटस २ बीज बीर्थ मुख १ किया मूल मस्यर माहा शब्दमुख।

धाकी १ आया उपयाठा दाई आय नर्स (midwife) प्रमृतिका (उ प्र ) प्रसाविका (श प्र ) २ पृथ्वी (दे )।

मान पाउर पावन संयुक्त तेतुक शस्य वीही वीहि बीही सानि शामी।

भाम १ शीर्भ देवस्थान धर्मस्यम धर्मस्यान पुष्पस्थमी पुष्पस्थान २ सृष्ट भवान शासा सदन स्थान।

भाष अंक्पाको अपन्य सामा काई (६) कामी (दे) छात्री सर्ने।

भार १ तेव निमाय वेव सिरा वेव नोक २ वदावा ।

भारमा १ मत राय विचार २ सम्म (दे ) १ याद याददाश स्मरमानित स्मृति ४ ध्यामायस्था ।

बारभीय भारम करने योग्य धार्य।

भारतार अनिवास तीवम देव नुशीना नाश्यार पैना ।

क्षारा १ जनगर अनग्रवाह प्रवाह सरिया योग २ सर्वड प्रवाह अनवरन चत्रमा जनग्रपान सरना (६) निर्मेर परंपरा प्रवहमान स्थातार सोता व क्या स्वयन (वि)।

भारामर दे बादम।

पारिता (capacity) ब्रह्णगनित नमाई नमावेग प्रक्ति।

चारो १ रेप्रा लदोर, लाइन २ विमास विनास ६ धारम करनेवाला धर (जैसे लब्पसर) धारमध्यो (जैसे शहसभारी)।

दारीबार ग्रारियो/रियाधा/नवीरो/लाइना वाला ।

```
वारोज्य
             वाका दूरत का दहा सदा थो किया।
    वासिक
              १ धर्मेशियमक धर्मसर्वेधी मनद्वती छोप्रवायिक २ बीनदार
              बर्मेचारी बर्मेक धर्मनिष्ठ धर्मेबीच बर्मबीच बर्मान
              चारी धर्मारमा धर्माधुरायी भौननी धर्मिन्ठ धर्मी पुरुपवान्
             पुरुपात्मा सूक्मी सङ्गवारमा सङ्ग्री।
  पानिस्ता
             धर्मनिष्ठता धर्मशीमता।
            यभियान वाकमण चढाई, छापा हमना।
      पावा
   विक्टार
             सिककी और विरस्कार, वुक्का-फनीवृत वृडी वृडी-वृडी
             दतकार धिर फटनार, सताङ्गानतः सानतम्सामदः।
 विक्लास्त्र{
             बरी-वरी मुनाना शिङ्कना शिङ्की देना तिरस्कार करना
             बुक्ता-ध्वीहत करना बुडी-बुड़ी करना बुकना बु-बु करना
             इतकारना दुक्कारमा निवा करना छटकारना स्टकार
             सुनाना सवाबना भागतमनागत करना ।
             १ बसवान बसलामी बनी हृष्टाच्छा २ स्वस्य हृष्ट-पूटः
    चौंपड़ा
             ३ बुट्ट पाकी वदमास भौतान ४ दोगसा।
             १ कोर-कवरवस्ती धीया-धीवी वक्षप्रयोग २ पाणीपना
 बींयाम्स्ती
             बदमानी नराय्व नैवाभी।
       भी १ दे बुक्ति २ दे वेटी।
     भीमा
             १ दीर्चमूत्री नव सूस्त २ मानसी काहिम दीना बोदा
            मंदा किथिल १ मंगरवृति क्षीरा।
            बाहिस्ता भीमी नति से मंदनवि से मुस्ती से।
     भीमे
             नचुएकी चाम जनना भीटी की चाम चनना रेंपना।
बीमे बमना
             श्रीमा' के वर्णामी म 'चलना जोडकर और भी वर्णाय कर सकते
            ₿ı
             १ विशिष्ठ धीर-शंभीर श्रीरनवामा बैर्यवान बैर्येतीम
      चौर
            सहनतील सहिष्य २ धेर्य (दे )।
            हे धीर्य ।
    धीरज
     भीरे आहिस्ता भीमी यति से भीम।
            १ बाराम से बाहिस्ता-बाहिस्ता करामे-करामे बीमे-बीमे
  धीरे-धीरे
            एक्टा रक्ता सरी-करी सहज-सहज हीसे-होने २ चुपके
            ब्पके ३ उत्तरोत्तर, त्रमधः।
            १ मधुआ मधुकारा मधुकारा मस्ययीवी २ नेवट वैवर्ट
६ / हिल्बी पर्याव को ह
```

धीदर

ारोष्य

बेबट मल्लाह मौती।

पूंच नुक्करा भृहासा कोक्क्य नीहार २ अधिरा सूँधनका । पूंपना १ सस्पट्ट साफ न दिवाई पड़नेवासा २ सस्पस्ट योडा

इमना (वैसे स्मरण याद यादनास्त)।

चुनौ धूगधून।

बुर्मावार अवस्य क्य से कारवाट, कोर धाराधवाह भीयव।

बरुष-पुरुष् वदराहर पुरुष्कृती।

मुक्तपुक्ती १ सबकान स्पंदन हुन्कंप २ लॉफ कर (दे ) भय।

युन १ अक शक रह रर, सथन को सनक २ (सनकी) तरंग मीब ३ द्यून तर्ज (बीतादिनी) राय सथ मुरः

धुनकी धुनक्ती पिता फटका।

मृत होता वक शक/धुन/रट/रर सगमा/वहना/खबार होता सनक सपना/

होना सनक सवार होना। युनी बक/सक/धुन/प्ट/पर/सनन/सी/समक का पनका वक/धुन/ प्रक/रर/प्ट/सनन/सी/सनक वासा।

**भु**ष्यस वे घोत्रा।

मुप्पसबाब दे शोबेबासः।

पुरंपतवाकी दे श्रीवा।

मुरबर उच्च क्र्या पुरीम बड़ा भाग्री महा महान् भारत।

युरा मसभूती। युरी ससमेनासूरा।

युरोम प्रधान प्रमुख पूक्य भय्छ।

**पुर्वाचार दे भूगांगा**र।

युक्त १ टीला (मिट्री ना) बेच, पहाड़ी २ बेम बेंच बाँछ।

मूप १ वर्ग वाम २ शानव वर्गी ताप निदाय ६ वंश्वतस्य यश्चनिक बत्तान दमाय सुपत्तरी।

भूम १ युधा भूका २ न्यावि नामवरी प्रक्रिक्त संस्कृती साहरताः

पुगकेतु : उत्तरा पुण्छमतारा ।

भूमपाय ठाठकाट, भूमपहरण धूमधङ्गा वही तैयारी भारी वायोजन विराद् भायोजन गान-गौणत गा समारोह। पुनिक अनुजनक पानिरहित वित्युत्य गाँतिहीन तैवसूत्य तेव

हिन्दी पर्नाव कोण / ३ ७

e a rest

स्वय स्वयः केतम केत भवा (दे ) निवास पताका दैवर्यती। ध्वति १ भागाच कब गँव थोप ताल नाव निनाद निर्वोप रव

सय स्वर २ आत्रय युद्धार्थ भतत्व अर्थस्यार्व।

र संहत प्रकट नक्षित व्यक्तित २ सक्यायमान सम्बद्धाः ध्यनित इक्तार्व नुदाये सहयाने व्यभिताये व्यन्याये व्यक्ति धर्न । चंदित दहा दहा-भुटा धरामायी नष्ट नम्ह प्रम्ट मान ध्यस्त

विस्वस्य ।

न

मंगई उपहर गुरु नंगापन वश्यामी मुच्या स्टारत रीताती ! र्मणकर्मग बिमक्तवा विवयर विमक्त नया निर्वतन मावरवाद नया

बस्बडीन विवस्य । थे नेगा-१ ।

नेया १ मनावत जिलकत्या विषय , गंबतक्य वसक्वता नंस-भूतंत्रा नम्न निर्वसन निर्वम्भ वेपरद मादरबाद बस्त्रहीन विवसन विवस्त्र २ सम्बन्धी वदा नंबा-भूच्या गावी बबनात गुज्या करास्त्री सैवान के निर्धेक्य वेदाने देत्रया ।

१ मञ्जला बेपरदमी बस्बद्धीनता विवस्त्रता २ वै नंबई। नंत्रायन वडा इच्ट नीच पाची बदमाच मुज्जा यैवान। नेगानुच्या

तंत्रकिशीर वे इयम। नंदक्तार देकृष्ण।

नदर्भदन बे कुण्या।

संबद १ पुत्र (६ जीते नदर्गदन-भाव के पुत्र) २ मार्थदरायक

प्रसम्त करनेवासा (बेसे रवनंदन) ।

कृष्य । र्नदलाल संक्रिती दे पृत्री।

तंत्री जानदी शिववाहन।

**मंदोई** न्दिऊ, नगद का पति नगवीई ।

मंदर अंक अदद कलना विनती संक्या द्विरसा।

नंबरबार एक-एक करके नगवा तरसीय है सिमसिनेगार।

१ / दिल्ही पर्याय की व

```
नवरी
            प्रसिद्ध बहुत बढ़ा मजहूर (वैसे शबरी बढ़माश)।
            १ मही ना गत २ समबानही या नहीं (वैद्येत्स वामोपे
            न ?)।
            नकर्या नाकक्टा ।
    नकरा
            १ भीत नगर नगरी रोक्स २ दे धन।
     শহৰ
            १ कापी प्रतिसिपि हुबहु कापी/मक्स/प्रतिशिप २ अनुकृति
     नक्स
            प्रतिकृति ३ अनुकरण अनुवर्तन अनुसरण।
    नक्रसी
            १ कररी (जैस नकत्री हुँसी/रोना) हुविन दिखावटी बना-
            बटी बनाहुमा २ जाली जुठा बमी दुष्मिकेट छवीं।
   मक्सीर
            विनास ।
            चुँचट पर्दा।
    नकाव
            बस्बीकार अस्वीकृति क्ष्मकार, नहीं नीही ना नियेश।
     नकार
   नकारना
            बस्बीकार/बस्बीकृत/इनकार/नही/नोही/मा/नियेध करना ।
            दं नेक्साः।
     नकत
           দীৰবন্ত্যদা ।
नस्कारकाना
            बंका इराइनी युव्धी नगावा नीवता।
   नवकारा
     नक्ता
            १ भाकृति थवन चित्र बीचा श्रस्तीर प्रतिभूति मानचित्र
            मैंप क्यरेया रेखाचित्र सक्त २ चामदास थय सक
            र्वनी ।
            दे परणिञ्जा
 नवरोच्यम
            बहु बुन्हाई, क्षरई कारक वाय वारिका नवत विवास।
     नसम
      नश
            नाज्ता।
     नवस
            चुमबुसायन चोचना नाज-नश्चयः हाव माव।
  नवरेवाव
            चुतबुमा भावनेवाब नावनचरे बाला बहुत इंडमान बाला
             बहुत नाब-नगरे करनवामा नाब-नव्यरवाना।
 नकरेगाजी
             रे मध्या।
             १ नवीना मणि राल २ भवत सक्या ३ वर्षत पहाड
       लग
             (R)
```

उपनगर, उपनगरी तस्वा टाउन नवरी पट्टन पत्तन पूर

दे हिमाशय।

पुरी बाह्य ।

नग्मा देनसा।

नवपति

नपर

वरी

हिंगी पर्याव शोख / ३११

३१२ / हिन्दी पर्याय कोश

नवर्शनवस म्यूनिसिपस कारपोरेशन म्यूनिसिपैशिटी नवर-निकास। कारपोरेश्वम । नगरपानिका नवरप्रमुक्त महापौर, मेयर। नमस्वासी नवरनिवासी पुरवारी अहरी। भवती के सकता नपरीय (urban) शमरसम्बन्धी (म प्र )। नेपाडा वंका बद्धी शीसा भवारा। नवेंड हे हिमासय। नपेश हे हिमासय। वे नवाशः **सरत** नम्बता निर्वसनता निर्वस्थता वस्त्रहीयता विवस्थता । नरमा दे•गीतः नचनिया भवैक शासनवामा मृत्यकरनवासा। करीय नगीच निकट नाविद्वर नेड समीप। नवरीक नवडीकी करीती सिक्टका। मकर १ विवयन वृद्धि नियाह २ कृपांश्वित ३ कृश्वित सूधी तबर ४ तिरामें गबर १ परवा पहचान ६ तपहार. कोइफा नकरामा मेंट रिक्क सीवात । नवरवंद काराबात कैंद्र बंधन में द्विरासत मे । नकराना १ वे नकर १ २ क्विप्टि बाक्ता नकर लगाना मकरिया वेमा मक्तरियामा वृधी नकर शवाना। नवरिया : इक्शन वृष्टि वृष्टिकोध सत विचार । नवता बकाम पीनस सबी। कोममता खर पूर्व होना गानुक होना चुकुमारता दे नवास्त माबुक । नवात १ मुक्ति (रे ) गोल १ क्ष्म्पारा रिहाई। दमाना दुस्य भरवारा । मबारा नबीर (precedence) कृष्टात (विहार) पूर्व अवाहरण (केना चार बाबि) मिसास (भ प्र )। क्योहियी । नक्सी १ विभिनेता ऐक्टर, रंबाजीय रंबाजीयी २ नर्तक नाअने ria. शमा ।

नरचर नरबार दे शरासी।

> नदराज मरी

> > नय

नजपे इस

ननोमधि

यहरू ।

दे नृषे।

महादव मंकर (दे ) शिव (दे )।

१ मधिनती ऐक्ट्रेस २ पत्तकी नावनेवासी।

नमोमिष

मयना मधना नामापुर नासार्ध्य पूरवा। मतो बापया क्यक्तनारिनी क्स्तोसिनी हरिनी तटी वर्रोयपी दरिया पुष्तको दुव्यवनी धारावनी नद नदिया निस्तवा निर्मरची निर्मरी पर्राप्तनी प्रवाहिची शैवानिनी समुद्रया श्रुरित गरिवा भवति स्रुतिसा मोवस्थिती। नदीश दे लयुर । मनैंद ननदिया ननदी ननातु पतिस्वमा । मनद नगरोई रे नंदोई।

नपनी निषदा नपनी।

निवहाल ननपार, ननपास ननिधीरा नानिहाल । १ लड़ खुई छोटा वेशी क्यू २ मन्त्रा-यून्ना बच्चा वेशी मन्हर मुन्यः ।

१ क्लीक कापुरच कायर, किन्तर जनला नामर्व युक्तनस नपुसक पुनत्वक्षीत द्वित्रहा हीजहा २ शायर हरपोन भीव। नर्पुतरता १ क्यावना क्सावस्य नएनकन्य नामर्थी दिवदापनः

२ कायरना भीकना।

दे व्या। मञ्जरत मऋरी विद्वामी । हे नाप। প্রয়া उमहर्गे (उम्हणी) उमनापन (उम्हापन) उमहा (बस्दा) होना नहासन

शत्रीम होना। म दीस र्दश्यत्मा दून पैथवर राष्ट्रम । नवी

१ जमक राज्या २ (भारमी भारि) भण्डा पोठा बहिया ३ (बपण बाबि) अन्य मण्डा बहुत बढ़िया सुरस्राहर । नाही १ नव दे जानाशः मध

अंतरिता अंबर, काकासमैहन उध्यनोक स्रयोग बक्त

मस आर्थिया तर भीना भीजा सिनत सीका।

नम्सः वात्रः पाना चर माना माजा समय साला नमकः । सार, मृत नोम स्पम्सः सन्त्र सीम ।

नमकहराम अहसानफरामीत एहसानफरामीत इतम्त इतम्ती।

नमञ्जूकाक निष्ठाबान स्वामिनिष्ठ स्वामिन्नतः ।

नमकीन १ धारीय चारा चारी धुनवारा पुनवारा २ बूबसूरत मनोद्वर सावम्ययुक्त धलीना संदर।

नमसीनी सूबसूरधी मानस्पक्षा समोगापम पुंदरता ।

नमन देनस्कार।

नमस्कार अधिकादन अस्थलामध्यक्षेत्रुम कादाव कादावकर्त प्रकल्पन्ने ननस्ते पासावन प्रचाम प्रविपाद राम-राम सकाम सकाम वालेक्टम सैस्पृट।

नमस्ते दे नगस्कार। नमाच समास विवदा

समात विजया शुरु पुरुष समाय—नगाव बुंगा नगाव ईव नगाव वक्षीय नगाव हुन्छ (धूर्यष्ट्य की) नगाव कुन्छ (बहरू की) नगाव धतातुनहर्ष (नगाई नी नगाव) नगाव वास्त्र (१ वजे की) नगाव दवा (गत के पहने गहर की)।

नमाच पड़ना विनदा करना।

नमी आर्जना यीनापन तर होना।

नमा आह्ना वातावन चरहाता। नमूना १ (specimen) प्रतिकप (उ प्र म प्र ) बानवी (उ प्र ) सेवस स्पेक्षिमेन २ ख्वाहरन दृष्टांठ मदीर

मिवाम :

नम्ना (specimen aquature) नावसं हस्ताकर (ग प्र )।

नमोना यहराकी दाल हरे मटर की वाल।

सम्ब १ प्रयक्त विनव विनम्न विनयतीस विभयी विशीठ

२ बालीन किय्ट सहनश्रील सुनील। नगरता बाजिबी बीनता युसायप्रियल विनम्रता बिनय वासीनता किय्टता किय्टाचार, सण्यनता सीमन्य।

नमन देशका

नवनामिराम दे सुदर।

नमा १ बलुता अन्यवद्वत बस्यृप्ट २ अनोता अपूर्व अमूतपूर्व

६१४ / हिन्दी पर्याय कोस

६ अधुनातन अभोखा स्रमिनक टटका ताक्षा नव नवस महाराग महीन भवेसा लच्य भूतन च्यू छक्त सांप्रतिक ४ बनुभवरहित अभुभवहीन कष्या कोरा गौसितिया गौसिखुवा।

नवाचार प्रोटोनीस।

मयापन नवसता नवीनता नव्यता नृतनता।

सर जन दिपद अब पुरुष (दे ) सनुक समुख्य सर्द मानद मानुष मेस।

तरक १ जह-नुम दोवल यमपुर यमपुरी यमलोक रसातल २ कन्टकर स्थान यहा/बुरा स्थान वंदी/बुरी वसह ।

मरकभोगी नारकी पतित पापी रौरवभोधी।

नरपति देश्राजा।

नरपिशाच अत्यंत कूर व्यक्ति कूर व्यक्ति बहुत बालिम हिस व्यक्ति । नरमती बाव नेर हिस भानवर।

नरम १ कोमल गुरबुषा मुलगुल पुलपुता नर्म मुसावम सूर्, सूरुक २ लवकदार सवलवा लवीका १ वसाहुमा (कल सारि)।

मरमी १ कोमलना कुसमुकायन थार्थय श्रुतायमियल मृदुदा प्रदुत्तता २ विश्वमता (१०) ६ (kentency) कदारता विसाद (वि भ भ )।

नक्सों १ कारको ठरको धीतरे विश वो दिन वाव २ (वीचे दिन) सारको वीचे दिन बीन विश्व बाद। दिल्ली प्रदेश के पुष्ठ क्षेत्रों में इत क्रम्य का एक वर्ष तथा बुद्ध में दुष्टा सार्य वसता है।

मराक सीर (दे ) शाराक बान गर।

मराधिष 🖹 शवाः।

नरेंद्रादे राजा। नरेता वे राजा।

मक्क नवनियां नृत्यवार स्वशासः।

नतस्ये नाचनेवासी नृत्यायना रक्तासा। नतंत्र नाच नृत्य तांहव नृत्य नास्य नृत्य।

मन द नरमा

```
नाईसफ
```

नाइसाइट हे अध्याय।

```
नाडंसाडी
              हे अस्याय।
 माइतिक्राक,
               अभवन फुर विवाद मतभेद मनमुदाव विरोध दिवाद।
 माइनिकाकी
               मरुनियाँ मारुम हवामिन हण्यामिम।
       नाइत
        नाई
               शीरकार, अधूर नाई, नाईअड्ड नाइ, नाइअड्ड नापित
               हवास हरुवास ।
              हे महान !
       नाउन
   भाजमीर
              माउम्मेद निराह (दे )।
   ना जम्मीकी
              हे निशंका।
              १ माप माचेतिक गांसा गांधिका २ <del>गक्टी गांसामन</del>
        नाक
              मासिकामन नेटा ३ स्वर्व (दे ) ४ इरवत (दे ) प्रतिका
              यान मान-पर्याश ४ तक मधर मधरमञ्जू
              जाधार कट नैत-तक्त चप ।
   नाक-नवश
              १ येट हार प्रवेतवार फाटक शुहाना २ पव मार्थ शस्ता
       नाका
              । चरा¥ चौकी ४ वं नाक-४।
   नारावंदी
              सबरोध वेरा रोक।
   দাকাৰিল
              सयोग्य (दे ) नामायक (दे ) वैकार वाहियात (दे )।
              १ असफल (वे ) नाकामयान विफलमनोरन २ जनुत्तीय
     नाकाम
              केल ।
             श्चर्यं (दे ) निकम्या द्वर्य (दे ) :
     नाकिस
   नाकेवंदी
             वे नाकावदी।
             अध्याम विन्त बुबी नाराव स्ट।
     नासूय
     नाभून नवानडी।
       नाम १ उरम चल्लमा एन्य पदनातन भूवद सूर्वधम भीवी
             विवधर वर्ष धाप हरि २ हापी (वे ) व
   नापकर्नी
             वैक्टस ।
             १ लेपनाय सर्पराक २ बासुकि ३ तसक।
    मामराञ्च
              १ सबरवाधी पूरवासी भीर सहराती सहरी २ वर्तनिक
    शगरिक
             क्षिमिम ।
             राजगीतिकास्य ।
नापरिकत्तास्त्र
```

क्षिक्स स्वित ।

नायरिकसेका सिविध ३१८ / हिन्दी पर्यायकांक नायरी सिवि देवनागरी सिवि मानराक्षर नागरी वर्णमासा ।

नासा अनुपरिवति अविश्वमानता गैरहाजिरी।

मानित सर्विषी सौवित ।

भावः साववः नर्तनः मूख्यः सास्यः प्रसयः भूरवः।

नाषधर नृत्यशाला रंगमहुन।

माधना दुमकना चय्यक्रवय्या करना चय्या करना चिरकमा नर्तना नाच करना नत्व करना।

शासनेबासा नवनियाँ नर्वक मृत्यकार।

माचनेवासी १ नर्रेपी २ कश्वी कस्वित पतुरिया रही बेह्या।

नाबीक सर्कियन पुष्पा नयस्य।

नाव १ मर्व वर्गत (हे ) २ सदा चोचसे सावनक्षरा नाबोजदा हाव-साव।

नासनी (वे०) सूवरी।

नावबरदारी अवाएँ वर्षान्त करना नाब-नपुरे उठामा/वर्षान्त करना/

सङ्गा । भाषायस समाध्यात अनुभित समेधानिक ससंवैद्यानिक मसत हैर

कानूनी नियमविश्व । नाविन कारपरवास प्रवंशक प्रवंशकर्ती मृतिविस ।

साबुक १ कीमम (वे ) सुकुतार, २ महीन बारीक १ सक्टपूर्ण (जैसे नाबुक प्रश्नी या बक्त)।

नारक १ चेन केना द्वामा नीर्रकी प्ले पास क्याड़ स्वांतः २ सनिनय सार्थेटर विकास प्रवर्तन ।

भारतकार एशानीकार ई मेटिस्ट नाट्यकार क्ष्यकार।

क्तकार प्राप्तकार कृषाटस्ट पाट्यकार क्यककार नाहर फोटा दुइयाँ ठियमा क्षीता क्षापन।

नाद्य हुइ छिन्तृह, विवेटर शाटकपृष्ट नाट्यभवन नाट्यशाला नाटमा-गार, प्रशास्त्र रसमूचि रेपमामा ।

माद्यशाला दे माट्यपृष्ठ ।

नाका इकारवर जरवन नारा।

माड़ी १ नव्य ए नर्व नस रग बिया स्नायु ।

नाता पित्रता संबंध (दे)।

नातित बोहती बीहिनी धेनती निवनी नवासी वाती वौदी।

नाती बोहता बोह्य धेवता मवाला पोठा पौत्र ।

हिन्दी पर्याय कोश्व / ६१६

१ अर्थ शिए, वास्ते हेतू, २ वे माता। रिसेटिव रिक्षेत्रन रिक्सेबार संबंधी समा स्वयम। नानेबार

मातेरारी रिभेजन रिक्ता रिक्तेकारी संबंध। १ मासिक स्वामी (दे) २ पछि (दे)। नाव

१ गर्नेग व्यक्ति २ नौष (वे )। नाव अज्ञानी क्षत्रज्ञान बक्षोध समिवेकी नासमझ बच्चा वेजक्ष नावाय वेसमझ पूर्व विवेनश्लीन।

नारानी अञ्चल शजाम नासमझी मुर्चेता विवेकहीनता। नामलेंस अनवैश अनाप-जनाप वैद्यारका व्यवंका। १ वनेक कई, बहुतः २ मातामह। सामा मानी बाई, माधामही मातुमही मातुमावा। परिमाच याप। नाप

नापतील मापत्रोख। नपाई करना पैमाइच करना मापना । नापना मापर्सद जनवाहा धनपाया कमित्रेत बनबीय्ट अनिक्तित जदविकर श्ररोचक नायबार।

जपवित्र सञ्चाद दंदा मैसा। नापाच माबालिय अशास्त्रवय (च. प्र.) सप्राप्तवयस्य सस्यायः सम्यस्य लब माइनर।

भागासिकी बग्राप्तवंगी। बजाप्दबयस्तरा बस्पायुदा कमवन्त्री।

हों ही तुम्मी तुंदी मामी बोडी। नामि बमान्य बस्बीकार बस्बीकृत इनकार। नामञ्ड नाम

भाषांकन नामिनेधन।

अवद्यय चित्र नामोनिकान।

१ आटवा इस्म इस्मलरीफ गागधाम नामधेय सुधनाम २ आधिमान टाइटिस सीर्पक ३ शीर्त स्मावि माक शामवरी प्रसिद्धि यथ सोहरत। १ भागका नामग्रारी नामदाला २ सीर्पक्षा। भागक १ मामित मनोनीत २ गुज्यात बद्दा बरनाम (नैसे नामकर नामबद भोर)।

नामक नामधारक मामवाला नामी नाम्नी।

नानवारी भागनिसान ६२ | हिन्दी पर्याय कोस

नामब्दगी

हिम्दी पर्याय कोस / ३२१

```
१ मनीय नपुसक पंसल्बहीन २ कायर(वे ) डरपोक
    क्षमङ
            (₹ )ı
    नायरी
            १ पसीवता नर्पेसकता पुसल्पष्टीनता २ कायरता (वे )।
  नाममेवा
            उत्तराधिकारी बंगब बारिस संविध सवान।
   नामवर दे प्रशिक्ष ।
 नामकासा दे प्रसिद्ध।
   नामसय कीर्तियेय कत विश्वंदत (दे ) मृत ।
 मार्मातरच वाश्विम-वारिय ध्यूटेशन।
  नामाक्स १ सयोग्य (दे ) नालायक २ सनुचित (दे )।
  नामामुम
           सकात बजातनामा अविधित।
 नामावली नामसूची।
   नामिका
            ताविका मामसूची।
     नानी
            प्रक्यात प्रसिद्ध मसहूर विकास मुक्कियात ।
            दे अनुधित।
नामनासिव
 नाममस्तिन
            मनहोती वसंघद वसंघाव्य।
     नामे
            (deblt) १ इविट नामे धनराधि २ के नाम सिधना (उ
            प्र ) नामे नार्व बालना (केन्द्र) नामे बासना (राज )।
नामोनियान
            दे नामनिकान ।
            १ अनुवा अप्रणी नंता प्रधान रहतुमा रहवर, राह्बर
    नायक
            भीडर २ पत्रप्रदर्शक मार्वदर्शक लीडर, ३ (श्या-साहित्य
            त्तवा नाटक म) प्रमुख वाच मुख्य वाच श्रीपी ४ मृश्विया
            सरदार ३ वणभार।
     नायव अवर, उप सहकारी सहायक।
            दे दुलग।
    नायाय
   म यिका
            मुख्य स्त्रीपात्र शीरोहत ।
            व्यक्ति रोत्रशा
    नारयी
            सम्म पुनर्भी भरनगामी दुरात्मा नरम ॥ जाने योष्य
   नारकी
           पापारमा पापी।
   भारकीय
     नारक १ देवमृति वयपि २ वसहप्रियः।
     मारा १ प्रचार-मानव स्मीयन २ इशारबंद करवन नाहा
             ३ वनाया धावा सामानग।
            तीर वाच (सोहेवा)।
    नाराच
```

नारावः अप्रसम्भ कृषितः ऋषः चण्यः विष्ण दुवी नावृद्यः (दे ) रेव रेत्रीदा व्यक्तिः।

नारात्रपी १ अपसम्मता सम्भी किम्नता दुव नासुभी नारावी २ आक्षेत्र कोण कोध क्षोच मुख्या सस्थाह् टरीस प्रकोण कोधनाहर रोग व किम्नताः

भाराको दे मारावयी।

नारायत्र सीरनायी घवमान (दे ) विष्णु केयकाती।

मारिकेस कांकोनट नारियंत्र ।

नारी १ महिना मानवी बनिता स्त्री २ बबसा श्रीरत क्रांता ३ कामिनी रमणी लमना ४ त्रिया (तिरस्कार ने त्रिया वरित) ४ कमन दारा भाषा भाषिनी बामा ६ गृहिणी सरकी वरकाली कमारी जोक।

मारीस्व १ स्त्रीत्व २ बृद्धिमीत्व पत्नीत्व मादृत्य।

नाम मानवड।

नार्मेस सामाग्य।

नाल १ वडी वड़ी (वैदेकमननाल) २ मसी (बंदूक सी)।

माचा छोटी नदी।

भाभायक अयोध्य निकम्मा वेकार, व्यर्वका।

नामायकी अयोग्यवा निकम्मापन ।

प्राप्तिश खडालग्री कार्रवाई, विविधीय स्थाधिक करवाद क्रारियाः स्वट।

मानी मापै।

मावन्त मध्यम कुसमय वेषक्त ।

দায়াহিত সম্বাদ সম্পিত প্ৰতিবিদ্য।

बाबाकिफीयतः अज्ञता अनिधज्ञता अपरिचय । नाविक १ कर्पवार केवट, खेवट

: १ कर्पधार केवट, खेबट केवैया सस्ताह मॉर्स २ नीर्सनिक।

नाबेस उपस्थाम ।

मावेस्टी नयापन नवीनता मध्यता।

नारा १ क्षाय, तबाह धर्यस वर्षाय महानाच विध्येत विनाध संद्वार २ सत्वानाचा सर्वनाल १ अति ववसान तारमा नेस्त-नाषुव समाध्यि ४ तबाही वर्षायी १ कस्पनि प्रमय । नागरः १ भंगर जनवारी ज्यूसर वातक वाती स्वसंस् स्वती नामकारी भक्षक २ विद्यंत्रक विद्यंती विनायक विनाश कारी सहारक हुआ।

नारा करना 💌 नाण करना ।

नाराशारी अमसकारा विश्वतकारी विनासकारा बंहारक। है नासक।

नाशपाली नाना सम्बुयोधा ।

नागवान स्रतित्य अस्मापी स्रथमध्य स्रियन नश्वर नागायहार नास होन बाला क्रानी प्रेयुर सर्व्य मिटनेवाला दिनावर,

नारता हे जनपान।

नारता करना करना करना करनेटाव करना वराई मारता कराई मिटाना वर-अभवानकरना वनवानकरना वासी वीना मुँह स बालता। 'नान्ता' के सिए दे 'कसवान। वनसे सम्य वर्षांच धी वन सकते हैं।

नासमझ के हवी।

नासमभी बज्ञान (दे) मुर्वेता (दे)।

मासा प्रावेदिय नाक नासिका।

मासापुद नवना।

वासिका ध्राचेन्द्रिय माक नासा।

नात्र व अजनरा

मास्तिक अनीप्रवर्गाची चार्चाक निरीप्रवर्गाती ।

साक्षितकता अमीश्वरवादिता निरीप्रवरवादिता।

बाहर मूठमूठ, प्रयूग फिबुल जिना मतनार बेकार, वेप्रायशा बमनकार माना म गोंगी जया स्थय स्वयं ही।

नाहमदार असम समस्तत देवा नीचा।

नाहर वनरी वहर, नशी पंचास्य बाप सुवरात्र मुर्पेड केर सिंह।

निश्च निशा/जिलायन गरनेशाला

निहनीस नाराव महित गहर्ये निहा/सिनायत करने योग्य निख श्रीक

कुछ। निश्रा १ मण

निशा १ सपनाय बालप शिनायन २ अपकीति अपयक नुकराति पिरम्नार करनोर्ग करनामी बुराई महर्नेना।

निहासा जनीवा निहासु।

निर्मित अपनानित अपनानि अवसानित कर्मिकेत विरस्कृत निव बुरा वेशायक बहुत्वत रसवा। निवा वहित मुनित बवस्य निवनीय।

निशक निकर (दे ) निर्धय (दे ) जिना कर विता कर-मन वेश्वटके

वेश्विक ।

निशक्त है कमबीर।

नि-सभ्य १ समाम्, भूगमीन २ ध्यमित्रूम्य ध्यमिर्म्हर निस्तर सम्बर्गाहरः।

निर्मासक सानुवाहिक की विभा वाम के मुक्त (वे ) सुस्कपुत्त (व

निःसेव १ मनविष्टः, परम विसमे कुछ भी सववा हो समान्त (हे ) २ सब सव-का-सब समझ समुवा।

निकाणी मधेनी सीमी जीना।

निश्चेमस दे मुक्ति।

निःश्वास सीम (माक से निक्सती या निकसी)।

निःसंक्रोच विता एकोच (के) विना हिण्क (के) वैधहर वैहिषक पुस्त भाव म ।

निसकोधी महिवकनेवाका संकोच न करनेवासा।

निःसंग अवेता असग ठटस्य निकितः। निरक्षताम नियुक्त निपूर्वी निर्वेशी वेद्याल-वीसाय वैश्वीसाय शायस्य।

नि सर्वेह अवस्य बकर भिर्मात निश्चम ही निश्चित क्य ए जिना स्पेह के विभासक विभासन-मुख्या वेशक वेतुवहा अपीनन।

निक्तरा दे निक्षिह।

नियस्य १ कमकोर पुर्वन निर्मन २ सारहीन विना बस्तिमत/ तस्य/सार का तस्यहोत ।

मिसीम अर्गन असीम बेह्रव सीमारहित।

भिस्त निरसाह्या।

नि स्पेर निज्यम स्पेयनहीन स्पेयहीन बिना इसमा या चाछ ।

निस्तुह् अकाम इच्छारहित साकाधारहित निर्धोग निष्काम स्पृहारहित। निरुवन है भिष्कष्य २।

३२४ / द्विन्दी पर्याय कोन

निस्वार्व विना मनसव का स्वार्धरहित।

निधामत । सण्डा मीर बहुमूस्य पशर्थः असम्य बस्तु, बुसम बस्तु १

निकरण शब्द करनेवाला नासक विकास विभाग करनेवाला सङ्गरक।

निरद आधमा नवबीक पास (वे ) सम्निष्ट समीप I

निच्टता बासन्तरा सन्तिकटता समीपता सामीप्य।

निष्ठदेवनी निष्ठदेवनी निष्ठदेवम् यास्य का पामवाला समीपवर्ती समीपन्य।

निकस्मा १ अकर्यन्य आलक्षी कामचार नावारा निचद्दु निहस्सा प्रि २ वीर्षमुची बोदा पुस्त ३ वेषार काम काम का दुश्यन अनाव का योषरपर्योग अध्या का ताड, किस्सी का पुष्ट कीर्षने का न पोटने का पिट्टो का मांग्रो।

निकर १ कच्छा भुरूमा वॉपिया सार्टस हायपैट २ वस सुड टोसी बन यक्की युग वंड समुद्र।

निकता १ अनवहोंना तीर-सानिकत बाता तिमृत होता निर्देश होता निकासिक होता बाहर बाता/होता बहितंद होता बहित्दृत होता भवता भागता २ उचक्या छुटता १ उपना (सुरश) ४ मुकला बीठता व्यक्ति होता।

निक्रम कसीटी मानदेश।

(नक्य कमाटा मानवडा निराय १ संगठन संघ संस्था समुख्य समृह (दे ) २ प्रेक्स्टी। निकासमा समय बरना जनाडना जल्लामा बमटना स्टारना स्टेडना

संतर परना उत्पादमा बेहुबना उमेरना पाइना प्रदेशना परेनमा छटिया छोडना जारी परना दुरदुराना निश्व परना निषोहना निर्मेत गरना निष्माधन करना निष्मामित फरना संपाना संवर्धीय करना गीहणत करना गीहण्य

करना मवाका स्टाना। निकासा असन क्या अधावा हुना उद्देशा हुना काइ। हुना निर्नेट निकासिक वहिसेन वृद्धिकन समाया स्टाया।

निशास १ उप्तम जरा मूलस्थात वंशमूल सोठ २ धेर द्वार निश्नित ना साथै निर्वेश-धार्थ सुराख ३ वरवाचा द्वार ।

निराह दे विशाह।

निर्देश कर्ज सताक्ष्म सतामंदर ।

निश्च वयम कमीना सुद्र यटिया छोटा सुच्छ बोकोड़ी ना नीच

विकास्त्रवा

बुरा समार, हसका श्रीश।

कमनता अधमाई, कमीमापन शहता यटियापन सीटापन

तुष्प्रता नीचता इस्कापन हीनता। निकेस सिकेसस मर वि ) सकाम (वे )।

निसेप

र गिराना कालना २ (deposit) क्या ६ कमा करना ४ अमानत बावी बरोहर १ अमानत/बाती/बरोहर

Veral (

१ निर्मेच होना परिमाबित होना मेंच साफ होना साफ़ हो तिकरना

र वीवंसभी मस्त ४ वेकार।

बाना २ रय ब्रसना भौंदर्य निकरना। १ बर्क्सच्या निकम्मा निठम्सा मिरिक्य २ जासती निषद्

निकार

१ निर्ममता परिमार्जन सद्धाई स्वच्छता २ इत बसमा। निवासिस अमिथित क्य कानिस विना मिसावट नुद्ध।

निवित्त प्रश तमाम सपूर्व (वे ) सका

(corporation) १ कार्परिश्वन नगरनिवस (क प्र ) नवर निवस पासिका (म॰ म ) नगर महापालिका (च म )

महानयरपालिका (म प्र ) महापालिका १ वेद १ स्थापार क्षंत्र धन्दि-संव ब्यापार-संबक्ती ४ संबद्ध (रे )। ×तीजा परिशास।

नियमन निसमस्य वेबसास्त्र ।

निरुक्तास्त्रस्य सहाचीर, मेनर ।

निवरानी देखमान देखरेन निरीक्षण शरवाय :

नियलना रे या बाना नटक भीता यहकता गपक वाता वरकता वसे के नीचे (बतार वाना) योट बाना घोटना बकार बाना निक्स बाना शीस बाना शीलना २ वा बेना गार मेना

हडप सेगा। निचहवान देख-रेख करनेवासा अविपासक मुद्दाफित प्रसंक चंरशक।

नियहवानी देख-रेख परिपालन एशा संरक्षण। १ इंटि नंबर २ इपास चौकरी प्र्यान १ विश्ववतः। नियाह

अत्मंत्र वृष्त रहस्यपूर्ण रहस्यम्य । निगड

१ जमाना (दे ) निराधन २ अधन कनीना सुद्र रूप्ट नियोका नीच पासरः हीन।

निवह निश्य

निष्ठ थमन नियमण रोकसाम स्थम (जैस इतिसनिष्ठह)।

निषद् अर्थेरिहत कोस सम्बद्धह वैदिक सम्बन्धह।

निषर्ष्यः १ न इष्टरकान स्थरकान प्रयस्तान वाटका बेटिकामा २ वेशार्थे निर्मणका

निषय दे समूह।

निकता अंतिम अरम आक्रियी निम्नस्य नीच का मीजेबाला।

निक्रोड़ कनासा बल्च रस सत सार सारवल्च साराजः।

निषोड़ना बारना निषारमा निषासना पद्माना स्व निष्ठासना सब मुठ से सेना सर्वस्य कर मेना।

निस्नाबर जनारा उत्सव नेव न्योक्ताबर वसि बारना बाराधरा।

निकाका १ झपना अपना कास आरमीय निजी स्वकीय र अपना निजी प्राडवेट सैयक्सिक स्वक्तिवतः।

निजता अपनापन मारमीयता। निजनक

निवास प्रेतकाम बंदोबस्त स्थवस्या।

निकी देनिजका।

निजी समिष (private secretary) जान्य विभिन्न (वि ) प्राह्मेट सेनेटधी

(स प्र ) व्यक्तियत स्थित। विकास निकास १ कक्ष्मेंच्य कामचोर निकास निकार २ सासी विमा

> काम का वेकार वेरोजनार बैठा ठाला। निदर: कर (वे ) वालिम निष्टर, निर्देग निमम वेवर्ड वेदर्दी

वेरहम। निरुत्ता मृत्ता निष्दुरता निर्वेतता निर्मेनता वेदवीं वेरहमी।

नेद्वेरता मूरता निष्दुरता निर्वेशता निर्मेशता वैयदी विरह्मी। निद्वर १ अभ्यय दीठ निष्ठक निर्भक्त निर्मेश निर्मेश

कैयीक्र, वेडर केम्बर्क २ साहसिक साहसी हिम्मती। निकरसा १ निवरपन निर्मयक्षा निमीवता निवसक्या केद्रीकी

२ साहस हिम्मत।

निर्संव १ चूतकः २ पहाड़ी काल। निर्दात असिकाय अरथेत एक्टम निहायत पूरी तरह पूर्णतः, विस्कृत

सप्तस्य, सर्वेषा सोनहस्राने (वैक्षेत्रस्य सामूठ)। मिरप १ सजन्मा जसर (दे ) चित्रस्यायी भाष्यतः (दे ) २ सन चप्तः कपारे निरंतरः सततः सर्वेशः समातारः ३ वैतिस

हिन्दी पर्याप कोश / ३२७

```
निपटामा
                नित्यप्रीत/प्रतिविद्य रिक रिक रोज स्वातिक
                ¥ तिरुप्रति तिसमप्रति प्रतिविम रोजाना रोजमरी रोज
भित्यप्रि
                  अमुक्ति नित्यति प्रतिदित्त रोज रोज हर दिन हर
                 रोज हर रोज ।
                   (demonstration show) १ प्रवर्शन (राज उप्र वि
       निरम्पत्र सि
                   म प्र ) प्रत्यक्षीकरण (स प्र ) प्रकोग (स प्र )। प्रयोज
                  रोज ।
                   प्रवर्षन (वि ) २ जवाहरण वृष्टात मियान व सनेता
                    १ वर्षियों वर्षी बीच्य २ सातप उच्चठा उद्यमा वर्षी
          निवर्तन
                      १ क्रता संत में जाविरकार साविदय २ रोवका
                     त्रपम तिपद्ध ताप वृष्याम वृष्य।
            निदाय
                      जादि कारण कारण रोग-निषय रोय की पहुचात ।
                      (direction) १ बाजा निरंबन (देन राज बारि)
                       निर्वेशन निर्वेश तथालन (घ प्र ) २ दिला (वि )
             PARTE
               किस
                        (director) बाइरेस्टर निर्देशक स्वामक।
                       है बाह्य आदेश हुद्य !
                        (directuve) निरंबात्मक (सभी) मैदेशिक (म प्र )।
               PARTS.
                         तंत्रा मीव मुखाबस्या मृत्यि मुप्पित ।
            निवेद्यासम्ब
                         शाहरेक्टरी ।
                          उनीवा देवता हुआ निवासा निवासरत ।
              निवेशिका
                          विकासन विकासमान प्रमुख सुद्ध छोवा हुआ।
                           १ (कि वि) तिलोक व्या ते निर्मयता के साथ विना डर
                  PRINT
                 FRATE
                           भग के केमक केरोक्टोक २ (वि ) निकर (हे )।
                            १ मृत्यु (१०) २ हवाल (१ ) गरीव बाँख समझैत
                  PATER
                  FARES
                             कोप (है) भेडार, जावार, वृद्धाना कुछ।
                    निवन
                             निर्धन मुख्यमस ।
                              (allotment of fund) furfurte (fa ) !
                              जाबाज पोप स्वीत नाव नाम स्वर।
                               एकरम पाले वर्जे का पूर्णत विस्कृत निरा निहायत
                      Pafer
                निध-आवेडन
                      PHALL
                               विषुध सरासर, सिर से पैर एक।
                        FATE
                                के निवटना i
                      निवटना
                                के जिल्हामा ।
                      निषद्याना
                   १२६ | हिमी वर्षाय कोस
```

(settlement) परियोधन (उ प्र म प्र ) समाधान (उ प्र ) सेटलमट (इसर या उधर) निर्णय धीमला।

रै अञ्चलता विराण गिराण्ट पत्तन पात २ अवसान हाय निपात

शास ३ भरण मध्य मौत।

मित्र उस्ताव नार्येषुरान कार्येश्वम बुशन बतुर बालाक बस निष्यात पंडित पट परफक्ट प्रपत्न प्रक्रीक माहिर बोग्य विवसण संभ्रम संगाना सिवहस्त सविक्र हनरमद होशियार ।

अभिज्ञता उस्तादी भागेंनूसमता भूजभता चतुरता दलता निवृत्रसा निप्णातता पाडिस्य पटता प्रवीशता बहारत कोप्यता श्रयानापम हमस्मदी होश्रियाची।

वसरकार प्रकार प्रत्याद सेल जीवनेका farm:

निषंप्रकार मध-नेखन मधरचनानार प्रवसनार साहित्यकार।

निक (कसमणी) बीम।

१ छुद्दरी पाना निपन्ना क्र**रमव पाना निवल होना २ शह**म रिस्टर है होता जुनना तय होना ३ (सीपादि से) तिपटना निवृत्त होना ।

१ वरम करना पूरा करना निपटाना समाप्त करना निवटानः २ चकाना देबानना निपराना बंबाक कर देना ३ तै करना निपटाना निर्मय करना धैमला करना ।

एपित प्रणित बैधा हमा बद शेबद शबद । নিষ্ত

निवहना निभना विश्वहिक्षीना सबंध बना रहना ।

दुबारा जमान निर्नाह परिपासन पारबाट पासन्। निवाह दे निमाना।

निवाहनः

नियोध १ समझना सीयना २ बतनाना समझाना ।

বিধব্য बलना निवहना निर्वाह होना पार-मान सयना पार सयना शेषध नपातार बना रहना।

निमाना १ वर शासना नाम चला लेना चलाना निवाहना निवीह करना पार बाटसयाना पारसवाना प्राक्ता २ (काम) र्वजाम देना (छर्ज) भवा करमा १ (शाम) समाप्त करमा बिद्ध कर लेता ।

হুকাৰ শিৰ্মৰ বিজৰ। বিৰুৱ

1

निर्मणक आमत्रण बाह्यान दमविटेशम मनेद व्यौता बकावा । निमंत्रित बार्मेत्रित आहत स्वीतहरी स्वीता हवा बुशाया हुआ। नियस्त गर्क हवा क्षमा चन्मय मन्न रतः। निसक्कत सद्भाहन गुस्स भक्षान नहामा स्थान । निवक्तिकत १ क्या क्रमा सन्मय नियम्त सथन २ नहाया हका स्तात । हे जिस्टारा **निमटना** निधिल १ (के) लिए, (के) वास्ते (के) हेतू, २ कारव वयह सबब रेष्ठ । निमिप (मसल कीवाई पर) अच पर समक्ता। विस्तेता गदरा। नियोगिया म्बूमोनिया पुष्पुश्रवाह । १ (inferior) मधोवर्डी (स म ) व्यवकृष्ट (स म ) तिस्त मटिया (बि ) चुनित सुच्छ निकृष्ट निन्दित निदनीय नीच हरका २ लग्न मीचा। वयोजिषित निम्नसिषित नीचै सिखा हवा । शिक्स किल निस्तोक्त निम्नक्षित निम्नमिश्चित निम्नाफित नीच क्छा/सिखा हमा । नियता १ निर्माणक नियासक व्यवस्थायक २ ईस्पर (है )। अधितगाद अधिकाद अनुसासन कंटोल काबू वस बासन। Graine नियमच (में) १ अंक्य (मे) रखना बंदोस (मे) रखना काब (मे) रखना सवाम बेना/लयाना मुद्दी ने रुपना २ मैंनुठे के नीचे बवाकर TWAT रकता नवेल हाथ में रखता नाक में नवेल बासकर रकता। अनुशासित कामदे-आनृत के अनुसार नियमचढ प्रविद्य रियंदित व्यवस्थित । निर्वतित कीमत (controlled price) नियमित मृह्य (वि म म )। वैनात नियोगित निर्मारित निस्पित बँधा हुमा मुकरेर । निधरा १ (asulgo) किम्मे सवामा (म म ) निविष्ट भारता नियस करनर (इ. प्र.) २ (appoint) निर्माणि करना (वि.) सौंपना ( (amignment) बलकार्य (म म ) । नियत कार्य नियतकाशिक सावधिक नियतकात्रीन निवादी सावधिक। नियतकालीन के विकास्त्रशिकः। नियत तिबि (due date) मृत्रु डेट देव विश (वि ) देव दिलांक (वि )

नियत बिनाक (स. प्र.) ययावत् बिन (वि.) निरिचत तिथि/ बिनोकः।

नियतन निर्धारण (fixation) निरूपयन (वि.)।

नियति १ डिस्मन धरदीर, भाग्य (दे०) २ अवृष्ट प्रारम्य

यबितस्यता भावी होनहार, होनी। नियम १ झायदा डस (वे ) पद्धित प्रमादी चीति चित्र स्पवस्या २ सहुतामन नियंत्रम २ झानुन विद्यान विनियम ४ उम्रस प्रतिक्षा संस्थल विद्यात ४ मून मुन।

नियमकः क्रायरे से नियमानुसार, बादस्तुर यथाविधि।

नियमानुसार दे नियमा ।

नियमित कायरे राजून के मुदाबिक क्षमबद्ध नियमक्दा रेगुसर, स्टब्सिन।

नियामक नियन नियमक नियमक करनवासा नियम बनानवासा निर्मेशक जासक स्वासी।

रिपास्त निशासत्।

नियुक्त अधिकृत अधिकित अनुविष्ट तैनात नियस नियोशित निर्णीत निर्धारित यह यह रखा हुमा पदाकड़ यदासीन मुक्तिर समाना हुआ।

मुक्तरसमायाहुना नियस्ति वैतावीस्वर्गरीः।

নিৰ্বাহন বদাল কুছব।।
নিৰ্বাহন ই বদাল কৰেবালা নিৰ্বাহিত কৰেবালা পুছবৈ কৰেবালা
२ (cmployer) নিৰ্বাহক মালিক (বি ) উবা-নিৰ্বাহক
(ম ম ) स্বামী (ম ম )।

नियोजक नाम समानेनाना तैनात करनेनाना मुक्ररेर करनेनाना स्योजक

निधोजन वाम में संयाना रीनात करना मुकरेर करना संयोजन।

निरकार दे निराकार।

निरंगुरा उप्तंत्रस निर्मयमहोगं निवश मुक्त स्वप्तंत्र स्वतंत्र स्वेष्णाचारी।

निरकराता उच्छ धनना उद्देश्या वश्यमा निर्यत्रभादीनता निवधता स्वच्छेता स्वेच्छाचारिता।

निरंबन १ अंत्रनरहित निर्दोष निर्मिपा निर्विकार, यापार्यहरू २ परमारना (दे )। निरंबर शिसकरण

निरसर १ (भि वि ) सनवस्त्र | सामान्यता | सिम्पान | स्वास्त्र स्वयं से सविदाय वरावर विना क्षेत्र विना विदाय | विना विदाय के मुत्रवाकित मुस्त्रक्षक स्वयंकार २ उत्तरीकृत विन विन विन-स-विन विनोधित १ माठी वहर आठी पहर वीसठ परि/पाव ठिन्दी हर सामा हर समय ४ (वि ) सत्रक्ष समयात सविदाय स्वीताम स्वयंकार ।

निरसरता अनवरतता अविज्ञिम्यता अम्यवसामता स्वातारता ।

निरंतर अन्यद अपद अधिकेत चाहिल नाचौरा निरक्षर भट्टाबार्य भारत्य सम्बद्ध अधिकेत चाहिल नाचौरा निरक्षर भट्टाबार्य

निरसरता अविधा अविभित्तता।

निरुवनः अवभीवन करण साक्ष्मा देशना (है )। निरुक्त १ स्ट्युर मनगुन रहा सीन समञ्ज २ अनुरस्त

मासग्र ।

निरंपराध निर्वोप बेकुसूर, अनुनाह बेदान।

निरपेश १ असम बसाधीन सटस्य पिस्पृह स्वयम २ (absolute) धर्म (बीते पूर्व बहुमत) स्पट ।

पूर्ण (कार पूर्ण कहुनात) २५८८। निरक्षिमान अधिमानसम्ब असंकारसम्ब वर्गरहित निर्देशः।

निराध नेवरहित मेवहीन साफ (जावमान) स्व छ (जाकास)।

निर्चक बकारय अनर्थन अनर्थन अनुपर्याणी वर्षहीन अवीस्त्रीय अस्पर्दात भोषा फ्रिकृत निर्च निरुप्योगी निष्प्रयोका निष्प्रक बेकार, वैप्रसन्त वेषाणी व्यर्थ।

निरबच्छित्व सट्ट, बनवरतं क्षिक तिस्तितेषार ।

निरमलंड जनलंबहीन सराहाम जानमहीन निरामम बेसहारा। निरस्त (cases) कैंडिक सारिज रह बिसोप (म प ) विस्रहित

(fit ) 1

निरस्त करना (cancel) बणास्त करना कैश्विस करना चारित करना रह करना/विखेडित करना (वि ) विकोप करना (वि )।

निया १ एकबम कराई कोच कालिय ठठ नितात नियर पूरी तथा बिल्कुल युवलक विद्युक शुक्त सम्पन्नर, सर्वेता सोसह साने २ केवल मान गुक्त विर्फर्ड

निराकरण अस्तीकृति उत्तरं, खंडन निरसन निराइत प्रस्यास्मान रष्ट्र वरिहार । निराहरण (abrogate) वोडना (म प्र ) निराहत करना (राज ) करना रह करना (म प्र )।

निराक्तर १ सकाय जनाकार, समूर्त निरक्षय निर्मण २ परमारमा। निराक्तर सनाहर, सपमाण सम्भिन्दा अवद्या सकमानका सब्बेहका

निरांदर सनायर, सपमान सप्तनिष्ठा अवज्ञा सवमानना सब्हेलना उपेता क्यारी जिस्सत निरस्कार, वोहीन वौहीनी वैमानक वैदरवर्षी वेलकी हतकहरकत।

निराहार १ अप्रामायिक आधारहीन निमन वेबुनियाद प्रमामहीन २ समस्य प्रूट, मिच्या ३ समाय सम्हाय निराधय निस्ताहम निरसहाय वेसहारा।

निरापद (काम सादि के लिए घयुक्त) जिसमें कोई कर यस न हो दिना आग्रन का दिना कोशिय का सुरक्षित ।

निरामय व स्वस्य।

निरामिय श्रामियरिष्ठ विनामांस का आकाहार (भ्रोजन) ।
निरामा १ अनव सबीव अव्युष्ठ विद्वितीय सनुदा सनोदा अपूर्व
असाधारण समामान्य विविद्य विनदास २ एकात निर्वत

विवन युनसान्। निरासापन अनुरुपन बनोबापन विवित्रता विसलचता।

निरावरण अनावरण आवरणयहित्य चुना हुवा निरावृत । निरावनण अनाय असहाय निरावम निरावृत वेसहाय ।

निरावत अनावत आवरणरहित यसा।

निराम उत्पाहहीन कंडाप्रस्त नाउम्मीद नाउम्मेद निरस्साह

भागाम मापूस विपन्ण विपान्धस्य हतास हतोत्साह । निरासा उत्पाहडीनका कठा नाडम्मीकी माडम्मकी निरास्य करनेहन

मापूरी विपण्यता विपादयस्तता हतागाः।

निरामय अनाम बनाम बसहाय बाधयरहित आध्यक्षीन निरामित निरसका निरसहाय वेवस वेतहारा यनीय।

निराहार भनाहार माहाररहिन बपबास बपास निरम्न फाना।

निरीक्तरः इंश्वेषटा परिवेशन मुपरवाहबर।

निरोक्तक इंस्परमान वांक नीव-पहुजाक देवभाग देवरेच नियसनी

पडतास परिप्रश्रम परिवेक्तम मुझाइना । निरीपदरपार अनीस्वरमाण चार्चारमन नामित्रका सोवायन ।

निरीहरपार अनीम्बन्दाः चार्चाच्यन नाम्बिक्तः सोहायन्। निरीहरपारितः अनीम्बरदारितः चार्योदयन मास्तिकता सोहायनमञ्जः निरीस्वरवाशी

सनीववरवादी चार्वाक नास्तिक भोकावसवादी बेडनियक। मिरीष्ठ १ माकाक्षारवित प्रच्छारवित कामनारवित निर्दाममाध २ निरंपराध निर्धीय बेचारा घोषा-आवा सरल सीधा-श्राक्षर ।

লিছবিদ सञ्द-४३त्पति ।

মখাক পাদ দীল ভার কাষবাব। नियसर

निस्ताह निरास (दे ) पस्तिहिम्मत पिटा हुवा मणास मावूस हरोत्चाह, हारा हमा ।

तिष्ययोजन प्रयोजनद्वीन विना/वेगतस्य सस्यविद्वीत सस्य निस्दरप शीन ।

निक्रा कासी निवस्ता बेकाम बेकार, बैठा हवा बैठा-ठासा। निक्समी

तिस्पन वद्मनीय जसाधारण (है ) उपमारक्षित वेबीड भावनाड स्रातानी ।

माचार (वे )। निष्पाय

निवपन श्वर्णन (दे) २ विकेचन (दे)।

निरोध अवशीस निर्माणक प्रतियस प्रतिशील बाधा रहावट रोक कोल १

দিংবিয়ন্ত্ৰ सदरोप्रक नियमक प्रशिवसंक प्रशिशेषक रोक्नेबाका गोभी ।

firm. भाष दर रेट। निकास ।

निर्वम

निर्मुच १ गुन्नरहित बुनातीत परमेश्वर, बहा स्वरेगुन रमोकूण-वमोग्रवर्शतक २ अदेह बेहरहित निरंतार नियवार।

इकाइ एकात तिश्व निर्वत स्वान विवासन विवन वीरान निकत सुनसाग ।

দিন্দি

१ नतप्राण कीनरहित दिननत वैज्ञान गरा हवा गर २ अप्तरत रमजीर निध्यय नुवा।

धामा वसम्पान सारता प्रपात । निर्माट

निर्मातिकी हर्रीयमी दरिया नहीं (दे ) प्रयम्बिनी सरिया बोशस्थिनी। निर्वेष १ अजगह, फीमला २ मिपटारा सटलमेंट १ सय सै निश्चय ।

## विष्यिक

निर्णायक श्वक्ष निर्धय करनेवामा स्यायाधीय निर्वास विश्वका निर्मय/ईवसा हो चुरा हो हुआ । निर्वय कर्वत कराई कुर बुंबार परना विश्वेय विश्वीती विष्करण विष्कृत पापाण पापालद्वदम वेदर्व वेरहम कर्वचता क्याईपना भूरता निर्म निर्वेदता बैदवीं वेरहमी सनदिसी। निर्देशी के निर्देश 1 निरिध जनत कविस निर्देखित निर्देशित निव श १ अनुदेश भारत आदेश हिदायत बिका मंदित। कियें गर १ बाबरेक्टर, दिम्बर्कक निदेशक सर्वेशमां ३ पाइन (कोमप्रनंध का

١

निर्वे शत नाइप्रेंस देखरेय । निश्वे पित्या (directory) नामदेशिका (म » प्र

गिरेक्षणी (वि ) निदेशिका शाहरे निरंपराध निरंपरात्री निर्धोपी नि निर्देशिय वेशम यास्य । निहर विद्यामुक्त निविष्ठ वैधिक, मस्त

विवास दे कंगाल । अकिश्वनता बंबासी गरीकी तगबस विध्यममा बीनता दैश्य मुक्तिसी।

ठहराना दै भागमा निमत करना haire निविधत करना। निर्वारित वै किया हमा नियत निर्मारण वि

de manueler a

अपसक एक्टक विमा बसक शपका

निविधेष

Coder

काशा के ।

निर्मृतिः वेषकपः (दे०) मुखं (दे )।

मिर्मय अभय निर्श्वक निवर, निर्मीक वेखीक वेदर वेशक्क साहसी

हिम्मती । निर्मेषना निज्ञांकता विकास

निर्मणता निर्ञानता मिक्स्ता निकस्पना मिश्रीनता विनाकर त्रय के

होना वेक्पीफी साहस हिस्मत ।

निर्मर १ अवस्थित आधित मुनइसर २ अतिकाम पाइ तीप्र अवस्य अधिक।

निर्मीक दे निर्मेय।

क्रियोंक्स हे निर्वेदता।

निर्मम कृर, काकिम निर्देश निष्दुर बदर्व वेरहम।

निजनता कृत्वा जुल्म निर्वेषता निष्ठ्रता वेदर्श वेरहमी।

निर्मन १ निवार हुना मैल र्रीहर बुद्ध साफ स्वरूप्त २ परिवृद्ध पवित्र (दे ) विकृद्ध बुद्ध ।

निमेत्तरः १ बुढता समाई स्वच्छता २ पविषता (१ )।

निर्माण १ नकता बताना रचना २ रचना शुक्रम मृद्धि।

निर्माता १ (producer) उत्पादक (वि स प्र ) निर्माण करनेवालः प्रोडयुसर (फिल्म का) बनानेवाला २ सप्टा ।

निर्मारय चढावा देवप्रसाव देवापित सामग्री।

निर्मित बनाया हुआ रचित विरचित मुबित।

निर्मुस १ वेजक वयुनियाक २ जाबारहीन निराधार ३ असरम

मुठ मिप्या।

निर्मोक केंबुसी ह

निर्मोही निर्वेय निर्थेय निर्थेय निर्देश निर्देश माना निर्मेश निर्देश निर्वेय निर्धेय निर्देश निर्देश

बेररी समिरिण।

मिर्सरम विकना पहा नककटा वैशायन वेशमं वेह्या सरमाहीन ह्याहीन।

निर्मरजता बेहरमी वंशमी बेह्याई, मरवाहीनता।

मिलिया अभिया अभि क्षेत्रस वैपल-मा सरस्य निर्मेश निविद्यार निरमेड मुक्तः।

निर्वोभ सामध्युत्य सोमहीन ।

निर्वेषम १ निरात शुरगीत र (interpretation) नर्व निर्मय

३३६ / हिन्दी पर्यांत कोब

(वि आदि) ३ तिकपण विशेषक स्थापया ।

निवल्पन विश्वेषण, तथा नम्य निर्वेश्य वसनहीन वस्त्रहीन विवश्य ।

निवस्य दे निर्वेक्षमः

निर्वाचक जुननवाला मतदाता बोटर।

निर्वाचन भगग भुनाव वरण ।

निर्वाचन (returning officer) चुमान मधिकारी (म. प्र.) निर्वाची सरिकारी पदामिकार। (बि.) रिटोनेच बाफिसर (वि.)।

निर्वाचित प्रवित पना हवा ।

वासन (

निर्वाच अपवर्षे अभाग्य अमृतस्य क्वस्य प्रश्नयति मृतित माद्यः। निर्वाचन क्षेत्रनिकासा धार्मनिकासा दैवनिकासा नपरनिकासा

निष्काशन ।

निर्वाह
१ गजर-कार युजारा चलना चलाव निवाह निमना साथ
रेना २ (subsistence) उपनीचिकर (स प्र.), स्वारा
(ज प्र.) कीविचर (स प्र.) ह साथील परिपासन

निर्वाह करना १ मुजर करना युवार-भगर करना युवारा करना २ स्रवास वेना सदा करना निवाहमा निष्याना।

निर्वोह-अला (aubaistence allowance) गुजारा धत्ता (वि स प्र ) जीवननिर्वोह मत्ता (वि )।

निविद्याप अविकारी निविद्य विकासीन।

निविच्न बाधारहित विभारहित विभावसारहित विना निसी प्रकार वी प्रकारत के बेदोक बेदोक्टोक ।

निविरोध निविचन किमा विशेष (क) किमा शेव-शेक (के) विशेष रहित ।

निर्मेचक निर्मार निर्मित्रोध (१ ) विना लगड्ड/मत्यस्थार-विकार के ।
निर्मेश १ अरुपन पमकोर (१ ) निरम २ पातिहोन निरम्भ निरम्भ पंतरकानि पौरपातिन सीहन ।

निर्वेतन अर्वगतिक छन्। सम्बद्धाः

निवंद विश्वित विशास वैदाया । विहेतुन सवारम सहेतून नारमाहित । निवंदन (suspension) मुस्तानी । निमक्ति मुधत्तनः।

निसंबित करना मुभक्तस करना ससर्पेड करना।

निश्रम वे मवन।

निवारक सबयोधक निरोधक प्रतिरोधक रोजनैयाला रोधक।

निवारण १ (prevention) निष्य (वि ) निरोध (केन) प्रतिवंध (स म ) रोक(स स ) रोकसाम (केम राज बारि) रोध (स म ) २ ध्टकारा निवास स्वाना रोकना इटाना।

निवारच करना क्षण करना कुण्डार विश्वाना दूर करना वचाना प्रवाना मना करना कुण्डार विश्वाना दूर करना वचाना प्रवाना मना करना वीक्याच करना वीका वर्षम करना वीवस करना बारच करना बटाना।

निवाला अवन कीर परशा शास बुकमा।

निवास आगार आलय आवाध आध्य देखन यृह घर, ठिकाना इटा हाम निवेद निकेदन निवास निवासस्थान पदावास (residence भ प्र ) अवन साँव वास शाका सदन

सदम् ।

निवासी बसनेवामा बाँखिया रहनेवासा वासी सावित ।

निविद्य दे भना।

निविदा (tender) टॅंबर (केन्ड आदि) निविदान (वि ) प्रस्ताव

(म प्र ) प्रस्तुति (म प्र )। (retured) १ केवा निवृत्त (वि स प्र ) २ कार्य-निवृत्त

निवृत्त (retured) १ शेवा निवृत्त (वि ३ कामी निपटा हुआ। मूक्त ।

निवृत्त होना रिटायर होना (केन्द्र राज आदि) विरत होना (म प्र ) स्वानिवृत्त होना (वि स प्र ) खरासुस्त होना (स प्र )

निवृत्ति (retinement) अवकारायहृष्य (श प्र ) सेवानिवृत्ति (वि

आहि)। विदेशक अर्थ करनेवाला अर्थी देवेबाला आवेदक निवेदन करनेवाला

प्राचना करनेवाला प्राची। विवेदन अनुनय अनुनय-विकय बार्य्यवेना अत्र आवेदन इस्ताना

त्रवदत्र अनुनयं अनुनयन्वनयं वस्यवना श्रह आवदन इस्ताना नहुत्र गुजारिक प्रार्थना दिनस्य विनर्ता।

निवेश १ पहुँच पैठ प्रवेश २ धनसवामा पूँजी-निवेश पूँजी समानाः निसंक निजाक (दे ) निवयक निवर, निर्मय।

निसा दे यह।

निकाकर से चौत्रसा।

निशाबर १ अनुर (दे) २ उस्त (दे)।

निशान १ चिक्क (दे) पहिचान सक्षम निशानी २ झवा (दे)

३ चिह्न दाग्र प्रम्या। शहराः

निसानी १ चिक्क (दे ) २ मधिशान यादमार, स्मृतिचिक्क ।

निशापति दे चंडमा।

निशास्ता १ कलक माड़ी २ गेहुँसर ३ समीर।

निर्मिष के राव। निर्मिष्कर के निशासर।

टे राता

निसीम १ बाधी रान मध्यराति २ रात (६)।

निशीयिनी निश्चय

विभाग

हे निगय फैलमा २ अटल निषय जटल विचार युक्त निष्यय युक्त संक्रम्य धाव निष्यय निष्यित विचार, पश्चा निष्यय प्रकारिकार हे प्रयाप्तिका संवस्त ४ इरावा

विचार ४ सवध्य सकर ६ सकीन वृद्ध विवदाल विस्तास । निरुद्ध करना १ निर्मय करना करना २ अटल निरुद्ध/वृद्ध निरुद्ध/वृद्ध सक्त्य/का विनिष्ध/वृद्ध निरुद्ध/वृद्ध

सना सन म ठान नना संकल्प करना । निरुद्धमः अथना सदस दृष्ट छात्र स्थिर।

निरवतता अवसता संदर्भना बृद्धा स्थिरता। निरिवत असमस्य आग्यस्य विदार्शस्य वेपरवाह वैक्रिय सम्म।

निरियतता असमन्ती आस्थरतता विताहीनता अध्यक्षी मस्ती। विश्वित अमेदिना दीव तम समाद्री नियन निर्मारत बडा मुक्टेर

व्यक्तियाः मुनिन्दिषः। निरिचतः करमा वि/नियन/निर्योगित/परिनिष्यतः/मुनिन्दिवतः करमा ।

निरमेट भेटारिंग स्पिर।

विषय स

ईमानवार त्रथा छमरहित स्वातनदार दिन ना छरा/सरसा निप्तपट नवनीयत नेवनीयतीवासा विशा छन्-वपट का विना नाव-सरेत का मण्या सन्यनिष्ट सर्यपरादस सदागय सीधा सीधा-सच्चा ।

निरक्ष्मता छलतून्यता ईमानवारी खदायन निष्कपटता सच्याई।

निमयस् अपनर्यं निर्माण निर्मृति ज्ञह्मपथ मुक्ति मोसः।

निरवास (बाहर निकलनेवाली) सीस श्वास ।

निवसंक वै निःसंका

निश्तकः वे निकासः।

निरमुख वे मुस्त।

निस्सेष वै शिक्षेष।

निस्थनी है निःश्रेणी।

नियम तरकत्र तुषीर।

নিবিত্র অক্তেটান অনুস্থিত অধ্যক্ত আভাবেৰিকত অভাৰ নিয়ন্ত্ৰিক সমিথিক (probibated হাজ স স ) আছিল ন্না

नवित हराम।

मिता अकरणीय मना मनाशी रोक वर्जन वर्जना।

निषम करना (forbid) निर्मित्र करना (व प्र ) भना करना (म प्र ) भनाडी करना शकना धर्मन करना विवाह करना ।

नियोधालाः नियोधारमञ्जलायेकः।

निषक्षाता । निष्पात्तक वायव । निषक्षातिकार (veto) रोबाधिकार वीटो (केला राज व प्र आदि) । निष्काक अर्थटक आपतिर्धाद्वा निर्देश निर्देशक निर्दिश्य विद्यापारिहरू

विना बटके का ।

निश्कास्त उग्नुका श्रुवण कराद्वाम्य करा वाय उत्परित दिस का स्वरा/तक्या निकास मामा भोगा-माना सक्या स्टब्स सीवा सीवा-सारा।

निस्क्रम संज्ञान सत नतीजा निचीड़ परिचाम कम धारमूठ साराका

निष्कर्यतः परिचानवः क्रमवः, साराज्ञतः।

निरस्त्रका निरसपुत्र निर्मोध केर्य वैदाय। निरकाम अकाम अवाह इच्छारहित इच्छाविहीन कामनारहित

স্বাহ্বসুন্দ নিয়মদির নিখিন্তা নিরীত্ব নিগুত্ব দুর্গকান। নিজনান (eviction) স্বাধিনিজনান (ম ম ) নিমাননা নির্বাদন

बाहर निकासना वेदलाती हुटासाः। निकासासन निकास हमा निवासित बाहर निकास हवा वेदलान हटाया हवा ।

निष्क्रमण बहिरोमन बाहर निकसना।

निष्किम १ सन्मेन्य बेकार २ निश्मेष्ट ३ निर्वीत ४ शांत

५ ठथ्य निष्यमात्र अञ्चल बेकार।

निध्यम् वे ठप्पनग्ना।

करवना "

निष्क्रियतः अकर्मेव्यतः अनियतः निश्वेष्टता।

निष्ठा अनुरक्ति आस्या पातिकास प्रक्ति राजनिष्ठा बक्राहारी विकास स्वतंत्रात स्वाधितिका स्वाधिपतिन ।

विश्वास यदाभाव स्वामानका स्वाममानक।

निकाबान आस्वाबान बकाबार विश्वासी श्रेष्ठाल स्वामिनिक स्वामि

भ्रम्त ।

निष्ठर वरोर फूर निर्देश (है ) निश्वी निर्मेश वरप पावाणहृदय संगरित सक्ता।

निष्टुरता कठोरता कृरता निर्वयता निर्वयना परपना पापासहृदयता संगितिसी सक्ती।

निरमात कुमन निपुत्र पंडित पटु प्रवीण विज्ञ (दे ) विदन्छ

विधारद। निष्यंद कंपनदीन निष्यंप स्रोतः।

निरुपता अदास बदासीन तटस्य निरुपेता विकित्स ।

निप्पत्ति पूर्णता समाप्ति निश्चि। निप्पन्त बरा पर्णे समाप्त सिद्ध

नियम पूरा पूर्ण समान्त सिद्ध । नियम अन्तम्य अन्तम्य अन्यम निर्मत्त पापरहित पुष्पतीस ।

निस्पृष्ठ वे निष्काम।

निव्यन काविहीत धनहीन निस्तन प्रमाणून्य धीरा सीबिहीत

सीहत। निष्यपीजन विनाभवनव वैगतनव छित्रन व्यथा

निज्ञाच १ निर्मीय प्राचरित प्राचनुत्य प्राचहीन मराहूबा मुद्री भन २ विनाजीवश्या निर्वीर्ध क्षा-बहा-मा।

निरक्त शाणाम निरर्वक वेशनर, वैद्यायवा विएम स्पर्व (दे )। निर्का १ कुरुरत नेकर, प्रकृति २ कुरुरत प्रकृति स्वमाव।

निसेनी कीना सीडी सीपान्।

निस्तम्प १ वराक सामीध चप निचरू नीरव मीन सांउ

हिन्दी वर्याय गोश / ३४१

२ वदवद् भो हिमे-बोमे नहीं निरूपेट।

निस्तब्बलः बागोती वयी शीरवता तांति सम्माटा ।

निस्तार १ तकार, भुटकारा निष्कृति निवास मुक्ति मोल रिक्का २ गुकारा निर्वाह ।

र पूजारा स्ववस्था निस्तेच कॉरिइनि सेवहीन निष्यास फीका भीविहीन सीहरा।

पिरपंच कंपनहीन को हिने होते नहीं निःस्पंच (वे ) निश्चेष्ट शाह स्तब्ध स्पंजनहीन ।

स्तव्य रचवनहारा निस्पृष्ट निरिक्क निष्काय निर्वोगी स्पृहादीन । दे नित्रमृह।

सिस्त्रमं वे निकास २। तिस्तंत्रोत खुम कर खुमे नगरा खुम विस से जिला सकोण के वेद्यदक

केसाय वैद्विषक मुक्त माव है। दे नि संकोष । सिस्संकोषी दे नि संकोषी ।

निस्तंत अकेसा सभय निर्मिष्ठ तटस्य।

निरसतान है निःसंतान ।

निस्तिहें जनवन अवन्य ही चनर, धकर ही निना स्पेष्ट निसावक

विका सक-य-सुबहा वेगक वेशुबहा (दे नि-सबह। निस्तामाय के नि-सबित !

निस्ताय समाद सुका निस्तार शत्यद्दीन संपद्दीत। दे तिसस्त।

निस्सद्वास वे असद्वास: निस्सार अनुका अव्योक असार निसार निरुक्त निस्सास (वे )

निस्तरच सत्त्वहीन सारपहित क्ष्य । निस्सीम १ जनंत (दे०) असीम जपार चीमारहित २ नरपधिक,

अविका प्रयास बहुत अविक बहुत स्थाया वै फिछीय।

तिस्तुतः निथना हुना । निस्तेह् निध्येष प्रेमर्शहत प्रेमहीन स्नह्ररहित स्नेह्हीन ।

निस्त्वार्थ निस्थार्थं स्थार्थेरहितः

निहस्या वस्त्राहित वस्त्राहित ।

वस्त्राहित वस्त्राहित ।

वस्त्राहित वस्त्राहित ।

निहासमा अस्पत अध्यक्त नेवर का निपट निरा परने वर्जे का अवस् धेजी का अहत विस्तृत नेहर हव से प्राचा ।

विश्वादक्षा भूरमा शास्त्रा देशमा (देक) देशमा-नासमा स्थानपूर्वक केशमा निरम्बनाः

६४२ / द्विन्दी पर्वाय कोव

निहास आर्थेंदित बात पूर्णकाम प्रसन्न मनन संक्ष्य, सपभ मनोर्घ ।

निहित अंतमुक्त बंदहित श्वस्थित स्थापित स्थित।

निहितार्व अतिनिष्ठित अर्थ अर्थ अत्वय दुराथ मायने सक्यार्थ स्यम्यार्थे ।

निहोरा १ अनुसय अनुसय-वितय प्राचना विनती बिनदी २ खडाभद सनावतः।

केंच अपनी लंडा निविया निहा खबन सृष्ति सुपण्नि मीर सोना ।

भींद्र आता १ आंखें जनीरी होना पलकें बोमिल होना पलकें भारी होना २ बांब समना, नीद समना पसक समना।

सांब न सबना अधि में रात काटना तारे विनना प्रस्क म मीं के अपना सप्रका प्रकार न संयना ।

१ माधार माधारविमा बुनियाद २ वड मूल। मीब

भींद रसना बाधार्शनमा रचना वनियाद रचना शिसान्यास करना। मीधी

हक्ती। बदुनीन जबम बोका नमीना पुस्तित शुद्र शुद्र प्रदृति नीच शहात्रण क्या छोटा पटिया पहास छिछोचा छोटा टक्या तुच्छ निवनीम निकृष्ट निम्न नीचाचय बदबात इस्ला द्वीन।

मीचता अनुनीनता बोछापन कमीनापन शुहता शुहास्यता छोटा पन मटियापन छिछोरापन छोटापन दुच्चापन दुच्छ्वा निष्टप्रता शीबाद्ययवा इसकापन ।

अधोवधी अनुदास अवनव नव निम्न निम्मस्य हटा। हीवर

है तीचा मीचाराय

> नीचे अंडर, वर्धः (अभीनति) अधीत तस निम्न (निम्नसिन्तित) मावहर ।

आशियाना आध्यय भौतता नकेयन । नोड

आचारपद्धति आचार-व्यवहार निवम उनुस कार्येनीति मीति चसन इतियादारी चौतिनी सीवप्रति व्यवहार व्यवहार नियम अवहार-पद्धति अवहार-धीति मिळात ।

शीतिक नीतिक्यन गीतिसारमी।

नीविविद्या व्यवहारमास्य । मीतिहास्त्र

नौम १ निस्य सेमन २ वर्षशाक्षा निस्ऋ।

भीयत इच्छा इरादा उद्देश्य मंद्रा ।

मीर १ पानी (वे ) २ वर्ष्यू (वे )।

भीरक के कमसा

गीरद देवादल। जीरबि

नीरनिधि है नमुद्र।

भीरव १ अवाक् कामीस बुमबुम चुप निज्ञास मीम स्तब्ध २ सम्माटा सुनमान।

मीरवता १ यायोकी चूर्णी निकायता २ सन्नाटाः

नीरस मन्त्रापु, फीका (दे ) बेमचा बेरल बेसक्यत विरस मूच्य

सीठा सुधा स्वाद्धीय।

नीरसता फीकापन विरसता कुष्यता सीठापन स्वावहीनता।

नौराजन जारती बीयवान।

नीरीय अंका अनामम धारीम्य चंत्रा पुस्त-पुस्त तदुस्त निरामम निम्मीसि नीक्न शक्ता-चंत्रा सही-सन्नामत सेहतमब स्वस्थ ।

नील यहरा जासमानी नीका।

मीतकठ १ महावेष (वे•) २ वापपसी १ मपूर मोर।

भीतकमतः अधितोत्पन इंडीवर, धरान हुमूर शीतपकः नीतांबुज नीनोरानः

नीमगाम रोश।

भीतम इन्द्रनील गीलपणि।

भीला जासमानी कासनी ध्रीरोकी मोरपंची।

नीलाम आरखन बोली लवाकर वेचना।

नीतिमा नीभापन।

मीद्वार १ ओस (दे ) २ श्रृंध (दे ) ३ मानायभगा नदामिनी

नाहार १ जाता स्थर्येदा।

मुक्तान सिंठ चाटा वटी टोटा हुई हानि।

नुकतानदेह शतिवायक बाटेका टीटेका बटी लघानेवासा इतिकर।

नुतीसा विभियास नोकवार, नोकवासा।

मुख्य किनास कोच कोना।

५४४ / हिन्दी पर्याय कोल

```
नाता विदी विदु गून्या
```

मुक्ती ब्रीविया वैदी।

नुस्सान दे नुस्सान।

निवसाभवह दे मुक्तानदेह।

नुमाइरा नुमायश प्रदर्शनी।

समायशी विकास, विकासट के लिए, विधीमा प्रवर्शनाये ।

मुख्या मृत्या पामुसानुदा

मूनन अधिनम अर्थाचीन आधुनिक तावा नव नवस नवीन नव्य

सांप्रतिक **हाल ही का।** यर पासम पेत्रती **वैवक**ः

मृपुर पायस-पेत्रनी चूँचकः। .सूर १ प्रतातः(दे) २ चनकः(दे)।

मृत्य नर्दन नाच नाचना रन्छ।

नृत्यशाला नामपर नामपहम महक्ति।

नप नृपति नृपास राजा(दे)।

नृगस सन्याचारी कूर (दे ) शासिम निदय वेदर्द वेपहम।
नेक सन्ता उपनाधी बन्या मना सन्तरिक भनेमानस सन्

्रवेष्ठे सरकार मद्भिवार) सरावारी सु(वैस मुपुत्र)।

नेकस्तन सब्दे चात सत्तन का नेक वंडिया प्रसा प्रतेमानस सम्बद्धि सञ्जान सहावारी।

नेक्नाम सब्द्धनामकाचा यकस्थी सभी कृष्यातः। वे प्रसिद्ध भी। नेक्नोबक्त ईमानकार वसानगदार विश्व का खरा/कच्चा निरुक्त

निष्यपट नेक भनेमानम बदाधय । नैकनीयतो ईमानदारी दराननदारी नेवी निरुध्यका निष्यपटका सराग्रदना ।

बेक्सेस हार्

नेशी अच्छाई उपरान मुसाई भन्मनशी सन्वरिश्वा सन्वन्ता सरावारिता हित।

नेप इनाम इनाम इकराव हिंप कश्चिमा बान बान-दिश्चिमा पुरस्कार।

केती दात-दक्षिणा पानेबासा नैय पानेबासा पौनी s

नेकर प्रदृति (दे)।

नेवरोपंदी अलिपिरित्मा प्राष्ट्रतिक विवित्सा ।

३४६ / हिन्दी पर्याय कोश

```
१ आम पात २ ग्रासिश (मुनाक्रा) सुद्ध (शाम)।
         नेता
                अपुना अधनी असतर नायक पथ-शवर्षक प्रशान प्रमुख
                प्रसिकेंट मुखिया रहतुमा रहबर, राहबर सीधर, संवासक
                सदर समापति सरकार १
     नेहापिरी
               नामक्त मेतूरव शहतुमाई सीक्ष्यी सत्त्वारी।
          मेश देश गीयः।
       नेप्रवस दे गाँस ।
    नैप्रविहीत वे बंधा।
      नेवहीत वे जंबा।
 नेमुधा, नेमुबा दे तोरी।
    जेवोटिसम् भाईमतीकावाद।
        बेमी (rotine) दिनवर्ग (बि ) वैनन्दिन (बि ) फिलकर्ग
               (बि ) नित्य (म प्र ), नेमचर्वा (बि ) नैत्यक (छ० प्र
               म प्र•} सायास्य (म प्र )।
       मेवला
               मञ्जूष स्थीपर ।
        मेवी मीतेमा।
       मेरात बंदी देश मुख्य राष्ट्र।
नैजनसादश्वरून राष्ट्रीयकरमः।
 नसनसाइरब राष्ट्रीहत राष्ट्रीयकृत ।
              तबाह ब्यस्त गण्ड प्रन्ट बर्बाह विवय्ट श
   नेस्तनाबुह
      नैक्ट्य दे निकटणाः
      र्ने तिक
              भाषारिक नीतिबियवक नीतिसंबधी।
        ਜੈਜ
              दे वर्षया
    मैन-नदरः
              माइति नट चेहरा-मोहरा नाकननत मुखाइति सुरठ
              शूरत-समान (
        मेंद्रा है शावा
    नैवायिक न्यायवेशा न्यायकारणी ।
      बैशस्य
              भाजमोबी मिराभा (वे+)।
     नैस्रायक
              कुषरती प्राकृतिक (है ) तहक तहकात स्वभावन स्वधान
              विक स्थापाविकः।
        मीहर
               पीहर मयता मायका मैका।
              किनारा कोमा मुत्रीमा बक्तमान मुत्रीचा व्यादंट, पूत्रीमा
```

मिग ।

भीक-मोंक बाक्षप बटरी चुरून छड़छाड़ सबप ताला व्यंप्य विभीव हास-परिहाल।

नोरदार अमनदाशा नुकीला नोक्याता पैना ।

मोच-बसोब धीना-सपटी मृट, सूर-वमोट सूर-भार।

नोचना उचाइना धमोरना खोचना चोंघना नखबिदीम करना नाचना नोचना-बकोरना बकोटना।

नोट १ तन विर्ठा टिप्पय टिप्पपी पत्र परचा समरप्पत्र २ नाग्जी बहा।

नारित विधनुषना शृचना।

नी बहाजनीका यात्र।

भौकर अनुषर, अन्द्रदेट, अदली वर्मचारी किकर खवान साहित निवसनमार चाकर, टर्मको भन्य सक्ट्रर मुताबित सब्देट,

मीकरसाही (buresency) ब्रांबन्डरी तम (सपी) ब्रह्मनरसाही (वि.) बन्तरसामी (वि.)।

नीररानी अनुवरी किरी खादिमा वरी धानी परिवारिका बाँदी मृत्या मञ्जूरला महरी मार्ड नेविका।

नौकरी १ नाम नार्व भानशे जाब ध्या मुनाविमन स्विम २ कोत्या कर्वा पर पोस्टा

भीरा जनगण साथी तसीम तरमी तसी नाव नैया पोत केहा केती।

मीजरातः जवात तब्ध नवपुवतः नवपुवा शीववा दुवतः पुत्राः।

मोटंकी हाना (दे ) मान्य (द )।

भीवन १ यति बोग दुर्देश्य ग्रामन हातन २ लंबीय १ अंबल समस्य बागः।

मीरतकाता नवराग्याता।

मीमेना सनमेता नेको पानमेका।

स्थाय १ मदल इंगाफ २ जिन्न नार्तिन ३ निवन्ता ४ निर्मेध ग्रेममा १ नहावत नानोहित ६ तनगारत महिन।

न्यायकालिका (judacias) स्वायकारी (वि ) स्थाप्तीय (उ. प्र. वि ) स्याय-विभाग (म. प्र. )।

हिन्दी बर्याय कोश / ३४७

न्यायदीत

पंक्रवयोगि

न्यायपीठ क्षेत्र ।

ग्माबमृति (juntice) जल करिटस न्याशाधिपति (वि म प्र )।

न्यायकाम वे लागी।

न्यायसकत प्रचित (दे॰) न्यामनुकत न्वाबोकित मुनासिब ।

न्यायकर्ता न्यायमृति असः। **स्थायाधील** 

अवासत कमहरी, कोर्ट । **स्वायासय** 

अवस्थासक बाविस ईसाफ्रमसंद ईसाफ्री व्यामिताठ त्याव म्यासी पराभक्त स्वायश्रीश ।

म्यायोजित चित्र स्थायसंबत स्थास्य मुनासिक वाजिक।

नराश १ अलग बुदा हुए थिन्य वृषक्, २ अव्युत्त सनीदा (के ) बसाबाध्य निरासा विसवत्त्र ।

१ इस्ट २ शमा। म्यास

(trustee) दुस्टी ग्यासवारी (वि )। म्बासी

काँक गाविक नाविकीय। न्युविसञ्जर

अस्य इंपत कम भटकर बोका नीचा रंच रंचमात्र निरम न्युन स्वस्य क्षीम ।

म्यूनतम (minimum) भागतम (चि ) समृतयः

१ अधाव अस्पता कमी श्वस्पता २ प्रशायका म्य नेता ३ विश्लवाः

न्युनाधिक नमोवेश कुछ श्रोड़ा-बहुत श्रोड़ा-बाड़ा । म्योक्तर अर्थन अकारा जन्मर्थे स्थाम प्रदान विश्वार बाराफेरा समर्पंच ।

स्योतर बार्गमण श्रेष निर्मत्रण न्दोता बनावा हैगारा :

q

र्षक १ मर्थम की भ मी भड़ बसबस २ पाप । पंत्रक संबद क्षंधीन कर्रावद उत्तन तंत्र क्रवस (दे ) समन असजात दासरत तीयज नतिम परोज वर्म राजीव, थारिज वर्षात्र सरीज सरीक्ष तहलपान । बंद्रक्योति वे शहरा ।

३४८ /हिन्दी पर्याम कोश

पक्ष्मात देगमा।

कर्दभग्रक की बद्धगुक्त का बमय भेदना पंकमिष्मित पंकपूक्त र्चित्रस मसित भैसा।

भावति बावसी इतार,वर् पाँती रेखा साहत शयी सर्राय र्वकिन सरदी विमसिना :

भारतिबद्ध इतार म खड़/रहे/बेंग्ने थपीबद्ध सर्चायद्ध पंडिनदार विव्यक्तिमेक्स ।

थल हैना पर पहला पदीना पर, पाँच बाज़ ।

पंची बेना विजन स्टाहर । पना

दंता श्रीचना पंता चनाना पद्मा अनना पद्मा बसाना पंता चना करना होदना पंचा हिसाना विजय करना विजन इनाना इवा करना । 'पत्ता' के स्वान पर 'पंछी या बन्ध पर्याय स्वाकर भी

इसरे पर्याय बना मक्ते 🏿 । पत्री है पंत्रा।

पेंचडी पंचरी हम पौचरी पटन पूप्रदय।

प्यत बंगित १ जनार पनित (दे) पीती २ शोबप्रीना ३ भोज मामृहिक दावत ४ समा समाद।

> श्चरम संग बागहित पद्म सँगता विक्रमाय : पग्

de १ निर्मापक प्रमादपुरूप सरपूक्त सामम २ पाँच १ जनता प्रवादन जीन समाज समुदाय सामायधी।

र्धवम १ पोचवा २ चतुर दता।

है कामरवा पचगर

पंचांत क्लेंडर, बंकी निधियन यहा।

पंचार (क्षणार्थ) अधिनियम निर्मय पंचनिर्मय ।

पंचापनी १ वहनीं का सब लोगों का धार्मिनान माल का सामृहिक २ प्रवास्त्र में पंत्रास-विपाल वंत्रादन-मुख्यी।

वटी हे पगा।

d ar १ बरियक्यान बरिय-पंतर, बरिय-मृत्यस्य करान टटरी २ गरीर (है ) है जिस्सा

र्वता चट्टा वही रजिस्टर । र्वी इसर

(roll) नामावना (समी) नामिना (स प्र ) कुमी (वि ) पत्री

हिन्दी पर्दाय कोग / १४६

भई (केन्द्र राज उ.प.) रजिस्टर (जि.)। पंजीकरण (registration) निवधन (जि.) पंजीकर (स. प.)

पंजीकरण (registration) निवधन (वि ) पंजीयन (स प्र ) रजिस्ट्री (केन्स्रारि) रजिस्ट्रीकरण (उ प्र वि )।

पंजीकार (registrar) निवधक (उ प्र वि ) पत्रीयक (कई) रजिस्ट्रार (कई)।

पंजीकृत (registered) निर्वासित (च प्र वि ) प्रजीपित (स प्र ) एजिस्ट्रीकृत (उ प्र स प्र वि ) एजिस्ट्री एजिस्टर्क ।

पंचीयक (regustrar) निवंधक (वि ) पंचीकार (केन्द्र स प्र ) रजिस्ट्रार (केन्द्र राख उ प्र बादि)।

मका परित पुनारी पुरोहित।

पॅडिस १ डिज बाहाण विग्न २ कोविय बाती श्रीमान् प्रज्ञ मृद्धिमान् प्रमोधी पर्यक्ष विक्र विद्यात् विकेषक सुज्ञ सुक्षी ३ आवार्य नवावाचक ४ जाल्यक द्यास्त्रवेसा १ आवार्य सन्दाद कर पॅडिट थी।

पंच चल्चा(वे) २ चीति वे सर्मसमसामा

पंची पविक पाथ बटाऊ, बटोही मुखाफिर यात्री राह्मीर, राही।

पैवादा पैवारा १ जवाळ कथा अंधी शास्तान बड़ी रूपा अंधी-पीड़ी कथा २ व्यर्थ की विस्तृत बात।

पक्षारी पराणुनिया रसव मसाने बाना।

पक्क ग्रसन ग्रहण ग्राह गिरमतारी धर-पक्क पक्क-सक्कः।

परुक्ता प्रमाग प्रहण करता बामना बाज्या घरना लेना लगकता लोकना दीमालता हीच्याना हस्त्रयण करता हाव म लेना २ विष्णुत म लेला विरक्षार करता वद्ये बनाता ३ कादिब होना कम्बा करता

पटना १ तैनार होना (फस केती) पूरी अवस्था को प्राप्त होना २ क्वेन होना अफेट होना १ थीक बाता नवार है परना (क्षेत्र फोला) स्वीरा जाता यादा होना भूरता निव होना सीमता।

पका १ पत्रव परिचरव सुपनव (फल) २ चुराया पत्रामा बनाया रीक्षा सिळ। पद्माना भीरता भीराता उद्यानना चीलाना परमाना पाटा परमा पूरमा धीरता शासदेना स्वता कुमासना पावना सनामा पूरना पीशना पीशना पील्हमा विक्राना निक्क करना सरना।

पक्तीको पक्तीका प्रचीरी बढ़ी।

परका १ टिनाऊँ, दृढ पायबार, पुरूष सबहुछ शुदूह २ घट्ठे में पराया (परनी रैट) है बाम तका (परनी रहोई) ४ निवित्त पुरू मामाधिक (परनी खबर) १.न स्ट्रनेबासा (परका पंथ है सारमीय (परना याता) ७ स्थामी (परनी मीठरी) = पुरा (परना यांच हिस्सी) ह हट-मून-विसटका (परका सकान)।

पश्च बुढ प्रशा परिपवत ।

पस १ पेछ पौदा 🗸 पधवाड़ा पास ६ युट रस धड़ा सञ्चलक नेमूह, ४ पहसू १८ आर तरक पास्त वसन सूत्रा नाहड़ा।

पक्षाय १ नरप्रमार, पत्तपानी पश्चपीयन पृथ्यपायन पैराकार समयक हामी हिमायनी २ पिछलम्यू मिट्टू ३ अनुवासी अनुवासी।

बच्चात ठरफ्रशरी हिमायत ।

पशपाती वे पनधर।

बसपोयक दे पश्चमर।

पक्तपीयम पृष्टपायम वैरडी समर्थन हिमायत।

पत्ताचातः अधर्यम् अर्जन परेलैसिस प्राणित सहसा।

पत्री ग्रंग चचुमून चिहिया दिन नीताक्षमय पत्नी पर्यक् विह्न विहसम विहय अकुन्त ।

पस अवपूर्व अगुद्धि वि सरावी समना भृदि, बाप ।

पनवादः अध्यामा पन पंत्रहिमा पगवारा पनर्राह्या।

परायमः प्याप्तम् मुख्य सूर्यमः

प्याण वे प्राथी।

्वयः भ्रत्म घरम यत् पाद पाँवः। वयदश्री स्रोत स्वाती स्वतः वयतः पैदन राज्याः।

पपड़ी १ उपनोध पाय मुँहामा मुर्देटा नममा नामा २ इरवन

हिन्दी पर्याय कोख / १५१

```
पठनीय
      (दे विशेषमधी उतारमा) १ उत्कोध वृत्त प्रीधियम मेंट
       रिस्मव ।
पणका : उनसन बटराय संसट सबझा सगदा-ससट समेसा वंश
पयहा
         परेशानी बलेका बबाल पटराय ।
         वनुताप करना बण्डोत करना बनुतापना स्नाति होना
         बात्मसात् दोना स्वय होना ।
          चितातुर होना सेखना सीखमा तीवा करना पछवाबा करना
 प्रका
           वश्यासाय करना प्रावस्थित करना हाच प्रसना ।
पछताना
           बनुताय बक्तसीस देव परवाताय परवानुताय।
           १ दे बाल २ बगाट विवाद बाबाबा हार १ बूंबट
  पहरावा
      TE
            वर्षा युष्टी।
             क्रमरोच क्रमरबंध।
              वहटमहिची महारेबी महारामी महिची राजमहिची राजी।
              १ तनी पटिया पट्टी वाटी २ पूटा फून स्टेम १ रेम
     4541
               सारत ४ चीकी परना वीवा वीकी।
     वहरानी
       we'll
               टबल क्लब सेव।
                बुसम बहुर (है ) वस निपुत्र प्रवीच होतियार ।
                 कुब्बता बहुत्या (हे ) दशवा शिवुबता प्रवीणता
                बूट, वहूमा वाट।
         घटन
        TENH
                  (lease) किरावा (स प्र ) आहा (स प्र ) सीव।
                   (leascholder) वर्टबार (वि म म ) भीवहोमहर।
                  शास्त्रवारी ।
                   १ तक्षी पाटी २ किनाच किनाचे बारी १ उपरेक
           वड्डा
        पर्टाधारी
                    विकार समझ सीखा
                     १ जनान सहस नवपुरक पुरुष पाटा २ हुज्लीबाद
                    श्वाव सामेवार, हिस्सेवार।
           distald.
                      पहसवान १ स्वस्य (हे )।
                      बस्ययन पहला-पहाला पहला-नियाना ।
              वहत
                      श्रद्भवनयोध्य पत्र्य पहनयाथा।
            पुरुषपारुष
          १४२ | हिल्की वर्षीय की ज
```

पहताल अनुसंधान योज योजधीन छानबीन औष जीव-महतास।

पहुंचा कटड्रा कट्टा पाड़ा।

पहार इयान की खेमा चट्टी छावती टिकाव हम क्रिकर । पद्मीच पद्मीच सरम-वयम अहाम पहाम साम-याम निकट पाम-प्रमीम

प्रतिकेत बदास समीत । पद्मेली, पद्मेणी ब्यहोमी-पह्मेणी ब्यवल-बयल मे/ब्यहोम-पद्मेण में/निकट/पद्मेण म/ममीर पह्नवाला प्रतिकेती ।

पहता बस्ययन करना बनुसीमन करना उच्चारप करना धानीम पाना धानीमपान्ना होना बीखा पाना पठन करना पठन पाठन करना बीचना रठना निखा पाना गिरिक्षध होना।

पदाई अध्ययन पत्न पठन-पाठन पडाई-तिचाई विद्याच्याम शिक्षा।

यदाना अञ्चयन कपना काच्यापन कपना सम्भाग कपना तानीम देना दीका देना प्रतामा निकास प्रधाना दिखादान दना निकास देना दिखान्तीया देना विशिक्ष करना समझाना विशासना

धर्नम १ तनकीका मुद्रका चम २ दे पनमा ३ दे सूर्य।

पत्रमा पर्नद कोड्रा परवाता पत्रिया भूनवा कक्षम । भनन समापन समापान समाति समापात दिरावट, अनुत होना

नास हान। पनकारीम अवस्तिमीन पदनान्युक्त परनान्युकी।

करता १ तरन २ इर इधित छायु छत्य दुक्ता दुक्ता पत्रना पत्रना-दुक्ता सीक्या स्मार्ट स्थिय ३ तंव सेक्स ४ क्षेत्रा वार्धक स्कृति हम्ला १ काल्या (र्वस मीड्र)।

<del>যবপুৰ মান্য গ্ৰা</del>

बतवार वान (बान्धार ने)।

बना १ बता-पता एउम दिशाना पता-दिशाना २ चवर ।

पताकः चतन वेतु सदा सदी व्यव व्यवा निरान प्रत्युता।

परिया दे वर्गरा।

पनि १ अधिन अप्तिति नाम मानिक स्वामी ⊃ कत कात समय खाबिद घरवाना कुला सव (विश्ववार्षे) सनी नाम नि पिता पुरुष प्राप्तान स्पप्ताय स्पर्मास प्राप्तकसम् प्राणाचार प्राणक प्राणेश्वर प्रिय प्रियतम प्रीतम बस्तम बामम भर्ता पर्तार, मर्व माहिक निर्धा रक्षण (श्रद्वारमक बैसे कथ्यों में) बीर, बौहर सकत साई, सावन स्था स्वाप्ती स्वयंग्स स्वयंश्वर:

परितः श्रीमा श्रीचारक्षीत पुरित्तत प्रराव गिरा हुया वरिया पुनित निवित निव निक्रम्ट तीच वयप्रस्ट वार्यी झस्ट। परित्रता विराययाचा परिचयत वर्षी वर्षी-वास्त्री वर्षी साविको साम्बर्धः।

पतीसा वतना नतीनो बटबाई, बदसी अयोगा मितीना ।

पनुरिया नर्तकी माचनेवाभी रही बेस्या।

पत्रक् पुत्रवस् बहुबयु, बसूटी। पक्षत्र १ नगर, सङ्गर (वे ) २ वन्दरवाहः।

पत्ता बाग पत्ती यत्र वर्ष यस्त्राच पात पाती।

पक्षी १ वे पत्ता २ स्मेष ३ वेयर, हिस्सा।

परचर १ क्रांस उपन पट्टान पक्षात पाया, पायाच पाहन प्रस्तर, धम (सवमर्गर) प्रितः सिक्षा २ उपन श्रांता १ प्राप्त (जीवास्त) ४ कश्रा पत्वरक्षिण संपत्ति नवेदनप्रस्य धविदन

विहीत संविद्यनाविहीत संवेदनामुखः

पत्नी कर्योगिनी भीरत कन्नभ नाता नृहस्वाधिनी पृहिची प्रकाश जनामा बाया बोक बारा पर्यवलनी नारी परिणीता बहू बीजी भागी पुनाई बहु बस्तपा बाया बामासिनी द्वासिन द्वासी सहस्यी सहस्या

यत्र १ एत विद्धी विद्धी-पत्री टिप्पणी गोट पाठी सेटर (केटरबोक्तम) २ परिपत्र प्रपत्न १ मत्त्रवार, पारित्य (वन) पपर समाकार पत्र सारवाहिक (पत्र) ४ बस पत्ता पत्ती वर्ष पत्रकल गांत गाठी।

पत्रकार : एडिटर संपावक नामानिकार रिपार्टर, संवाववाता समापार दाता ।

पत-पूच्य छाटी-मोटी चेंट मानूनो/सामान्य/अस्पस्य/नोहा पारिध्यमिक धनकृत ।

१ बूत पत्रवाह, पत्र सं कानेवाला इरकारा २ विद्ठीरमाँ वाधिया पोस्टमैन।

**पत्रपा**हक

## पंत्राधार

प्रवास्तर বহিন্দা de. रवप्रवर्ग≪

पवरी १ कश्मरी र पचरीटा। पविश्व पथी पाम्ब बटाइ, बटोही मुसाफ्रिट, वाशी ध पच्छ पपद्वत महार । पंड १ पविष याविम रूपिम २ विश्वन्त रूप सूर्य post) बोहदा जगह दशों (वि म प्र )

म प्र ) पशस्थिति (म प्र ) रतवा स ४ बरम पर पाँच पार पैर, १ छत्रपार छवा E 481 असंबाद तबमा तमगा। परक्ष

परविद्व **पववतित** पादाशाचे पामास । पत्रश्री (tale) उपाधि (वि ) खिताब (केन्द्र वि म टिम ओहरा दर्जा।

परावं वरार्थं व करना

1

-

सामान । करना सूक्षोजित करना। परोन्मति रम्मति तरसरी परमृद्धि प्रोन्मीन प्रायोगन ।

দারি

वर्मनाभ

efroste

पराधिकारी

रस्म । षर्म

दे । समम ।

रे विद्या

कमाधिकी १

१ कायदा कार्यपत्रति कार्यप्रभाकी कार्यक्रिय हंग तरीका नियम प्रकासी किंग्रि २ तका शींत सैमी स्टाइमा ३ दस्तुर परिपाटी

करेल्पाईस सती-शिवायत चिट्ठी-पत्री पत्रम

सम्भा बंदची नायक तता एवटकंक मार्थेड

सर्वेश वैवक्ति रिसामाः।

दे चस्ता।

खबर, सहबर।

अधिकारी अपनदः आविमनीयस्य । १ भीव भीव-मस्त ह्रम्य बस्तु ए सस्य

भागा तथरीफ सामा पदारना पश्चित्र कर

१ तस्त्रेपन्य परमिञ्ज २ छोज निमाम।

पद्यारमा पनवाङ्गी

```
चपानह बड़ाई पदमाच पादमाच पादुका ।
        पनही
               प्रस्ता पातक प्रपासक।
         पना
       पनाती परनाती प्रपीध।
               १ आइ बाध्य वामस्यस रक्षास्वम रक्षास्यान शरक
        पनाह
               २ माभ बकाब।
       पनीर चीव ग्रेला।
        पम्मगः वे सीप।
        पञ्चा
               १ बयुर्रम मरकत इंध्तिमणि २ यम यमक पृथ्य बरक
               सफ़्हा सफा १ पना पानक प्रपानक।
       पपोहा
              चातक परिका परिकृत परिवा मेवबीवन ।
      पिक्तक जान नीव जनता जनसामारक सर्वसामारक सार्वजनिक।
              वे बुछ।
         पव
    धबस्विती १ देनवी २ वाग।
       बमोक्स देशकमा ।
       पयोद
              वे बादसा
      पयोधर १ दे स्तन २ वे बादम- इ दे तासाव।
     वयोधि
              वे समूत्र।
    पयोगिधि
              किन् नो भी पर फिर भी मनर मैकिन।
       परतु
              १ जनन परिपादी प्रया रिवास रीति २ अनुवस नम
      परंपग
              विकसिना )
   पर्रवरायव
              अनुभूत आनुभविक कमामत जनिक परंपरित परंपरिय
              पारपरिक पारपरीय पारंपरीय कई समासम समातमी।
              १ सन्य असन भीर, नैर, बुदा बुसरा पराया पिन्स
        पर
              २ जिलू का भी परंतु, फिर भी मनर मेचिन व देना पंच
              पदा ४ निष्ठ, परायण प्रवृक्त ५ के उसर ६ कामे का
             परवर्ती बाब का।
     परकोय
             १ बूसरेका पर (परपुरंप) परामा २ अन्य गैर वैवाना।
    परकीमा
             परामना परासक्त गाविका/स्थी।
              १ मुक्कोपवर्की बृध्टि, बृध्टि पहचान २ छानतीन जोप
       परय
११९ / हिम्दी पर्याय कोश
```

'माना' (रे॰) 'जाना' 'पदार्पभ करला' ।

चमोनी संबुतिक पानवासा पानविश्वेता।

परधमा परम-वधता

कोच-पहसास जोच-परस देख-पास पहसास निरीक्तक परीसम्प परीक्षण परीक्षा ३ साजमाद्दश टेस्ट।

पराराण पराराण पराराण व कावनाहर उटटा पराराण क्षेत्र वासना ठोक-काकर बेदना छानतीन करना कोवना कोवना-पराराण कोव पहुरास करना कोव-परारा करना देखना बेखना प्राप्ता परीक्षण करना परीक्षण

निरीक्षणकरना। परकम वे सडा।

परका दे पर्वा

परभून घटगा

परधाई १ अवन छाया प्रविच्छाया धतिबित सामा २ ससक ।

परजीवी पराधवी पराधित पैरामाइट।

परतंत्र द पराग्रीन।

परतंत्रता दे पराधीनता।

यरतो उत्तर, वंकर (masteland) परती धूमि (केन्छ) पहन धूमि वंकर धूमि (च प्र वि स प्र) स्नर धूमि (स प्र)।

बरदा १ आड़ आवरण ओट, िसाब पुराब पर २ अवर्युटन ओहार पूर्वट पर बुरका १ ओहार कतात किक विनमन

४ जवनिका धवनिका १ मधाँका सीमा। परवादा शरकपदा प्रविनामक।

परंत्रानगीत अन् पूरवामिनी परंदेशनी वृज्जासी ।

परवश अन्य वेश ग्रैर मुम्क दूसरा देश परदेश परावा वेश विदेश !

परकारी ग्रंपपुरकी परवेसी विदेशी।

परमाना प्रमानामङ् ।

परमात्ता नासी मोरी परनासी।

परपोता प्रपौत्र।

परबन १ साचार (दे) २ पराधीन (दे)। परबन्द है ईन्वर।

परवद्य

परमः १ अप्येन सत्यधिक जनम्य बहुत बहुत अधिक २ उक्ताव उरहप्ट, चरम महतम सर्वोधम गर्वोधरि १ प्रधान प्रमुख मुन्त ४ सादिम साच साधारसून मुससून सौतिक।

बरम-समना (top priority) संबद्धता (उ. प्र.) उच्च प्राथमिकता (वि.) सबसे पहले (वि.) संबद्धता (उ. प्र.) शर्वप्रावस्य

द्विन्दी पर्याय कोश / ३१७

परमनित

परवाना

```
सर्वाधिक प्राविभिक्ता(स प्र )।
    परमबति
              केवस्य निर्वाण परमार्च मुक्ति मोक्षा।
               (top secret) वरियुप्त (केन्द्र) वरियोपनीय मित्रांत यूप्त
    परममुक्त
              (बि ) निर्वात योपनीव (बि ) परमयोपनीय (बि •)।
    परमधाम है स्थर्व।
     परमपद वे स्वर्ग।
   परमधिता वे वैवयर ।
   परमबेध्द (His Excellency) महामहिम (म प्र )।
    परमहंस १ परमेश्वर २ वहारमा सन्वासी (दे )।
    परमाणु अतिसूक्ताणु, सूत्रमाणु।
   परमास्मा दे ईस्वर।
   परमामर भैनस्यानंद निर्वाणानंद बह्यानद ।
    परमार्थ
             वे परमदित ।
   परमार्वी मुमूनु।
परमावस्यक
             वनिवार्य जीववार्यतः जावस्थक बहुद्ध ही बहरी।
    परमिट
             अनुसापन अनुमतिपन।
परमुखापेसी
             (इसरो के) मुहतान जनीन परर्शन परजत पराधीन
             पराधित ।
  परमेरबर
             १ वे देशवर, २ वे विष्यु।
             इसर का एस बार/बरक का परने वर्व/तिरे का —बरबंत
     परता
             अरपधिक बहुत अधिक/स्वादा हर रवें का।
             वेब्ठ, स्वर्ग (वे )।
   परसोक
परलोक्सासी
             मच्हम मध हवा मृत वैक्ठवासी स्वयंशासी स्ववंस्थ
             स्वर्धीय ।
परवरितनार वे ईस्वर।
  परवरित
            देख मात देखना-भारतना पासन पासन-पौपन पासना-पोप्तना
            भरन-पोपन जानन-पातन्।
   परवर्ती
            अनुवर्धी पत्रचात्वर्धी बाद ना।
     परका १ मार्चका खटका चिता परबाह २ वट, धम ३ इसाम
            ब्यान ४ नासरा १ पड्डा परिवा प्रतिपद्या ।
            १ पर्तन पर्तथा पर्दिया जनम २ आज्ञापत्र आदेश आदेश
   परवाना
            पत्र ।
```

परवाह दे परवा है।

परमु नुद्धार कुरहाड़ा कुल्हाड़ी फरमा।

परशराम <u>कुठारपाणि जामयम्य नृपक्रोड्डी परमृक्षर धर्मपाणि भार्यण</u> मृतुर्गदन भूमुनाथ भूमुनायक मृतुपति मृतुराम यामदन्ति रेगुकात्मन ।

रैंगतबर्पपिछने साल विषद वप २ अवस वर्ष सामामी परतास वर्षे ।

परसों एक दिन बाद ठीसरे दिन परसो परी।

**परस्पर अध्यान्य बापस न एक इसरे** के साथ पारस्परिक ।

परहेक दूर रहना क्षना-क्षाना संयम ।

परहेजवार वरहेड करनेवासा परहेवी वधने-बचान बासा सम्मी।

परहेकी दे पग्हेबवार।

पर्राठा : दे पराठा ।

लंत इंत्रहा चरम सीमा हर।

पराकास्त्रा

पराभम १ बहादुरी विजय बीरता (है ) शीर्य २ साइस (है ) हिम्मत ३ तानत दम १४-श्वम वस वस-वीमें चनित

सामध्य ४ उत्साह १ उद्योधप्रश्मता ६ कर्मटना ।

पराधमी १ वहादुर बीर (है ) शूर २ साहसी हिम्मती तानतवर, दनदार दम-प्रमचासा वसवान वसकासी अविनक्षाक्षी सामध्येवान ४ उत्साही १ कर्नेठ।

कनमञ्जीत नगम रज शिजस्क गरागवेसर पुर्यक्षीत पराग

पुण्यस्य । परान्युग १ अनासका उदासीन कर्तराता हुमा विरक्त २ प्रतिकन

र्मुह भाइ विमुख विपरीत ।

पुटने टेफ देना पराभव परास्त होना पीठ दियाना शिकस्त पराक्ष्य हमियार बासना ।

पराजित पराभून परान्त विशिष्ठ शिवस्त वामा हुवा हराया हुवा हाय हुना ।

१ पारी माने जिल कर देना नावीं बने बदबा देना पछाइ पराजित बरना बना परामृत करना पर उथाइ दैना बाबी मार नेना मात देना वितरन देना इत्तरा।

परौडा परौबटा परामडा परैटा परौटा पोतमा जामदा। पराधा

हिन्दी पर्योग कोश / १५६

परात कठवत कठीता थास थार।

पराधीन अर्थर, अधीन अधीनस्य गुलाम तावे परतंत्र परमुखापेशी परवज्ञ पराक्षित वेवस मातहृत पोहृताव वज्ञवर्ती विवस प्राप्तितः।

पराधीनता अधीनता अधीनस्थता गुजानी ठावेवारी परवज्ञता परवज्ञता पर्यागतता वेवसी माताली विषयता।

पराभव पराश्रय माध शिकस्त गाए।

परामूत चारो वानं चित्त पराजित सात बादा हुना क्रिकस्त बादा/ पान हथा हराया हवा हारा हवा ।

परामर्स मच्या मचनिरा राज सम्मति समाह-मचनिरा।

परायमः १ अवन प्रकृत सवाहुका (धर्मपरायम) २ धनुरस्य बाजा-कारी अस्त वसीयुत्त (स्वीपरायम) ।

पराबा: अस्य अस्य का तर तर का बूधरा बूसरे का यर (वीरे परोपकीयी परपक्ष्य परस्त्री) परकीय विचाना वेताना।

परायापन वेदाननी वेदानापन।

परावर्ते १ प्रत्यावृत्ति विनिमय व्यवना-पदली २ प्रत्यावर्तन परावर्तन रिप्तेयवन ३ फ्रीसमा समस्या।

पराचित १ मधीन सहीतस्य नुसान परमुखापेशी परवत्त पराधीन सहतात १ परोपनीची वैग्रसाहट।

परास्त पछाड़ा हुना पराजित पराजूत मात खावा विजित तिकस्त खाया हुरामा हुना हारा हुना।

परास्त्रकरना वाये खाते विष करना घरावानी कर देना पछाड़ना पराधित करना पराञ्चत करना भावदेना विविद्य करना विकस्त देना इराना।

परिकर १ समूह २ परिवन परिवार, ३ अनुवर वर्ष सहबर।

परिकास मुनाई, भक्कर प्रवर्तिका केंग्रे।

परिका संबद्ध वाहि।

परिचय १ विभिन्नता कानकारी ज्ञान बाक्रक्रियत २ विभिन्न्यता कान-बङ्गान जान-पहिचान बङ्गान मैस-भोश मैस-प्रिनार मैस-मुसाकात वाकक्रियत।

परिवासमा (letter of introduction) परिवासवयम (स प्र )। वरिवार १ वे नीवर २ (bearer) अनुवार (छ प्र ) झारक (म प्र ) पत्र-बाहक (वि )।

परिचर्षा योद्धी विश्रकतः परिसवाद बातबीत संयोद्धी।

परिचर्मा बिरमण टाइन सेवा सेवा-प्रकृत सेवा कुनूया।

परिचायक जापन परिचय करानेवाला (दे ) सूचक।

परिचारक १ अनुगर, किन्छ, ट्युनुगा तीमारदार वास गौकर (दे )

मृत्य सेक्क २ नरनर्सं।

परिकारिका हे अनुक्षि क्रिका क्षेत्री क्षांत्री गोकराणी सेक्किन र सर्वे।

परिवासक असानैकाना संभामक।

परिवातन वमाना प्रवासन संवासन।

परिवित्त अभिन्न विन्हार, जानकार जाना-पहचाना कात मुलाकाती

बारिक, नुवात । परिच्छेद १ पैरामक २ मध्याय (दे ) चैन्टर प्रकरण प्रकास बाद ।

परिचतः परिवर्तितः वदना हुआः क्यांतरितः।

परिभिति १ अनेशम अंत (वें) फल-२ नतीबा परिभाग फल हुछ।

परिचय दे जिनाह।

परिचाम १ अंत उपनंदार मतीबा निप्तप्यं परिचति छक्ष २ अंबास मतीबा परीक्षाच्या रिकस्ट ।

परिचामतः अंदरः नदीयन निप्तर्पतः प्रज्ञरः।

परिताप १ वरेश हुन पीड़ा बेदना व्यवा २ पछताबा परचाताप (दे ) १ ग्रम रंग शोक संताप ४ मति बण्णता मत्यश्चिक साथ।

परितृत्यः १ भूव संतृत्य तृत्य परितृत्त संतृत्य (रे ) २ कृत (रे ) प्रतन्तः

परितृप्त दे संतुष्ट।

बरितृम्ति दे संगीय।

परितोष वै सङ्गोष।

वरिरामस्त छोड्डा हुमा स्पन्त स्वाया हुमा।

वरित्याम छोड्ना त्याम त्याममा वरित्याम । वरित्याम करना असय गरमा छोड्ना धनमा तिर

भारत वरना छोड्ना धनना तिलानील देना स्याय करना स्यायना परिस्थाय वरना छन्याछ कैना (राजनीति है लेन्यात भेना)। परित्याच्य अस्त्रीकार्ये छोड्ने थोग्य त्यायने योग्य त्याच्य । परिवास नाम समान रक्षा (वे ) हिन्द्रस्थत ।

परिधान कपड़ा पहनाना पोलाक (वे ) निवास बस्त ।

परिचि १ चक्र वेरा दायरा परिवेक फैसान संडल वृक्त केटन २ कक्सा क्षेत्र काका ३ छीमा इद ।

परिनिर्माण पूर्ण निर्माण मोला। परिपर्मण १ पंछा प्रका प्रका प्रका स्वयं स्वयंक्य २ अनुस्त्री (हे

परिपक्ष १ पका पकाहुआ पक्का पक्ष सुपक्ष २ अनुभवी(दे) शत्कोकार ६ कुणक्ष श्रीक सिक्ष ४ द्रस्ट।

परिपत्र अस्ती विद्ठी सरस्यूसर सूचना-पत्र।

परिपाठी १ वक्तम जाम करीं बस्तूद्र, परंपण प्रका रिवाक रीति करि सीक २ कार्यप्रकाणी कार्येनिधि नियाविधि हस तकनीक तरीका पद्धति प्रकाणी विधि सीती १ व्यवस्था।

तकमीक तरीका पद्धति प्रकाशी विधि सैसी १ स्वतःसा । परिपालन १ परवरिक पालन पालन-पोपन पोपच २ क्वाक राजय राजा विकासतः।

गरिपूर्ण वृत्र पूर्ण प्रस्पूर करा भरा-पूरा सपूर्ण।

परिपुरका निवास गीरमान पूछताक पूछता प्रश्न । परिपुरका (perspective) १ अनुष्टि (वि ) पुटिकोण (स प्र )

तान्त्रीट (उ.स.) ई वेल्डमीय। सरस्य (फेट्सफेट्सफर) स्थितील्ड (च.) बील्डमान (स.स.

परिस्तम् ज्ञानं भूमना भूमना-फिरणा दहनना पर्यटन । परिकास नाप भाष-कोस नाप-तोल भाषा भाष मिनसार, वकन । परिकासन ज्ञाहित गोधन परिकोसन परिकासन कृदि जोपन प्रकोसन

र्थरकार। परिमाणित मञ्जूळि-छोजित परिपक्षत सोवित संबोधित संस्थारिक

सरनास्त्रत अञ्चलकाञ्चन भारभुक्त साध्यय सम्हाधय संस्कारर संस्कृता

परिमित अस्य अस बोड़ा नपा-पुना शीमित।
परिमोजना (project) निर्माण-मोजना (म प्र ) परिवरणना प्रामोजना
(पाज ए प्र ) पोजेन्द्र, योजना।

परिरंश, आर्थियन को लगाना छाती है लगाना बाहुपास में मरना परिरंशन हुवंग है सवाना।

परिरक्षण अनुरक्षण देवभास रक्षण लेखाण।

परिवर्शन समन रहना छाड़ना स्यासना दूर रखना, दूर रहना समना।

३९२ / हिन्ही पर्याय कोश

PENTER BY 45-885 ES E deres a ALLES SE परिकार अल-Trans Ser ... ت يه حموله वरिवड 🏥 😤 9fter 3 23\_ \_\_ परिवेच्टन ; परिवासक अप-----Strange . परिशिष्ट (४-५--8950 परिशीतन अ बरिश्च बर्च 🚁 परित्रोधन (१८४८:- 🕹 परिशोधन (त्राटन) -करना (य प्र वरता क र स्ता । वरिशोधित (reise) TF ويسدرس 197 करना करना (म प्र करता (ग्राप्त र रना । परिधम बागवसाय है है है परिचमी कामकमारी रहा रिस ~\_/\_ = ---125

परिषद् परिषाद

परिषद् अंबुधन अधिकरण आयोग ऐसोसिएकन पंचायत बोर्ड मंडल संगठन सेच संसद संस्था।

परिष्कार बोप-मार्थन परिमार्थन मार्थन परिमोधन सुबि शोधन समुद्धि शंकोधन संस्कार, सुझार।

परिष्कृत परिमानिक परिकोषिक प्राप्तम संस्कृतिक भुप्रारा हुना ससंस्कृत।

परिसंपत्ति पूँबी माश्र-मत्ता संपत्ति।

परिसमाव (symposium) मोच्डी विकारपोप्डी संबोद्धी (स प्र )

परिसमाप्ति है अंत।

परिसर (premises) कैयस विभिन्नेस स्वान (वि )।
परिसीमन (delimitation) सीमांकम (व प्र ) सीमानियरिक (वि )

हरवन्दी(ग प्र**)** ।

परिस्थिति अवस्था स्थिति हास शासतः।

परिहार १ बंडन निराकरण निवारण २ प्रावस्थित १ इसाव

उपचार उपाय ४ छोड्ना स्पान परिस्थाय।

परिहार्षे १ छोड़ने शोध्य स्थाच्य दूर १० रोग्य २ निवार्षे वर्षने योध्य वर्षाने योध्य ।

परिहास पुरुष ठिठोली विस्तापी मसीस मबाक मीला हैंगी हैंगी बेल हैंगी-ठर्टठा हैंगी-विस्तापी हैंगी-पंजाक हास-पिटास हास-नियोध।

परी वे अपराः।

परीक्षकः १ इम्बामिनर, मुमवद्दिन २ पारची।

यरीसम (experiment) प्रवर्षेरियट प्रवीय १ द्वायस ३ परीक्षा

(है)। वरीका १ इधिहान २ मानमाइक परीक्षण १ टेस्ट ४ ट्राइ; १ मानिवरीया ६ जीव शीव-पराज जीव-पर्वास

१ ब्रानिवरीक्षा ६ जीव श्रीव-परच वीव-पड्त ७ क्षोजनीत छात्रनीतः।

परीक्षापत्र पत्रों पैपर, प्रश्नपत्र । परीक्षाफल नगीजा परिचान कस ।

परिशासन नगावा रास्त्राच का । परिशिक्त सनुपूत बासमाया सामग्रहा याँचा हुवा वाँचां-गरणा। परीक्रास सम्बाग संदर (दे )।

वरीबाव वयवाम |)

१६४ / हिम्दी पर्याय कोत

परीमात हे परेघाता।

पदय दे नठोर।

परवता वे वडोरता।

परे १ जनर जनकोर, उस्ततरक २ दरविशार दूर ३ समय (दे) ४ सहस्र (दे)।

परेट इतायह !

परेवा १ वयुगर न पंडुक पेंडकी प्राकृता।

परेतात सरसेट, साधिक विक्रिय प्रकारत संघ साधार स्थापुत्त क्रेरात ।

परेशामी अरपदा आक्रम झंग्रट लंगी मुनीवन विपत्ति विपदा सकट।

परोशः स्थात्यव इनहाइरेस्ट, समिति पुणः।

परीक्षतः अत्रत्यक्षतः युष्ण कप से पीठ-पीछे । परीपकारः काम नेकी पर्राटन परकस्थाप सक्ताई।

बरीपकारी बानी पर्यक्षिकारी।

परोपजीको परजीको परमुकारेक्षी वर्धायन वैद्यक्षाहर ।

पचम देशंबा।

वर्षा १ परीधापत्र पेपर, प्रस्तपत्र २ काग्रव विट पूरवा १ जन विद्वी पत्र पानी ४ निवज सेख सोक्षपत्र सीम क्षेत्र ।

पर्ची (चिट्ठीपत्र २ («Lip) चिट्ठ (वि स प्र.) पर्ची (वि स प्र.) पूर्वी (वि.)।

पत्राम द बादल।

क्यं देवता।

पणकरी कृटिया कृटी शोपदा शोपदी पपधाना ।

वर्षा १ साम्छातन सामरण विक विश्वसन परदा धवनिता २ स्थीन ३ पीवड ।

पर्यंत्रशीत दे परवानशीतः।

पतक राटिया खाट, बारपाई, पर्लय शैया मेज ।

पदन नव तनक। बदरक पुमनकक् दुरिन्ट, वाधावर सैरवाक।

चर्चेटन युग्नकरी यूग्ना यूपनायाजना यूगना-विश्वत टूरिस्स परिश्रमण प्रमण यादावरी नैर नैर-नच्छा।

हिन्दी बर्दीय क्रोच / १६५

पर्यवसान वत ववसान वासिए उपसंहार धारमा वटाक्षेप समाध्य । पर्वतिकास मच्छी तरह देवना देवमान निरीधन मनी-माँत देवना सपरविज्ञन ।

पर्योक्त काफी पुरा पुरूष प्रवृद, प्रभूत बहुत शरपुर, ववेच्ट, बची

चित्र विप्रसा

पर्याप एकार्वकोधक एकार्वभावक एकार्ववाची एकार्वी पर्यायवाची समानाची समाधी।

पर्याचरण परिवध माहील वातावरच वायुगंडस ।

CC ME १ वीन-खोहार, खोहार, खीहार, २ वस्तव समारोह ३

पर्वतः वे पहाक ।

पर्वतीय १ पहाड पर बसन/रहन बाला पहाड़ी १ पहाड़ वियमक/ सम्बी पहारी १ पहारी भाषा।

पर्वरिश वेश भास देखना-भासना परवरिष्ठ (हे) पासन पासन पायच पालना-पासना अरब-वायब सामन-शासन ।

पर्वामा वे परवाना।

पर्स बहुवा।

पर्तनम निजी वैयक्तिक व्यक्तिगत ।

पर्समैलिटी व्यक्तिस्य । पर्लेख वे परहेशा

पर्देशी हे परहेती।

पर्मय खटिया खाट, बारपाई, वर्गक सैया छन।

बार, बाबर बेमहीट, बेहरबर । पर्शतपोक

वस क्षच छिन बम (बम भर में) निमिय समहा सम्हा। (१४ संबंध)

ब्राश्यटम चलुपट, युर्वेचम वयनपट, मिनवी (

फीज सना (द )। प्रमादन

१ उपटमा २ लीटमा नापस होना व समर-पमट करना/ पसदवा होना परिवर्तन करना/हीना वरस बना धरमना घरम भागा ।

समापट पमरा बसा पस्मा।

पसङ्ग तैवार क्षांता पनपना परवरिशायामा पाना-पासा बाना शासित होना पोपण पाना पोपित होना प्रतिपालित होना बहुना संरक्षण पाना संरक्षित होना।

पमस्तर प्नास्टर नेप मेट।

पत्तायन नाजुर हाना चंपत होना वरकर भागना नी वो व्यारह होना पसायन करना रजुनकर होना सिर पर पाँच रखकर भागना।

पत्तात किंगुक टेशू पशाय।

थस्सर दे पत्ता।

बह्मबप्राही उपना उपरी छिछना संस्ही।

नस्सा १ तुमापट, पसड़ा पनरा पसा (तराबुका) २ मीचस दासन ३ मधिकार स (उसके पम्से पड़ीये तो ) पास।

पल्लू किनाच सणिम छोद, दासन ।

पत्सेवार वया मजदूर (वे ) महनतक्य थानिक।

पत्रत देह्या। स्टब्स्टरस्य हेह्यास

पचनकृमार हे शृनुमान।

पषनसमय है हुनुमान।

्यवनपुत्र दे इनुमानः।

पदमान देह्ना।

पवाड़ा दे पैनाड़ा। ं पदि १ दुनिसंबचः २ असनि करवा वास दड़ित्, जिस्ती

विष्ठत्। पवित्र १ पाक पावन पुनीत पून २ अतूपित अवनियाँ निर्मेश पाक-साफ विमान विमुख मूचि गुढ साफ, स्वच्छ

३ निप्तसंक निप्पानक निप्पाप परिक क्यक्ति। परिक्रता १ पुनीवना २ निष्मसंक्वा निप्पानक्वा ३ निर्मस्ता

सूचिना सुद्धता संक्षाई स्वच्छता। यम् १ चतुप्पड चीपाया जंतु, जानवर, इंपर, होर, होर-वयर, यमुधन मवेशी २ धर्नस्ट्रम असम्य जंपती जानवर, हैवान

३ फूर, जासिम निष्ठुर, नृशन वर्बर। पनुता १ अनन्त्रना जंगमीपन वेबसीपना पार्श्ववस्ता हैवानिवट

२ कूरता निष्ठुरता नृतंसता वर्वस्ता। पगुपति वै महादेव।

पगुमाला बाहा पित्ररापील नवेगीयाना ।

١

परचात् मनंतर, उत्तर (साठोत्तरी साहित्य) स्वरांत पीसे, फिर बाव (मे)।

परवात्ताप : बनुवाप अनुवय बन्नसीस पछवाना !

परबासाय बनुषाय करना बद्धशीस करना/प्रकट करना कान यक्ष्यना करना ध्यानि होना तीबा करना पछताना हाथ असना।

परचारवर्धी अनुवर्धी परवर्धी बाद का।

परिचम १ पण्डिम प्रतीची मगरिय ए अस्ताचस ३ पत्च परचवर्ती पिछमाः

परिचमी पश्चिमी भारतास्य प्रतीच्य ।

पत्त्वमा पाच्छमापात्त्वात्य प्रताच्य पत्तव इवि ।

पसंद आला अञ्चल सदना जैवना माना दवना सुद्राता।

पर्सदीदा अञ्चा नगनेवासा पर्सद का दलिका।

पस्तादा अण्छानगनवासापस्यकाराणका। पस्तारका प्रसरित करणा फैनाना।

पसीचना १ प्रविष्ठ होना प्रवीपूत होना पियलना २ वर्षार्प्त होना प्रविष्ठ/प्रवीसूत होना पियलना ।

हानत/ह्रमासूत हाता (पमसना । पत्तीना । प्रस्केश समझारि समझिक समसीकर स्वेत ।

पत्तीचेरा अंतर्डंड समयंत्रक आगा-पीका त्रधेड-कुण उक्गाचेड्ड कममकम डंड अगर्सक्ट समोपेन संकल्प-विकल्प संप-स्कूरेट की न्विति।

पस्त १ वका वका-सीटा वका-द्वारा २ परावित द्वारा हुआ दे वजा हुआ दिनितः।

पस्तिहिम्मतः कायर करपोक भीक साहसद्दीन सुत्रोत्साइ ।

पहुंचान १ आन-महूचान परिचय बोकफियत २ जानकारी झान तसीज विवेक ३ चिक्क निकान निकानी सरोण बनामत

४ (identification) अधिकान (उन्न गर्म) अधि-कापन (गन्न) अधिका (वि)।

पहुंचानना १ अभिन्न होना जानना परिचय होना परिचित्र होना सक्रम जानना जानिफ होना २ नत-नस से परिचित्र होना के समझना।

पहचानपत्र (kientity card) विभिन्नापत्र (उ. म.) बाइडेंटिटी कार्ड परिकामपत्र (म. म.) पहचानपत्रकः।

पहुनाका कपड़ा-सत्ता कनड़े योबाक परिवास सिनास मस्य नेम ।

पहर (वीन भी का समय) प्रहर, याम ।

पहरा चौकी वेकरेक निपद्वानी ।

पहरेवार श्रीकोषार, ब्रोहोदार, ब्राव्यान पहरी पहरमा प्रतीहार, प्रवेश स्थवाना संबंधिः

पहरेबारी चौशीयास अनीबीनारी रखवाला ।

पहतवान कुश्रीवाज सल्लाः

पहनवारी पुत्रीवारी श्रुती बहुना धानकता सम्मविदा सम्मविदा पहला १ सम्बन्ध साथ पहले नवर का अवन २ सादिन प्राथमिक

प्राचीमक ह

पहले १ कारे इस्म पूर्व पेत्यर, प्राब्त, २ वार्षि में बारेय/प्रारम/ गुरू में 3 बच्चानन प्रदमना, नवसे पहले सर्वप्रयम ४ कम (अस्परन):

क्ट्रेन्सान प्रसाबार प्रवत्तः, सबस पहुँच सर्वापम ।

क्हाड़ १ अप जवल लाँड कर कोड़, विदि, कराकर नय पर्वत पहारी पूजर हमन पुतिकार, विद्यार, केट कैन २ बाहान व्यक्ति विज्ञानकार व्यक्तित ३ अर्थत विद्यार्थिक (विदेश कार्य) ४ नकार वाला न वीलाने वाला वहुत सवा (बाव का दिन सी वैस पहाड़ १)।

प्राही १ पर्नेत-वित्र मा/श्रवंती पर्ने य पार्वेनीय पार्वेन्य २ वहा बृह्य वहा दीला सबू परेत १ पर्वेतीय/पहाड़ी व्यक्ति

४ यवनीय/पराड़ी मापा ।

पहिचान दे गरमातः।

पहिनना है पहनना। पहिनादा है पहनावा।

पहुँच देशोष वैड, प्रवेश स्वाई।

कोषा कला<sup>त</sup> सहस्र मणियंत्र ।

बरेनी १ नरप्रमा प्रतिका बुधनी बुधनेक मुकरी २ जनप्रन बाँट, बाँच प्रतिक नमस्या नमस्या ।

विश्ववी (प्रथम प्रवेश)

श्रीवाती श्रूपमा इत्रामुत्ता होत्रशे नित्ययोशना वेहिता नैरोदी।

बोहर बाहतनय बाह्युत बाह्युत । बोह् १ हे पीनाः २ बोहबरियाः

हु इ.च.पानाः २ वादवपिताः

१ देपीसा १ देसफ्रेश।

पोद्यसिपि (manuscript) पांबुसेख पोपी मैंग्युरिक्ट हस्तमिपि (उप्रम्भ) हस्तलेख (उप्रम्प)।

पाँत पाँति १ कतार पंत्रिय (दे) २ पंतर्य (धीज की) मीजपनितः।

पांच दे पविका

मीव क्रम योड़ चरण टॅनड़ी टॅपरी टॉम पप पद पाद पैर।

परिका पार्वेदाच पायसान पुरुरण। पाइप नच मसका मसी।

पाइलव नामक पावसट वानकामक विमानकामक।

पाउडर

१ अंगराम पोडर, पोडर, प्रसाप्तनपूर्व २ पूर्व बुकती। १ पक्रना पकाया हुआ परिपाक २ निर्दोप निष्क्रमंक पाक

पश्चित्र कुढ साफ-सुबरा। पविष्या सञ्चरिया सवी सवी-बाज्यी सवाबारियी साज्यी पाक्समन

सीता-सावित्री । कियेन भौका बावर्षीसामा एसोई रसोईवर।

पास्त्रासा पॉक्टि पंक्टि कीशा जैन जना चलित्ती वैभी।

चॅक्टिमार पिरहरूट वेबस्ट वेबस्टरा।

पासिक १ अर्थमासिक पत्रवाहा-विषयक पत्रवाह से संबद्ध

२ अर्थगातिक (पच/पनिका) हर पचवाहे में प्रकारित । पार्चंड १ आहंबर, कम-छंब क्ल-छव्म ब्लोसमा धान बॉबबाबी

प्रयंक प्रवंतना बनावट, मिध्यावकर ए धर्माइंबर। १ आइंबरी कपटी छम-छंदी दक्षेत्रिक्षेत्राय दावबाय दीनी पालकी

> प्रवचन नमसामन्त जनावटी मिप्पाइवरी २ प्रमेष्ट्रमी धर्मार्डवरी ।

पक्ष प्रवणका ।

१ बनीज पूरु कू रुट्टी पूरीय बीट, मल मैना मेदिन पासामा विच्टा बीच २ बृह्दी जनमुनिधाएँ, टट्टी द्वाँयसेट

प्रशासन बंपूलित बायकम प्रैट्रिन सौचालय प्रवात । क्षमस जुनूनी रीवामा बावना विशिष्त २ कवी शनरी पागल बुलवाना मुद्दी सनक्यासा सनकी ३ अहमक सद्रवक

वाहिल नावान नासमार वेजवल वेजवूद, पुढ़ मूर्प (रे )। १ जन्मताना जन्माच भूतृत धीवानापन वादनापन भेज

```
२ विकिप्तता क्य सक धुन सनक ३ वहमकपना बहासत
           भाषानी नासमधी मुद्दशा मूर्वांशा (दे )।
           कमीना बुध्ट नीक (दे०) बदमाब मुख्या करास्ती कार्तिर,
    पानी
           श्रेताम ।
 पाकोपर
           क्रवीनापम दुप्टता मीचता (रे ) मरारत सैतानी।
 वाबीपना
           दे बुमाव।
    पाटल
           १ टेक्स्ट मूल मूलपाठ र बध्याय (दे ) पीटर, बाब
     पाठ
            ३ सबफ शीख जनवेस (दे )।
           १ परनेवासा बावक २ अध्यापक।
    पाठक
           वाठोकर ।
   पाठभव
           क्रकारमी ऋषिपुत्त युसपुत्त मक्ष्यव मदरक्षा विद्यापीठ
 वास्त्रामा
            विद्यालय स्कूल।
           (course) कीर्स शिक्षणकम (द प )
 पाठ्यकम
            (대 위 ) 1
बाङ्बदुस्तक
           टक्स्टबुद्धः ।
     वाणि देशाया
 पाणिपहुद दे विवाहः
      पात १ अव पतम विराद्य पतम २ है बृर्बू (छारीर-पात)
            ३ दे पता।
    पातद दे पाप।
   पालकी व पाणी।
           अधानीक नायकोक पानामधंड पातामपूरी रतातम (दे०) ।
   पातास
  पातित्रतः पातिनिप्ता पविषयित सनीरम ।
     पाती
            के मना
      पात्र
           १ वर्तम भावन भाव (वैद्ये बृद्धात) भावा २ (cligible)
            अधिकारी प्राप्त (स प्र ) योग्य (स अ प्र )
             ३ मीधनता मीधनेत्री कैरेक्टर, चरित्र।
           शायवा कोम्यवा।
    पात्रता
            चनमोजन चनम्यय राष्ट्रसने मन्त्ररश्चन धंवतः।
     पश्चिम
    वायोज
            रे कमन।
             १ मधीबार् मरामबायु क्षेत्र हका २ चरण पर पर पाँच
       पार
```

हिम्ही पर्याय मोब / ३७१

पैर, व चरच पद (छंबांत) ४ चतुर्वीत चीवाई, घोडा भागः।

पारमामः १ समृद्धं, चरमपायुका २ छपानह भूता चीवा पनही।

पारप वे पेड़।

पातुका १ व्यक्ताओं चरभपायुका २ उपागह भूता बोहा पनही। पान १ वांकूस २ विल्ली विसीधी गीहा बीधा १ पीता (सस

पान सूत्रपान समपान)। पाना समेन करना समित करना प्रश्न करना प्राप्त करना प्राप्त

होना इस्तपर करना हाधिक करना।
पानी १ में हु सैम सर सार आव उपक धीर जीवन दीय नीर,
पा पानीय पास कन सारि, विस्ता २ बाव (मोदी की)
आधा कोंति चमक चमक-समक- १ बावक इसके पीरव
पत-पानी प्रतिच्या मान सान-सम्मान सम्मान प्रशाद
वौद्या (प्रवादा सावि का) सार।

पार १ जम अधर्म जनुष कामप कनुष नृताह पारकः २ अस्त्राचार जपकर्म अपहरम अपराध कुनुर राजती पुष्टरा योगः।

मापाल्या दे पापी।

पापी सभी अभगी सपकर्गी कुकर्मी पुनहवार दुधरमा दुध्यस्मा

पातकी पापकर्मा पापारमा पामर। पाक्षक नियमित (पालनकर्दा) प्रतिकंड वैद्याङ्गमा वड सक्यूर।

पार्वती प्रतिबंध प्रतिवेध रोक रोक-टोक बढता।

पामर १ वे पापी २ कमीमा सम पुर्वन कुष्ट पानी सरास्त्री सैतान।

पानाल १ पद्वतिमा रींचा हुमा २ चीपट तबाइ मण्डापट वर्षातः।

पार्वेशक पौक्का पुटरस ।

पापताबा चुराव मोबा पैताबा।

पादा १ कोड़ा पाना २ खंशा टेक स्तंत्र ३ जोहदा दर्जा पद, बुनिवाद स्वान।

पारंगत कुमन वस निपुत्र पटु प्रवस्य प्रतीय योग्य विश्व विवन्ध विश्वेषक सुगोग्य सुवित्त। पारपरिक जनायन परंपरायत पारंपरीय पारंपरीय।

१ दूमरा विभारा २ अंत बाविर, छोर सीमा हर (पार पार

पाना)।

पार करना इस पार से बस पार जाना एक ओर से इसरी और/तरफ जाना कृद बाना छत्तांय स्थामा बाकना पर्सादना

चौरगः । पारकी परश्चनेवामा पहुचान-परश्च करनेवासा ।

पारतेम्य वै परतंत्रता।

पारद दे पारा। पारपत्र पासपोटै।

पारस्परिक आपम का आपती।

पररा शासन दिम्परत पारर बहारत रतनाय रससान रहोत्तम

নিত্রমার ।

१ क्योग कबूतरः २ ग्रंडक गरेवा पिडकी। पारावत

१ दे समूत्र २ कार-पार। पाराचार

पारिवात कष्मार, परवाता कराहर संशार, हरसिपार।

पारित मंब्र, पात स्वीकृत।

पारितोषिक इनाम पुरस्कार, विजयोपहार।

पारिमाविक १ टेकनियतः तपनीयी साक्षमिक २ परिवादाया पर परि

भाषा-विषयक/संबंधी।

पारिवारिक १ कुल-विषयन साधानी परिवार-विषयक/सबसी २ ऐतिहासिक (नैसे मापानो का पारिवारिक वर्गीकरम)।

१ जनरत दिहाड़ी संबद्धरी मेहनताना ए जीस नुस्त-पारिधनिक

व तनस्याष्ट्र पयाच, वेतन ।

१ पार्वेव समासद कीसिसर- २ अनुवर यथ। पारिषद

पारी पाली कारी विचट ! पार्व

श्रधान अपनन बान।

पार्ट १ मदावारी भूमिका २ वंश श्रंड पूतका मान हिस्सा । पारी १ नूट वन मंडली २ वटा ३ वियोजन सारा दावन

भीज। अभून कपित्रवन नोडीवघर गांडीवी धनीयतः। पार्वे

असमाय मुदाई पुषतता वियोग विजवाद श्रेंबंध-विक्रोह नार्वस्य

(secession उपम्प्र)।

पार्चिकः १ पृथ्वी से जप्पम/संबद्धः २ भौतिक सौकिक सोसारिक इ. सामग्री राजीविकः

पार्लियार्वेद शेसद !

पार्वेदी अपनी निरिता विरिणेतिनी गिरियुता गोरा गोरी बससुता बासायणी पर्वेदवा पर्येदनविनी भवागी स्वप्निया स्वामी संकर्तिया संकरण विकास सेसकुमानी स्वप्नता सीनगीरनी सैकपनी सैसावा सारी स्वप्नीसनी सिवासियाना।

पारकं १ वस करता २ नकवीक निकट पास समीप ३ कड़ीस पड़ीस आस-पास पास पास-पड़ीस।

पारनवर्ती १ नवरीकी मिकटवर्षी पास का समीपवर्धी २ परिचारक सङ्कर ।

माधव १ कीसिनर पारियव समासव २ जनुवर गन।

पालल पुलिसा पैकिट पैकेट!

पालक परिभाजक पालक-पोषक पालमकर्या पालनेवाला भरव-गोपक करनेवाला जालक-पालक करनेवाला ।

करनवाता सात्रम-पामन करनवाता। पालकी चड्डबड्डिया डोमी नालकी स्थाना विविका।

पासन् पासा-पोसा पासा हुमा पासितः। पासनी भासनी-पासनी पसत्त्री।

यासन १ परवरिष्ठ यासन-शोषक घरण-शोषण सासन-शासन २ अनुकरण बजुरासन बनुवर्गन परिपासन ३ पूर्व बना सामा बिरोधानै करना (आजा वादेक हुमन सादि)

४ निमाना निर्माह करना निमाहना पुरा करना।

पालना १ निर्वाह करना परपरित करना पालन-पीपण करना पालना-पीधना पीपण करना पर्य-पीपण करना रच-रदाव करना २ पदना (तीता निर्माण करना पर्य-पालन न तोड़ना पूरा करना चय न करना (वयन सारि) भ महावारा समुद्रा सुना चित्रण हिंगीया।

पाता १ ठार तुपार, २ वर्ष क्षिम।

पालातनः चरमसर्वे बंदवतः नगरकार नगरते प्रणाय । पॉलिटियसः राजगीति । पॉलिटी कार्य-गीति गीति ।

पारी बारी लिपट। पाकी पार्वे दे पाँव। पार्वेडा दे पौनहा। पाचक दे आग । धावनी प्राप्ति रसीद रिसीट। के पवित्र । पावन वे पविभागा। पायनतः वाबर १ ताका (दे) श्रांका २ विजली ३ व्यक्तिकार। १ द्विन बरसात बारिस मेह बर्पा बर्वाऋषु, वर्वाकास पावस कृष्टि २ चौमासा ३ असाइ-सावन सावन सावन मार्थो । फंबा फीस बंधन । नार अमानवीय अयानुविक कर करवापूर्ण निर्मय नुषंस नासविक पैसाधिक वर्षर, वर्षरचापूर्ण। परिचारी । पारकारव पावाच दे पत्थर। पत्चर्रावम संगरित । दे कृर । नापानहरू १ आत-पहोस बास-पास करीब शबदीक निषट पहोम धास पाछ-पड़ीस सम्मिक्ट समीप २ उत्तीर्थ कामयान सफस ३ अधिकार/कम्ब में परने ४ मेजूर स्वीकृत १ वादी दर्श ६ अनुमतिपण प्रवेशपण। १ पारपण भीता (उ.स.)। धारपोर पासदर सेकापुरिका। वाहेद दे परचर। वरिधि बम्याश्व पाहन मेहमान। पाहना उपहार नक्ट, भेंट सीमान। पाहर चित्रस १ दे पीला २ छंदशास्त्र। १ मोमा देशा सोम्ट- २ हेर, शांध (दे ) ६ कामा याव िक बाम तम वेह सरीर। पिक्की १ लॉदा २ (तुन बादि का) बोला सपछा। Fre: है कीयस।

पिरधर १ दे जिल जिलाट ताबीर फिल्म मुनी सिनेबा।

पिकृषिक वनविद्वार ।

शिम्बी वर्गात कोस / ३७१

१ मसमा प्रवित होगा प्रवीश्वत होना परीवना २ वनकस ही जाना बयाई हो जाना प्रशिव/प्रतीभूत हो जाना नर्स/ मुलायम पड जाना/हो जाना।

<del>पिककारी</del> टीका सिरिय सरी।

पिचकना चुच्छना दवना पचकमा पिचिकना सिकूइना सिमिटना।

रिखडना पीक्के चट बाना परिज्यामा पिकियामा पीक्के रह बाना। पिछलपा बंधानुसावी बनुपामी बनुपायी पिछमस्य पिटठ हिमावती।

पिकसम्म के पिकासा।

विकास वेतिम वतीत का गत गुवरा हवा वीता हवा भृतकासिक विवत ।

सीपा सीपी पिटारी संबक्त विशास

पिदारी सौपी चेंद्रक ,चंद्रकचा संद्रकरी।

निदंइ अंधानुवामी अंधानुवामी पिछलान् हिमानती।

पिड़ील १ वानिक तेल तेल पेट्रील २ वस्त पत्ररील ।

दिसा बब्बा अनक जनविता जनिता जन्मदाता तात पित पिटर

बच्या बाप बापु, बाबु, वानिवः।

वितामह दाशा सामा।

দিল্ল কাকা পাৰা চাক । पित अप्रसमित ।

पिनहर्ष किया हमा ।

पिताकः १ अवयव विवसनुष २ कमान धनुष (दे ) ३ चिनाकी वे सहावेत !

पिपासा दे प्यासः।

पिपास विषय प्यासा।

पिपीतिका चीटी।

रियक्कम मध्य मध्येषी तरावी।

पिया पछि (दे) शिय।

१ इट पक्षमा पिछा पढ़ना जिड़ जाना २ अबुत्त होना अब पिलना पामा ।

जिन प्रेत बैदास भूत सैदान। বিয়াৰ

इक्कर-की-छद्धर सरानेपाला चुयसखोर, चुनला चुनती करते-বিযুদ वाता नृत्य।

३७६ / हिली पर्याप कोय

पिध्यपेथम पुनरुस्ति।

पिपटोक्ति नशीमे ।

विद्यान आटा चून मैदा।

पिस्तीम शमचा पिस्टस रिवास्वर ।

पीश भूक।

पौक्रदाम - जनामकान ओममकान अक्रमी पिक्रवानी।

पीड़ा वरणभाग विख्वादा विद्यांकी ।

पीडा पुन्तानः वसा पुताना पुराना पाना जान कुद्दाना वी कुद्दाना दामन स्वताना पत्ना पुताना प्रित्न प्रदाना ।

थीछ १ अनवर दररोत सबनंतर, फिर, पश्चान पुनः, बाद स २ पश्च लाव में विक्रम लाव में पीठ पे पुरुत लाम मे ३ वारण कातिर, निमित्त निम्, बजह स बारते।

पोत अंधानुमानी अंधानुवानी अनुपानी अनुपानी पिछलगा बननेबाता पिछलानुः

पीछ पड़ आरता/ १ आहर्ते राहना गर्नेण पर सवार होना याँग पड़ काना पेरता पड़ना संग करना पीछान छोड़ना बार-वार नहना कार-वार नहते राहना २ काम अपने पर साम बागा।

पीछे/पीछे-पीछे अंधानुकरण करना अनुकरण करना अनुवयन करना अनुकरण भाना अरना नक्षण करना ।

पोटना आचान गरना चौट करना चौट पहुँचाना ठाँगमा प्रहार

करना प्रारमा बागमा-गीटमा । वीट १ पत्र्य वीछा कुल पृष्ठ, पृष्ठमाय २ आछन चीनी वीटिया वीडा वीडी ३ अधिष्ठान छंत्रान (अँट

विधानीत)। मीजिनः १ पूर्वेगीजिनः पृत्यसूनि सूनिका २ साझार, मासन मीकः बोडाः वस्ट टीन तकनील, वहे दुख-वहे गीर बेदना काचा कृतः।

चौड़ा पष्ट टीन तपनीय, वर्षे तुक्ष-वर्षे पीर वैदना चौड़ित प्रश्न युत्री वरेवान बीमार युग्य रोमप्रस्त ।

थीडा आसन पटरा शाटा पिडाँ पीडी।

पीड़ी १ पुरुष २ मालग पटरा पाटा विदर्भ वीबा ।

मीत है पीशा।

यौत १ युरपूक कोटा स्थूप स्थूपकाय २ वहा विशास (पीत क्याबर):

हिन्दी वर्माय कोख / ३७७

1

१ जावमन करना यहकना मङ्ग्यम यहे से भीवे उतारमा पान करमा सटकना २ वदा केना (वैसे युस्सा) प्रकट म होने हेना १ सुबी भीतर बीचना (तबाकु पीना) भूमपान करना ४ वस इरमा सोब सेमा। पस पीव भवाद। श्चनत्व वामुवेव। **दीव** कतरतर दिन दिल्ला दुन। नीयम १ अधिय समृत जावेहयात सुधा २ दृष (ह )। वीया पस पीप सवाव। चीव १ अवधि कालाविध २ वेटा वेटी। वीप्ष के वीका ह अमरती अपित हेसरिया रोहकी बंधई वर्ष वर्षकीती वीर वीरियह महाबत हाथीबान । बाकरामी नारवी नार्रकी पाहर पित्र पियन पीठ पीताम वीलवान पीठाक्य बसंती बासंती सर्वती सुवसी गुनहरी हरिया वीसा २ आमाहील फीका निव्यम। वर्ग वोङ्ग्या विकर्णाः वीतिमा वृत्रद्वसापन । विशिष्ठाय तुरिका वृत्तवृत्ता भारत योटा स्पृत स्वृतकाव। क्रमसरीन बाहिस वाद्योव । वीसायम कीलवा कुचमना चूर्ण करना वारीक करना स्वहना। पीवर हुबड़ा नव । १ उत्तम क्षेप्ठ (कविषंगव शरपूवव बादि म) २ वैस चीछ नेहर पितृनृह मायका सैका । पीसमा बसाप (वीरे कार्य-नसाप) वय अनवट हर भीड़ राहि वीहर ete i शंक्तम शंकुल संबद्ध संबद्ध समुख्यम समुद् दुसटा छिनान व्यक्तिवारिनी स्वेरिकी। g RUM ! वृष्ठरीक जारमी नर पुरुष नरे। जाबाद बाबाहर आहान नुरार, हेर दुवार, प्रतिसाह वृश्यली पुरुषात्व पोरुष मर्वामयी। वृत्तान वितन Suite as the

केट \ किन्दी वर्तात कोस

हिन्दी वर्याय कोल / १७१

२ पुनरावनोशन पुनर्विष्ट पुनर्विषार। **पुनर्शन** १ बाबुति द्विपतित २ पिष्टपेचम ३ पुनर्यास्त्रवदामान ।

१ अनुवाद-यायन अनुवाद-मंत्रोधन वेटिंग स्रतीयन सूधार पुत्ररोक्षण

पुनः पुनः बारंबार बार-बार।

एक बार और फिर पुराश दोकाशा। বুল

माइवकादी नुता।

वनोहं बहु वह समुपा। पुत्रवध् पुत्रश मया भारमवा रम्या छोररी छोरी होटी तमया तनुवा दुष्ततः दुविता सी क्रिया नंदना नंदिनी केटी सदसी

मुक्त ।

77 मंनज बनाव बाल्यन जीरत बीनाद पुनार छोछडा फीशरा छोरा छोइरा जाता दोटा तनय तनुब नदन विसर फरबंड बालक बेटवा बेटा शहना नाम नौंडा बरस मुत

पुतनी रे वटपुत्रकी पुढ़िया पुत्तिका २ वसितारा विधपुत्रसी ननीनिका तारा।

पुन्धवान श्रमारमा पुष्पात्मा सत्तर्भी मुहत्ती।

रुव्यतिनि **ब**रसी मृत्युतिकि ।

३ अण्छा रस्थानकारी धर्मनिहित भूम शीयन।

मन्यविधय छीटा गावना इमरा छित्काव हमरा मेम। ٩ē पुष्य रै सर्व संस्कृत स्वार्थ मुद्राय २ पवित्र पायन पुनीत पून

अनेक भाराधर उपासक पूजक पूजा-अर्था करनेवासा पुजारी

पुत्रापा वुत्रन-सामग्री पुत्राका सामान। बाराधिका बपासिका पूजन-सर्वेन करनेवासी परिनत । पुजारित

पिष्ठतम्यू ।

बताना । १ बडी पुंछ मंबी दुम २ चाटुरा ८, चापसूछ पिछमपा पुक्तसा

पुरुवारना चूमना चूमना-चटकारता चूममा-चाटना व्यार करना व्यार

टिशास, वृद्ध पश्का बायबार, मञ्जूत । पुरता

हॉक भारता हॉक सवाना।

भाषाक संयाना भागाहर्ग/भाक्षाम करना युहार समाना पुक्रारना विश्लाकर पहुना हेरना फरियाद करना बुलाना रट सपाना

## ६८० / हिन्दी पर्याय कोल

बृष्ट जु पालामा (वे ) मम विष्टा। दुरीय

१ जगन्नाचपुरी २ नगरी महर। 2()

दुरादि है बिया पुराक्त विश्वसा पुराना वृत्तीत पुराना हाल प्राचीन वार्ती ।

पुरातनता पुरावनवाशिता प्राचीनता समावनता। **बुरानायम** 

७ वरियानुसी परंपराबादी पुरावनताबादी ।

२ अठीत यत बीका हुमा निमयः ६ विका-पिटा भीमें कीर्ज-बीर्ण पटा-पुराना ४ बतुनवी सबुर्वेकार परिपक्त मीता हुमा १ अभवनित मराप्रयोग १ धूबा (रे ) मृद्धा

पुराना 😲 ननीम क्लीमी विरंतन पुराकाशीन प्ररातन पुराना चिरामा प्राचीन पूर्वकासीन प्रावकासीन प्रावदन समादन

पुरातनता पुरानापन प्राचीनता।

पुराक्तन देपुराना।

पुरातस्वत (केन्द्र) पुरातस्वविद् (च प्र वि )। पुरातस्ववेसा

पुरातस्यव पुरातस्वविष् (छ प्र ) पुरातस्ववेता (म प्र )।

बेड़ा छोटा वॉन पुरवा वस्ती। पुरा

इकराम उपहार टिप दान-दक्षिणा नेय बदलीक ३ प्रतिवातः।

**दुरवै**या पुरवा पुरवाई। पुरस्कार १ इमाम शारिकोषिक प्राइव विक्योरहार २ इनाम

नपरवाची बहुरी। पुरवासी

व केंद्रा छोटा वॉव पुरा बस्ती।

**पुरमा १ कुमिया पुलहर मुक्क प्रयक्त सकोरा २ दे पुरर्वया** 

दुरसा बुक्बंबार, वयोवुळ वृक्ष ।

दे नवर। पुर १ पूर्वम पूर्वपुक्य साप-वादे २ (करका) सङ्ग-भूका बुकूर्य

पुरवर दे इसा

पुनर्वास (rehabilitation) पुनर्वासन (वि ) पुनन्ध्यापन (वि प्र )। पुनीत पवित्र वाक पाक-साफ पुरम (पुर्व्यादिवि पुर्व्यस्मृति) पूरा।

(revaluation) पुन परीक्षण पुनर्यका (म प्र ) पुनम् स्यन पुमर्युस्योकमः ।

पुनस्यान नवशायरण मबोत्वान पुनर्जावरण रिनेसी। दुरक १ जायमी करवासा नर पति धव (विश्ववा) वृत्र सर्द स्रोप २ मावमी वृंतान मनुष्य यानव ३ वर्मकारी (राजपुरवा) ४ जारमा केशन सीच परमारम (शाक्य सर्वान में)।

पुरुवार्षे १ कम्पनसाय उद्यम नराक्ष्य दम-सम गीरप साहस हिप्पन २ परिमान मेहनस ६ सम-पुरा करिन सामध्ये।

पुत्रवाणीं १ बान्यवसायी बच्चमी इस्रोवणील पराणमी साहती हिप्पती २ परिश्रमी मेहनती १ वस-बाग वाला सन-बूठे बाला सामर्थ्यवाल ४ बहायूर (है ) बीर:

मुरोधा १ पामा पुरोहित २ बयुमा (दे ) सबनी ।

पुरोहित कुलपुरोहित पासा पुरोसा। पुरोहिताई पुरोहिती पौरोहित्य।

पूर्वा १ खंड दुक्का पर्चा पर्ची पुत्री २ शुस्त्रा ग्रेरिकप्यान ३ मजीनी पूर्वा ।

पूर्वी हे पूर्वा-१ २३

कुत पुत्तिया भूतापुत्त तीलापुत्र दिव (निटोडिय निमक दिव) सरामेषु तेतु, तेतुका (राम द्वारा समूद में बनवाया बमा पूत्र)।

बुसक रोगटे रोजाब सोगदर्यंथ।

पुलिका मद्दर मृत्वी कर, पेनिट, बंबल मीटरी सर्वेप्टिश (packet,

संप्र)।

पुलित वधार, विवास पूत हर हीर।

षुतिया के पुत्त । पूर्विस निपाकी निपाही-क्ष्म ।

पुरव १ चीड़ी २ परचनान बीठ पृथ्ठमाय ।

पुरता १ डेनी नेप्र धुरम वेष बांब २ (पुरशक गा) पुरुदा ।

बुर्जनी वर्दगीदियों का परंपरायक पुरत-बर-पुरत का। पुरत्य १ वसन (है ) २ सामाव।

पुरत्न वाफी (है ) पर्यापा प्रकृत प्रसूत विपुत्त।

बुष्ट १ तमका परा हुआ परिषुष्ट युग्टेंक युग्टेंका सुमित हुद्दा बहुदा हुष्ट-बुष्ट २ बमर्गतिका तमका माटा-तावा १ बारोम्यवान तंहुगम स्वस्य ४ पुष्टिरर पुष्टिकारी

```
बत्तवर्षेक बन्तिवर्षेक स्वास्म्यवर्षेक ६ प्रमानित प्रामाणिक
                 सेपुष्ट समित साधार ।
          पृष्टि
                 (confirmation) बनुमोरन ताईर पुष्टिकरण (म प्र )
                 पुष्टीकरण (उ. प्र.) सपूष्टि (वि.) समर्थन।
    पुष्टिकारक पुष्ट पुष्टिकार, गौष्टिक वसवर्धक वसवीर्यवर्धक :
          पुष्प दे पूचा
      पुष्पत्तम्बा वे कामवेच।
       पुष्पकाच दे कामदेव।
     पुष्पपाला यकरा कृतवाला वाका हार।
       पुध्यस्म दे पराव।
       पुष्परस मकरब मधु।
       पुष्पसर दे कामदेव।
      पुष्पायुख दे कामदेव।
        पुष्यित कुमुमित पुष्यपुष्त फूना हुना।
        पुस्तक १ किथान ग्रंप पुस्तिका योचा योची २ कृषि रचना।
    पुस्तकात्तव
                न्तुवकामा प्रवागार, प्रयाजय साइबेरी।
पुस्तकालयाञ्चल
                वंषपान (म प्र ) ग्रंपाध्यश (उ प्र ) ग्रंपादारिक (वि )
                साइवरियम ।
                (pamphlet) १ ग्रीबका वैम्छमेट (बि ) सबुपुरितका
      पुस्तिका
                (म प्र•) क्विविया - विम्यास-पुस्तिका कॉपी।
                दुम पुण्छ पुछल्मा सीवृत्त ।
         प्ंड
         पुंजी १ जमा बनावन धन-दोसत स्पए-पैसे संवित धन सरमामा
                २ जमीन-नामदाव नावदाद द्यन-संपत्ति मिस्कियन सपति
                ६ दोसत ४ भूतदन लानवे।
      र्जुजीपति
                समीर, सनदुनेर धनाक्य धनी प्रत्मासक संपत्तिसासी संपन्त
                ममुद्ध धरमायशार गुर्धपन्न सेठ।
      पुंजीबाद कैपिटमित्रम ।
     प्रतीवादी १ कैपिटलिस्ट २ प्रतीवाय-विषयम/संबंधी ३ प्रतीवादी
                व्यवस्था बाला ।
                ठेपूबा पूड़ा मामपुष्पा।
         पुर्मा
                है जादर द्रायत बड़ मान २ ीन चाहु, मॉन चक्रत
          98
                क्षम्ब ।
 ३६२ / हिन्दी पर्याय कोस
```

पूर्व १ पूरा समुचा २ संत्रन्य समाध्यः। पूर्वार पूर्विमा का बीट राक्षायांग राहेख।

पूरी पृक्षे लुपूर्द।

में-विद्यासक मिथिक पूर्व युवस्थम संयुध सवस समग्र समस्य समुख्य १ वरिपूर्व धरपुर, घरा घरावृश्य समाप्तव राग्य तथाम समाप्त ४ नाउँ। पर्वाप्त वर्षण्ड वपप्ट । दुश्ति परिदूर्णभरा-पूरामराह्वाः

पूरव पूर्व शाबी मशरिक। १ मधिम भव-मे-दिन तमः मार्चतः माधोषाम तयाम नव पुरा

पुरक अनुपुरक वरिपुरक संपूरक।

भूनी पेजनी वेचनी।

पूनम पूता दूषमाधी पूषिमा राजा।

पुत पाक पाक-साम्र, पावन पुनीत।

पुत्रवदार वर्त्यत पुरुष वर्त्यन सम्मान्य परम बाधरपीय समाहरपीय।

दे पुत्रनीय । पुरुष

ध्याप

प्रका १ अर्थन अर्थमा अर्था पुत्रम पुत्रम-बर्धन पुत्रन-बंदन पूर्ति पूजा विद्यहर्नुका २ काराधना स्थासमा इकावत परस्तिम ६ श्रीट-चटकार ताकुमा भार-पीट।

पुत्रनीय । बाबरधीय पूज्य मामनीय श्रद्धय सम्माननीय सम्मान्य २ अर्थेशेय आधारम जवासनीय जवास्य वृज्जान्योग्य वृज्जाई पुत्रप वस्त्रीय :

**पुत्र**ना मर्चना करना बाराधना करना इवाहण करना पर्यस्त्रम करना पूजन करना पूजा-अर्चा करना यूति पूजना।

पुरुष सर्थन वर्षमा सर्वा बाराधन बाराधना पुत्रा पुत्रा सर्पन पुत्रा अचना मृति-पुत्रवः।

करना दरियान्त करना पूछताछ करना यानुस करना प्रशा करना २ क्षोत्र-तवर सना समाचार पृष्टना हाम चाम पुछना ३ कत्र करना।

पहलाम प्रध्याक प्रधालाकी पुकायाकी र जिरह ३ इनक्यायरी विश्वाना (वि») परिपृष्ठा (म» म ) s १ छानबीन करना बालकारी सेना आग्र करमा आन प्राप्त पुएना

१ इनक्ताइरी पूछपछ २ खोतवीन छानवीन गाँच ฐมสาช

```
पूर्णेतः
                                                                   पुष्ठगोपक
        पूर्णस
                  अण्डी तरक्ष सं पूरा का-पूरा पूरी तरह है पूर्णतया पूर्व क्य
                  से विल्कुस संपूर्णतः, समग्रतः समूचे का समूचा सरासर,
                  धर्मका ।
        <del>पुपता</del>
                  भववता संपूर्णता ।
     पूर्वमासी 👚
                 पूर्वम पूर्वो पूरवभाक्षी पूर्विमा शका।
       पुलिमा पूनम पूनो पूर्णमाधी राका।
         পুরি
                 (supply) बायुर्वि (बि.) संयुर्वि (ब. प्र.) स्प्रार्थः।
          पूर्व
                 १ धप्र (सप्रसोधी) जावे इकार प्रश्ने प्रारू (प्राप्तकार)
                 २ वत विवत ६ पूरव प्राची मक्षरिकः।
       पूर्वप्रह
                 (prejudice) पक्षपात (स. म.) पूर्वापङ् (वि.)।
        पुर्वम
                 बाबा-गरबाधा पुरक्षे पूर्वपुक्त्य वातवादे बुदुर्गः।
   पूर्वपीठिका ।
                 बायुच बारंपिकी प्रस्ताकतः प्रस्ताविकी प्राक्तकर प्रार्टिकी
                भूमिका ।
```

पहने-वैद्या पहने-सा पूर्वानुसार। पूर्ववत् पृष्किष्ठ दे पूर्वप्रश्न

रिक्षंम । पूर्वाभ्यात

१ पूरव का पूर्वविदा २ पूरवी प्राच्य वसरिकी। पूर्वी चपरानत उपर्यक्त पूक्कवित ।

पूर्वोक्त पोप । पुष्ठ

सलगाच सप्तह्दवी चुदाई पार्वदय पृथवत्व घिरनता। पुनकता

पुत्रकताबादी सलगाधनादी ।

बसव जनग-मनन अभगा-विभवी अभरूवा पुषा स्थाध पुषक मिल विशुषत विसय।

भौग मोटा विश्वास विस्तृत । 77

वड़ा सवा श्रीड़ा विकास विस्तृत। पुष्स

अवका अवनि अवनी अवस्, जबती असीन वस घरणी पुष्पी श्राप्ती धरा पृथिनी भू, जूतन भूमदक्ष भूमि नही मैदिनी रत्ननर्मा रशा बनुबरा बनुबा बनुवती।

पुच्योगरम वे राजा।

१ पन्ना पेत्र भरक बर्ज शहहा सद्धा २ विक्तामान पुष्ठ पौक्ता पीठ, पुत्रन पुष्टबाग ।

पदाधर पक्षपीयक पीठ ठोवने बाला पैरोरार, ननर्पर **बृ**ध्ठयोबक

<u>पृष्टपोष</u> प

हिमायती ।

पञ्चनावय पीठ हास्त्रा दैरदी समयत हिमायतः

वृध्यमाय बीक्षा पीढ, पुश्य वृद्ध ।

मुस्टमुमि वस्थिकम वस्त्रिम वीडिका पुक्रमीटिका पृष्टामार

बैदधातह १

क्क १ तीन स्कृत २ तस मधीन यंता १ ऐंडन पुनाव वस्त्रा, लोटा ४ उनसन ससट परेसानी बबड़ा सफना।

पेंट रंप रय-रायन केंद्र :

पेंडर विवेश वित्रशार मुनम्बर।

बेटिय वित्र तस्वीर, रममात्री।

चेडिए अनिमीन स्टाहुआ नदिन ।

रेंदर बाजार बाधारतस दशा।

पेंशन निवृत्तिक (उ. प्र.) निवृत्तिकेवन (वि. स. म.)

निवृत्तिका। पॅत्रमनीकी पॅक्रप्रसाही (स अ ) निवृत्तिकोषी निवृत्तिवेशन प्रोमी (दि

स प्र)। यक्ष १ उपाय चान दौर (बूम्पी वा) दौरोच पुष्टि २ उस सन विताद चदवर, ससर समेशा ३ मत्रीन वा पूर्वी

म्बू।

वेषणमः वैणेषणं रुत्रुशासरः वैचीराः पटित जेटिन देशः देशे सीर, बुमद्व वेषसार सेववाना

बुगिन।

देशः यमापृथ्यः वर्षे सङ्ग्रहा नद्राः।

मैं ट १ दुनारा पनुषासनू पनु२ त्रिय अमपाम ।

देह १ उपर अठर २ नोध वथ हुमम् १ अतकरम सतन् दिम मन हुदय ४ जीविका रोजी २ आहार मोजन (पेट को विनापजुन्यों तक को है)।

वेटिका निटारी पैटी वक्य बक्या बाँका अंजूपा समूककी अदूरपूर । पैटिकोड: गामा ।

पत्री १ पिटारी पेटिका जन्म बॉल्स बन्सा समूत्रा संदूषको सहक्ष्मी २ नमन्त्रक तस्या ३ वयसका ४ केटर

ट्र अनियोगी मन्त्राहार्थ गाऊ, बन्धोत्री सुरग्रह ।

```
पेटेंब एकस्य पेटंड।
  पेट्रोल पेट्रोल वे पिट्रोस।
          पेटर १ काबीपम कुम्हहा कोंहहा कुम्मांड् सीताप्टम २ पुनक
                 कोइडा मचुना सक्तर मुम्हशा।
           पेड्ड
                 तर बरक्त हुम भूटा वावप विटय वृक्ष ।
          वेड्
               उधर, नामि नामी।
           पैश
                क्रमय बागपेन केवनी शाहन पेता
         पेपर : १ कागक २ (किसी मामसे से सकक् ) कागक-पश्चर १ वर्षा
                परीक्षापण प्रशापण ४ शिवध प्रशास ।
          पेक
                क्रिका
          पैदा साने समझ सम्मुख सामने।
        पैशामी अवाळ, अगीकी बहित्य वेडवाय बवाना ।
         पेक्सा १ ज्याम काम काम-सम्रा कार्य संसा रीक्शार वृक्ति
                व्यवसाय २ वेष्यावृत्ति।
       पेशामी
               १ मस्त्रक माना समाह २ किरमत पाय्य।
       नेशस्य
                विशास कामकम (दिल्ली कादि ने प्रमुख्य) यूत यून समुख्या
                मुसु (बण्यो के लिए प्रयुक्त) ।
  वेदाव करना
                १ छोटी विमायत वाना निजंब होना बावकम जाता मृतना
               भवृत्रका करना बुसू करना २ अत्यव हैय समझना मानव
               ध्यमः ।
               मुकालय निर्मकालय कायरम कोटी विसायत (न्वतंत्रता के
     पेशाबपर
               पूर्व इस अब में प्रयुक्त करते। छोटा पाकिस्तान (भारत-विका
               भन ने नाव कुछ शता न हिंदुकों हारा अनुस्त सब्द अविन
               दोनों शस्य अय अप्रयागत हैं) ब्रुरिसन (
       पेरतर
               पहले पूर्व ।
        Φz
               पत्रमुन ।
         पैट बाजार, मानिट हाट, हाट-बाबार।
       पैक्टि गठधे पुलिश वदस ।
      पैर्ववर
               देवदूत नवी रसून।
              संक्रम विशेषा ।
       वैयाम
         वैड
               विध बताल पहुँच प्रवेश पराई।
               ऋस्प्रमान्त ग्रोबानी पुश्चीका पुण्तिनी क्वीली मीक्सी ।
       र्वतुक
६८६ / हिन्दी वर्गाय क्रीश
```

पैशा १ प्रापन्त जन्मा जन्मा हुवा प्रमूत २ मानद शामदनी साव नगाई क्रवन्त साथ ६ मन्दि स्थाया हुया प्राप्त ।

पैशासा जापत्ति उत्पन जग्म प्राहुशाँन।

पैराक्सी जन्मकात जन्म सं प्राष्ट्रतिक स्वामाविक।

पंशाचार स्थाद स्थादन स्पन्न स्थमा ।

पैना १ तीक्ष्य तेव बारधार मुझीला २ दूसाप्र तीक्ष्य तेव प्रकार (वींस पैनी बुद्धि) ।

वैश्व बश्नी बस्ती विवर्ती वेदन वैश्व !

पमादमः नाप जोखः माप। वैमानाः साप भागनः स्वेतः।

क्षा भागमान-क वेट देशीव≀

कर क पाना कैरकी १ पक्त-समर्थन समर्थन हिमायत २ (किसीकेपक्ष से)

नोधिक बीहबूप बीहमान प्रयास प्रामशोह । चैरा, पैरापाफ अनुष्केत फरिना ।

रैरायट धन्ती हवाई धनती।

परायुद ६२८ हवाइ ६७७०। पैरोनार वससर, परायोजन पृष्टयोधन पैरबीनार हिमादनी ।

पैरोडी वरित्रयानस्य विद्युप व्यामानुकरस्य व्यामकाव्य व्यामाहरू द्वारम्यास्य ।

र्पराबिक १ बानुस्य राससी २ कर कोर, वासिमाना निषय ३ बीमरूप।

र्यम्यः प्रथणांशि दुष्टना विज्ञाता ।

र्थेता १ जब टर्गनगुर नगुर-नारायण नक्ष्मी तर प्रस्य छन स्रतास एरसा-वैका २ कुछ येन चार वेले ३ शोसन प्राप्तन प्रस्य ४ धन-वोसन स्रत-नार्थास क्षमीत स्रवास सरमाधाः

पैसिकर परेशर पैथेशर मुनाफिर शाबी ।

वैतिक सक्ष्यंका अवायत निविध्य प्रमुख नृष्य योगा ।

पोनर बोलरा जलामय जोड्ड शील बाबर, तमाब दार्गण ताल तालाब बुल्बर, मानस माननरोवर सर सरशी सरोवर ।

बोडमी बहरी गर्टर नहाँ वैनिष्ट बबुचा। योग असवान महाज बनता बडी बीका पृक्ष्योग हिए।

योतः असयान महाज वनता बडी गीवा युद्धयोग दिए । धानमा भूगहमा सीवना सीवना-गीनमा ।

इटद / हिमी पर्याय की

ì

```
१ पौत्र २ दौड्डिंग नवासा गाठी ३ जॉट बॉडफोप बैजा
               ४ पोतने का क्यबा।
        पोती
              १ पौत्री २ निर्देशी नातिम ।
       पोवा
               बड़ी फिताब बड़ी पुस्तक बड़ी पोची।
       योगी
               १ किताब संब पुस्तक पुस्तिका २ इति रचना १ वाह
               मिपि मैथ्यूरिक्ट।
              निर्देत विना बाँव वा बेबासी (गवाक में प्रयुक्त)।
      गेपसा
  पोर्नेडोनियो १ मंत्रालय विभाग संविभाग २ वैका बीएडेस इपवैद।
               १ वेब अभी बीच बुराई (पोत बुलना) २ बठोस्ता
        घोस
              कामीयन रिक्ति (डोस मे वोस) । क्या दश स्तम।
      पोना
              १ मठोध काली बुक्ड कोखना रिक्ट २ प्रमुप्ता
              ३ बसार करवारीन निस्सार।
      पोली
              चीनाम ।
     बोशाक
              क्य हे कप हे-मत्त देश परिधान पहताबा मिवास वर्शी बहन
              वेश वेश-भूपा ।
              अप्रत्यक्षता गोपनीवता वृष्तता पुराता छिपाच प्रच्छनता।
   चोडीडवी
    पोझीवा
              अप्रकट अप्रत्यक्ष कृष्य पुद्धा छिपा प्रचन्न ।
     पोयक
             १ पासक पासक-पोपक पासने वासा २ पौष्टक वर्षक
             मेहतर्मव स्थास्प्यवर्धकः।
              १ पासन-पोपक २ वर्धक संबर्धक ३ मदद सहायता
     पोयम
             ४ समन≀
    वोवित
             १ पाला हुआ पालित पालित-गोपित २ रक्षितः
             बोह्या अवह गौक्यी पर स्वान।
     धोध्य
पोस्टबॉक्स
             शास्त्रकाता शास्त्रपर पंचासय (
  पोध्यकार्ड
             काई।
  पोस्टपोन
            (बावे के लिए) टाल देना विभवन करना नुस्तको करना
            स्वगित करना।
     STATE
पोस्टमार्टम
            भीइकाइ शबपरीशा।
            बिद्धीरसी झाबिया।
   <del>धीस्टर्</del>यम
             प्रश्तकार विशापन।
    पोनदर
            रिकट शक्त्रच महमूम।
    पोस्टब
             १ सफीमपी काहित नतेवाज नतेही २ आसरी दौना
    पोस्ती
```

बीना-बामा निनिम गुस्त । 巾 १ शातकासीन किरण/प्रकास २ पी पटने का समय प्रात प्रातः भीर, सबेरा सुबह। पौरी वे सीकी। पीड़ना पड़ रहना किस्तर पर का पड़ना सटना खबन करना छोना। पीत्र १ पोता २ वीक्षित्र नवासा माती। पौत्री १ पोती २ मितिनी मबासी नातिन। भीव १ छोटा पाँचा पँजीपी बैहन २ पीड़ी (नई पोट)। पोवा १ वे पीद १२२ सुप पीका। पीया जुप नवा छोटा वेड समृदुस । पौनपुनिक मानृतिक पुनरावृतिक। पौन पुन्य भागवि पुनरावृति वार्रवास्ति। र नावरिक पुरवासी २ नगर-विपवक/संबंधी पुर का/ सर्वधी । पोरजन मनर-निवासी नागरिक कहरी। पीरमुख्य (alderman) एस्वरर्धन (वि ) नगरमूख (व प्र वि ) पूरवी पूर्वी प्राच्य सवारिकी। पोदय . १ पुंछत्व पुरुषत्व मदनियी २ उत्तम पदावम पुरुषार्थ साहस हिम्मत । पीवचेत बावमी का किया हुवा समुख्यकत सानवकत सानवीत। पोरोहित्य प्ररोहिताई प्रदोहिती। पौध्तक पुष्टिकारक (है ) बस-बीयंबर्धक पुस्वास्थ्यकर। प्ताळ । बससम पीसमा पीसरा सबीस । र पैक्स २ पैक्स विचाही १ इत हरकारा । प्यार अनुराय जावनाई, जासिक इस्क प्रतियत उस्कन बाह दुसार प्यार प्रवास सीति सेम प्रसमाव समता समत्व पुरुष्यत बोह रिंत राग समाव साह साहस्थार, सी बात्सस्य स्नेह हेतु। र मण्टा युवमूरत बहिया भना (वीने प्यारा बास्त्री) २ दुसारा धिय बेमी मनमोहन नाहसा साहसा। हिन्दी वर्गाय कीय / ३ वर्

प्यारी भहेती जनिया चानी विश्वजानी विशवबा बुलारी प्रान प्यारी प्राणवस्था प्रियतया त्रिया प्रीतिमा प्रविका ग्रेगसि प्रेयमी बन्तमा यानुक मानुका मानुक रानी हृषयेत्वरी।

प्याला क्टोरा विकास जाम पियाला प्याली।

प्यास १ तिकावी तथा पियासा २ लासच सोध ३ प्रवस

कामना समक भागसा। ध्यासा स्पाबंत तृषित पिपासू।

प्यतः चपपती हरकारा।

प्योर जसकी शासिस सद।

प्रकट विभिन्यक्त बनावृत्त अयौ छवाड़ा खुना तमुदार नुमावौ प्रकटिक प्रकावित प्रवट प्रत्यक प्रत्यक्षी शत काक रोह्रम क्षांत राष्ट्र संदर्भ

प्रकरण प्रशंग विषय लंबचे ।

प्रकृषे : अन्यूष्य जल्कयं चन्नति तरक्की।

प्रकल्पित कल्पित (विहार) संभावित (वि ) संभावी (म म ) (वैस प्रकरियत बेतन presumptive pay) (

चलम प्रशस्त बहुत बड़ा (प्रशाह पॅडित) **बे**प्ठ । प्रकार

१ जिस्स टाइप कप भेव २ ईप तरह, तरीका प्रति प्रदार मांति मीनी (मैसे इस प्रकार से इस वंग/तरह/पड़ित/माित/ धैमी थे)।

काम कार्व प्रनिश्चम । हकाप

आमा आलोक स्वाला स्वियार उविधारी स्वियामा प्रकार जबेका काठि चरिता चौरती क्योचि देव शेवित प्रतीरित प्रमा लाइट निमा।

पव्यवस् । STREET,

१ प्रकाशित शति/रचना लावि २ विश्वकेतन १ वर्षि प्रकारत क्यक्ति प्रकटीकरण प्रकास में भागा विकायम ।

आसोकमय प्रज्ञवस कोतिमय कातिमान व्यवस्ता व्यव प्रकाशमध बार चमकीमा चमचमाता जाउपस्थान व्योतिस्मान क्रोतिर्मय केबोमय बीप्त देवीप्यमान मकाश्रमान प्रकास क्षान जकानवृत्त प्रदीप्त भारतर।

१ छना मुक्तित सामा २ विज्ञापित सुनिता। प्रकाशित

प्रतीम १ सम्पन्धास्त्र स्वावतिया सम्बद्ध क्रियामा हुवा कटका कुटक्स विवाद हुवा विवर्धस्य २ विवर्धा मिला-बुना विक्रितः

प्रकारित बायबबुका कृषित कृत वाधित सुध्य साथा बीसा हुआ यमें युस्पा अस्कार्या हुआ तिकस्थित्राया हुआ नैय में नाराज बोक्सारा मूँह कलारे एट।

प्रकृत अविष्य अवसी मून यथाय सच्या सहय साधारण सामान्य !

म्हरि १ इवरत निवर्ष नेवर २ तावीर मूल पूज १ मिजाब स्थानक ४ मुल कर वहुक रूप (वैश भागा वी प्रशृति)।

प्रकृतिस्य प्राहृतिक स्थिति में भारतिक क्यं में नह्य स्थाप्राविक क्यं

प्रकृत्या अवृति है भिनायन स्थनाबनपर स्थमाय में।

प्रकृष्यः सबसे अच्छा उल्लंघन उत्तम बेहनरीन धेष्ठ सबम बहिया सर्वेश्वयः वर्गोलमः।

प्रकोप दे जोस।

प्रशेष १ वलाई पहुँचा २ कमरा काठरी वीटा।

प्रकमः १ गम निमानिता २ माबाब मारंग उपस्म प्रारंत्र शुक् १ वेग (दे०)।

प्रक्रिया है स्था

प्रभासन भ्रोमा मौजना साळ रासा।

प्रशासित क्षेत्रा क्षेत्रा-ग्राया सीमा सीमा-क्षेत्रा मार्थ्यत मार्थ्य स्थितः

प्रशिष्ट १ तिकार बासा हुवा फेंडा हुवा (विसी पुल्लक कार्ट में जूल नेधन के बाद) मिसाया हुवा (बाद मे) बाहा हुवा बड़ाया हुवा।

प्रतिष्ठ वसाकः।

प्रमार १ तीरण तीज तेन पैना (अंके बुक्ति) प तीरण तेव धार बार, पैना (अश्यादि) :

प्रसारका है तीव्यका तीवना तेवी वैनायन २ उपना प्रचंशकर ।

प्रस्थात हे प्रसिद्ध।

प्रपद्म है महट।

प्रवर्ति । १ वयसरहोगा वालेवदमा बहुती बहोतरी २ उल्लय बल्पाम उन्तयम उच्च १ चन्नति तरक्की प्रोम्नति ४ मुखार १ ईपुबयेट विकास ।

प्रगतिवादी ( प्रमतिचील प्रोजेसिक २ प्रमतिवाद-विषयक/संबद्यी।

प्रवास १ नाववान प्रकारण १ प्रावस्तान प्रतास । प्रवास १ वर्षक उठाठ पुरसाए डीठ पुरन एक प्राप्तिकासी निवर निर्धय निर्मीक, साहसी ३ वड़बोला वय-वड़बर बार्टे करने वाला बेलगान मुंक्ट ४ दुर्की-वर्नुकी करात देने वाला १ साइको स्टब्साई १ वडवर्डु, स्नूसन्त्राति हाविष्यवास ७ वहुर (१)।

प्रगाह १ गमीर वहरा (प्रवाह निक्रा) २ वाहा समय ६ सर्तिसय अस्पिधिक संदुष क्षीप्रक प्रगास (प्रवाह प्रमा)।

प्रयोत याना योत् बीति गीतिकाच्य निरिक्त।

प्रचंड १ वस शत्कट कोर जवार, जयकर, शयानक श्रयावह मीयन निकट २ तीच तेंड (पति)।

प्रचंडता १ प्रमता जल्दता वरावभाषन भर्यकरता भवानकता भगावत्ता भीमता भीषकता देवी विकटता २ दीवदा।

प्रचलन चलन प्रचार, रिवास।

प्रश्नाति चमता चलनेवाला बारी प्रथमनवाला प्रधार में राज्य।
प्रभार १ प्रोपेपैडा विकायन २ चलन प्रथमन रिवास ३ स्थाति
प्रसिद्धि (१) ४ (publicity) विकायन (य प्र

प्रकाशन (म॰ प्र )। प्रकाशन (operation) परिकासन (स प्र ) कामन (स प्र

स प्र ) श्रंचालनः।
प्रभुर १ स्रति स्रतिसम् असीव श्रंचियक अपरिमित्त अनित प्रभास प्रभुत बहुत श्रुत स्रोतिक प्रस्तुर, विपुत्त २ काफी

पर्याच । प्रमुरता १ मीतस्यता मत्मिक्ता मधिकता माधिका पूर्णनाता

प्रमुक्ता ६ वारास्थाय वार्याक्षण वार्याय प्राप्ताय प्राप्ताय विपुत्तरा २ काफ्री होना पर्वाप्ति । प्रमुक्ता मृध्य किया बका।

সংক্রমন মুখ্য ভিয়াভক প্রস্থান মুখ্য ভিয়াভক

प्रज्ञा जनता रिक्रावा रैवत ≀

प्रजातीत वनर्तम समहूरियत हिमाँकेसी लोकर्तन सोकसाही।

33

भाषिन जानकार शामी विश्व विद्वानु ।

१ बतमान बांतरीय भाग २ वृद्धि (दे )। ময়া

STATE

जनता जाश्वस्थमात होना देवीप्यमान हाना गदीप्त (नगः) प्रश्वनित्र होता होना । (बिजा)

> १ प्रतिका क्षत्र ए बटल निरुपय ध्रुव निरुपय निरुपय इच

न्य सम्भ दीन विनम्न विनारीम विनदाः। <u>इ.स.</u>न

प्रमाणा द्वारावर, दीनरसकः ।

प्रकृति है प्रधास।

अनुरक्ति अनुराद आपन्ति प्यार, मीति प्रय गुरुवत रति 보도다 मंद्र १

प्रमोतिका १ जिल्लामा जिला प्रसिद्धा २ पणी (दे )।

मन्दी १६ प्रमी २ दे पति।

प्रवद १ औ. ऑशार, आशार मंत्र सोश्यु २ दे ईंग्वर। प्रचाम अधिवंतन अधिवादन अस्मतामजनैतुम बादाव बादावेश्वर्य करमार्थी करमधेशमा शहबत समय ममस्यार महाने पामारम प्रपति बापी समाय समायबरीहर बैन्दर

२ बानावरी जनराम अस्त्रकट बाधी बाधीहरूय बाहिद नवहिंदी गम सम बंदेमापरम् ।

मभियादन करना जनार करना नवमस्तक होना निक्तकाना प्रवास करता हाय बोहना हान निनाना । 'प्रमाम के बार्निन पर्यायों में भारता जोडकर जीर की जियाबाकी पर्याप कर सकते है।

१ वान क्रेंश कपूर, परवच परिवादी क्रमा रिवाक स्वेक प्रमानी २ क्षापदा निम्म व कार्यग्रहनि कार्यप्रधानी कार्यक्रिय বিভাগতাৰি বিভাগিতি হ'ব প্ৰদীক প্ৰথম পত্ৰতি ভিডি रीति मेनी ४ इंत्रवाम बंदोबस्त ब्यबस्या ६ माली

परमाना । प्रविधि मृत्यवर पुत्र (१) भारता।

प्रयोग १ निर्मित समापा हमा एका हका रवित निर्मित । शृष्टिकार निर्माण प्रचरन करनेकामा एकमाकार एकपिता प्रचेता

प्रतियोगिता कंपटीता वडा-उपरी प्रतिइंडिता प्रतिस्पर्धा मुकाबना स्पर्धा इति होगहोती।

मितियोगी प्रतिवंती प्रतिस्पर्धी मुकाबसा/स्पर्धा/होड़ करनेवासा। प्रतिरक्ता (defence) वचाव (म प्र ) क्ता (केना राज उ प्र )

पुरका क्रिफावत।

मित्रक भेटका/बटका हुमा अवस्य ग्रेंगा हुमा कर्ना हुमा। मित्रकप १ प्रतिका प्रतिकृति सालान क्या ५ सक्स्प्रिक

पप १ प्रतिका विसमृति सालात् क्य २ मनुकृति प्रतिकृति

विष्णाया के बार्ल ४ नमनाः।

मितिरोध १ अडघन अवरोध सत्यावरोध वाधा रकावट शेक ध्यव

वानं स्थायाय २ विकाशन प्रतिवाद विरोध । प्रतिसिदि (copy) वनुकृति (स. प्र.) नोपी नवसः।

प्रतिकाद १ प्रतिन २ प्रिकाक्षण गोटेस्ट प्रतिरोज किरोध वै सस्वीकार, नार्मकृत ४ अवादी उत्तर प्रत्यूत्तर।

प्रतिवादी (defendent respondent) उत्तरवाता (न प्र) चत्तरवादी (च प्र म प्र) प्रतिपनी (म प्र) प्रत्यवीं

(सभी) पुरुवालेह। प्रतिनेदक (reporter) रिपोर्टर (केन्द्र पान कि ) नत्तनकुक

(तंप्रसंप्र)। प्रतिवेदन (report) रपट (दि संप्र) रिपोर्ट (वेन्द्र राज आहे)

विकास (केन्द्र उ. वि.)।

प्रतिवेती पडोस म शहनवासा पड़ीसी। प्रतिराक्त परसँट पीछडी सेकड़।

प्रतिशस्त्रः पर्याप समामानी समानी। प्रतिशोधः देवकाम प्रतिकार, बदला ।

प्रतिभुत प्रतिषय वन्नमयः।

प्रतिभृति प्रतिवद्याया स्थलपदता । प्रतिवेध १ निपेध मना मनाही योक रोक-टाक वर्गन वारक

२ पार्वशी प्रतिबंध ।

प्रक्रिप्टा 🐧 बाबर जानुक इरबत शेरिटन समावर सम्याम २ गीरक

मान मानमर्योदा ३ स्थापना। प्रतिस्टान निवम संस्था संस्थान।

प्रतिच्छितः । इत्याचार प्रतिच्छाप्राप्त प्रतिच्छावामा प्रमिश्च मानमर्यादा-

बामा मानसम्मानबाधा सम्मानित २ स्मापित।

प्रतिस्पर्धा प्रनिष्ठविता प्रतिनीयिता मुकाबसा स्पर्धा होह होहाहोडी। प्रतिक्षत्री प्रतियोगा मुकाबना करनवासा । प्रतिस्पर्धी

गेटकीयर कोबबार कौकीवार ह्यांनीकार दरवान हारपाल मितिहार

प्रतिहारी प्रतीहार।

प्रतीक १ (symbol) चिक्कसमेन (मंत्र) सरेत (जंग कि) २ चित्र यानक चित्र बोयक।

प्रतीकार के प्रतिकार।

<u>प्रतीका</u> इतकार इनकारी बोहना।

प्रतीता करका धान की बढ़ियाँ विजना जाने के दिन मिनना प्रा/प्रश निहारना बाट बोहना/बचना बेसती से इतवार करना

चस्ता/चह देखना।

प्रतीकी पश्चिम सर्वारक।

प्रजीवर पाइकारय पश्चिमी अंतरती।

সমীল भात मानुम विदित । प्रतीति

एतकार, प्रत्यय भरोमा बद्धीन विकास ।

भिस्सा धन्य की बोची विकिती । प्रस्त्यका १ अपराहा माँबो के माग/मामने उपस्थित इंप्टियन इंप्टि प्रसास

योचर, सालात २ बाहरेक्ट मीधा ।

कपर से कपरी वीर पर बाहिया है छन से । प्रत्यसत

१ एतवार नरीमा धकीन विस्थान २ अवधारचा प्रत्य~ मक्तमा । वयास्यय (ब्याकरम में पूर्व प्रस्तय तथा सहय प्रायय स अमय प्रत्य । हिंदी म हंती अय य प्रत्यय खब्द का प्रयोग होता है।)

धारत श्विमाणन नियमस्य प्रतिकार, प्रताकार मुखालिप्रव प्रशास्त्राह LESTER 1

प्रताबनन सीटना बापमी । प्रशासनन

प्रामानन (accreditation) वर्षितनीपृति मान्तवा (म प्र ) ।

बागा उप्पाद समावना । प्रस्वाधाः

इमके ब्रह्म/बिक्शन/बिम्द ान्ट बहिन बरन् । प्रस्पर

क्रमर का जनर अधाव अधाव ना जवाब जवाबी उन्तर। प्रस्वतर १ तुरत साम सनकाता स्वन्तियति २ वारपटु हाडिए प्रायत्यमधीन

हिन्दी बर्याय बीम / १६७

```
न्रयास
              १ अक्टियार, अधिकार, अधियत्व आधियत्य प्रमुख शासन
               सत्ता स्वामित्व हुकूमत २ (sovereignity)प्रमृत्व (वि )
नुवा
               प्रमुसला (केन्द्र राज उ प्र आदि) सर्वोच्च सर्ता
      प्रमुद्धाः
                (केम्ब्राचि) ।
                दे प्रभूता।
        प्रमुख
                इ बहुत ।
                 बादि ब्रह्मादि वर्गस्य ।
         प्रमृत
                  त्रची मनपुनती नवबीवना बुवती रमणी सुवरी।
                  टाइप तरह प्रकार, थेह ।
         प्रमृति
          प्रमेष
                   उपपति पूछ, सबूठ शहाबत माध्य।
          प्रमदा
          সমাৰ
                   । उद्योशिक
       प्रमाज्यत्र
                   साबित सिखा
                    क्रमबद्धान अधावधानी सप्तमत गणती शील भूमपुत्र
         प्रमाचित
                    अधिप्रमाचन ।
      प्रमाचीकरण
            प्रमाद
                    कापरवाही ।
                     असाबधान प्रमाबदुक्त सापरवाह ।
                     १ अवयो अधिम बीफ, नाबक (chiel अ प्र ) नेता
            प्रमादी
                      प्रधान मुख्या वरेण्य २ खास मुख्य।
             प्रमुख
                      मुक्यतः, जास तीर वर ।
                      मानविक खुक (हे ) प्रसम्न मुक्ति इविक।
            प्रमुखस
                       भागेद (दे) युकी प्रसम्मता हुये।
                       क्रमबसाय उद्योग काविस घेटा वतन हुए शोर-पूप
             प्रमृदित
               प्रमोद
                        कोशिक विद्या वितन विद्यम्प प्रचार करना बाकास-माराज
               प्रयत्न
                         एक करना वनीन-वालगात एक करना वान सड़ा देना जी-
                         जान सहा देना जी-जान से कोशिश करना जी-तोड़ कोशिय
           प्रयाम करमा
                          करणा भणीरच प्रवास करणा हुर लंबन प्रवल/प्रवास
                           इसाहाबाद, तीर्वराज संदम ।
                            अध्यवमाय उद्योव कोशिक केट्टा अतन दोह-मूप घर्गीएक
                           कूच वसन प्रस्थान मार्चे।
                   प्रवाप
                   प्रवाच
                    प्रवास
                            प्रयस्त यस्म ।
                   | दिल्की वर्षीय कोश
```

प्रयोग १ इस्तेमाल जनयोग जनभोग व्यवहार, सेवन २ एसस

पेरिसेट, क्यौच-परक्ष परका परीक्षण १ तजुर्वा ४ प्रचानन। प्रयोजन १ क्यपीयट वर्ष (जैसे सर्मार्थ) इस्ट स्वरूप स्पेय सरुप साध्य २ दे अभिप्राय १ वे स्वयोज।

प्रमानंकर क्यामत कहरकानेवासा कस्पातकारी प्रश्नमकारी शहार कारी सर्वेशायकारी।

कारा सवनायकारा। प्रमाम क्यामत कस्योत कहर विनास सर्वनाय।

प्रसाद १ सन्वेस प्रायम सस्यन बक्ष्यक वस्थाद वस्यास

२ कदम सामाप फूट-फूटकर रोना।

प्रतीमन सासच सोग।

प्रकल छनी ठम बनावाच घोचेवाच धूर्त वंगसामगत मणकार रैवा निवार।

प्रवास्थार। प्रवंचना नपट छम छश्-कपर छम-छद् छम-छद्म साँदा ठनी

वता सोखा बुदा यंचना। प्रवचन १ तकरीर नायण नवचर व्याख्यान २ उपदेश नसीहन

विद्या सीख। प्रवच १ मुकाहुजा(जैसे धर्मप्रवच) २ प्रवृत्त सम्प रत सीना

प्रवर चयनतम व्येष्ठ प्रधान सर्वोच्य सीनियर।

प्रकार आरम्बर्गा (मन्त्रवर्तक धर्मप्रवर्तक) पत्तानेवाला। प्रकार धारम प्रारम सुरमात शुरू श्रीवर्णक सूत्रपात।

प्रचहसान प्रवाहतील प्रवाही बहुता।

प्रवासक चित्रर ।

प्रवाद १ सफवाह, विन्ववंती जनभूति २ वदनामी।

प्रवात (migration) देशांतरममन (म प्र) प्रवचन (उ प्र वि) वजन (उ प्र) परवेशामन विदेशनमन विदेशवास।

प्रवासी प्रदानक (वि ) प्रवासक (स प्र ) प्रवासक (स प्र ) परदेशी विदेशी।

प्रवाह १ गति रक्तार रवानी २ तारनध्यता निरंतरता मेरेतर्थे सातस्य सिवस्तिमा १ जनवारा घारा।

प्रवादित प्रवह्मान प्रवाहबील वहता बहाया हुना ।
प्रविद वार्यप्रकृति वार्यप्रकाली वार्यविधि विपायकारी
विद्याविधि दंग नवभीय तरीवा वजन प्रविद्या प्रवासी

चीति विधि श्रीमी।

प्रविच्य १ वासिक वासिका पिसा प्रवेत पाया प्रवेतप्रप्राप्त २ मुसा चुमा सँसा पैठा भीतर गया।

पूर्वा वर्षा प्रशासित गर्या। प्रयोग कुलस जानकार चतुर वस निपुण पट विक्या विकारस

प्रवास प्रतास निर्माण पर स्थाप पर स्थाप पर स्थाप स्था

विशेषकता। प्रवृत्तः १ सम्बद्धः सीन विरुत्त संस्था २ शुकाहुवा परायक

प्रवणहील । प्रवृत्ति प्रकृति मनोवृत्ति मिक्षाच स्त्रेच स्वमाच ।

प्रवृत्ति प्रकृति मनोकृति मिकाल क्षेत्र स्वमादः।
प्रवेशः १ ऐक्यिमन वास्तिमा २ एटेटी प्रवेतकार १ गति कुछर्गठ

बनाम पहुँच बैठ रक्षाई ४ वानकारी ज्ञान। प्रवेशपत्र ऐडमिट नार्ड पास १

प्रकारण प्रकार कर पास ।

प्रश्नीसम् १ प्रमाश करनेवासा प्रकारिकरण वयाननेवासा वहाई करने

कामा क्रिक्रणयक २ अवस्था वायस्थ

वाना विकरणसके २ लुकामदी वापमूतः। प्रसंक्षतीय वानवंदतीय काविनतारीक प्रवंस्य स्मावनीय स्माच्य

खराहरीय स्तवतीय स्तुत्य।
प्रशंसा १ व्यक्तिबंदन अभिमेदना युवादीवंग बुवामन गुवानुवाद
तारीफ प्रकरित बचान बढ़ाई महिमाधान यद्योगान विरद

गान क्लावा समझ्ना साधुबाद स्टबन स्तुतिगान २ चाटु कारिता वालमुखी। प्रक्षा करना 'प्रकंडा' के पर्याची म 'करना' बाइन म आसिस्स्त अन्य पर्वाव हो मनत है। करन मुँह मियाँ सिट्टू बनना (बरनी प्रसास के किए) आसमान पर चढ़ाना नौटा में पसीटना (बरूट प्रसंस

करके) सारीण के पुत्र बौधना पूरि-मूरि प्रतसा करना मुक्त कठ सं प्रणेशा करना। प्रसास चुका वहा नेवा नीवा विस्तीचं विस्तृत। प्रतस्ति दे प्रतसा।

प्रशासतीय प्रशासनिक प्रशासन विषया/संबंधी।

प्रशास्त ६ अवता । प्रशासक (administration) प्रशासक व्यवस्थापन (स प्र )। प्रशासन १ एवसिनिस्ट्रमन ज्ञासन ेन प्रवेश व्यवस्था ।

प्रतासनः १ एवमिनिस्ट्रमन नामनः २ प्रवंश व्यवस्थाः । प्रतासनिकः प्रजाननीय प्रतासीः।

मसाती श्रवास ४२/दिन्दीपर्धासकीव प्रस्त १ व्यक्तंत प्रक्ष पूछताछ पृष्टा सवास २ मसमा विचारणीय विषय समस्या।

प्रश्तपत्र । परीक्षापत्र पत्रों पेपर।

प्रशिक्तर १ समान-जनाव २ तयोपरमन वातनीन संबाद।

प्रथम १ आह्न काच्या आस्य-स्वात ओट वर्ग सरक्ष २ आस्पा ३ टेक बाबार, सहारा।

प्रश्नवदाता आवययाता सरकाक सहारा देने वाला।

प्रश्वास निष्यास (बाहर निष्मती) सास ।

्रप्रतेषः १ तकरण संदर्भे २ विषयु ३ अवस्यः, मीवा ४ घटना।

प्रसम्म १ सामस्म उत्कृत्स उत्ममित सिमा चुम निहास प्रकृत्स प्रमुदित प्रसम्मसित प्रहृत्ति मगम मग्न शृदिन मोदपुरन इपित हुमसित २ तुष्ट सतुष्ट ३ मुखी ४ सनुसून।

असन्तता प्रतम्न होना मानव चरपुरमता तुमी प्रपुत्नता मोर हर्ष।

र आये बिन रहना आर्थे हमी हाना आहारिन होना अन्तरमण्डान आनरण होना आर्मार होना आहारिन होना आहारिन होना उरपुस्त होना अस्मित होना उरपुस्त होना अस्मित हमा अस्मित होना हमा विकास हमा अस्मित हमा हिन कार्याह हमा अस्मित होना प्रमुख्य होना अपूर्वन होना प्रमुख्य होना अपूर्वन होना प्रमुख्य होना अपूर्वन होना अपूर्वन होना स्मान हार्याह होना मन का समाना कोर्छ जिल आसा साम साम होना मुस्ति होना हुएक होना उद्युक्त होना हुएका हुएका

प्रसद्ध १ जनग समिवरी प्रजनन प्रमूति २ जन्मति जन्म पैदाइम ।

प्रतयाह्य जण्याधाना जण्यापर आपा प्रमूतियामृह सैटनियो हास सोरपृह शीरी।

प्रसाद १ मनुबह् इता थ्या महत्त्वानी २ प्रनाशी।

प्रमाधन टाइमेट बनाव श्रृपार शत्रागः। प्रमार १ थमार पैमाव विस्तार २ म

१ प्रमार पैसाब विस्तार २ प्रचार शाहरत १ (uans mission) प्रमारण वारपमन (उ. प्र.) पारेषण (उ. प्र.) संवरदा (वि.) शंचारण (वि.) ४ टीनवास्ट कैनाना बाहदास्ट खंचार। मसिब मग्रनभ्य कीर्तिवान क्यांत क्यांतिनामा क्यांतिपाप्त मध्य माम्य जाने-भाने मामबर नामी मामी-पिरामी प्रस्मात प्रतिदिक्ष मसहूर मामनीन मान्य यहस्यी सम्बाहित्र विक्यात विभूत कोहरतयापता सुप्रसिद्ध सुविक्यात स्थनामधन्य ।

प्रसिद्धि कीर्ति क्याति नाम नामवरी प्रतिष्ठा मसङ्ग्री मश कोहरत ।

अन्तरीती जच्या प्रसूता। प्रसुत्ता प्रदुतिकामृतः दे प्रस्वपर।

의 중작 दे पुत्र।

प्रस्तर दे प्रत्यर।

१ तमबीन मस्यापना (proposal) मुसाब (केन्द्र च प्र+ प्रस्ताद य प्र•) २ निर्देश मेळा

आमुक वीमाचा परिचय पुरोबाक्, प्ररोजना प्रस्ताविका प्रस्तादना प्राक्त्रधन धृमिका।

१ तथत कटिका कमर कसे हुए, तत्वर वैयाद, मुर्त्तद प्रस्तुत सम्बद्धः २ मायादा उतारू तुसा तुसा हुमा ३ उपस्थित पेष्ठ मौजूब वर्तमान विचनान (

प्रस्तुत करनी माये रखना (म प्र ) पेश्रकरना (चि म प्र+) समक्ष रद्यमा सम्बूच रस्त्रमा शामने रखना (वि ) ।

प्रस्कृतकर्ता प्रन्ताता प्रोद्यूसर । प्रस्तुति ३ प्रश्चेन प्रस्तुतीकाश २ व्यक्तिय ३ प्रकृष्ट स्टुर्वि

प्रचंगा । (presentation) उपस्थापन (राज म म ) प्रतिपादन प्रस्तुतीकरण

(अ॰ घ्र) ग्रेजेटेशन भोडवशन ।

प्रस्थान •ूच नमन प्रयाच **र**णानगी।

त्रस्पृतित १ मुका कुटा २ थिमा सल्ट्राच प्रपुल्य विकसित । प्रस्वेद पर्याना ।

प्रहुर १ पहर याम २ पास्ता

भोवदार, भोडीशार, क्योतीशार, बरवाम क्रास्थास पहस्त्रा प्रहरी महरेबार, प्रतिहार प्रतिहारी प्रतीहार खंबरी।

भाजमण आधात चीट टक्कर, ठीकर ताइन ताइना चपैहा

मप्पत्र प्रवक्ता पिटाई कार बार ।

प्रहेलिकः कटप्रश्न पहेली बुक्तीश्रमः।

प्राप्त अक्टर, बहाता अपन चौक सहन।

प्रोजन १ परिमाजिन परिष्युत सुसस्कृत २ धाराप्रवाह प्रवाहपूर्ण मुहावरेषार १ स्पष्ट साफ साफ-सुवरा सुवाब सुमन्ना

स्थप्छ ४ महन्।

प्रांत १ प्रदेश सूद्रा स्पेट २ सवल ध्येष खंड सूमियाय ३ पृथ्ठ भाग सीमा हव।

प्रोतर १ अवन क्षेत्र खंड ब्रदेस भूमियाय २ वंगम (दे ) ३ तमाइ निजेंग।

प्रांतीय क्षेत्रीय प्राश्मिक सूबाई।

प्राइष्ठ के पुरस्कार।

भाइमरी (कसा १ प्राह्मरी गामा प्राथमिक पठगामा प्राथमिक कसा पाठगामा) २ प्राह्मरी स्कूम प्राथमिक पाठगामा/विद्यासय ।

प्राइवेट १ निकी ध्यक्तियत २ (pervate) कमासकीय (स प्र ) समार्कजनिक (च प्र ) केरसरकारि (वेन्द्र कावि) ३ यूद्व पाठी (च प्र ) ४ कुम्त (म प्र ) सोपनीय।

भारतिक १ कुरति नैश्चिक प्रदेश प्राप्त का निवासिक १ अर्हिम

सहय । प्राप्तराथन है प्रस्तावना ।

द्वावरममः दे अस्तावनाः। प्रावकतनः संवाजः सटकसः सनुमानः कृतः पूर्वानमानः।

प्रास्तर अनुगासक विद्यालय अनुगासक विश्वविद्यालय अनुगासक।

प्राचार्य प्रधानाचार्य विशिष्तः

प्राची पूरव पूर्वेदिका सर्वारकः।

प्राचीन १ अपीम क्योगी युरादन कुरावासीन युराना पूर्वकासीन प्राचनन प्रावकासीन २ दे प्राचीनदावासी।

धाचीनता वे पुरानापनः।

भावीनतावादी विवानुनी वरंपरावादी पुराननवादी ।

प्राचीर वहारदीकारी दीकार परशोदा।

प्राचर्व दे अधिकता।

प्राप्त चतुर, दश बुद्धिमान धराजानी विद्वान्।

प्रापः १ जान जीवन २ प्राणवायुद्धवा (महाप्रापः) ।

प्राणधन प्राधिकार

```
प्रावधन
            दे • प्रापयम्बद्धाः
प्राथवारी
            के प्राची।
```

प्राजनाथ वे जानवस्था।

प्राचपति वे प्राचवस्सम्।

प्राचयारी है पारी।

प्राथमिय १ दे प्राणकस्थल २ दे प्रिया

प्राक्तिया है प्रिया।

वीवतता सन्यिता स्वीवता सप्रापता । प्रामवक्ता पिया प्राथमा प्राथमाच प्राथमित प्राथमार प्राथमार प्राचनकार ।

प्रियतम साजन इस्य-रामाट हुस्येस्वर। दे 'पति तथा 'प्रेमी' मी।

के प्रिया। प्राचनसम्ब

प्राचवान् मानवार धीवत सजीव सप्राम ।

प्राचीत दे यस्य ।

वे प्राचनस्माधाः धायाचार प्राची नेतन जंतु, जानवर चीव जीवधारी देइधारी देहवंत

देहनाम् प्रान्धारी प्राचदान् करीरी । प्राचेत वे प्राप्तवस्थाता

भानेश्वर दे प्राचयस्त्रम् । प्राचेत्रवरी वे प्रिया।

प्राप्तः देश्मवेषाः।

प्रातत्रमर्मीप दे+ पुण्य।

शतराश क्या क्लेबा बाव (संदर्भनुसार) नास्ता।

प्राथमिक आदिम मार्रोप्तक एशिमेटरी प्राइमरी प्रारमिक।

१ मधता पूर्वपर्विता २ (priority) पूर्वेता (उ प्र प्राथमिकता

स प्र ) पूर्वस्थिति (स प्र ) पूर्विकता (स प्र वि म भ ) प्राथम्य (म प्र )। १ भाषियाँन उदय उद्देश्य गर्म पैराइस २ अब आरंग प्रापृत्तीव

प्रारंभ शुरू सुबबात ।

१ प्रांतिक प्रांतीय स्वाई २ आंजनिक श्रेकीय। प्रावेशिक प्रधानता प्रयुक्तता मुख्यता भेष्टता। प्राचान्य

(authority) ससा (वि ) । क्राधिकार

४ ६ / हिन्दी पर्याय क्रीज

प्राणिष्टतकरना (authorise) प्राणिकार देना (शक उप स्पन्न)। प्राप्तापक १ सेक्करर २ आवार्ष १ उपाध्याम (सून्न) स्थाप्तामा (तुन्न कि सून्न) ४ अध्यापक सास्टर मुक्तिस विभाव ।

प्रापर्टी समीन बायदाद जायदाद जूमपत्ति सपत्ति ।

प्राप्त अभिन अवाप्त आयत उपनच्य उपाधित यूरीत बस्त्याव सदस्यर निवा हुवा मुहैया सब्य बसूस नवाप्त इस्त्यत

हानित्तः।

प्राप्त होना उपराध्य होना दुलम न हाना नमीब होना (प्राय निधम से प्रदुक्त) वाला समस्तर होना (प्राय निषम में प्रदुक्त)

मिमना सुलय होना। प्राप्ति सवाध्यि आगम साय अपसम्धि मिमना साम समूसी।

प्राप्य विभिन्न प्राप्तीय प्राप्तस्य सध्य मुसस सुसस्य।

प्राणित वे मान। प्राणापिक (Authentic) अधिप्रयाणिक (कृत राज उ.प्र कि सार्व) समनी जाधिकारिक ठीक प्रमाणपुरून प्रमाणधिद प्राणिदन (स.प्र.) वास्त्रविक (प.प्र.) विश्वतनीय

सन्य (म प्र )। प्रायः १ वर्गीय-तीम तक्तियान वृहत करवे भवस्य २ सम्भर स्रीयन्तर नीमृतर त्याचान्य स्वर्णे प्रायश बहुसा वृहत करवः ॥ नीमारस्तर नामान्यनः (व प्राय साते हैं वि माधारणनः भाने हैं यदि वर्षः विशिष्ट बान नहो) ४ पूराः

पुनः, बारवार बार-बार।

प्राथितिक १ परिकोध कृति गांधन २ अनुनाप अञ्चलेस पटनावा परनाताल ।

प्रापितता (probability) समिनेशायना (उप्रक्रिक्ता (उप्र स्था ) संसादित (उप्र विस्पार्थ) संसादना (उप्र विस्पार्थ)।

प्रायोजक भागाजक स्पासककरनेवाला।

प्रारम

१ वस बारि, बाग्राम भारम १९नश उन्थादन उपनम विभिन्ना शिलास्पान सुभारन सुद सुदश्यन श्रीयपण समारोग सुवरात २ नाविमीन उत्पत्ति उदय उस्स पैदाइस प्रात्मितः।

प्रारमिक आदि बादिन आरोभिक दस्तदाई शादिमक प्राय (स प्र )

मूस जुद-जुद का।

प्राम्बर है बाव्य ।

प्राक्त कृत्यद प्राक्षक मसविका रूपरेका।

प्राचेना १ जनुन्य जनुनय-विनय जन्मर्थमा जर्व इस्तेजा इस्तवा इस्तवा पुलारिक निकेशन निकृष्य जिनती मनीती विन्तत विनती विनय २ वस्त्याच इवावत ज्यावना कौर्यन जन्म स्थल प्रजान कीर्यन प्रजान प्रवास क्षेत्र होता प्राचना ४ जर्जी जावेशन ४ वर्गीक ।

प्राणी अरवीदार उच्मीदबार निवंदक (दे ) सामस

प्रावधान प्राविकम प्रबंध ध्यवस्था।

प्राप्तिषिक १ जिल्हा उपयुक्त प्रसंगाधिक संगत संग्रह गुस्त्रक २ सानुप्रिक श्रीच छोगोषिक १ प्रस्तिक सामा हुजा

भाकस्थिक (बैंसे प्राथिक व्यव)।

प्रात्ताच वे महस्र।

प्रितिपतः प्रधानं कम्यापकः प्रधानाचार्यं प्राचार्यं शुन्य सम्यापकः हेदः सास्टरः ।

प्रियक्त प्रियमाधी मधुभाषी मधुष्मापी मिष्टभाषी मुदुषाची शीरी

जनों नुभागी। प्रिम जीव का तारा जॉब दानूर जॉय की पुतनी कंठका हार

 साथ को दारा साथ रागृर साथ को पुष्का कर का हार करेड्डार कहेता बुक्ता सम्प्रिय प्राथम्बारा प्राथमिय प्यास सावका साइका साम बरवन बस्तका दे प्राक-बासन समा प्रीमी सी।

प्रिमतम १ के प्रियन् २ दे प्राणकस्मणः।

प्रियक्ता प्यारी श्रेमिका (दे )।

प्रियदर्शन दे गुजर। प्रियदर्शियों दे सवरी।

प्रयक्ताता द सुवसा प्रियक्शी दे संदर।

प्रियमाची विषेशव विश्ववादी मधुरभाषी विष्टमाणी श्रीधैवर्ध।

प्रिया अवीचा चहेती चीवनसंगिनी विसवसा व्यासे प्रचयिनी प्राथितमा प्राथवसतमा प्राथवसी प्रियतना अभिना प्रेयसी महदूबा माश्रुका बस्तमा संविती सबती साकी स्त्रिशी इदयावरी।

प्रीतम प्रियतम्। दे प्रापनस्तमः।

प्रीति दे बसा

प्रीतिमोज विभाइत ज्योतार डिनर, सवन वैवरेट भाव शंव महा-भोव (म प्र ) समाव (उ प्र )।

मुर्ड (proof) १ प्रापृष्ट (वि॰) प्रापृष्टप (स प्र ) २ प्रमाण

सबूत ३ प्रतिरोधक (वीन बाटरपूक)। प्रतक १ बनक वजनेबाना इच्छा २ (observer) सबमोकक

(म प्र•) परिकोशक (म प्र ) वर्सक (वि ) सबीश्रक (उ प्र )।

प्रेतागृह छविषृह्व नाट्यपृष्ट् नाट्यपवेष नाट्यपाला रयमवन रथ भूमि रयमवय रमेशामा रयम्यनी।

प्रेवेंट उपहार मेंट।

पेड्रोत १ वश्त पत्ररौत २ खनिव तत्त तेन पिराय ।

ষৰ হীছুর।

बेतनी दे भूतनी।

भी के पूर्वता अनुसार आस्त्राहि आसित्त हरू दिनान्त उन्द्रज्ञ बाहु बाहुत प्यार प्रध्य प्रीति मुहस्तर साह पत्र पर स्वरत समाव सह सी २ अपनत्त अस्तान्त आस्त्रान्त्रा ३ मिनदा सीत्ती भीती औहर्ष ४ दुस्स स्वरत्ता प्रध्यक साह सात्तस्य ३ अस्ति श्रदा ६ प्रमाश

प्रव होता 'प्रव के बर्गामाश होता बोहकर प्रेम होता' के मामान्य बांच बत बाते हैं। विशिष्ट पाणि है बील महता बील सरता बील बार होता कीला में बनता बीलों में उत्तरणा सर्वाण बाता दिल बटकरा दिस बाता दिल कालता दिल स मामाता मन म बचना मन में रमना हरूर म बचना हरूर में मामाता।

प्रमाणियतः १ अपितन परिर्शमः श्रीहासियतः २ अधिकार अधिकारः सैन् अभिकारः।

द्रमिका द प्रिया।

प्रेमी अनुस्का बनुसदी बाजना अधिक उच्छता वितकार

```
प्रेयसी
```

```
विशवार, विशवना विशवर प्रणयी मनमावन मह्यूब
              मानुक मुहत्वती रविक रायी बस्सभ समय सामन स्नेती।
              वे 'परि तवा 'प्राणवस्सभ' थी।
      प्रेयमी
              रे प्रिया।
      प्रेरक
              उत्तबक क्लोरक जलाह्य प्ररणादायक प्ररणाप्रव
              प्रोत्सहरू ।
      प्रेरका
              चकसाय जत्तेणमा प्रोत्साहम बहाया ।
      प्रेरिक
              अनुप्राणित उकसाया हुवा प्रोत्साहित श्रीत्साहित किया
              हमा बढाचा विमा हजा।
             भेजनेवासा विशेषक (वि )।
      <u>धेवक</u>
      प्रेक्स
              भेजना विजेयन (वि )।
       प्रेस
             श्रापायाना प्रिटिय प्रेस मुख्यालय :
 प्रेसविक्रपित
             (press communique) मेस नोट (स प्र ) पत्रक्रिक
             (म म )।
   प्रसिद्धेंह १ अञ्चल समानेत्री समापति २ राष्ट्रपति राष्ट्राध्यतः।
   प्रसिट्य
             हे प्रतिपद्धा
  प्रैनिरक्त प्रायोजिक व्यवहार्ये व्यावहारिक।
   प्रिकेटस है सम्मास।
    भोपेस दे प्रवृति।
   प्रोबेस्ट वै प्रतिवाद।
 प्रोडोकोल नवाचार।
            वक्षीरमा ब्रासाहमधैन प्रेरमा महामा हिम्मतभग्रवाई
 मोरसाहन
            होससामपनाई।
 धोपेरीका के प्रकार।
  प्रोचेनर अध्यापक बाजार्य प्राथमापक स्वास्त्राता निवाद ।
 प्रोमोशन कनांत तरक्की (केन्द्रावि) परोप्तति प्रोप्तति (केन्द्रावि)।
 प्रीसीहिंग
            वै कार्यवाही।
            १ जानेह परिवनन सुपरिवरन २ (adult)शासिक (म प्र•)
     प्रीह
            वक्सक (केन्द्राधि) संयाना (वि.)।
र्मारोपिकी
            (technology) औद्योगिकी (वि ) टैननासाँगी (राज वि
            म प्रोप्रोपोग(गर्म)।
            १ श्वमीन काट्करा मुखंड भूमिक्ट २ दुरवक पर्पत
```

३ क्यानक कथानम्य कहानी ।

बाइ समाव। प्तादन

प्तास्टर द्रमस्तर ।

ध्ये स नाग्यः।

परेग साम महामारी।

मोट रुग्तरा रहावी।

ध्येन एगालन यान बादुयान हकार्विहास।

व्योग खाका परियोजना याजना कपरेखा स्कीम :

१ नाथ निरा २ अस्त असय बात विष्टु विषय सवानः। प्साइट

## फ

चंती कुरत वूमें (इस का) पाउकर।

प्रदेशन १ टल्पन अनुमा समाराष्ट्र बादावन कार्यवस्य।

ছত বীল বিষয় বিভিন্ন

र्थेदा १ जान पार फॉन २ रॉट, परि बदन।

चैतना अन्वना नमाना परिशेषकता अधन अवस्थानियना :

चेंसाना अटबाना उल्लामा परिया बधन ये दालना दालना ।

ी प्रवत पीका बदरम (वैसे स्मायक हो बाजा) अ <sub>प्राप</sub> 93 स्रंभित स्त्रम्य ।

प्रकाद केंद्रल गांव निर्द्री।

रशौर १ बोलिंग पीर बनी शेख शैव २ वर्गी महन्त रूप 

३ व्यक्तिम गरीव वरिष्ठ प्रमहीम जिल्ल 😉 🕒 🗫 पियमदा मिनारी।

१ अपरिषद् २ अधिषत्ता वर्गाती Triti

१ जनगरनी धरकक्षाना गरणी।

रे परा THE परस्य १ अनमण प्रतिमान मान " व्यन्तिन नाम जी जी प्र

धनहीन निर्धन (रे )। मच्ड मनियान सहराए, महामान्यान्य का कार्य T.A.

the species and

प्रमुख्या फाय होती।

वे सवेशा **564** (

भनुक्षेपा अनुग्रह ऋपा (वे ) स्या (वे )। क्रवस

प्रमीता, प्रमीहरा अपनित दुर्गति दुर्गता।

अनपंदित जनावस्थक नियाबीजन निर्द्यक वेकाम वेकार চৰুদ म्पर्व ।

व्यव्ययी अभितव्ययी कर्राच जुटानेशाला। চৰুদশ্বৰ্থ

वपन्यय अधितत्त्र्यय अभितन्त्र्ययता। <u>ক্রব্</u>যকর্মী

दे क्याचा 15-611

सट बल्डाम बलान पूर्वत बुरत बुरत-कुरत । 9

प्रक्रमा पछोरमा।

फरचली छात्र सुप।

बरी-कोटी (सुनामा) चुक्की साक् सिक्की डॉट डॉट-बपट करकार औट-कटकार ताइना दुरकार, प्रतादना फिटकार मस्त्रेना

नवार भानत सानत-मसामद। वाधी-बादी सुनाना भूड़कना साड़ पिसाना सिड़कना सिस क्टकारता कारना सिक्की देना डॉटमा बॉटना-वपटना बॉटना-घट

कारना साइना देना पुरकारना धमकाना धिवरारना प्रताकृत करना परसेना करना नतावना भानत-ननामत करना ।

काला १ ट्रकड़े-ट्रकड़े होना बरार पडना विदीमें होना २ क्टना कच्ट होना वर्ष होता बुधना पीड़ा होना ४ असम/पृथक ही जाना १ और सर्गना जीर्ज-जीर्च होना मस्त्रना

६ विटकता। मोटरबाहुन मोटरलाइक्सि । फरफरिया ...

कटा-घटा क्रिक्ति वेरवामा श्रीन-श्रीमं करा-पुरामा **पद्मा** विद्यीर्थे ।

बानन-फानन में वाटाघट चटाचट जस्यी-जस्दी तहातह 52152

कुरत-फुरत बनावन वैचार्त-देखते मिनटो मे । १ पेश-संदा २ परि-स्ति कपहेबाला विषये पहना विवये स्रीवर

सपेटे हुए, फटे-पूराने कपहेबासा फटेडान ३ अकियन क्रमला बंदास ४ कीड़ी का शीन निकम्पा र

फडहान खराब हासत में खस्ता हासत म वॅम्डन्सी म परेगानी में फन्हानी में बरी दना में।

धड़ १ जुबाबाना जुबायर, जुए का सहडा २ वर्षि ।

पड़र उटना १ बार्नीरन|ब्रा/प्रमान हो जाना उटन पहना २ (निसी अय ना) रित्यान होना पड़रुड़ा उटना हिस-होन उटना १ जलाह/उसप/जोगस पर जाना।

च्हुच्या १ रणायमान होता कींग्य होता कींग्या धडकता स्पडत करता स्पडित होता २ उडमता चहुचहाता हिसता हिसता-बीमता।

पहचार जसाही जसायी। प्रम प्रज (स्रीपका)।

क्षम प्रजा(सामका)। क्षमग्र, क्रमिक के सौर।

ध्यो, ष्यारा

प्रमुखा धर्माता धर्मादेश।

क्रप्रहं भीत विश्वय सक्ताः। क्रप्रहेशांक विश्वयी विशेषाः।

कृतिमा शीट, बीट-पर्तय कीहा टिइडा पत्रय पर्तदा शसूच ।

कन्द्री १ बुरती जैनेट, बंबी सबसी २ मजी बनियान।

प्रतूर प्रस्तव मुराजात शरास्य सैवानी।

क्रोह बीट विवय।

क्रोहबाब विजयी विज्ञा शामगाता।

दन धन सरिय।

इत १ इस्म वता रस्तकारी विद्या मिल्य हुनर २ सूबी दुवः ३ जुहस सबाव विनोदः।

क्रमहार वनावार, कारीनर, विश्वार, दन्नवार, गूर्विकार रिन्सकार रिन्सी।

क्रता १ नाम (दे ) बरवाधी विनाम २ मृत्यु (दे ) सीतः ३ अतंत्र भागमा शमाण्डिः

क्रमोता समामनापीकाः ।

क्रमी कटात करकी छीटाकरी तह ताना ब्यंधा

च्छाता जिपना बच्छा नदना छवनुत्त नदना दिश्वीतना शोधना भोहना नदर नवना।

हिन्दी पर्राप्त कोट / ४१३

पत्रीमा अभिरान समावेशा चार चिताकर्पेक वर्तनीय नक्ष्मेठ बांका मध्य रचिर समाय बोमन समीवा सुदर सुपढ़ सुपस। प्रत्यंक के बेटा।

अरवद द बटा। अरवी दे∘कर्ती।

भारतर के क्यावहा

प्रताहरा है। क्यांबर । प्रताहरा है। क्यांबर ।

क्ररमाइसी वे क्रमांश्ती।

अरमान है फर्मान।

क्ररमान दे छमान। फ्ररमानः (आदरया स्थंप्य थे) १ वहुना वोचना २ बाजा/बादेक/

हुवस देला। प्रति हे प्रजी।

चरता १ कुन्साका योका परश् २ कस्ती स्त्रवडा ।

फरहरा दे शंका।

प्ररामीस भूनाहुआ विस्पृत।

ऋरामोशी मूल जाना विस्मरण विस्मृति।

क्ररार प्रमायन किया हुवा भनोडा भाषा प्राचा हुआ।

क्ररियाद १ सर्वी २ पुकार ६ प्रार्थना विनशी सिन्नत ४ सिक्जा-विकासन विकासना

भिकायत । जन्मपा ।
आस्मित्री अस्मित्री अस्मित्र करने वाला । वाला ।

क्ररिक्ता १ देववृत २ देवता।

क्ररीक १ पश पार्टी २ फ्रशिकैन प्रतिवृद्धी मुद्द-मुन्दामेह, धादी-

भीत र करा।

फ्रोरी छलिया हमानाव वृत् धोषधाय मनकार।

क्ररोट्स १ (श्रंत्रा) विश्वी विकय २ (विजयन) श्रीत वृधीयाहुआ विकासमा वेणाहुमा।

प्रतेश विनी करनेवामा वेचनेवामा निकेता (वैस दक्यरोन)।

क्रक १ अंगर आनाज-पातासका नेतर प्रम्तीस-नीसना क्रके प्रमीत-सासमान का नेतर प्रमास-नीसना क्रके प्रमीत-सासमान का निर्माणका क्रके जिल्ला शर

सात विज वा क्रकें २ पूरी विजयाय । इन्दें : १ वर्तव्य कर्स वृष्टी २ वस्यमा (वैसे क्रकें करो कि)।

22 १ कल्पित काम्पनिक वयासी २ (fictitions) सवास्त्रविक (ब प्र म प्र ) कस्पित नक्त्री झुठा बनावटी (वि म प्र ) मनवर्तत ३ (धतरंत्र म) वतीन रानी वसीर। क्षमय-क्षमय एक-एक करके । क्षर्यन-प्रदन प्रमोदयः १ मीयः २ भाजा बादेश हरन। क्रमीइरो आहिष्ट आहेशित प्रापित क्रमीइस का मौपा हमा । कर्मान कादमात्री इत्य राजशीय साजापण राजाजा राजादेग । कर्माता है फरमाना । फर्मारा क्रिप्रमा जल्दी तेजी वेद। कर्तन १ झाड-पाछा भवानेवासा झाड सवानेवासा प्रते की सद्वाई करनवाला २ खिदमनदार, काकर, नीकर (दे )। १ हालोन यसीचा चटाई दरी विकासन २ यस पहली कां अमीत १ कर्त १ बुद्रपृती हरता २ प्टर्मेशक शक्कर विया जानेवासा फ्रमेंन्यमी (बैस फ्रमी सलाम) । टे फरमा। कर्मा क्रम्ट एइ प्रयम कपबार, प्राथमिक बिशित्मा । १ ननीवा परिमास २ इम्बद्धान का ननीवा परीसारस 57 ३ प्रतिकृत बदमा (इसका क्स विभयः) ४ वसर प्रधाद १ पर सवा (इस) ६ फनक (नैसे वायू ना) स्वदः। दे सावागः। **E7E** धनक १ तक्ता पटम २ कम ब्लाह। चनतः इनसिए, नर्तावन निष्मयनः परियासनः, परियासन्बरूपः। तरबद्धांत वर्धन वर्धनगरस्य दिलामधी। **क्रमस्या** करां अपूर प्रमाना । कदमा परिना भौदना। क्रमांगमा **प**पाहारी प्राप्ताती । क्षतितार्वे १ वर्ष मस्याय मनार्थे नरवाय तालार्थं तालिक वर्षे निकोड २ कामपाव सपन मफनवाम गरममारच : ष्टीपी। कती

१ बन्न साथ पैदाबार, शस्य २ ऋतु सीनम् ।

कलनी

क्षीमधी ।

१ शमका बैगा बैगा-फ्रशाब क्लबा शकाई बढेड़ा क्रसाह २ वकांति उपद्रभ अधम यहवदी ह्यामा हुस्सद्र। १ सवदान् बंगाई, बनवाई, २ उपद्रवी उद्यमी इस्तडी । क्रसादी

बक्रसाना कवा कहानी किस्सा । क्रसाना

प्रहुम : समझ समझना (मामप्रहुम-बालवास का सभी के द्वारा समझा चानेवाका सभी के बारा प्रयुक्त)।

बल्मीस पृहद्य। क्रहरा स्रोध कत्तां दुक्या।

करिमा

**उप्रकार कृषकर मौबना करना शाँवना (** कौसी सुनी।

१ बच्छा बढ़िया २ बारीक महीन मुश्रफ़ाइन ३ बुर्माता काइम

र्वंड । व्यक्ति शासियी। क्राइनस

मिसिन संभिका (कैन्द्र राज च प्र कादि) । क्राइन

माधार आधारविता नीव । **प्राचं**डेलन

१ अनकान प्रवास २ पृथमधी भूषा श्रुणा। মেকা

बहमस्त क्राकैमस्त वितामुक्त वेदिक मस्त-मीला। **फाकामस्त** अवसारित करना बाने नदाना।

क्रारबार्ड करना हुमरी वंश्रुक परेवा वेंडकी। লাকা

फनुका हाशी। काप

कापुत प्रस्कृत। क्रावित १ मितिरिक्त सनावत्यक फ्रासलू, २ विहास (रे )।

कारक वेट डार।

काइना चीवना चीरमा चीरमा-प्राहमा दक्तके-दक्तके करना शरिवनी

इकाता विकारित करना विरोध करना।

नपा मुनापा साम। क्रापदा

शामनर नाधकारी भागवायक लामप्रव। कायवैर्म ।

१ विदेशी जिलायती २ परदेश विदेश विलायन। क्ररिन

प्रपत्र (केन्द्रावि) फ्रारम । क्राम

क्रार्व सा गुर मृश्या सूच।

अतिरिक्त विधिषः एक्ट्रा प्राधिक ক্রানর २ श्रनाबक्यक व्यर्थका (जैसेकाम) ३ निवस्सा वैदार बादें का (वैते बार्ग्स)।

क्रांतिक कार्यस्य प्रशासन्त महकाः

बादेशः बच्या एत्या प्राहा पाना बनवा।

क्रमता करण जनगण हुछ। क्राहिमा कुन्छा हिनाम पानवा क्राविवारिया संस्थित।

क्रम्पा कुण्डा क्रिन पूर्वक क्राक्ताम स्वरता। क्रिक्त १ कृता वका २ तव तता एको क्रम क्रमीति । क्रिक क्रीसा वितादीकरा क्षेत्र।

क्रिकार विरुद्ध विरुद्ध ।

क्रियुत्त के प्रयुत्त।

क्रियुरवंद र प्रमुख्या।

क्रियुनक्की द प्रयुनकर्णी।

ें केंद्र १ बच्चा बाहुश्य टींड ेट ब-टार हुग्ल टोहुस्ल सम्बद्धा

कित्ता उमाना करना सम्बन्ध प्रमाशः

क्रिया १८८७ स्थाप (दे) २ दे **वण्**की।

क्ट्रिट उत्तर त्रुगडण स्थान देशकी।

क्रिसी १ अजनाय (१) स्वाप्तिल अजनायै तीरद

विकारण स्वर्णिमस्तरेयक (१) ।

क्रिया अवस्थित सम्बद्ध मानित सम्मे हिए।

क्रिस्ट निवास (१) स्थित (१)। क्रिस्ट १ त्व वार वेट, क्या वार विट्र पुताल पुताल र सनन्तर,

त्र बार्डि ।

द्वित्तरः ६६ सामान्। द्वित्तरायस्य कट्टराची वटटरमा सामान्यके सामान्ति।

क्रिक्टारमी बद्धारवरिंग नागावरिंग साहित्या।

दिरसा १ पूरत प्रतिविद्या समया सन्तर्भद्वारा शास्त्र समय साम प्रति देशा दिसार दिसार सम्त नेर्द्रसम् नेर्द्रमा प्रदेश नेर्द्रमा स्वास्त्र नेर्द्रमा प्रदेश नेर्द्रमा प्रदेश प्रदेश दूरण प्रदेश नेर्द्रमा प्रदेश नेर्द्रमा प्रदेश नेर्द्रमा प्रदेश नेर्द्रमा नेर्द्रमा नेर्द्रमा नेर्द्रमा नेर्द्रमा

क्रिसार १ दिण दिव स्थान स्थान त्रमार ३ वटई प्रस्तर

द्वि सर्द्य केट / ४१०

<u>किर्की</u>

विछोह नियोग विरद्ध हिन्ता। के फिल्का। ডিক

फिसहास

इस बक्त इस समय सौजूदा धक्त में मौजूदा हामत मे बर्तमान समय से । किनोंस कर विषक तत्वितक तत्वज्ञ तत्वकेता दर्शनकारणी दार्शनिक

विचारक। किसोंगकी

तत्त्वज्ञान तत्त्वदर्शन दर्शन सम्माप्ता। क्रिम्स

चमचित्र तस्वीर पिक्चर मूची विजेमा। किसब्दी १ पिछका हुवा सबसे भीचे/पीछे, २ कीमा बोदा सद विधिम क्लप १ वकर्मच्य काम का न काब का दूरमन सनाज

का निकासा।

विक्रमत रपटन। **विसंस**त विसनग १ विद्यमना विश्विमाना रपटना २ थिरना पिरपङ्गा

वनीन बादना विवना घराषाथी होना।

च्छिरस्त तासिका कर्वे सूची। क्ये

प्रतिएक प्रत्येक हर एक। धीका १ शीरस वैवासका सीठा स्वादहीन २ कारिहीन सुमित

अनुसय करना बुरा मानना यहसूस करना महसूसना।

निष्प्रम निस्तेन देशीनक ममिन स्नान भीडत । १ मीरसता बंबायकापन सीठापन स्वादहीनता २ कांवि बीकायन द्वीनवा निस्तेत्रता मनिनवा।

फील वे हानी।

क्रीन करना

श्लीपद (शेम) हाबीपाँद । <u>क्रीलपाँव</u> **ভ**ট্ৰবাৰ महादत हापीबात ।

१ जीहास्वस मैदान २ बेटा। क्रीस्ट

फ्रीवर वे बुसार।

फ्रीस उत्रक्त पारियमिक मेहनताना निसा कुक कुक (स्कूत या डाक्टर बादि की फीस) । परसट प्रतिकत सीमाहा क्रीसदी

कुप्रकार कुलार। र्दुकार दाना फिमी पुढ़िया। चुंद्रो कुटा स्केस ।

४१८ / हिग्दी पर्याव कोच

१ अकेसा एकाकी २ विनाजोड़े का।

कुर कुरकर कुरकत १ कई प्रकार नी कई तरहनी कई मेल की बिवधी मिली कुमी मिथित २ असय-जनम छिटपुट छिटपुट पूबक पूमक मिन्त-भिन्त ३ पोक्न-पोक्षा योक नहीं रिटेश ।

पृहिया शानाफिसी फुमी।

प्रतूर दे क्रियूर।

कुक्कार पूलारपूरकार।

बुरकत जुराई विछोह वियोध विराह, हिया।

फरवी दे पूर्वी। **कुरतीमा** रे पूर्वीना।

क्री भूशी बस्बी वैश्वी शीमता।

ভুরীলা काम में पूर्वी करनवाला चुस्त देशी/पूर्वी संकाम करनेवाला स्मार्ट ।

अवकात अवसर यासी मोका वस्त समय। <u>ज</u>ुरसत

रे पुरसव। ञ्चतत

医可存 १ चपानी शटी २ हलका (इसका-पूक्तका सन्नयुक्त)।

उद्यान उपवन पार्क पुरपवाटिका ववीची। फलबारी

प्रमाव शोष भूजन माबित। ं युस्यकृषार तेल गुर्यश्रपुरन तल भूत्रीधन तेल। फुलेल

पुररा दे पूसरा।

भवनोर ग्रैस्टिराक। कुम दुता

१ प्रमानित करना बरगमाना बहमाना मीठी-मीठी बाउँ भूतमाना करके सपन समुक्तम करने या प्रयास करना। मसभामा। सामभ देना २ पुमशहकरना।

वश्यच शीसा शीमी पुर्द वैदावारी। फुहार

पं 🕸 १ मध २ सांस (पूँक नियम जाना—मरधाना) ३ (मूँह स केबी न क्षोड़ा क्या) हवा का सोका (इधर जरा पॅक सी यारी)।

१ (मुँह्म) हवाका सोंका छाड़ना/निवानना २ जनाना चौरना प्रत्यनित करना अस्य करना अस्मीपूर्व करना १ उद्याश थामा करना नष्ट वरता पर्व-ताप दानमा वर्वाद गरता

वैदारम शर्ववण्या मुगना।

विवाह विरोध वैमनस्य वैर।

फूटना १ वंडित होना दुकड़े-दुकड़े होना दुटना तड़कना बरकमा बाल पड़ना (तीले मं) विदीर्ष होना २ (बुप्त/गुहा/बोपनीय बात का) बाहिर/ज्ञात/मामूम/प्रकट हो बाना ।

क्रुकार भुकार, क्रुककार भूके।

कुरा कुमका कुमकू पूजा।

ভূদ্ধী बुजा।

কুল रै कुसुम गुच पुष्प पुद्वप प्रसून संबद्धी २ कस्कूट (झातू)।

चूमदान गुप्तदान। <u> फूलना</u> १ द्रुपुनिव होना चिमना पुष्पित होना २ सूबन होना

सूबना सोविष होना है मोटा/स्वृत्त होना ४ इस्रयना वर्ष करना वयव (दे) करना।

मात मास-शूस विनका तुम **ः पृ**ष्ठ

१ मंदा (दे ) २ विश्वंता वेककर अपनम्पपूर्व अक्रिप्ट 484 अक्लीस बसम्य 🖣 महा।

१ मिरामा नेरना फ्रोडना सोकना डालना स्थापना दावता **फेंकना** (तोप से बोला फेंकना) निकास फेंकना प्रसेपण करना २ अपन्ययकरमा फ्रजूमकर्चीकरमा व्यर्थमे खर्चकरमा

मुटाना । फेन मान झाए।

चेनिस गानगुन्त सागदार।

फेनी सृवकेती।

पुष्पुष भेव !

भेक्द्रा

१ पुगान चनकर २ उसल्लन अंतर दुविया परेतानी फर भेतर क्या ४ उत्तर-पनट परिवर्तन वदनाव रहोबदन (बंधे दिनो का फर)।

१ सीटामा वापस करना वापस भजना २ घोड़ा समाना। फेरना **चे**रकार १ अवना-वदमी उसट-पसट परिवर्तन छेर-वदन दवसाव रहोक्दल सीट-पीट हैरफीर २ व्यंतर, फर्के।

द्रेस चनकर परिचमा प्रवक्तिचा छेरी भाँबर, गँडराना।

देरी इसर-उधर छेरा सवाना युमाई अवशर परिवसा।

इसे बनुत्तीर्णे असपन गाकामयाव । क्रेसी रिसर्च सम्येता (वेश्व राज उ प्र वि सादि) शिक्षाचित्रभागी शोधपार्वेड (उ प्र )।

क्रेसोतिप अध्यतावृत्ति (वैन्त्रावि) अधिष्ठात्रवृत्ति (उ प्र म प्र ) अधिवृत्तिका (हि ) छात्रवृत्ति ।

क्रेस्टिबल उल्पन अभ्य स्थोहार, पर्व ।

क्रहरिस्ट दे प्रिवृरिस्तः।

क्रेसी १ सण्डा फाइन बहिया युगरपाइन २ सारीक सूटम १ सर्पष्टत सभा सवा-सवा युगरियत ४ स्टर (दे )।

फ्रीरस्टी संराय ।

क्रीरटर उपातान काएक कारण बटक।

फैस्ट्री कारखाना फैस्टरी मिश्र ।

ईसना १ तनना पखरना बढ़ना विष्नुत होना २ युटाना मोटा होना मोटाना स्वृत्त होना ३ प्रवारपाना पैस बाना प्रसिद्ध/ समहुर होना ४ अधिक पी सौग करना मुँह ऐसाना (दुस स्वयं बाठ मन करो वरना वह और फैस बायपा) १ अपहरना समझा।

र्फतानः १ तानना पद्मारना बिष्टाता विस्तार वेना विस्तार बड़ाना २ डिजयाना विकेरना विशीर्थ वर्ष्याः ॥ अङ्गाना यियाना ४ विस्तार वेना (अनव-स्तय) हिसाद वयाना १ इर-इर

तक पहुँचाना प्रभारित करना कोयों तक पहुँचाना । चैसाव १ प्रसार विस्तार २ शमधन सवाई-चोड़ाई, सवान चौड़ान।

**डीरान** १ डिजाइन नमूना बनावट २ चत्तन श्रवसन रिवास।

क्रीमता प्रकाट निवटाचा निर्मय निरमय।

प्रोक १ भूमा भूमी २ निस्नत्व निस्मार, निट्ठी मीठी। प्रोरट बिना बाम का मुल्ल भूस्यहीन सेन्यन।

भोरट विनाबामका मुत्रन भूरवहीन सेंग भोरता छिपका छान वरतम बोरता।

क्षोकस विरम्भवेद्य नाथिः

कोही जन्म वित्र हायांचित्र तस्त्रीर।

कोइना १ ठोडमा तोड्-पोड् करना दरकाना भन्न वरणा विशिष् भरना २ वास दानमा (दीडिक) १ कूट दासकर समस्ताना भेर-वाथ पैदा करना समुश्रद पैदा करके विश्वती कनाना

हिनी पर्याय कोख / ४२१

```
बंदमी
```

## वक्या

संपनी कोटक वैकिट।
संबु १ अपन समुज कनिक आता क्येक आता विरादर मार्थ आता सहोक्द २ शादेकार रिस्तेवार संबंधी ३ हुदूबी ४ आत्मीय नववीकी समीपी स्वकन १ दोस्त मित्र सवा साथी सुद्धव्। संबुत संबुत्य १ भादेकार आतुल आतुमान २ दोस्ती मित्रता सैत्री

मनुदा मनुष्यः ( भाइभारा आर्युष्य आर्युभागः २ बारदा ।मनर ३ मारमीयदा ।

अभ्या १ निचलान निपूर्ण निपूर्ती बीस २ वै अंबर। बेपुलिस सनता-पास्ताना पन्सिक मीट्रेन।

वपुत्तच वन्दान्याकाना पाध्यक्तकाटूना वंदा तस नक्तकाः

वना गरा गराणाः वैसी समयोगा पिषिद्दरी वंसी शॉनुरी वासुणी भूरमिका सुरसी

वेणुः स्थापकः के सम्ब

श्रमीधर वे कृष्य।

बर्देद १ जसंभव नामुमिशन २ अंतरपर दूरफाससे पर (उनके किए वर्देग कूछ भी नदी)।

क्क १ वनमा २ कपटी छली पार्चंडी वकस्थानी वनमाभयतः।

बक्सक वक्वक ठ्यपटीय वाद बस्पना प्रकाप :

बक्ता वंडवड कहूना जरूनक करना उद्ययदीय नहता प्रकास करना वक्ताक करना जरूनाव/वक्ताव करना वहनड करना वह

बड़ाना वर्धना दुरुपुड़ाना। बक्रमकं दे बक्जाकः।

बकरा: अने बसी कृस्सी छान। बकरी: अन्या छानी सेर देशी।

वक्षी अवास्त्रनी संस्था। वक्षीर देवसमोहा अक्षीर।

सम्बद्ध यम यमकृषीय वस्पना तत्त्वहीन बात निर्देक बात प्रमाप सम्बद्ध व्यर्थे की बात सारहीन बात ।

बक्षमाधी वपोड़ी गय्पी वक्की बड़बड़िया बाचाल बातूनी।

बक्यास वे नकनाय। बक्यासी वे नकनाथी।

श्रक्त वे वनसं।

बक्रामा देश्वाकी। बक्रिमा देवाकी।

४२४ / हिन्दी पर्याय को ब

Ł

```
बहुचा देशहतः।
  बरोदना नोचना निरोचना पत्रामारना।
   बहीस
           के कथनामुमार।
  बरकान वितया विषक (केवन वितया-वर्ताम समास म प्रयुक्त)।
    बक्को देवक्कासी।
           बर्टची ट्रफ पेटी बच्छ बच्छा बॉक्स स्तूक।
    बस्ताः दे बस्ता।
            १ यूजवान प्रजेना बढाई २ वर्षन विवर्ध वृत्तातु ।
    बद्धान
            १ बर्नेन करना विवरम देना बुलान सुनाना २ गुसमान/
  वज्ञानना
           प्रजेना, अशाई करना कपारना सराहना।
           कंत्रन कृपण सक्तीपुत सूत्र।
   वस्तील
           सन्ही तरह पूप क्य स मली-भांति बहुत सच्छी तरह।
    बलवी
            खटराव शतट, समेना अवदा-संसट टटा पचढा प्रपच
    बलका
           बवास पदराम।
 वचित्रमा
           खटरायी झंत्रटी झवरा-सप्तट वरनवासा अपेची।
           हिस्मन तहरीर ममीब नसीबा माध्य पुरहर सलाट का
     बरत
           निया होनहार होती।
            १ धनाकरना छाडदेना माछ करना माछी देशा २ अता
   बन्धना
           फरमाना देना ब्रहान करना १ त्याय करना स्थायना।
   बरगीश
            १ धनाम टिप नेम पुरस्कार, २ उपहार, नक्साना घेंट।
           १ गाँव बाहुमून सबमूम २ पहोत पान-पहोत्।
     ৰৱন
           क्क बगुना।
    वयनाः
           क्ष्मरी चानवात छनी बग्रावात धर्मध्यमी धृत धोनेबात
वपनाभगत
           प्रवचन फ़रेबी बनक।
           ग्रहर, मांति निहोह राज्यमानि ।
   बदादत
           पाईवास बगीची।
   विगया
   वर्तीवा
          दे उपदरा
   बग्रीची
           पाईबाग्र बनिया।
    बगुला
           वक बगगा।
           विना विना।
     बर्पर
            धीर धीरन तहरा बपाइ।
    बपार
            १ छीवना छीवना-स्वारना तहवा देना तहवा समाना
  पंचारना
```

हिन्दी बर्जीय कोश / ४२४

वचकाता वसता

२ जारमञ्जाकाकरुशा गर्वीमितकरुशा श्रीव मारमा/होकना सेवी जनारशाः

वयकानाः अपरिपक्त वर्ण्यो-वैसा बाससूसभ मूर्वादापुर्ण।

चमक १ सेविंग २ आयश मुलाका साम ।

क्षम देशवन।

बभएन जनपना बास्यकाल सङ्ख्यन ग्रीहन।

क्या सर्विष्ट सम्बेध भारत केच ।

सभामा १ जबार करना चबारना धवारमा तारना निवासना २ फतरामा निवारण करना वचना १ (वैद्या) व्यर्थ म होने वैना बाडी रवना छेव करना ४ छोड़ देना बाने देना तरह

वेता। वचाव १ मास्मरका २ प्रतिरक्षा रक्षा सुरक्षा हिन्द्रबट ३ प्रति

बाव एकाई।
१ किलोर फिलोरफ कुमार, छोरा विपल बासक सदना बच्छ तिलु २ बोलास छोरान ३ बपरिपक्क सबीध नादान मीलिविया ४ (पापका) बच्छा बच्छा बच्छा बच्छ बाछक बाला (जी बच्छिम बाल) १ (सैंचल) कृटका कटरा इन्द्रण पहुंचा पाल। (स्त्री वटिया पहिंचा पाली) १ (मुर्गीका) पिकता चुंबा ७ (हिरुक्त) दुरुपोटा

मृगशायक (विस्ति का) विसीटा गावरिसायक।

क्षण्यो किकोरिका कुमारी छोरी शांतिका सङ्की। क्षण्येकानी वर्मास्य।

बद्धका है गण्या।

TOTAL

**चमट आ**य-ध्यय (स प्र०) काय-ध्ययक (उ प्र ) १

क्रमरंगवकी है इनुमान।

बजा अचित उपयुक्त ठीक मुनासिक वाजिक।

समाना धटकरामा मनमनामा सङ्ग्र करना अनग्रमाना स्नदमाना

ठनकाना व्यक्तिकरमा स्वरित करना। बजानेवाला वर्गत्री वजवेवा वजीया वावक।

बबाय भी जयह के बदसे में के स्वात पर।

क्ल देवसा

बसना उससना पैनना बंधन में पहना बैंधना।

रस्सी की ऐंद्रन बटाई, बना। बट

बाट । बटलरा

कटल १ पुती २ स्विच।

बदमार डाक् राहुबन मुन्दा।

शाका राहत्रनी मूट। बटमारी

बहबारा 🖟 १ बेंटकारा बंबरवॉट बॉट विभावन २ असपाव।

बटाइन दे वटोही।

चैली पर्ध बैव मनीबैय। बदुमा बदुवा

बटोर जमयट जमावडा।

बढोरना १ इष्ट्राकरना एकवकरना एकवितकरना जुटाना सर्वसित करता संबद्द करना संचय करना संचित्त करना समेटना २ खीवना संपूचित करना समेटना खिवोडुना।

क्टोही पंची पवित्र बटाऊ मुलाफ़िए, यात्री राह्वीर राही।

१ लोका २ नमीमन दमामी दस्तूरी ३ छट रिवेट बट्टा ४ बाटा टोग मुकसान हानि ५ कसक दाम दोप सोछन ।

उच्चता गरिना भुवता बीरव भहता बहुतता महिमा बङ्ग्यन घेष्टवा ।

ह्माप बरबक बनवाद वक्षांसः। बहुबह

१ प्रमापकरना सरवककरना वरवादकरना वक्यास बड़बड़ाला करना २ बुरबुराना बुरबुराना (शोई बान बुरी सबने पर) मुह म ही कुछ बोलना ।

बड़बड़िया ग्योड़ी नध्यी प्रसापी बचवाबी बचवासी बानुनी।

मर्वोतिन गरनेवाला बीव मारनेवाला बहुबहुकर बार्वे करने बड़बोला बाता सीटनेबाना ।

बहबानस समुद्राप्ति। बङ्गानि

१ अना बहुत क्षेत्रा विराद २ प्रश्नवर, बाबील टीर्पनाय वड़ा भीभराय विद्यालगाय ३ शेंदा भीड़ा विकट विशाल दिरतीर्थं दिस्तृत ४ सहा (सहायवित सहापूरव) सहान्, ५ वड़ा-बूड़ा बुड्वे दुर्वनार ६ वरा वासा।

भूतवान पुणानुवान तारीकः प्रयंगा महियायान श्रष्टोवान वकाई क्तापा सराहना।

बदा-भूदा युक्र सुपूर्ववार।

बहर्द भाष्टकार याती तरवान पर्वकी।

वड़ती १ विधिवृक्ति अनुमूद्ध स्टब्स्पे उत्पात बक्त्य स्टब्स्पी प्रमित् बक्ता बक्तार्या विकास २ (संबद्धा था परिमान मे) अधिक हो बाना परिवर्षन बढना बढ़ोत्तरी वर्षन वृद्धि।

क्हना १ वहा होना पृथि को प्राप्त होना २ अप्रसर होना नामे चनना चाने बहुना १ सन्तरि (१ ) करना सरस्की करना ४ वेड होना समेटा चाना (हुकान) १ गुज होना गुसना (भिष्तपा)।

बङ्गी शागु।

ब्युग्या प्रेरमा प्रोत्साहम ।

बढ़िया १ जन्म उच्चकोटिका उत्कृष्ट उमदा पोला पौकस टिप्प्टीप बहुत अच्छा २ चकाथक बामकेदार, नशीच मुस्ताव

स्काविष्ट हे नेक अक्षा नारीफ ४ खूबसूरत नृहर (हे )। बदोत्तरी १ व्यक्तिहाँ उत्तरपेत्तर पृक्षि धन्नति (हे ) तरक्की परि वर्धन विकास पृक्षि भीमृति बढ़ना बढ़ती वर्धन संदर्धन ।

विक् विनया व्यापारी व्यवसानी सीरायर।

बक्क्ट्री बादबीत वार्ताभाग संवाद।

बताना १ अभिन्न करना कहना जवाना समझाना सुचिव करना २ निर्देश करना निर्देश देता।

बतियाना वप मारमा बावचीत करना वार्तामाप करना।

वतौर की तख के रूप में।

बसी १ वर्तिका २ चिराम दिया दीपक (दे) १ वस्य सह्दू ४ प्रकाद रोतनी रीवनी।

बद १ यस बुद्ध, शीच बदशात बुद्ध (बद बच्छा बदमाम बुद्ध)

मैतान हरामी २ विश्वटी (रोव)। भी सम्यवस्था कुप्रवच।

वरहोतवामी सम्प्रवस्था कुत्रवज्ञ। सम्बद्धिस्मतः अभागा (समाधिन) अभवत्तः वर्गेहीन दुर्गोप्यज्ञाली वर नसीव वरवक्त भाग्यहीन हतभाग्य।

बर्बाहरूमती समान्य पुर्णान्य प्रारम्बद्दीगरा वरवसीवी बरवजुरी भारतद्दीमठा।

बरपोई निंदा पीठ-पीछे जिकायन (करना) बुग्धई मला-बुग्ध कहना !

बरवसन नुकर्मी क्यार्थी छट्ट स्परिकारी संपट।

वरवान वर्गान सहार रहनासा स्रीतप्ट, अस्तीतभाषी गाली-यनीव/ गतीय करने वामा प्रद्वाः।

बहुद्वात सरुभीन सक्षम क्मीना वटिया नीच।

बरतमीत्र समात्र सकामीय कविष्ट महोस्त्रत असम्य अत्रवृत्व ग्रेंबार।

बरतहबीय र बदतमीय।

वहरिमाण सक्त्र को सहैगारी धर्मती देंगी वहपित्राज श्रेष्ठीजाज हेक्त्रीकाज।

बरद्धा १ अधिकाप गाप।

बदन कनकर काया यात वान देह शरीर।

बदमसीब वे बद्दिस्मतः।

वदनसीडी दे बदक्तिस्मणी।

बहनाम नमनित हुकार नुस्सित निवित्त बेहरहते साहित । बहनामी अपमय हुकार्ति हुत्सा निवा बेहरहती मिशायत ।

बदनीयतः खराव मजावामा बुरी नीयनवातः बर्दमान।

वरनीयती प्रशास महा बुरी जीवन वेईमानी । बरक्ष नपहाड्रीस प्रटाइस संघ मनहाड्रीय विचाइस इसंब्स बनाईस

मू नहांच सहाईस :

बरबुशार पुत्रश्चन बुरी गंगवाला।

वदमका १ वदकावणा वैस्ताव २ पुण्य सदीभन सानवरहित । बदमारा सावारा नुजर्मी वृंद्धा बुट्ट नेमा नेमा-मुम्ला पाढी लक्या

बरमारा बादारा दुवर्मी वृंद्य दुष्ट र साक्षर, ध्यप्तिवाधी श्रोहरा (

नाऊ ५ व्यानवार्य नाइयः । बरमातो १ दुप्टका पात्रीपना मुख्य<sup>न</sup> वरास्त तीनामी २ जानारा

वर्षी बुहावर्षी शोक्ररी घोहरई।

व्यक्तिकात कोग्री गुस्तावर, विकृषिका अनकाणु शुनुविन्यास विनकृतः।

बहर्रव बेर्रव क्विया ।

बरमना १ पुछ सुष्ठ हो जाता परिवर्तिन होना २ भेता-देता विनिधय परना शन-देन परना ३ स्थानांत्रस्य परना/ होना।

वदना १ प्रेनशम प्रतिकार प्रतिकाध प्रतीकार २ स्वय (दे) स्थान पर∤ बदली १ तवादशा स्वामान्तरण २ मनमंडल सादसदल ३ मन बायता

वादन। वरतनसः कुरूप श्रदसुरत वेडील वेडन महा भोड़ा विरूप।

वरशक्त प्रकृत वर्षाय वर्तम वर्तन महा माना विकय। वरशुरत वे वरशक्ता।

बदमुरती कुक्पता बदलक्ती सहायन थोंड्रापन विक्पता ।

बरस्तूर नियमतः नियमानुसार।

ववहबसी अभीमं अपन कुपन। ववहबस्य समझतिस्य उक्तिम परेशाम विश्वत स्वाकुसः।

वदर्गसः अप्रकातस्य ताक्षण परवान । वक्षण व्याकृतः । वदावदौ प्रतिस्पर्धां काव-वीट स्पर्धा होड़ होड़ाहोड़ी !

वरीनसः की सनुकपा/कृपा/वया/विहरवानी से की वजह से के कारण के जसते।

बद्धपरिकर कटिवय तैयार।

बचाई ग्रीटिंग मंगसकामना मुबारक मुवारकवाव बुधकामना। प्रथिष्ठ १ जस्त्राव हत्याचा २ जिकारी १ वहेलिया स्टाप्न

व्याघा। वन्दी १ पतोह भतोह प्रवाह पह वह वह २ दुनहन दुन्हन।

भन कातन कांतार, जबस धन वत-प्रांतर विरित्त । बनगरा वे वेकारा।

सनना १ निमित्त होना नैनकर तैवार/पूरा होना वन साना रखा साना २ (बनाया बाकर) डील/बुक्त होना परमस्य होना रिपेयर होना १ परमा पोस्ती/पित्रवा/पित्रवा/नैत्री होना ४ ज्याक्रासायय होना पूर्व समन्त्र होने स्टाप्त वनना

१ रूप/हरन/स्वरूपधारण करना। सासी दे कम्बा

बनमानी दे कृष्य। बना-४२१ सजा-स्था सवा-स्थेपरा सम्बन्ध सुसम्बद्ध स्माटे। अभाना १ वस्तिस्व देना यहाना तैयार करना निर्माण करना रचना

रका करते करवेता सर्वेत करता मुक्त करता स्वक्त देता १ ठीक करता दुक्त करता मस्मात करता रिपेयर करता सही करता सुधार करता ३ उपवृक्त का पान कताता उपवृक्ति का सकता उस्तू बनाना मक्कि पहाना हैसी उद्याना हैसी का पान बनाना हैसी वस सदव कराना ४ वर्षिता करता उपानित करता नवाना मान्य करता वमून करना ५ योन करना स्थोर करना (रत)।

क्रमानेकामाः नियाना प्रपत्ता रक्षिना नर्वत सर्वनहार नृवनहार।

बनाम वर्षेत्र विपक्ष।

बनारस काणी काराधनी धिकनमधी।

सनासः १ सनास्ट (दे ) २ सन्ता-टनना सनना-पैसरना सनास सियारः स्थ-मज्जा ज्यार समना-समना सनास्ट।

सनावट १ बाहबर, कृतिमता टीमटान स्कीमता होन दिलाका स्वीय यदन यहन रचना ऋरचना १ बाहित चहुरा मोहरा नाव-नवश क्याहित।

क्षनावटी असत्य सस्वामायिक कल्पिन दृष्टिम वाली शुटा दिखाऊ, विकायटो नक्षणी क्रावी लिकाटिया।

बनाव-सियार श्रृथार, सवाव-सियार, साब-सियार, मियार, सियार-यनार । वनिया १ विमन (मून), वैस्य २ दुनानदार परणूनिया परणूनी

भोधी। वनियादन १ मनी बडी २ वनिया-स्त्री वारिन धारियादन। वनियादन अनेचा सन्तर्भ समावने छ।

तिस्वतः अनेबासुननाने मृत्रायनैयः। वर्तमाः १ नगतायस्य २ वटिष्ट अमस्य उपदृष्टयेगारः।

बन्दा देवरः

सरीती उत्तराधिनार-प्राप्त पैनृत बाय-पासे का रिल्प।

बमपुनितः । बपुनिसः।

बमुरिक्त विकार ने परेगानी ने बमुस्तिन तपान।

बयान १ वन्तस्य २ वर्षत् विवरण हालः।

बमाना सहिम देशकी नाई (earnest money उप म प्र)।

स्पार दे ह्याः

बर दुन्हा द्वारा गीरा बला बर।

बरई तमोनी ताबुतिक।

करवन १ मधिवता कहती बहुतायत बहुसता २ प्रायदा मुनाद्या साम ।

बरक्रार १ कायम बृद्ध नियर २ उपस्थित मोजर।

बर्रानतात्रः बस्टा गिमाञ्ज, प्रनिक्त विवयः।

क्षरगढ वट वडु वर।

बरमसामा बन्दां वाढ वड़ाना बस्टी वट्टा वड़ाना बुमसाह बस्ता पट्टी

हिन्दी वर्षीय कोच / ४३१

पदाना पदाना पुरससाना बहकाना।

बरका मासा साव।

बरतन दे वर्तन।

बरतरक अनन एक बोर फिनारे मीकफ।

वरताव वे वर्ताता

बरवास्त वे वर्षास्त ।

बरपा करना अकृ करमा कामा नामा (बाक्कत वरपा करना) ।

बरवस १ वनवरसी कोर-ववर्वस्ती थे बनपूर्वक इठातु, २ बकारण

डिज्यूस वेकार में यो ही ज्याचें में। एक १ जजाड़ भीपट तवाह स्थरत नष्ट घरट, बंटाहार बंटा

बरकार १ जनाइ घोषट तवाइ स्थरत गय्ट प्रस्ट, घेटाडार घेट प्रार विकासत सल्वाशांत २ खावा वैकार, ध्यर्ष । सरवादी वे वर्षोती।

वरवादा व नगरा

बरस वे वर्ष।

बरसमा १ साँटा होना टपकना पानी विरातः वरखा होना वारिख होना मेड पडना रिमझिम करना रिमझिम होना वर्षा होना

होना मेह पड़ना रिमक्षिम करना रिमक्षिम होना वर्षा होना यूप्टि होना २ निरना (फूस वरसना) सड़ना। बरसाल १ मौसासा पावस वर्षामुलु वर्षाकास सावन मार्डो

२ बारिक मेड्ड वर्ष वृद्धि ।

बरसी निर्वोत्तिवि पुष्पवित्रि मृत्युवित्रि (कमी-कभी पहनी)।

श्रदातः अनेव शारात वरगाता।

हराबर १ एक-या कुम्य सद्धा समृतुष्य समस्य समान सरीबा -या २ अनवरत अधियाम निरंतर विना रके मुत्रसरिद, मुससरल सत्तर ३ सपाट सम समतस हमकार ४ एक पॅक्ति

मे एक साथ शाय-साथ १ तथा सर्वता हमेला हर वन्छ। री जोड़ मुकाबिका सबुकता समना समाभवा।

बरावरी जोड़ गुड़ाबिका सबुद्धता समता समामता। बरामद होना पकडा भागा आपत होगा मिसना।

बरामदा ओसारा शोसारी चीपाल वालान वरंडा वरंडा।

बराय १ करके (बराय नेहरवानी) २ के मिए, के बास्ते (बराव

नुदा)। बरास्ता बराह, वाया से द्वीकर, से दीये।

बराह दे वरास्ता।

वरी आवाद सूटाहुमा मुक्त रिहा।

बरेठा छोती रजका

बरौनी १ अक्षिलीय प्रथम २ कक्षारित।

कं सक्ति विजनी विद्युत, सौदामिनी।

क्कॉस्त क्वांस्त (dismiss) १ डिसमिस पदमुवन सेवामुक्त २ पदस्युत (केन्द्र राज क्ष प्र आदि) सेवास्थुत (उ प्र )।

(क्न.प.व. च प्र. साथ) स्वास्त्र करना (च प्र.)। व्यक्तिकरना स्त्रार्थन करना (म प्र.) निवासना (स प्र.) सेवास्त्रुत करना (च प्र.) स्वास्त्रुच करना (स प्र.)।

वक्कांस्तपी (dusmissal) निकाना जामा सेवामुक्ति (म प्र ) इटामा जाना।

कर्जना निर्देश करना बरजना मना करना रोकना रोक स्थाना।

बतन पात्र भाड भाँडा माजन।

क्रतीय आचरण वर्ताव-मावहार व्यवहार स्पृकः।

अवडे जन्म-दिन अमिरवस योमेर्पदाइस।

वर्षारतः १ संहभ (वर्षान्य करना) २ सहनवस्मि (वर्षान्य के बाहर)। वर्षारत करना क्षेत्रना भोगना सहन करना।

एक झिना अर्फ द्विमा

मर्क । इन । सर्वेद १ मनार्थ सत्तम्य अंग्रसी २ सरवाचारी साततायी कूर जानिम निर्देश निमम ।

वर्षाद दे नरवाद।

वर्षां होना जवकृता। वर्षांकी १ तवाही २ वर्षि भूवसान हानि १ नाग विनाध सरसा

> नान। वर्षे सतैया वर्षे भित्र हरशा।

सन १ अर्था गणत जोर तारत दम दम-प्रमाणनावृत्ता सन भीवें जुना स्रीत्म वामार्य २ चमु गीव चाहिनी वेता नैत्यक्त १ ऐटम पटा प्रधाद मरेट (रूपी घवन) ४ ऐटम मरोह (पट यक्त पहना) १ गण राम टेडापन ६ मुकाव सम्बद्ध (प्रमाणनावृत्ता) ७ मरोमा महारा।

दशयम यक्त व्येष्मा। वस्ताहः वस्तामः।

बतवाऊ बनशम। बतपर्वक खनरवाती बसात् हरातः।

बलराम बसराङ, बनारेश बनगढ रेवनीरमय राहियव हमायुध ।

हिम्दी पर्याय क्रीय / ४३३

१ क्षणका वैना बैभा-फसाब रायट २ बबर बग्रावत विहोह विप्सव । वतवार्ष १ उपत्रकी बंबाई २ वरायती विद्रोही विपन्नी।

क्रमेरनी अवरदस्स अवर जबरा वर्गामर्व बोरदार घोरानर, तमहा साकतमर पराशमी पुष्ट गरियार बनातामी गम-बीक्ष बसिष्ठ, बसी बहादुर मजबूत महाबीर शक्तिमान् सनितवान्, यनितवासी जनितसंपन्न सबस सहस्त ।

रै भापना बाफ्त मुसीबत विपत्ति विपता संकट २ प्रेत

१ कुर्वाती (देवार्ष) पत्रु वश्चि गरवनि २ उत्सर्व कुर्वाती

त्याप निष्ठावर, निसार स्थोडावर स्थोडावर वारमा सदका। १ (इंद बकरीद काली-पूजा बादि के बबसर पर या देवार्ष)

करना छोड़ देना स्थाधकरना स्थानमा परिस्थान करना।

इसा दतास्त बनान्तार

बनवान

बसशासी

बाधा मुद्रप्रेत भूतवाक्षा। बन्दरती (से) बनपूर्वक क्षत्रपूर्वक हठातु । १ क्वबंस्ती संगोग रेप श्रीमर्गय व्यक्तियार सतीत्वहरण ह्युनैक तेनोय २ (बबर्रस्ती किया वया) कुक्से रूफर्स

दे बसवान।

**र**म्बरय । बसाहरू रे वारस।

यसि ి देवार्चमारानमा पद्मु, वसिवान २ पूजा-सामग्री ३ वहाबा मैंबेच ¥ बाहति हवन-सामग्री हवि हविष्य' ५ निकासर स्वीक्षांबर।

ছবিৱাস बसिदान करना

कुर्योती करता शरबलि/पनुबक्ति देना बसि पद्दाना २ निस्तवर करना निसार करना म्योधावर/न्यौध्नवर करना बारना सदक काना ६ सारभरपान/बारमात्वर्य/करना ४ उत्सव

ৰলিত दे बलवान । क्षांत निष्ठावर ग्योधावर ग्योधावर। बसिहारी वे वनवान । बसी

दे दयम। क्संबा वै बला। महा सदद।

बर्धा नेका माना तीन । वासम

क्रमीवद

बन्सा बैटा

बबहर १ चनवास बगुल वासचक, वास्याचक २ अध्यह माँधी संसा सक्षाचात सुध्यन १ सक्षट क्षयहा-सप्तट बबास बावेसा यवास ।

बचासीर वर्ग जुनी बबासीर, बादी बबासीर।

बगर्ते अयर बचतें कि यदि खते यह है कि।

बर्तत दे बसतः।

कस १ अधिकार नाजू निर्यंत्रण जोर, नग्र समिन २ केवस सहस्र माम किर्फ १ असम् नाफी पर्याप्त बहुत ४ मोटर सरीते।

बतना १ अब्बाजमाना निवास करना यहना वंत्रना ठहरना २ आवाद होना।

बसर युवर युवर-वयर निर्वाह ।

बसेरा ठिकाना क्या रैनवमच वासस्यान।

बस्ता १ वैव स्वमवैव २ पो<sup>र्</sup>फ्रोमियो।

बस्ती १ आवादी २ छपनवर कॉसोमी टाउन १ मॉब ग्राम ।

बहुक असवस्थान स्टूम असूम कार्ते प्रसाप वहरी-बहुरी बार्से दे सिर-मैर की बार्से ।

बहुकना १ इसर उधर बना याना/सटक थाना यानाज्युत होना सार्य प्रस्ट होना विश्वपित होना २ अत्तवस्र/कन जनुत बात करना प्रसार करना वहनी-बहुनी / सत्तव / वेतिर-पैर भी वात करना ।

बहुकाना पानत गाले वर श नाना/पटकाना गुवराह करना पदान्नट करना भटकाना २ सरक्रमट करना १ हुमसाना बरामाना भरमाना मुम्माना मुनाबा देना ४ उस्टा पाठ पहाना बन्धी पटटी/माटी पहाना।

कहन १ वहना भविनी महावश सहोत्रश स्वमा २ अग्रजा आश वीजी वीशी जाजी (वडी वहिन) व अनुजा।

बहुनोई जीकापाहुन।

बहर १ छं २ गमुद्र (दे)।

वहरहास जोधीको को हो बहराँक।

वहरा वधिर।

बहुमाना १ मनबहुमात्र करना मनोरंत्रण करना २ पटाना फ्रीसना फुरासाना बहुकना फिसाना १ छनाना वार्टी ने सपाना मुजाबा देता। बहुमान्य मनबहुमात्र मनोरंत्रण।

बहुनाब मनबहुसाब मगोरंश्रव बहुस कहासुनी बहुस-मुवाहि

बहुस कहासुनी बहुस-पुनाहिसा बाव-विवाद। बहुद्वर १ पराणमी बीर, कर कर-बीर सरमा

बहादुर १ पराणमी बीर, सूर सूर-बीर सूरमा २ निकर, निर्मय गिर्मीक ३ निश्चवक वैश्ववक ४ छल्याही खाइसिक खाइसी हिम्मती।

बहादुराना पराकमपूर्ण बहादुरो का-सा बीरतापूर्ण बीरोबित झूर-शीरों-वैसा।

बहाबुरी १ पण्डमा सर्वात्रपी शीरता बाँगै २ तिकरता निर्मयता निर्मीकता ३ साहस हिम्मतः।

बहाला १ चक्का प्रसादक करना सहा देना २ (धन के प्रश्नेग मे) अपस्थय करना ध्रन्न क्या कि उत्तर सुदाना १ डाका (अग्नेप्रवहाला) ४ टासदूक टाक्सटोस हीसा हीका-ह्वाका १ (के) बहाल (के) नाम थे (के) निमित्त (के) निए, (के) बहाले ।

बहानेबासी टासमटोस हीमा-हवासा ।

बहार १ चतुराव सधुनतु, सबुमास मीसमेनुस २ वानंद सदा सीव सीज-सस्ती।

बहाल ज्या-के-स्यों पूर्वनत्, पूर्व स्थिति म यवापूर्व ।

बहाद प्रवाहा

वहिन देवहन।

बहिरय बाहरी बाह्य।

वाहिर्मुक्ष खुका बहिनिय्ट मिलनसार मिलने-युक्तने वासा सामाविक बहिर्मुकी (व्यक्ति)।

अहिस्त वे स्वर्ग।

**वहिष्कार** छोडना त्याय परित्याथ बायकाट।

बहु अधिक अनेक प्यादा वसंध्य प्रकृत, प्रभूत बहुल विपुत्र ।

बहुउद्देश्यीय चहुँगुकी बहुआयामी बहुगुकी ह बहुद्ध बहुवियमी ज्ञानवाचा बहुपठित

बहुविषयी जानवाचा चहुपठित बहुविषयज्ञ बहुभूत महा पडित गर्वज्ञ।

.

१ अठि सर्विषय अठीव अस्पंत अन्यधिक बहुत अधिक बहुत स्यादा भूरिभूरि २ अपरिमित अपार अमित रे काफी पर्योग्त पुष्कल प्रकृत,प्रमून भरपूर समेन्ट बिपुस सन्बल दर्वे ना ग्रजब का (ग्रजब ना खुबमुन्त) निहासन अधा का (बला का लुबबुरत)।

१ अनिवयका सधिकता साधिक्य २ पर्याप्तना प्रवस्ता ब्हुतायत यषप्टना विपुत्तना।

बहुनेरा अनक बार, बहुन बहुन वक्षित्र बहुन स्यादा आर-बार ।

बहुतरे मनेक असक्य जाने विश्वन न जाने विश्वन बहुत-म। बहुद्धाः अस्मर अधिवतर अधिकारात स्यादातर प्रायः प्रायमः,

बहुत करक विशयकर विशयत । अधिकाश अधिसक्य अधिमक्यक बहुमन्द बहुम्क्यक बहुमन

मर्वोत्ति ।

संपूर्व क्रीमदी दानी केशकीयन केशकीयदी मृध्यवान। बहुमूस्य

बहुबर्यी । बहुरयी

बहुरिया दे बहु।

चौरना

१ मनिष्यका मधिनना भाषिका पर्शतका प्रभुत्ना प्रापुर्व बहुत्तताः बहुनायन बाहुरूर।

१ पनोह पुत्रका कार्या बहुरिया श्रुपा २ व पली यर १ दुनहित दुस्हत।

शहेरी बाबेटर बासटी चिड़ीगार, बीबारफ ब्याम स्थामा बहेलिया नुष्यत्र बादुनिक गिनाधै।

बोरा र्छम्बिक्तिया क्रैना बना-दना शवास्त्रा सवास्त्रा ।

वरिस बहाइर (दे) बीर गुद, गुरबीर।

निःमनाम निपूरा निपूरी बध्याः। যাল राष्ट्रनीम वारता वयारा-द्विरमा सवाता बेटबारा करता बाँट

बळरा परना विनरप करना विभक्त करना विमाजित श्रप्ता द्विग्ना-वधरा नदाना। विकरी वेरी शहननी दानी श्रीकरानी परिवारिका मृदा वारो

सीडी नेविका कैरंग्री।

देश ग्राम पूरता वेद वेशा। बांध

१ बध्-बायव माई-बधु, भाई-विराहर २ नाउँदार बोधव

हिन्दी पर्याप कोश / ४३७

रिक्तेबार सरीज संबंधी स्वधन ३ निज-बोस्ट गार-बोस्ट। वांबी १ बॅबीटा पीटा २ सर्पविका।

भौनी १ वेंबीठा भीटा २ सर्पविम । नौपुरी नभनोबार्वमी वेंसुध मुर्साका मुस्ती वंसी वेगू।

वाह १ वाबू वाहु मुज मुत्रा २ जास्तीय ३ घरोसा करम।

बामावक बाइक्वत ससम्मान सावर।

वार्ष १ गॅठिया बात बातवोग २ वेबी महिला १ (बीकेसाप) कोठेबाबी पणिका पुतरिया रही बैस्या (वे )।

वाकी १ जवसिष्ट धवकेष वकाया केप २ किंतु, परतु, संबर, केफिन≀

वॉक्स पेटी बक्स बक्सा मंजूपा संदूक।

ৰাভ ভ্যাস ভগৰৰ যুদ্ধৰ যুদ্ধিবাঁ খদৰ গাড় ৰাদীৰ ৰাতিকা।

बाएबान माभाकार, मानी।

बामीचा स्वान स्प्वन बाटिका। है बाय।

नाम १ स्थाय २ दे सिंह।

बाब १ क्योग्राहि, धर्वातक स्पेन समान पिमान २ कुछ कोई-

कोई, ३ रहित वैचितः

ৰাভা ৰাভ ৰাভ্যাৰ।

बाबार दरीवा बवार, मंडी मार्केट विर्पाण सट्टी हाट। बाबाक १ असिय्ट अल्लीस मंदी फ्रस्ट फ्राइट (बेरी मा

(क १ जिल्राट अस्तील वंदी प्रमुख पृह्द (वेदे प्रापा) २ प्राप्नृती साधारण जावारकी वावाधे वीमपालकी (वेदे प्रापा) १ वरिष्णुत व्यप्तिवारिकी (वेदे जीरत) ४ प्रविक्तवारीय (वेदे अस्त्रवाह)।

मानि दे घोड़ा।

बाकी वीन शांच बदान वर्त २ पारी पाणी बारी।

**वाडी**गर ऐंडेजानिक वाडूगर।

बायू १ मास्तीन बहि बाहु चुवा हाच २ (एक) देना पंच पक्ष

पर। बाबुर्वर जीवर काबु विशासठ, भुजवैद भुजवैद।

बाट १ कपर, कहर, पथ पवर्डकी राह रास्ता (दे ) २ वटकरा

वटि वाट।

बाहा १ पशुषाका सवैबीधाना ९ वहाता भय।

बाहीपाड अवरतक।

काह १ जनस्मावन प्रसाद सैनाव २ मनिशयना मधिकता आधिका बहुनायतः।

शाच शीर, माधव विदिश गर, भावक।

बारित्य राजपार बाविज्य (दे ) व्यवनाय भ्यापार मौद्रागरी !

बात १ वयन गमकोरन बण्डाई बागबीत बचन बामी २ वर्षा विक प्रमय (वैमे बान उठाना) १ स्ट्रण्याह पित्र बना प्रवाद (तक बान उसी है) ४ व्यद्धि विदु पुरुष मुहा १ हे बागबीन।

बातकोतः १ वधारक्यन युल्लयः वर्षा प्रानाचर प्रेटकार्ता वार्ती बार्तीचान संभाषमः संगप संबाद सवास-अवात २ घर बात विकार-विवर्ताः

बातुनी यपाड़ी सम्यो जन्मन वनक्त बाकामः।

बाद गुम्म नहाना स्तान।

याबरम १ मुनमञ्जाना स्मानपुर स्नामधर स्नानावार २ पेशावेषर सुत्रामय ३ टट्टी पाणामा श्रीमासय गंडास ।

बाद १ वनंतर, उत्तर (वैन नाठोत्तरी साहिन्य) उपरान परवान् पीछे २ व्याप पटा (बाद नरना — पटाना निवासना नसी अन्य पुर बन्नूरा साहि)।

बारवान पान।

शास्तः १ मेंबुर मेंबुधर, नव साथ घरा घर घरायान जनार जनार जीवृत्तं तीय ती घर धारावर, नारव निराम पत्रीर परीक्षर पर्वत्य बरणी बनाहन येव बारित बारि घर २ (बारणी वा नपूर) बारविशी घटारोर घनवाना सेववाना सेवावणी.

बाइताह दे राजा।

शारी १ बायुरीय बायुग्कीन बायुविकार २ वर्षी सुराया।

कायकः सहयन शाननवाना अवसीयन सवसीयी न्यापन शाननेवाना सोवनेवाना विध्यवनी विध्यवास्य विसोधी स्थापनी।

बाधा १ अन्याय अद्गा अद्भाव अवशोध विक्राई विध्य रवापर शेव अवधीन आधान हम्माद २ प्रवास धूर बाधा । बाधा शतना बारिय बाधा डालगा महेगा बालना अहेगी लगाना अहपन बासना पेमा मारना

> विधन डालाना क्लाबट शासना रोडे बटकाना संगी मारता व्यवधान क्षासमा व्याचात उपस्थित करना ।

> १ परिसीमित सीमित २ अवस्त अवस्रोधित नाधायुक्त भ्याचातित है प्रेतप्रस्त भूतप्रस्त बाध्य। वाजित मजबूर, साधार विवस।

१ पहनावा पोलाक बेलसूचा बेजविन्धास २ भएनी (बाना

पुबर ४ वज्या (जैसे बाबागावी म)। वे पिता। बाबुत १ मालिक स्वामी २ शक्तिय १ रपर्थलियक ४ दे

बापुरा १ अकियन अवना तुष्क दीन दीन-हीन नगम्य वेदारा मिस्कीन । है पिता। बाप बारे संविषय से सर्वेश्व से।

बागा) ३ खोलगा फैलामा (मृहशानाः)।

वावत

वाधित

बाध्य

कामगी

काना

१ भाजा बादा पिनामह २ दे पिता १ बुदर्ग बुद्रा बुद्र बावा

वार्ष पिता ('जी के साम भी प्रमुक्त — बाबू बी)।

बहिफार । वायकार एक भाग एक नेव एकाल करट, काक कावा कीवा चिरं बायस बीबि बाजिपुट बालियक।

बलिय क्रिक्म मुबी सिनेमा। बायस्कीप वार्या रे बाटा (बापे उस्टे हाथ मुद बाहर) नेपट बाम २ विसाध,

उदाहरण नमुना।

र पिता। हाप

विपरीत विरुद्ध (सावकृत धनवान ही बाएँ 🜓 । वारंबार १ पुन-पुन फिर-फिर, बार-बार मुहर्नुह २ मुखबाविर,

समातार सतत १ अधिकतर प्राय बहुता। बक्रामरतवा। बार १ सवाबहार (बीसे फून) २ सवाफम (बीस नीवू)। बारहनाती

अनेक बार कई बका कई बार पुत-पुत:, फिर-फिर, बारंबार, बारहा बार-बार । १ के वर्षा २ के करसात १। कारिस

बारी पारी पानी।

वारीको १ मूरुमना २ श्वरी विशेषता।

दाल १ असव कम वाकूम वंत्रस येमू विकृत जुम्फ, झाँट पत्रम नट मीम बिरोरह २ नेमपाब जटा बटाबूट भूडा जुडी १ मोटी मौति वेणी शिक्षा ४ (स्त्रियों के) बत्तक कारूम केसपाश चोटी बुल्क बुड़ा शॉटा शाटी वेणी १ (बुंबरासे) समक वायुक्त वीचित कैस क्लास ६ विटव ट्टन (श्रीक्ष स्

बाल पत्रना) ७ बासक (दे ) य. बास-कास बाल-मृत्य। १ तिल बाम बाम-योगाम बच्चा महका शिशु बासक २ जनगरक कमउम्र भावासित १ बजानी अपरिपक्त नावान नासमस बेसमझ।

बातवर स्कादद ।

बाल-बच्चे आस-श्रीमात आय-शीलाह श्रीसाह पच्च-बच्चे बास-दोपास सनित संपान।

वासम १ व पति २ वे बेमी।

बासनुसम बयराता बच्चों-जैसा शासोवितः।

बासा १ नवपुबनी नवयीवना २ वाऱ्या बालिका ३ ऋपर(बाला बाला नाम करवा निया)।

वातिका १ भग्या नाला लडकी २ पूत्री बेटी।

प्राप्तवत प्रीड मेजर वयस्क। वातिय

वासिरत विताः।

बाली १ वर्णभूषय वज्ञवसय वडल २ (पीधा पी) वाल ।

रैपु रैपुरा रेत सिरता मेरत। वालुका वालू बास्परात -बास्यावस्था सन्दर्भ सैशव।

बापजूद के रहते के होता।

बाबरकी कुछ जानशामी महाराज रमोध्या सूपकार।

बाबना चन्मादो पायश विभिन्न सनकी मिड़ी।

बाबनायन उग्माद पायसपन विधियाना सनक।

बादली बहरी तसैया साम सामाब पुष्परणी पौग्रण पोखरी बाबदी वापिश वापी गरमी।

निकामी रहनेवामा वासी। वाशिया र्यम मूनहरू थाता वास

महिराने धरिवधर धराधर, नानरान फनिपति भूधर महीबर बासुकी शेवनाव सहस्रविका सहस्रकत ।

बाहरी १ बाहरका बाहरवासा बाह्य २ अवनवी हैर पराया बेगामा ६ उसरी।

बाह बहिनाजुभूत पृत्राः

बकुपास शंक्रमाच अविकार आर्थियम आस्मेप।

बाह्रमुस काँय भुजमून।

वाहस्य मधिकता माधिक्य प्रकृतता प्रापूर्व बहुतायत बहुसता।

बाह्य बहिर्येत बाहरका बाहरी।

१ नुक्ता बिहु, सून्य सिकट, सुन्ता २ टिकसी टीका विकी

विदुसी बेंदी। विद १ दुक्ता विदी यूग्य सिफार सुम्ना २ कन इन्द्रेस सीकर ३ म्बास्ट मुद्दा ।

fee १ व्यक्त छाया प्रतिवित्र २ आरमास ३ प्रतिमृति प्रति-

क्रयेका होना बिनी होना बेचा जाना विश्व होना। বিক্সা

क्रिकेट विक्य संज्ञा विकी

छिनकना छितराना तितर-वितर होना फैसना विकीर्य विचरना

होगा ।

विकास इष्टर-एश्वर फैमाना क्रिटकमा छित्तरामा औरमा विवर-बितर करना तीन-देव्ह करना प्रश्नामा विकरामा बुरकमा विकीर्प

करना ।

१ वप्रसम्म/कद होना चोध/गुस्साकरना नुकृष्टना सस्ताना विषद्भना बपटमा बॉटमा बॉटना इपटना नाराव/स्ट होता २ यराव होना बर्बाट होना ६ वमभ्रप्ट/वरवसन/व्यक्तिवारी हो काना ४ बैमनस्य होना संबंध खराव होना ३ वपन्यय होना बेकार में खर्च होना व्यर्व में व्यय दोना।

१ शतुता इस्मनी बैमनस्य २ मतभेद मनमुटाब ६ घटपट सरका सबका-संसद सकाई।

१ कहा करना क्षराब करना चुहनीकर करना चीपट विमाजना करना भप्ट करना नष्ट प्रप्ट अपना नाव करना दर्शर करना मिटी करना विश्वत करना २ नुमराह करना पर

विषय हैं

विवारना

भए करता ।

विक्रोलिया बीच-बचाव करनेवासा मध्यस्य । भीर स्टारत कियान स्टारत सोयना सोय-विकास स्टारत ।

विक्रोसिया है विकर्णा

शिलायत १ विक्रीना बिस्तर, २ शस्या सेव ३ क्यरी यहा तोत्रक लोसक क्यी व

विद्योह बनयाव जवाई, विक्लेस वियोग विरहा।

वियोग है विद्यापन ।

(बजरी इसकिन्सिटी धरका श्रमप्रमा श्रीयका यात्र कवसा कपना तहित दामिनी पाचर बच (बचपात) विवत ग्रेगा

भीदाधिती ।

विक्रमीचर पानस्कात्रस विश्वतपतः।

বিসদা कर (अनमी) करावा (हरि ) मंत्रा (प्रियमी)।

विका शासिकान ।

विश १ गमन प्रस्वान रवानवी रक्तत रहनती २ योगा हिरायमन ।

F farm विराई

विद्यना चतुरानन बह्या विधाना विधि।

विवरी १ सन्तय अनुत्य वितय अर्थ नावेदन निवेदन प्राचना हिनय ।

अ-(अनाव) अन (अनजाने) छोडचर नि-(निवस) निर विना (निश्रोंप) निज-(निश्यत) नित्-(निस्सार) वर्गेट, विसा (बिला बजह) वे-(बेबजह) रहित सा-(साबारिस) सन्य

(बामग्रम्य)।

ब्रश्नाद एरांत अयस निजैन सुनसान। विद्यादान

बिरम विरंगा (१ग-विरंग या रंग-विरंग में प्रयुक्त) बहुरमा बहुरती :

बना गरिन सामर्थे। शिरसा एकाछ कोई-कोई इक्ता-दुक्का विग्ल। विरत्ता

ferm र शप शोधा पीधा बूटा २ पादर पेड़ बूधा।

दिस्ही टे कियाची। किराजना

बानन सना तकरील रचना बैठना गांधा बरूक कर्य हर होता नशीभित होता ।

विराहर हिस्स

निरादर १ बंधु माई, भैंगा भ्राता सहोदर २ माई-वंद माई विरादर, सवातीय।

निगवरी १ बंधुता बंधुस्य भाईचारा भाईवदी स्वोक्ष्या २ आदि निरादरी।

विस्ताना ८ १ वैर दूसरा पर, पराया वैगामा २ विद्वाना।

वित्तव (late) केर केरी पहेली (जि ) वित्तव समयोत्तर (म प्र )। वित्त है अंक्स कार पका गांधा किंद्र केर कराय भीड़ विकर.

सूराकार विधेयक ३ वेशक (भ प्र ) बीजक (भ प्र ) विषय (केंद्र राज्य स प्र ) शादि।

विमक्त वै विस्तुम।

विसंस्ता वीक्या-विस्ताना रहन करना येगा छेगा-विसंबना विसाप करना।

विक्रम १ अलव मुद्रापुथक भिन्न २ ग्रीर धूसरा पराया विराता विमाना।

विक्रविकामा कुक्तबुमाना पिकृतिकामा रोजा चिस्तामा विक्रम द्दोगा विक्रम होना ।

विसाई वे विस्ती।

विसामती १ जेंग्रेजी २ विदेशी।

विकार १६ दिल्ला १२ विस्ती। विलोगः विकोशन करना विलोहना प्रवन करना सवना महना।

विभौता मार्जारलावकः।

विस्त्रक १ पुरुषम कराई निर्दात निषद, निष्य निहासन पूरी तथा पूर्वत सराविक संपूर्णन स्वयास सर्वेषा स्था सोकह काने सराविक प्रेर एक सोकह काने सी श्रीकरों २ वया भी स्विक्ष्मी बोहा भी तेत भाव भी १ जबस्य चरून निक्स्य ही निस्त्रवेह विकास का विकास प्रोचनुवह विकास कुरहा

बिहिट्स दे भवत।

fixe i

विक्ष्मा १ विकास मार्जार, विकास, विक्षान । वै विक्सी १ २ वेच । विक्ष्मी १ वीक्समोजन वीक्षाक विकास विकास, विकास विकास मार्जार, मार्जारी । वे विक्षा १ २ विकास विकास

तम्ब वेस धी**फ**ला

बिस्तर विद्यानन विद्योग वेड शस्या शैया सेवा

बिस्तुइया बृह्योघा छिपहमी धम्सी।

विस्मिल्ला दे गारम।

बोच अनरास अवर, दरमियान दरम्यान शीक्षर मध्य मे ।

बीचोंबीच ठीव मध्य म बिस्तूस बीच मे ।

क्षोज १ तुल्म दाना बीमा २ नारण हेतु ३ जड सूस ४ बीपै

गुम ।

भौजक देवक (संग्रंबि) वित्त विषय।

शीजपयित समज्जाः

बीजरी बीजुरी विवसी।

बीड़ा (पान मी) छोमी विभौरी।

बीतना बटना गुजरना तमाम होना (उन्न) व्यतीत होना समाप्त

होता ।

बीन १ बीना भोषा २ (सपेरे की) बॉन्स्री।

बीनना चनना छोटना विमयाना बीछना बीछना-वर्णना ।

बीबी बोबी १ देवी मूहतरमा (श्वबोधन मे तथा वैसे भी प्रमुचन) २ दे

पत्नी ३ (होटी) नगर । बीमास पिनीना चुनावनक चुनात्मद चृचिन चुचोत्पादक विचहुचा

युक्त ।

बीमा (insurance) इंग्योरेंस समानत हेंचा । बीमार जनमना अस्वस्य दिक पीडिन मरीज माँदा रुख रोस

वस्त येवी स्वाधिवस्त ।

क्षोमारी १ सस्वस्थाता साधि साधि-स्याधि सब रूप्पना रोय कर्राधि २ झंसट ।

शीवरर वैक दे ग्रामी जोन वेक।

भीर १ दे बीर २ दे भाई।

बोरता दे वीरना।

बोरबर्टी इत्रम् इंद्रमपूटी राम की पोड़ी (सबस प्रदेश) ।

क्रीजी हे बीबी। बोसी कोडी।

बासा वाडा। भोहड १अमयास ऊँपा-शीषा कवडधावड २ वंटिन दिवटः

इ पना ४ है जनमा ।

हिन्दी पर्याय कोश / ४४३

**बुक**धा

**बु**डिमत्ता

बट्ठर गठरी पुसिका पैक्टि शंडल । बुक्चा

बुक्तरी चूरा चूर्णपाउडर।

बुकिंग क्सर्ख टिकट बाबु।

क्यर फीयर।

**बुबार** 

बुद्धविस कातर, कापुरुष कायर बरपोक गीर ।

नुबुर्ग १ वहा वड़ा-बुड़ा बुबूर्गवार, वृक्ष २ बाबरवीय पूरम समावरणीय सम्मान्य।

बुसनर १ गुस होना ठंडा पड़ना ठंडा होना यद पड़ना जात होना। बुझाना १ गुभ करना ठंडा करना बढ़ाना (दिया) खांव करना २ तसस्मी देना चंतोय देना (समझाना-दुझाना मे) 🧵 मिटाना

(प्यास दुमाना) । वृत्तीयस क्ट्यक पहेली प्रहेलिका।

दे दुवाना । बुड़ाना

धार्यक बच्छ बहा-बूहा बुख्ये बुब्येशर बुहा समीपृद्ध बुर्डा

वृद्ध । बुकापा चौबापन वर्षकी अच्छवा बचा बरापन बुदुर्नी बुढाई,

बुढीवी बार्षेक्य बुद्धला बुद्धायस्या।

बुद्धिया भारता भूकी वृद्धा।

१ प्रतिभा पृति २ प्रतिपृति १ पुतना। बुद

बतपरस्त मृदिपुत्रकः। बुतपरस्ती मृतिपूजा ।

बरबुर दुसदुसा दुस्सा।

इडमुकाना बहबदामा । बुरबुदाना

१ बावरित जाना हुना जानूत २ समिताम तदावत नुब यौतम बौधिसस्य सिद्धार्थ।

शक्त बहुन विभाग भी अज्ञा मति गरीया मेखा मस्टिप्न वृद्धि

विवेक समझ समझ-मूझ सुद्ध-मूझ। बुद्धिजीवी इटेसक्कुबल अबुद्ध ।

बुद्धिजीको वर्ग इटिसी में बिया इसीट प्रयुद्ध वर्ष ।

क्रक्तमंदी कुकाप्रता वानित्रमंदी वानियवरी प्रका प्रतिमा

बुद्धिमानी मनस्विता मेघाविता विवेशशीसता समझदारी होहियारी।

४४६ / हिम्बी पर्याय कोल

बुद्धिमत्ता

बद्धियान क्रमन्दर करमान्त बुगाग बुरादर्द्ध चतुर, वर्गन होदर बुद्धि द्वारिष्टवर, द्वारिष्टवर, क्षायान आस्त्री करोदी कर् इप्ती महादान मेहादी विदेशम बहुन्ती रूप्पान ह

F-1 ESI 1

बज्र बजारी, बबीध बहुमक बस्त्रण साम बुगबहर प्रदूर बुद्धहरम यहा बच्ची बावस्त्या कींचू वह शामाल निर्मेश्व बजान बुद् बारा घर मोह बरबुद्धि मन्बित सूत्र दूरस मर्खे हन्दुद्धि।

बद्धिष्टीनग कन्ना कन्नानम स्ववस्थान बग्नुना बहुता नाहानी नाममती बुद्धाना बैजननी बैबनुती घाँदूदना महिमदता मुक्ता मर्वेता मौग्य।

द दुविशीय। बद

कानी जुलाहा। बनसर

वनियादः १ आगाद् आधार्ययत्ता नीव नीवना पत्यदः २ जब सूत्त । बुनियादी बाधारपुत वान्त्रिक प्राथमिक प्राथमिक वृत्तपुत मीतिक।

बुमुसा १ खुमा मूछ मोबनेण्डा २ नामना नत्तर नातमा ।

शबाबुर खुबार्व शुक्ति चुखा। दमसिन

१ अध्य बाहा दुष्ट नीच बदमाय २ अबगुपी क्षेत्र बरा गंदा यदिया निवनीय वैकार का रही १ वु (कुपुक) हुटू (पुरवस्या) वद (वदयसन) ४ ग्राराव दूपिए दियहा मक्टर विकृत ५. अनिष्ट अपकाद, अहित बुक्सान हानि।

१ मनपुण देव क्यो क्लक गराबी खायी, खोट दाए बुराई बुगुम दोप धम्बा नुक्त २ सरशीत सरवत निदा क्रण्योई

बद्दमामी शिकायन १

अधारना अवकान समना अधिय समना औष ना गीटा बुरा सगरा होता मांच की किएकिरी होता. मांची मध्यटकता मांचों से यहना/वधना वह मा सरना घटरना घराव सपना सनना यक्ष्मा भूमना नागकार सबना नालना।

प्रका क्रेंचा कार्य एएतपुरी बहा। बत्द

प्रचमा प्रेवाई। बुर्नशी

ब्दब्द बस्मा । कुसबुता आमित्र वरना आहान वरना नदेव देना निमत्रध देना बुलाना

बुसावा

## बेदस्बत होना

निर्मेतित करना भौता देना। नुसाना माञ्चान निवेच निर्मंत्रम स्पीता।

वे बुसबुका। बुल्सा **न्**हारी कूषा साक् बढ़नी सोइनी।

क्र क्ष कतरा जनकन ठोप फूहार बिद्व, धीकर।

बुंदाबाँदी प्रहार रिमक्षिम इस्ली बारिस/वर्षा

१ यंध्र महेंक बास्त २ दुर्वश्च बदबू। Ŧ

नोटी फुफी। षुमा

बुषा कनकटा।

बूद बुता।

१ सूप पौदा पौधा २ (कपड़े पर) ककाई, देल-भूटा। बुदा बुदी १ वड़ी वड़ी-चूटी वतस्पति वत्तीयक्ष २ अंब प्रीय

विजया। बुढ़ा जर्रेष्ठ, बरठ, वड़ा-बूबा बुबुर्व बुबुर्ववारः बुद्वा वयोवृक्ष

नुख । नृहत् प्रकल्त बढा विद्याभ विस्तीर्ण विस्तृत।

देव १ भग्नी चौकी २ न्यायपीठ।

बेंट बस्ताबेंटामुठ हत्था 🕻 डिन 🛭 वेसक्त दे मुर्खाः

बेबरय मनकड मनिनीत भनिष्ट अवस्य उद्दंब उद्दत वुस्ताव बीड़ डीठ≀

**बेहर**की बक्धइपना अधिप्टवा सबद्वपना बहुंबता श्रीडस्य पुस्ताबी ভিতার ভিতার।

वेमावक वे बेहरबत्।

बेइस्बत मनाबुत वपमानित अबहेमित बन्नीम तिरस्यत निराद्त

बेमाबक वेशवर नैपरव !

बेइरबत करना

बद्दस्यत होना

'बेइरबत के पर्यायों म 'करना' बोइकर तो पर्याय बनते ही हैं बूछ बन्ध पर्वाय हैं—६२वत एशारमा जलीस करना नंबा कर देना पानी जनारना प्रतिष्ठा संय करना वेद्रस्तरी करना। 'बेइउक्क के पर्यायों में 'होशा' समाकर को पर्याय बनाए ही जा

सकते हैं कुछ भीर हैं--किस्सन उठाना जिस्तत पाना नेना होना यत-पानी बहरना बैपानी होना। ४४a / हिन्दी पर्याय कोस

वेदरवती

बनादर अपमान अवज्ञा सबहैसना अबहैना कृवारी जिल्लात

तिरस्कार निरावर वैकावकई वेक्का वेपरवर्ग मानहाति। वेईमान व्यानत करियाला एकन करनवासा घपनाव मृठा धर्म-ईमान घोमकर यी जानवासा वदनीयत विक्वास पारी।

वर्डमानी समानतम खयानत यपनेवांकी स्वत करना बदनीयती

बैकरर दे देहरवत ।

वरवरी दे बहरवती।

वरवरा द सहस्वता। वेकरार देव्याकृतः।

बकरारी दे व्याकुनता।

बक्त दे व्याकुम।

बेक्सी दे व्याकृतवा।

बेहसर निरपराध निरपराधी निर्दोप :

बेहाव अनियत्रित बनवास सनमाना।

क्कापदः १ अनियमित अवैश्व जानून विषदः ग्रैरकानूनी नियम-विदय २ हे अञ्चलितः।

बकार १ ग्रामी ओधिकाविद्दीन वरोबकार वृत्तिहीन २ नामी ठामी ३ अवर्षण्य वो नौदीना नावारा वालाव्य निवस्सा निग्दरू निटम्मा निकम् ४ अवराय निर्मय प्रमुख बकार वा सर्व ४ अविदिक्त अनावन्यव स्वाचा प्रसन्

बकारी बरोडगारी वे ठाने होना वृत्तिहीनता।

बेस्टके निर्मशीय विनादिश्य वयटक वयटक ।

बेसबर अवन अनुवान बमावधान नावानिक बनुस बहुोतः । बेराबर तोना या भरना यार्गरे मारना यार्गरे नेना यहुरी श्रीक्ष माना योग्र बेबकर मोना निव्चित सोना।

> वेगम १ महाराजो गर्की गर्कमहिपी गरी २ थीमनी बोबी मुह्तरमा नुर्यो।

चेनुनाह निरपसाध निरपसाधी निर्दोप बहमूर। बचना अभेजन बस्ता वित्री सन्ता वित्रय सरसा।

वेषान वेक (endorsed cheque) पृथ्वीवन वेक (स प्र )।

वेवारा १ बापुरा वराक २ असहास निराधस निरसहास विवव १ वसनीय परेवान वेहास ४ अकिंपन कंपाल गरीव कीन सिर्मेन।

वेचीय दे व्याकुस।

बेचैती वे व्याकुमता।

वैश्रोड़ १ अनुसरीय अधियोय अन्यः अनुपत्र अनुप्र अन्यतम अपूर्व अप्रतिम निवयम वेतवीर वैतिशाल साववाल सातानी २ अव्युत अनुत्र अनीवा अद्यासारण असानान्य कमाल का गवव का निराला शावों में एक वित्रश्चल हवारों में एक।

मेदा दे पुणा

वेंड १ काट कारपाई, पर्संग २ विस्तर सम्या सैया छैन। वेडा १ किस्ती तर्राव तरी नाम नौका २ नौका-समृह पोठा

बड़ा १ किंग्डा तराम वर्षामा नाका २ माका-उमूह समृद्ध, ३ वेडी ४ चक्तवान बहाद पोत बोडिय।

्बेड्डी १ वंजीर, निवड़ बंधन २ (छोटी) वड़ी।

मेडीम देगडग।

बेडवा १ वेसकर बेसलीका बेहुनर २ वे बेडव।

बेडेब १ वडीस बढंडा बेतुना (सकात बादि) २ दुस्स वेडीस वेडेबा पहा (श्वापत) ३ वजीय बबुदा बहुमूत बसामान्य।

वेतरतीव द अव्यवस्थित।

वेतरह बहुत बहुत स्वाया बुरी तरह, बुरी तरह हैं वेमाय।

वेताव देव्याकुम।

बेताबी दे ब्याकुभता।

सतुका १ नडीम वेडेना वेडन वेमेल (मकान सारि) २ कुक्प वेडीन वेडमा वेडन वेडूना भहा (स्पन्ति सारि) १ नतीन जनूना सनुमुत समामान्य ४ ऐस्पर्ट १ नस्यत मुसंबद ।

वेदम १ अध्यसरा मृतप्राच २ अजनत कमओर निवेत जनित्रहीत १ तिजीव।

बेरव कटोरहुवय कूर निर्धय निर्मेश निष्दुर पापाथ हुदय बेरह्म संबंधित पालिस।

वराच १ साफ,स्वच्छ २ निरपराय निर्दोप निष्क्रसक वैरमूर।

वेयक्क १ निवरहोकर, निश्मक निस्तंत्रीय विसाहित्यक वेयटके वेद्योक, वेहित्यक २ भिवर, निवदक निमय निर्मीत साह सिक माहुमी हिस्मती।

बनबीर दे बजोड़।

बनसीव अभागा फूटी तक्रदीरवाला फटे नगीववामा वदक्रियन ।

बेपनाह सरयधिक कथाम का ग्रवह का बहुत बहुत स्यादा (उसमे वेपनाह को जुलमुरती 🌓 ।

बेपरबाह समावधान ग्राप्टिक निर्मेड निर्मियन वेपरबा बेफ्टिक मन मोबी सम्म

बकायहा अकारय निरमक निप्टन जिजूम बेकार व्यथा

बैकिक असमस्य निर्देश निर्देशक वेपरका वेपरकाह मनमीजी मस्त ।

बेबस अगराय निराधन सम्बद्धर नाचार विवत ।

भवसी समहापता निराधयना मजबूरी भाषारी विवस्ता।

बमतनब देव्ययः।

वैमिमास देवेबोड्ड

बेमुरध्यतः तीताचाम बेसीम बेमुरम्बरी।

बमुरव्यती दोताश्वरमी बेरग्री।

बनेस अनुकृष अनमेन अभयत असम असमान वेजोड़ बतुरा विकास विस्तान ।

बेर्रंग पर शीरा बढरंग बमना बेनुस्त विवर्ण।

बर्गुस कूर वासिस निर्देश निमम निष्कृर बेहर्द । बरोडमार प्रामी जीविकावितीन विना वास प्राम का ककार कैटर

हुमा। वन १ सहर नता नतिका कम्मरी बस्ती २ विस्व मीहत

मिरपणः। समदारं कामबार संबद्धर थमिकः।

बना १ बेइन मींगरा मानिया २ वक्त समय।

बमाय प्रश्च बाहुङ (बात) बिना नाय-मनेटवामा बनीय मार स्पट, स्पटनाडी।

वित्रादः १ तीताषाम वेषुस्यतः २ विश्वता यहा तिर्नेत्रद्र देशम देश्या।

बनीय द येनाय।

```
वैवक्फ
                                                         बेहदापन
      वेवक्क दे मूर्वा।
     वेवक्की वे पूर्वता।
      वेबक्त असमय मायक्त कुसमय।
      बेबका दोताचरम बेमुरध्यतः।
       वेका परिक्रीना विश्ववा।
      वेशक
              व्यवस्य सकर निष्धय ही निस्त्रवेह।
   वेतकोमत
              समस्य ।
      <u>बेकर्म</u>
              १ थिकना वका निर्मेच्य वैकारम वेहवा २ वेसुरस्वत
              वेलिहास ।
     बचर्मी निर्मण्यता बेहवाई।
       वती वे अधिकता (कमी-वेली से ही प्रायः प्रयुक्त) :
    वसुनार
             अपनित (वे ) शतंब्य (वे )।
     वंतवय जकारण विसायनह।
      बस्त वे स्थानुसा
     बेसचा अधीर असंदोपी।
     बसबी च व्याकृतवा।
    बत्तमम नासमझ भूवाँ(दे)।
   बेसहारा व
               सनाच ।
    बसिक
             भाषारमृत भारभिक भावनिक,भारभिक बृतियादी मौतिक।
             व्यक्त असल वेसकर बंधाल मुस्सित।
     वस्य
             अण्छा वधिक नण्डा रशदा वण्डा वहकर।
    बहुत र
    बेहतरी
             अच्छाई, उलावि वास्तरी बह्रबुदी बेह्रबुदी असाई।
     नहुया
            निर्मेज्य (दे ) वेसमें (दे )।
    वेहमाई
            निर्मण्यता वेक्नमी।
     वेहास
            g unter i
             मरयधिक, अर्थतः जननिन्तः चार, बहुत अधिक बहुत स्यारा
   वहिसाद
             बहुद ।
```

अक्रिप्टता असम्पता जजहूपन वस्तमीत्री बेहदारन।

१ अतिष्ट असम्य उजह वस्त्रमीय २ अटबंट अंडवंड कम-बसून बाहियात ६ असिप्टतापूर्ण असम्महापूर्व पहा

बहुशायत वे वा ४१२ / दिखी पर्याय कोल

बहुदमी

बेहदा

(बात माथि)। के बहदगी। सदन चननारहित चननारस्य बदश्याम बेन्नबर बेन्नुस मण्डित महित सङ्गाहीन हराग्रान।

भवतनता चननागुम्पका बदहवामा मुक्ती मुठी सज्जा ब रोगी हीनदा । fr's दे स्वर्षे ।

र्वपंदवामी हे स्वर्धीय।

बैय मोपा देशा पार्टफोशियो :

ਵੈਧਰ ਬੀਟਾਬਰ ਬਰਾ:

**बै**यमी

करा गामनी बायुनी प्राथमाई वैजना। बेंक विस्ता।

क्रिजनी द हैयनी।

बैटरी १ मनाना २ चोरवत्ती टाच।

बैठक १ बैठनलाना बैठना ड्रार्टबस्य २ चौरास पदायनमधन 3 बधिबेमन योप्टी परिचय मीटिय नवोटी सद्या ।

हैत्स बामन प्रष्टुण करेगा जामन जमाना आमन भना आभीत हाना दगरीक रधना विगवना विशवमान शना गामा दगना ।

> १ सामन देना आसन प्रदान करना आसन केन की कहना यामीन करना जामीन होने का कहना दागरीक रखने को कहना विद्याना विद्याना विराजने का कहना बैद्धासना विराजमान करना विराजमान हाते की बहना २ जडना समाना फिट करना।

दे मन। **है**ताप

<u> बैठाना</u>

र्क्षन १ पावकी प्रतिवस प्रतिशोध (म प्र ) शक २ वचन वामी ।

१ अदावन इत्रमती बैर-विशेध विरोध शवता स्वयाद ŧτ २ क्षेत्र कित्रच चैमनस्य ।

वरी दे घर।

åн १ उस ऋषभ क्षुपुमान यो पुरव क्लीवर्ट क्ष भूषभ २ मुखें (हे )।

धक्यक्रिया गाडी बहली बैली एव लड़िया : र्वतपाडी

ईसह देवर देसट, बनपन । वैसरकारस मतपेटिया **यतपे**टी।

```
योस
```

गौर

```
क्षेष्ट बाद, क्वन ।
बोझिल
        पुष भारी वयनदार, वयनी।
  बोट
        तर्धय तरी नाव नौका।
```

योदा १ बालसी नानवी बीमा मंत्र मट्ठर सुस्तः २ कावर हर योक भीकः १ वस्यु बुवियत ४ मूर्व (हे )।

बोध बानकारी ज्ञान समझ। बोग्रगस्य ज्ञानवस्य समझ से आरोने सौस्य ह

बोर बगाकर्षक वस्त्रिकर अरोवक उदाळ, भीरस।

कड़ा चैसा वैयाचे बोरी। बोरा बोरी कट्टा भना वैष बोरिया। वै घोरा।

नोर्द १ परिषद् मञ्च संबदन संब २ तच्या ३ नामपट्ट साइन-

सोई । बोर्डिनहाडस

छात्रासय धानाबास हॉस्टन ! बोस इक्ति कवन भणिति वचन वाक् वाकी हस्द।

बोत्तवात १ कवोपकवन बातचीत र्यवाद २ वसती माया। काम के सायक न एक जाना जायें मही जाना जवाब दे जाना

बोत बाना

हिम्मत हार बागा। बोसना १ कवन करना शहना करमाना बताना सुनाना २ मुँह में

मिठास क्षोना मूँह 🖁 फुल सक्षा बीरीबन्दी होना 🗦 कर मा बोसना कांब-कांब करना ४ तकरीर करना चापम बेना

बद्धवासी विकिप्तता विक्षीय । वे भोम ।

मेक्षर साङ्गा लेक्षर देना १ उथ्यारय/इक्षपञ्च करना। इवदवा धाक प्रमान रोव रोवदाव सिक्डा: बोत्तवासा तूटी बोसना दबदवा होना आक बमना/होना नाम का इंका

बोतवासा होना गेमी

बबना नाम की कमाम चढ़ी होना माम की तृती बोमना वैक्षान से जिसान जमना शोनशान होना शेव/रीन होना। १ उपभाषा भाषा विभाषा २ वे बोल ३ बाबाब स्वर्षि ४ कटाइत संकताना व्यंग्य व्यंग्योक्ति ३ वीनामी।

बीबताहर

१ (वर्षाकी) सहास सही २ कटाश त्वा ताना स्यंमा। बौधार बौड्स दे मुर्च।

कीना टियना माटा बामन। बोर मंजरी मौर।

स्थात इंटरेस्ट स्थात सूर।

स्याबन्धीर सुदवीर।

स्थाना जनगा जनमाना जन्म देना विधाना ।

च्याह दे विवाह।

स्पृरी सॉक्रिंग रार्यातय रेंद्र।

स्पति ('क्सर-ध्योत' में प्रयुक्त) नाप (बाटडॉट के सिए)। स्पोत्त स्वीरा हिन्स तुपनीन चैताब विकस्प विस्तार।

भारास्थारा विश्वतिकान्यसम्बद्धाः वृद्धाः वृद्धाः । स्थाः वृद्धाः नृद्धाः वृद्धाः वृद्धाः वृद्धाः ।

बद्धा १ अन बाग्यम् बारमा नर्ता चैतन्य परब्रह्म परमनत्व परमितिता परमपुरुष परमहुस परमात्वा परमन्तर, परान्यर

प्रभू समझान विष्यु सप्टा दं ईश्वर २ बहुत (समाम मं)। बहुतमुद्धः स्प्याम सिम्मार, भार। दं प्रातकास।

ब्रह्ममूत्र चपनयन चपनीत जनऊ, यज्ञोपणीत ।

हर्हाड आकाममंडल खयोल जिमुबन। दे नंसार। बहुरा संबक्षासन अग्रजन्मा सारमधु कर्तार, बतुरा

बह्या संस्त्रासन सप्तरमा सारमधू वर्तार, बतुरानन अपदोनि साता पिनामह समापति विसता विसता विसाता विसि विस्ति सरिकारी साता स्वापत

विराचि वृष्टिचर्ता सदा स्वरंगुः।

श्रोद छाप मार्गी। इस है क्रोंबरी है

दा देकंपुनी १। बादकास्ट प्रसार प्रमारण ।

ৰাহ্যৰ দিহ বঁটিস মুখৰ বিস।

बाह्यमी पंडठानी पंडियाइन पंडियानी।

মিন গুল উরু।

बरेट कोण्य वसनी। बोतर वित्राणिका।

स्तर सामा पुष्पस श्रीवा ।

<del>স্থানত সুপী</del>।

শারক বুণ≀। ক্যান্ত হতি স্বদ-সমূ⊈।

क्सेड पती रैडर।

र्मेट सामी रिका

र्शनकोड सन्द्रास्थाह कोई स्थामनट स्थामन्ह।

## Ħ

१ व्यक्ति फिम्म-पिन्न टूटा-फूटा टूटा हुआ तोड़ा हुया प्रस्त विषटित २ पूटी भीव विकास । चंद-चंद्र करना अधित करना टुकड़े-टबड़े करना टुक-टूक भव करमा करमा तोइना घळ करमा। मंतिमा १ जंगमुद्रा जंगविष्यास अंगनिवेश अंदाङ कायिक धनिमा कायिक मुद्रा विक्किति वेश-विन्यास हाथ शाव २ बॉक्पन बौकपना बन्नता। मंदी १ जुडा अभावार मेइतर हसकोर २ व्यविज्ञी। भंपुर १ बुटनबीस नाबुक सुरसुरा २ वनित्य नश्वर, नाश्वदान । मंत्रक भंदरी मंत्र/श्रीम पीनेवाका। भें ने की मंचर १ ठोड़ना मंग करना २ स्थल करना नष्ट करना बबौद करना ३ गिराना अराबाबी र रता। भंदा वैयम् । मंड १ वर्तन पात्र प्रांक्षा २ भीड़ शस्त्रारा चिट्टपकः। भंडा **पु**प्त बात भेद रहस्य (मंदा भूटना मं) । भंदार मोडाइन गावाम कियो भांबागार भांडार स्टॉर्क स्टोर। **मंडारा** १ महाचीत्र सर्वमोज २ सासुमीज। मंद्रारी १ खानसामा महाराज रसोईबार रसोइवाँबार, एसोइमा २ (storckeeper) कोठारी (व प्र म प्र ) भटारह (उ प्र ) वंडारपान (वि ) संप्रक्षावारिक (स 🗉 )। मानर्त जनचन्न जसानर्तः। भैवर १ मीधा भ्रमर २ सट्टू। भवरा दे मुर्चा মত্রা মত্রা १ वर्षक बाराबक छपासक पुनाधी पुनक मनत-तेथक नरत २ निष्ठामु निष्ठाबान वफादार, शकासु ३ अनुगारी माननेवाला ४ वेटा (हुआ) विश्ववत विमाजिता। अर्चना भाराधना छपासना पूजा वस्तिभाव भावमन्ति। मनिन १ धानेबासा भशी २ मध्य करनेबासा नावकर्ता মলক विद्यंतक। १ उपस्य भूत बुर, योगि स्त्रीनित २ ऐस्वर्य नॉर्जि

भाहात्त्र्य भी क्षीमा संपरनता (भयवतीत्व्याभयवानमें यही अय हैं। 'वेंस्वर' भी फिरवर्ज मही संबद्ध है)।

भगरङ् (भी- का इहवड़ी में) भावता हबबहाकर पता-न/मापता :

भगवत दे श्रिवर।

भगवती १ देशे (देव/देश्या का स्थीतिय) २ पावती (दे ) काली (दे ) ४ सरस्वती (दे ) दे सहसा (दे ) :

भवदम् दे ईरवर। भवदा नायाव दनभा बादिया।

भगिनी अपना सनुध बहन बहना बहिन नहोदय स्वना।

भगोड़ा १ भएनेवासा भन्नू भागनेवासा सामाहुझा २ नायर शीवह करपोत संबदिस भीर ।

भगोता देवकी पत्रीला बहुना बहुनी।

भग् दे मगदा।

मान १ चेंडित दूरा दूरा-कम दूरा हुवा ध्वंम २ पर्यापत हारा हुमा ३ निरास प्रभाव हुनाम ।

मजन १ ईम्पीन देवपीति देवपीति प्राप्तमा प्राप्तिमीति प्राप्ति मीति प्राप्तिमीन खंडीतिन २ शामवय नामवान नाम स्मरम नामखंडीतिन।

্ষরণা অব্ভব্ন বার্থব্য স্থান ব্যক্ত স্থান ব্যক্ত কাম করা। শ্বনীক কডিলিনী অস্বান্ত অস্বী।

मड १ कगपुर कीट, भूर गूरवीर २ मीक्षा शहरण विपाही सैनिक ।

भरवना १ न्यन शास्त्रेपर वयाबाना पुत्तराह होना दिग्झियन होना दिग्झान होना वसझस्ट होना वहक जाना बहुवना भूतना शह भूतना २ समास में स्टिस्सा।

भरता पंत्रासात

णहरू अमह-यमक अमडीलायन पहर्वीशायन (शास-तहन-भड़क' स श्रमुणन) :

अपूरवार अमर-दमक्वाना अमबीशा चहुवीनाः

सहरता १ जनवना य नामा उन्तित हो उत्ता २ बाद का देवो है जन बज्ता प्रमाणित होना प्रदेश्य होना।

भक्काता 🚦 जनजना में नाता जलवित करता जमारना मीनवित्र

करना २ बाय में बीडासमा बक्तामा प्रव्यक्तित करना प्रदीन्य करना ३ (पशुर्वों को) क्या देना विवकाना सम्मीय कर देना।

मब्द्रशीला वे अवृत्रवार।

भद्रास १ युवार मनीयत असंतोप २ मनोयत क्रोम/कोम/वृस्सा।

भतीना आतुन आतुपुत्र आतुन्य आतुन्त ।

मतीची झातूना झातूपुत्री।

मत्ता एकार्वसः

भद भइ १ किरफिरी फीक्समेयर २ वपमान (हे ) सबमानना

तीहीन वेदस्वती वेहरमती हे पूर्वत दुवंदा। भवेत १ जबहू वेदार नैवाक २ वपरिपट्टत वर्तस्टूट हे वेडीन

वेडंबा वेडव महा भींडा ४ जनाड़ी पूद्र वेडंगा। महा १ जसुंबर, कुल्म वरक्तम वस्तूरत वेडॉम वेडंबा वेडव

भाँडा २ अभव बदालीन विश्वय बंबामन जन्म। महापन १ कुक्पता वेदपुष्टी वेदंगपन २ वम्द्रदा जनातीनता

असिष्टराः।

भडः १ अच्छा कुसीन करीक्र बासीन सिष्ट सम्य २ फस्यानकारी नंबसकारी सुभकारी १ परमधेष्ठ, सहासाव महोदस

श्रीमन्। सनकः १ अस्पष्टकानि जावान श्रीमी स्वति स्वति २ वस्त्वाहः,

स्कृती खबर। भन्मनानाः १ वृंबारकाला अन्य भनकालाः २ बहुबहाना मृतभुनानाः

विरोधस्यक्य बीरे-बीरे कुछ कड्ना । चुक्की भूठी चुक्की भूठी बगकी वंदरचुक्की वंदरमदकी।

भमकना १ जस एठना अञ्चलित होगा भदीप्त होना भड़कना २ कोध मैं छवस पड़ना उत्तवित होगा भड़क छठना।

भभकी वे भवकी।

मभूत मस्य राश्व (प्रसादस्थस्य)।

मर्थकर उछ क्रायल खतरलाक खूँबार खोडमाक पोर, क्यावना प्रथंक स्थमक भगातक भगावना भगावह, रोगहर्यक सोम-हर्यक विकट विकरास हीतनाक।

मधकरता अवचा प्रचंडचा भवानवचा भयावहता विकासका।

मदकी

🐧 थेंदेशा सार्थना खटना शना भूवहा संदेह 🗦 सार्वक घप सीक दर मास दहसत भी मौति समास।

भवमोन बावरित बराहूमा मस्त भयाकूल मयामात भयातुर, र्शनस्त्र सभीत सर्वक सर्वक्रियः।

भावतित होना गाँपना खून मूचना खीळ करना खीळ के मयभीत होता

मारे नौपना चौक्रवदा होना चौक्रस नौपना बरना बर स बर-वर बरना वस्त होना भाव खाना बरपराना वर्रामा बहुत्तना दहरात लावा दिल बहुत जाना घर बाना मयाहुतः होता भवाकात होता भवातूर होता खंकित होता सबस्त होना समक होना सर्गकिन होना यहमना।

भवतारक मयमोचन मयहरम भवहारी है भवनीत । भयार्थात

द मांग्रह्म। चयान्ड

द भयंकरे।

मय

नपादना हे मर्वकर। *में बारहर* 

हुत पूरा पूर्व संदूर्व सव सोर्फ्रा मर

(भरम-शोषध में प्रयुक्त) है ब्रिय-गोषण। भरम विसाना-पिनाना निर्वाह परवरिक अन्तर-योपेण भरम-पोत्रम पासन ।

हे भारत। भरतर्ज्ञड

१ मनी रिकून्मेट २ ऐडमियन दाखिला प्रथम १ भरा मरती काना प्रमानुनी रही सामारम (मरदी वा-रही

माघारप) । भ<u>ुप्रकृत्यस्ताः भौतकोत्र इत्ताः,</u> वयन्त्रमवर भरता वृतन्तृद बार भारता खबाखब बारता हमाहम भारता हुमाईनका भारती, हैंपना बालमा **पू**राकरना/बरता पूर्णकरना दूरिकरना*।* 

संबदेश गरना नवानवं भरता। बरता गर देता. पूरा-मान्यूरा प्राहेता. पूरा-मान्या दे देता, भरपाई चर्ना १ अण्डो तरह से परिपूर्ण कृत-पूरा भरापूरा: २ अपरिमित्र

मरार, बनित वाडी वर्गेज पुष्तम प्रवृत, प्रमृत विदुत्त । (भ्रम भ्रानि योगा २ भट सून्य-३ साधः। अरम मबार, अतिधवता मधिकता साधिका हर, बहुताया

हिन्दी प<sup>र्</sup>य-दोग / ४४६

बाहुस्य ।

भरसक वहीं तक बग सके वहीं तक संघव हो सके वहीं तक हो सके

नी-नान से यमात्रित यनासमय यनासास्य ।

नरा नोवभोत परिपूर्ण मरापूरा नवरेव नवानव।

मरा-पूरा दे मरा।

मराव भरत भराई।

भरीता १ एतवार यकीण विकास २ सवर्गत नाज आजार औट सामेद सामय आसरा प्रमय सवस सहारा १ जाता आस

चन्मीय तथकको। भर्ती सर्वार कोल बासस सर्वकाम साजन

सैया स्थानी।

भर्ती वे मच्छी।

भर्सना वर्हमा झाड़ झिड़की डॉट, डॉट-डपट डॉट-सटकार, ताड़ना बुल्कार, प्रवाड़ना फटकार खवाड़ शानव-सलामत।

बुक्तार, प्रवाहना चटकार बठाड़ जागत-सनामत।

जनमनसहस्य

भना १ बक्का उत्तम उत्कृष्ट देखा ठीक के मह करिक,

हातीन उपका वस्तु (सक्तमें) उद् (स्वविकार) सम्बन्ध

(मुद्धित) २ जण्डाई, रह्मान वरकार, नेकी फारवा भनाई, हिता ३ पुष्पकार्य सुकार्य स्टब्स् भनाई १ जण्डाई, रह्मान उपकार, नेकी फायवा चना माम हित

२ पुष्प पुष्पकार्य जुमकार्य सत्कर्म।

स्ती-माति वच्छीतरह(से)यवेष्ट(क्यसे)।

भव वे संसार। मबदाल: इंसट पात वसन ववेडा भववंडन माथा भाषाजास माया

पाय।

भवरीय नापना।

भवन १ दमारत विस्थिप २ गृष्ट, घर (दे०) शकान १ कोडी प्राप्ताद बेंगमा गहन सदम सदम सीस ४ वादास निवाद निवासस्थान वासस्थान।

भवनतमूह योड प्रबोड स्नाकः।

भवसागर देशसंसार। भवानी के दुर्गा।

.....

```
भवितस्य
श्वितस्यता
```

मानी सिका-बना होतहार, होती। वे मान्य भी।
१ सनावत आनेवासा भविष्यत मुस्तकवित्त

मविष्य १ प्रा

भवितस्य ।

भध्य सामीशान भवनाभिष्यम रीनकवार विराट् विश्वास शान

दारादे सुंदरमी। समुर वेठ,माईंची।

मस्म शार, भगूत मसम राख।

मीग पत्ती बूटी मंग विजया।

भाजा भविना भागिनय भैनें। भौजो १ च्यामकोरी चुमकी २ टॅपडी लंगी।

भाको भविनी मानिनेया भैने।

माँइ मेंईव नसदारा विद्वार ।

भांक पात्र वर्तन भीड़ा।

भांबायार दे भंडार।

मोडार दे भंडार।

भांति १ जिस्म भेद २ इति (से) तरह तरीका (से) पढित (से)

प्रकार प्रणाणी (थे) रीडि (थे) धैसी (थे)। भौपना अंदाब सगाना अनुमान समाना खाइना खाइ सेना पहचानना।

भांबर परित्रमा प्रदक्षिणा फेरा भांबरी।
भाई सबल अनुस कनिष्ठ जाता क्षेप्ट जाता वंध विरादर दीर.

सीरन भैगा भात भाता सहादर। भाईबारा बंधता बंधता विराहरी निनता मैंगी।

।ईबारा बंधुता बंधुत्व विरावशे नित्रता मैत्री। फाईबुक भैगाइक समितिया।

भाइतेष विराहर वंधु-नाधन नाई-वंधु, वंबेधी। भतीजाबाद वुनशायरस्ती नेपोटिन्स।

मताजाबाद दुनवापरस्ता नपाटरम। मतोजाबादी भूनवापरस्त नेपोटिस्ट।

भाग १ संग अवशव की धोड जिस्स पाटै पोर्मेज हिस्सा २ वार्ट भूमिता १ सनुभाग प्रमाग विभाग खेलान ४ तस्पीत (हितास से) १ सीहमून भानवीह सायमधान ६ भाव्य

(रे )। भागरीक योहपूप बीहमाग थी

भागरोइ कोइपूर बीइमान बीइन्नोड़ी भागमभाग मानामानी।

हिन्दी पर्याय कोश / ४६१

ऐसे जाना जैसे बबहे के सिर से सीव काफुर होना जमत होना भौषता दुम स्वाकर भागना भी दो न्यारह होना पसावन करना रफ्-चरकर होना सिर पर पाँच रखकर भावता ।

मायीदार १ क्रिस्सेबार २ मधिकारी क्रकार।

सागीरकी हे संग्रा

कमें क्रिस्मत तकवीर, नशीब नशीबा निमति प्रारब्ध वक्त (बदबक्दा) मुक्तूर, भावी मस्तक मावा सन्नाट, सनाट का

तारा दवना जैसे बन्य पर्वाय भी ही सकते 🖁 ।

मान्य फुटमा

भाग्योदय होना

सिका समाटका लेखा समाटके असार। 'बाम्ब' के स्वात पर 'करम' 'किस्मत 'तक्रवीर' 'नहीब' तथा 'मुक्बर' के प्रयोग हापा पर्याय वन सकते हैं। इनके अतिरिक्त - नारा वृद्धि में होता सिताश वृद्धि में होता पाम्प का

माम्परा भाग्यकान

'मान्य' के पर्यायों में 'से' बोडकर दैवयोद से मान्यदहात। अविकासित खुलनसीय अवस्य तक्रमीर का सनी तक्रमीर का शिकंदर, शंकदीरशाला नेक्यका बढ़भागी भारतानु, भाष्यद्याची मुक्ट्र का वती मुक्ट्रवासा धौभाष्यताची।

दे भाष्यवातः भाग्यरात्मी भाग्यहोन भाग्यद्वीनता

समाया कमकल प्रारम्बद्धीन वरक्रिस्यत वदनशीव वदवद्धाः। क्रभाग प्रारमाद्वीनता वर्षाकरमती वदनसीमी वदवस्ती। किस्मत का सितास जमकना किस्मत का सिदास बनंद होना क्रिस्त्रत का वितास बनवी पर होना किस्मत चमकमा किरमत जायना । इन विभिन्यनितयो न "किस्मत" के स्वान पर

तकबीर' तथा शुक्रहर' का प्रयान करके भी सन्य पर्याय ननाए

ना सकते हैं। पात्र बत्तत्र भांड भौड़ा। भारतम

माओ र विद्याप र

(बनाज धूनने की) मट्टी भरतीय भार (बनधी न)। भाइ

१ (मकान) किरामा महीना रेंट २ (दोने ना) नाटेंब भाडा इसाई ३ (रेल आहि) फिरावा टिकट ४ (शाव) प्रवराई, कराया बेगाई।

भोदन चाबस पुसाब प्रशाद । माह भाइपर ।

भारते

भाना अच्छासम्मा सवरमें बहुना मक्सों पर बहुना पसंद माना प्रिय समना वचना सुहाना।

मानु दे सूर्य।

मानुमती जादूगरनी माधाविनी।

भाप बाध्या

माभी मानी मानव मीबाई, मोबी भातृवाया।

भागिती देशस्त्री।

मास्त्रा ६० स्था। भार १ तोल सौल कोस वयन २ पुरस्य धारीपन ३ उत्तर

वादित्व विभ्येवारी विभ्येवारी वादित्व ४ दे० पाड़ । भारतः इंडिया भागोवर्ते मरतयंत्र भारतवंत्र वारतवर्षे हिंद

हिंदुस्तान हिंदोस्ता ।

भारतत्तव है भारत। मारतवय है ब्रास्त।

भारतवासी इतियन भारतीय हिंदुस्तानी।

भारती दे सरस्वती।

मारतीय १ इंडियन माराज्याही हिंदुस्तानी २ मारत का मारत

विध्यक भारत-संबंधी । भारवाहरू १ कृती पोर्टर, बोसी भारवाही २ भार/बोस डोनेवाला । भारो १ गुढ़ दुवंड बोसिल बोसीला भारी-सरकथ यजनदार,

स्वती २ व्यम यहा विशास मृहत् ३ कटिन करास मीपण ४ सत्यंत अधिक बहुत १ काविब कृष्ण वरिन्छ।

भार्या दे यली।

भार पेशकी मस्तक माथा कराट ।

भाता क्षेत्र नेवा वरछा वर्छी।

भात् भृद्य भाषुक रीछ।

भावं १ डीमत पर, निर्के मूच्य हिसाव २ विभागय बातय सारपर्य पायाचे प्रतम्ब १ सार, सारताव सारीस ४ वड् बात प्राप्ता १. द्यान विचार १ बहुपूर्ति ७ वरितव्य विद्यानका सत्ता (प्राय-कामाव)।

भाषना १ इयास भाव विचार; २ विनना ब्यान शोच ३ इरादा धारणा मनोवृत्ति रक्षान ।

भाषानुबार मुक्तानुबार सारानुबार।

```
भावार्व
```

४६४ / हिन्दी पर्याय कोश

```
भावीर्च वर्च अभिन्नास सारपर्वे मतलाव साने सामने ।
      माबी १ वे भनितव्य २ श्रमानित संभाव्य ३ भाव्य (१०)।
     मानक त्रवीयत्वार भावप्रवण संवेदनकील ।
     भावय
             व्यक्तिमावण तक्करीर प्रवचन सेक्चर, वक्तव्य बक्त्ता
             स्यीचा ।
  मायमधर्मा देवन्या।
             (क्रेंड lecture theatre) बाडिटोरियम भाषण कक्ष भेरवर
 भायवभवन
             विवेटर, नेक्यर हॉन व्याध्यान कहा (राज वि म प्र )
             व्याच्यानकामा (राव म प्र ) हॉस।
   भाषांतर अनुवाद प्रस्था एरवमा।
     भाषा १ वधान बाक बाली २ छपबोली उपमापा विभाषा
             ३ डिबी (भावाटीका)।
   भाषायी भाषिक।
माधाविज्ञान भाषाकास्त्र निम्निस्टिक्स सिसानवात ।
भाषासास्त्री : भाषाचास्त्रविष् भाषाविज्ञानवेत्ता भाषावैज्ञानिक ।
   भाविक भाषावी।
   भास्कर है सर्व।
   भारकर १ चयकता चमकवार, चमकीमा चयचमाता वान्यस्वमान
            दीप्तिकृत्त द्वतिमय २ सर्व (दे)।
    विश्वा
            १ भीख २ याचना।
     जिस १ वे भिवारी २ वीव सन्यासी (१वी भिदायी)।
   भिम्क दे भिकारी।
 भिक्रमपा दे शिकारी।
 भिसारित भिक्षकी भिष्मणी मिष्कर्गमित भिवारिषी।
            बायक प्रकीर, पिछ्, पिछ्क पिछोपत्रीची भिवर्गमा
  मिसारी
            भिकारी भैंगता मंत्रन यापक।
            भूपड्ना बुवाना बुबोना तर करना मिजाना रेपना सरा-
  मिपीमा
           क्षोर करना (
            १ टक्कर, मुठभेड़ संपर्व २ भूकावमा सामना।
    निर्देत
           वर्तमा बरं, बरं, हजा।
     সিত
           बस्टर ।
 चित्रमा
   निर्दित
           श्रीकार भीत।
```

निनसार देसनेसा।

भिग्न १ अभ्य मलग इतर ग्रैर इसरा २ स्वटित छिन

३ प्रस्फटित ।

भिन्तता अंतर, अलगाय अध्यानना अर्थ भर।

भिन्त-मिन्त बत्तम असम शरह-तरह, पृथक-पृथक विभिन्त विविध ।

भी सपि।

भीख खैरात थिया २ पनात शन।

भीवना बाई होना थीजा होना तर होना नम/पुरनय होना तराबोर होना सिक्न होना शीस बाना सोसना।

लीवा आहं मीला इवा कर नम पूरनम निका सीमा ।

भीड जनसंबुक जनसमूह ठट ठठ, भीड़ घड़का श्रीड़ महक्ता भीइ-भव्मइ भीड़ माड़ मजमा माँद।

भीडमाड दे भीर।

भीत बरा हुना भवप्रस्त भवभीत।

भीत बीकार मिलि।

मीतर अंदर अध्यंतर बीच यद्य में।

भीतर १ अंतरंग अंदर्शी आंतरित आध्यंतरित भीतर ना

२ युप्त गोपनीय प्रच्छन ।

१ धीमी मंद मंद-सद मीठी मीठी-मीठी हसपी (भीनी भीनी ख्यकु) २ इसी मध शीमी सिक्ट (भारमीनी रस भीती)।

१ भवंकर, मवानक भवाबद्व भीवय विश्वरान विमानकाय-ਬੀਸ਼ २ की मसेना

भीमनेन भीम (पाडव)।

भीव वातर नायर, करपोन नुबदिन।

भीदता कातरता वायरता कायरपना अरपोक्षपन वज्रदिकी।

भीषय अग्र र्शन्त्रार करायना भर्यकर समावद समावद विद्याल क्षीमनाक ।

भीवनता उपना मर्थररता मयानस्ता प्रयासहता विस्रातता।

१ बंधापुत्र वांत्रय देवलन भीष्यविनासह सानुनुत्तन भीरम २ भीषण (रे)। १ भूगमरा भूगा मरभूक्या २ श्वार्ग विधा विभक्षित मुश्यद

हिन्दी वर्याय कोस / ४६४

भूका व बाक, पेटू बहुमोबी ४ कंत्राल परिता निर्धन (दे)।

मुनदाना क्षेत्रना वर्षास्त करना भीवना सहना।

भयतान १ व्यवस्थी चुक्रता पेमेंट वैवाकी २ मिवटारा निर्वय प्रसन्ता।

भुमतानाः १ अया करना चुकता करना चुका देना चुकाना वे आक्रना वैवाक करना २ कर बालना पूरा कर देना संपादन कर देना ३ करन कर देना निवटाना समान्य कर देना १

मुर्जय मुर्जयम वे साँग।

विनिती मुजंधी नादिन सर्विची साँदिन।

मुज दे गुना।

मुक्ता है स्रोप।

भुजबंद वंतप केपूर, वायूनंद, शुवरंत।

भुजपूत अभ की वयन।

मुना १ वॉह, वाजूबाहु सुज दस्ते २ कर दस्त पावि हस्त

श्वासी कटार,कटारी।

मुदद्या कुननी मनका।

मृतवा कीहा परिया परिवा।

मुरबुत पूर्य बुक्ती ।

मुक्त दे ईसार।

मू १ दे पृथ्वी २ दे॰ तंतार, १ मिट्टी भृतिका ४ बग्मा

पैदा (स्वयंभू)। भूकंप भूचान भूबोन।

मुंबंड इसाझा क्षेत्र किता प्रदेव गाँवर, गुणान।

भूता ( भूधा बुमुखा घोषनेच्छा २ कामना शतक नागसा।

भूषा शुभातुर, सुभातं सुधित सुभृतित ।

भूगोस वियापैकी बृतराक्रिया।

भूबाल दे सूर्वन।

भूत १ जिम पिसाच प्रेन प्रेतारमा बैताल मूत-मेठ पून-बैतान २ व्यतीठ घटित शुविस्ता बीता हुवा मूतकाल मानी विषय व्यतीत ३ तस्य (पंचमूर) ४ प्रापि।

आयंव उदारमा कीय-टोट करना शाहना साहना-हूँकना भृत साइना साङ्-कुँक करना टीना-टोटका करना प्रेतबाघा हुर करना भूकना भूक मारणा फेर साइना सूव उतारना भूतवासा दूर करना मंतर मारता भंत्र पहना।

मूत शारुने बाला बोसइत बोझा स्याना शोबहत सीधा ।

दे महारेव। मृतनाथ

चुक्रैस विस्तिन बाइन कायन प्रतिनी सुविन सूर्विनी। नृतनी

मृतपूर्व निधर्तमान पहला पिछमा पूर्व।

भूतस रे पृथ्वी।

मृति हे ऐश्वर्य ।

मुदेव वे बाह्यमा

भूघर वे पहाड़ा

मृतनः क्षमतातानाभूयनाः।

भूप भूपति भूपान राजा (दे)। अंचल शेष क्रिक्ता चन्ह्र सूर्यंट स्वाम।

भूमाग दे पृथ्वी।

**मूनं**डल

भूमि दे पृथ्वी।

वृभिकर मानपुरारी भगात। भूमिका १ आमुख उपोद्यात तमहीर वीवाचा परिचय पीठिशा पुरोबाक पूर्वपीठिका पृथ्वभूमि शस्तावना शास्त्रभन कुल्ह्मा

मुद्धबंध २ वेखबंदी ३ नाम कार्य पार्ट रोस। वृमिजा भूमिमुता

दे धीवा । कपिम खानी नाकसेटी बादानी नटनैता गटिपाना। नुरा

मृरि मधिक स्यादा बहुत अनुर।

मूरि-पूरि अश्यधिक बहुत बिबक बहुन क्यावा बहुत ही स्यादा।

१ उसती चूक अमार भूतचून २ बगुडि तृटि शोध नुत ३ विस्मरण विस्मृत ४ अपराध पुगूर, बुर्वे १ पातक

वाव ।

१ दिनरना यादन रख पाना विस्मरण करना २ थादन भूतना राह्ना विस्मृत होना मुधि न राहना मुखि विसरना ३ ग्रन्तती होशा चूरु जाना पूसचूक होना यूसना-चूनना ४ घटनना। उर्मात भूमा मटना नूला हुना प्रतित प्रांत विरम्तः

हिन्दी पर्याप कोच / ४६७

१ वर्सकरण असंकार जागरण जागूपण गहुना खेबर; र खुबसुरती बहानेवाला कोभावर्षक श्रंगार सीटर्यकारी।

भृतित वर्षकृत विभूपित शजाया-सँवारा सवा-सँवरा। मृग दे घींरा।

**पृगी विल**गी गाँधी।

भृक्ती भी भींहा

भगुनाच वे परश्राम । मुख दे गौकर।

वे वांवी। नुस्या

मेंगा ऐंबावाना ।

rie. १ उपहार वीहका नकराना सौगाव २ इनाम पारिकोषिक पुरस्कार: ३ वर्षेन मिलना भूकाकात शास्त्रार: ४ इंटरम्पू, मेंटबार्ता र वामियन मेंट-ऑकवार विष्टना ।

पठाना रवानां करना । मेजना **मेलने**नामाः प्रेयक संप्रयक।

मेवा बेहन दिमाय महत्र भम्ब ।

भेड़ बहुतिका शाक्य, मेड़ी। मेडिया वृक्त हेंद्रार।

बहेरी पहेरिया भेदियारा भेदिहर। मेक्ट्रारा

मेद १ अतिर, धर्क भिन्नता विषयता २ मर्ग शहस्य एक

किस्म तरह प्रकार ४ श्वेरन शरक फ्ट ।

भेर जुनना कमई भूसमा पर्शाप्ताच होना पोस बुसना भंडा फुटना मौड़ा कूटना खुस्य वृत्तना खुस्य सामने भाना खुस्योद्शाटन होना राव भूभगा।

मेहमाद १ अंतर, कर्म २ तरकशारी परापात निहान।

भेरिया गुप्तचर, बासूस भेवी।

> रे॰ भेदिया 1 भेडी

बंका इनका बुँदुभी ननकारा नगाहा। मेरी

१ गृह चिहिया चिही २ (बुह की) दैया चेंचसेरी चाकी। ਮੌਜੀ १ कपड़े-सही पीळाक भेध वेख वेबभूया २ क्य कूटा ਸੇਵ

स्बद्धप स्वीत। १ शोवधि शौवध शौपधि दवा दवाई, दवा-दास भेवन

२ सपचार चिकित्सा।

ध भेगा।

भैस मझ महियी।

भेगा

भैया दे भाई।

भैपाद्वक भाईदुक यमवितीया।

भरव १ वति बद्ध करावना भयानक निकट २ भैरव-राव।

भौकतः १ वृक्षेत्रना वृद्योता धौनाना भौकता २ भूकता भौकता।

भॉक्स दे भहा।

भोंद्र भोंजू पीया बुद् वैयक्क बोदा संब्युदि पूर्व (दे )।

भींपू भींग होने ।

भीस्ता १ आनेवामा भीवन करनवामा २ उपमोस्ता प्रयोक्ता ३ भीवनेवामा सङ्ग करनेवामा।

भीम १ कीन भावविसास मैचून राति रमण विसास व्यक्तिसार, संभीग सञ्चास २ (वेचार्च) भीवन १ (वेच्या का) भीवास शेव ४ कर्ट (दे ) दुन (दे ) गीज़ा (दे ) १ कर्मप्रसः।

भोगना १ (बुळ लुळ) अनुभव करना भुषतना बुद्धपाना सुद्धपाना २ भ्रेजना बर्बान्य करना सहन करना सहना।

मोगबिसास १ आनोड-प्रमोब ऐश सुख चैन २ केसि सेमुन राउँ रमक

विसास व्यक्तिकार संत्रीम सहकास। भोषी १ के कामी २ के सौष।

माया इ.च. कामा इ.च. सामा भोज वेदमार दावत श्रीतिमोज सद्दमोज।

भीवन १ बाह्यर खाच खावसामग्री थाना खरार ।

भीवनातम भीवननाना रेस्त्रा मेस होटन ।

भोरप धाष खानेबीस्प। भोबरा कृठित वंद शहर।

क्षरा कृष्ठितनसम्बद्धर भ्रोट केसवेदा।

भोता भोता-माना शरम सीधा सीधा-नावा ।

भी अबू तेवर,त्योरी मेंव भू भृतुदी भींह।

भौकना दे भौकना।

भीरा १ समित सी। वंशीक विरेण, भूद्र भ्रमर मयुक्ट, सञ्चा मिसित पद्यव २ रसित व्यक्तियारी।

भौतक दे मौजनका।

```
१ बर्लकरण वर्णकार जाधरण आधूपण पहना चेवर;
             २ चूबसूरती बढ़ानेवासा जोमावर्षक श्रुपार, सौदर्यकारी।
     मुवित
             मनंद्रत विमूपित समाया-सेवारा समा-सेवरा।
      मृ य
             वे भौरा।
     म पी विसनी मौरी।
    भृक्तः भौभौह।
   भृयुनाच
             ष परकुराम।
      मृत्य देशीकर।
     मृत्या
            रे बीरी।
     र्मेमा ऍचाताना।
      मेंड
            १ बपहार, वोह्का मकराना सीबात २ इनाम पारितोपिक
            पुरस्कार: ३ वर्षन मिलना मुखाकात सामात्कार, ४ इंटरब्यू,
            र्घेटबार्टा ६ जानियन घेट-जेकबार जिपटना ।
    भेजना
            पठामा 'स्वामा करना ।
धेवनेवाला प्रेयक संप्रेयक।
     भेजा जेइन विमान सहश्र मन्द्र।
      मेड महसिका गाइर, भेड़ी।
   मेडि़वा
            कुक हुँबार।
           यहेरी महोरिया लेक्बिया मेक्किर।
 नेडिहारा
     भेट
            १ अंतर, क्रक विम्नता विषयता २ मर्ग खुस्य स्व
            १ किस्म तरह प्रकार ४ छेत्रन दारण फूट।
           क्सई बुनना पर्राप्तात होना पोस पुसना भंडा पूरना भाँडा
भेद सुसनाः
           फुटना खुल्य बुलना रहस्य शायने थाना खुल्योर्पाटन होना
           चंद क्षमा।
  भेदमार
            १ अंतर, प्रमं २ तरप्रशाधी पक्षपात निश्चाव ।
  मेरिया
           गुप्तचर, भासूस भेवी।
    भेडी
           दे भविया।
    नेरी
           कंका क्षमा बुंदुभी नवकारा नगड़ा।
    मेती
            १ गुड़ पिड़िया पिडी २ (दुड़ की) दैया वैवसेरी पाकी।
     मेव
           १ कपड़-मत्ते पोबाक भेत केत केतभूषा २ कप नूषा
           स्कब्प स्थीन।
           १ जोपनि भौपन्न जीपनि दवा दवाई, ददा-दारू
```

ं राषार, विकिन्छ।

मैपा है मेंदा

मड स्मामीशी।

मी देशभी।

मैन्द्र कार्युक वर्ण्डमीया।

भीरक १ अणि हा करावता भागतक विकट, २ भीरव-राजा।

भोंदरर १ इन्हरू कुएन देशन मेंदरन मुक्ता मेंदरा।

मुँग केल्या

मोंदू भोजू देश बुद् बश्च बोग संसुद्धि मूच (१.)।

FF 5 FF 1

मेंका १ बारवामा भीवन करत्वाचा " वाभेका आका

श्य ४ कट (६०) दुव (१ ) र्यंश (१ ) १ न्यस्त्र। श्रीयसः १ (दुव मुक) अनुसरकस्या मुण्या दुवसमा मुकस्य

श्रेमण बद्धान करता सन्त करता, गहेता।
 श्रीपविषक १ आमान्यसम्ब एत मुक्कीत २ कि मैतून पनि प्रमा

विकास कर्याचार, संस्थे सहस्त्र । स्रोती १ के बार्गा स्वत्र स्टी।

मोची १देवाणि स्वती। मोद वेदनार, द्वार जीतिसात स्वसाद।

मोजन १ जारुद्धार वाद्यान्ति वाटा कृतकः।

बोबराच्य भीवनमान्त रेम्बो केन, होरच ।

जीवर बाद क्षेत्रीयः।

भीवता वृद्धिः बुंद, महर ।

मीर के नवसा।

भीना भनानाना समानीश तीक्रमायाः।

भी बहु देवद गोरी मेंब मू मुद्रश्ची गीहा

भीवता दे में बना।

मीता १ वर्षित वर्षि वर्षी,श्वयंत्र हिरेट, मृत्रः प्रसद् समुबद् सञ्जा निवह वहारा - यस्त्र समित्रायाः

मीपक दें मीपता'।

मौचनका बारपर्शनकित चकपकाशाहुका चकित मौचक बिस्मित स्त्रीपत स्तव्य इक्का-चक्का।

भीषाई मानी भाषी भारक भीबी।

मौनी वै भीवाई।

मीतिक बाधिभौतिक पंचमूतीय पार्षिक सौकिक साधीरेक। भौतिकसारक किविक्स भौतिकविक्षात श्रीतिकी।

भौतिकसारमः फ़िविक्स जीविकमिक्कान जीविकी। कसः १ मनिक्चय भोका झीति मिग्माप्रवीति संका संबेह,संजव

स्य १ वर्षिण्यम् श्रीका प्रशिक्तं प्रियम्पारतीति संका स्वेत् स्थानं २ सतिकाम विकास ३ सत्तती प्रयाद भूम ४ स्तर प्रवादी सुगालताः।

श्चमण श्रदन चुनक्कड़ी यूमना धूमना-फिरना परिश्रमण पर्यटन बाना यायाचरी सफर, धैर, धैर-सपाटा।

श्चनर है मौरा।

म्बमित दे भ्रातः।

सन्दर १ खराव निया हुणा पतिया पणप्रपट विनद्रा हुआ। २ जाणरणहील बरचनल बुल्परिय स्पमिणारी।

चटा कृतटा किनान कुरचरिता पृश्यती वयमन अभिधारियी। धारताबार १ जनाबार, अपकर्म अपकृत्य पुराचार, पुम्कर्म अभिचार,

२ करण्डन चूरकोरी पाईचरीनावाद मिनावट। दिग्डमित पटको हुवा धूना-घटका धूना हुवा अनित।

म्बांति वे भ्रमः।

माता वे भारी। मात् दे भारी।

मति

स्रातुत्व भाईवारा गाईवन पाईवना प्रातृत्नेह।

मातुबत् बंदुवत् विरावराना।

भागक भागातक भावित्रमक सरिहास्पद संस्थात्यक ।

मः देशी।

म

भेषता है जिल्लामेंगा। भेडली बरधा वरिकाश नाग्यान सनाई।

४७० / हिन्दी पर्याय कीय

पतः १ सानंद करवाच कुशत कुशत-सब कुशत-वंपतः सेम चैर, चैरियत रिष्ट (सरिष्ट में) गुभ सदम् २ संपारक चूमिनुत महीनुत ।

मंगतरारी कामापटर, कन्यापकारी मंगतरारक सपतपद, धुर्मकर, श्रेमकर।

**नंदताबरन नारीपाठ, प्राथना स्तु**ति ।

संख चबुतरा शायस दुनपिट, रंपभूमि रश्मेष।

मबर बुध्य नज्वाच सीन सीनचै।

मक्ती १ बीर मीर २ कस्ता कॉरत ३ लडा ३

महिस १ वंतस्य (स्वान) नक्ष्य २ खड तन तस्ता महत्ता स्टोरी (यकान की) ३ क्रयाम पहाव ।

मंभू मंजूल व सुंदर।

सबूर १ अनुसोरित वंबूरपुता सम्मोहित (व प्र म प्र ) स्वीहत २ प्रहुम।

मॅब्री दे स्वरूपी।

मबूरी (senction) सनुमीदन सम्मोहन (स म स म म ) संस्थान स्वीहति।

मंत्रुवा १ विटारी पेटी बस्ता संत्रुक २ कमा दिन्साः

मॅसमार दे नसमार।

मॅतीला वे मधीला।

भेड़ई वे महर्द।

मंदन १ (प्रमापादि हारा) समर्थन सिद्ध करना (बंदन-महन) २ बर्गकरण प्रसादन श्रृंपाद, सवाना महाना-बदाना।

मंद्रप १ वैदीमा तंतु मामिनाना २ (हमका दका दिशु बुका

स्यान) यज्ञभवर शतार्वहर विवाहर्वहरः ३ बेंहवा।

संदर्भ किन्सिती क्षेत्र वनपत्र विज्ञा विविद्यत प्रभाग संमाप सारिक २ योजाई त्याकर, परिधि परिवेस वृत्त (संदर्श-कार) ३ वृत्ताकार कैताव (तारायका नायवसंद्रत हुवें सदस) ४ दहक्या सहन्य १. (ऋषेद हैं) सम्माय कांद्र वर्षिकोर सर्व १ यम मंदली वृद्ध समिति समुदाय सहस्र (निर्धायक संदर्श) ७ संपठन संत्र (राष्ट्रप्रदेश) १. दोह ।

मस्ती दुटु, पेप टीम टोसी दल पार्टी।

मंदित

मंडित १ धर्मं⊈त सवाहुआ सर्कित पुसक्षित २ सम्बित। मंडी १ कालार, माकिट हाट २ कोक बालार क्षेत्रकेल माकिट।

र्म की

संदुक दावुर शेक सेंद्रका

मंतर १ बातू-टोना बातू-मंतर, साइ-फूंक मंत्र-तत्र।

मंत्रस्य १ व्यक्तिमतः मतं राय विचार, सम्मति समाहः २ वर्षे वाचय तारार्ये मधनव पायने ३ इरावा नीयतः मंता।

सक १ पूर्वभावी परासर्व संभाग सहिष्या गाउ छमाह २ बाहु-टोगा बाहु-संवर, ज्ञाह-सृष्टि खूबा वैदिक छट संहिता-स्वर ४ पायभी संग गुस्माव पुतार्थम सहस्त्र वेदसन सर्वभेत्र

भूतमा १ परामर्वे सम्भन्न सन्ति समाह २ विचार

विमर्गं।

नवासय मिनिस्द्री।

मंत्रिस्य वदाक्त वतीयै।

मंत्रिमंडल कैविनेट, मिनिस्ट्री ।

मंत्री १ समास्य निनिस्टर, वबीर २ सचिव सेफेटरी। मंत्रन १ विलोगा स्थला सवाई सह्या २ आसोइन-विसोइन

चित्रन मनन। मंबर १ वड़मति डीमा भीमा सद सहुर सुस्त २ चीमा संवर

पि अवस्थानी संदर्शत संवयानी। मंद १ काहिल क्षेत्रसा संदर्शत क्षत्रसम् सुस्य २ अकुदात

मंद १ काहिस डामा नदा विषय स्थय पुरत २ अपुराह कृष्टित कृद नुषेत्रहन अह दल नहुर, १ बाससी स्पृतिहीत ४ जीमा (मंदनति)।

मरबृद्धि अनुसाध सरमपुद्धि कृदबेहन बस मंत्रमित संदा मूर्व (१)। संदा १९ संद २ सस्ता।

भंदाकिनी १ शाकाशयंगा स्वत्वा २ है नेगा। मंदान्ति अपव कोम्टनदादा वदहवागी।

मंदार १ मकीया मर्क मारु २ देवनुक स्वर्गवृतः।

मंदिर १ ठाङ्करकारा ठाकुरवाही वैवस्थान वैवासय पूजायुह सिवासय शिवासा २ वे मकात ३ सावास निवास

निवातस्थान वासस्थान । संदी सस्ती रसंप स्तय ।

४७२ / हिम्ही पर्यांव कीश

मंता १ इरावा तीयक मक्तम २ विश्वास वर्षे बाद्यस मक्तव माने मायने १ विश्वास बाकीका इच्छा कामना क्याहिक कमन्ता मनोरम।

मंसुक कारिक निरस्त प्रतिसंब्त रह (कैनाकि) विकंडित (वि )।

मसूबा वे मनसूबा।

मेंहगा दे महुँगा।

मेहपाई महेंबाई।

मक्तई च्यार सक्का।

नक्षा अनेनाथ सकरा सूठ सूता।

मक्दी अर्नेनाम नकरी सूत सूता सूतिका।

मक्तव पाठवाका गवरसा विचापीठ, विचालय स्कूत ।

मक्त्रक्ता इसामबाहा सकार रीवा समाधि।

मकरह १ कमलस्य पुष्पस्त २ पराग परामकेसर पुष्पस्य पुष्प-रेमु।

मकर १ विद्यास भवर, २ वे मधनी।

मकरकेतुः वे काशवेत्र।

नकरान्त्रज्ञ : दे कामदेव ।

नकरस्य देशसम्बद्धाः सक्तरम्य देशसम्बद्धाः

मकान १ इसारत कोठी बैंगमा विस्थित प्रवन हुवेसी २ प्राप्ताद सहत शोध हुन्ये १ कुटब कुटिया कुटीर, सूत्र्यो सॉर्स्सी ४ आवास आवासमान निवास विवासस्थान।

मस्का कार, मक्दी।

मक्तार अपटी छनी ठम बनावाज कूर्व योनेवाज पार्वडी प्रवंत्रक करेबी बननामनत बदमात रैंग सियार।

मनकारी कपट छन छम-भगट, छन-संद छस-छन्। बगावाबी सूर्वता क्षेत्रेवाबी पार्वक प्रवंचना क्षरेव।

मध्यी वे मनका।

मक्कन १ श्रीरवार, नवनी नवनीत मेर्नु माधन सबनी वेंनू २ (मक्यन नवाना में) वृक्षामद चाटुकारिका चारकृषी।

मरकारवाय सूचामदी चादुकार, चापमूस मरकार समार्गवासा मसकैयाय। मरको महिला माणी (ममाजी----मधुमरखी) आसी।

नस्कोन्त कंत्रुत इपम खबीत बद्रीन सूम।

बिन्दी पर्याय कोछ / ४७३

```
मसिका
                                                     मबदुती
     मलिका मन्त्री माची (यगाची-- मधूमक्ती)।
             १ बाविधाय अधीच्ट इप्ट छहेरव ब्येग अमीचन सरसम
      समाद
             कारत साहत र इरावा मीवस मंत्रा।
       सक
             ê aw :
      मर्खील दे हैती-१।
        मय दे शस्ता।
      मदस दे मसितप्य-१।
   मध्यपन्ती
             बक्बास मनदमारी माबायच्यी मिर खपाना सिर मारता ।
       अपन
             रे प्रका
       समर
              १ किंगू परंतु पर, नेकिन २ बाइ वहिनास सक यवर
              Truck I
   संपरमञ्च
             दे भवर।
     अपूरिक के पश्चिम।
     मनसिर वयद्वन गार्नजीर्यः।
```

वे अस्तिष्य-१। सम्ब सम्ब १ इस (रे ) २ शल्मय वस्तीन श्लाचित स्वान्ध्य मश्चम रत निष्य सीन भ्यस्य १ वर्ष पूर इसा नियपित्रस ।

मध्या देशहा

मक्सी तक्काई विश्व करियाना नतसी नित्तवी।

मध्यर देश मध्यह सबक।

मद्भारती । शव (तथ वारता) सप मण्टी यस्य मीत।

कामकर शामवार कृती विद्वाहीवाद वैसदार मनर मजरा সৰবুং नेहनतकत नेवर धवतीथी श्रीवृद्ध ।

सवद्रती : (सम्बद्धाः) तवरता विश्वादी स्थादी प्रवाद (ब » म म म ) पारिमिमिक (त∙प्रज्ञ म प्र) मक्रो (देश व प्र

बि॰) मृति (उ प्र०)। रे आहिक आसनत प्रेमी २ छन्मत पानस साबसा मजर्ग

सिदी। १ तारतवर, कुट बलवान बसशासी वसिष्ट विनामानी

सबस मधका २ टिशाड, श्वका पावशार । १ तारत बृहता बन करिंग २ टिशाउरपन परपदारी। बसमर्थे असङ्गय बाध्य बेबस साचार चित्रस।

मबदुर सबदरम दबाव में बवाववस बाध्यतावस मजबूरी से कावार होकर,

लावारी से विवस होकर।

मनमर्पता मसहायता शाध्यता वश्वी माणारी विवसता। मजबूरी मदा १ पायका भग्यन स्थाव २ आनंद रस रसामुम्हि सूत

१ ऐस एक्षोमाराथ ऐथोइशरत गोय-विसास भूव-मोय।

दे हैंमी-२। मडा क

मदाक्या विनोद्यिय विनोदी हुँनानेवाका हुँमोड़।

क्रम इमायबाहा मक्रबंग समाबि। मदार

१ हिम्मत साहम २ तावत यङ्कर शक्ति सामर्ग्य। सङ्गल

मिक्स्ट्रह (magestrate) वंडाधिकारी (उ. म. कि. म. म.)

रंडन्यायाधिकारी (म. प्र.) रंडन्यायाधीस मैजिस्ट्रट। १ पटपटा जायकेपाए, रायकर, सबीव शुस्ताह, स्वादिष्ट-मदेशर

२ अच्छा बडिया ३ बाइएक बालंबबायक रोजक।

बस्यिमार देवुमार, वसा स्नेड् । मरुका

१ जावतं भेंबर मध्यक्षारः २ वश्चवतः बीच मध्य। मलबार

बीच का सम्पदर्ती। महालंड

महका क्योच क्योची क्सब क्य कर बढ़ा गरकी।

महकी दे सदका।

नरमेला व्याकी भूमिया मूरा।

नहरमस्त्री मुनवन्त्री मूनना मूनना-टर्सना टह्सना-मूनना बाबावरी

धैर-शपाटा स्वच्छद विषरव ।

महियामेट तबाह तहम-महस अरावापी नष्ट प्रष्ट वर्षाद मनियामेट,

विध्वस्त विनय्ट सत्यानाश्च। मदुका ष्टीष्ठ कास तक, मठा मही माठा।

बाचम गठिया मुद्री महतामम सामु-माथम। मह

मठाभीस मठवारी गहेंत।

महर्द नूटिया नूरी शोपड़ी पर्वशासा वहुँया। दे रतन। ম্বি

मस्मियर देसपि।

मनिक्यः कडाई, बट्टा हाय।

वत १ विभाग राय सम्मति २ परामर्थे सक्या स्वाविध

हिन्दी नर्याय कोश / ४७१

```
मिषरात्त्रय
```

```
सप्ताह ३ बर्गपंत्र मजहव संप्रदाय ४ न मही ५ बाद
सिर्धात ।
```

मतप्र वैसट (केन्द्र) वैसटपर्थी (राज उ०प्र ) सठपर्थी (केन्द्र जादि) कासका (राज )।

मतपेटी बैसटबाबस मतपेटिका।

सत्तरेव अनवन नाइतिफाक नाइतिफाकी पूट, विरोध विवाद। मतत्तव १ वर्ष विभागय बाह्य ताल्यें माने मानेने २ बुद्धवर्धी गर्क मतत्त्ववीपन स्वहित स्वार्थ स्वार्थपरता ३ वास्ता

त्रकं मतनवीपन स्वहित स्वापं स्वापंपरता ३ वास् सरोकार साविका ४ छड्डब क्येय प्रयोजन सक्य। खुडवर्ज स्वापंपरायण स्थापीय स्वापी।

मतमबी जुरवर्त स्थापं मतमो हे मिचनी।

मतनो दै भिवनी। भतवातः १ धन्मत जन्मादी पायन वावना मत्त २ भदमस्त मन भोजो सस्त सस्तराम मीजी।

मतापही विही नतीत्र हठी।

मति देव्या

मार्थ प्रदेशका

भत्तः १ सम्मतः सम्मादौ धर्मश्री पायनः वावतः मतवानः २ मदमस्य मनुमीदौ सस्य सस्ययाम् मीबी।

मत्था दे मस्तकः।

मस्तर है ईप्या।

मस्य दे मछनी।

भवन आसोइन बासोइन विशोइत विभोगा मॅचन महना।

मदनी मदानी रहै।

मबुरा वंगनवरी कंडपुर, वंहपुरी कृष्यनवरी मबुरापुरी मधुपुर मधुरी।

मद १ दे भगंड २ शूनार नधा नावकता।

मदर रे तहायता।

मदन दै॰ वानदेव।

मक्रसा दे अवत्रव।

मंदिर नदीना गारकः। नदिरा देशरावः।

नावरः व गराव। मविरात्तयं मविरानुहं मधुणासः मयशाना जरावशामा तरावपर।

४७६ / हिन्दी पर्याय कोश

महोत्कट मतनासा गत महमस्त भर्दाच महोद्धत महोन्मत मस्त । महम मदिम धीमा महा इसका ।

मध दे शराव। सन्तियेश नशावती।

मद्यसार स्पिरिट।

मपु १ दे सराव २ तहद।

मयुक्तपु दे वर्तत। मयुक्तपुर दे गीरा।

मधुमक्त्री मधुमक्षिका।

मयुमास दे वर्धत।

भयुर १ मिप्ट मौठा की **र्धे २ कर्जिय यु**तिमधुर सु**रीना** 

३ प्रिय सीम्य।

समुरता मसुरिमा भावूर्य माशुरी मिठास २ कर्पेत्रियका सृति भावूरी शुरीसापन ।

मयुरिमा दे मधुरता।

मपुसाला मदिरानय मध्यामा गर्यवामा सरावसाना सरावसर।

भम्म १ बीच वरम्यानः २ सक्षवार ३ तटस्य निप्पस्त ४ केन्द्र सम्याभागः।

मध्यम १ औसर वर्जे का बहान छोटा दीम का नस्य का २ विकास मैक्सना समोला सम्पन्तीं।

मध्यवर्ती १ केंद्रीय २ विचला शीचका महोता मध्य ना सध्यम । मध्यस्थः १ विचनई विचीतिया शीच-बचान करनेवाला विवासक

२ विश्वता सम्पन्ती ३ तटस्य।

मध्यान्तर वे गम्यावकास ।

मध्याञ्च दुपहरी शोपहर।

मध्यावकारा वेंटरवस सबकात सम्मान्तर, रीसेस शंच वन्छा । सन १ वेंट करण बेंटर, बंदर्तन वंटसन वेंटररमा बंदस्

विस्ता निया भी विश्व मानस हिस हुन हुदर
 विश्व ४ इच्छा इत्यदा श्रवियत संवीयण मीता

मनगईतः वरोजकस्यित वस्यनाजस्य वस्यित कास्यनिक कृपासी। मनवसाः १ मनभीनी र्यतक रसिया २ वंशस वसकृता छिछोता।

हिन्दी पर्याय कोश / ४७७

सतोज मनवाहर

मनवाहा अभिनिधित इच्छित मनोनुकुल भनोबांछित बाछित। क्याम भीट पितन चितन-मान ध्यान विचारन सीचना स्त्रम

सोच-विचार।

मनवास विश्वनचीम ज्यानबीस विवारसीस।

मनवहसाव वे मनोरंबन।

संत्रसामा को की बाह्रे मनभावना मनमीकी वस्त्रमीसा अवेक्स वादिष्टक स्वेष्धावारी ।

अनवन खटपट, मनोमाकिन्य एजिस वैमनस्य । हे दूस्मनी मनमुद्राव

**मननो**डक आकर्षक दिसकत दिसकत्य प्याचा मनभावन मनमीहन

रोषक । मनमीकी ब्रवमस्त तर्रमी मस्त मस्तराम मस्तमीमा

ओक्टाबारी । अवसमेव कुवाबबुद्धि चहीन तीवचबुद्धि बुद्धिमान् मनीपी मनस्थी

महार्पेकिन महामति मेबाबी बिडान् समस्वार, मुधी क्षिरवित्त ।

बभागा बनांगरिक शक्ष क्सट बूरा मुहरंगी। मन्द निधिद्ध वर्षित वास्ति।

समा

मनीकार्डेट एम मी धमादेश मनिवाईर ।

भनीयाः दे दिखा धनीची १ व्हांच देवनि महायि २ जिलक दार्मनिक विचारक

व वे मनस्वी ४ नंतर्शनी श्रानवान, श्रामी प्रज्ञावान् विद्वान् ।

मनुज मनुष्य श्रीतम्बाद आदमी ईशान गरव मद्वी मानद मानुव २ जन व्यक्ति शहरा

बादमियन इंसामियन यानवना । नन्यता

१ अनुसर विसय प्राचेंसा विश्तनी विसयः २ लक्षामक मनुहार प्रमाचन (

मनोद्धापना \$ 4001 F

> धनोगत बातरिक विसी शादिक हरवनता ।

सनोध दे वामरेव। मनोहर दे नुसर।

४०० / हिन्दी वर्षाय कीय

मनोबीत विश्वत चुना हुआ पर्शव पर्शव किया हुआ पर्शवीदा। मनोमालिन्य दे मनमुटाव। मनोमग्दकारी वे सुंबर। समोग्रोत एकवित्तता एकाप्रता गौर, तम्मवता तस्सीनता स्थान ध्यायस्थला । मनोरबक विसकत विकास दिश्वहसाय करनेवाला मनवहसाने वाला रोषक । बामोद प्रमोप एफरीड दिसब्द्रशास मनदत्रमान मनोरजन विमोद । मनोरच है उच्छर। मनोरम दे सूदर। मनोबां क्रित मधिमधित इंग्डित मन्गीया बाडित । भगोबिनोड दे अभोगंजभ । मनोवृत्ति चित्रवृति महति नेचर, मानसिक प्रवृत्ति स्वभाव। मनोबेग १ बाबेम बाबेस उद्रेग विताबेस २ स्रोक सनका मनोहर वे संबर। मनोहारी मतीती १ यन्नव मानवा मिम्नव २ मनुद्वार (१)। दे भागरेग। सम्बद दुसर्वेद युवार्वेद युक्तेद । मफसर १ अपनापन बारमीयता समस्य मोह २ प्रम स्तेह। ममता समी दे सी। सर्वेद वे श्रीतमा। है सराम। सय दे चरावशाना । मपश्चानः नपुष है किरण। मपूर दे गोर। केशा सम्मविद्, मुख्यस्थान । भरकव मरकत यन्ता राजनीत । मरकहा मरधना गरधोर। मरकता भरकहा मरयोर।

मकान मसान मुर्वेषाट मुर्वेषट्टा व्यक्तान व्यक्तानवाट ।

मरघट

हिम्सी वर्धाय कोश / ४७१

```
मरोहमा
```

दे मर्दा नरङ दे भवीं। नरबी मरथ वे मृत्यु। नरना १ जनसङ्घ को प्यारा हो बाना जाति ग्रंब सेना ईस्वर को प्याचा हो बाना कालकनिता हो बाना कास के माल में समा भागा पूर्त की गीत गरना सुबाको व्यास हो बागा सेत पहना नेनासाध होता यहरी नीय को बाना युक्तर बाना योनोक्शासी हो जाना योनोक सिद्धार बाना बन बसना चिरितिहा में थी जाना चीला छोड़ देना चीला बदलना टे बील बाना टें बोल बैना बम शोड़ देना विबंतत ही जाना दुनिया से कृष कर जाना दुनिया छोड़ जाना दुनिया 🕅 घठ बाता पुनिया से कुब कर बाला बेहांच होता बेहाबसान होता पंचरव की प्राप्त होना परमवर्ति को प्राप्त होना परसोक विधारणा बहुत्मीन हो काना पूरव होना बीरनदि को प्राप्त होता स्वर्गवासी होता स्वर्ग सिद्धारमा २ व्यपना व बास्तत/

मोहित होना (किसी पर गरना)। वीचोंदार, ठीक करना इसस करना बुस्सी स्पिवर, मरम्स्त मुधार ।

मरहय मसहय सेप।

बोसोक्जासी दिवंगत पृत्त स्वर्गप्राप्त स्वर्पशासी। मसूम

के हता नरास वरियस मत्तपत कमश्रोर, दुवना दुवंस निजानत वेदम इर्दी-

हर्ते ।

वरीवि वे कित्य। मरीचिका १ दे किएम २ स्वत्य्या स्वमधीचिका।

मरीड मनारीम्य, मलीश सम्बरम बीवार यथ राववास राजी मामय ।

देश महत्त्वल । पद्ध दे इता

मा मददम भदपुनि रेनिन्सान। मदस्यल मरोड़: रै वरोड़ा ।

समेटमा वेंद्रमा । वरोडुना

मरोड़ा १ अमेड ऍठन यरोड बत २ द<sup>र्म</sup> (दे)।

मरोरी दे अम्हौरी।

मबंद दे बंदर।

मर्थ १ आधि स्नामय बीमारी रव रोग विकार, स्याधि २ इस्मत कुटेब खराब सावत कुरी चता।

सर्थी : १ इच्छा (दे ) कामना खाहिस इनाहित २ चुनी प्रसम्बद्धा (दे )।

मर्देर दे इत्या।

मर्तेवान १ समृतवान जार।

मर्स्य दे मनुष्य।

सर्व १ आष्मी नर, पृष्ठ पुष्प २ पनि (दे ) १ बहादुर परा-श्रमी नर्शना चीर, ग्रूर, ग्रूर-बीर।

मर्दन १ कुषता दवाना पीतना ससना सौड़ना रपड़ना २ नष्ट करना नष्ट अच्छ करना नाय करना पामान करना

मससना रोरना संहार करना। मर्दोनची १ आदमियत पृंतल पुरुपल पीचप २ बहानुरी शीरता

वे शहर हिम्मन । मर्शना कर्मस्वी पीन्पयुक्त बहादुर, वर्ष बीर, वीर्यपुक्त स्पीरप ।

मर्द्रम देशनुष्यः।

महुमशुमारी १ जनगणना सनुत्यसधना सेंबल २ मानादी जनसंख्या।

भर्म १ तत्त्व अद रहस्य २ यूडार्थ १ श्रदस्यस यत समस्यस सर्मस्वात द्वरम ।

मर्मेक क्रांठा तत्ववता निष्मात पारंपत समविद् समेवेता सभी वित्र विद्यारक विद्येषकः।

मर्मभेदी १ यमेंबेधी वर्गेभ्रदण मन्तीनक नर्याचाती यर्थाहर करने बाला छात्रानिक २ याचिक ।

मनीतक दे मर्गभेदी ।

मर्वातः १ इरहण पर-प्रतिष्ठा प्रतिष्ठा मान-मर्थाश यान-मन्मान २ परिमा गानीनना ३ श्रीचित्य नैतिक श्रीचित्य विस्टा चारिक श्रीचित्य नवाचारिक श्रीचित्य ४ सीमा हर।

मतः १ गॅंडपी भना २ गुह मोदर, पाताना पूरीय दिव्हा।

मलवा परावार, जुड़ा कुड़ावर्केट, शतवा ।

मसविद

मधिकगास । सतमास मलयव दे चंदन। मलहम मण्डमकेप। मसाई बानाई साडी। मतात दे दुर्ख। मसिन वे मैला। मसियामेड स मिटियामेट । मनेरिया बाड़ा बुवार, जुड़ी चुडी बुखार, छसत्री बुखार जीत क्वर। बबादेवाच कुलीवाच पहसवान। महर्म धुक्ती शहयुद्ध । मस्मपुद्ध मस्तरहः क्रमेंबार केवट खेबक बेवट धीवर गाविक मसाह मौती। मवाद यस पीवा मदेती दे पशुः। मदेशी जाभा कांबीचर कांबीहात्स मनेबीचर । कठिन परिधम कठिन सम कड़ी मेहनत । मसारक्त वस्मय वस्सीन बत्तवित्त गम्न एव शंकम्न : मधवृत्त मद्यरिक पुरव पूर्व प्राची। मग्रविरा १ परामनं मंत्रणा सलाह २ मत राम सम्मति। नवहर ब्यात व्यातनामा च्यातिप्राप्त बच्चमास्य जाने-मानै माम बद, नामी नामी निरामी प्रस्मात प्रतिष्ठित प्रसिद्ध सम्ब प्रतिष्ठ, विक्यात सर्वाम सरवापी शुक्यात सुप्रसिद्ध । कीर्नि अवाति नाम नामवरी प्रतिष्ठा प्रसिद्धि यह विरव मराहरी भोइस्ट । मशीनः आपरेट्ग कल यंत्र संबंध। साक सामास रियात । मतदा मचनीत नैन् मक्यन माधन सपन् सैन्। १ टट्टेबाब हुँगानेवामा हुँगी-मजाक करनेवामा हुँछोड् मसद्भारा २ विद्यपद्र।

मसप्ररो उट्टा ट्ट्डेबाबी ठठोमी ठिटामी दिसमी हुँसी हुँसी उट्टा हुँगी-दिसमयी हुँसी-पावाछ । मतीवर नमावगामा नमावनाह मसीन मसीद मस्विद निवदाबाह ।

¥=२ / हिन्दी वर्षाय शोध

मत्तर यावधिक्यावद्यातिकया।

इस्तेमाम उपयोग प्रयोग । मसर्फ

मसक्क नायशीन कार्यव्यस्त नार्यसम्बद्धाः व्यस्त ।

मसन पहाबत कोकोकित।

पसन्तन वराहरण के लिए, उबाहरणतः उदाहरणस्वक्य उदाहरणार्थ वैसे नमून के लिए, यथा।

सतता १ मुद्दा विचारणीय विषय समस्या २ वहावत मसल मोकोक्ति ।

दे मरपट। यसम

मसाना मुकासय ।

महि १ कावन रोधनाई, स्वाही २ कासिक शासिमा।

मसिजोबी १ राइटर, लिक्बाड़ लेखक व्यावसाधिक शबक २ वर्ग मिस्ट पत्रकार।

मसीहा देवपूत पैमंबर।

१ विकता विश्वत भूविश्वत स्थित २ वोस्त समें ममुच

भून-सा मुक्तायम **६६**-सा। मसौदा क्रापट, प्रारूप वसविदा ।

मरिजद दे ममजिद ।

े बलयरन वरंगी मनमीनी मस्वमीला मौत्री सङ्घी मस्त २ जन्मत दीवाना मतवाचा भदमत मदोन्मत मस्ताना वे नक्षे म नक्षे म भूर, धुत्त मधोत्मत्त ४ वार्तेवित भावद

मध्य बानविनोर, परमप्रसम्य मध्य १ निश्चित वैक्रिक। १ पद्यानी भाग भरना माथा ननाट २ पपान कोपहा मस्तक

क्षोपड़ी व मुंब सिर, ४ वे जाम्य।

पस्तनीताः

दे मनमौत्री। १ अभगस्य तर्रनी मनमीनी मस्तमीचा मीत्री सहरी मस्ताना २ जन्मत्त बीबाना मदबाला मदमाता व मद्योग्यत नहे में नते सभूर, नते में बुक्त।

१ जनम बहुए विमास भी बुद्धि मेशा समक्षः २ दिमान मस्तिम्क भेवा मग्रव भग्रव।

१ निविचतक बेफिनी २ बनमस्ती मीज ३ (पगुजो नी) मस्ती कामोन्मत्तवा ४ डम्मत्तवा महोन्मत्तवा मस्तानापन

हिम्बी पर्याय कारा / ४०३

महैपा महादेव

५ चुमारी मधीम्मसता। महैगा १ मधिक दानवामा निर्श तेन २ कीमती दामी बहुमूस्य

वेककीमती। महंपाई विरागी देवी महँगी।

महंत भठाधीश महुंच।

महक १ गंध वृ वास २ खुशबू मुर्गन सुरान मुबास सीरम २ कुमास दुवेंध वस्त् ।

महरूवा हिपार्टमेंट विभाग।

नहरू केवस मात्र सिर्फं।

महत् बड़ा भट्टान् बहुत्, थेप्ठ बप्ठतम सर्वसप्ट सर्वोत्तम।

वे महत्त्व। महत्ता

१ अद्वमियत महत्ता महिमा माहारम्य २ धत्तमता महत्त्व

बङ्ग्पन महत्ता यद्दानता थेप्टता ।

नियन परिमित परिसीमित सीमित। महदूद

महनीय १ वहा यहत्, महान् बृहत्, घटः २ बादरनीय पूज्य

मान्य श्रद्धय गम्याग्य सर्वधर्य्ठ । महक्रिल जनमा सवित्तम समा।

महसूब चिवव तंचीबव मुर्चरात ।

काशिक चित्रचीर, दिल्बर परमप्रिय पिया प्रिय प्रियश्वम महबुब

प्रेमी ।

महदम वेमसीव वंचित्र। चहस प्राप्ताव गावनिवास राजप्राप्ताय राजभवन राजमहुत ।

१ कर इतूरी २ क्रियमा माहा। महसूस अनुभव गरना प्रीम करना। नहमूत करना

अर्थेश अरबधिक अधिक बड़ा बहुत बहुत बड़ा बहुत माणै भहा भारो ।

महाजन १ गोठीबाल बैनबार बनिया क्यमे की निम्बेन करनेबाला

नाहुशार, सूर्यार सठ २ महापूर्व घेट्ठ व्यक्ति।

१ संत संग्वासी माचु माधू २ महापूरण भव्य ध्वस्ति महात्मा मिद्ध पुषप ।

बानुताय उमापति उमेन बौहरवानी वपरी नाशीनाम महादेव कैमाजनाय मैनालपति नेवाधर विरिजापति निरीत भौरीनाथ भौरीपित चहुनुह चहमास चंद्रभीति चहुनेटर, चिनत त्रिपुर्यार तिसोचन तटनायर तटराज त्रीसबंट, पचातक पुणिति पिनाको पूर्वनाथ पुनेस पूर्वेसर सेंग्रंथ स्थानाथ महेश्व सहेश्वर रह विख्याय ग्रंचर, श्रमु शिषा।

महाद्वीप बर्गेमाश्रम।

महानिदेशक (director general) महासचालक (म म )।

महानिका दे मृत्यु।

म्म्यानता उदारपरितता उदारना बङ्ग्यन विकासहुदयना।

महानुमात १ उच्चाध्य उदारचरित महास्य विमासहृदय २ महात्मा ३ बादरपीय सर्वेष पन्नादरपीय ।

महान् १ वडा बहुत बड़ा भहत् यहा (भहापुरप) २ विद्यास बृहुत् ३ उच्च अप्त ।

महापाच वटटहा वट्टिया महाबाह्यप ।

नहाराज पट्टरा पहिटा महाज्ञाहरूपा ममरापीत नगरप्रमुख महापौर (mayor) नगराज्यक्ष (य॰ प्र ) महानगरपानिकास्त्रक नैयर।

महाभारत जयकाव्य पंत्रवदेश भारत ह

महामना उण्णाद्यं बदारणित बदारणता उदारकृत्य दिवास

हृदय । महानहिम (His Excellency) परमधेष्ठ (वेग्ड एव आदि) महा श्रिपात्र (वि ) महिमाबान् महिमाबानी ।

महामाल्य प्रधानमंत्री महामंत्री।

महामुद्ध विश्वपुद्ध ।

महारतः १ बानवारी योग्यता हुनवर्गवी २ व्यक्त पहुँच।

महाराज १ दे शाहाण २ दे रमीदगा ३ दे राजा ।

महाराजा दे शवा।

नहाराबा-धिराज चक्क्वर्डी राजा यजाधिराज सम्राह्।

महारानी देशनीः

महार्घ कीमडी वामी बहुमूक्य महँगा।

महामन दे यहासायर ।

महादत भांकृतिक पौसभान फ्रीसवान हापीवान।

महाबर मानवा ।

महादिचालय कॅक्टिन ।

महारास्ति सुपरपावर।

महाशप १ महाजन महानुषाच महात्था घेट्ठ पुरुष सण्यन उबारणरित उबारणेता विसासद्वरम ६ महोदम

बीमान्, बीमन् ।

महासापर बहरेजायम महार्चेय महोवधि । वे समुद्र ।

नहिमा १ प्रवाप महत्ता महत्त्व माहारम्य २ कीर्वि वरिमा मीरव यज्ञ बर्गस्य ३ शण्छाई बढाई गुच।

महिमामान गुषकीतंत गुणगात बुधानुबाद वशीयान ।

महिमा वेगी प्रविच्छित स्त्री वी (बड़ी वी छोटी वी) भा नाचे मुद्रुपमा सही। हे नारी।

मैता ।

महिप

१ दे भीस २ दे चानी। महिषी मही १ दे पृथ्वी २ मठा छनछ सस्ती।

महीबर ३ दे पहाड़ ।

महीन १ यौकर सीना यनसा बारीक मेही २ छोटा सूत्रम । १ नाम माह २ मानिक माइकार ३ साधिक माधिक धर्म नहीना

माह्याची वैसिक रबोधमें।

महौप महीपति, दे सना।

महीपाल

महेंब १ वे विष्णु २ वे इड़ा

महेश रै महादेव। महेरबर

महोदधि रे महामानर।

महोदय दे महाबय ।

महोदया महाशया सीमनी ।

মা दे याता २ दं दुर्गा।

१ भीर सीमंत्र २ किमोब पूछ फ्रारमाइस १ तहावा শ্বি तकारा तवादा ६ अनुरोध अपेता आहर, ४ शावना मुतालका ५ सनुरोध सम्बर्गना प्रार्थना गाणना।

मोपना १ श्रीचस प्रशास्त्र स्वीयमा श्रीचल प्रशास्त्र होती छैलाना तत्त्वच करना बामन प्रशास्त्र बामन फैलाना पस्ता प्रशास्त्र सीमना पस्ता प्रशास्त्र विशास श्रीचना भीत्र सीमना मीम करना मुतालवा करना याचना करना हाच प्रशास्त्र हाम फैलाना २ तकावा करना पावना सीममा।

मांगतिक कस्यापकारक कस्याणकारी संग्रहकारक संग्रहकारी संग्रह स्य समसमुचक कुछ सीमान्यकारी।

मौती कर्षधार केवट चेवक मस्त्राह।

मांव कवार कुहर गहार दुधा दुहा वस्तीक वांबी विश्व

विवर। मी-बाप वे नाता-पिता।

मांस आमिप जव्य योक्ता।

मांसल सहर, नुबनुवा पीन पीवर सास्रदुवशः

मान्नाहारी वानियमोजी सानियमोणी।

माइंड वे मस्तिप्क।

साइक ध्वनिविस्तारक गाइकोछोन।

माइनारिडी अस्पनतः।

माई १ के माता २ कहारित वासी नौकरानी महरी सेविका

व दे पूर्वा ४ वृद्धा (वृद्धा के निष् बादरसूचक संबोधन)।

मासन वे सक्यमा

माबिस विवासनाई।

मादी दे मिट्टी।

माठा वे सद्द्वा।

साणिकः चंडकोतः चिंदानिक पर्मापन माणिका माणिक पत्न परन पाद् पविपत्न साम्य कोहित सुरमिक सूर्यकोतः १६६८कः।

माधिक्य वे माणिक।

मात पराजय पराधम निकस्त हार।

मातदेना देहराना।

भारतबर १ काविस-ए-एतवार प्रामाणिक परोसेमंद विस्वसनीय विश्वसंद २ रोज-साववाला रोवदार।

माक्षम मृत्युकोक कोक स्यापा।

मातमपुर्शी करमा

अफ़लोल करना अफ़लोस मनाना नमी में भाषा दुख अहाना दुस प्रकट करना चुबार करना चुकार मरना सुकाम करना मुकाम देशा सनेदशा प्रकट करना सङ्घानुसूति प्रकट करना सारबना देना सोबबार होना ।

बाधील दावे गीचे। भातहत पाला

१ वंश शंका अधिका करना अनुनी अनुविधी मुझी सस्मी थानिया २ वेषक नीयस्य बीतना ३ दे दुर्गा।

पैरेंट्स मी-बाप बालियैन। माता-पिता नाना ।

मात्रामह दे नानी। माजामही

दे नामर । भारतुस

निवमापा नावरी श्ववान स्वयापा। मार्थभाषा বাহ

केवस क्रकत घर, नहुव सिर्फ ही। १ तील परिमाच मिश्रदार बदल २ स्वरमाना ।

माना नाया १ कपाल पेजानी बाज गत्वा मस्तक ससाट २ वे

सिर । मार्क क्रमादम मतीमा नदोत्पादक।

स्त्रीवर्वीय (बैंसे मादा बीदा) । भावा

१ धनवा बाकत बोग्यता शक्ति २ धातु, मस्दर भाव्या तत्व ।

दे कुरमा मायव

भाषुरी मधुरिमा मिठाल सी ग्रेगी। माध्य

दे माधुरी। भापुय भाष्यमः १ विश्वीतिया बीचवासा २ उपाय शाधनः

माध्यमिक १ विचला मध्यवर्ती २ मिक्रिल नेपंडी।

१ दे सम्मान २ पैमाना स्केल १ क्टना (मानवृह) यान

४ दे अधिमान। १ मायशे ध्यमाणी परिनिध्छित प्रामाणिक स्टेंबर्ड स्तरीय मानक

२ भावमं जादबंबस्तु, ३ कसीटी मानवंद ।

कोपपृष्ट् कोपचर, कोक्शवतः। याववृह লাবভিস नक्षमा नुक्ता।

४८८ / हिन्दी पर्याय कीय

मानता १ महत्त्व महत्त्वपूर्ण होना २ मान्यता स्वीकृति ६ सक्ति शामी के रूप में स्वीकृति होना ४ मनौती मन्तत।

भागरंड (बाइटेरियन) कसीटी नाइटेरियन गॉर्म निकय पैमाना प्रतिमान परका(म प्र ) मापरंड २ मानक स्तर।

भागवेद १ मानवराधि सम्मानराधि २ पारिभ्रमिक मेहनताना। नानवेद १ मानवराधि सम्मानराधि २ पारिभ्रमिक मेहनताना।

१ वंदीकार करना इच्यान करना क्ष्मुत करना तत्त्रतीय करना संबुर करना इच्योकर करना स्थीपृति देना २ राजी दोना खड्नत होना सहस्रति देना हाँ करना हासी परना ३ सावर करना साम्यता देना विकास एवना सद्धा करना/ रखना भ कमना करना छाउँ करना १ बस्ताव/हुसन/

दुव/वस/पारंवर/प्रवीय समझना/स्वीकार करना । साननीय सर्वेनीय सावरणीय परिजय नागीय पूबनीय पूबनान पूड्य पूज्यराव साम्य बंधनीय खदय क्षेप्ट, बर, वर्ष सम्माननीय सम्माय स्वरूपीय ।

मान-मर्पादा दे सम्मान ।

नानव बावमी इंसान मुनुष मनुष्य महीम मानुष मानुह ।

मानवता आविभयत इंशानियत मनुबन्ता मनुब्यता। मानवी है स्त्री।

मानवा व स्था। मानवीय १ इंडानी २ सानव(दे)विषयक/संबंधी।

मानद १ विक्त भी सन ह्रुवर २ सानस्रोधर

३ चमचरित्तमानसः।

मानसिक १ दिमाधी वीदिक मेंटवः २ कस्पित कारप्रतिक क्यांसी मनोबाद।

मानमुन श्रोमासा पावस वरसाद वर्षा स्तु । मानिव सर्ह सुस्य वरावर, स्वृत्य समान । मानिकी गर्वकरी मानकरतेवाकी मानवती ।

मानुष देशानवः

भाने अभिप्राय सर्वे साचय गवसम् गायने ताल्य्ये।

मानो योगा वैशे बानो वैशे ।

नान्यः १ वे माननीय २ नायन विधियान्य वैश्व । नान्यताभाषः निम्यत (य प्र ), रिक्षनाश्चरः स्वीतनः

न्यताभाष्तः वर्गममा (स. प्र.), रिकाममाहाशः स्वीहतः। वर्षः १ मिक्रवार, नापः १ मैसना सान स्केलः।

हिची पर्याय कोस / ४८९

माक

माञ्र शमा बरपुक्र ।

माजिक अनुकृत अनुसार, मुवाफ्रिक ।

१ अमा २ (exemption) मुक्ति (उ प्र॰ म॰ प्र ) माडी

विमुक्ति (म प्र०)।

नेक्स वेक्सि मावस माम ! मामा मामी बाटी ममानी मात्रसानी।

माम्ल पस्तुर, रिकाञ रीति (हस्वमानुम)।

प्रदेधन ५ सीमा।

यापुमी १ बाम साम्रारण सामान्य २ नियमित १ किबित, पारा सा तनिक बोड़ा थोड़ा-सा नाममात्र का रंबमात सेव

सेक्साच ।

नैहर, पित्वह पीहर पैके मैका। मामका १ अंबन बसान अविद्या अवनोहिनी रर्भेषा की दुमहिन नाया २ कपट छस बोचा जम ३ इहजास बाह तिसस्म

मायाविती भवता स्रीतिमी ।

मायाची कपटी चानाक छमी उप धूर्व, होऐबाज धरेबी।

याय स दे नियध।

मायसी बै॰ निराश ।

१ दे कामदेव २ आवात कोट प्रद्वाप, ३ निसाना सदय-नार ४ मारकाट भारतीट, मारामारी शहाई (है ) ५ डॉट

> ६ रॅक शीध। है । वादी ।

नारका मार दालका

इत्ल कर कालना/देशा काम समाम कर कालना/देशा खरम कर देना धून कर बासना/देना वर्दन छड़ा देना बहुन्तुस है पहुँचा देना जान में लेना जान से भार शासना/देना हिंगामे लगारेना वसवार के बाट सवारमा श्राम से मेना मीत के बाट यकार देना समपुर/यमलोक गहुँचा देना सध नर शासना शिर यह से बलग करदेना इत्या कर डासना/देना हमाफ कर देना। दे भारता।

क्षचरण्ट करना नुटाई करता दुवाई करना चनहिमाता नारना भूरना पीटना पीठपूर्वा करना पूत्रा करना प्रहार करना स्त्रवदम करता सतियामा । दे आर दापमा ।

मास्क्रत माना वरिए, वरिष्टु से हारा माध्यम से मार्फेन। भाष्ट्रत मारामारी १ मारकाट मारखाङ्गारपीट २ बीड्सूप मनबङ्गा मार्चति दे हमुमान्। शक क्षा श्रीसा मारे कारण चमते वयह से सबद से। शर्क र्श्वक मानर, संख्या । নকে चिक्क छाप देवनार्क निवान बांड नार्क ब्यापारचिक्क । वाकिट बाजार मार्नेट हाट। मार्गहर्गक बाहर वयप्रवर्षक रहनुमा रहश्य, शहबर। मार्गबर्शन वाइडेंस पक्तदर्गन खुनुमाई। मार्गशीर्वे अवहन 1 भार्च अभियान कृष प्रयास प्रस्थान। शार्वन १ अधुद्धि क्रोधन कोपमार्थन भूत-मुखार कोवन सुवाद २ सञ्जाई ३ ऋषकोषन कर्ब उतारना। मार्जीर विस्मा (दे ) विस्मी । मार्बारी हासिया । माजिन मार्वेड दे सूर्य। मार्वेच कोमलता नरमी युनायमियत भूत्ता भूद्रस्ता। मार्फव दे मास्त्रतः भागिक १ मधीर, बहुन पूड २ चुभवा अमानसाक्षी प्रमानी मर्मस्पर्धी हुचमस्पर्धी १ सटीह ४ मर्मदेशी समेंभेदर यमैभेदो सर्गातक सर्गाचाती सर्पाहत करनेदासा । मार्रात सा भौको प्रापृत सैनिक कानून। १ असवाब भास-असवाब मास-गता सामग्री सामान-माश २ स्टॉक ३ वीलत हम्म अन् (दे ) अन-दीलत अन-संपत्ति मानटान संपत्ति सरमाया। मालकिन यहस्यामिनी वृद्धिणी चरती स्वामिनी। मालगुडारी भूमिकर, स्वान । भातदार दे धनी। माशा १ कंडहार, चेप्रहार, चेन चंबीर, नटरमासा रामनामी

चरिट सिकड़ी हाए २ वक्या पुष्पहार, *मास्य* हार,

१ उपसम्ब होना पाया बाना प्राप्त होना प्राप्य होना मिल**न**ः २ एक/मिथित/संयुक्त/सस्मिन्ट होता है मठबंधन होता विषयना वहना सटना ४ दर्शन/मेंट/सपर्क/साक्षारकार करना/होना देखादेखी होना ४ मेल-मिलाप/तरीक/सामिल/ चिम्मिनित होना ६ जासियम करमा बसे/छाती से/इयम से सराना ।

**मिता**न तुसना मुकाबिला।

fireter: १ तुलना/बराबरी/मिलान/मुकाबिला करनाः २ एक में/ बासमेश/मिमाबट/मियम /मिथित/संयक्त/संयोप/ संबंधियम/ संक्रिक्ट करना १ विषकाना बोहना सटामा Y दर्सन/ देखादेखी/भेंट/यसाकात/संपर्क/सासारकार करानाः ॥ मैन मिमाप/धरीक/हामिम/ वस्मिनित कराना ।

१ मेंट मनाकात २ मिक्ता मिसन मेला। मिलाप १ निथम सम्मियक २ अपनिश्रम बोट बोटियियम । मिलावड

श्चपीरश्चयक्त अपनिश्चित साटवक्त। विसादरी

के भीरा। विविध मिलिडी श्रीव सेता।

वर्मीम-जायहाद वायदार, धन-संपत्ति संपत्ति है धन भी । विकिट्यत १ अनुसेवा सोक्सेंबा नेवा २ जनसेवा/सोरासेवा/सेवा विश्वती भाव ३ जनमंत्रा का मिलक का मिश्रम संबंधी लोक्सेवा-

faura i

१ एकीइत जुड़ाह्या निसाह्या निसायाह्या निमित्त मिच र्शंत्रका संबद्ध संयक्त संबक्तित लंडिकट्ट नग्रस्थित समाबिद्ध समिति सम्मितितः २ संबर।

१ एकीएक निमा हुआ समाबिष्ट मिसामा हुना संपूर्त

विधा विचा ।

मिधित

संबद्ध संयुक्त मंत्रिक्ट समाविष्ट, साम्मियित २ अप-मिथित छोटयका विसावटी इ संकर। मपूर (दे) मीटा (दे)।

सिक्टमाची । मधुमाधी मधुरमाची बीशीवर्षा ।

मिठाई मीटा। <u>चित्राल</u>

१ बहाना हीना हीसा-इवासा २ पश्रमा छट बाना छोड

वेशा (ट्रेज मिस करवी देश मिस हो वर्ष) ३ कोना गुम होता ४ इयारी सुधी।

**मिसा**ल उदाहरण इच्टांत नबीर, नमुसा।

मिस्बर अनाव यहासय महोदय थी बीमान साहव।

मिस्त्री र कारीकर, मेकेनिक गाणिक २ राजनीय; १ वहरी।

निस्त श्रेसा तस्य मानिद सदश समाम सा।

मिहिर वे सूर्य।

मीमाद दे मियार।

मीसाबी है मियावी।

मोठा

१ मधुर मिट्ट शीर्धे २ मिप्टाम्न मिठाई; ३ गुइ चीनी भेमी सकर सक्कर (वैसे बड़ी मं चरा मीठा काल दो--पूर्वी क्षेत्रों का प्रयोग) ४ खायकेवार, गर्बेदार दक्षिकर, दक्षिर ५ कायकेशार, संबीच सरवतवार, धुरवाबु, स्वादिष्ट स्वादु (बैसे बाना बहुत मीठा बना है) ६ विशेष संबंध/द्वित (बैसे जससे तम्बारा क्या मीठा है ?) 💌 बीमा सस्त (मीठा बैस--सस्त बैक्)।

मीडियम १ माज्यम २ बीच का सक्तमा भव्यवसी।

भीत रे मित्र।

मीन शकाय मध्यी मतस्य मछसी।

मीमांता १ गहुन बाध्ययन यहन विचार, जनुसीसन जिस्सम परि शीसन विवेचन विवेचना विश्लेषण २ वंशीर आणोचना त्तमीका ६ अनुसंधान कोत्र मोधः समामीषना

४ बामोपनात्मक टीका टीका-दिप्पणी ब्याद्मा।

हे मियाइ। मीपार

१ दे सिरू २ वटा द्वमा विर (वंद-मूंद)। मुख

सीरकर्गे चुहावर्गे। मंडन

ৰ্বভিৰ इतिज्ञाम करनेवाला इतिवासकार, प्रवंशक व्यवस्थापक। मंदरी भॅगुठी छस्मा मुक्तिका।

मंगी

१ तमर्क गृहरित, निविकः २ नायस्य ३ शम्यापव टीवर, मास्टर, मुद्दौरस ।

नंद १ मुक मुक्षविवर, २ आकृति सागन कास्य भेड्स चेड्स मोहरा गैन-भन्ना मुख नुष्यका मुखनंदन मुखाइति सन् कः

हिम्बी पर्याय शोख / ४१ ह

रूप रूप-रंग क्याइति वश्न श्रमस धनस-सूरत सूरत ३ मध्यान भागा मुख्यास ४ क्रिड **छेद सूराव** ४ साहत (वे ) हिम्मत (उनका मृह है भी मेरे सामने आएँ)।

बेमबाग मृश्वसूट स्पष्टबारी। मृहयस मुहलया

युस्ताक बीठ, बीठ, बुच्ट वेशवब वेशिहाक (बोलने में किसी से) ।

र्मुहार्मुहः असर तक्ष भरा पूरा भरा सवासक।

निमंदित सस्पेंड। मुश्तत

मुमाक्रिक सनुकृत मनोनुकृत गाफ्रिक।

इंस्पेरतम बांच-पहलाभ निरीक्षण प्रवाहना। मुलायना क्यिसन श्रातिपृति सुर्याना।

मुज्ञावबा

वे मुक्तस्या। मुक्तसमा

१ मनियोग केस कोर्टकेस ट्रायम बाधा नावित्र प्रतिवाद नुक्रवृत्ताः नाद २ भूमिका (दे)।

नुक्रदुरः देशायाः

मुक्तद्व दे पवित्र।

मुद्धरं १ वैनात नियुक्त २ वै निवट निस्थित। मुहाबला १ वामना-सामना प्रतियोपिता काय-बाँट, होड़ होड़ा-होड़ी: २ टनकर प्रतिरोध मुठभेड़ लड़ाई, विरोध संवर्ष ६ धुनना

मिमान समानता साद्य्य साम्य।

मुक्ताम दे स्वाम।

१ छप्पीय किरीट, ताव राजपुरूट विरोधूयम २ बिरो-मुक्ट

मणि भग्ठ निरदात्र। भारता दर्गय गीवा। मुकर

दे नगी।

मुज् भूबका जुला।

१ परमुक्त निर्वाध स्वतंत्र स्थायीत २ क्रारिय व वरी खिरा। मुक्त १ जवार वरियादिक वानवीश बवाग्य २ सर्राय। नुस्तहस्त

र मोदी। मुस्ता

मुस्ति है कुटकारा छूट बजास निस्तार रिलीच २ आजारी स्वतंत्रता ३ जदार, ४ वे मोखः।

दे प्रश्र २,६।

## ४१६ / द्विग्दी दर्गांव कोस

मुख्या देर्गुह-२।

मुक्कानसः कापुरय नगीव नपुसक दिवहा।

मुक्किर कवर देनेवासा जासूस २ सरकारी श्वाह ।

मुखर वक्तासी वतस्त्रज्ञ बातूनी वाचानाः

मुखानिकः १ प्रतिग्रंती प्रतिपक्षी विपक्षी विरोधी २ कुमन वैरी समु।

मुक्तिया नामक, नेता प्रधान प्रमुख सरदार।

मुक्तकर छोटी छोटी की हुई संक्षिप्त सक्षेपित सारपूत।

मुक्तारनामा : समिकार-पत्र (भंग) अधिकरण-पत्र (संग्रं) प्रतिनिधि-पत्र (भंग) शाधिकरण-पत्र (संग्रं) वकासतनामा (वि संग्रं) ।

मुक्य कार भीक, प्रमुख प्रधान।

नुस्य चार नाम, मधुक मधान। मुस्यतः वासतीर है अधानतः प्रधान रूप है अमुकतः, प्रमुख रूप है

मोटा-मोटी मोटे तौर पर।

मुस्य स्थायात्रीतः चीछ बस्टिए । मुस्यासयः मुख्य कार्यानय (राजः) ।

मुक्तानता दे भ्रम।

स्ता १ वाकवित बाहुच्ट, बासक्त फिरा मोहित सट्ट, बुट्य

सम्बोहित २ वंबपुत्व ६ घोला युह । मुख करना आक्रपित/बाहरूद/बासस्त/फ्रिय/मोहित करना २ बाह्र

करना/बानना/केरना अन्दर नेना नुमाना वस मे करना। मुख्यकारी बावर्षक विचावर्षक विचकत मननोहक मनोहर, मनोहारी

मुखकर, गोहक सुमानना सम्बोहक हुवसकाही।

मृत्य होता 'मृत्य के पर्यानों में होता' बोड़ने के विदिश्त — वासिक होता भाग देता भाग छिड़कता।

मुद्दी मुक्त मुस्टि मुस्टिक मुस्टिका।

मुठबेब वे टनकर। मुठिया वेंट, गूठ हैंविन।

मृतक्रारक तरह-तरह के शिल-शिल प्रकार के मिथित।

मुतनक १ कराभी तमिक मी एंकमात्र भी रत्तीमर भी २ साडाव

वंधन रहित । मृतवातिर दे सपातार ।

मृताबिक वनुसार।

```
पुर्वरिस
                                                              मुदिहा
     मुद्दरस
               बझ्यापक (वे॰) मास्टर (पी/साइव) मंबी (पी) मौनवी
               (साइव)।
      मुवित
               हे प्रसम्ह।
       भार
               १ वाना करमेनामा थावा ठींकनेवाला वावावार (वावेबार)
               मुक्दमा वायर करनेवासा वादी २ बुहमन (दे ) वेरी अपू ।
               १ अरता बहुत दिन अहूत समय २ देर, विसंव।
       मुद्द
     मुहालेह
              प्रतिवाकी ।
       नुरस
              छापनेवाका प्रिटर।
       मुक्त्य प्रिटिक छनाई।
   मुश्यासय छापाधाना प्रेस।
        नुहा
             १ छाप मुद्वर, सील स्टैंप २ स्पदा स्पदा-पैसा सिक्सा

    क्टीर-यूडा ४ मूख-यूडा ।

  मुडासकीति
               इन्नेक्स मुहाबिस्तार।
     मुहिका
               भँगुठी छस्मा नैवरी।
      भुनादी
               ऐसान कोयका विद्योश दुववृत्यी दुव्यी (
     मुनाद्धा
              दे नाम।
    मुनाविव
              दे अचित्र।
       मुनि
               प्रदुषि तापम तपस्यी महान्मा योगी श्रंत संध्यासी सामक
               साध् साथ सिंह सिद्ध पृथ्य ।
     नुकिसस
               दे निर्धन।
       শুপুর
               १ निज्नुसर फोक्ट, सेंग-नेत ए विना मतलब बेकार,
```

बैफावका स्मर्व (मृत्रुत ४५ करनाम) । मुबारक कस्यानपद मंगलकारी मंगलपद कुन (मुदारक हो)।

मुबारकवाद बधाई, वर्धापनम् अनुकामना । मुनरित्र सम्ब संभावित संगाध्य।

पषको पान साफा।

मुरम्धा धाम जैम पाय।

भनभोशा बाँगुरी (दे ) यूरमिका वंशी वेणु । मुप्ती मुरीका लाज सिद्धात तिहात शील-मंत्रीय संदर्भ । भूरण्यत

मराद १ अनिमापा (दे ) समीप्ट इच्छा कानना ननोरप

२ धर्थ (रे ) बालय (रे॰) मतलब (रे )। र केसा पट्टिकच्य किच्य २ अनुवाकी अनुवायी। मुरीर

मुरीयतः वे मुस्मतः। मुर्गा सदम्मीयमा स्वयंकर तास्रवृद्धः।

मुक्तः वे सोरका। मुर्का दे सोरका।

मुर्व साधी सिट्टी मृतक लाग सीय ग्रव।

मुर्राधाट वे मरदट।

मुन्दिम अपराधी अधिपुक्त अधिनोधी हैदी कोगी मुक्तिम।

मृतम्सः इसई।

मुलाङात दे घेंट।

मुताबिम कर्मचारी नौकर, देवक।

मुतायम कामत विकता तरम शावुक पून-सा मलमत-सा महमती

मृद्गु, मृदुम वर्र-ता सुदुमार, गुकानम।

मुलाहेंबा देखना नियाह बानना २ क्यान क्यान रिपायन सिहाब मुलाहिबा संकोच ३

मुस्ट दे देगः

मुन्तको दानना स्वदितः।

्मुतक कस्तूरी स्वयवः

मुरिक्त ४ शक्ति।

मुरिकसाहट दे विदेशा ।

मुख मुद्दी पुष्ट। मुख्दि १ पुद्दी मुक्त २ मूँगा मुक्ता (पृष्टिप्रहार)।

मुखनवत दे समाजार।

मृतभाग दे पूरा। मृतभार आर्टिस्ट, वितेश वित्रकार।

मुनम्बरी विजनारी गनकारी !

मुमाक्रिर वे परिका

नुसाक्रिरकाना १ प्रतीक्षामय वेटियरूम<sup>्</sup> २ धर्मशाला ग्रराय ।

भूनीवन १ मारता माळन परिय विरक्ष विरक्षि विरक्ष मुंबट २ वस्ट, वनेय तकसीळ हुन दुन-वर्ष पीक्ष ३ कटिनाई,

रिकात परेमानी मुस्तित।

मुस्तान दे हुँगी-१। मुस्कराह्य दे हुँगी-१।

मुस्तका तपहा मोटा-वाबा ह्प्ट-पुट

मुस्तगर দুদ্ভিত मुस्तनव अधिकृत जाधिकारिक माधिकृत जामाजिक विस्वसनीय। मुस्तैर : १ तस्पर, तैयार, संबद्ध २ पुस्त पुर्वीका सक्तिय : मुस्तैयी १ वस्पका सम्बद्धा २ चुस्ती पूर्वी समियता। नुहरूमा विपार्टमेंट विभाग । महताज १ सम्मनित नाभित परावर्गनी क्राधितः २ जकरतमेर ३ दे सरीय। रै॰ प्रेम। बुहरबत र काप रुप्पा भुक्ता २ वजर्की स्वर्थभुक्ता। मृहर नुहरिश क्लकें मुंबी लिपिक। वयनवरी कॉनोनी महस्मा नोस्त्रटी देस्टर। मुहस्ता १ बोनपास रोकपर्रा वाक्प्रवाह बाग्धारा २ अध्यात मुहाबरा मादत प्रैनिटस्। बुहर्त महरत कुमवड़ी मुभ-मुहुर्व साइत सावत सावा ! मृंबा वंदारकर्माण प्रदास विद्या। र्मुख धनम् ।

পুদ बदास्, गूंगा चून चूमा मौत। मुद् १ दे मूर्व २ फिक्टिप्यविभूदः। मृत रेकाव मृतः

मुत्रातय पेश्वत्ययः, वृश्तिमः । मूत्रसाव पुक्ता महाना ।

अस्त का दुश्यतः अतः वक्षामी अतादी अवोध अहमस मुर्व उपनक उत्तम् कममनन क्षेत्रदेशन कवनग्य नवश् पद्या शास्त्री मोसरमनेक मामक वॉवाबसंत वॉचू, चूसर, बढ़ बहुबुढि बहुमति बाहिस नासनस निर्वेदि पाना बाउँमा का ताळ, बनरवर्ट्ट बुधिहीन वेबक्छ बेत्रमत बोदा बोदन क्रोंडू संबद्धि नंदवति भूद, नूदनति मोटी क्रम्त ना/दाला

नुम् इत्युक्ति शीनवृद्धि। नुसंदा बक्षता अक्षान अहमक्षणना यस्मूपना वनवस्ती बहुता वहानत नामभन्नी शॉयापन पॉयापंची विविद्दीनता वेनकप्री भारूपना भूड़ना।

बचेनावस्या चेतनानुभ्यता बेहीबी संबानुभ्यता चंत्राहीनता। দুৰ্ঘ্যা अचेन चनवाश्रम्य बेनुष वेहोच संज्ञानुम्य संज्ञाहीन।

मूर्छ देमूर्च्छा। मूक्ति देमूर्व्छतः

मूर्वे क्षासंस्थानार।

मृतिः कोनर, देवप्रतिमा प्रतिमा प्रतिक्य बृत मृतः दिग्रह्। मृतिपुत्रा प्रतिपाद्वा बृतप्रस्ती समुग पृता समुपोगासमा। मृद्धेय मृत्रायः जन्मकोटिका जन्मतम चौटीका टॉप भ्राट भेरतस सर्व

भप्ठ, सर्वोपरि ।

मृतः १ शाधार, वकुनींच वृतिपाद २ दे व्यक्तिः १ श्रवसः श्रवसः वयां वयत्रधनः वयसः पृत्तीः ४ कदं कदमूतः। नृस्यः १ कीमतः वाम मोसः वैस्तु २ दर,धावः ३ कद्रः सङ्ख्यः।

मून्यवान १ कीयनी वासी बहुनूत्य २ वनमोत्त अनुस्य।

मूबी हस्बीट, पित्तबट, द्विसम सिनेमा ।

मृत हे हिरत।

भूगक्षमे अजिन मूपछाना।

मृषद्राला अजिन सृयवर्ष।

मृपतुष्ता १ मरीजिका सूनमरीजिका २ आकाशकुतुम विवास्त्रप्त । मृपत्रीती १ मृतर्गता सूनकोचनी सूनकोचना सूनावी २ मौनावी

३ सुनैना ४ दे सुदरी।

नुमनरीविका वे मृगतुष्काः।

मृगया बहेर, माबेट, तिकार।

मृगराज्ञा मृगायन मृगेन्द्र सिङ्क(दे)। सृपाक दे चंद्रमा।

मृती कुर्चननी इरियो हिस्सी।

मूरा दुधनमाक्षरम सिद्दी काङ।

मुकास १ कमनुनाल २ कमसक्क्यी प्रसिद्ध प्रसीद में।

पुचातिकी क्यतिकी कुमुद, कुमूदिनी कोई।

मृतः १ मोतोकवाधी दिवंपठ नामरोज निर्वाचमान्त बहातीन

मञ्जून याजीय जीठ सर्वेचय सर्वचाधी स्वतंत्राही स्वर्धीयः

कर्मितः

२ निर्जीव निष्याम वेजान वेदस सराहुवा नुर्दा। सुतक मुर्दो साथ यन १६ मृतः।

मृतकरमं वृतिम संस्कार बार्वेप्टि, प्रतक्रमें।

मुलिका दे मिही।

मृत्युंजय मैदा पृत्युंजय महाग कक्षम्य शवार, जनेत जनवार, जनार समर्थ जनिट

व्यविनवयर, मृत्युचेता ।

मृत्यु वेत जेतकास वनसान इंतकाल काल खारमा वंतासान

पनी गोभोरनाथ बेहत्याम देशपा बेहा देहा द्वारा नियम पनी गोभोरनाथ बेहत्याम देशपात बेहा दहा बात नियम नियम निर्माण परमोक्ष्याम मार्थाण कीय मरण सहानिका सहासस्थान महायामा मोडा सीट गाँगर

स्यात्र वरिष्णात्र शरीरान्य स्वर्मेशात्र स्वर्मोरोह्य ।

मृत्यूचर्पंत दे काजीवन। वृद्ध १ कोयस नरम नर्ग पूज-सा सत्तमक-सा मुनायम दर्श-सा स्नित्व २ नायुक सुपुत्रसर; दे कीयमहृदय दयासु समूर

सरल सौम्य ४ धीमा मंत्र (मृदुवति)। मृदुल देश-मृत्यु १.२ ६।

मुंचा १ असत्य अनुत सूठ निष्याः २ शृठमूठ निष्ययोजन वैकार, स्पर्व।

स्पन्। में बीच सब्द सहु(बैसे सहैन्द्रर—वृष्टिस नदर से)।

वेंद्रक बादुर मेरू मेंदूर ।

मेंबर सबस्य सभागवः। वृत्तीक महिनकारी महीना गासिक गासिकसर्व रवीधर्म।

मेंह है मेह।

मेकप्रथः वनाव-तिमार, शृंधार, विवार। मकेनिकः विस्त्री।

मध्यका करवनी किकिनी तागड़ी।

मधासः करवना काकना धानका सथ दे बादनः।

सधनाव द्वाजित समनाजित सननारिषु, मैपनाप सनारि। सपमामा नार्वनिनी घटा नटाटोप धनमाना मैनापनी।

विभासा नारावना घटा वटाटाए धनमाना समापसा । मेळ टेबुन पत्ना

मेशकातः आतियेय मेहमानदार। सत्ररः १ प्रधाप प्रमुख मुख्यः २ वालिस वयस्क।

भवारिटी बहुम्छ।

मद्रक्ष बाहुर,भेरुमधुरु। सह वर्षीयमा।

मेहा पत्रवासय पाकाशय पैट।

¥ २ / किली पर्योग को स

महिनी दे प्रथमी। मेवा दे मुखि। मेणकी कुषाय कुषायबुद्धि बहीन तीक्ष्मबुद्धि तेव प्रतिपादान प्रतिपाशासी। दे बुदिमान। यवर्षे विक्ती राज राजधीर राजधिक्ती। समार मेमो भेमोर्रहस स्मर्थपत्र । मेयर नवरनिगमाध्यक्ष (स प्र ) नवरप्रमुख (उ प्र ) निवमा क्यस (ग प्र ) महापौर (केन्द्रादि)। मरित कुचसता क्षत्रका गुच योग्यका वर्षका। मेरबंड बैकबोन रीड रीडकी हुड़ी। मेस १ इलक्राक एक्टा एका श्रेमभाव सद्भाव सङ्गति स्नेह भाव मेश-योत (दे ) २ मिलत मिलान सुवम समोप १ संबंधि सार्वजस्य ४ स्वह।दे मेल-बोल १ दूसना प्रस्थता बरावरी समानता ६ बाक विद्ठी-पत्री ७ नर पुरुष । मेलकोल माना-बाना वादाबाही खादखस्या वित्तना-बूक्तना मैस मिसाप रस्तबस्त हेसमेख। मेला १ बनावडा चीड-पाड मेसा-देसा सम्मेसन २ सत्सद वमासा । मेसी १ मुलाकाठी डेली-मेची २ वे मिण। मेस मोजनकासा भोजनालय। मेंसेज सविच । मेह बरका बारिस मेह नयाँ वृद्धि। मेहतर चुडा जमादार जेंगी इसामधोर। मेहनत बान्यवसाय बच्चम (रे.) कर्मेठता बीइमुप बीइमान परिसम (दे) पूरुपार्थ मत्तनकत सेवर सम (दे)। दे प्रयास भी। मेड्नतकत कामपार बेलबार मजदूर सेवर, शमिक। १ जजरत पारिमांगक मंबबूरी २ फ्रीय १ बेठन (हे )। मेहनतानः मेहनती बम्यवसायी जवनी (रे ) कर्मेठ परिधमी (रे ) प्रपार्थी। मेहनान अविचि अध्यानत येस्ट पाहुन पाहुना । भाविभेय भेजबान भविभित्तलारक। भहमानदार विविद्यालगर वातिच्य अवभवत भेजवानी वेहमाननवाजी। महमानदारी

मेड्डमानी दे महमानदारी। नेहरवानी वे मनुबह, श्या।

महरा कापुरुष वसीव शतका नर्पसक ।

मैपश्चिम अर्थेस पश्चिम ।

मैंबनेट चुंबका

१ प्रतियोधिता मुकाबिशा होड़ ए बीड़ बोड़ीदार। ûw.

मैक्सिक है बाहर

मैशिरदेह दंबनावक दंबाधिकारी मनिस्टेट।

कञ्चासाया कच्चावर प्रमृतिकेंड प्रसृतिवृह मातुकेंड। मैंडरमिटी होन मैक्टिरियल मैटीरिजल सामग्री।

मैश्रम शीवती।

भैती १ बोस्ती मित्रता बच्य सक्यमान सीहाई ए दे येस १२३४ तथा नेसमीन ।

कामबीड़ा केति जैना प्रसंद बोप भोषविसास रवित्रीड़ा मैचुन रमण विनास व्यक्तिचार संनाम सहवास दुर्गत ।

ब्राई/फोबाई करना बुटना औड़ खाना वरिरंबन करना मैप्त करना प्रसंत करका चीव करना चीवविकास करना रहि करना

रमभ करना विसास करना शंभीय करना सहबास करना स्त्रीप्रसंग करना स्त्रीधोप करना स्त्रीसंब करना स्त्रीसमात्रम करमा । १ कोई चौरव सवाद पूमि शनतन पूमि २ युद्धमेन बुद र्महान

जुनि रचसेत्र रचपुनि । मैना सारिया ।

भैगुअल नियम-पुलितका नृत्तिका।

१ ¥ / दिन्दी पर्धाव की श

सेरेकर रंतजामगार, प्रवंशक प्रवंशकर्ती मृतदिम विशासक स्थापस्थापकः ।

१ जननी भी भारत (दे ) २ आबी ऐपा बादी। मैदा

१ मंदनी मन २ छोट, मनिनता (पसके मन में मैस है)

विकार र मैका : १ बस्यप्त, वसूपित वैदना वेदा मेदा-नंदा ततीत्र पीपट,

जीवन जैना-कर्पेता २ गुह, बू, टड्डी शद्याता पृथिव विष्या ३ वर्शनेत अनुद्ध नापाकः।

मोक्षः अपवर्षे अमरपट अमृतस्य भैशस्य नवातः निर्वाण परममतिः परमपतः शक्षपदः मुक्ति।

मोता पुराव पायदावा पैदावा सॉक्स।

मोटा १ वितिषाय पीत पीतर सासस मुस्टब पुस्टबा चैड-मुसंब स्पूज स्थूनकाय २ वर्षीय १ वर्षीर दौसतसंब ब्रत्यान (दे) बनी (मोटा जासान्य) ४ नामूची साकारण सामान्य (मोटी वात) १ वरसील फुह्ब पहा (मोटी पानी) ६ वरक्य (मोटा बाटा) ७ मोटा-मोटी स्पूल (मोटा

र्वपाय)।

मोदापा पीवरता मुटाई, मुटापा मोटाई, स्वूमता । मोदा-मोटी अंदावन अनुमानतः तबुमीनन मोटे क्य हैं खबधन सामान्य क्य से।

मोती योहर, मुक्ता गौक्तिक चुक्तिक स्वातियुत्।

मोद भानेद साङ्कार खुबी प्रमीद प्रसम्नता मेबा मुत्छ, इर्प।

मोरक नगवल सङ्ग्रा सङ्ग्र

मोरी परचूनिया।

भोर बह्मिती वसापी केवी नीनवंठ, मपूर, विकी सारंद।

मोरका १ जंग २ युद्धाः। पॅनित इरागम पनिता।

मोर्चा देगोरणा।

भोल इतैयत दाग मूस्य।

मौलनाव मोलवोन।

भोह १ वे प्रग२ व्यक्तान भ्रम भ्रांति।

भोहक अभिराय बाक्यंक विशायपक दिसक्य सनगोहक सनहर मनोयुष्यकारी सनोहर मनोहारी शुष्यकारी सुभावना सन्मोहक तुबर, हुवयग्राही।

मोहताज 🖹 मुह्ताण।

मोहत १ वे मोहक-२ वे कृष्ण।

मोहर दे मुहर।

मोहित अकवित जावका नर्वान किया मुख्य कट्टू सहासोट, नुब्ध विमोहित सम्माहित।

नोहित होना अनुरवन होना आवर्षित होना आसरत होना मुख होना धीसन कट्टू होना सुमा आना विमुख होना विमीहित होना नीका

१ अवसर, २ १ समय १ प्रसंद संदर्भ ४ मटनास्वत सम्मोदित होना । १ गोका-महत्त बगह स्थान ६ अवकात छुटी। दे मोती। व्यामी स्टहान सीधिक परीक्षा बाह्या बाह्याचीसी । समिवित वनानी। १ सवा सीव-वहार मीव-मारी मुख-बैन हुएं-उस्सात मोरिका**क** AFE 6 असमारा वृद्यदिम पुर्वायकात्र ठारंमी सनमीकी सन्त चीक २ इ सहर। योव याम । अवस्थानुकुम जीवत उपमुक्त ठीक मुनाधिव सममीवित। নীয়া मस्त-मीका मस्त्रताम मस्तामा । at all लगरियत प्रस्तुत बर्गमान विद्यमान हार्बिर। भीवृता ताल्कालिक वर्तवानकातिक सामिवक। मीवद मीज्यगी ् कामोत कुप निश्वक मीरक कात २ सामोती कुमी इ मृत्य । े बाबारमृत कुनियाची सूत्रमृत २ तारिकत शास्पृत श्रीरवता क्रांति सम्माटा स्तत्कता। क् अभिनव नया गदीन नृतन ४ असली सारतियक। १ मुसामी २ उसी चतु का सरवासीन। \$ 10g1 मीतम अवायवयर संप्रहासय। मीतमी स्पित्रवाम मनरपासिका । मरणासन्त अस्ते को मृत्युक्तव्या पर। अनुन्दुस्स उदास कुम्हमावा मिन मुद्रमाया । म्यूनिसिपेलिकी १ सनापै २ तंबा नीच। SHIP इसेच्ड

् जोबार वस कसपूर्वे सकीत संयंत्र २ उपवरत सामन ् बाजा बाध बाधमंत्र ४ जंतर, ठावीत्र।

१ ६ विली वर्षीय क्षेत्र

यंत्रणा क्लेब तकसीफ, दुख (वे ) पीड़ा यातना वेदना अपमा संज्ञास।

म्बार्च

यत्र-यंत्र बाहु-टोना टोना-टोटका संज-मंत्र यंत्र-संघ ।

यक्रमण्ड सक्रमारयी

सदस्मात् अचानक एकाएक एकाएकी सहसा ।

यकापक सकीम मास्या एतमार देवमार प्रतीति प्रत्यय प्ररोशा विश्वसः।

मकीनन शतक्य ही निश्चय ही निश्चित तीर पर। मक्क्स जिसर, सीवर।

यक्ना क्षय टीकी तपेविक राजधेन।

यक्ष क्यू, बन्य मक्ष यात्र स्तोय। स्वत्यक्तं सामक शामिक।

यसकता मानक मात्रक। यसोपनीत १ वनेक ब्रह्ममूत्र सूत्र (शिका-सूत्र) २ उपनयन(संस्कार)

क्पनीत (सस्कार) नवर्षथः। वितः १ निरामः २ वे साहः।

यतीम अभाव वेसहारा गाँ-वाप-विहीतः

मतीयकारा संत्रायासय संत्रायासय ।

मानिकातः प्रशासन्य न्यानायः। मानिकातः प्रशासन्य प्रशासन्य निहतः योदाशी सेद्यमात्र भी ।

यत्त १ वाध्यवसाय उद्यान कोतिका वैच्टा जतन प्रयत्न प्रयास

२ जपाय तक्कीर। देव-सम इसर-उधर, क्यह-जबह कही-तड्डी।

त्रत्वमः इधर-वस्य, चगह-जनस् चहा-चहा। समा स्वाहरणके नियु, जनाहरणार्चे निसः प्रकार, जैसाकि जैसे

शासन मियाल के तौर पर।
यवाकम श्रमक समानुसार, तरतीववार मचानुसम सिस्तिसेचार।
यवातम्य वैसा हो वैसा ही क्वॉन्डा-एयाँ सवार्थ (दे ) गृह सत्य सही

हुनहु। समापूर्व चीता वहल का जयो-का-स्यों शहले-चीता पूर्ववत् पूर्वस्थिति काही ।

यसार्व १ छनित ठीन भुनाधिन नानिन सटीक समुचित सम्मक २ जनितन जसानी चैता होना चाहिए जा मेसा प्रदेश यजातम सारतिक ने सारतिक क्रम समाहै, सन्वाहै भ तन्या तस्य सही। प्रभावतः असम में तस्पतः वरमसम वरमसम में मधार्थ में वस्तुतः वाक्ष्यं वास्तव में वास्तविक रूप में सभ पूछा बाम सी सक्षमच सस्पतः ।

द्यार्वता अस्तिमत यवार्वे बास्तविकता सपाई, सच्चाई, सत्य ।

बचावत् श्रीसा वा वैसा ही वयी-का-त्यों ।

धवारतार अन्तराजुनुम्म भवतराजुन्य अवसराजुनार यवावकारी यना

सवानिधः कायरे से के बनुसार, डीक पढांत से ठीक से तिपमानुकूत निपमानुक्य निपमानुकार रीत्यानुक्य रीत्यानुकार विधि के कनुसार, विधिवत विकासक्य !

प्रशासिक श्री प्रशासिक स्थापिक समित के अनुस्य सामर्प्य

मवासंत्रक परिस्थिति के अनुसार, भरसक वचायतर, सवासनित

समासमय समय सान पर समय देवकर, समयानुरूप समयानुरार। समासास्य जिल्ला ही सके को हो सके करसक समामस्य समासन्ति समासाम्य समासम्य कर।

सवास्थान १ वहाँ ठीक हो ठीक बगह्यर स्वानानुसार, २ वहाँ-का वहाँ।

पर्येण्ड १ इच्छानुसार; २ ननमाना ।

मध्यः व्यक्तीरः इच्छानुमार इच्छाप्तर नाक्षी वर्णाक वर्धान्त मात्रा में पूरा पूर्ण प्रकृर, प्रभूत बहुछ पतवाहा धनोनुनूस तथा नाम्य सभेच्छ।

मबोस्त क्यनानुसार, बैसा बहा गया हो यथाकवित ।

मनोधित राधित सप्युक्त ठीक मुनाधित यथायोच्या शामित समुचित ।

पदा यद जिस समय।

बरानदा कमी-कमार, कनी-नभी वद-कमी।

र्घाद जगर, जो वेत् शान लें/को कि । सहनंदन यनुपति सहराज सहसंद्रमणि दे कृष्ण ।

मध्यि अगरने मदि हालाहि।

रम महिथिबाह्न मृत्युदय यमसात्र बाळदेय।

यमञ जुड़वीयमस युवसा यमदितीयः माई हुन भगहुन यमदुतीया। पमनोक नरक (रे) यमनपरी यमपुर यसपुरी। यमुनः सर्केना फॉलबरा फॉसवरीसना कामिनी फूप्का क्रमूना श्यामा सूर्वेजा सूर्येवनया सूर्यपुत्री सूर्यसुकाः। सबन १ ग्रीसवासी यूनानी २ मुसक्तमान ३ म्लेक्छ। यवनिका (नाटक का) करटेन परवा। कीर्नि रयाति नाम नैकनामी प्रतिप्ठा प्रतीसा प्रसिद्धि संस वहाई मसहूरी विरव डोहरत मुख्याति तुनाम भुमग्र। उत्तमक्षोक कीर्तिवान क्यात क्यातनामा क्यातिप्राप्त यशस्त्री नामबर, नामी-विरामी नेकनाम पुष्परलोक प्रस्ताद प्रतिष्ठित प्रसिद्ध सम्बहुर, यभी विश्वपात सुस्थात सुद्राद सुप्रस्थि । परोगान वे प्रश्नेसा। यत्तोदाः बसोबा भवराती महरि, वद्योगती। यशोकरा योपा योतमयत्नी योवमी राहुसमाचा। यप्टि छड़ी बंदा यध्यका भाठी। महाँ अम इस जयह, इस स्वाम पर। यांत्रिकः १ मिरमी २ यंत्र-विषयक यंत्र-संबंधी । धयवा वा। या याम वं यज्ञी। याचक दे भिषायी। मानना (प्राप्ति के सिए) प्रार्वना/विनती करना । याचनः माधिका दे बावेदनपत्र। यामसेनी वे हीपवी। यातना वे यंत्रया। बाना-वाना थामधरपन श्रावायमन ट्रैडिक (वि म प्र ) मातापात परिवद्धनः । १ सफर, २ बटन चूमना फिएना बैखाटन परिम्रमण यामा पर्यटन भ्रमण मटरवक्ती सैर, शैर-सपाटा। पंची पविक पर्यटक पांच बटाइन बटोही भ्रममकर्ता, यात्री राष्ट्रभीर राष्ट्री।

हिन्दी पर्याय कोस / १ १

ı

११ / द्विन्दी पर्याय शीत

```
रे बादबाक्त संध संधि संदत्त स्मरण स्मरणयाणित
           स्मिति ।
           यारवारी स्मारक स्मितिविक्ता
  शांडपार
 याददास्त
          याद (दे ) समस्ममनित स्मति।
     me
          १ याडी नाइन सनारी २ वहान विधान हवाई वहान
           वे असपोत असपान अहात पोछ।
    यानी
           बर्पात् यतम्य यह कि वाने ।
    घापन
           बुबारमा असाना विदाना व्यतीत करना।
     बाम पहर, प्रहर ।
   सामिती है रात ।
  मापादर जुनवकृत पर्यटक रमवायीयी संग्वासी।
     मार १ वे जिब २ छपपति कार प्रेमी।
   दाराना बोस्ती मिचता मैची यारी सीहाई।
     मारी है वाराना।
          जब तक जिस समय देका
    यावत
     मीग ईसा ईसामसीइ नाइस्ट, खीप्ट।
           १ बुड़ा हुआ मिला हुआ संयुक्त संसम्म सम्मितिस साप
     यस्त
            २ इचित ठीक बाबिब समुक्ति सही।
    युक्ति
            १ प्रधान नाम इन तरबीर, तरबीन २ गीति १ पतुराहै
            चात्री होत्रियारी ४ तई दतील।
           उचित उपयुक्त कीक तुर्वतंत्रत तुर्वसम्मत स्थामोनित
 युस्तियुस्त
            मुनामिक मौन् युनियस्यत वामिक संबद्ध सटीक समीकीन
            समुचित सही।
           वे युनितनुक्ता।
मुस्तितंपव
            १ नाम समय (गुमधर्म) २ दीर्घकान संबाखयय (बार
      दव
            युष) १ जाहा युग्म ।
   युगपात १ शमनानिक (उ भ ) समन्ती (भ प्र )।
     युष्य १ आड़ा मुग्म १ दाना।
     युगीतः १ युगावनातः २ प्रथय विनाधः विध्यविनाशः श्रीहारः।
            और युव और समय काल-विवर्णन जिम्म समय युव-
    युपतिर
            पश्चितंत नमय-परिवतना
पुर्वातग्दारी
            १ शांतिवारी शांतिकूत र युगनिवाता युगप्रवर्तक पुत
```

योप्प

विधायक ।

मुग्म बुक्की कोका युगसा।

युद्ध कसह जैन शमका शब्द हना रण सकाई, समर संप्राम समर्थ समर।

युद्धनाव युद्धभोप ससकार, हस्का हुँकार।

पुडम्मि भैदान मैदान-ए-चेय मुद्धकेत्र पुद्धस्यस रणकेत्र रमभूमि रणस्यस बीरम्मि वेधानभूमि समरमूमि समराम्म

युद्धिष्ठिर वजातत्त्रम्, कौतेय धर्मपुत्र धर्मेराव ।

युवक जवान तदल शीववान युवा।

युवदी तदणी नदयुवदी नदयीवना प्रमदा प्राप्तयीवना ।

पुषराज राजकुंबर, राजपुत्र बहुबावा बाहुबावा ।

युवा दे गुक्क।

पुराषस्था अवानी ओवत तरमाई, तारच्य यीवन योवनायस्या । पूरोपिया आवर्षासम्य भस्पनासोक रामराज्य ।

पूप दे समृह।

मुनिद १ दक्की दस्ता २ दकाई, एकक एकांच ।

मृतिकार्म १ पोशाक वहीं २ एक-समान एक-सा समक्य।

मृतियत संव।

युनिवर्तिही सकादमी विद्यापीठ, विस्वविद्यालय ।

मृरिनल द्वायमेट, पेशावकाना पेडावबर, बापस्म मुतालय।

मों इस इंग से इस तरह इस तरह से इस वरीके से इस प्रकृति से इस प्रकृत, इस प्रकृत से इस मौति ऐसे ।-ही---

निष्ययोजन वेमतलन । धीय १ मित्रण मेत २ तप तपस्या (कोयी)।

थोपशम कत्याच कुशत कुलल-अंपल खैरियत।

यामान परमाय द्वसन् दुवनप्यमन खारसदा योगदान १ वर्ष्ट्रीस्पूसन देन-२ सङ्घ्योय सङ्ग्रयका १ वर्षसदान।

योपक्ष ओड्डोट्स । योपक्स ओड्डोट्स ।

योगी आत्मकानी व्हरि बोधी तपस्त्री तापस्त त्यापी क्रमीर् श्रेतमी महात्मा मुनि वदी वीतराज बैतारी संत संत महारमा संन्याली सामक सामु सामु, सामु-महात्मा रिका

योग्य १ कावित आयक सुयोग्य २ दुवन कार्यसम पूर्वशानु,

हिम्बी पर्याय क्रोस / १११

मुनी वस निपुण पट्ट, अमीन के उचित सप्यूक्त ठीए मान्द्रस मुनासिव मोन्ने,बानिव समीचीन सही ४ महिकारी मार्ट् (पूनाहें) पान सुपान स्कार्य, १. सशम समने समन्त सामस्येवान ।

वासम्बन्धं ।
योव्यतः १ काविभियतं वेरिट, भाविभयतं निवासतः २ कार्यप्रमता
कृष्णका समता भूवं वरोता निपुषता पट्टता अभीमता
करितः १ वहाता प्रमता प्रमता सुपासता ४ स्थायता सामग्रे
१ स्वातिक्रिकेषनं विश्वी।

मोबना (scheme) १ परियोजना (उ प्र ) प्लान व्यौत्र (वि । म । प्र) स्कीम २ (project) बायोजन (वि ) बायोजना (पज वि ) परियोजना (उ०प्र ) १ (plan)

योद्धाः जुलार, जुलार भट, युखवीर, रणवांकुरा सहाकः बीर, शूर बीर, तियाही।

मोनि १ उपस्य नर्मशार, वर्ममुख पूछ श्रुर यस मोसङ्ग स्त्रीमिन २ मानुर, खानि १ प्राणिशासि प्राणिश्वर्ष।

योगा दे स्थी।

यौत काम-योगि-निषयक योगि-नंबंधी सैनिक।

मीवन दे गुवायम्था।

## ₹

रंक स्वक्रियन कंपाल शरीय दरित दीन धनहीत निर्धेत पुश्रमिस !

रंग १ रंगत वर्ण २ आगंद आगोद-प्रापेद शीज-भड़ा पीज ससी राज रंग १ जात जात्रकान जाल-कान दक्का रंग वंग क्षान ४ जाग नाटक नाट्य ४ बसर, पाक प्रमाव (रंग क्षणा) ६ जुल (रंग नाना) ७ आया नांति योजि (रंग कुना)।

र्थय-वैष चात्र चाप-चमत्र चास-बास इंत दशर रंग हासलः - रंगत है रंग वर्ण ३ अवस्था यका स्थिति हासल ३ आका

४१२ / हिन्दी पर्याय की ज

नोति दीप्ति (रंगत उड़ना) ४ जानद मजा (रंगत धाना)।

रपदार दे रंगीन।

रंपभवन रंपमास ।

रेयभूमि १ उत्सव-स्वान २ विएटर, नाटकपृष्ट गाट्यवासा रेकमेच रेयभेडर रेयबाला रंपस्थब रेयस्थली।

रेपसंच (stage) चबूतरा (ज प्र ) बायस नाट्यसंच सच रंतपृषि (प्र प्र ) स्टेख।

रंपमञ्जल स्थमननः।

र्रेपरको बामोर प्रमोद भीय-विचास भीव-मस्ती र्रेगरेमी। रंगरट नवनियुक्त (वि ) नवसिविधा नौसिविधा रिकट।

रंपरेज रंगसाज रंगाजीय रंगाजीयी।

रेंपरेली वे रेंपरली।

रपशासा छनिवृह थिएटर, माचघर नाटकपृष्ट् नाटकचर नाट्यपृष्ट् रपश्यस प्रेशायृष्ट रेथम्पि रमस्यसी।

श्मीन १ रंपवार, रायन- २ ऐश्वरशंब विनासप्रियः

रैंसीला विलयर, विलर्फेक मनवसा मौत्री रंगीन रविक रिस्या

रंश बत्यस्य जास विधितृ विधितृधात्र वरा वरा-सा दनिक (दे) शोड़ा शोड़ा-सा नाममान रचमात्र संद्यमात्र।

रस देवा।

रिक्ता स्वावत अनवन युवमनी हप माध्यवयी मनमुद्राव साम विद्योग वीमनस्य वैद, वैद-विद्याध वैदमान समुद्रा सम्बन्धाः

रंबीदा बडिम्न शस्त्र विस्न दुवी नारात्र परेवान विपन्न स्पन्ति।

रेक्षाचा वैश्वव्य ।

रही वसवी यमिका तवायक अवन्योच्या नगरवधू पतुरिया भयकामुखी क्याजीवा वारवभू वारविता वार्यवतासिनीः कारोयना वेदया सर्ववस्तामा सामान्या।

रदुमा (जिसको स्त्री सर गई हो) अपलीक विश्वर।

रंग रे छेर।

```
रपुनंबन
              समीर, तालुकेबार, बोजतमंत्र समवान सनिक सनी
ďΗ
               बोलत ब्रम्म घन पूँबी पैसा विस्त ।
        त्रंस
               संपत्तिशासी ।
        GH
                पायबान पाबबान ।
        TETE
                  १ हे पून २ स्वताम प्रित्तम साल (है) काल-मूर्ण
                तस्तरी चोट।
                 द्रेमप्रविश्वती प्रेमप्रविस्पर्धी ।
        रकाबी
          रकीव
                  मुखं १ अमुरस्य जासस्य।
           रवत
                   बून-कृतवा बून-कृतवी भारताट।
                   क्सडग्रेसर् १
         रवतवाय

    अधिप्रावक भाता पासक प्रतिरक्षक मुहापित रखवामा

          रक्तपात
                     क्षाम ।
                      संरक्षक २ बोडीदार इयोदीबार बरवान बरवान बारपास
           रक्ताम
            र्चनतम
                      वहरेबाद पासको प्रवृति रखवामा संतरी।
                      वेखवान निवरानी वालन-पोपण वचान रखाकार्य संसाम
              100
                        ृ गुबरवारी चौरमी बीडीवारी विकेश मान देशमान
                        हेरारेस परित्राण पहुरेसारी प्रतिरक्षा बचाव रसम
                       हिकाबत ।
                         रगुवामी संस्तान मुख्या हिन्द्रवत २ वालन (वचन की
                  ORI
                          ₹61) !
                          रगदी राग्री समानो।
                रशाबंधन
                           ामार इ
                TH-THIS
                           हे रहार ।
                              १ धमनी नम जस-नाड़ी नाड़ी रतरेका क्रिया २ (पत
                  रसदाला
                             उपपन्नी राजी खेम खेमी।
                            tat 1
1
                  राखासी
                      रहीत.
                               वहा-मुनी शयहा स्टब्स्टर, सर्व-विसर्व परेक्षाणी बाद-विवास
                              की) जम रेका।
                              १ शरीय वर्षय २ दे स्वहा।
                               रपुताव रपुतावर रपुर्वित रपुराज रपुत्रर रपुत्रीर
                        रगड्
                       त्वहा
                       रपुनंदन
                  प्रदेश | हिम्ही बर्गात नाब
```

रे॰ रामचर ।

रवता १ उद्भावता कनाइति नविता इति प्रथ पुस्तक २ निर्माण निर्मिति शूचन सृष्टिः ३ यहन यहन वनावट, रचनावित्यास वित्यास व्यवस्था संवटना संरचना।

रचनावित्यासं वित्यासं व्यवस्था संबदना संद्यना। रचमिता विसाराः, कवि कर्तां निर्माना प्रवर्ते वनानेवासा मुक्तिकः

रचनाकार, रचनेवाला सर्वक मूजनवर्ता।

रिक्त निमित्त प्रणीत ननाया हुआ निकित निर्मित्त सुनित। चन १ आर्थन ऋतुसाम जूनुम मासिक्सर्य रजीवर्म २ पराम

परापकेमर पूजराज पूजरेषु, सकरक १ रजोदुस ४ वर्ष य<sup>ु-</sup>मुकार गुकार, सूक स्किक्स मिट्टी। रजन १ गाँधी क्या २ पण्णीसरीं (रजगळयंती) ३ स्टेन सुक्र

सक्रद (रजवपट—पसिषमों के लिए सक्रदेद वर्षा)।

रवतवयती सिनवर जवशी।

रबनी दे राव।

रजनीर्वमा युभवस्यो चन्चनी सुवक्षिचयः।

रबनीश वे चंत्रमा।

रजवाका १ छोटा राजा राजक सरवार, वार्थन २ देशी रियासव/

रकस्वता ऋतुमती कुनुमनती पुण्यकी रबौधूच्या।

रका १ इण्टा (१) मर्बी २ मनुमति सात्रा स्वामंत्री स्वीकृति।

रबाई नोहना शुनाई, बुनाई निहाक।

रज्ञामद राजी सहमत्।

रबाबरी इजावत मंत्रुरी सम्मति सङ्गति स्वीकृति।

रजिल्हर पंजिका पंजी।

रिक्तार्वं पंजीवत रिवस्नीवृत्त रिवस्नीवृता।

रजिल्द्रार १ कुनगानिक (निवासिधानाय) २ निकंप्रक (उ.प.) पंजायक (नेप्य) पंजीकार (नेप्प्र) पंजीयक (नेप्प्र राज.) पंजीवरण अधिकारी।

रजिल्ही पंजीप्रत रजिल्टा रजिल्हीपून रजिल्हीशुद्धाः

र्शाभद्रीहत ने रजिस्टर्ने।

रजिस्द्रीसुरा है रजिस्टा ।

हिली पर्याय क्रोच / १११

रव कोलाइक मुक्त गोर, बोरपुत इस्ता हो-हरला।

रवा १ पमता २ बहुता १ कुवन २७ प्रतीच ४ धाराप्रवाह (बोलनेवाका सिधनेवाका)।

रवा १ अम् कम कणिका कन किनेका किनकी खुड़ी खर्रा गरमाणु, २ सूत्री।

रवाम दे रिकाण।

रवानगी निकसमा प्रस्थान बाहर वाना।

रबामा होना अस पड़ना निक्रम पड़ना प्रस्थान करना ।

रवाली तैवी पारा प्रवादित मवाह।

रवि वे सूर्य।

रवितार जादित्यवार इतवार एकर्यवा राजधार रविवासर।

रवेशा चाल-मान चाल-मान इंग इंग-कीर डीर-इंच शीर-शर्का कृष्टिकोण निवारिया वर्षाव रंग-का व्यवहार, व्यवहार कर्ताव।

रहित १ वे किरण २ (बाह की) बाग बामडीए, समाम।

रस १ वृश सर्व सार, साध्यस २ साहित्य-फा (नी रह) १ स्थाद रस (यट रख) ४ आगंत गया २. इस्म प्रीति प्रेम प्रहुक्तत (रसरंग रसंगीत) ६ हिन्ह वर्षत ७ सायका

स्वाय । एसमा आलोचक काव्यवर्गक पायुक रसमर्गक रसवेला रखिकाः

रसर यावसामग्री राजन।

रसदार १ रसीमा २ बायनेवार नुस्वादु स्वाविष्ट स्वादु ।

रतना जवान विद्या बीन रसमा।

रतनरी मकोम।

रतम दे रस्म।

रसमन्त्रं काय्यममञ्जासक रसकेला सहस्य।

रसहीत नीश्य मुख्यः गुष्या ।

रता १ दे पूर्णी २ स्रोत शोष्णा गूर।

रक्ता पेत्रीच पहुँच प्रवृक्त।

रक्षानतः १ अधीनीय पातासः २ नरम यसपुर यसपुरी समस्रोकः।

रतातः आम भागः चून नामत्तर, तहनार : रतिष्ठः १ नाम्यर्शतकः काम्यमर्गत नाम्यानं

कः १ वास्परसिक काम्पमनैत वास्पानीयै भाषुक रसानीयै

सङ्ख्या २ सीरय-प्रिय १ कामुक कामी रसिया।

रशिकविहारी दे कृष्या

रितया नामो नामुक विजयता वनवमा मौती रशिक सरस सींवर्गत्रणी।

रतीर १ पानती रिसीट २ पहुँच प्राप्ति ।

रक्षीला १ रमचार, रखपुक्त धरम २ बायकेश्वर मनदार, मुस्बादु, स्वारिप्ट: ३ छैपा बॉका।

रमूल भववसूत वैगवर।

रहोद्दयः पुरु खानशासा रक्षोद्दयाधार, रसोर्गनार, बावणी सूपकार । रहोई १ विचेन चीका पांकशासा कोवनासय २ खाना भोतन ।

रस्य १ चनन चाल परपरा परिवाटी प्रचाली प्रधा रवाज दिवाज गोति २ डायदा नियम।

रस्ती दूप बार, बारी रज्य, रसरी।

पहुनुबर है चस्ता। पहुन-सहत बान-पान जीवननिर्वाह का टंप शीवनस्तर (पहुन का) ठीर

वधेरा।

पहनुमाई अनुवार्व नेतृत्व मार्गदर्शन पद्मवर्शन सीवरी। पहचर द पहनुसा।

पहमस्ति इपानु, स्यानु मेहरबान ।

रहस्य युज बात पुज बियम गुड़ रहस्य बीच्य बात बात भर, मर्म

पहासमय गुन्त युक्त गोप्प पहस्त्यपुत्रत शहरासा ।

रहित सर्वेद, विना वीचल पूर्ण शीत। रोड १ वेना विषया २ दे रेसी।

चारव है अधिकार, हक्त- २ ठीक दुबस्त गुद्ध सही।

राशपति १ चॅडमा। राहेरा

राधस दे बगुर।

राजमी १ मामुरी निवासरी पैशासिक बहुशियाना- २ कीपनी बानवी निशासरी निजित्तारी।

राच सार, खाक छार, मस्य।

समा ृ एका रसामून २ रसर्वधम समोनो। १ द्वन पुन कम पक्रान स्वर, २ बजुराव प्रीपि प्रेम राजी (व ) व दिव्यति होच मत्सर। १ समस्यापी प्रशासन बादणाही राज्य शासन सस्तनतः राग ह यम। २ हे राजगीर है राजा है रहस्य। THE प्रजासकीय राष्ट्रीय सम्जारी जासकीय सार्वेगाक । राज पुत्रपत्र राजनेतर राजपुत्र बहुवादा नाह्यादा। राजकेवरि राजपूत्री सहवादी साहवादी । राजकीय राज्यार गरी राजविद्यासन विद्यासन । राजकमारी १ एक्तंत्र एकमायकवार एकप्पत्तंत्र २ शत्रम्बस्या ववर्ष विस्थी वेमार, बास्युकार। राजगही गुज्यकायास्य शासमध्ययस्याः है गुज्यकास्य राज्यविकातः। राजवीर वहीतवीमी शैका राजवही राज्यामियेक राजतंत्र अभिवेष राजतितव विद्वासमा रोहण । युसची वृज्ञेसकर हुत सफीर। MAINE PARTY PROPERTY TINER राजहोड

कैपिटम चाउपमुख्यालय। इटमीरि डिप्सोमेसी। राजपानी पानिटिक्स सियासत । राजना पानिटिशियन राजनीतिक। राजनीति वोभिटिक्स राजनीतिक सिवागी। राजनीतिल ृ राजम्मे निहासन २ राज्य ज्ञासन हुरुमत। प्राताद महत राजपृष्ठ राजनिवास राजप्रसाद राजपदन। राजनीतक वयट बातमपत्र । राज्यम प्रधान वार्ष बड़ी शहर मुख्य शहर शाहराह हार्देत । राजपार राजमहम

ध्य अवरोत्र टीवी तरोदिर दिन राजरोत । ठाटबार, ठाटबाट बासा रायन बानवार, साहाना काही । राजमाग राजवस्मा मासमुकारी राजमुख देवेग्यू । BRIT शक्रिक लोकिय वंद्रमर मराब्रीक करपाँठ CLASS. नराधिय नरेंद्र नरेंद्र मूप नुपति नृपास बादकार पूप 1 11 1 राम्धा THE

चूपि चूपास महाराज महाराजा महीप महीपित महीपास राजा राजाविधन बहुसाह सम्राट्।

राखी १ तैयार, रकार्यक्ष संतुष्ट सहमत २ रकामकी सहमिति १ चंदा भीरोप राजी-चुनी सही-समामत होना स्वस्य ४ चन्न प्रसन्त ।

राजीय वे कमना।

राबी होता ऐदी करना संबूर करना सान वाना मानवा सदुष्ट होता सहसत होना स्वीकार करना स्वीकृति वेना हानी मरना।

राज्य १ अवेश प्रांत राज स्टेट २ नासन सरकार, हुकूमत वे वेश मुरक राज राज्य ।

राज्यपाल नवशर ।

राज्याभियेक वे राजविसक।

रासी महारानी राजपली राजमहियी रानी।

रास मनौ अमानस्या काशंबरी धापा समस्यिमी समा तमिल्ला मियामा बोगा निक्ता निक्षि निक्षीय निक्षीयनी यामिनी

रमनी राजा यजि रैन विभावरी वर्षरी।

राप्तरितः १ अहर्गितः अहोरात्र वित्रयातः निविधितः निविधासर २ चौत्रीतो वटे स्वतः सर्वेद्यः हरसम् इरवेश्य इरवेश्य इर समय हमेसा।

्राप्ति वे राखा

राविनोज वितर व्याम् ।
राव्रा कीर्तिकितोरी इत्यप्रिया राविका समरानी वृषमापूजा

वृषभागुनम्बनी इरिप्रिया ।

राश्री समामी।

राज्ञेय कर्षे सुतपुत्र । राजी क्योन पटरानी महियी महारानी राज्यस्ती राजमहियी

राम १ जनसेच वराति जानकीजीवन जाननीनाथ जाननीपति
जानकीय साविकारि काफ्रीसीह क्रायमुन राजस्य नाथ
पवि पनुक्रमानि पनुनेच एक्नव प्यूनाव र्युनाव स्पृताव स्पृत्तव स्पृताव स्पृताव स्पृताव स्पृताव स्पृताव स्पृताव स्पृताव स्पृत्तव स्पृताव स्पृताव स्पृताव स्पृताव स्पृताव स्पृताव स्पृताव स्पृत्तव स्पृताव स्पृत्त स्

सस्या

```
UHER
               समरामा हे हैं। वर
                दुलसी रामायण मानस रामायण।
               हे रामश्
                क्रवृत्त (सीयधि) पुरतप्रमानी (सीयधि)।
      रामचंत्र
 रामकरितमानस
                  १ र रामपरितमानस २ वास्मीकि रामायन।
       रामबाब
                  श्वनिमत परामर्ख संतरम मंत्रणा मत मत्त्रविरा विचार,
                 । मणाम
        रामराम
        रामायन
                   सन्मति समाह ।
            राष
                   बनना बारी प्रवसित ।
                     बहुतमुनी झगडा असड़ा-स्टा असेला स्टा तकरार, बाद
            रायम
                    दे बेगा।
                     faule mir mein grad gigent!
             रायव
                      निकायरपति वनुनेश वतकंठ दशक्य दशक्या दश्यीय
               TIT
                      कोसवारी टेंट, तंबू कामियाना ।
                       बसमाप बतमूर बसपीमि बसवदन बर्गावर, बससीय दतः
              रावडी
                       श्रीत बसानन देखेल निवाबरपठि जीसस्य बहुबाहु
                        राह्मस्पति संक्रमाय संक्रमायक सकापति संदर्शाह्मपति संक्रम
                         अनाम भाग खाच पदार्थ खाचामा रसद।
                          १ धनराधि रवम २ बंबाट, इर पूज समूह १ अंक संख्या
                        संदेशकर ।
                          ४ वरिमाण १ तारासमूह (व्योतिय)।
                 रावन
                          देश नेशन पुरुष पान्य ।
                    114
                           राज्यीत ।
                 राष्ट्रयाग
                             १ हेशमनित राष्ट्रप्रेम २ (वेशमेनिटी) क्रोपियत
                            विधिवेट ।
                  राष्ट्रपवि
                             क्रीमी नेशनमः
                    शास्त्रीय
                              ृ बोनीहरूय-मृत्य राममृत्य २ बाय बायशेर समाम
                   राष्ट्रीयता
                              बल्या १ अनुरूत सामकर, लागदायक हितकर (राष्ट
                             शिक्षिणमा ।
                        TH
                                ृ छोर, नकी नैस छवर, बयर, बयहंडी पंच पय बाट मब
                               मागा)।
                               बदहां (१ ) वया ।
                   ११२ / दिन्दी वर्षीय कोल
```

मार्गे रय्या रहमुबार, राजपण राह बर्ग्स वीचि बीचिका बीमी सरणि हास्त्रि २ ज्याय ।

रास्ता पकड्ना अमते बनना चन देना चाना दफा होना फून्ना बिहाधी बनना विद्वाधी होना धस्ता नापना ।

राह दे रास्ता।

राहगीर पंची पविक पर्यटक बढाऊ, बटोड्डी मार्वी मुखाऊर, यात्रिक भावी पहचलता राही।

रहाबन डाक् बटमार सुटेखा है और।

राहुतनी बक्ती बटमारी जूट, जूटमार।
राहुत १ भवर राहुतकार्य रिलीक सहायता सहायता-कार्य
२ साराम चैन।

राही वे राह्यीर।

रिकातन के विद्यादन।

रिकामा प्रकारियन।

रिकार्ड १ मिश्रिकेक २ विवरण ३ कीर्तिमान ४ क्वामोडीन रिकार्ड।

रिक्त १ काभी रीताहमा २ रहित वृष्ति शुष्य।

रिश्वता सामीयम रीवायम मुम्यवा।

रिक्क उत्तराधिकार में प्राप्त संपत्ति कायबाद बायभाव पैतृकसंपत्ति

वसीयती। ऋड रेवस्ट।

रिक्ट रेवस्ट। रिवर्षे मार्गाततः।

रिक्षवेशन बारणय।

रिक्रस्ट १ नतीजा परिचान फल (परीक्षाफल) २ संजान अंत मतीजा দিকেয়ঁ।

रिकादन करना इस्तीफा देना त्यायपत्र देना पदत्याय करना ।

रिज्ञाना वनुष्पत परना आकृषित करना बाङ्ग्य करना पुसाया। रिट (wit) भारेष (वि ) प्रसिद्धि (मण्प्र ) धावेस (उ स

म प्र) २ समादेश ३ बाणिका।

रिटायर होना अवकाश बहल करना पवशुक्त होना सेवानिवृत्त होना । रिटेल युक्प फुटकर ।

रिपू दे सन्।

fl8

```
क्षीक करना कुरत्य करना मरम्मत करना सुझारना।
                १ कार्यविकास प्रतिवेशन राष्ट्र विकास सुवना
रियेश्वर करना
  रिवेशर करना
        Redit
                 २ संबाद।
                 वंबादबाटा ।
                  प्रस्तपंच सोटाना वापसी।
        Redire
           Freis
                  g anti
           fere
                    े गरमी २ कमी वसीवन सूट १ अनुबद् अनुकंश इसा
                   अनुस्मारव तकावा स्मरणपत्र ।
                  शरबार्थी ।
         रिवर्षकी
         िरमाईडर
           रियायत
                      १ राज्य स्टेट २ समसदारी १ झमी ए रईसी ।
                     हवा ।
                     हे रिवापा।
                       १ प्रविद्योजन सोवार्षण २ सून्ता पुष्ठि ।
             रियाधा
             रियासत
              Feela
                       क्ष परम १
                       नाता नातेवारी सबंध।
               PERIN
                       मारेदार संबंधी।
                         १ उल्लेख कृत वांदी का बामा वांदी का बूठा न बराना
                Frent
                          कोच २ दमाम बहित्तक १ उपहार डासिया डाली मेंड
              femere
                        PEPTI 1
              रियतेदारी
                 रिश्वत
                           ४ कमीतन वसडी प्रीमियन।
                           बुरुकोर रिस्वन वानेवासा रिस्वती।
                            वाशिके बूते क्याना वाशिक पहिए क्याना जेव घरना
                            वाविट बरना पूजा करना मुद्दी वरम करना।
               रिरवतकोर
                             यून वाना वेब बरला वास्टि बरना पुरुष्ठे बरम करना
                रिश्वत देगा
                रिश्वत लेगा
                               १ जनेस पश्चिम सेपीयन २ अस्वारोही हेना बुहसवार
                              रिश्वत धाना ।
                              अनुनंधान थाध सोध-सोत्र।
                               क्षमा ।
                       रिस्तेल पूर्वाध्याम ।
                         रित्ता क्षेत्र हैमा छोड़ा हैमा मुक्त ।
                                कृत्वारा मुक्ति।
                         PORTE
                           रीछ जानू।
                    प्रदेश | दिन्दी वर्णाय कोश
```

रीसना बार्कणित/छिवा/मुखा/मोहित/सम्मोहित होना बुत/मसन्न होना।

रीहर १ प्रवासक उपप्रोत्तेसर, २ पाठमासा पाठावसी ।

शेष मेवदह ।

रीता १ कामी स्वित गृत्य २ कोवमा।

रौति १ कायबा बस्तूर, नियम २ चलन परंपरा परिपाटी प्रचलन एस्म रीज-रिजाक कृति ३ वेंग उच्छ, ठरीका प्रवृति स्वार प्रचाली विश्वि वैसी।

रीति-रिवास वे रीति २।

पनात वे रोत।

र्द्ध तूस।

स्कता १ सटनना बहुना अवस्त्र होना टिकना कहरता यमना बसना रचना सुन्दाना २ बद होना (अमे काम) ।

स्थापः १ अन्याय सहेगा सवरोत क्षाता रोक किन्त व्यक्तिम भ्यवतान २ स्वतंत्राची इस्ततेष १ विराय।

प्रका विटठा नोट, पर्वा पर्वा हंगी।

दस १ मीरम क्या क्या-मूबा भूष्य मूबा २ असम बसमदस स्मान-कामक बरस्या ३ द्विनीत बेरमा।

पत्रता वेरती क्याई, क्यापन शुप्तता ।

रक १ कृष्टि कृष्टिकोण नवस्थि। भाग-२ शुकाब हैंड अकृष्टि वे सामा मीह मुख सामगा।

स्थाततः १ गुण प्रत्यान स्वानगी विदा २ समुपति सामा स्थानतः।

इस्रतार इपोल गाल।

रवाई वे क्यमा।

पान मनोम मस्यस्य बीमार, रोगप्रस्त रोगी न्याधिप्रस्तः।

श्रमता अस्यस्यता बीयारी रोयप्रस्तता ।

क्षि १ समिवित इटरेस्ट, इंक्टा सुराव विश्वयसी प्रवृत्ति रसान २ बानका स्वाद ।

विषय १ विषयमंत्र मनपसंत २ वायकवार, महेशार भरवदवार, मुन्ताहु, स्वाविष्ट स्त्राहु १ इंटरेस्टिय विश्वयस्य । विषय १ व र्यायकप्तन २ मधुर सीठा १ है सुंदर,

क्षियी पर्याय कोख / १२४

```
स्सान
```

श्रामित्रीय हेटरेस्ट सुकाण विश्वयस्थी प्रवृत्ति इवि । y विश्वपतिक भगपतिक। १ मोहबा बर्को पर पर प्रतिष्ठा प्राची पोस्ट मर्तका रैक २ प्रवण क्यर प्रतिष्ठा (है ) ३ शेव शेव-बाव शान दसान -शान-सोकत ४ जसर, प्रभाव । क्ष्यन बसाई रोबन रोगा (हे ) विसाप। १ अवस्त वंद बाजित २ घरा भरीया हुआ मुंबा देवा हुबा (इडक्ट)। en : à ngièn ! अर्थ बर, होलार हच्य घर घर-बीलत घर-संपदा मनी व वार्वती । दशकी 4 MA1 क्षिर रकम व्ययानीसा । **१** हतवा । बन्नसम्म दूपित कुढ शाधित बुस्सा नाराव। रपया-वेला क्ष समाम । R MENT ! े सर्गावकर, भीरस सीठा स्वावविद्यंत २ रख सुरक इप्ड होना तूम हरि। सूबा १ कठोर वहा परंप ४ हमानुषा १ हराहीन क्ष जुल १ वशमीनता भीरमता काता न्याई मुख्का मोश्वर्य मुख्यता। केमूरीवत ६ सम्बुपदा (रोटी)। हता १ बप्रतम्म/माराज/एट होना पुरुष जाना २ कोप/मान १ परपरायत प्रचलित सोडप्रचलित २ झाल्ड चडा हुना। वर्षवरा वरिवाटी प्रवत्तन प्रवा रिवास रीति सोक्रोति। WOT! ृ शाकार जाहिन चेहरा चहरा-माहरा रूपरी सुक जवस बरल-मृत्य जवन जवन-मृत्त हुनिया २ वट, गार **43** सकत वैत-तका दवका १ डोवा गाम बनावर प्रपानार w.fe ४ हे नुबरता (क्यबान्) १ भय क्रेस । gial sies, t

कपरेना काना सीमा मसीदा योजना स्तीम ।

कपवनी छवानी जिपब्राञ्ची रॅपीला कपमनी कपमी सबीसी सुंबरी

हुमीना ।

कपदान् बृदगुरन कपदत वर्धनीय त्रियदर्शन सुदर्शन श्वीन । कप्तति हे कपहनी।

क्यांतर.

क्यातरः क्यांतरच

क्या पौदीस्वतः।

क्याबीका वै रेडी: क्यक १ ममल सामन सम्मुख २ वामने-सामनः।

इम क्लाक्सय।

कमात बस्ती मेंहपोंछनी साफी हैंसी।

कत १ पुट पृष्टा स्केख २ नियम (६)।

क्ष्म १ जान्या बीबारमा २ इत्र ३ वत्त सार, सास्त्रस्थ। क्ष्मानी सारिमक बाध्यारिमक विस्थ पारमाधिक पारमोकिक।

रेंड रैमार २ पर्वतमासा पर्वतमृत्वसा पर्वतस्यी।

रॅबर: वनपान।

रद र किराया।

रैक्स दे रेखाः

रेफ्रांकित अंडरलाइन करना अधारेका बीचना।

रैका: प्रकार, पॅक्टिपॉठ रेक लकार माइन सीक।

रेबागमित ज्यामिति ज्योमेट्टी।

रेकाचित्र (sketch) खाहा (उ.स.स.) क्यरेका (स.स.) रेकाहडि (उ.स.०) स्केच (स.स.स.)।

रितित केक नास नेक साहजीय नेक (दे )।

रालतं बडः नास नक साह्याय नक (र ) रेगिम्तानः सरमुमि मरस्थतः।

।गम्तान अरमूर्यन्यस्य रेगलर निर्यामद्यः।

रेवक बन्तावर, पर्वेटिव विरेचक।

रेक्सरी जुदरा जुना जिटलर, जेंग छुटा ट्रा फुटकर, पुटकत गाँव

रेबपारी रेजनारी रेजगी।

रेकर १ उस्तम धुरा नेस्टीरेकर २ ब्लेकः

रेडिमेंड मैन्यरम ।

हिम्बी पर्याय नोब / १२७

टेट वर,माथ।

रेड छापा ।

रेबियो बाकासवानी।

रेनु १ गर्व गर्द-मुबार, गुनार, भून पांगु, रन २ दे रैत १।

रेत १ वामुका वासूरेणु,रेणुका सिक्या सैक्य २ दे रेणु १। रेता १ वे रेज१ २ दे०रेणु १ वर्गाई, अभीन वास का

मैशाम।

रैसीसा बमुबा वामूबामा। रैस १ वाडी ट्रेन रैसवाड़ी २ पटरी पाँठ रेमपटरी।

रेस १ मोड-शहरका भीड-माड रेस्टेस रेमरेसी २ ब्राधिकता

शाधिकय बहुतायत बहुतता भरमार।

रेवड़ (भेड़-बरुरी का) बनना शुट लेंह्डा । रेताल अंबर कोला कोलब चीलालुक टलर शृत पटेबर पटोर,

पटोच हिल्छ। रैतमी कौडम सिल्लम।

रेता छेतु.सूत्र।

रता ठयु-भूगः रेस बीडा

रेहन निरमी बंधका

रेक देस्तवार।

रेकेट ध्न-मानार, धोवामड़ी।

रैरात नगर, नर्मकार।

रमत प्रवासिया।

रीयदा रोबी रोगी रोबी कोक।

रोमां रॉवटा रोग रोबी लोग।

रोक अवरोध निवारण निर्मेश पावदी प्रतिबंध प्रतिपेध बंदिय कामा बुमानियन मनाही दनावट, रोक-टोक राज-मान विस्तु ।

रोशक कीत, धन नवब दथवा दपया-वैता ।

रोरहिया वैतियर, कोपवास सर्वाची।

रोक्पाम व चीका

रोक्षना बदराना अङ्ग्लन शामना अवश्य करना यायना निवारण करना निपय करना पार्थशी/प्रतिबंध नयाना प्रतिरोध करना

## १३८ / दिन्दी पर्योग नाश

प्रतिषद्ध करना बाधा श्रीमा बाबा/विष्य बासना मना करना, मुमानियत करना धास्ता धोकना रकावट बासना धोक स्थाना शोक-टोक करना धोकमाय करना वर्षन करना बाँकन करना स्थानात बासना।

रोप बीमारी मर्वे व्याधि।

रोतन १ तेल (पुसावरोधन) २ पालिश पेंट, वार्निल १ ग्रीड विकास ।

रोवी अमीस बस्तम्य बीमार, मरीस रूप रोपपस्य व्यक्तिपस्य । रोपक आकर्षक इंटरेसिंटर सिमयस्य मनोर्शककः।

रावक आकपक इटपस्टय दिसवस्य मनार

रोक १ वे दिन २ वे प्रतिबिन।

रोजगार १ आवीविका रोबी २ काम कार्य बंबा पेला १ काम-काल कामधीम क्षामधीम ४ कारवार कारोबार, विजनेस रोजगार, स्ववसाय व्यापार।

रोडमारी कारवारी विनक व्यवसायी व्यापारी सीवायर।

रोबनामका अयरी दैनंदिनी दैनिकी।

रोडमर्रा नित्य निरम्पनि प्रतिदिन रोव रोव रोव स्वा सर्वदा हमेला हर्यदन ।

रोक-रोठ दे प्रतिविन।

रोकामा दे प्रतिदिन्।

रोबी आजीविकाः रोजीका वे रोजानाः।

रोटो १ चपाती पूलका २ वदमरोटी पावरोटी इद ३ खाना घोडन रनोई ४ आजीविका १

रोड : सदका दे मार्ग ।

रोड़ा १ शंकर कम्ह-सत्तर, लोस्ट २ वहंगा समग्रेस दासा विकास स्वत्रमान ।

रोशन अस्मारोक्त करत धरत विसाप। दे शेता।

रोना आरच्यरोहन करना आँची में सावन मारों बरताना आँचू विराता /बहुता बाठ-बाठ औपू रोना करन करना महिमानी और बहाना चौतान-विकासन वार-बार रोना टमुबे बहाना बाह भारकर राना फट-मूटकर रोना दिल्लामा सन्यरमुक के आँच बहाना स्थन परना रोना-करना रोजा

हिन्दी पर्याय क्रोस / १२१

चिल्लामा ऐता-सिक्ता रोगा-सिक्ता ऐता-सिक्ता विसाप करना सिसक-सिसक कर रोना सुनक-मुक्क कर रोमा ।

रोपका १ पंजीरी सवामा योध समाना शीधा सपाना १ समाना समाना स्थापित करताः

रीत जातंक स्वरता शास प्रभाव स्तवा रीवराव असर।

रोबदार वनदेवमामा धाकवामा राजदावनामा रोजीमा । रोजीसा वै रोजदार ।

रामस्ता द रायदार। श्रीम शैंतशारीकर।

वि रॉनटा रोवा भीय।

रोमांव पुत्रक रॉवटे शहे होना रोमहर्पम सिहरन । रोमांटिक १ रंगीका रोमानी २ भाषप्रकथ धायुक।

रीमानी दे श्रेमोटिक।

शीर्म चैनटा शेम कीय।

रोर कोमाहल गैमा तोर घोर-पुत्र हस्ता हा-हस्ता।

रोल भूमिना। रोत्तमहान श्रिक्को सवाध अयोधा दरीका मोधा बातायन।

रोधनाई १ इक गांस स्याही २ प्रकास धोलनी ।

रोधनी आचा भानोक कर्ताना छतास स्थितासा प्योति वीप्ति स्रोत क्षर प्रयाज प्रता विकाः

रीय अप्रसम्मता कोप भोव (दे ) नृस्ता माराबी नाराबची ।

रोहित ग्वतं नात मोहितः रोहितास्य वे भावः

रीदमा बुवनना बहुबना छिन्न विम्न करना सहस-नहसं करना नष्ट करना नष्ट प्रत्य करना बेस्तनाबुव करना पदरसिय करना बडीह करना शर्द करना वीस्त करना सहसना !

चीत द्वार दरावता अवह अयंकर जयानक वयावह भीवन । चीतक १ वयच-दवक, वहुम-यहुम श्रीड् बंड्चन धीड्-माड्

२ आव काति भगक सकान ३ वे नुंदरसा।

रीमा दे रोर। रोतवी दे रागवी। **ब्रह्म १ व**ट्टिक्स क्ष्म ३

<del>मॅसनार,</del> दे स्वरा

WI.

नदा परवर्ते कर करतुरी विष्ट विकास क्षेत्रेत

सर्वाद्य 🔪 🔃

नक्षा है स्टब्स्स

निवास १ जार क्षणहरू व्यावस्था कर (वेगरवर) तरेकानेका नुक नुवालका २ जुल कार्यकारी देवार।

नेपाला अवन्य हर द्वारः, नेरहावर प्रस्ता

नदर्भ न्यवं स्ट।

नरर १ नंदरदान २ बहादी नंदर।

नेंद्र की कम्पूर बेबर, की प्रकट, क्रिक्त

सँकोट काम्य नी देश समाती।

नैयोदिया बोउरेर बॉयम बनिया, निस्ट का बबरन का (दार)

यानीय स्तूत का (दोस्त)। संगोटी कस्त्री काटे. कीरीय सर्दा।

संपतः वक्षता वताद्भव पाव क्ष्याः संपतः १ वतन्त्र अत्रहार चपवास निरस्य प्राका २ अधिकसम

उल्लबन नौबनाः संद १ सम्बाह्यभोदन २ (सम्बाह्य) खाना दादर भोड रोगी

सहकोतः। संदं १ कहमर बाबदी थोज् दुर्वृद्धि दुन् देवक्ष्ण, कोरा भोह् मूद्र मुखं २ अनवड अधितितः निरक्षर, निरक्षर अनुवार्ध निक्ष कोद्रा पद्भवचार १ असंदान अवस्य स्वत्रह संदार।

र्नेदूरा बोडायुपरयापुण्डहीन।

सपट कानी कानुक छिनार तुष्या विषयी ध्वनियारी।

संपत्तमः प्रस्तुकः एवताव पूरा-मा-पूरा। संदाः १ अवा वडा संव संवाहेग गेंडू संवीतरा सबकर, विशद

विशास १ अधिक (संवासमय) १ दूर (लंबा पास्ता सकर)।

लेबाई अवार्ड धर्मबना संबाग संबापन विशासता ।

दिग्वी पर्वात पोच / ५३१

```
समग
               १ प्रातील लंबतबंप २ विराट विकास विस्तृत।
संबाचीहा
    संवाचीडा
               दे ज्लेश।
                 १ काठ काष्ठ बाद शयकड़ २ वृंधन जलावन १ छड़ी
                शेरिया क्या कृत हुँदार ।
       संबोदर
     संबद्धारा
        लक्को
                 यध्ट सङ्ग्रही साठी।
```

समर्थ प्राचात पैरिक्षित फ्रांसिस । लक्या

धारी वंदित रेखा बाहन । सकीर

इंडा खड़ी साठी सोटा सोटी।

सक्तिया सकत सकति क्षेत्र। संबंध है

शास । **F** S समय

१ जासार (वैसे वारित के) विद्वा निवान पहचान संकेत २ बाम बाम-बास तीर-तरीका ३ (बरीर पर बामबात) काका बाग्र सक्छम ४ वरियाया।

मिविष्ट, मिर्वेशित संकेतित । समित

रामानुव सखनमास क्षेत्रावतार खीवित । सहस्र लक्ष्मी

१ इतिरा वमला महालक्ष्मी रमा विष्णुवस्समा सी तियुवा इतित्रिया इत्विक्समा २ मृहसवमी वृहस्वामिनी ३ सन्बुची स्त्री ४ चंबसा बचना १ दे सन ।

१ दे विष्णु २ जमीर ऐस्वर्धनामी धनवान जनाइय वृंशीवति सदावती संपत्तिकाली मुनंपला है धनी। १ निकाला केच्य २ उद्देश्य ध्येय साध्यः ६ समीप्ट संस्मीपति इस्ट उहिस्ट ४ प्रवीयन हेतु ४ वरीसार्थ मसवार्थ

सदयार्थे । अजिप्राय परोशाचे शक्षणाचे शक्य । सरवान ह सहसीपति २। सदर्पत संपन

१ सध्यवतात गुन २ अनुरक्ति आसम्बद्ध प्रेम समाव सी प्राप्ता सम्बंधना सम्मीमना सबसीनता ४ मृहुदं भन्न मुबपुहर्ने साहत ।

है विषक्ता जुडना निसना सटना २ सूर्व होना सन जाना व्यय होना १ अनुवान सबना जान पहना जात होना सर्गा

मालूम होता ४ मखरेना चुमता नागवार पुतरना कुरा सपना (बात लगना) ४ ससरहोना प्रभाव पङ्गा (बामा मरीरका लगना)।

सपमग सदाबन सनुमानतः, इस्वि-इसीव श्राप्तिक सहरीवन प्राप्तः, सीटे तीर पर ।

लगाशार १ शनवरत अधिकान कप स अधिरास अधिराम जिलाई, अस्तर, विशा करे विका विराम के विना विकास के मुख्यानिय, मुननसल सर्गत २ साठो एइर बीस्ट वड़ी उठसे अंटर हर कड़ी हर करत हर समन।

सपान जमावंदी भूमिकर, मानयुवारी राजस्य।

समाना १ स्मा<sup>र</sup>करना रोजना २ (बरसावा) मोठेमाना वह करना भड़ना ३ ऋष/स्मन करना ४ तिपुत्त करना १ दुहना ६ जमाना प्रज्यस्तित करना।

सपाम बाय बाबडोट, राम ।

सपाव १ जहां समय नास्ता संबंध २ दे प्रमा

सर्वेष सम्बाद सामान।

सम्बद्धी १ एकोमायम २ मायमदेह एकोबायम का/की (वैशे बस)।

साम १ मुद्रुत विवाद-समय युषपुत्रते साहत २ विवाह, दावी।

्रमा १ विनिष्ठ, छोटा नन्हा अस्य वस योहा। समुक्तभः स्थूनजस विनियमः।

समुक्तमः स्पूत्रप्रमः विविधमः ।
समुक्ताः १ छूटाई, छाटापनः २ भीष्ठापनः स्पृत्रमा सुक्रमा सुक्रमा सुक्रमा सम्बद्धः

समुखका पैगाव बावक्स (विस्ती में — और उन वण्ये ने वावक्स कर दिया) मुख्युत्र ।

सब्द सब्दन सब्दीतापन सबीवापन।

संबंधीता दे संबीता।

सकर १ वटिन (१ ) (व्यक्ति) २ नमकोर, तप्यक्षीन न टिनने योग्य सङ्ख्य काट्य (तर्क वतील साथि) ।

सबीता १ सबक्दार, सबक्याना सबकीता नवस्थाः २ नमन्यीन

नग्र। सम्बेदार मत्त्राद्यम् रोपक। सभामा शङ्करम

सवाना क्षेंपना स्रविवद होना साव करना वीड़ानत होना कर्म से बढ़ना वर्म से पानी-पानी होना वर्माना व्यक्तिका होना संकीच करना सकपकाना समुचाना। देव वस्तीना।

मदौर बायकेशार, महेदार पुस्तादु स्थापिट (है ) स्थापु । सदौरा सण्डासु, सण्डाधान सण्डासील सर्गीमा बसन ससम्बन्ध । सरकत बायका नवा स्थात ।

सरबतवार वे स्वाविष्ट

लरमाः १ ताव ताव-जिङ्ख साय-इया बीडा धर्मे ह्या २ इत्थत पठ-मानी पानी प्रतिप्ता मान-वर्मादा।

सन्त्राधनक वर्गीतिकर, अपमानवक वर्गामी करनेवाला समनकः। सन्त्रासु, सबीमा सन्त्रातील वर्गीला संकोधी सन्तर्थ ह्यासर

सरमाना ह्यायाम् ।

सरमाधतो सर्वासी सरवासीन साववंती सर्वीसी। सरमाहोत निर्मेरत वैवार्ग वेह्याः।

सर्वितः समिता धर्मभार ।

सद असकपुष्ट नेशपुष्ट, नेशपुष्ट पोटी वटा वटावृट वेगी। सदका १ मान देव तम प्रदृष्टि नैसी २ इतिमता बनावट

६ वनावटी मुद्रा द्वाव भाव टोटका दोना-टोटका ६ दिक ६ मुस्का फारमूका सुध्र।

सदमा अलक्त हो जानां कमजोग हो जाना वीषुस्परी थिए वाला यक कर निरुग्त दुवसा वाला प्राला-बुबसा हो वाला स्वास्थ्य विर बाला !

सद्दू १ वस्य २ जावचित सर निटमा मुख्य नोहित वजीसूत सम्मोहित ।

सद्द बड़ा बंडा बड़ी लाठी शाठी।

सट्टबाड १ मर्डेश २ सांत्यन साठी से सहाई करने व बुसम/दश साठीकाड

सहस्मार अभिय अभिय वसोर कहवा कर्यवा

सर्वेत महुवाय माठीवाय ।

सङ्ग्यम १ छट्टम वयपन बास्यकाल बास्यावस्या २ र्थमनडा यपस्ता वापस्यः ३ नावानी नासमझी बचकानायन वयपना ३ सङ्ख्या १ किसोर, कुँबर, कुमार छोकरा छोरा बच्चा बास

बालक सौबा तिसु २ पुत्र बेटा सास संतान ! लड़की १ कियोरी कुमारी छोकरी छोरी बच्ची वासिका सौडिया २ पुत्री बिटिया बेटी सुता।

सद्भक्षाता १ (पैर शादि का) कपनामात्रा बाँनाडोस होना किया सरक्षाता हिस्ता २ (सन का) अस्तिरहोता कौरता कीरत होना कपनाना बाँनाडीस होना विकास बोलना परक्परात क्रिक्तिय होना। विकलित होना।

सदना १ कनाइ करना चुळाना समझना सपदा करना शाहा-कनाह करना टकराना तकायर करना मुद्र करना सहना-पिहना सहाई करना सहाई स्थाना करना २ बहुत करना बहुत मुन्नाहित करना वाय-विचार करना हुण्यस करना समय करना।

सब्गा १ थेग भुद्ध रच संपाम संपर्ध समर २ स्वाह-प्रकार पुल्य-पुल्या सपड़ा सगड़ा-सड़ाई, वंबा-ऊसाड उत्सार १ कमह तकरार, महस बहस-भुवाहिसा बाद-विवार हण्यत ।

नकृत् १ अगवान् सदाका २ मोका क्रीमी सिपाही ३ विवादी हण्मती।

सब्द् मनवल गोवक सब्द्वा।

सत १ वे लसका२ (ब्रुपी)शावत टेन वान ३ व्यसन।

सत्तर भवा वेशा शविष्य वल्लाये।

सत्तानुह् शताधवन सतार्च्य सतार्मक्ष्य ।

सताक साक्-सटकार सिक्की बोट बोट-वपट बोट-सटकार बुत्कार, फटकार, प्रवादमा भरतेना सामध-समाप्रत ।

सतिका दे सता।

सतीका पटकुमा।

सक्यम भीता तर, वराबीर भीवा धना हुवा धराबीर।

सभाइ पटकी पराभव हानि। वे सनाइ भी।

सदङ् आससी नामचोट, काहिम दीमंसूत्री धीमा निर्ध्यय बोदा सुरत ।

सपट औष प्यासा।

```
ससाट
                १ तह करना/वामामा बौधमा समेटना २ उत्तरमधी बासमा
               हॅठन बुगाब चनकर फरा।
अपेट
        नपेट
       सरेवना
                 ज्ञावाण हुरवरित्र वपट मुख्या व्यक्तिवारी शोह्या।
                क्षामा ।
                 $ stoda |
         लव्यक
         नक्ता
                  HEE!
           -
                   श्रमत्त्ववादी वणी मृठा रच्यादी बरुवासी मिप्पाणापी
                  वातुनी ।
         सर्प्राव
                  वाउन चीवा i
          लवाबा
                    मित्याबाबी सबरा संबादिया।
            सवार
                    सनक्ता हुवा नकानक बरा-पूरा।
                     क्रीवर उपलब्क प्राप्त हानिक।
           सवासव
                      उपमस्ति प्राप्ता भवनस्त्र धानस्त्र साम ।
              लक
                     ह प्रसिद्ध ।
                      को जिल सके प्राच्छा प्राच्य होने योग्य प्राच्य सुसम्र।
          तब्यप्रतिव्ह
               लव्य
                        १ तर्व दुन २ ताल १ नात प्रथम विश्वम विश्वमन
                FF FEE
                       स्रम् ।
               सरवनाः १ अधित होना अधेवना हिसमा २ खोळ खाता अरता
                         उल्केश उत्पर दण्डा बहुरो वाह प्रदल बीबलाया प्रदल
                           १ बालान चुनीती चेसेंब २ युवनाव हुंबार।
                          लामसा। दे इन्छा।
                            १ पुत्रीतो देना वैतिव करना २ मुखनाद करना हुँकार
                  सतकार
                            १ तरसना सतपना सातप करना सालाधित होना
                সনকালো
                            भरना ईकारना ।
                             २ तरसाना मोहित करना सामय तरमम करना सुनाना ।
                  संस्थाना
                              (संबोधन में प्रयुक्त) १ देवर, २ सहका (१) ३ नायक
                             र स्थी।
                      संसमा
                              नित (१)।
                               ृ देशांनी शास मन्या मातक भाषा २ भाषा।
                              ₹ शाशिमा।
                       HHI
                  १३६ / हिन्दी वर्षीय कोश
```

सताक देर्सुदर१।

सतिक वे सूदर १।

समीही बावाज रवनार, रवनारा नमधीहा सुर्वामापता

सस्मोषप्यो विश्वनी-सूपक्षी बात बाटुकारी ठडु रमुहाती सरसोपत्तो । सर्वेष सींव।

सबस अग्रह नोन।

सबनीत ग्रक सम्बद सस्तीन मध्य भीत।

सबसेश अस्य मात्रा अस्परित करा कोड़ा रच रंजमान स्वत्य । सरकर, सरकर १ वे सेना २ केंट, केंटनमेट (सेना की) छात्रमी (सेना

बा) पहाव ।

नस चिरचिपाइट।

नसदार विपालिया विश्वविषाहृट काना असमसा नसीना ।

सिंग्स अवद्वत शोभित समा ध्रमान्या समाह्या मुद्दामित सुर्वाण्यतः

सतीला वे शहदार।

नसाम-पस्त्रम किमी तरह विशी प्रकार, वैदे-दैमें का श्लॉ करक बहुत श्लीरे श्लीरे/मंद वृति से येन-नेत-प्रकारण सामान्य/साझारण रूप से ।

तस्त तस्त-पस्त अधन चका चका-नाँदा वराष्ट्रभा तिथित ।

सस्सी १ (संयेहुए) चही कापेश २ फाछ बट्ठा बठा भाठा सक्रा

सहेवा १ स्वर्ट २ पेटीकोट साया।

सहबा काकु (ब्बनिका) बतार-बहाब टीन सुरसहर, स्वर ।

नहर १ जींन कस्सीत वरंग नीव वीचि हिनलोर, हिनलोरा हिनोर, हिनोरा, हिन्तोस २ वर्गन कोश गीव।

सह ये चूना

र्माप पाछ पुछल्मा पोछिटा।

सौंपना १ कर पाना छत्रीन मारमा/समाना शाहमा पार करना

प्रविनाः २ अनिकाम करना उस्तेवन करना।

सांक्रमः १ कर्मक तोहस्त बोय शेयररेपय २ वाड स्टब्सः सांक्रितः विभाग्य क्तिकित कर्मकी बोयपुक्त क्षेपी बदनाम सांस्टन युक्तः

साड़ी युनाईवर, बोबीवाना ।

्र बासोक जनावा प्रकाश रोसनी (दे ) २ हरका हरका लाइट पुरस्या । नाइन १ वयु, दक्तिः २ वक्तिः रेखाः। साइबेरियन पुस्तकाञ्यक्ष पुस्तकालयाज्यका। नाइबेरी मृतुबचाना पुरतकासय। ताइसाम मसास्य । साइसेंस अधुवा बनुसायन बनुत्रप्ति। माइसेंसबारी अनुज्ञप्तिथारी लाइसेंसवार। १ जीस फस्ही भूरपुरा सहया साना २ चुनसी साई मार्र मुक्तरी । सार्वय शीम नियाम-कशः। साँक रामा । सारा साय शहा साध्यः 🚦 सदा सी हजार, २ बहुत विकि बहुत स्थादा नार्रवार बार-बार (पैने प्रनष्ठे साख कहा) ३ चपका सासा माह। १ बुरमनी मान-बोट विरोध वैर अनुसा २ मनमुदाब साय मनोमानित्य वैमनस्य ३ चढा-अत्यी नाय-वीम प्रति योगिता क्षेत्र होकाक्षेत्री ४ ईच्पी (दे )। साग-डॉंड वे साम। १ सरपायन-म्यय कास्ट-आइस परिष्यय (म. प्र.) सायद त्तापत मुक्त्य सामग्र-स्थय २ दार्च द्वर्षा स्थय । सामव १ वेजी पूर्वी २ हाम की खप्ताई 🐧 पुत्रकता की बस निपूषता हुन ४ समूता। सरबार १ समगर्ने मात्रका अलगत असहाय बाव्य वैवस मध्यूर (रे) विषध। ताबारी -१ मसमभता बायपग्या सम्बत्ता २ मेवसी मनपूरी (र ) विषयता । साँज (lodge) वासा घवाता। नाम १ नज्या बीड़ा समें शर्मोहरा हुमा २ मावक दरवत पन-पानी पानी अविष्टा (जैसे जब मेरी नाज तुम्हारे हाथ है) वे पुरम्यतः साय-सिद्दान शिक्षातः।

१ मनियार्य अपरिहार्ये आध्ययक श्रक्ती २ अपेशिय ।

**११८ / हिन्दी पर्याय** कीश

नावनी नाविधी

सामदाव सायक

१ निक्तर २ अवाक, चूप मुक्त मौन ३ अहुन बहुसनीय नाजवाव मनुपन जनुपमेय वेजीङ वेशिसास भागिसास।

वे भाई है। नामा

सर्वेजिक एक तक्ष्मास्त्र। साबिम दे सामग्री।

साड १ यवर्नर, यवर्नर-अनरम साई २ खमा पिसर, स्टम।

लाठी योगी छड़ी बंबा दंड यप्टि, सक्तवृत्ति सकुटी सोटा।

साठीबाट सद्द्याच सहैन।

साइ साइ-प्यार पुतार, प्रेम स्लेहा नाइमा दुमाय पारा।

१ टोथ पन पद पाँच पैर, २ किक पदप्रहार । सात

१ चदर पट २ अवकी जीव। साव एक-पर-एक रखना वहाना बोधना बोधा घरना धरना नाइना

रवागा । सादी (पणुकों की पीठ पर का) यहठर, पठरी बोला भार, सदान

चारी गई बस्तु। पू-पू धिक्कार, फिटकार, घर्त्समा कानव-मनामव।

तान्त

बजात सावव पूम शुमनुवा नुप्त। नारता अभग्रदकी असावधान ग्राफिस प्रवादी वैपरवाह विफिन्नः **नापरवाह** 

२ मनमौभी मस्त भस्त-मीला सुन्धे १ निश्चित ४ डीला मुस्व ।

सापरवाही अनववात असप्रकी अनवज्ञानका अधावप्राती प्रक्रमत प्रमाय बेक्किरी २ निविधतता ३ किसाई, मुल्ती।

रीयों । साँगी

.१ नक्षा फ़ायवा सूनाक्ष्य २ जामद जासवनी फ़पस्रिक्ष साम प्राप्ति ३ छपकार ४ परिकक्षितः।

१ अवरेगंद मुफोर लाभकर, लामकारी लामपर २ वृष नाभदाय# कारक गुलकारी ३ छपमोयी सपादेग।

विविशेष्ट बोनस् । सावसि १ फॅट (मूजफंट) २ आर्थी फीज सेना (वैसे सामश्रेदी में)। सामिसान दे नाजनातः।

लायकः १ क्यवित योग्य सुयोग्य २ बुधवान्, पुणीः ३ उचित

हिल्ही पर्याय कोश / १३१

उपयुक्त ठीक बाबिब ४ पान हक्सार।

नायक्यित काविसियत योग्यता ।

सारी बस मोटर।

साम

१ मस्य मस्याम बारस्य युक्तरार, युसाबी व्याची व्याच् रक्तिय रतनार, रतनारा समछीहा ससौहा साधा साबी मोहित सिंहरी पूर्व २ बहुत कड/नोबित १ पुत्र बासक बेटा सहका ४ शाणिक गामिक।

कृष्णा प्रसोधन निष्धा सोम सौनुषता हवस हिसं। सासद

तामची सिप्तु सुका सोबी सोसूप।

देश-रेख पासन-पोपम रख-रधान सासन। सालग-पालन

<del>मानद्र</del>ीताचाही रेडटेपिशम ।

उल्लंट अभिनाया अवन इच्छा संसद्य । दे इच्छा । त्तातसः

१ (पुछ हिंदू भारियों के कोमों के नाम के पूर्व प्रकृत्त) भी सासा शीवृत २ नायस्य ३ देवर ४ (संबोधन में) नहाक्रम

महोदम । नानायित इच्छ्क अस्कटित उत्सुक समयाया हुवा।

सासित्य दे॰ संबरता।

सालिया बद्दायमा समाई मानी भूदी।

साली वे नानिया। सावस्य दे सुबच्या ।

सामनी धेदास ।

मचवाब फीज-फाँटा सेना ससैन्य सामग्री। है मेना। नाव-नरकर

सामारिस १ विना दावेदार (शामान) २ मनाव यशीम (वैधे बच्चा) ३ विना मासिक का (जैने कुला)।

मध्यत मिट्टी मुर्श मृतदेश, मृतदारीर शोध शव । सारा शासा नोंदा

नातानी अहिनीय अनुपम अनुपमेश अप्रतिम वेजीड साजवात ।

नाह नपहा साम्रा साथ।

१ मैनस २ व्यापरशिक सिय ३ पुरुपेन्द्रिय संड शांड तिय मीड़ा शिक्त ४ शिवसित ५ चित्रहो

निए १ (के) अर्थ (के) अहस्य है (की) खातिर (के) ध्येय है (के) निमित्त (के) बारने (के) हैं। (प्राय-तमी के के साब प्रयुक्त जैसे -- के सिए, के निमित्त) २ सेवे।

सिकत बस्ताबेब भिवत-पहत विवा-पड़ी।

निकार १ वॅडिंग करना कसमबंदकरना सिपियड करना २ रचना करना (वैधे वे कहानी सिवाते हैं) ३ कानव कामा करना (वेकार सिकार)।

मिकार्ष समर तिक्रमा मिकावट सिपि।

निसापदी १ विटठी-पत्री पत्र-व्यवहारः २ निस्तत-पद्याः।

निजाबट असर, तिकाई, सिपि सेवन नेवन विधि।

निवितः कत्रमण्ड वहरीरी निरिवदः। निवित्तिः १ विनीमा चूनास्यव मृत्रितः २ प्रविकर्यी विक्वीं वद्यकः

क्सदोर, कावर दूसमुख बच्चू विना रीड़ की हर्दी का इ की बदता-विहीन नर्पड़ विना बीबट का।

सिपटना अंक धरना आसियम करना यसे समना विपटना छाती थे स्वता धीने से समना।

तिपटाना अंक भरना वर्शनवन करना वसे सवाना छाती से चिपटाना

छाती से अथाना सीने से सदाना।

तिपि बसर निकायट निपिविक्कः। तिपिक फिराती क्लकं मुत्ती।

तिपिकार नकत राजेवासा प्रतिसिपिकार, सेखक।

तिपिबद्ध क्रसमबद्दिसचाहुवासिविद्या

क्रियतः सनुरक्तानिमन्त सन् रतानीय।

तिथ्या देशालयः।

सिष्मु देशानची।

निकास १ एनक्कप कमर, २ अगरी बाइंबर इसई, मुसम्मा।

নিধান ই বীভাড। নিমালের ই-ষ্ঠিচাকা

नियाहत १ वर्त्ठा काविभिवत योष्यता २ गुण हुनर;३ समता शक्ति सामर्थो।

निस्तिसा चिपचिपाः

निसद सामिका चेड्रिस्त सूची।

तिहाड १ अध्य इस्तात स्थान स्थान २ इपाइप्टि ३ कुरमाट मुसाइका बील-संकोष ४ तरफवारी पळपात।

सिहाका १ वतः इससिए, चुनोपे २ तरनुसार।

```
सुप्त प्रयोग
                १ (भिता-पिटा) बसन बाल बस्तूर परंपरा प्रवा रस्त
PARTS
              हुलाई रखाई।
                रिवास रीति सोकनियम २ रेखा सकीर लाहर १ मर्पाया
       सिहाक
                 शीमा हुद ।
                  १ कालची काहिल निकम्मा निक्लिम शहर सुस्त
                  ् संबद्धम संब २ वस वाटी।
          नीव
                   ् इंजूष इपन अवसीपूष नेत-देन मे खराब ।
          लीखड़
                   र प्रमुमा ।
                    १ हुई सम्बद्ध सम्मीन नियम्न नियस प्रमृत प्राम रस
           लीवर
                   रहतुमाई।
           सीवरी
                    शिल विमोर, संसाम २ सत्यांन मुखा
                     नोबरियामा पोलना मटियाना सीपना-पोलना ।
                      १ केति भीडा विस्ताह देशा २ नाटक १ कोतुक
             सीयमा
                      तमाना ४ दोन स्वीय।
              नीसा
                      शिवर, वश्रु ।
                       लचेय अपाहित येषु जैनका सुत्र-पुत्र सुत्रा सूला विकसाय।
               लीवर
                       तहमर ।
                संबी
                       आइ/बोट मे जाना/होना फिल्मा हटना।
                        मीविमिनीनी बीवमुदीनम कुपनछराई।
                        बाबारा कमीना बुचामी बुसाबी बुराचारी बदमार
                सुक्ता
              मुकाछिपी
```

ठमा बाना शबाह होना बर्बाद होना नृटा बाना । जीवाबुध शर्व करमा अपन्यय करना बहाना सेवाना व करमा पानीकी तरह बहाला विज्ञास्त्रभी करना ब करना बहामा ।

बाकू बस्यु बन्मार, सूरनेवासा । बुगनवोर, बुगनी बरनेवासा निरक सरारती।

अंतर्धात जनहित अवृत्य अप्रवट (जीपों से) ओलस आनंद घडा। गुष्य तिरोधृत विराहित जापना विज्ञीन विमुखा।

अप्रचलित नाप्रयोग । मृप्त प्रयोग ५४२ | हिन्दी वर्णाय कोच

नुब्ध मार्कारत भाइष्ट मुख मोहित सम्मामा सुमामा हुया सम्मोहित ।

नुष्यक रे धिनारी।

वे शारा

नुम्सनुबाध नुभाना

अनुरक्त करना बार्क्यत करना बासक होना चीचना भुग्व रूरता मोहित करना रिक्षामा चट्टू करना समबाना मुख्य करना विमुख्य करना वियोहित करना सम्बोहित करना ।

है बार्च्छ। सुमाचना

कवैती बाकावनी बन्मारी सूट-खसोट सूट-पाट, सूट-मार ! १ बसोटना चुराना चोरी करना छीत-सपट नेना छीत सूटना

कैना सपटना सपट केना ठवना ठपी करना राकावनी करना काका बालना बटमारी करना भार सेना मुखना भूटना-चसोटना भूटना-सपटना सूट-पाटकरमा सूटना-पाट**ना** भूट-मारकरना भूट नेना से मेना २ शबाइ कर देना बर्बाद कर देना ३ (क्षनाय-धनाप मुनाफा नेकर) क्याना (वाजिक

धे बयाबा) बाम लेगा। मूट-बसोट, सूट-मार। दे सूट। नृद्याह बर्वती बाका बहमाचै राह्यनी तूट नूटपाट नूटवसीठ। सूरमार

ष्टाची । सूप

ट्रंश हपकटा । दे सुन । नुतः

मूना-सेंवड्ड बर्प अपहित्र शूंत-पुत्र विकाषा । हे सूंत्र सुसा।

वे मुर्वा। नुन् घीधा (पारतमी)। श्रशियास ।

लेंहर याला (पत्रुमों का) शृंष (दे ) दल लेंहुड़ा सपूहु।

सेवाउद सेमोळ चेटमी ।

25 पेस्ट ।

केलिन विद्युपरंतु(वे) मगर।

सेश्वर तकरीर, भाषप वस्तृता व्याण्यान ।

श्रतिस्टेंड ब्रोफनर, प्राध्यापक स्वाक्याता । तेरवरर १ मार्टिनिस निबंध पेपर प्रपत्र प्रस्ताब रचना शोधनिबंध तेज

दिली पर्याय कोच / १४३

योगपत्र २ तिखावट हस्ततेख ३ वस्तावेब प्रमेख। ग्रंबकार प्रणेता मसिबीबी स्वताकार, स्वितिहा **Norm** साहित्यकार २ काविय लिपिक लिपिकार व मधिजीबी ध्यावसायिक सेवाक । केवर ग्रंब-रचना प्रणयन एवना शिक्षमा। (stationery) स्टेबानरी (वि )। नेकन-सामग्री कारत पेत्र संसरी संख्यास पटकारी । सेकर एकार्यट विसाद किसाव २ रिकॉर्ड ३ सेखा-बोखा। मेंबिक कवित्री साहित्यकर्ती। नेवर भारत १ मेर Irc. fana i सेदना जाराम करना धड़ना पीठ संयाना पौड़ना सोना। लेटर हे पत्र। मेररपंड पनप्य (उ. प्र.) पनमंद्र (स. प्र.)। श्रीवदी मेददी-पोत्तवी । संस्की महाजन सहतेदार केनेवाका । मेनदार लेतरेत १ बाबान प्रदान सना-देना नैनी-देनी २ वदला-बदली वस्तु-विनिमय विनिमय। मेमा अंगीबार करना अपनामा प्रहम करना पाना प्राप्त करना स्थीकार करना स्थीकारना २ भग करना प्राधेदना मील सेना ३ कीणना शपटना शपट सेमा हड्दपना हिवयाना ४ उत्तरहाविश्व नेना विम्मा सेना दावित्व सेना भार मेना १ कोट करना खळरण शेना उळत भारमा ६ तहसीलमा बनुसना ७ शाबु करना सँगायना द पाना वीना मैयन भरता। १ मजदूर यमिक थमिकवर्ष २ परिवय वेहत्व धन । भेक्र संबोरिटरी प्रयोजनामा । win. अस्य रिचित परा तनिक (दे ) भोड़ा रंच रंचमात्र सद शेव सैक्सामा ਜੋਜ विपविशापमः।

दे शिक्षाचा

सिंग्स १ कर्नोहिय-विषयक सिय-विषयक सिय-विषयी २ शाम योग। भैप विषय बसी विविद्या इवधी श्रंप सामटेन। सैन्दर्स सामन्त्रन। सैच है सुद्र, सम्बद्ध नृत्युक्तिक २ कटिबड ठरूप, हैपार, प्रस्तुत १ प्रदेश सैस।

सेहाबा दे सिहाबा।

प्रस्तुत दे फ्रीला लेख । सोक १ वे संस्तर, २ जन जनता जनसाधारण पश्चिक सीय सर्वेपसारमा सोक्सक जनताज जनसासक जनसासन जनसम्बद्धित

सीनतमः अनर्तमः बन्ताराजः अन्तराधासनः चन्यासनः चन्त्रूरियतः प्रजातमः सोक्रवादिः। विद्यासः सप्रवादः, निषयतीः चन्त्रुतिः। सोक्रमः चनन्तरः चनक्रमातिः। मोक्रमः चनराचः चनक्राः।

भोरक स्थानीय । विश्वार्ता जनमाहित्य भोरवाहित्य । स्पद्धार भोकादार, लोरप्यमा लोकगीति । स्पारित्य जनमाहित्य लोरवार्ता ।

इइरामी सोशनिन्हा।

कायवाद

स्प्राहित्य जनप्राहित्य शोषकार्णः। सोकहित (public good) जनहित सोकस्त्याय सार्वजनिक हित (इ.स. वि.स. म.स.)। तोकार्यार सोकडीति। तोकारीन १ दिस्य २ समीविक संग्राहारम् पारसीविक सोकोस्तर।

रोक्नेक्ट कहाबत मस्त्रः। सोकोक्टर १ सतीविक समाधारण पारमीविक सोवासीत २ दे रिक्स ३ सनुमुख (०) अधियोग सनीवा विस्तरणः।

लीय दे जनता। सीच सदक सम्बीनायन कोमतता नवाहत । सीचार १ सम्बद्धार, सम्बद्धाता २ वीमत नरम मुसायम। सीचन दे सीच।

कोरपोट १ माराम करना भेटना विश्वाम करना २ किटमिर जाना हुँभी या खुशीस कट-सेट जाना ३ वहुत खुश सराधिक हिन्दी पर्यायकोश / १४५

मोपो

१४६ / हिन्दी वर्षाय गील

बद्दा विया ।

```
प्रसम्ब ४ प्रथम-पूर्यम जनट-प्रसद।
   स्रोद
          दे॰ सामा।
 सोवश
          योक्त का दक्का मांधपित।
   सीव उधार, खुण कर्त बेनवारी।
   सोना
          अभिराम बाकर्षक खूबसूरत नमकीन मनोहर शाबव्यवृक्त
          ससीना सुंबर (वे )।
   सोप
           १ अंतर्मान अवृत्य होना जोसम होना शायब होना किरोम्स
          होना विचेदिव होना नापवा होना नृष्य होना विसीन होना
          विमुप्त होना २ वत द्वारमा भाव विमाब समाध्ति।
  नोक्रर
          सावादा (वे ) वृक्षा नवनावा ।
 सोचरी
          नामारानर्थी मुंबद्दे।
 सोविया बोड़ा सहरा।
   मोन दे नामय।
   सीमी दे सामधी।
   सोम बास रोबा रोम।
भीमहर्षक दे बरावना।
  सोमुप दे सासची।
सोत्रता मामव सामसा।
   सीव्य दशा दशा।
   मोडा
         ् इत्पात क्रीसाथ नीइ सीहः २ वड़ा सद्य ६ वस्तुत ।
  नोहित : देश्सान।
    नोह
          दे सुन।
    सींब सर्वय।
   सींब
        सार्वत्र ।
   দীয়া
         क्षोक्ष क्षेत्र बासक सहवा।
 सौंद्रिया छोरुरी छोरी वासिया लड़वी।
   មាំពិ
         अनुवारी केरी विकास बाली ओकरानी भाषा हैविया।
    सीर अधिक याच अधियात मसयास ।
     ĦΪ
           १ व्यामा सपट २ (शीपक्षणी) टेम ३ गुरू ध्यानस्थता
          विभागता सवमीनता।
           १ वाबिव भौतिय सांनारिय २ स्थायहारियः।
 diffe
```

सौटना पश्चटमा फिरमा बहुरशा मुझ्ना वापिस बाना।

सौट-फेर १ जवत-पुषत उत्तर-फेर, फेर-बदस सौट-पौट, हेर-फेर; २ जामुत्त परिवर्तन पुरा बदतमा।

व

चंक टेड्रा (रे ) बाँका वंकिय वर्ज।

वीकिम सुका हमा टेका बीका वका।

बंचक करटी छली ठए कोनी दगावाज पूर्व धोखेबाज पायंत्री फरेबी सक्कार।

वंबकता कपट चालवाकी छम छश-रुपट छस-संब छम छत्। श्रीखा बूर्तता होचेवाची पाचव प्रवंचना मस्त्रारी वंबना।

वंचनाः कपट / पानवाकी/ छन/छन/कपट/छन-छर्/। छन-छर्/। होता/शोवेबाकी/पक्कारी करमा ।

विश्वतः १ प्रवंकित वर्षेर विना महक्त्य रहित विहीन हीत २ ठ्या इसा धोका बागाहमा प्रवंकितः

बंदम आबंदन बॉटना वितरण ।

श्रंदन दे बदना।

बंदनबार वंदनसाला ।

बंदनः १ ईत-प्रार्थना प्रार्थना बंदन स्त्रवम स्त्रुति २ कीर्तन ईत-युक्तमान प्रयवद्गुकामुकाद शंकीर्तनः ३ के पूजा।

बदरीय आवरपीय पूजभीय पूज्य बंदमा-बोग्य बंदमीय थेट शहेय स्तुरव ।

र्वम्या मफसा निपूरी निःसंतान वाँस विना वास-मीसाद क्रेमोसाद ।

वंतः १ कुटुंव कुटुंव-परंपरा सांवाम लागवाम घराना परंपरा परिचार २ अल्सा आस्पव कोत कोण ३ जाति मस्म ४ वांग।

वंतम अगरय आरा-श्रीभाव श्रीशाव वंत्रयर ग्रीति संतान । वंतानुनतः भागुवंशियः।

हिन्दी वर्णय कीय / १४७

```
चंद्री
            वांगुरी (दे०) पुरशी (दे०)।
    थंशीयर
             दे हुण्या।
           ्रपंधीर त्रवाः
       बक वनसा अधुना ।
      बच्छ १ क्रीयतः भूक्यः २ महनियतः महत्ता महत्त्वः।
            १ कानुनी वेचा विधि-व्यवसाय (वि ) ए वस-समर्थन
   वकासर
             पशानुमीदन समर्पन ।
वकामतनामा
             पावर भारत श्टामी।
             अधिवन्ता ऐवयोकेट, कानुवरी वैरिस्टर मुक्तार।
     वकील
            १ काम टाइम बेना समय २ अवसर, गीका ३ अवसाम
      वक्र
             फुरसरा ४ अन्य बढ़ी नुहुर्त ।
            नवन बवान स्टेडपेट।
    वरतस्य
  STORES
             क्त्री-क्रमार कमी-क्रमी यदा-क्रमा समय-समय पर।
     वरतन
             तक्र पर करनेवामा बोलनेवासा वापवपत्ती भागवताता
     वस्ता
             व्याच्यानवर्ता व्याच्यानवाचा स्पीकरः।
             १ जायम-गना वस्तृत्व वान्यिता व्याध्याननिपूचता
    वरदेता
             २ क्षत्ररीट, शायम प्रवचन ग्याच्याम ।
     बक्का नध्यातर, नध्यावकास रिनेस ।
       मण वे टेवा।
     अभना वृटिमना विग्छापन विगेनना।
       यस अर, कारी भलतयम नयरनम सीना।
     बसीय दे स्तनः।
     बर्पएड् जावि इत्यादि।
      धक्रम १ दक्ति शबन नवनी नहूना बाल जानी बोस नाजी
             २ बात (शत वा पक्का) बादा बायबा ३ प्रण प्रतिका
             ४ भाग्यासम् ।
      बाह्न १ तील तील २ वीस घार १ गुरुषा ४ जान इन
             १ महत्त्वः
   वडनशार
           वैश्मक्तीः
     बाहरी : १ गुप भारी नवनशार, २ वनशार; ३ नशुरवपूर्ण।
      बाह्य है । कारण ।
```

मंत्रित्य । वबारत

वर्षाक्रा छ। जन्ति विसान्ति स्कॉलरतिय।

बसीर १ मंत्री मिनिस्टर २ बमास्य सचिव ३ दीवान।

१ बुमुद २ उपस्विति विधमानता होना। वजूद

१ असनि कुसिस पवि २ विजसी विद्युत् ३ हीरक वस हीय।

दे इंद्रा वळवर

बळपाचि रे श्रा

१ विक्ती गिरना २ आधात (बहुत वड़ी) बायदा भागत वस्त्रपात

मुसीबत बिपत्ति बिपदा (बहुत बढ़ा) सकट। मासमान ट्रांना कहर बरपा होना पहाड़ ट्रांना बहुत बड़ी बच्चपात होना आपका/बाक्रम/मुसीबत/विपति/विपता का पहना ।

**दल**नीय श्रीरक शिया बच्चसार

कठोर, कठोर-हृदय निठ्रुर, निर्देश निष्ठुर, पत्पधीरत प्रस्तर चळाडुरथ

हृदय संपदित। न्यप्रोध वह वरमध।

चड बद्दक १ ब्रह्मभारी २ वालक(रे)।

वरी दिकिया बटिका।

वड्वानल बङ्गान्ति बङ्गानम् बाङ्ग समुद्राध्नि ।

विषक १ वनिया बैस्य २ व्यापाधी रोजनारी सीवायर।

बन्मभूमि बातुपूमि स्वरेश। बतन

बल्सः १ पून वैटा २ वालक नड्का ३ वस्त्राः वरस वर्ग साल। वत्तर

१ अनुरागी छोटों को प्यार करनेवाचा वात्सस्पपूर्व (छोटों वरसम के प्रति) स्नेहवान्/स्नेहवीम/स्नेही २ (कोटो के प्रति) हुपान्/ बयाम् ।

वे मुंद्र। चदन

१ संबार बदारमना दरियादिस २ दयानू, दानबीस वसम्य क्रमण्डित सची कृपानु वयामु सङ्गरित ३ मधुमाची यषुरभाषी मिठबोसा भाषनपट् नाक्पट् नाम्पी।

इत्त भून बात हृत्या हुनन। वय

```
१ पतीह पुत्रवस् वह २ बुस्तृत नवविवादिता वसूटी
       व धरवाली वाया वली भागी।
       पुरस्य नवविवाहिता वर् ।
        १ हे बंबस २ जस (है)।
बपुरी
        संगमी सनेमा सन्तर्वती समयर, समयाती सम्य विधिम
 87
        के बनवारी।
-
बमबरी
         विद्वारी।
          द शतमा ।
  BAR
बननिधिः हे समूत्रः।
           अरक्षपास रेंबर।
           कृत्य (१ ) श्रनवारी।
  वनपास
             (aforestation) बंगल लयाणा (म प्र) वनीकरण
  बनमाली
            $ FEE!
   वनराज
              है (मुन्त ने जो कुल के दिना कमते हैं) देव-पीछे २ डालडा
  धनरोपण
             (4 4)1
              बनस्पति यी बनस्पति तेल वैजिटेवस सायस ।
    बनस्पति
               बॉटनी वनापतिकास्य।
                १ हे नारी २ प्रियतमा प्रिया मानूचा।
     बनस्पति
       विज्ञान
                जही-बूटी बनीवधि ।
        विता
                 विजाई बीज बीना बुबाई बोना बोबाई।
       सनीवध
                 क्षे जनगी।
           श्चाप
           स्पन
                   निष्ठा मुरीवत बनादारी स्वाविमवित्र।
                  ह शरीर।
            49
                   अत्यास बहात मृत्यु (१ ) मीत।
            85
                    बतैध्यनिष्ठ निष्ठाबान्, बबननिष्ठा स्वामित्रसन् ।
           ETAT
                    पुरनिक्टा (म प्र ) वर्तस्यनिस्टा निस्टा (सपी) प्रांक्त
                   हे अस्मा।
       श्वकात यागा
                     (उ प्र ) बद्धा स्वाधिमवित् (म प्र )।
           MAISIE
          बद्धावादी
                      शहराव श्रेष्ठट शावदा-बीसट सबदा-रेटा समेला रेटा बचदा
                      एविकडीकर महामारी।
                सवा
                       प्रांच बडेड्रा बनाम लफड़ा घटराय।
         ११ । दिनी वर्गाय कीय
```

```
बरिष्ठ
```

```
वमन
```

```
बहरती बसरी बसरी है प्रति मतसी।
    समन
           दे मार।
     E4
           ≹ 80 1
    बयस
           (adult) अवान तरुप प्राप्तवय (क्रेंब्र स प्र वि म प्र )
   बयस्य
           प्रीड (बेंब्र उ ब कि स• घ) बदा (स घ) बातिस
           (म म । ।
           प्राप्तवयदा ग्रीन्या।
 बयस्ट तर
   बंगस्ट
           (adolt franchise) वानिस मताबिकार (च म म प्र०)।
मताबिकार
  वयोगळ
           वहा-बुझ बुझ (वे ) बुख।
    बर्थ १ ऐसा न होकर ऐसा अस्कि २ किंतु, परत, शिवित ।
     भर १ इसका इल्हा वि ) बन्ना २ विव दि ) व बरदान
           ४ भन्दा बाता उत्तम बडिया भट्ट।
            १ पम्ना पृष्ठ २ पत्तर (धोने चाँदी सादि का) ।
    416
           चरन चरन धरमा चनना चनाव छटिना।
    वरम
बरच करना
           चनन करना चनना चनाव करना छोटाई करना छोटना।
   वरपीय
           चयनीय चुनन बोग्य ।
   वरदान
           178
           बरद, बरवाता बरदानी बरदान देनेमाला बरदानी बरदानी
  बरहायक
            (स्थी )।
बरती वर्ती
            (umform) यमवध (वि ) इस पृतिष्टाँमें विशिष्ट पोगाक,
            देश (जग विगम रे)।
            मन्त्रमा नहीं तो समर्/बदि नहीं होया तो।
    वरता
           केसा शर्मी वरिका
     परम्
     वरम
            फनमा क्रोप, सबन सोबिय।
   बर्रायता है सबरी।
    बराब बाद्य बेचारा (है )।
  वराविका क्पविका कीही !
    बरस्रत है विश्वतिया
    बराह शुकर, सुप्रर !
    वरिष्ठ
            (senior) सम्ब क्षेप्ड, प्रवर (वि ) क्रीय (वि ) व्यक्टिड
            (उ. म.) शीवियर (व. म.)।
```

हिमी पर्याय कोश / १११

```
afad
               (senior most) अवदम (स प्र ) ज्यांट्ड (वि ) क्येस्टवम
वरिष्ठतम
      वरिष्ठता : (seniority) वयता (स स ) क्वेच्ठता (क्रेंड साथि)
     वरिष्ठतम
                 प्रवरता (इरि ) वरीयवा (वि ) वरिष्ठता (उ प )।
                  (senior estimator) वरीय प्रावदसक (वि )।
                  (sensor lecturer) बरीय ब्याख्याता (वि )।
                   (senior clerk) प्रवर मिलिक (वि ) वरीय विशिक
 ছবিত মাৰকলত
  वरिष्ठ प्राध्यापक
                    (senior category) बरिस्ट प्रवय (राज ) क्येस्ट सेवी
    बरिट्ड मिनिस
                    (उ प्र ) वरीय प्रथम (वि ) वरीय अणी (वि )!
                     (senior) अधिमान्य (राज च त्र वि म म )
       वरिष्ठ क्षेत्री
                     अनुनाम अनुपति संकृताम जमनेम जमनेमता जमपति
                     भेप्ठनर (राव )।
             बरीय
                      बसाधिय वर्तेत्र वसेस वसेश्वर ।
                       १ दे अच्छा २ मलाधियल (वैशेषण) १ दलम पूर्व
                      के समुद्र<sup>1</sup>
            वरणास्य
                      दे सेना।
             वक्षिती
                         १ वोटि, नमास पूर बरजा बर्जा प्रवर्ष (म प्र ) भणी
                सरेका
                         २ जाति सववा फिरवा संप्रदाय व जमात समृह (दे )
                        बेक ।
                   ह्याँ ।
                          (classification) संबोधरण (वि ) समीमाजन (वि )।
                         ४ समरोध-समबाहु चतुर्कृत ।
                           १ वांति बसक (१) देव (१) २ कवां जीवनता
                वर्गकरण
                            १ ऊर्वत्वी जीवंत सप्राच २ वांतिमय तेजवान् तेजस्वी
                           बीवनीशिंग प्रावस्य संप्राणता।
                   eq11
                             १ मनाही भूगानियत वर्जना २ निरोध निषेध ।
                   वर्षस्थी
                             १ (mbibsi) निवर्णित वरमा (वि स प्र ) रोवना
                            श्विमय ।
                             (वेंग्राहि) रोष्ट सवामा वीवत करना (घ प्र ) वारित
                              करता (उ प्र ) २ छोड़ना त्याचना बचना बजेना।
                 बर्जन करमा
                               १ दे वर्षेत २ वीतन वस्तुविधानिकारः।
                               छोड़ा हुवा त्यवत निविध वरित्यक वना ।
                      क्रमेगा
                 ११२ / दिन्दी वर्गाय क्रीब
```

व्यक्तित करता

(probibit) अपवर्षन करना (म प्र ) अपवित करना (केंद्रापि) अपनर्तेन करना (उ प्र ) निकास देना (उ प्र ) निकासना (धन ) निप्नासन करना (स प्र ) प्रवक्त करना (इ. प्रमप्र)।

क्रमरश करजिल व्यायाध । ব্যৱস भ्यास्य निविद्य सर्वेगीय।

100

wé र रग (दे) २ अस्तर मेटर इर्फ ३ व्यनि स्वन Y कार्ति विराहरी १ वनभेद (श्राष्ट्राण अधिय वैस्य सहो ।

वर्णन १ इतिवत्त कवन बसान बयान विवरण बतात २ विस्तरण व्याच्या ३ जिल्ला निरुपण ४ उस्सेख चर्चा विका

वर्णन करना **स्ट्रता जिल्ला विकास करता विविद्य करता निकास** करना प्रकाश टानना वजान करना वयान करना विद्याप देवा रोग्रमी बालवा ।

हे वर्णन । STITE

वर्षेनातीतः बक्चनीय अवर्णेनीय अवर्णे ।

बर्जनीय क्यानीय विज्ञानीय निक्यानीय वर्ण्य ।

वर्षसदर क्रमञ्चल कारन योगसा श्रीयह शीमहा रमयना हराम वादा इसमी।

कपित कहा गया विजित निक्पित। ছবিন

भारते वर्णवित्यास स्पेतिय द्विषये । दर्तनी

१ बद्धतन बाधूनिक वात्कालिक नवीत्रवस नव्यवस मीजवा वर्तकात बिद्यमान समसामिक श्वान का (श्वास में फिलहास) २ क्परियत असता चाल जीवित प्रचलित प्रस्तत मौबद शाप ।

(existing member) विश्वमान सदस्य (म प्र )। वर्तमान सरस्य

र बली ए बलाका सलाई ३ दिया बीप बीपक वि )। व्यक्तिका कंडलाकार, बोल योसा भंडमाकार, वर्तुसाकार, बलाकार। वर्तन

हे चस्ता। बरमे

(miform) यजनेश (स प्र ) नेश (ज प्र कि स प्र ) वर्षी दे वस्ती।

٦

१ बहाता संबर्धतकरमा संबंधितकरमा २ जमाति विकास

बहुनेवामा बर्धनथीस विकासमान विकासशील विवर्धनशील बढ़ती बिस्तार, वृद्धि संबर्धन । -

संबर्धनशीस । REAL PACEABLE ROSE

१ प्रसाम मुख्य २ वर, वरेव्य ग्रेप्ट ।

े सम्ब (जलाकी) बरल बस्तर जरद, तब साम र ईसवी हैंच्यी संबत्त संबत्तर, सन् दिली है सब सूर्यंड जूजाय

(बीसे भारतवर्ष में)।

क्षण्यतिक क्षण्यदिन वर्षेडे लासविष्त्।

१ बानी पहला बरखा बरखाछ बारित मेह बृद्धि २ है बरसना बारिक होना वृद्धि होना।

बर्गाच्छ १ शीवी पुषार बुरावीवी रिमालिम ४ मारी rie. लबना मूसलाधार पानी (बरसमा)।

ह्यांग्रह

हीट पहणा शड़ी शवणा सीती पड़ना वाली बाना पड़ना बीमाना पावस बरसात बर्पी-मान । बरसमा पुदार पड़मा बादम घट पड़मा बादिम होना बूँदे बहुना बूँग-बीरी होना बोछार पहुना चारी बर्पा होना हर्या होना मुनमाधार बरसना हुन्दी बारिस होना ।

बर्दे : प्रीव्यवनी वता समूर्यका १ क्षम क्षम बूहा बूही २ वस वरिधि ।

बोल बोला अंडसारार, बर्तन वर्तृसारार, बुलाबार। 世代以 वसमावाद

् क्रीर संस्थावी (पुतरीय है) ब्रोसिया २ ब्रावधावक R Hell MAIRE शाबिशमः ३ हे वारिण।

जीरण पुत्र जनना देटा (राम वस्य माहन-अमोहन का देटा **१ शारित ।** छाल डिल्मा बोनमा बन्दमः बाद त्तम)।

् रीवर नकेर बीटी (अँग्रेडी नाम मे प्रमादित नाम) रिनृताम विनृपरिषय । वस्थित न बीवक भीता बांबी विमीट।

बस्तन १ प्यास (१ ) प्रिय (१ ) २ प्रभी (१ ) १ वर्षि (१ )। बस्तमा प्यासी प्राप्तपासी प्रियतमा प्रिया प्रेयसी सहस्ता।

वल्लमा प्यारी प्राप्त्यारी प्रिनतमा प्रिना प्रेयसी महबूबा। बल्तरी देकनता।

बसंबद समीन समीनस्य सामाकारी वसवर्ती वसीमूतः

बरा अस्त्रियार, सविकार, समीन काबू नियंत्रण बसः।

बरा चनना वर्ग के पर्याची में 'चलना' तथा 'होना' ओड़कर सनेक पर्याच धन सनते हैं। एक सीर पर्याच है—साल सलना।

क्या में रक्षता 'क्या के पर्यापों में 'क्या के बहुक सम्य पर्याय कन उनते हैं। इनके सर्विरिक्त हैं --संदुष्ट/कर्य में रखना कूंबी हाथ में किया।

रसना । इपिन/इसारे/इसारें/वंगविषों/उनमी पर नाचना कठ्युत्तरी होना कीम हाथ में होना चुंबी हाथ में होता हाय का सिसीना होना ।

बरिष्ठ वे वस्तिक। वसीमतः अधीन वसीनस्य तावे होना परासीन बरावर्ती।

वशीपूठ अधीन समीनस्य वाने होना पराधीन नगनर्ती। वस्त ऋतुप्रति ऋतुराज कामसन्ता कुमुपाकर, नहार ममुख्यु,

मधुमास मौसम-ए-पुनः। कर्मतसका हे कामदेवः।

बसन दे बहुन।

यक्षतः इ.स.चाः इताः वर्धीमण्यामेदः।

विच्छ क्षेत्रम कृषमात ब्रह्मपुत्र ब्रह्मपुत्र

वसीका सहबतामा इक्रयारणामा च्यापन बस्ताबेब प्रमेख विसेख

(বিশ্ব তাৰ ভাষ্ম মাসা)। হাতীনত হত্যাপৰ বাতীৰত বাতীনতালা বিভাগ

समीता १ सवतंत्र जातंत्र साध्य शहायदा शहाया २ सामन

क्षीतः १ वरिया। वर्त्यसः वे पूर्णी।

बनु १ मन संपद्म सोना २ बाठ-३ दीप्ति प्रकास प्रकास प्रक्रिया

बमुदेव बानकर्पुत्रिम देवकीनाय बीकृष्य के पिता।

बमुप्ता दे पूर्णी।

वतुमती देपूर्णी।

धनुस अवाहा हुवा प्राप्त मिसा संप्राप्त।

बनुस करना अवाहना अव्यक्त करना तहसीमना धसूमना।

चसुनी (recovery) बाबती जनाही पुनःप्राप्ति (म प्र ) प्रत्याप्ति (त प्र ) प्रत्यक्षण प्राप्ति।

वस्ती करना दे वसम करना।

बस्तु १ चीव चीव-वस्त पहार्थ २ प्रथ्य ३ आइटम-४ नसवाव माल सामग्री सामान १ इतिवृत्त कवावस्तु, वृत्तान्त ।

बासुत वासका में अस्तित्वत में सम्प्रतः वास्त्रक कर में सरस्त्रतः सरस्रक्रम में बर इसीत्रत सर इसीत्रत में ममार्थेतः, बाकर्षे वास्त्रविक कर में सम्प्रता बार सो सम्प्रतिस्त्र सामर्थेतः

यह हु।

बहम अंबर, बाण्छायन वपड़ा वपड़े चीर चेस चामा पट परि

यान पहनामा चोलाक सिवास वसन चेत स्पा ।

बस्बहीन दिसंबद, नेगा नान निर्वेचन निर्वेश्य दिवस्य।

बस्तः १ मिलन स्थोप २ प्रियम्बितन ६ मैथुन (६) संघीप सहसास ।

बहुत कहत करना १ जिल्ला उपर केता वर्षास्त करना २ जिल्ले सेना वासिन्स नेना ३ में बाता।

> वहन यनत स्थान मृठा स्थान प्रम निष्या सरका निष्या संदेह व्यर्व ना संदेह/शुबहा व्यर्व की वंका।

बहमी धार्थ में जाना/मुबहा करनेवाला बहम करने वाला बहम में पढ़नेवाला सवती संचायाचा संख्यी।

बहुतातः १ अंगनीयन शंकसीयना बहुतीयन २ पायसयन (१ )। बहुतियानाः १ अवस्य (१ ) २ अंगसी (१ ) अर्थेर १ पानस-सा

पायमो-शिवा। वहारी १ असम्प्र (१) २ जंबसी (१) ३ वायन ४ वर्षरा वहाँ जस वयह जस स्वान पर सन्न सही बी।

वहिर् वहिर् वहिसु वहिष् प्रमन्ने प्रारंभ होने वामे अन्दों के लिए 'वहिः आदि देखिए।

> वही १ (same) डिटो तर्वेद तर्देव त्योक्त वर्दोपरि २ वह ही।

११६ / हिन्दी वर्षाय को ग

वहिन

विद्वा देशाया

बांड्रजीय कमनीय कांताचीय कामना-पोष्प काम्य चाहनै योग्य स्पृहचीय ।

योका वे इच्छा।

वाधितः अपेक्षितः अधिग्रेत अधिग्रियतः अभीप्यतः अभीष्यः आकासितः इच्छितः वाद्या हुनाः।

बा सपनाकियाया।

बाइबा मोबिक परीका मौबिकी।

बासदबासमर उपकुमपि (पहुने) दुसपि (अव)।

वाजवर (vocober) नाधारपत्र (वि ) प्रमाणक (वि स प्र ) व्ययपत्र (उ प्र )।

बाइद्वी १ वस्तुतः, २ सम्बस्य ।

बाइन्डियद १ अत्नकारी परिचय सुपरिचय २ सामान्य झान प्रवेतः।

नारुमा सनुबृध घटना नृष्ठात संगाचार। नारिक १ समित्र भागकार, परिचित् नाक्रिफकार, सुपरिचित

ू २ अनुभवी ३ क्रुबल यस प्रवीध।

वाक्रिया वे बाक्रया।

वाके १ खड़ास्थितः २ नटा वाकेह्वा हुवा। वाकेहोना १ खड़ाहोनास्वित होना२ वटनावटिट होनाहोना।

बाक १ भाषा वाली २ विरा वचन खल ३ घरस्वती (है )। बाक्कतह विवेट तर्क-नितर्क कसह वहंच बहुद-पुदाहिया नास्पुढ

वाग्यिवंडा नाथ-निनाय धनाल-नवाय ।

बाकबतुर दे बाकपट्ट।

बाक्पद् बाक्पतुर, बबाध्य बाव्नी वाम्बिदध्य धुनस्ता।

भाक्य उक्ति कवन भूम्या प्रशासाय।

भारपास प्रवर्ण ।

वापार्ववर १ वाग्यास सभ्यतम् धन्यार्वयर, सन्वारवरपूर्वता २ कम्बारवरपूर्णभाषा सन्वारवयी भाषाः।

शामितिस उच्चारण-सवस्य।

बामीश १ बनता बाग्गी सुबच्छा २ कवि ३ सेवाक ४ वृहस्पति

१ सहा। भागीरकरी सरस्वती।

हिम्सी पर्याय करेक / ११७

११४ / हिन्दी वर्धाय क्रीव

```
भास येगा।
 वापरा
          हे आवार्यवर ।
बार्स (त
          (सबका) विसका वरच्छा/वरिच्छा हो नया हो मैननी/समार्द
 बारदल
          क्याहमा (स्थी व्याचना)।
          चैत्रकी समार्थ।
 बावसम
          सारवती ।
बायेदता
          हे सरस्त्रती।
 वामोदी
          है महावरा।
and the
           भागप्रकृता भागमप्रता बहाम्यता बाक्यांतरी बाक्परता
 क्रारियमा
           कारिययगाता ।
           १ प्रायमपट् बस्ता बदान्य बाक्बतुर वाणिबन्ध बुदनता
   कारमी
           र बत्रक्त बातुनी बाचास व पंडित।
           है वाक्क्सहा
  बाय्ड
           दे वाकरणहा
कारिवर्तक
काविकस्य
           हे कासी १
 बाइ नय
           हपूर्वं साहित्व साहित्व ।
           धोतक बतानेवासा विकेतक सुचक।
   ales.

    प्रकारण करना पठन पडना बरिका २ कथन नडना

   ছাত্ৰন
           श्रहाना बीजना सनाना।
           रीडियक्स १
वाचनात्वय
           बृह्स्पति ।
 वाचस्पति
            बवान सं मृह ते बचन से सम्पत्त ।
    वाका
            क्यी श्रीय मारनेवासा बक्यांदी वर्षणांची बत्तकर
   बाबात
            वत्तवकी वातूनी।
            बबानी मीविक।
   লাবিক
            १ बाक बाबा बाबी २ वड़ी (टेब्रून बाब रिस्टबाब)।
     भाष
            १ बहुय स्वष्ट (बुबाक्य में) २ वचनीय वहने योग्य
     RIES.
            वरुष्य ३ विभिन्नार्थ कोशार्थ कम्बार्थ ४ विभिन्नेय।
   शाच्यार्थ
            श्रविधाने नोशाने मुनार्थ घट्याने।
    erfee.
            हे उपिता
            दे जीपा।
   वाजियी
            दे॰ थोड़ा ।
     वाओ
```

कारिका है अपनता

बाल के शीर।

शाबिक्य विश्व विकिक्ष्मं शोजवार, व्यापार सौदावरी।

वाणी १ सकित बोस बचन बाज, शब्द २ निरायी प्रदान मापा बाक, (देवबाजी) है है। सरस्वती ४ माबाह इसकि 1

दे हवा। THE STATE

बाहरीय पठिया रयमेटिस्य वृधिवात ।

(ag conditioning) बात्तियंत्रच (स प्र )। वातानुक्तन

रे विक्की। बाजायस

वातावरस १ बायुमंडसः २ वरिस्विति याहीस स्विति ३ परिवेष्ठ पर्यावस्य ।

বারুল र जन्मत पानन बाबमा बीराया हुमा विश्विष्ठ २ बाठ वस्त ।

में प्रदान विशेष स्थापन वर्षे कर । STORES.

श्रेम (हे) समत्व बत्समता स्नेहा। E LIFELING

१ क्रिज्ञान्त (असे बर्देतवाद वांधीवाद बादि में) २ विपयोप. बाद नामिश मुक्ताना है अनदा तक बाद-विवाद विवाद।

वर्षत्री बवनिया वयनिष्ठा ववानेवासा। बारक

(Htieant) महत्त्रमेवास (वि )। कारकारी क्सा किवेट तर्फ-वितर्फ वहस बहस-प्रवाशिया बानकता. बार-विवाद बाग्युद्ध वाम्बिर्देश ध्वास-अवाद ।

MINT.

वे वायवा। इसी (plaintell') अधियोक्ता नासिय करनेवाला परिमादी मुक्टमा करने/बसानेशासा बाबकारी (सपी)।

भार बाबा बाबमयेत्र। भागित मिविषमित (दे )।

बाह्यास्पर अनिवार्ये (रे )।

बानप्रस्की बैरानी वैवानस वैदानी वैवानस संन्यासी।

के बंदर। कानर

पुनरायव प्रत्यपित प्रत्यावर्तिक लीटा लीटा हमा। वापत १ प्रस्थायन प्रस्थावर्तन सौटमा २ धनवापसी प्रस्थपंत्र चापसी

क्रियो पर्याय कोय / ४४१

रिफ्रीष (refund) १ पीचे हरना ।

बाएसी डिफर दिन्हें दिक्त ।

कारिका बाधी क्रीटा बनातम नावकी बाबसी। वै॰ टानाम :

बाम १ प्रसटा (रिगतेवासे उसटे द्वाय मुत्रो) वार्था २ विकाक

(रे ) प्रतिकृत प्रतीप विषयीत विषय १ कुटिन देवा रि ) ४ वप्ट रि०) ४. सराव वरा (वास्तार्प)।

बामन छोटा हिमना बीना ।

बायपंथी १ सेप्रियस्य २ वरममार्थी ।

बामा १ पानी (वे ) वामाधिनी २ स्थी (देन)।

बापशा प्रकार मन प्रतिका वचन (देन)।

मामबीय १ ह्याई, २ मस्यप्ट, बबोड धर्मोग्रनम्य ।

बायस युवरूप्, एकास करड काक काम कीमा चिरेबीची।

बायु के हुआ।

सायुर्वत्रमः १ आवास वायुसायरच ऐटमाँख्यीयर २ परिवेश पर्यो अरल शासायरखः

बाययाल एरोप्सेन यात्र नियात इशाई बहार :

बायसेना एमएबोर्स इवाई-क्रीम।

सारकः (wassas) मधिएम (रेन्स स स सि स प्र ) मधि देखरन (सि ) परवाना समावेसपम (सि+) ।

बार १ बाजयण बामात चोट हमना २ विन बासद, (बोनबार

युवनार) ।

शास्त्र विरोध मना मनाही रोपना ।

भारतास १ मटना (रे॰) २ हुर्वेटना ६ शवड़ा रंगा रंगा-छतार

बारमा जलमं करना निहाबर करना म्योहाबर वरना वनि बामा।

बारमा बेला करणा लडावर करणा व्याख्यावर वरणा वाल बामा। बारबंधु वैश्या वै रही।

बारबन्तिता केत्रया वे एँडी ।

शर्यकासिती वेश्या वै एवी।

बारांगमा वैश्या वे रही।

बररायती नामी बनारन विषाध ।

बारान्वारा निषटारा निषटारा विर्मेश क्रेनशा ।

बारि देश्यामी।

५६ / हिन्दी वर्शन कोश

```
वारिज
         के कससा
  बारिक
वारियर
          के समूद्र।
 बारिधि
कारि निरि
  बारिस
           (successor) उत्तराधिकारी (राज+ म प्र ) दायाद
           (म प्र राज उप्र) दायाधिकारी रिक्वमामी (वि)
           वसी स्वत्वाधिकारी।
  बादनी
           है। सराव ।
    बाट (said) १ कल (वि ) रोपीक्स २ विभाग (स प्र )
           ३ इमका (उ. म.)।
   वरदेन
           (warden) मिनरलक (उ. प्र.) भावासपास (वि.) साम
           पाल (उ. म - म ) प्रतिपाल (चि.)।
    बार्ता
           १ टॉक (रेडियो) कहानी-निषदादि (भी रेडियो में) २ दे
           बावचीव ।
वार्ताताय
           दे॰ वातचीत ।
  वार्वका
           १ नईफी बढापा नदस्य बढायस्या २ वढती बढोतरी
           विता
  वार्तिश
           शोयन भारतिया।
  श्राविक
           एनुमल सामाना सामीना ।
  वायिकी
           (year book) अध्यक्षीय (केन्द्र) वर्षप्रंच वर्षवीय
           (ਸ ਸ )।
बालंदियर स्वयंशियक।
  वालिक
           दे बाप।
  कालिका के माँ।
 कालिका मी-बार माता-पिता वासिक-वासिका।
 शास्त्रीकि शादिस्य।
    बाह्य (valve) क्याट पुटक ।
           १ जोर-पुन जोर-करावा हा-हुस्ला २ चीक्र-पुकार रोधा-
   बाबेसा
           धोना रोगा-पीटना विसाप।
           स्राप ।
    TOU
     बास : (residence) १ भागास (उ प्र ) घर (वे ) निवास
                                     डिम्ही पर्याय कोश / १६१
```

(वि•) वासगृह (राज उर प्र वि म प्र ) २ मंत्र वर्गस व सहक (वे ) स्वंस ।

कुमल कू बहुक (व ) शुक्ता । बासना १ आसम्बद्ध कामवासना कामेच्छा भोगेच्छा मैयूनेच्छा २ वे कच्छा ।

बासी निवासी वासिया धानेवाला ।

शासुकि देश वेपनाच ।

शामुदेश है कृष्य ।

बास्तव प्रकृत यथार्थ शक्र ।

बास्तव में दे बस्तुत । बास्तविक बहुविस असल असली ठीक प्रामाधिक मधार्थ (दे )

संक्वा सही। बास्त्रविद्या वे संवादेता दे संव

त्तिर्विष्टतः वै ययार्वेदा वे संग । वास्तम्यः १ निवासी खुनेवाना २ वासाय वसासुधाः।

बास्तरम्य दानवादा ध्यूनवामा एकावाद वतासुमा। बास्ताः १ तवस्मुक सास्मुक नाता समाव सेना-देना संबंध

२ सरोकार, शाबिका। बास्ताबहुमा नाम पहना पामा पहना मतकब पडना सरीकार होना

शाविका पहला।

भारतु दमास्य यृद्द संबन ।

बास्तुकार वास्तुवितरं स्थापस्य वसा । बास्तुकार (architect) (वेन्द्र) वास्तुवितरी (व प्र ) स्थापस्यवित्ती बास्तुविद (

बास्तुतास्त्र बास्तुविज्ञान बास्तुविधा स्थापत्यविज्ञान स्वापत्यविद्या

स्थापरयशास्त्र ।

मासी सर्पे निमित्त के नाते के सिए। सन्ह सनि जसम नया गहरे नता सुब सन्य सहुत सन्तरे,

बहुत बहिया गाश्चाम साध् ।

बाहुक बोनेवामा भारवाहुत में आनेवासा अहम करनेवाला । बाहुक द्वारा (by hand) वाहुक के हाथ (स. प्र.)।

बाहुन याड़ी बातायात-सायन यान सवारी।

बाहबाही वारीक, प्रमंता सायुवाद ।

वाहिनी दे श्रेना।

माहियात १ मेटसट, मश्बेट क्लब्सूय बेहुदा ए शहाब प्रजूत

१९२ / हिम्दी वर्गाय कोव

दिवस कुछ । वेकर, यदि।

fier & fier

रिमारन रिमरिटि, रिमारत रिमारि ।

विकेटित की त की नाहका दे की ना ।

विकास स्टाइन्स किया जिलाहुका पूचा पूताहुका विकासित ।

विक्रतः १ बार, बरारना प्रचेष काकेर, यसारक योगम विकास (की का) २ करिन देश पुरस्त पुस्तिक प्रतिक (की का) ३ करिन जैनानीचा तकर कारक र पर्यक्त (की प्रत्या) ४ करिन जैनानीचा तकर कारक र पर्यक्त (की प्रत्या) ४ करिन देश पर्यक्त स्थापन (की पीर सिपाँ) १ दुर्वेष यांकर योगम (की पीर सिपाँ) १ दुर्वेष यांकर योगम (की पीरा ही के का स्वर्ध प्रकार (की वेष) ७ करमदा देश प्रवर्ष सीएम (की कारमी)।

विकरास से बराबना।

विक्यक सनाकर्यन विनोता युनास्पद प्रतिकर्यी निकर्यी।

विरुष्य दे जित्प्या।

विश्व सधीर समांत सामुस नातुर, सहिल वितातुर, वितित वेक्टपर, वेताव स्थापुत्त ।

विश्वततः अधीरता अधीरत वाष्ट्रचता वातुरता वातुरी प्रक्रियता वेक्सरारी वेपीनी वेतावी व्याष्ट्रचता।

विकलांग अंग्रहीन अपंच कराहित अल्गांथ कुषका स्तूनांच पंचु सुंब पंज सुसानीयका विकलित हीसांगः।

विक्लांपता (dusabled) अंबहीनता वर्षयवा अल्पायता अधस्तता (स प्र ) निर्वोध्यता (वि ) स्यूनायता होनायता ।

विकल्प १ अनिक्षम संविद्य २ कॉप्यन एक या दूसराया दीसरा सा चयन की स्थिति यह या वह।

विकसित १ विकासपान्त २ वर्ष्यस्म बस्मीसित पुसूमित विका विकासमा पृश्वित समुस्य सस्कृटित विकास

विकार १ ऐवं कभी प्रशानी प्राप्ती पृष्टि बोच पुष्त विवाह दुस्स विद्वति २ जामन बीमारी रोग व्याति ३ परिवर्तन (४वी।विकार-स्वानपरिवर्तन)।

विकारी (variable) १ तिर्वेक विद्वत (व्याकरण में रूप) ए विवदा सुआ विकारमुक्त विकारमासा विद्वत । विकास विवर्तित

विकास १ जन्मति सक्या सरक्यी अपनि बढ़ती बढ़ति दे बीध वृद्धि वृद्धि ३ जरूपं सरक्षम सम्बद्धि खैलाव विस्तारः ४ पिलना सत्तामा अपूस्तित होना।

विक्रीचे छितरावा हमा प्रमुख कैसा हवा विश्वरा समा।

विहल १ वे विकासी-१ २ विवका हुवा प्रस्ट विकासमूच्य विकासका विकास विकासित ३ वरिवारित क्यांतरित ।

विकृति योग मुक्त विवाद विकार, विक्मता।

विरुद्धीकरण वर्वेद्रण विरुद्धिण।

विकम तास्त्, परामम बहादुरी बीरका गुरका गाँव सक्ति।

विकास संबत् विक्याच्यः।

विकय करोक्त वित्री वैचना वित्रयम विपननः

विकास पराचमी प्रवापी विजयी बीट, शाहसी।

विकता निजी करनेवाला केवनेवाला विकशी। विक्रत सामाजित रात-विक्रत मामल चोटिल (ग्राम: स्रत-विक्रत

पुनक्षित् में प्रयुक्त)। विकिथ्त के पानसः। विकिथ्ततः के पानसनः।

विश्वयद्भव वे आयुक्त ।

विसीम अवाति बाबोलन जावय प्रचमना उपस-पुचम उद्दम सीम

धानवती गहवही बया-प्रसाद हत्त्रच्छ । विश्लंबन १ श्रवा-पांड करना हुकड़-दुकड़े करना तोहना विवटन

विमातनः २ बत्सावनं निर्माणस्य । विद्यक्तिः स्ववित दुणकु-दुणके भिन्ना हुना शोहा हुनाः विभक्तः विद्यत्ति

विभावित २ विराहत।

विश्वातः कीतिवान् क्यातः क्यातमामा स्थातिप्राप्तः वाने-माने भागवर, भागो भागी विरामी प्रसिद्ध बसहूर, यशस्त्री सम्ब प्रतिष्ठ विश्वतः योहरतवानुसा सप्रसिद्धः।

विनतः १ अतीत नतः बीता हुना भूतः मात्री २ पहितः रिस्ट विश्वकतः भूत्य (विवतसमः विषयज्ञातः पीते नध्यों के प्रार्थम मे प्रयुप्तः)।

विग्रहेंका शिक्षी बॉट कटकार, निया नियहेंक घरसेंना ।

दिसीहर रारोव जिलासिक्ता नया हो जिसे बुरा बना नहा नया हो,

बुग ।

विषद १ कमह झगडा पुत लडार संबह मध्ये २ बुठ मूर्ति (वेवनिष्ठ) (समन पदा को) जलपाना तोहना पुषक्करण विभावन विकोषधा

विप्रदेश समय अनुभ होना समयाब ट्रूट, ट्रूट्या फट।

विध्न अंतराय सहयत सहया अवरोध कृतल बाधा स्नानट, राष्ट्रा स्मवधान स्वापात ।

विम्नविनायक हे दल्य ।

विकास १ जन्मन कुगाय कुगायकुति चतुर, बहीन शीक्सकुति बन्द वानिजनक पारवस बुढिमान सवाबी २ सम्होची

कण द्यानगमक पारवत कुन्धमान् संघावा २ सम्साव हरकर्ण हरकृष्टि ।

विकासन १ विजयन (मैनीविकास) २ वयनपाता बावाँग्रीस होता विजया कारणा ३ प्रविध होना पश्चीवसा सीक से हट जाना विकास जाना विकासन होना हटना ४ प्याप्रस्टता।

विज्ञानित १ हवमगाना कार्बाकील हिमा हुवा २ इतित पर्धाता हुआ

३ क्वितित ४ गुमस**्** पदमस्ट।

विविभिन्न व होना अन्न/अधिन पहना न अपन्याना न विवना उमनी-असन न होना वृद्ध प्रस्था पतना अष्ट्र विरूप पहना नीक सन हटना।

विज्ञानिक होता १ इत्यममाना कार्योकोल होता विगता २ प्रवित होता पनीक्षण ३ मुसराह/परफ्राय्ट होता ४ उत्रयता विरत होता इटना।

विचार १ जुडास जामात आरणा थाव भावना सीच २ दृष्टि दृष्टिकान नवरिया १ विश्वन मनन सोच-विचार-४ नुनवाई (नुचरो आदि थी) ४ विज्ञान (क्वनिविचार-क्रानिकात) गुण्य (व्यनिविचार--अविदास)।

विकारगोध्ये मोध्ये परिमंत्राव मंद्रोच्ये वैधिनार । विकारगोध्ये १ विवन-सनन-पोम्प विवनीय धननीय विकार के सोस्य

विभाव २ विश्व मंत्रास्पद, संविध्य संदेशस्पद । विभारतारा माहिन्योगोंनी विभार, विभार-प्रति विभार ग्रेनी

निद्धांत । दिचारमान् जानवान् जानी विचारधीस ।

विचार-विचार्य परामान नातचीत मराविधा पाय-नात विचार, विचार

दिन्दी पर्योग कोच / १६५

बिनिमय संसाह समाह-मश्रविश सोच विचार।

रिज

विवारत्यीन (under consideration) वनिजीत विचारनत (प प्र )।

বিভিন दे अदम्तः।

विचित्रता अपुरायन अमीकापन अपूर्वता अक्षाभारणता अक्षामान्यता निरामापन विस्तानता ।

१ असनाव पार्वेषप विच्छेत विनास २ सभाव कसी विचित्रति पृष्टि ।

१ असय अस्थाया हुवा विभक्त वियोजित वर्तवर जुदा विविद्यान र किन्द्र-चिक्त

विष्णेद १ अनयाव अवार्ड २ विछोड वियोग विरक्त।

विजय १ एकांत एकात स्थान अनुतुख्य निरासा निर्देन निर्देश क्यान सन्धान अवडः २ वरेला एकाकी ।

जय जीत दियी प्रतह। विजय विज्ञवा बुटी जैन और ।

विजयादगानी शतहरा विजयवनमा ।

वर्गठ वधी जिठवैया विदेशा बीदनेवासा बहा प्रमाहमाह कि अपी विकेता ।

विवादि बाहि बन्य वादि दूसरी वादि ।

विवातीय १ बाहरी (वैधे तत्व) २ बम्पवानीय विन्तवातीय ३ विन्त मुम-समै धाला विम्मवर्शीय ।

विक्रिगीय विवयेण्डक ।

१ मेंड मुलाङात २ वासात्कार ३ वर्तन ४ भ्रमण-यात्रा विकि १ निरोत्तव मुनारनाः

विजितिया : अविधि (विजितिय ननामार/प्रोप्टेनर वादि) ।

विक्रित जीता हुवा पराजित कराजून करास्त हराया हुवा हारा हमा १ विश्वेता

वर्गत वर्गी जितर्वेश जित्रेया जीतनेशाचा वेदा प्रतहशास विभागी ।

विक्र १ अधिक जानकार स (निवेधक) आपा वी (कानुनदी) बान (साईतवानी) विद (शावाबिद) वेला (विधिवेला) बानकार २ बाबार्य उत्ताद निष्नात वार्यत वर्गप्र माहिर विशेषश

विवस्ति १ (notification) विश्वस्था ज्ञापन सरकारी सचना

२ इक्तहार, विज्ञापन ।

१ विचा (पदार्थ विचा) सास्त्र (भाषाकास्त्र) साइस विज्ञान

२ ज्ञान प्रशा विवेक विकिप्ट ज्ञान ।

साइंसवी विज्ञानविद् विज्ञानवेसा वैज्ञानिक। विद्यारी विद्यापन इस्तहार, ऐड ऐडवर्टिबर्मेंट जोपना विक्रप्ति।

विद कामी कामक बर्त चेपट, वेश्याप्रेमी।

विदय दे येज।

विदेवना १ जनंगति गडवडी २ परिकास गवाकः।

विकास पर विस्ती विस्ता मार्चार।

वितंशा निर्देक वर्क-विवर्क/नाव-विवाद वैकार का सनदा वेकार की बसीस व्यर्थ की कहा-मुनी।

आवंटक विस्ट्रीब्यूटर, बेंटबया बॉटनेवाशा विदारण करने वितरक वासा ।

वितरम बाबंदन बंदन बेंटबारा बंदिना।

वितर्क धर्च-वितर्क बहुस बहुस-मुकाहिसा वातचीत विचार-विमर्ख वाद-विदाद ।

१ बोमा चैदोबा तंब बामियाना २ फैसाव विस्तार। विवान

वितंत्र दे हामी।

विश्व वे धन। बार्षिक मासी विश्वविषयक/यंबंधी। विद्यीय

बिलीय बच (financial year) वार्षिक वर्षे (म. प्र.) माली साल बिल må i

श्रातिका वर्षा वित वृता ग्रहस्त प्रतिकर्पेस विकर्पेस । वितृष्टा वितृष्णावनक भरिकर विगीना भूनास्पद नक्षरद्वजनेस प्रतिकर्षी

विकर्षी । १ प्रत्युत्पम्नमधि वाश्विषका श्वाचिरवकाव २ विनोद्यियः विकास ३ विनोबपूर्ण व्यान्यपूर्ण ४ चतुर, वस निपुष पट्ट प्रयत्म

 कुशाय-पृक्षि प्रतिमासंपन्त कृतिमान. चर्वीश ६ गुणवान्।

अविदा चनाचती प्रस्वान रवानगी स्वाना होना स्कार feer feert वश्यती ।

विरारक फाइनेवाका विवीर्व करनेवाका (हुएपविवासक वृत्रम)।

विश्ति अवसर काना बाता हुमा आता मानुस वे विद्यित होता । विश्ति होता अक्यत होता इत्य होता (की) खबर होता सर्वि होता

भानकार होना भानकारी होना भानमा जात होना जान होना (से) परिचित्त होना सचना होना।

वाना (स) पार्यच हाना सूचना हाना विशेष फटा फटा हमा फाड़ा हुआ विद्यारित।

विदूर कुल्ल चतुर बानकार विज्ञा

निरुपी १ विज्ञान् क्यी मुपठित महिला २ पंत्रिता बुद्रिमती हमी।

विद्वासः १ जोकर माँह परावाधि पाँड पशक्रा २ मकाफिया हुँसोड़ हैसोड़ा।

विकेश केम्प्रदेश देखांवर देखांबर, परवेश परदेश परराष्ट्र प्रवास करिन विकासना

विदेशी अन्यवेकीय देशावरी परदेशी परदेशी वरराप्ट्रीय प्रवासी क्रॉरनर, विदेशीय विशासती।

विदेश वे अनक।

विदेहकुमारी वे शीवा।

विद बाबिज बाहुत नायम शुवा हुया चौटिम छिया छिवा हुवा

विद्या हुमा। विद्यमान के वर्तनान।

निधमानता स्वस्थिति मीज्यमी।

विद्याः १ इत्य पहार्वे विकाः २ सरस्वती (दे ) ३ ज्ञान बोध ४ विज्ञान सास्त्र १. तुम विस्प हनरः।

४ स्वतान विशायर के संबर्धः

विद्यार्गरम् (academic council) एक्डेनिक वीधिन वीधिनत्रपरिषद् (स प्र ) विद्यार्थरम् (सि ) विद्यार्थरस् (सि )।

विकालीत १ सपारती व्यविद्युल प्रदेशनी पुरसूत परिकास सप्तक सवरता जिकालय स्वतः २ कृतिवर्गिती विरवदियालय ६ वर्गीतन सद्वाविकालय:

विकार्यी १ छात्र छात्रा सानिवेदस्य सानिवदस्य शिक्षार्थी २ वेला साविवे शिष्य ।

विद्यालय ६ है। विद्यापीठ-१ है।

विदान करका क्षमप्रमा श्रीवका चंचमा वरसा तकिन शामिनी

१६४ / दिनी वर्धाय की स

विक्रमी नेपप्रमा संपा सौदामिनी।

विद्युष प्रवासंसूचा।

बिह्नप वे विकास ह

विद्रोह १ दशकमात्र वाति ग्रवर विप्तत्र नग्रवत वस्त्रता राजहोह २ सत्राति संदोसन ग्रत्यात ग्रवस-पुत्रक उपहर सस्त्रमी

हुंचामा ।

विद्वाही १ दशकमादी कांतिकारी वयावती वजवार्ड वाची राजदोही विद्वारी २ कांतोमतकारी अस्पाती अपवर्धी।

विश्वसा पाकित्य।

विद्वान् आसिम जानवान् जानवड जानी पंडित फाविस सनीयी सर्वेज स्कालर।

विदेव पूर्णांव पूर्णांचना होह होप वैरमाय।

विश्व हेग ठरीका प्रकार निश्चि (बहुविश्व एकविश्व)।

विकास के बढ़ा।

विश्वमं १ जन्मसमे परसमे २ वपसमे। विश्वमः पतिविद्योगा पतिश्रीमा वेदा प्रविश

विचा १ टाइप डंग (वे ) प्रकार रूप २ साहित्पविधा (बनन्यास नाटक कहानी साथि) ।

विद्याता वे ब्रद्धाः।

विद्याल १ प्रजीव व्यवस्था २ कानून नियम ३ ६० पदांति प्रकार प्रथाली विधि।

विधि १ वे बहुग २ उपाय इंग तरीका प्रकृति प्रचाली शैली

विक्रिपूर्वक ठीक वर्ग/तरीके/प्रविति/नियम/प्रणाकी/वैजी से नियमानुसार, यक्तानियम सक्तीचित विक्रानपूर्वक सम्पक्त कर्ग हैं।

विश्विष्य है विशिष्ट्रवेक । विद्यु है चौत्रमा ।

विषुर रेंबुवा।

विष्यवनी वहमुकी वे सुंबरी।

विमेमक विसा

विश्वीत वीपट, तवाबु, सवाबी तब्रध-महत्त व्यक्त मध्ट सस्ट-प्रस्ट नाम (वे ) मेस्तमाबुव, वर्षाव, वर्षावी विनय्ट, विनाश

हिल्दी वर्गाय कीख / १६१

समार. प्रत्याभाश संप्राया सर्वेनाश ।

किमस्त भीपट तथाइ सहस-महस तरावायी व्यस्त मण्ड, मण्ड प्राप्ट कर्मक विवाद के व्यक्तियोह :

वेदांव विशय्य वे योट्यागेट प्रथम है कर।

विशत वे नतः विकास के प्रारोगाः

विश्वा श्रेष्ठ (दे ) नयशील प्रयाद विनय विश्वयपुरत विभयावश्वय विश्वयी सावस्था सामील विषय समीस सीम्य ।

विश्वपातः है स्थाना।

বিশ্ব ই কর্ব সুবাধিক নিউছৰ সাৰ্থনা ২ আহিবী বস্তবা বিশ্ব ই কর্ব সুবাধিক নিউছৰ সাৰ্থনা ২ আহিবী বস্তবা বিশ্বস্থানা ভালীকতা ক্রিন্তবা ব্যান্তবা।

विवयी भूम (दे ) भवशील प्रचल विभव विभय विभयवृत्त्व विनय श्रीक विभयावनत विभीत साहस्ता मानीन समीस सीम्य (

विनय्द के अटियामेट।

विमायक कै नगेता।

विसास है जाता।

विनासकाम् (perlakable) कायधीसः (स प्र.) सम्बर् (स प्र.) नासकाम् (सि स प्र.) विवाहमैवासी (स प्र.) विनासर (वि.) बीडस्तावी (स प्र.)।

विनिधान (allocation) आवंटन विधिनिधयन (इरियाचा) वेटवारा (केंद्रावि) वोटना (म प्र०) विधानन (केंद्रावि)।

विनिमय वारमा-बरमी आदान-बरान सेम-नेन वस्तु-विनिमय।

विनियम (regulation) वयनियम क्रानून नियम प्राक्षित्र आदेश । विनियोग १ (appropriation) विनियोजन (सत्री) २ इस्तेनाम वप

यीव प्रयोगः।

विनिर्देश (specification) एउसील (म प्र ) निर्देश (४० प्र ) विनिर्देशन (उ० प्र ) दिनस्म (४० प्र म प्र ) विनेती-

करव (स प्र )।

विनीते मात्र नवशीस प्रमत विभन्न विभन्न विभवतीस विनयावनत विनवी शाहरता बासीन नुसीस सीस्य।

विशेष १ परिद्वाम भूहल-भूहमसाची श्रवाम हॅंनी (वे हॅंनी २) हॅंनी दिस्सदी: २ पीनुक पीड़ा बेल वेल-स्थामा ३ दिन बढलाव मनोर्टेजन अनोडिजोड ३ विनोरी १ परिकासपिय चुहुनवाज विनोदिष्य सवाकिया हैंधोड़ २ कौतुकी विश्ववाही ३ सनोविनोदी ४ बसमस्त सस्त सन्तर्भका।

विभ्यास १ गठन बनावट रचना रचनानिन्यास संबटन संरचना

२ बनाव-सिगार भूगार समावट। विपक्त (opposition) १ प्रतिपद्य प्रतिपत्री बन/वर्ग विरोधी बस विरोधी पद्य विरोधी वर्ग २ इसरा पद्य।

विपत्ती १ प्रतिपत्ती मुकालिङ विरोधी नवु (दे ) २ प्रतिपत्त वस विरोधी वस ३ प्रतिब्री प्रतियोगी प्रतिस्पत्ती स्पर्ती।

विपत् दे भूसीवतः।

विपत्ति कापित कापदा काछठ परेशानी मुसीवत (१ ) विपदा विपद संस्ट।

विषय अपमानं कृषेय कृषार्वे विमाय।

विपवयामी वपनार्गी दुनार्गी पुनराह पवचरट वानमार्गी विमार्गी।

विषय् वे विषयि।

विषया दे विपत्ति।

विपन वे दुवी।

विपरीतः १ जनमुकून बम्बमा उनटा उस्टा विकाछ, प्रतिकूम फिटेट, वाम विमुख विश्व विरोती।

विषयय १ जनट-पनट, जनटा-पनटी विषयीस व्यक्तिकम २ व्यक्ति विषयीय ।

विपर्याय विपरीनार्थी विलोग विसोमार्थी ।

विधित वे वीमता

विपिनविद्वारी है हुप्य ।

विपुत्त वे बहुत।

विपुत्तता वे बहुतायतः। विप्र वे बाह्यसः।

किप्र वे काश्चामा। किप्रसंत्र के विद्योगः।

विप्तव दे शांति तथा विहोह ।

विप्तवी वे विद्रोही।

विकत १ अहतनार्थ अस्थान नाकाम नानामधाव निष्यास-२ क्रेल-१ वैकार, वेद्रामका व्यर्थ।

हिन्दी पर्याय कोश / १७१

विश्वसदा असफलता माकामी माकामगाबी निव्यक्तता व्यर्पदा ।

बिमक्त बेंटा हमा विभावित (दे )।

विभाग करना विभावत करणा गौटमा विभावन करमा विभावित करमा ।

- विव्यक्ति कारकीय प्रत्यथ/विव्यक्ति ।

विमा देश्प्रकाशः

विमाक्त है चंत्रमाः

विवास विपार्टमेंट कोवा प्रधास चैवतरी मात मुहक्या संविधान संवक्ता

विमालम अस्याम बार्वेडम पार्टिशम पुत्रस्वरंत बेटनारा बटनारा (वे ) बॉट (वे ) पाप ।

विभाजित जनवाया बेंदा हवा बांदा हवा विभक्त ।

विभावरी वे रातः।

विभाषा अपनाषा ज्यवीनी बोनी।

विभिन्न अनग-अनन मृता-जूना सप्ट्-तप्ट पृत्रक-पूचक, निम्द-मिम्न विविध ।

letan i

विधीनिका १ वार्तक कर, वाह वहागा गय संवास २ दशक्ता/ व्यानक कोड/दश्य ३ दे बरावा ।

बिम् देखर (दे०) प्रमु ।

विसूति १ अपूर्ण मस्य राध २ अवृत्तु व्यक्तिस्य महातुमार महानुव्यक्ति विशिष्ट व्यक्ति ३ ऐस्वये (दे ) वैश्व ।

सङ्ग्रम् व्यापन विशास्य व्याप्त ३ एववस (४) वस्य। सिन्तम १ सर्वकार, सामुगम संदन सहायट २ कांति तरियाँ।

विमूचित समेहत (के) मंदित सजा-सँवपा सन्बित समसंहत सम्मित समेहत (के) मंदित सजा-सँवपा सन्बित समसंहत स्मितिसाः

विभीर तर्केशूनानियमानमानातालीन विश्वनाः

विश्वम अन प्राति मंत्रा गुबहा संदेश संवय:

विमानक अनमना अन्यमनस्य बदान (है ) दिल्ल विमान विरुद्ध । विमार्ग तमादमा-यु-दूर्णाल वरामके यक्षविया यात्र-वाट विमार

विनिमय विचार-विवर्त तोच-विचार।

विमल १ धूमा निर्मेन मणरहित मैतरहित २ विवय (हे ) वास वार-माळ विमुद्ध सुचि चुद्ध :

विमाना अपनामा बुनामा अदेई वैद्या सीनेनी वा (रे०) :

विनास जुड़नयटीका ध्रोत्रोत योग यान वापुरान सम्मारा हवाई

१७२ / हिन्दी पर्याय कोल

į

बहार १

विमस्त हे मक्दा

विसक्त १ अन्यना सम्प्यनस्क प्रदासीन हि ) प्रतिकत दिसन

विरत २ विचित्र। विमुख होना दे उदासीन होना।

विमन्ध है सन्छ।

विमोचन १ श्रुहामा बॅसन से छटना मुक्त करना/होना हटाना २ देववियोजन कोकार्यंत्र ।

विपस्त मसय वियाह्या परित्यक्त ।

१ सस्याव अलह्दवी जुदाई पार्वक्य फिराक पुरस्क्ष बियोव विच्छेर विक्षेष्ठ, विप्रवय विच्छ २ वटाव व्यक्तन ।

वियोपिन विकास विकास क्रिकेट विकास विकास विकास । वियोधिकी

**क्रियोगी** विद्योगी विद्यारि

विरंच दे बहा।

विरक्त मनन्तर मनमना सन्धमनस्य सनास्त्र स्थास स्थासीन बिल तटस्य निपास पर्शस्त्रुच विश्वच वीतराय।

विरस्त होना सनगरनत होना सलग होना उचटना उचाट होता बी हटना परे होना विरक्त होना विरक्ति होना। दे

उपटना । विरक्षित मनमनापन सन्यमनस्थता धडासीयता चिन्नता सरस्यता

विमुख्या विराम वैराम्य। संकित चिनित निर्मित प्रमीत नेनाया हुमा चेचित सिचित विरक्ति

ভরিত ভরিত। à faver i बिरत

विरवि it fürelbit !

fern it firem

विरत १ दुर्में पुष्पाप्य बहुत ही कम विरक्षा शाखों में एक विरक्षा २ वही-वही छिटपूट जहाँ-तहाँ पायर बीरर यह-तह

। भीना पतला।

विरत्तता असभवता फेंडराई बीररपन्।

के जीवसा विरस

```
Greek
fece
                हे क्योग।
        FEER
                 १ वियोगी (है ) विराह्मित्य २ विश्वर।
                वियोगिमी ।
      विरक्षिणी
                  १ प्रपत्नित मोनुद विश्वमान २ शोभित सुवोधित।
         ferst
                  Retfer 1
         Petro
      विराजमान
                    े और उद्देशक यदि दक्षणा २ विद्याम (दे ) ६ वेक
                   बासीम ।
        Partfatt
                   E RET 1
           SIFE
                     वत्तराधिकार, जन्म तरका वायधन वर्गती।
           क्रिशम
                    मध्यावकाल व्यक्ता।
                     १ बगादि (है ) नामवरी प्रसिद्ध मसहूरी विरव २ कीटि
           विरासत
                      कुलवाना पुनवान प्रश्नेता (दे ) प्रश्नीत यहवर्णन वहोतान
              FEEE
                       उत्तरा वस्या विमान तीन सह की स्विति में प्रतिकृत प्रति
          विस्तावली
                       वडोवाचा ।
                        अपनम अर्थुनर, वचाकार, कुरूप बवतनम बरपुरत वेडीस
                        मुख विषयीत विम्यः।
                fees.
                         बहा बोहा बिहुत विक्पित ।
                         करक्यता कुक्यता बस्तूरती भट्टापन भीड़ापत ।
                feeq.
                          महारेव शंकर (है ) विव व्य
               विक्यता
                           १ कुलाव बस्तावर बना रेचक जोपांत २ विरेचन तिज्ञान
                          व्रतावर, असमेदक रेवड ।
                विक्पाल
                 विशेषक
                            १ शिकाष्ट्रम प्रतिरोध प्रतिवाद २ जनवन दुरमनी (दे )
                  विदेशन
                           (बरस्यू का) ।
                            वियात मुखालिकन वेर, समूना १ तीन छह की रियांत ।
                             (रिसी है रिस्ट) बाबाय उठाना जाबाय दुनद करना
                   feilt
                             विकायत प्रतिरोध प्रतिवाद करना ।
                              १ प्रतिकडी प्रतिपत्ती विराणी २ बरि दुरवन (१ ) मुखा
               विरोध करना
                              लिक रिपु, वेरी शतु १ सहबन बालनेवाला बाधक बाधा
                     विरोधी
                              बालनेवाला चीड़े बटवानेवाला ।
                               प्रतिवास प्रतिवासी बन/वारी विषया विवासी बस/वारी ।
                                १ जित्तान जबर,देर देर,सेट २ वल जनव (बल)
/;
```

विरोधी बल

रुष | हिन्दी बर्राय कोस

समय समा दिया— वैर जवादी विसंव कर दिया)।

विर्ताद करना सबेर करना देर करना देर समाना बेर करना सेट करना वस्त/समय लगाना।

बिल बसीयत बसीयतनामा।

विज्ञास दे अदुसूछ।

विस्तरातः सनुद्रापन वनोवापन वपूर्वता वसावारयता वसामान्यता

विसन् वस्य वसहया पृथक।

भिक्तम १ मिश्रन विकासन (प्रदेशों पार्टियों का) २ ग्रायव होता थुस याना विसीन होना (वस्तुका) ३ वंत कथायत प्रसय।

वित्तयन वित्तय (छ प्र वि ) स्वित्तयन वित्तीनीकरण (स प्र०) । वित्ताप जाउँमाव वाउँवाची अंदन चीवना-चिस्ताना चीत्कार,

बहार मारकर येना स्थल येना (रे )।

विमायतः १ ग्रीरमुल्क देखांतर, परवेश परदेश विदेशः २ दूरीप व इंग्लैंड ब्रिटेन ।

विकासकी १ ग्रीरमुक्की परदेशी क्रादेश विदेशी २ सूरोपीय व अध्वती।

विसास १ ऐमारी कामकेकि कामत्रीका धोगविसास मैजून २ आनंद-प्रमोद ऐसे ऐसोबाएम ऐसोइसएउ सुबर्चन।

विसाधिता कविसंपटवा कामुक्ता कामीयवा संपटवा विसास (वे ) विध्यासस्ति स्वक्षिणारिता।

विसाधिमी १ कामिनी कामुकी नावनी सुंबधी २ विषका रंडी बारवनिता बारविकाधिनी वेश्या ३ ऐसोइसरा रखद बीटा कामुक स्त्री घोणविसाधिय स्त्री घोष्या ।

विताती १ वारामध्यम ऐसोइवर्ग पर्धव युवर्षन चाहने वासा २ ऐसान कामी कामुक भोगविसाधिमय थोमी संपट विद्यासका व्यक्तिकारी।

वित्तीतः १ जबूब्य धासव (दे ) जुप्त नितुष्त २ घृत्र जाना चूनः सित्त जाना सित्त चाना ३ सर्के सम्न सिष्य सीत।

चितुप्तः १ सबुश्य व्याव्य से बोलनः २ वारम भुप्त समाप्तः १ अप्रचलित वतप्रयोग सुप्तः प्रयोगः।

विलेख (deed) बीड बरवानेस ।

वितेष समगायकः।

वितेज मुलनबीस मुक्तेवाशाः।

पिसोक्सीय अवशेषकीय अर्जनीय देखने योग्य ।

विभोदन १ बाध्ययम-विश्लेषण कामोडम विसोदन विद्यन-मनन

सम्बद्ध स्थल संयम करना सवना बहुना।

विसीय १ वसटा उस्टा (६०) प्रतिकृत विवरीत २ विवरीतार्थक विवरीतार्थी अस्त विवरीत सन्दर्भ

विश्वच केल भीषक सिरप्रजा

विवसा १ विधितार्थ वर्ष बावण शास्त्रमें स्थापार्थ निहितार्थ मेतस्य नतस्य माने यावने स्थापार्थ स्थापार्थ ९ १७७। (हे | क्रायोच्या ।

विषयः १ क्षित्र केल किल मूर्याण २ वहका यहका वर्षे १ वरार ४ कृष्या कोड. नवा।

विकास १ (statement) उपक्रील क्योग ब्यांस कुछ पहितुससे २ रिकाक १ रण्ट रिपोर्ट ४ वर्णन (१ ) १ जाकार प्रकार रेन-क्य क्ष्म-रेज हुसिया।

विश्वरणकार (commentator) कमटेटर, वृत्तकार (व प्र» वि ) कारणाता (व प्र )।

विवरशिक्ष (prospectus) दुस्तिका (व॰ स वि व स ) क्रोजर। विवरशी (setora) विवर्शकरा (व॰ स ) विवरणस्व (य स )

प्रशिवस्प (त॰ प्र.) रिटर्म । विवर्ष शांत्रहीन जिसका रेम उड़ बमा हो तैजहीन निष्यत्र करू सीवा महिन स्वान ।

विवर्त १ जनायत भेंदर २ अस आंति।

विकार १ मध्हाय नितनहाय नेत्रस १ वाध्य शत्रपूर (दे ) साधार (दे )।

विकास है। सम्बद्धिः

विषरम विर्वयः, नव-सहंग नंता नम्न वरशरहित वरशहीन विवतन ।

विशाद १ वनह अवहा टरा तक्यार, यार वितहा २ वहा-पूनी बहुम वाप-विशाद (दे ) बामुद्ध तकात-नवाब १ मदनदः

विवासायर (controversial) निवादकरण (४० प्र०) प्रनियासस्व (म प्र०) ।

५७६ / हिम्ही पर्याय क्रीज

1

विवासी १ कत्तृ करवेवासा कत्तृत् धन्पटिया सपदातृ २ (संपीत) क्रसंदन सकार्यवस्त्रपूर्ण विश्ववायी विस्तर।

विवाह निवाह परिपान (संस्वार) पासिपहण (संस्कार) स्नाह, वैरिक सपन सम्बन्धादी संबद्ध।

विवाह करना निकाह करना/पड़ना परिषय करना पानिषहम संस्तार करना क्याहना मौबर चुमाना विवाह-सबध करना सारी करना संबंध करना सिदुर बालना।

विवाहित परिमीत (स्पी परिमीता) ब्याहा हुवा मेरिक काशीसुदा । विवाहिता पानिवाहीता परिपीता परिपाहा पृष्ठीता ।

विविध समय समय तरह-तरह का नानाविध भिम्न-भिन्न मतकरिक।

विविधता अमेकसमता बहुक्यता वैराइटी वैशिष्य । विवास के केवता ।

विद्या विवेश

१ क्रामः २ शीर-श्रीर विदेक (श्रव्-सञ्ज्ञादि की) गृहचान
पहचानने की शासाजा/विक्ति सदसद्विक १ अक्त बुद्धि
(दे) समझ विचार विचारपा-सदिन ४ तर्स्टाचितः।

विवेकी अनुसान आमी बुदिनान (दे ) विकारवान समाप्तार।
विवेकना आसोचन आसोचना टीका टीका-टिप्पणी तनशैद निक्पन
शीर्माहा विकार-विवेकना विवेकना व्याप्ता समाप्तीकन

समीक्षण समीका। विदाद १ विस्तारकामा निस्तीर्ग थिस्तुत सविद्यार २ अण्डा निक्रांतिपूर्ण साक्ष साफ-सुयरा सुंदर स्पन्ट।

विद्यारक आवार्य उत्ताय इतिवास कीयर निकात वेडिट पारंपट सर्वत विद्यान् विवेचक २ कुतन चतुर रहा निर्देश सर्वीय। विद्यास ग्रीडीन प्रस्ताय वडा (१) भारी सम्बान्योडा पिरतीर्थ

विस्तृत बृह्त् स्थापकः। विसासहस्य ज्वास ज्वार,ज्वारपरित ज्वारपेता ज्वारमना दरियादिक

वाती वाततील क्रम्याच क्रराखिदिस महामना चडान्य सहासना ।

विशिक्ष देशीर।

विशिष्ट दे निशेष।

विशुद्ध विभिन्न असमी खाँटी वा सामिस केठ वेमिमावट शुद्ध।

हिन्दी वर्जाय कोच / १७७

विशय १ असाधारण वसामान्य कास परिनयुक्तर,विश्विष्ट निवेची-कृत स्पेतक स्पैतक २ ठेठ।

विशेषकर १ आहास तौर से विशेषका विशेष क्य से २ अरमूमन प्यादातर, प्राय:, प्राय: करके बहुशा।

विशयस आधार्य उस्ताव पंडित पारवत समें विश्व विशास विशिष्ट ज्ञानवाद्या।

विश्वेयता असामारण/असामान्य बात सावियत सूत्री गुम विश्वियता वैतियद्व सिपल स्पेक्षिति ।

विम्युंबन १ वे अध्यवस्थित १ २ अगियंत्रित तज्ज्ञ्चन गिरंकुत स्यज्ञंत स्वेज्ञाचारी।

विभात को साराम कर/करमा चुका हो शहतिस्य तांत ।

विभावि है जाराय। विभाव है जाराय।

विभागकम सारामगाह आरामगर, तार्थन विभागमुह, विभागवर,

विभूत दे श्रीसद।

विरतियमः १ वास्यविश्लेषणः २ निक्यणं विवेषणः विवेषना स्माब्याः
व वियोजनः संयोजकः सम्मा/पटको को अलव-समय करना ।

विरोजनात्मक विवेधनात्मक विवेधनात्मकः विकाससम्बद्धः विकाससम्बद्धः (विकासः भरम-बोधन करनेवासः) १ हे परमेक्बर २ वे विकासः विकासः भरम-बोधन करनेवासः) १ हे परमेक्बर २ वे

वित्रवेतरा दे पृथ्वी।

विश्व (श्रीवर्षी पुत्रत समस्य बहारि) वयत् सोक संसार (दे )। विश्वप्रसिद्ध नगरतीवद्ध सीक्प्रतिद्ध विश्वविद्यात विश्वविद्युत संसार प्रसिद्ध शुविक्यातः।

विश्वविद्यालय बाय्त्रहरूम युनिवर्तिटी विद्यापीठ ।

विश्वसानीय प्राविमे एतवार मातवर विश्वसानपात्र विश्वातमाञ्ज विश्वसान विश्वाती विश्वारमा

विश्वसनीयसा (relability) विश्वस्था (श प्र ) प्रत्यवनीयसा (त प्र )।

विश्वसत वे विश्वसनीय।

दिश्वाचित्रः नीतिक गाधिनं गाधिनंदन नावेव गीरव राज्ञीन।

विश्वास आववासन आस्था एनवार, प्रतीति प्रत्य परीसा सकीन। विश्वासमान अनुवात कोड कपट, घोषा (व ) शावेबाबी घोषामधी युग

तत अन्यात क्षोड्ड कपट, छोषा (व ) श्रावेताची छोवामकी वया छन फलडेन छप प्रथम वास फरेब वेदीमानी विश्वासमय।

विश्वासमाती दे घोतेनाय।

विरवेश विश्वेषकः सर्वेश वे ईश्वर ।

विवस्य १ सात विक्रम खुक्य किम्न धमपीन वृद्धी परेशान विवादपुरून व्यक्ति २ निराज (दे ) हतासः।

विषयर के साँग। विषयारी

> विषय १ कठिन प्रतिकृत भीवन विकर विकरात २ असम सस्यक्य असमान ।

विषयता १ सम्बद्धि असमता सम्मानता असमानता २ मीषणता विकास विरोध केंग्रस विकासना।

विषय १ बाह्यम् आनाच्य विषय टापिक वात सवमून सामसा मुशाससा विकारणाय विषय विवेच्य विषय विषयस्तु, स्वत्रकृत १ शासनामना भोगविकास भोगानदः सैयनानद

विषयवासमा । विकास सर्वापन सर्वेशी संबद्ध ।

विषयासस्त वे विषयी।

विषयी ऐया कामामक कामी (दे) कामुक कपट विज्ञासी

विषयानस्य । विषयस्य वे बाररीसा दे विषता ।

विवास्त्रका वे बहरीमापन।

विचास १ गूम शीय २ मजन्त इस्तिश्त १ गुकरंत ।

विवाजु शहरम । विवाद दे देखा।

विवृत्तिका नानस हैवा।

विकास कहरी कहरीना (दे ) विश्वविधित विष्युत्तन विधारत । विकासम के कहरीनातन।

विद्या विद्या पूर्व यू पाणाना पूरीय यम सँमा सैन्नि स्टूल (स्टूलटेस्ट स)। विस्मृ विस्मरणवीस

राष्ट्र कमलावन कमलाभा कमलाशांत कमलाशांत कमलावां कमलावां व्यवस्त व्यवस्ता व

विसंवत (irrelevant) वातर्कवस्मात वनुपतुक्त समावंदिक सर्वतत (ज. म. म. म. सन्य) समावः

विसंवितः १ अनुप्रवृक्तमा असंवित्तः अर्ववितः अर्ववितः विपरीस्ताः २ अन्तर्वेतवनगाः।

विकर्जन १ छोड़ना विकासिन स्थान स्थायना २ जैन खारमा परि समाध्यि समाध्यि ३

विश्वर्जन करना १ गुरम करना विश्वरित करना समान्य करना (सना) २ (पूजा जादि में) जिन्द इस्य करना ६ छोड़ना विस्तिति देना स्वाचना (है) संस्थात देना ।

विस्तरम् वैज्ञाना बङ्गाना धिमधीकरण विस्तार वरता विरातुतीवरण। विस्तारः १ प्रतारः कैमाव विषयतीम/धिपर्यविद्यारः स्थातः १ संबार्टं वीहाई संवान-नीहात विषयीच्या १ बस्मति विशान वृद्धि सन्वर्धन ४ सर्वे चीहाई चीहानः ३. एपर्यन्तमः।

विराम्तः १ बुजावा धुजध्यनं चैनाह्ना बड़ा बहा बड़ा संबा भौड़ा विश्वव विजाम विस्तार बाता विस्तारित विस्तीचे मुक्तिम्ता २ चौड़ा चौड़ान बाता ।

विश्वीह क्योट पूटना ग्रमाना। विश्वा दे आव्यते।

विश्मपदारी विश्मपी हे जारवर्षेत्रमय ।

व्यवस्थः भूम जाना याव न रहना विस्तृति । विस्तरभागेतः ऋराकोशः भूमवरम् भूमनेवामा ।

१व / द्विन्दी वर्णाय क्रीश

विश्वित सर्वभित स्वाक सारवर्ववित सावयानित वरपनाया वरित वसत्त देग शीवक शोवका विस्मयापुत सस्तै मं (सक्ते में सा बागा) सल्लाटे में (स्लाटे में सा बागा) स्वीपत राज्या इका-वका।

विस्मृत जो याद/स्वरण न हो भूनाया हुवा भूना हुवा।

विस्मृति चूचनाना यादन रहना विस्मरम। विद्यंत विद्यंतम वे चिड़िया।

बिह्ममबृद्धि विह्यावसोक्त विह्यावसोकत सिह्मबसीकत।

ह्ममद्राज्य । नहणवसायन विहय दे विदिया।

चिह्न द चाड्या। चिहान सरणोदय सत्तस्त्रुवह सद्दर्भुंब उपाकात्त तहके निर्धात प्रमात प्रस्युप प्रांत प्रातिकास बाह्ममृहत भोर, सकारे,

सकाम सहर सबह सर्वोदय स्थापीट्य।

विहार १ हैर, सैर-संपाटा कृतना अनम २ कामीव-प्रमोव कीड़ा मनोमिनीव मनोर्चन १ बीजनड, संपाणन ४ ऐनाती कामचीड़ मोग भोगविकाल सेयुन संभीव सहसास। विशित्त साविकार नियास विद्यास स्थापन स्थापन स्थापनीकर।

विहित साविष्ट मियत नियोजिक विद्यान फिया हुआ विद्यानीहरूत । विहीन वर्षेच, जिना चीहत रिक्त चेचित सूच्य ।

विक्रमः १ मिन्नून २ मधीर, सातुर, विकस च्या व्याङ्गस वेकसः वैकरार वेचैन वेदाव ।

वी आई.पी (बी आई.पी) अति विक्रिय्ट व्यक्ति ।

वीचि वे महर।

मीचा (visc) देशायमन-अनुमतिपन (स प्र ) प्रवेद्यम (केन्द्र राज क प्र नि जादि) प्रदेशानुमा (नि )।

कीडो निषधाधिकार (शमी) रोधाधिकार (ग प्र ) अभिषेश्व (म॰प्र)।

भीणाः सीतः

भीनागानि : वे सरस्वती। भीनागरिनी

> बीतराच सनागरत विस्तित्य वैराणी विजतरपृत् विरस्त वीतराजी संस्वाती तायु (वे )।

बीबी १ वरियारा नहीं यैतारी दीनों भीवि वीविका १ वय, मार्ने पारता रोड वर्स गहरू।

## १०१ / हिन्दी नवाँव नौध

१ रपुर्मान चूनव वैश वृष वृषम छोड़।

दे थुषम्।

बुरिबर : १ दिव्छी दिव्यू बीटी: २ बृश्चिक सन्नि।

वे मुक्तभा नुडादरमा वृद्धि अमिन्छि परिवर्धन वस्ती बहोत्ररी वर्षेत्र विशास विस्तार,

भरदा अर्थेश श्रीमा बोकरी मुक्तिया कुरी नवीकुदा । বুৱা

नुकार । वार वर्षकी थीरी बुकाया बुवुर्गी बुकाबस्या ।

बुदुर्वकार बुद्धा बुद्दका बूद्दा बमोनुद्ध।

मुका वे व्यर्थ। 54 गुर्रोट वर्षक बरद, बरायस्त वर्षद, वीद, बड़ा-बूड़ा बुड्बे

२ मनोवृत्ति (दे) स्वधाय (दे)।

दुतारार वृत्ति १ भागीय मामीविका भीविका वृत्तिका चौबी चौबी चौदी

१ गोला घरा वायरा मंदन सक्ति २ छट। वृत्तः नोनाशार, करदार, बहमानार वर्तृनाकार :

नुतांव भटना न्यूब समाचार शासचाता दे वर्चन ।

मुक

वे नेहा

मुध वे समूह।

**क्**स टहनी डडी बटन डाइ डार, बास बासी बाय साया ।

मस्तित्व प्रपरिवर्षि भाष (मधाव) घीवृदवी विद्यमानता वृत्र सक्ता स्थिति होना ।

१ पौरप वस-बीवें वर्रानदी ४ वेहरे की वसक मुख-शामा पुलकाति मुलवीप्ति ५ दे बीरता ६ दल बस्ति (कीर्यकान् कीर्यकाणी जावि मे)।

उजाइ निजेन वियाशान सुनशान सुना। बौरान है छैत्रस सासु, बीज रैतस् मुक २ पुंडरव मर्दानसी चीर्य

मरना बीरपवि मिलना शहीद होता। बीरवा बहाबुरी मर्दानयी बीरत्व शुरता सुरकारन ।

बौरयवि युक्त में नहते हुए मृत्यु कीरतापूर्ण मृत्यु। कीरनति की प्राप्त होना- युक्त करते हुए मरला युक्त में काम रहना सहते-कहते

बीर बहादुर गर्द योक्षा भूप भूरशीप सुरक्षा ।

**री**भत्स दे दीमत्सः। वृद्धि देवर्षा

वे वहा। नुहत्

बुहस्पति दे बुहस्पति ।

१ गति भाग प्रवाह रफ्तार, २ अस्वी देवी तीवता त्वय बेप

की घतर ।

बयबान् वीवयवि शीवयामी तैत्र स्वरितयति शीव्ययामीः बेट (करना) वे इंतजार (करना) प्रतीक्षा (करना) ।

केसपास चोटी वेणिका। देवी

दे बीमरी तथा मुरसी।

देव बेतन १ तनकाइ तनक्षाइ तलव दरमाहा पपार महिनदायी माइबारी २ प्रवरत पारिश्रमिक मस्ट्रिरी मेहनताना वे विद्वादी रोबीना।

वेतनमोगी वेतनवीवी वैतनिक।

वेतनमान स्नेज।

वैतस बेत बेहा।

वेतास मेव बैठाम ध्रुव बैठान।

हेला नानकार क (धर्मक) काला कानी विश्व विद्यान. विशेषश्च ।

वेत वेतस्। देश

बावन बाम्नाय नियम बृति। ter .

वेदना रे दय।

वैदवास्य अकार्यवात बाप्य वास्य प्रमायपुष्टकवन प्रामाचिक न्यन। वेश्यास वे व्यास ।

वैशेष १ वर्षश्मीनांसा २ अध्यात्म ब्रह्माविद्या।

वेदी (कर्मकारार्थ कोड़ा ऊँचा चौकोर छोटा) चहुतरा : Trê .

कार्यस्वल भित्तनस्वल। वेश

बेला वे समय।

१ कपड़े कपड़े-मत्ते पोसाक यूनिकार्ग वर्डी वस्त्र वेशस्त्रा देश २ बाह्य कम भेग भेत कम स्वक्य।

देगुमार वे सननिमतः।

यधिका तवायक, पतुरिया यातुर, पुरवामा संयक्तामुखी रंडी वेरवा (१) धमननी क्याबीनी नारतह, नारवितत नारविता

हिन्दी पर्याय कोश / १४३

```
des
```

\*\*\*

संस EUSE

-nfeit

```
अपना बाती निजी प्राह्मेट वैपवितक।
क्रास्तिगत
           श्रदिमयत ।
 ED SATE
             १ उसप्पाट उसटारेट विवर्षय २ हे बहबड़ १ जीत
           E SHIER !
            हे व्याद्रमता।
   द्मपूर्वी
             श्रमण उत्सवन विचलन विषयन।
              वंतर प्रके थेव विशेष।
              यत पुत्रम हुमा बीता बीता हुमा ।
    स्पतिरेख
                (grieved) असंपुष्ट (उ प्र ) आरों (उ प्र ) दुवित
               र से प्रा कुलते।
     स्पतील
                (उ प्र ) दुर्श (है ) नाराव (राज ) परिवेदित (राज )
       स्त्रवा
       হয়বিল
                 हेवाती दुवन बाट दिनारा किनाला देना परहरी-समन
                 बदयमनी बतारपार थीय मृह काला करना परस्त्री-मैयून
                  बूबटा टिमान बुश्वरिमा पृथ्या पुंच्यमी प्रप्टा स्वीरिकी।
                  हेवाल शामी कामूक इकवी इरववाची इमाबी पदिहा
                   बरिष्ट्रीन किनार किनाम पुरबरिष योगत परस्त्री बामी
     व्यनिकारिकी
                    पराणी मोती बरणाए, बरवसन मूह काला करनेवाला ।
       ध्यतिकारी
                     जनारण उपयोगरहित नाहक निरवेक निरायोजन निरमस
                     धर्षे स्था भवना सर्थ।
                     प्रमृत रिमून पुरुष विमा बनलव दिला मनसव देवार
               end d
                      क्षेत्रमण्ड केरायदा यों ही जुबा व्यर्थ में इस-माहर।
               स्पर्य
                       जरवन जवरोग बाग्रा रशबर विस्त हस्तीर।
                      विर्ययमा विष्यममा।
                       १ बाजीविका बास बालबंधा बामपाम कारोबार
              स्पर्धान
              स्परसाय
          इटर / दिली वर्षाय कोग
```

कोतक प्रकट व्यक्त पृथित करनेवाला सुबक ।

१ व्यंत्रत वर्षे २ प्रकाम मिठाई मिट्टाल। ह्मिक्यकन बाहिर, प्रकट प्रकाशित व्यक्तित साठ, स्पट !

आहमी इंडान बन मनहै गमुब मनुष्य मानव व्यादि

मीठी बटकी सेगा।

भोतिका संसा पेटा २ उद्योग रोजमार वामिका स्थानार।

ध्यवतायी कारोबारी रोडगारी स्थापारी सीदागर।

स्पनस्याः १ इतिकास प्रयोध संदोबन्तः २ उत्तित कस कम कम करतीक सम्प्रक सिमसिसा मुख्यस्याः १ प्रयोध प्रायक्षातः ४ कापून इत्यसा नियमः १ तत्र चयति परिपाटी प्रमाली चीतिः १ चतत्रः।

स्यवस्थापकः इतिकायकार प्रवेशक मृतकार मैनेकर, व्यवस्थाता। स्यवस्थितः झायदे से जमका तरतीयकार निवमित सिमसिनेकार

शुव्यवस्थित ।
ध्यवहार १ वर्ताव पूर्क २ साचार साचार-विचार
स्थायार-व्यवहार २ सम्बन्ध उपभोग कार्यात्वरम प्रयोग
४ प्रचलन रिवाड २ सहास्त्री व्याव/पूर पर दरवे-वैदे का
सेन-देन सेन-वेन काकास ६ उद्योग रोहसार, वारिनस्य

व्यापार । व्यवहारकरालः चयव चतुर, चलता पूर्वा दुनियादार निपुण होशियार ।

व्यवहारतः प्रयोगनः, प्रयोग में व्यवहार में।

स्यवद्वतः अनुप्रयुक्तः बनुष्टितं आवरित प्रयुक्तः।

स्यप्ति कृताहै स्यतित । स्यसन कृतनत कृतेत कृता सीक कृती मायत नत ।

व्यक्ती इस्तवी दुरेवी वती।

ध्यस्त नाम मे बनसा/पेंसा कार्यरन कार्यव्यस्त विजी मनक्छ ।

स्याकरण अनायद पामर, भाषा-नियम शन्दानुषासन ।

स्थाकरमनेता क्रवादवर्शं वैद्याकाम सन्तानुधाननविष् । स्थाकम स्वीर, असान शहुन शातुर, दक्षिण दतावसा परदाया

शवराया विशित परेशान ववहवास वेक्स वेक्सर, वेचैन वेशाव विकास विश्वास स्पन्न।

स्पादुकता स्तुकाहर, समीरता संग्राणि सामुक्ता बाहुरता वृद्धिणता स्वतासमारन वषयाहर, विका स्टरम्टास्ट, तहरून परेतानी बह्दशामी वेशभी वेशमारी वैचेनी वेतानी वेसही विश्वता स्थाता !

स्माक्ता कर्म बुनासा खोलकर वहना टीवा वाच्य मीमीता विवेचन निवेचना विवयीकरण विवसेचय स्टाब्सन

ш

```
१ प्राच्यापक २ व्याच्या (१ ) करनेवाचा १ शाव्यकाट
mentet
                विवरणकार तकरीर करतेवासा बोसनेवासा सायमकर्ता
               स्पट्टीकरण ।
    EUTEUTAT
                 १ ग्राममायण तकरीर, प्रवचन वक्तव्य व्याख्यान स्पीच
                भागम्बाता भ्यता ।
      ENTERINE
                  २ व्याच्या (हे )।
                  $ (401 1
                  बाब (रे ) सेर (रे ) निह (रे )।
                   १ बात इत ग्रोबा बहाना २ हे व्याव ।
        ध्यापात
          20122
           1014
                   हे जिकारी।
                    अस्यस्थता बीमारी चोम।
            E2713
                     १ (इर-पूर तक) कैमा हुआ विसास विस्तीचे विस्तृत
                    स्याधियोदित । दे राज ।
            स्माहित
         स्माधिवस्त
                      प्रधोय-संघा संघा रोडपार विडनेत बाणिन्य व्यवसाय
                      २ सार्वमीम ३ बहुसमावेती ।
            स्मापक
                       उद्योगसंबंधी रोजनारका वाणिज्य-विषयक व्यावसायिक।
             स्राचार
                       मोदायरी ।
                       जयविक्रीयक रोजनारी बनिष्ठ बीचन, व्यवसायी शीवायर।
                        १ कारों और छाया हुआ कारों तरफ फैला हुआ परिस्थापी
            स्यापारिक
स्थापारिक
                         परिव्याप्त व्यापित २ वेळ हुवा तनाया हुवा।
              ध्यापारी
                चाप्त
                         १ वरिष्याप्ति २ प्रसार देवाव।
                          १ जावा गाया-मोह सोह बोह-माया २ १ सन्नान १ ६
                स्यापित
                          ग्रम ४ उल्लान प्रवराहर परेशानी संग्रम ।
                ध्यामीह
                           एक्सरसाहब क्सरत ।
                 स्यायस
                           श्चारा ।
              स्यापामशाला
                            उद्योदनंदंगी भौगोपिक स्थापारिक।
                            हे सीप ह
                             १ अपनी श्रीवटनमा ए कालबनाळ (देने वालबनाळ
                    स्यात
                             बान) १ चतुर (१) दुनिवादार व्यवहारकुणन ।
                ब्यावलाचिक
                              h Erm Guten attint gemin ? entrage.
                म्बादहारिक
                               ३ प्रसार वैनाव विस्तार।
                     व्यक्तीत निर्माण निर्मेषन मूल होता।
```

स्पृष्ठ सेना-विन्यास सैनिक विन्यास ।

म्योम वे मानाग।

क्रम कृष्त्रपूरी योष्ठ, योस्वान व्यासपूरी बन्धुमि।

बम क्षेत्र मान मन्द्र।

चतः १ भनवान फाका चपनास २ (दृह) निश्चम (बृह) संकरप ३ अस प्रतिका।

वती १ उपनास करनेवासा २ वटनिस्वयी।

थोडा देसानः

### श

र्शकर दे महादेव।

शका १ मेरेगा मार्थका सक बहुन सरीपुरहा गुबहा स्टेह

संसय २ खटना खोळ वर, भय । शंकारन वितित नस्त संस्तित संस्थासन सर्वेशित ।

वकानुन विकास सम्बद्धाः स्थापन स्थापन स्थापन । स्रोकानु बहुनी धनकी संबद्धातील समयतील संघयात्मा संघ्यानु,

संस्वी :

शका होना 'श्रमा के पहाँचों में 'होना' बोड़ने स तो इसके पर्याप बर्नेय ही इसके बरिटिएस 'सास में ट्राफ मासा होना 'माबा अवस्ता'

तथा 'नान कड़े होता' साथि मुहाबरे भी यही अर्थ देत हैं : ग्रेसित नार्सीनत शकानुस श्रीवृहास्त संग्यास्य सर्वोस्तः

शंका १ शंकु, संकृत एस धर्म ।

र्वकारशंक्रपापि है विस्तृ।

र्शव १ छोटा मेख २ वॉमा ।

र्शन १ छोटा मेंच रांभ वे महादेव।

शंसापत्र (certificate) प्रमापपत्र प्रमापनेख (म प्र ) प्रशंसापत्र सीनपत्र (स प्र )।

शक्र १ क्षायदा हेव सरीका संसीहा २ वस्त कृति। प्रक्रास्तर कायदेका क्षेत्र का गक्रस्तामा संसीक्षेत्र ।

शक है शीवा।

शक्य १ छक्या बैलगाड़ी २ गाड़ी ठेशा रेडी।

शकर देशकर।

```
m X
             कंद कंदा करना सबी शकरकंदी शकरनंती।
(E)
    NECES.
              दे समस्।
      THE
                १ मुत्रामुग विचार २ मुश्र श्रद्धण समुग १ मुद्रुतं युग
              ह संबर ।
      হাকীল
              दे पति।
        गर्नेत
                मुहुत साहत ४ वसी (है )।
        राक्य
                हरवी जीती खोड़ जीती अर्जरा।
                 १ क्छ क्छ-बस पुरुषठ कृषठ कान बोर ताइन्त दम
        HERT
                 हे संकास्।
                  परामम पानर, पीरप वस बस-बूता बूता २ झीकाठ
         हरकी
                  क्षमता शामम्ये १ बहिनवार बधिकार, पावर, प्राधिकार,
          nfec
                   बस बत सता ४ दे हुता मेबा बली बली भारता हुत !
                   क्सबार बोराबर, साइठवर, बमक्सबामा बमबार बलवान
                    बलबाली बसाइय बसिष्ठ संस्तिमान् समितवान् सबस
       त्रस्तिताली
                    ज्ञानवय ज्ञानवन अस्तर्वयं कारवोद् निर्वत (१) वसहीत
                      इरजीय विष् जाने योग्य सुमिवन शंभव शंमाव्य ।
          रावित्रहीन
                     होनबस ।
                      बारार बाहिट बेहुए बहुए-मोहुए क्षेत्र-वहत इन इन
               Ten.
                      £ $1 1
                前華
                       रंव शवस मूरत सूरत-अवस हुनिया।
                शक्त
                       बाहमी जन मनुष्य व्यक्ति।
                         १ शीक होंनी २ आमोद प्रमोद तकरीह दिसदहसाय
                श्चरस
                        व्यक्तिरव ।
              शिलायत
                         ग्रनवहसाब मनोरंबन मनोविनोद।
                         १ के शहून २ टीवा तिमक मैंवनी समाई सनुन।
                          शहुनविवास शहुन विवासनेवाना शाहुनिक साधास्त्र
                सगमिया
                          नामान्य प्योगियी।
                   सर्वेद्य है सिर्वेद्य ।
                श्ची शंबी दंशमी (हे ) पुलाममा ।
                           कुर्मीनामा पुरानामा बशक्त बशावली।
                            र दुरट दुर्द्धातमा पाशि बदमात मुख्या २ घृते (१ )
                    शामरा
               ११ / रिमी वर्णत को ब
```

मुर्वे ।

शादता १ बुच्दवा पात्रीपना बदमात्ती मुज्या २ भूतेवा (१) मर्जाता

श्रुत सी।

शतक सैकड़ा सीका समृह, तती।

शतदस दे कमस।

शतपर कनवनुस गोनर।

सत्त्रतिरातः निरम्य ही निश्मित तौर पर, निस्स्वेष्ट, विश्वा तक विसा सम्-स-सुवद्या शोफीसवी।

श्रुवरंको दरी।

शतारः मनेक बनेकों शैकारों।

श्रुतास्ती वती सदी सेंचरी।

तह बदावती मरि कर्टर दुग्मन चून का प्यासा जान का दुश्मन दावाधीर, दुद्ध दुश्मन वैधी प्रतिपक्षी प्राची का बाहक/दश्मन मुखानिक, पित्र, विपक्षी विरोधी वैधी।

शक्ता स्वावत अनवन खटपट वॉठ अपका दुरमणी विपाद वैर वैर पाय सममुदाव मुखानिकत रॉविच सढ़ाई लाग भाग बॉट वैमनस्य वैर, वैर-विरोध समुता समुमाव।

शबुता होता 'खबुता' के पर्यामी में होता' को हते के बिटिस्ट जाक-पानी का बैर होता कुछे किस्मी का बैर होता शाबि भी पर्याय है।

सदीव क्यादा बहुत बहुत अधिक बहुत कोरका बहुत क्यादा (वैसे सदीव कोट)।

शनाका परक पहुंचान ।

क्षति १ मेदबह, रचिनंदन अधितकार जनैरूपर सूर्यपुत्र २ जनिवार।

सनिवार भेवा सनिवयस्थार हुन्ता।

स्तिरकर दे धनि।

त्तर्ग भाष्ट्रिस्ता धीरै।

सर्त-तर्त. जानम से जाहिस्ता-साहिस्ता वाहिस्ता है धीरे-सीरे टरता टरता २ नमधः, मयानम ।

त्तपण १ असम सीह सीमंद सीमंग्र इक्षफ २ मण प्रतिका

क्षिम्दी पर्याय कोच / १११

श्रपमपत्र श्रमनक्छ

भागवाः ३ कील वेचन ।

शपवपत्र ऐक्टिडेविट पत्र-शपव (व०प्र ) सत्तपपसेची कवन

(ग प्र) इनफ्रनामा। शपद सेना कतम पाना येगावती प्रका

शपव नेना कतम धाना संगामती उठाना धर्म-वैमान की कसम बाना बेटे की कसम धाना ईश्वर की इसम धाना सैमंध बाना।

शक्य १ जारोम्पकर, स्वस्थकर, बक्ति २ जारोम्पता र्यप्रस्ती भीरोचता स्वास्थ्य।

शक्राचाना सर्वतान विभागक विधित्रसामय डिस्पेंसरी दवाकाना । शक्ताल अधिरवण्य निर्मेस पारवर्ती ।

शव देश्यतः।

शहनम वे बोता शहबर्कर बुहनाइट, गुजराति।

श्वसार पुरुषास्ट, गुणवान श्वसार दे सुरस्ताः।

शब्द १ तपन २ कथन कहना ३ सावाब व्यक्ति एवं श्रीर

४ सम्बन्धार बन्धारीवार, सम्बन्धमूह । शब्दकील बन्धिन कोच विज्ञवारी निर्मेट्ट, सुक्ट सम्पन्धेष्ठ शब्दानी।

शास्तः असरवाः, श्वी-का-स्वी हवह ।

शास्त्रशास्त्र १ भाषाविकान भाषाबास्त्र २ स्याकरण सन्यानुसाधन।

शास्त्रहोतः १ धूँगा मूक २ चूप मीत ३ नियसर।

शासाबंबर बाग्याम गण्याम ।

काम्यातीतः जन्मनीय जनमंतीय (स्वर (दे ) वर्गनातीतः। स्मानशासनः सामर स्थानरण स्थानरणकास्य सम्बन्धनः।

शब्दानुशासन यामर स्थानरण स्थानरणगासनः शब्दावसी स्मामरी अस्य-संबद्ध सस्यमुनीः

सम व्यक्ति।

शमभ दे समा।

शमन १ गम/गांति करना २ ववाना वयन नियह हनन ।

शामतर दे शमदार।

शबा १ मोमवसी २ दे दिया।

शिक्ति १ प्रमीन नीत २ सेतुष्ट १ बंबामा हुना बीनन।

शपन निदानीय गयन गरना तोनाः। सम्बद्धः वेडकम गयनगृह्,शयमागारः।

शयनका वेदक्य ५६२ (दिनी पर्योग कोल

रै बाट, बारपार्ट २ तस्य पर्येक पर्यंग है सेज- ४ विस्त जयस बग विक्रीसा।

धीर गाराच बाज। जांच

१ बाभय बासरा पनाइ सहारा २ छत्र-छोड्ड, छत्र-छावा शरण

छौह । गरपाची रिपयुत्री ।

शरत्, सरद् १ पतमक सरद ऋत २ वे वर्ष।

शरबंद मधर पेथ रम।

गरकती रसदार, सदस्र।

है समें। शरम

शरमाना हे शर्माना।

शरमिस्पी है। अने प्रसिद्धी : शर्रीमदा है श्रामिका।

शरमीला दे ग्रामीका।

য়ত वर निर्माधान रेट।

सराकत

वहमायिका साक्षा हिस्तेदारी। महता धमननसी विष्टता सरवनता। शराञ्च

मानव शक भविरा नय नयू नय बावणी सुरा क्षाता। गराच

मविरामय मस्याना मयवाना वराववर। गरावच्छत

सरावकोर पियक्टर महिरापामी अविदायेकी मचप मचपी जराती।

रारावकोरी पियनको सदिरापान महिरामवन मसपान।

हाराची पियक्क महिरासेकी मचप मचपी सरावसीर।

शराबोर तरवतर, भीवा। भारास्त हुप्टता नहत्त्वहपना पानीपन पानीपना बदमाकी वैदानी

हरामीपना ।

शरास्त्र बुष्टतानम पामीपन से बदमाबी से घरारचरा चैजानी से हरामीपना से।

१ दुष्ट पानी बदमाय गरीर, गैशान हरामी २ उपक्रकी श्चरती क्रमी चंत्रल गटबट ।

कमान कोर्नंड चार धनु बनुष सरासन । शुरासन इस्कामी धर्मधास्त्र मुस्सिम धमशास्त्र । शरीयत

१ अंतर्गत भिना हुमा शामिस सम्मितित २ सामी गरीक

बिन्दी पर्याय कोश / ४१३

सहवायी हिस्सेदार, ३ सावी (दे )। कारा धाव सेना काधित होना शिरकत करना सम्मित होना साप्तेवार होना हाच बटाना हिस्सा बेना हिस्सेवार

शरीक होना भत्र मता मतामानुस भनेमानुस शासीन शिष्ट सञ्जन शरीक

संस्थ ।

१ क्षेत्र करेनेवर, काम कामा शेव नात बात वट बोता **इ**ण्डवीन संदोष्टम सरीका । बिस्म तम तमु देह पिड बदन माटी मिट्टी बपु दिवह नरोडी (देव-विषत् में) २ हुन्ट नटलट पावी करारती ग्रैतान। ate la

वरीरपात । दे मृत्यू । गरीरवाय श्रीगरदाक ।

शरीररमङ के मृत्यू।

चीनी छीड खीड सकर, संबंदर। शरीरांत शकरा

वमीव टीस्ट बुलगर्ट। शर्य

१ (terms) शिवधन (bru) बंधेन (le ) २ (agreemeni) अनुवास (वि ) प्रतिवास (वेंद्र राज उ प्र

१ नित्रवय ही नित्रवयपूर्वक नित्रवत रूप स शत वदकर म प्र)।

२ शिश्वित प्वता मुनिश्चित (वैथ सनिया इलाज)। लेंच सत्त्रा सात्र सिहाव दीश करण समीह्या ग्रंगोच য়নিবা शर्म श्रीमहणी

बंद बुराना अपना-ता मुंह लेकर रह जाना बांचें (हमें ते) यह बाता बांग्रें नीची होता चड़ी वानी पड़ना शिमनना शंपना तन कराना वामी-यानी हाना लडाना सरिवट होना लाज के शिमटना शर्म करना सर्वेदार होता तमिया होता

मादिव पर्शमान लण्डानत लण्डिन कीवानत सर्गमदा शॉमहा

सत्रापुर, सत्रीमा झेंव लग्बायु, लग्बाबायु लग्बासील शरमाळ सरीवशील सरीवी सलव्य ह्याहार। शर्वीता र राषा शर्वरी

पूर्भ | हिन्दी वर्षीय की ब

शलम देपर्दमाः

शलाका सनाई सनाब सीखा

शस्यविधित्तक वर्षेष्ठ सर्वेत्।

शस्यविकिस्सा बॉनरेशन चीर-फाड़ चीरा जर्राही शस्यकर्म (त प्र

य प्र ) सस्यक्षिया सर्वेरी। राच

मुपाप मुरदा मुद्दी, मृतक लाख (दे ) लोप। समियाह श्रीमदाह सस्तार, क्यांकर्म बाह्संस्तार, मुद्दां ग्रवराह

वसाना धवर्सस्कार। पोस्टमार्टम । ग्रवपरोक्ता

शक्ती भीतनी निक्रणी।

शरा १ वे सम्बद्ध २ छ-, छह् (सम्माही-- छनाही) ।

सरपोस चरका गया सराक

शरमधी मर्धनाविक छमाही पाण्यासिक। राग्रांड व चंत्रमाः।

चचि वे चंत्रमा।

शशिवर वे महारेगः

मस्त्र मानुस सस्त्र-कस्त्र इपियाद, हरवा-ह्यियार। शस्त

मस्त्र-दस्त्रधारी भानुधधारी हथियारबंध। शहनपारी

अस्त्रराता अस्त्रामार आयुषधाचा रस्त्रयाना विवद्दवाना शस्त्रापार

हृषियार-जाना । अस्त्र-सस्त्र **इ**वियार, **इरवा-हवि**यार । रास्त्रास्त्र

शस्य

वे सस्य। राहराइ महाराज महाराजा महाराजाधिराज समाद्। दे राजा !

नुमार, समनुमार, राजपुत्र शाहकाटा। राजुक्ताका

शहबादी राजपुनाय राजपुत्री शहबादी।

वर्डर, बाटर, घरन बीम लद्ठा। शहतीर

शहद मधु।

ग्रहनाई नजीये येमनवीसी।

गहर टाउन नवर, नमरी पट्टन पत्तन पस्ती पुर, पुरी महानयर

महानमरी सिटी। नपरनोटा पुरवाय नपरप्राचीर परकोटा। शहरपनाह

नवर्गनवासी नवरवासी भावरिक महराती (देवाती के सहरी

हिन्दी पर्याप शोध / १११

सानुस्य पर बना सम्बर्— वच्चों की कहानी में विहासी और 'सहराती' युद्दा)।

राहराभार भागगोही कुलल पुत्रसनार।

राहारतः १ प्रमाण शहूरा सामय २ समाह साली ३ जारमवसियान प्रामाहित प्रामीरसर्वं विभागतः ।

शांत १ वाम अप्रग-वेश सम्म गिवेंच निस्तरण प्रतांत्र स्मिरिक्ट इसीय २ पधीर, तीर राशांतिकृष्य ३ सीम्ब रक्का-वक्का ४ चूप सीन १ वे मृदः।

शांति १ प्रामोकी सम्बादा स्तव्यका २ वयन वयन-चैन वान मृज-चैन मृज-कांति सुकृत ।

যাহংক্ৰথী জাৰ্দিখন প্ৰাণিখন ততুৰীৰ লগতা বিদয়বা বিদয় অতকা স্থাপীলৱা ভিতেৱা ভিতেখাং দদ্দৱা।

साइस्ता तहरीवपार, सहबीवपारुता तहबीवशासा नम्न विनम्न तरीक सामीन शिष्ट सिन्टाचारी सच्य मुनीस ।

मों बाबात सका यानसिक बाबात।

ताक तरनारी मानो नाम साय-तस्त्री मक्त्री (रे.)।

शासतः १ निन/दुर्गा/देवी का/विषयक/संबंधीः २ गस्ति-दशसक स्रामित्रकः।

शास द्रष्ट्रनी शान्त्रा काढ़ कार काम वासी पूज।

लाता १ जनमाना शहनी संबी कठल बाह बार, बाल वाली बुध प्रशासा शास (दे ) २ भाव विमाग सेवान कैवनन ३ अंश जबसव ।

शास्त्रामुख दे वंदर ।

सामियं चैना छात्र विद्यार्थी किथा।

शांद्र निवाना (मारना) मार ।

शांतिर १ वण्डी बार-ती-बीछ बालाव बालवाड दसी वयावाड भूते भीयबाज करेवी भवतार २ कृटिक टेवा ६ दुष्ट बदमान जराव्यी ४ न दबनेवाला मृह्योर नीच (रे.)।

ताव पुत्र (दे ) प्रतस्त (दे ) प्रमुदिन मुदिन हरिन । (बाबात भारकान-ध्यत हों शादी-ग्रमी-ध्यती-ग्रमी गुण-पुण)।

सारी दे विवाह।

शाम १ ठार ठाट-बाट, तहब भड़व शाम कीवत समावदः २ ऐंट,

गर्वे धर्मड (वे ) उसक वर्षे १ इरवात (दे ) प्रतिष्ठा ४ शुमसाम १ वे सुवरता।

शानवार १ ठाटवार, ठाट-बाट बाला सङ्क मड़क बाला सङ्कीला भड़कीला भड़कीला लाल-धीकत बाला सजा-बजा सजापट बासा २ वे सुवर।

गाँप वे बुकाना

राग १ विभिन्नाय सर्वसम-प्रार्थना बहुबुला श्राप २ फोसना । राग्य वैना अभिन्नाय देना सर्वयन प्रार्थना करना कोछना कोछना काछना कोछाकाछी करना पानी यी-नीकर कोछना बहुब्ला

वेना बुरा भंशा कहना आप देना सरापना।

शापित अभिकार अभिकापित वापप्रस्त शापित। शामाश नगा नहने क्या बूब धन्य हो बाह वाहवा बाहु-बाह।

सावारा वधा वहन वधा वृद्ध सन्य हा वाह वाहवा वाह-बाह सावासी तारीक प्रश्नेता वाहवाही सासुवाद।

शामिक १ (literal) बकारक तत्वव २ (vocal) केवल सक्तो हे केवल बात से बबानी गौबिक ३ उत्पर्ध बाहरी बाह्य ४ त्रव्य-विषयक बन्द-संबंधी।

राज्यी १ क्रम का/विषयक/स्वसी २ क्रमांशारित क्रमांशित १ बवानी शीकिक ४ मारकी सरस्वती।

शास १ योशूनि योशूचिवेदा दिनात दिवसादशान दिवांत प्रदोप संस्था संस्थाकाल सीक्ष सास्य सार्थ सार्यकास २ सीरिया (देख)।

शामत १ जाफन पुरसस्या पुर्वेका परेतानी मुसीवत २ कमवच्छी इप्रान्य वरकिस्मती (के )।

द्याभिपाना टेंट, तंबू।

ष्टाभिल १ क्राप्तिक सम्मितित समाविष्टः २ संवदः ३ सहमानी साम्री हिस्सेबार।

शासक तीर, भाराच वाम विशिध कर विनीमुख।

शायद अनुमानतः अनुमान है कवाचित् गानिवन मुमकिन है संगवतः संभव है, स्यात्, ही न हो हो सकता है।

शायर कवि।

शायरा कवयिणी।

सायरी कविता काव्य।

हिन्दी पर्याय कोश / ११७

men was weether fraction .

क्रास्टिक कर्ते ।

मरस्याम का नारसकातीय मरस्याक-विकास विजेती W128 mana t

• numarali ( mires.

accel from erfore erfore farmed forest fiftee with-forme! संबन्धि र

तार्ड स à fire :

शास १ अनी पावर हुआमा २ रेशनी पावर ३ लाख (पेड) १

शासा १ विकिश्व भवन समान (पाठभासा अर्जनाता)

२ बाबास वह, पर निवास ३ पाठशासा विधासध स्थल। शासि १ धान २ बदहन भवई साठी (शीना एक प्रकार के धान) ।

सालियोत्र १ अस्वविद्या अस्वसास्त्र २ चरेडा हि १।

शासिकोत्री अस्पर्वेत योशीका राष्ट्र ।

रामीन हे तहकीवदार तहरीवयापता तहकीववाला यह असर

मद्या, जरीप शाहरता जिप्ट सम्य स्वस्थ्य २ नद्र बिनय विनयशीस विनवी विनीत सीध्य व नवीर ।

शावक (पन्न-प्रतियों का बच्चा) छीमा बच्चा मुबद्धीना अबदाबक कटरा कटरा परिया पाता पारी बस्तिया बासा बासी।

बहार बहार बार-बाग्द अनावर, समर (दे ) व्यवनावर 11111 अविनात्री, अभिट चिरस्वायी निस्य सनातन सार्वकानिक

उचारी ३

क्षात्रक अक्रमार, प्रकासनगरी बासनगरी नास्ता शास्त्रिय।

प्रकामकीय काशन का/विषमक/सर्वश्री वाश्वनिक सरराची शासरीय हर्मत नाः

व्यक्तिषम वमलदारी रेडमिनिस्ट्रेजन प्रमुख प्रगातन क्रासम बादताही राज याज्य सरतार हरूमत ।

₹• सासरीय । melas:

(governing body) सवनिय वाँदी प्रवस्थाक निवाद कारी विकास (ब प्र.) बायक निराय (म प्र.) शासन निराय

(स प्र) वासी परिषद्र आसी मंडल ।

दे शासी निकास । गासी परिवर

११व / हिन्दी पर्याय की ब

सासी मंडल विकास सामा

शासी धडल वे शासी निकास ।

? आयम-निगम सर्वतास्त्र साधिक ग्रंग वेश वेदशास्त्र-शास्त्र २ विज्ञानः।

१ पंडित निवान धमसास्त्रज्ञ २ सास्त्रज्ञ शास्त्रनिक गास्त्रकता शास्त्री ।

१ तके-विवर्क बहुस बहुस-मुबाह्रिशा नाग्युव बाद-विवाद शास्त्राचे २ शास्त्रवर्षा । अर्थशास्त्र-वर्षा अर्थशास्त्र-वियमक बाद

विकास । १ बास्त्रवेता २ बाबार्य पंडित संस्कृतत्र संस्कृतवेता ज्ञास्त्री

३ ण्योतियी।

१ वैज्ञानिक २ धास्त्र का/विषयक/संबंधी १ वेद-विहित गाम्बीय वेदवास्त्र-विद्वित धास्त्र-विद्वित बास्त्रानुकूत धास्त्रानमोदित धारबोस्त ४ सकावसिक ४ सैजातिक।

धारत-कथित सास्त्र-वर्षित धास्त्र-विश्वित सास्त्रानुमोदित । यास्त्रोक्त राखेंगाह

वे घहंचाता। के उसा।

चाड राहकर्ष वर्षीता (व्यक्तिः) कर्राच बहुव्ययी भुक्तहस्य नुटानेवाता ।

वे ग्रह्मवादा। राष्ट्रवादा

गाहकाकी देश सहजावी । शाहकोय चेक (cross cheque) बास बेक नामदेव बेक (धव उ प्र

वि ) रेबिय केक (स म )।

साहामा रावसी वंशवकाली जानवार, बाही !

शाही १ के बाहाना २ राजाओं/बादबाहो/बाहों का ३ उदार, मृश्तहस्त 😽 व्यवस्या (भीकरबाही बप्तरवाही बादि मे)।

पुन बोरी (बनुव की) प्रत्येचा। विद्या

चितिनी १ गुच बोरी (धनवकी) प्रत्यंचा २ किविची चैमक मुपूर,

३ पैजनी। छीमी फली सेम। शिवा

शरी बल सिकुबन सिलवट। रिक्न

दे विकायत १। शिक्षा

पराजय परामक मात हार। गिकस्त र्गिकरत करना पराज्य होता पराजित होता पराभव होता पराञ्चत होता

क्षिन्दी वर्याय कोच / १११

मात चाना द्वारना।

शिकस्त देना दे हराना ।

शिकायतः १ निका पिता-त्रिकवा विक्या तिक्या-तिकायतः

विकायतः २ उपाक्षेत्रः उत्ताह्माः ३ बोपारीपण निवा बदनामी बुराई साधन ४ अरियादं १ कट दुव दुध-दर्व

बीमारी व्यवा।

शिकायत करना १ जिकायन (है ) के पर्यायों के साथ 'करना' बोड़कर,

२ उपासंग/उपाहना देना १ सम्य पर्यासों के सास 'करमा' पोइकर किंदु 'सांसन के साथ 'कनामा' बोइकर ४ छिरसाद करना १ इन पर्यायों के साथ यबाप्रयोग नहना बताना सनाना बोइकर।

शिकायती १ तिकायत (२०) वाला (अँधे पत्र) २ तिकायत (२)

करने वाना (वैसे व्यक्ति)।

शिकार १ बहेद, बावेट मृगया २ बसायी।

शिकारा संबी नाव हाउसबोट।

शिकारी १ अहेरी बाधेटक बहेलिया लुब्धक व्याव व्याधा

२ परइने फैंडाने बाला।

रित्सक १ सम्मायक आवार्य वस्ताव युव टीवर प्राध्मायक मास्टर मंत्री मूर्वरित २ मीसवी कैक्वरार प्रोडेसर रीडर

क्याच्याता ३ प्रशिक्षक।

तिसम् अध्यापन अपना शिक्षा देना वाशीम देना पहाना सिद्याना पदाना विद्यादान अपना विद्या देना विद्याना ।

तिका १ कप्रयम-कथापन वासीन कीया (वैतारि तमारीह में) यहना-सहाता यहाई यहाई-सियाई, विदा २ प्रतिश्वस तिहास व विद्यादान ४ विद्यार्थन विद्योपार्थन इ उपदेश मधीरन क्यार साला शीख।

शिक्षा-परिवर अकारविक गाँतिल एकेटजिक गाँतिल ।

शिक्षाची १ शानिकहरम बीशाची विद्याची २ चेना शिव्य।

शितालय १ विभिन्न पाटबाला (१ ) महाविद्यालय विद्यालय (१ ) माना स्मूल (१ ) २ शिक्षण-वस्त्याल ३ वारण्डमून पुनिवनिटी विश्वविद्यालय ।

तिकावृत्ति अभैवावृत्ति वडीया स्कॉलर्रावर स्टाइरेंड।

# ६० / हिन्दी पर्याय कोश

सकीत साप्तिस जनविश्वान्त्राप्त तासीमयापना पदा-सिवा गिवित विद्वान धिका-प्राप्त साक्षर सूपिठन सुधिक्षित ।

शिक्ट अप्रेटिस प्रक्रिक्याची प्रशिक्त ।

शिक्रर १ कोटी सूत्र २ कॅनरा कलाय ३ संबद सहपा४ मुर्धस्य सर्वचेदर सर्वोच्च सर्वोत्तम ।

शिका षटिया (दे ) चटैया चएकी चोटी।

**जिल्ली** हे मोर।

शियक्तमी १ विका होना अकुरसदा २ वर्षी अपरस्तता प्रसन्ततः (2):

शियुपका १ विसाह्या प्रकुल्मिक २ बुढ प्रपुल्स प्रसम्प (दे)।

शिपका १ चटकुला २ वे कशी।

शिवितः १ डीला श्रीमा निष्टिय गॅचर, नद, नसम मुस्त २ आलंधी अलसयुक्त ३ यका बांड ४ जिसकी पूरी पावदी नहीं जो कड़ाई से लापून को बीसा ४ अप्रिट क्षांता (वानय) ।

विश्विसदा १ डिसाई, डीजापन निप्तियता भवता स्तपता सुन्ती २ बासस्य १ बकान थकावट, शांति ४ (नियम कानून वादि का) कहाई से लायु न होना नियम-सैमिस्य पूरी पावदी न होना ३, भगठिनता बीसापन पुर्वेठितता (शास्य में) ।

गिविहन (looseness) विविभवा (च प्र ) विविभीकरम (च प्र विस्पार्शिय (विस्पार्शिय ।

सिह्न १ कठिनाई, मुश्किल २ सप्तता थोर, तेवी १ मधिकता वयावती बाहस्य।

किताच्या १ पहचान २ तमीक परवा।

शिष्ट १ (से) बदलना/इटना २ पारी पाली बारी।

fire १ कपास कोपड़ी मंड मौति खील धीर्प सिर २ मस्तक भाषा १

जिएक त १ सहमापिता सामा सामवारी हिस्सवारी २ (निसी बाबत साथि में) जाना धरीक होना शामिल होना सम्मिश्चित होगा ।

१ प्रतान/मुक्य/बेप्ठ व्यक्ति सिरीमणि २ मुक्ट (दे ) विस्मीर विरोध्यम ।

छोटी नाड़ी प्रमणी नाड़ी रवतवाहिका नाड़ी। १ मान्य प्राष्ट्र प्रदृषीय स्वीकार्य २ बाहरबंद मंबूर, सावर fittl शिरम विक्रो । ferfia संवीकाये | यहचीय | माग्य | स्वीकार्य । firetora १ वे सिरमीर २ पुत्रामीम विरोदल। १ शतक कम क्रमण नेश निकृत, बृह्छ, बात २ केलपाछ क्षिरोमी बटा बटाबूट, बुड़ा मीलिशिया बेची। **मिरोड**ह के पत्यर। १ (foundation stone) मीच (वि ) बुनिवाद (म प्र॰) सदिव शैसवायम शैसेय। FARET शिलाबीत २ नीव का पत्थर रखना। तिमाम्यास प्रस्तर-नेख विसोक्ति सेख विसिध । १ बाटे कमा हुमर २ कारीगरी वस्तकारी। तितास**य** हे॰ हीर। शिसीम्ब १ कलाकार (उपपापी कला का) २ वारीयर, बस्तकार, तिस्य वारीयरी बस्तकारी। क्रिम्पतीची क्रिक्टी ३ वर्ड, गमार राज राजिमस्त्री तिस्पर सा तिस्पकार स्यापन्यकार । १ हे शहादेव २ गुजन वस्थाय होत सबस गुप्त होमान्य हे जिल्पकार। क्तियी १ वस्यानवारी अंबलमय सीमाप्यमय । Series हे य**लक**ी विवयपुर्वती पास्युनवरी चतुर्वती। रावनंदन १ शिवमंदिर, २ देवमंदिर, मंदिर (है )। विषयाधि शिवालय १ चेंद राजा टेंट तेंदू काथियाचा २ इयात छावनी विकासी डोसी पासकी। fufer! टिवान हेशा पहाब फीबी ब्रमाम । चित्रा जाका पताह बनार चीतवाल सरी (मीमव) ! Infat (मुद्दत आठ वर्ग तक वा) बक्दा बालक सद्दा। fufut हे सराबगुलाक समीवबार समीवबामा कहवीबवाला नेक पूरलेक्षिय जूबीह्य लिन (रे )। firm शिश्म fire

६ २ | दिन्दी वर्षीय क्रोज

यातमीय गद्र भत्ता सरीफ, बादस्ता नालीन शीमबान, संस्कारी संस्ट्रत सम्म सलीकामय समीक्तामा मुपील सुपंस्कृत संस्थि २ मझ बिनाझ बिनयलील बिनयी। बाजस्थामधी नयीज सनायल जासस्तरी सामोनता

तिप्रदेशः श्रुप्रभयक्षाकी समीच सर्गण्यः नाहस्यगि सा निष्टाकार शीम सम्मया सीम्मता।

तित्रदमञ्जल (delegation) प्रत्यानेदन संदस (वि ) ।

शिष्टाचार १ सम्भ व्यवहार, दे सिप्टता (क्यु दे सभी सहब न होकर क्षीपचारिक होते हैं। इसीसिए बीच दिखाना नाटक चैते नक्ष्य भी गोड़ दीनाताबोकक वर्ष में इसके पर्याय होते हैं। २ सादर, इत्यत क्षातिर क्षातिकारी सम्मान ३ सम्बन्धम

तिष्टाबारी १ वे शिष्ट २ (बीवचारिक क्य हे) तिष्टप्यवहार वासा । रिष्य १ चेला पट्टिक्य्य मुरीव वार्ति २ वरोवासी छाच

टानिवहस्य विद्यार्थी विसार्थी।

तिष्यतः भुरीदी तागिरी तिष्यत्व । तिष्याः १ वेतिन वेत्ती पट्टविष्याः २ छात्रा निदानिन

विचारिनी।

सीम १ मनी अविभाव आबु (आबुदोप) खटायट परपट बस्स बस्ती अट से शास्त्राच पुरु पुरु त्यार त्यारा बोड़े ही बिन/ समय मे सत्त्र २, (पति है बिए) आबु (आबुदिविक) निम्न (मिन्नपानी) इत (सदयानी) ३ स्त्रोट (बन्तरों की स्टाइसी

पर प्रयुक्त )। शीक्षणामी बाधुकामी शिवनामी इत्तवामी।

सीमता भाषुनामा कामग्रेस पुत्रवास । सीमता भाषुता भाषुति कतावशास्त्र च्यावसी क्षिप्रता वस्प्याची

भारती तैसी रचरा पुर्वी नेग हुनुवड़ी।

शीप्रतिषिक बाजुसिपिक।

शीप्र १ चहुर, चावर (वेडग्रीट) २ तब्दा ३ तांव पला
(कामक)।

सीत १ ठॅडा बीतन सीतसीहत २ चाका ठंड सर्थी ३ जाका जाड़/सर्वी का मीसम ४ शुकाय शबसा सर्वी १.ठाए, सुवार, पासा।

शीतकाल जाड़ा जाड़े का गीसम सर्वी सर्वी का मीसम हेमंत । शीतक्वर जूड़ी जूड़ी बुद्धार, जलेरिया।

```
बुबबार
```

```
तीतस
               देवा देवा कीत सके।
                ठंड ठंडक ठंडापन ठंडक ठंडापन सर्वी ।
                 देवक, मगुरिका माता।
      शीतलता
                  १ बातनी २ बोटा (molosses) मोतीवेड १ सिए।
        तीतला
                 t dent
        त्रीतीस
                   कृतकृत बीचे क्षीलंकीणं दृशानृश करानुरामा कृतानूरा
           भीरा
                    2 र वीचे के साथ जीने सीने क्यम ही प्रमुक्त ) !
           -Art
                    बोटी लियर (१) २ जीत सिर (१) १ गीर्पक
            171-5
                     प्तः...
टाइटिल नाम (नेरा का नाम कविता का नाम) दीर्प
             कीच
                     क्षित ।
                      मूर्णमा बाट, बाटराम सर्वभेष्ठ सर्वोत्तम सर्वोपरि।
                       १ नग्रता दिनग्रता दिनय दिनयत्रीसता शाहस्त्रती
                      क्षेत्रिया ह
                       नामीनता निप्टता संस्थारिका २ वावरनिक परित्रता
                        वारिजिक मैनिवता गैतिवता पवित्रता (जीसमेन जीस
                         व्याति १ वासिकत्व सतीत्व ४ (सहत्र मा स्थित) प्रश्नित
                         प्रवृत्ति मनोवृत्ति स्वमाय (धर्मनीस प्रगतिमीस मतिसीस)।
                         विना विनावित्रवत्र विनावित्रवत्र वज्ञात्यार व्यक्तियार।
                          वनिनिष्ठ परिपरायणता परिषदा सदी सनी-साम्पी सदी
                 शीलवान् : वरिषवान्, तमीववार जासीन विनम्न विजीत संप्रीत
                शीलवती
                            रुवित सुनीत सोम्य।
                             १ बार्रना रर्गय नुषुर २ कोय।
                            & Pers
                             (छोटी) बॉटन बोनस ।
                     सीसा
                              सुंद (हाची की) ।
                      शीगी
                        ri E
                              हे ताना।
                               ृतीय मणी रैत कीर्य २ सुरवार खुमा १ दे जुनाचार
                        114
                               सीप भीपी।
                       য়্যিশ
                               ४ मुक्तारा १ ग्रामकार (गुरा का मुक है)।
                                ज्या ।
                       शृक्कार
                  ६ ४ | दिली वर्षाय को ग
```

शुभवदी मुहुर्तखाइत सामा। गुर्माचतक बैरक्वाह गुभाकांती युगेष्मु, गुगैपी हितकारी हितांचतक

गुभकारी दे भुग।

शुवकर्म दे पुष्प। (greetings) अधिनंदन (वि भ प्र ) वधाई मुवारक-शुभकासना बाद ।

सीमान्यवाधी क्षिकर क्षितकारी।

१ संकायक यकोतुबद्दा २ घोषा बहुत प्रमः सुबहुर शक्ता (दे ) कर्म्याणकारी शेमंकर, सेमकारी नंगलकारी सुम मंग्रहप्रद मांगनिक सामकर साधकारक सामकारी सुमंबर,

तुड़ीकरम परिवृद्धीकरण परिश्रोधन पवित्रीकरण।

(उप्र)।

बुद्धीकरण शोधन २ सफाई, स्थण्डता। सुद्धिपन (crrata) (न) शुद्धिपन (सन विचय सप) (configencia) भून-सुवार (म प्र ) सुद्धि संतोधन

য়বি १ परिवृक्षीकरण परिवोधन पविजीकरण प्रावश्यित (हे )

सुभवा ३ परिनिध्ठित परिमार्वित परिमृद्धतः।

पाक-साफ, फरिच बिनुद्ध नुचि स्वच्छ २ असनी बारा द्याणिस निवासिस वैभिमायट बारह्यानी (सोना के निए)

मुद्ध 🐧 अकसूप सङ्गित अमनिया निर्मत परिसुद्ध पवित्र पाक

मुदा हुआ हो चुका (वाधी-भूवा रजिस्ट्रीबुवा)।

दे हैंट। स्तर

शुचि १ वे पवित्र २ निर्मेश साछ,स्वच्छ ६ दे सुद्ध ४ सुद्ध हृदयः स्वण्छहृदयः।

(दे) चडना गुपन

रुवामा पक्ष सितपक्ष सुदी। सुरतपत

सित २ जूममा।

मामार कृतकता निवेदन मैक्स सम्पनाद। शुक्तिया १ वयरात उक्क्ष्म जनमा धवन म्वेत स्ट्रेंड (है ) नुस्म

शुक्राचुः वीर्याणु।

काना ।

१ उद्यमा एकाल बैत्यपुर भार्यत्र भृगुसुस २ एकास शुक्रकार्ये

हिताकांती हितेक्छ, हितैयी।

सुनाकांशी दे० मुगलितक।

शुमायमम पुत्रामधीय स्वायतः।

भुमामिय माधीर्वाद भाषीय (दे ) कुमनामशा भुमाखीर्वाद ।

स्बेच्यु है । गुम्बितक।

शुनेषो दे गुमचितक।

सुद्ध १ दे • व्येत २ कांतिमय चयकवार, कांतिमान् चयवमाता चमकोता वयमवाता तेमस्त्री बीरितमान्।

सुपार १ यसना विनशी श्रेष्टा २ लेखा लेखा-ओखा हिसाव हिसाव-विश्वात ।

शुमाल । उत्तर विधा वदीची ।

मुक्तात गुप्तात वे बारेव।

मुख दे आरंग।

शुक्र करना "मुक्र" के नवाँवों में "करना" बोहकर बचा 'स्टार्ट करना ।

कुल्क १ फ्रीम ए जीवकर (ग०प्र) कर (घ्रप्र वि) चूंगी (अ०प्र) कुपूरी १ चंदा वेष्ट्री ४ पविदेव सीमा

मूस्म ।

मुच्या ग्रिवमत दहल वरिवर्या येवा तेवा मुच्या ।

शुष्क १ द नुपा: २ गीरन बीर रसहीन (शुष्क विपय) २ निर्मोही (है ) गत्यरदिस (है ) कहा क्या (है ) सर्वादम ४ सरसिक गाय्यसूद।

कुल्ला भरगता शीरसता बोरिसत रमहीनता कसता स्याह

क्यापन संपरित्ती नुवापन निदाई सीठापन ।

्रमूक १ टूँड सीरा २ वास (अनाव पी) वासी।

शुक्तः १ वट्टी वराह्, भूगर २ शृक्ताक्तार । शृक्ष करणा भोती गारता गिकार येनता ।

गृत्र अंग्रज असून अनुमूचिन जनवानि अनुमूचित वाति चनुर्वे चर्च जनवाति चरिनचिन वाति तेतून वास्ट, हरिवन।

मृष्य १ व्यवसार याली रिशा रीता २ कालाग (है) ३ कारिया (है) ४ विद्या विदुध जीयो नियद गुण्या ६ वर्षेत्र विता विका राहित्र विचन समामाव (सराा-क्रमाव∞मुख व होगा) हीन ७ निरसार निरावसर- प्ति विश्वत्य (उप) प्रधानहीं (विस्प्र) व्यक्षे (सप्र) श्रीत (विस्प्र) तिष्यवाद (उप) श्रीक्षी वितती सम्ब्री कुछ नहीं बीरों नहीं के ह्रायद्वर, सिक्टर।

सूर पराक्षमी वहादुर, घट मस्त योद्धा विक्रमी विकात कीर सूरवीर, सूरमा।

गुरका परावस बहादुरी बीरता सौर्य सुरमापन।

शूरकीर देशूर।

शृपार

्रतुर्प छात्र फटरन सूप।

गूर्पनका पीमस्त्वी नूर्पनका।

करना ।

गुल १ कोंच वर्ष पीड़ा (मुख्यतः) पेटवर्ष पेटपीडा शिष्टमूम सिरोवेबना बातजूमः २ वर्षा मासा ३ विजूत ४ हे कॉटा कष्टक १ वे दुवा।

भूकता १ कवीर, तथी संक्त २ वेडी इककवी ६ कम रेंब सिलसिया ४ करवानी सामग्री १. समित श्रवणी आवति इतार, गॅरिस लाइन सेची।

भूम १ सीम विपान २ चोटी शिवर सानुः

१ रसराव भूगार रस-२ शतकरण बनाव बनाव-चुनाव बनाव-सियार नेकबर सजाबट साम सिवार, दे भूगार

म्यूंगार करना अलंकरण/अलंकुत करना बनवा-रुनमा बनाग-स्थिरमा बनाव चुनाव करना अनाव-सिनार करना अकसप करना सबना सबना सबना-सबना सबना-सेवरना सबाबट करना।

म्प्रेंगी १ मृति ऋषि २ तृत्वही ३ वॉपिकेम्बर ४ पर्वेठ ४ वट ६ विधास ७ वृक्षा स्टाहित ६ सिमी(मछसी) १ हासी।

म्यूयाल नीवड़ सियार । शेक्कांकाली १ नस्पता की उड़ान भरनेवाला बैठ-बैठें यनपूर्व बनानेवासा इवार्ड निले बनानेवाला २ दे भूखें ३ विसर्वता सरारती

(दे) शैतान । रोक्सर १ चोटी (दे) तिखर, जीर्ष (वर्गत सादिका) २ सापीइ किरीट, मुक्ट (दे)।

रोची १ डीय २ लक्ष्य सक्तृबाली कमियान ऐंठ, नर्व धर्मड

हिन्दी पर्याय भोस / ६ ७

दि ) वर्ष ३ शान ।

शबी बयारमा भारमार्ग्हाकर्मा

१ बीय भारता/हीकमा वह चहुबर बार्ते करमा बढ़-बढ़कर बारों करना २ बकड/गेंठ/सान विधाना १ बस्ट बार्सिक वहंकार/अधिमान/वर्ष/धमक करना ।

होत्रीसरङ

बक्दवाद सरह अक्ट भी सविमानी शहरारी ऐंड वर्वीशा अमेरी शैंधमाध, अधिक्य कामियल ।

छापा खंब छौद्र, शाया। धन्तुषित बनमाति । वे॰ तृह । रोडल दाइन

रोड्मूस कारड अनुसूचित वाति। वे सुद्र ।

शंबर १ शंश भाष साक्षा हिस्सा २ एँबीनिवेत शैवर ! ह है जिहा र कविता दिवरणी छंद (वह कारही कविता शर

計) 1 दे चिह्नी। शेरकी

शेरकानी संबद्ध ।

दाड़ी बनाना/बनवाना बाड़ी मुंडना/बुँडवाना इवायत करना/ ETTE करहाना ३

बादी बनाना/नेंद्रमा हवानत बनाना । श्रेष करना

श्रीप १ अवितय्द अवदेष बााया अवा हुवा वाली २ शेपनाम R ) 1 श्चनान अहिरात अहील नाबरान पाननेश फपीन बागुरि छैप

सर्वेशय राष्ट्रपतिहा।

शैद्यणिक जिल्लाम का/विषयम/संबंधी ।

शैराचिक महेवा (academic qualification) विश्वतक्ष्म (म ४) । (academic year) अधिक्य वर्ग (म॰ म॰) शिमा वर्ष

र्राप्तिक वर्ष (Z+ H ) !

मकार्याय एक्डिमिक भिशा का/विचयक/एक्सी । ri Care

शैकाम १ मजारीम प्रवर्शीय विश बानव विगाप राशत २ मर विज्ञाच १ इप्ट पात्री बदमान शरारती शरीर, हरामी ४ चंदम मरगर बरासी गरीर।

र्ततानी : इच्टना नटचटचना पात्रीयन पात्रीयमा बदमाशी संपादा रूपमीलका **।** 

के जिल्लिका

## ६०८ / हिम्ही वर्षांव कोस

शैंदा अनुरस्त आविक जासक्त चान छिड़कने वाला मुख्य सट्टू।

रीदाई काजिक प्रसी (दे ) :

रौया देसस्या।

शैल अक्रियर्वेत पहाइ (दे ) शूसर ।

मोसी भास बंग वरीका तब पढाति परिपाटी प्रमासी पीति विक्रि स्टाइस ।

रीसेंड नवपति नवराज नवाजियान पर्नतराज हिमानय (हे )।

हीव १ विवारणक धिवपूजक विवयनत विवयनमि २ विश् का/विपयक/संबंधी।

रीबाल श्रेवाम सिवार सेवार, कार्ड।

रीयामिनी हे नहीं।

शैक्षक सुटपन सुटपना धर्मपन बचपना बाल्यकाल बाल्याबल्या

सङ्ख्यन। शीक अंतर्गावा सम्बद्ध है । एक वेदना सत्तर्ग।

शीक अंतर्राक्षा सम्बुख (दे) रेक वेदना सरापः। ग्रोकासुक कोणवस्य सोणसम्बद्ध योजासुर कोकाभिमूत सोकार्तः। वैश्वति।

सीस १ डीठ घृष्ट नटवट सराप्ती (दे) २ चंचन (दे) चपन १ यहरा जाड़ा बहुत याड़ा (रंग के निए) ४ चमक-धार, पड़कीला ।

शोकी १ डिटाई-बृष्टना नटकटपना बच्चच बैतानी ९ वचनवा

(दे ) जपमता । शोषनीय १ खराव (दे ) वितनीय चित्र्य दयनीय दुवा दुरा कोष्य २ विचारणीय विषयमैं।

शोचित देखन।

सीय भूनना यरम सूबन सोविश।

शीध १ अनुसंधान अनीपण जीन शीमधीन गरेपणा रिसर्च २ स्रोत कुँव तसाम १ शुद्धि शोधन संस्काद सुधारनाः।

योधन १ वया चाच चुनाम पुनवान प्रतिकोशन (व प्र वि ) प्रतिकंत्रसाम् (व) शंदर (वि ) २ वरिसुद्रीकरण परिकरस करण विद्युद्रीकरण पुरतिकरण शाक करना १ परिकार, संचीधन मुखार है योधन करना

सोबन करना १ (to cicar) बचा करना ऋण पुकाश पुकता करना

हिन्दी पर्याय कोश / ६ १

```
शीर संचाता
```

नोधनां

चुकाना प्रतिकोधन करना (उ. प्र. म. प्र.) प्रतिसंदाय रूरता (वि ) सीटाना जापस करना सवस करना (वि ) परिपूर / परिएकार / विशुद्ध / गुद्ध करना विशुद्धीकरण ३ ठीक करना परित्कार करना संसोधन करना सुसारना

१ हे कोयन करणा २३ २ मुहुर्त निकासना सुममुहुर्त मुझार करमा । सारत निकासना सामा निकासना। शोधना

रिसर्व वर्गन सोधपत्र ।

डिमटॅबन चीसिस रिसर्च चीसिस। शोगपशिका शोपप्रबंध

अमुसंबाता बनुसंधानकर्ता अन्तेपक बन्तेपकार्ता योज इत्नेवासा होप्रकाम/छात्रा रिसर्व-स्कॉलर संघानेच्यु। कारवासक कारवास्वर ब्राह्वर मोटरवासक मोटरवासक। शोधार्थी

१ बाला २ नाम हिस्सा १ हिम्सूरेमेंट विभाग। े जीवत मुनामित २ अच्छा आकर्षक मनोरम मनोहर शोक्रर होबा

इचिर लानित लोगापुनत बीयुनन सदर सुपड़। शोसन

शोमा : १ प्रवप्ती छटा छवि वृबरता (१ ) गुणमा सीवर्ष शोसनीय

२ रोजक समयम समायट है काति बमक शीख। नुबनुरती म चार बोर सवाना चार बोद सवाना शेमक क्रीमा बहामा

सक्रीय करना सुनोधित करना। १ शीतकमञ्जरीत विद्यासमान शामित (है ) गुनौमित रे शोविन शोहना हुवा १ नुबर (१ )। शीमायमान

१ हे जीजायबान १२ २ जनहरू प्रूपिन महित

विज्ञित विमेडित महित्रन सुन्तित्रत । १ बीवरीय बीबबीय बालाहम वर्षमन्त्रवेन पुमयपाका विस्तरी विस्ताहर, ववा शर शेला मारपूप गार सरावा हैवामा हत्ता हुन्तर हुन्ता होहन्ता होता २ ब्यारि शीर बर्बा पूत्र नाम प्रनिद्धि (द ) ।

e wire t शीरी बनामा हुट करना। शोर-गृस

बूग शोम तरी रम रमा नृपः। १ विश्वती करता मिचाना ज्ञाममान निरं पर उद्धाना प शोरगुन वदाना

६१ | दिन्दी बर्वाय क्रोस

सिर पर जठाना परकता यर्जन-तर्जन करना विभावना विकासना वीक्षमा वीक्षमा-विकासना वेन्स्न करना कहावना कहाव मारणा मध्यमी बाजात वजा वेगा हुन्क महिरियल कोय-वीक/वीज-कोव देगा/दीला करना चोर-पुन/कोर सरमा/कृषणा/क्रमा/कृष्टक/हुक्ला/हो-स्त्वा करना कोचा हुल/पुन-प्याव/विकासकी/कृषणा यथाना थी २ सीटी बताल हुन्न करना।

शोर-शराबा दे कोर।

शोरा बाद सोडा सोचा संस्थीबार।

द्योसा भपट।

योगा १ मोक (बैसे उर्बु के सकरों में) सिय २ सब्सूत/बनोबी/ विविश्व वात १ टोही/टटोसी बात श्रीकर (श्रीकर छोड़ना में प्रयुक्त) संस्पर्धक।

छीपक १ (हुसर्पी को) श्रील करनेवासा जून पूसनेवासा (हुसर्पे को) पूछनेवासा परबीबी परबीपी २ सुखानेवासा स्रोजने वासा।

मीएम अनुवित नाम उठांगा एक्सप्साँहटेसन एक्सप्साँहट करना

(दूसरों को) सील करना (दूसरो का) चून भूसना (दूसरो को) भूसना परोपनीविद्या।

शोवस्करता दे वीपन।

शोधित पूर्वित-वित्त पूरा हुआ वितित परोपवीविका का विकार, सासित (वर्ष)।

शीह्या १ जावारा पुता पानी वदमाश अरुंगा २ सावार प्रपट वरिकास्ट संपट व्यक्तिवारी।

शोहरत स्थावि नामनरी प्रसिद्धि (दे ) मसहरी (दे )।

शील १ चाव पर्धवनी प्रवस साससा बहुत पर्धव होना रुपिः २ चसका स्पतन ३ समाच प्रवस्ति रुपि।

शीवतः है शायाः

शीक क्ररमामा - (रिसी चीज का) द्रपमोप/मोग/धौक करना ।

शीक से जुजी से बड़ी जुजी से प्रसम्नतापूर्वक।

शौकिया अध्यानसामिक कप से कैवल तीक के लिए, हॉबी के रूप सें। श्रीक्रीन धमनीवी

सीक्षीतः १ फ्रेननपरस्त फ्रेन्डन करनेवाना २ सन्त्री/पूरसूरत/बहिया वीक्षीत-मिन्नास्त्रः वीक्षीत्र मानक्षी/स्वसमी १ छेन-क्षीता छेनांविवनिया सङ्क-महक-महक-महंद बना-उना रहने वासा।

शोक्रीभी १ फ्रीलमपरस्ती फ्रीलम करन का जीक २ सहक-महक-पसंदी छैन-स्त्रीला जने रहने का जीक।

शीच १ टट्टी पाएमम सैवान सैट्रिन २ मकरमाय ६ पविश्वता अभिवत सुकता ।

सीर्व पराक्रम बहादुरी कीरता (के॰) जूरता।

शीहर दै+ परि। इसकाम अरबट (दे ) मुर्दापाट, महान।

रम्यु बाढी बाढी-पूंछ गूंछ।

श्याम १ काला (दे∘) स्थायक स्थिता २ (दे ) इरण्य १३

रेपामता क्रमणापन कालापन कालिना कुण्नता नेपनता स्वासनता स्वीयनापन।

श्यामचद्द वद्वा-स्थाह्, व्यवशोर्व ।

स्थापल कवरारा नाना (है ) कुण्य मेचक सांबना ।

रदेन १ वाज २ सिकरा (पद्यी)।

वयोरिकी १ समानत २ जमानतवार।

মহার্মান (tribute) তারে-ব্-লগাবত প্রা-বুল প্রা-বুদদ নিজ্ঞাব (ন ম ) মহিন্যাব (ন ম э)।

भद्धाः १ सावर जावरजान निष्ठा भनित श्रदामान सम्मान स्त्रेहमात २ विश्वाद (दे ) भनित्राव ।

भद्राम् १ मारपाणान् निष्ठासान् धदासान् २ विस्थासी धदापुरतः। भद्रामान् दे सदानः।

चडेच बाहरणीय बाहरास्प्रह पुत्रशीय पुत्रास्पर पुग्म सदाबोम्म

चक्राराण समापुत सम्मानिय। सम १ अध्यवसाय परिचय मनवणत मेहनत संबर २ उधय उद्योग बीह-मूर १ वोशिश प्रयत्न, प्रयास गरन।

भवकरमा है परिश्रमकरमा। (बहुस)

ममरायाम (isboar welfare) धनहित (दि+) । यमजीवी है मनपुर मोर शनिक।

६१२ / द्विन्दी पर्याय नोब

मनम बीज भिन्न बीज संन्यासी बीज साम ।

समसास्य कठिन कठोर, कड़ा परिधय-साध्य सहतकती मुक्किस।

समिक कर्मकर कामकर, कामयार बेलवार, मबबूर (वे ) मेहनत कश लेबर, सेवरर, समजीवी।

सबस १ नर्भ कर्नेद्रिय कान श्रवणेन्यि सृति शृतिपम २ सनना श्रवस करना।

भवपीय दे बोनव्यः।

भवपंतिय हे शहरा:

भवपात्रय व भवपाः

भौत क्लोत टूटा हुआ परुकर चूर, वका यहा-मौदा यहा-हारा यका हुआ पहिला निवास परिकास परियोध पस्ट विश्वित विश्वित निवास क्लाम ।

माति १ (rest) आराम विचान (उ प्र स प्र)
विद्याति (स प्र ) २ क्लावि चरून यकान यकास्ट,
परिकाति विद्याति वैद्यानः।

माञ्च भाविम इत्य बाँविम संस्कार, पिक्सन (ब्रह्ममोबादि) ।

भावम सावन ।

थी १ वनाव बीमान् बीयुव २ कस्पी (१ ) १ ऐरवर्ष धन-धान्य धन-दोलत धन-दीवव देपव संपत्ति सपन्तता समृद्धि ४ बामा कृति वमक तेत्र बच्चता १ दे

धूंबरता । मौकांत वे विष्य ।

भाकात व ।वस्पु

भीइप्त दे इप्य।

मीगमा दे आरंगः

भीषर वे विष्णु।

मीनियास दे विष्णु।

भीपति दे विष्णु।

भीपन विस्त वेशक्स।

भीमत १ श्री सीमान् सीमृत २ सी (२४१) पासाः। भीमती महोत्रया मृहतरमा सैंडम मोहतरमा सुभीः

भीमत्, भीनद् श्री वाला (श्रीमद्भायवत्)।

भीमान् १ बनाव महोदय बीयुक्त सर २ बाप तत्रभवान् हुनूर। भीयुक्त अीयुक्त वे भी १३ PETER

हेम्बरं नृष्ठि विभवनृष्ठि शत्मान्यवृष्ठि वेशववृष्ठि समृद्धि भोववि बाजा रहित बातिक्षीन निष्यम निस्तेव प्रभावीन प्रीका ! বাৰ্তি वर्धन के वृद्धि। १ कर्षयोगर, सर्वाष्ठ गुना हुआ २ प्रसिद्ध (१ )। (dictation) अधिरेशन (वि ) बासेय (म प्र ) दममा -रिहरी १ कमें कचौरिय काम २ बाजम-निजम निजम बेट व्यव डिक्टेशम १ ज्ञास्य है सक्त्याह बनमृति सबर। १ (category) केरेवरी कोटि, वर्जा प्रवस प्रवर्ष वर्ष २ (class) क्ला क्लाम वेड दर्ज स्टेंडड ३ (division) क्षेत्र । विविचन प्रयान (स प्र ) संबस (स प्र ) ४ (rank) ब्रोहरा यह कि १ बावमी पीरत साहत ६ देव ग्रंबसा है अपेटर र सक्छा करवाण संयक शुन है समें युव्य ७ दे स्विति। १ अण्डा कृत्याणकारी सामग्रद मंत्रसदापक सामकर, सदाबाद, ४ मृश्ति (हे ) मोता। कुमंकर २ शक्त उपपुक्त करमीय मुनासिक संघत । े ब्रीशीय अनुषय उत्तर बत्तम बोस्टडम **बेदावर** हुईसेट हवॉडब हवॉतम हवॉपीर २ महामहिम। बहिनीयता ब्राइन्टता उत्तमता बरेम्यता सर्वोज्यता नेव्ह ह बेव्ह। क्षेत्रहम १ कटि, बसर २ बस्हा ३ बूदह निवंद ४ वटि रुद्धा बेव्हरी सर्वोत्तमता । श्रवजयोग्य श्रवजीय श्रम्य जुनने योग्य मुजने सामक । सोर्गिक शितंब भाष । श्वमनतां जुननेवासा । रमायनीय : क्रांविक शारीज्ञ, वारीज्ञनायत्र प्रतंतनीय प्रवंतायीय बोतस्य श्याच्य तराहुनीय स्नवनीय। मुख्यान वारीत्र, प्रशंना (दे०) सराहना । हे शमायनीय । ६१४ | दिली वर्णत कोस

१ दुसर्थी बन्धर्वी स्लेपयुक्त (प्रयोग) २ प्रत्निप्ट विसप्तः । स्तिनव्ह (भाषा) सामासिक व बासियित परियमित । वसीयक यनिकटाइधिम क्रीक्षनीय हायीपाँच ।

रतील शासीन शिष्ट सम्ब (प्रयोग शब्द)।

स्तप १ ओड़ मिसान संजीय २ क्रिअर्थक शब्द बहुमर्थक शब्द ।

रसेप्पर क्छ, बलगम । を利用を १ द्विपंक्तीय छंद द्विपंक्तिय पद्य (प्राय: संस्कृत में) २ प्रमंग (रे) यद्य कीर्ति (पूष्पस्कोक) ।

संत्रज चौडाल डोग । स्वपन

बबसुद समुद्र।

श्वाम-त्रिया श्वाम प्रश्वास श्वास-प्रश्वास त्रिया श्वास-रवसन निजवास बवास-निःश्वास विया सीस शाला-वाता साँस समा-निकासना ।

स्वात दे दुत्ता। रवास १ वम साँस २ वमा स्वास रोग हुँकनी हाँकने का रोग। १ बन्धस्थल स्वतन स्रोता गुस्त सुझ सक्नेवः २ सिव प्रकेश भवदान उजना धन्त्रका स्पष्टमा है गोरा बोरा-चिट्टा योर वर्षे साक्ष, बीरांध विदया।

न्हाइट पेपर। श्वेतपत

प

वंद छ:छड़।

बर्पर (प्राय- नर) भौरा (है ) भ्रमर, हिरेफ।

पदराम वे पहराय।

पंदानन कार्तिकेस (१८) पणमुख स्केश।

षद्यंत अभिसंधि कृषक कृटयीजना पुष्त योजना जान बुर्रांभसंबि स्रोपासाजिका

कुर्मा/बहुदा छोदना आस विकाना । यहुर्वन के पर्दार्थों में पर्यंत्र रचना रचना' जोडकर बन्य पर्याय भी बन सकते हैं।

घटरांग संसट समझानासट, समेशा टंटा पणका प्रपंच षदराय

क्रिन्दी पर्याय कोश / ६१६

बर्वेडर बनाण वर्षेड्डा लगाना स्वाल पट्यान।

ध्यमुख कार्तिकेय (है ) यहामन स्कंब ।

पव्टि तीन भीसी चाठ।

यय्क छठा छटवी छवी।

यच्ठी कडी/कठ। वाच्यांतिक छमाही यटमासिक।

योदय स्रोतह।

बीडसी शब्दणी मनपुष्ती नवांबना नवेसी।

#### स

संकट १ जापति खाफत नाइधिस परेशानी मुसीबत विपत्ति विपता २ कप्ट नमेस तकनीक हुत १ ज़तरा।

संकर १ मिला जुला मिपित (वैसे शब्द वीज वादि) ए कम समस्य आरश्च बोवला धीलड़ा रमवमा रामजना हृपम

वाबा हरानी (सतान) । सँदरा वसा चुस्त तन पतना संकीर्थ संदूषित संवेता सौकर,

संहय ।

र्सरर्थन १ धीच निकामना २ वे बसराय।

संकतन मञ्जूबा र्ववह संचय र्थनयन समुज्यय (वेश काव्यसंकतन यदसंकतन)।

संक्रीततः इत्युटा प्रेम एकमितः एकमीकृतः संपृद्दीयः संवितः समुक्तियतः।

संकार १ इतावा कुष्ट निरुष्य युद्ध शंक्य प्रमुख निरुष्य प्रमुख निरुष्य निरुष्य हिता निरुष्य विकार वाचा दिवार वाचा प्रमुख प्रमुख्य प्रमुख्य विकार वाचा विकार वाचा विकार वाचा विकार वाचा विकार विकार वाचा विकार वाचा विकार वाचा

संकार करना कृता साहर बहुना कोल करना ठान तेना प्रण करना प्रतिक्षा करना बीड़ा छतना स्वत्त देना व्यवस्था होना क्षार/व्यायत करना व्यवस्थ लेकर बहुना अवस्थूपैक नहना ह्याय छठाकर कहुना।

# ६१६ / हिन्दी पर्यात क्रोज

```
संस्मय-विस्मय
              वे पुनिधाः
              (faculty) विशेषाय (ठ प्र ) निकास (म प्र ) फ्रीरप्टी
      सकाय
              द्याचा (पि )।
      सचीर्न
              १ बनुधार संदूषित क्यांना शृह्य वि ) छोटा वे सेंक्छ ।
    संबीर्पता
              १ बनुबारता संदूषितता २ बोधान कमीनापन सहसा
              घोटापन ३ संकरापन।
     शंकचित
              १ अनुराद, संशीर्ग २ कमीना खुट छोटा १ वे सँकरा
              ४ वंग निकृताहुबा ६ सेंपाहुबा श्रमायाहुबा सन्त्रित
              रमेंगार गरिया।
       संस्त
              १ बाडीमें खबाबब बना मराह्या बनाबीय बमयट
              बाका बीड चरा बीड़-बाड़ बाला बीड़बाला २ दे समूह ।
              १ इपित इसारा निर्देश सियनस २ सॅम-केप्टा काविक
       सरेत
              संदेग ३ आसार असामत विद्वा पहचान शक्तम ४ विद्वा
              योजक, निरान पहचान बीधक सुचक साहन १, प्रतीक
              स्विकः ६ सुनाव।
      तरेवक
              विक्रम द्वीपर निर्देशर सुरक।
              धोवित निर्देशित मुस्तित।
     संकेतित
      शकीच
               १ हिमन हिमकिमाहर २ शमधंदत दुविहा (१ )
               दे सब्बा साथ गर्म गरियपी ४ खबास मुस्बन सिद्वाब

    श्रीवाद वनाव समुचन मिनुइना।

              रतरानेवाला मेंपू, भरवाल सरवारील तिहादवाला
     सकोची
              शिहाबी गर्ने-विहाब करनवामा धर्म-सिहाबबामा धर्मीमा
              संगोपगील ।
               १ (छ्तह रोम का फैसका) संदूषण सत्रमण संसर्वेत्रम्य
      शंक्रमण
              प्रसरम स्वर्धेत्रन्य राग-प्रसरम श्रीवरपः २ पारमन पार
               मदन (बि ) यात्रोत्तरयमन (बि ) ग्रॅशांति।
               (transitional) शन्तःकासीन (वि॰ म प्र ) संत्रान्ति
सम्बद्धातीत
               कासीय (वि )।
               पारनयन ग्रुम्बः (बि.) ।
  संबगनगरक
               छुतहा संवरपानि सेवारी संसर्वजन्य स्पन्नजन्य।
     संकानक
      र्शकिया
               (operation) कार्य (च प्र+ म म ) निया (च+ प्र
```

धारपा निश्चम प्रश्नम संप्रहत्त्व।

संबन्धना

सकयाना

संख्या

द्विनी वर्गाय कोश / ६१७

```
र्शनिहरू
```

```
affere
```

١

वि म प्र) कार्रवाई (वि) कार्यवाही (स प्र)

् बल अलीहर का काटा-छीटा हुवा घटाया हुमा संकार्य (घ प्र)। बोड़ा अपू रोहापित सूहम २ अस्पनातिक अस्पनातीत।

 बलिय बस्पीरत का काटा-छोटा क्य बटामा हुवा क्य बायजर इनीतियम संशेपाधर। क्राध्यनक्य संशिक्तिक्य २ निष्वयं सार,सारतस्य सारकृत। बस्पन बस्पीकरण सधीकरण संब्रियोकरण संसेपीकरण सींशया हस्तावर

संद्येपण बोड़ में सुदोपतया संक्षेप मे वारत । सारीकरण ।

हे समित्र हस्ताबर ।

श्चीप्रविष ग्रुविष ग्रुविका । १ अवस मन २ ताबाद समना निमती मुनार तेतेवा**स**र संख्या rieu:

नेवर संख्याक हिंदसा ४ कमलेट्या कमोक । है संबंध संबंधि सबन्धाय साथ साहबर्य सोहबंद २ संबंध हमर्व व स (सरारव) समेत (सामान-समेत उत्ते बाहर देव हो) वह (तहबर) वहित (वरिवार-सहित झाम है) हम

(हमगडर -गडर में तंत्र हैने बाला हमगड्-पह में हेन

१ अधियक् होतिसम्बद्ध विभागतिहरूमा) परियक् हेरे बामा) ४ वत्वर (हे )। (अनुसंधान-परिषय) संदल (राष्ट्रसंदन) युनियन जीन (मुश्तिम बीप) संघ संघटन संसद संस्था संदृति सना (इयह शमा) अमबाय समाव (बायंत्रमान) छोडाहरी

२ वटन बनावट रचना विष्यांत संबदना संयोजन संस्था है एक बरता एवता एका मेस। शुक्ति एकीकृत संयटिन नुष्यवस्थित सुसंयित।

१ हे संग २ जीवत १ तकपूर्व छडेलंगत बुजिनंगर मुन्यत ४ प्रसंवानुकृत प्रमंगावित प्रामिवक । I SPIPSP

१ हे संब २ (affiliation) संबद्धता (क्रेंग्र म प्र ) प विक) नेत्रणाता (व प्र ) संयक्ति (वि ) मुसंबदता । संयवराश संयगि

कूर जानिम बन्बर्रिक प्रान्तिहरूव निर्मम हेररे हेरह

दृश्द ∤हिन्दी वर्षीय कोश

श्रीताम निमाप मेल संयोग संबंधि शिवेची २ नशीof tear o संगमरमर मार्वेत । संयमर्पर सगर रे सराई। संगरोध एउटी संगरोधा-धनकाय (उ. प्र.)। संगामे दे सायी। सर्विनी १ सको सहेको २ जीवनस्विनी पत्नी हि )। रे माची। लवी संगीत १ पायन-वारन-नृत्य कता मीसीकी स्पृत्तिक २ गाना यायकी बायन । गंधर्वकसा यंधर्वविद्या संबोद कसा शंतीनज्ञास्य । सगीनक क्यन नेवर्ष वर्षेया यायक सायकाकार्य वायकाकार्य । संवीतचारत धमकंकिता । सपीन १ बैनेट २ बनाबारण कठोट, विकट वंबीर (अपराध)। एकतित एकत्रीकृत ध्वीकृत संकतित संविधत संवित। संपृष्ठीत मधोस्ती (seminar) मोप्ठी परिसंदान (म प्र ) विचारपोप्ठी (प्राय सभी) सेमिनार। संबह १ एकत्रोकरण सकसन संचय समुख्या २ वर, हेरी पुत्र भंडार. राजि समझ । संगती। संप्रहानय म्यविषयः । संपास दे समार्थ। संबर्शीय संबाह्य संबर्शन्यायः संद हे संगठन १। संपद्धक के भटका र्सपदम देसंगठन १२। संवर्ष १ वर्षेत्र विसना विस्सा स्वत् संवर्षेत्र २ कसमकश्च वहाँ बहुद स्पर्धा रे दे अहाई ४ वहामुनी शहरा ६ दे ब्रॉट र पर्यजात पर्यो पर्यथातात । संपर्वी संपात १ मानात चोट; २ मार कामना का इत्या (सांवातिक) ३ समस्टि समूह (है ) ४ डेर(है ) डेरी । बौद्धयठ विहार। संघाराम

**T**U

नोत १ संस्थान एकपीकरण संग्रह समुख्या २ हेर हेरी पूंत मंदार राशि समह। rie a (accumulation) visites ! संग्रहणील संग्रही संग्राहक संवयणील। संबार : (communication) संबाय-संबद्धण (म प्र )। संबदन (director) निवंशक (गामी) निवंशक (म प्र॰) चरि बासक १ विमर्शक विशासिक १ कर्गमार सुनमार १ कार्य-वंपायम (वि ) निवेशम (समी) निवेशम (स प्र ) ४ क्ली-बर्ज सर्वसर्वा। परिचासन २ विमार्शन विभावतेन । इस्ट्रा प्रम प्रमित संबक्षित संपृष्ठि आस्तित (वि०) क्राइस १ संविका वंत्रीरता वांसीय सांति संपूत्रन संवति संवम संयम उपवित (काइ उ प्र )। र्शकत संबोदमी शीनता सीम्पता।

मंत्रीर, मर्वाराबाधी सर्वाधित कांत संतुत्रित संघत संघन शीम खेबनित सीम्य। क्षीश

ह करिने हेब तिरिक ध्यापतिक इस है रचना समाना स्वाना २ तथीव से या चैमालकर रखना । संबोधा अभिग्रानवासा नामवासा संग्रावासा ।

१ अधिमान लाच्या नाम २ वेतना ज्ञान होत होस संस्क बचेत अपेतम्य चेतनारहित ज्ञानहीन देहोच ग्रुन्सिय संहा इवास ।

अवैतत्त्वता वेतनारहित अवस्था/स्थिति वेहोसी पूण्डी पूर्णी। संसाहीन संज्ञाहीनता

तवहा धमपूतर, सुन्देश बृत्देश मोटा-दावा मोटा-धवड़ा ह सोड। संबं बीवन्ता हर्टानर्टा ह्व्यनुव्य ।

गुड़ी दही पाणाना बंपुतिन सेहिन बोबासय। े जापि जीनिया तपायी तापस वरियानक इन्हीर वैरामी वनीची प्रहारमा मुनि यनि वोची बीतराव विधानी श्रीहास बैरावी संम्यानी साबु नायु सिंड निड-महात्मा २ त्याची। जेन

६२ | हिली वर्गर कोस

१ नविश्व अविरम निरंतर, बराबर, मृद्याविर, म्सससन

लगातार २ वे हमेला। संतिति १ अपत्य आस-बीसाव श्रीसाव वाल-वच्चे सहके-वाले सैकान २ प्रका रिकाया रियामा।

संतप्त क्वी (वे ) परेवान (दे ) पीविस (वे )।

संतरा अर्रिय नारंगी।

संतरी जीकीयार, हारपास बीवारिक पहरेवार प्रहरी।

संतान मपर्य दृश्यूच माल-भौभाद जीभाद वाल-वच्चे लडके-बासे संपत्ति ।

संताप रे पुषा

संदुलन (balance) वास-मैश वैसेंस समतोशन (वि ) समरसता।

संदुक्तित शासमेन बाजा वैसेंस्ड सामरस्वपूर्ण।

संस्थ १ बातुप्त भारमतुष्ट बासुदा कृतार्थ तुष्ट सुप्त वोपप्राप्त परिकृष्ट परिकृष्त संतृष्त २ अनामा हुआ छका हुआ जी भराह्म इंच तृत्व पिछुच्ट पेट भराह्मा मन गराह्मा चंद्रप्ट (जाने के प्रसंग मे) १ जुध प्रसम्म मान प्रमा।

संतच्य होना 'संतुष्ट' के १ २, पर्यायों में 'होना' बोडकर इसके पर्याय बन सकते हैं और इनके विदिश्त कुछ बन्य पर्याय हैं क्सेजा डंडा होना क्षत्र होता जी/मन घर जाना रखामंद।

संवध्य भारमधोप जारमतुप्टि भारमसंतुप्टि, भारमसतोप इतमीमान वसस्मी तक्ट वर्षित वोप परिवर्षित परिवोम स्रांति र्वतोप ।

संतोप १ दे शंतुष्टिः २ शीरण वैमें बाइस सब सांत्वना।

संबस्त १ बार्शकेच जीक्ष्यका जनरामा हुना करा हुमा जस्त वह्मतक्षा बहुमत में भगापुत्र भगापुर भगगीत भीत २ आशंकित चितित परेवान अवकृत ३ दुवी पीढ़ित श्यक्तितः ।

संगाध १ आर्थक क्षीक अवराहर हर, बहुकत भग २ विदा परेतानी व्यानुसता १ दुख पीड़ा व्यापा ४ बृतरा र्षक्ट ।

संदर्भ प्रकरण प्रसंग निषय पूर्वापर संबंध। प्रसंवार्थ। है अर्थ।

संदर्भार्व

संबिक्त थेरेबेबामा श्रीनिवत मास्त्राबाना, शटकेबासा विश्व क्रमामा सकाधवहेवाला गणहेवाला सरहपूर्व सदेहयक्ट <del>र्वदेहनासा संदेहात्मक संदेहास्पद सञ्चयपूर्व संस्थामा</del> सचयपुरत् ।

(ambiguous) क्लेकाची (स प्र ) कस्पट्ट (त प्र ) चरिकार्थी इयर्च (स प्र०) इयर्थक (राज० उ० प्र० कि ) इयर्ची (स प्र∘) बहुबर्धी ३

कटेंकी दक पिढारा पिटारी पेटी बक्स बक्सा बॉनड संबुक श्रीक्रदेश चंद्रकवा सहकवी शहकती सुरवेश ।

१ तुबर धरेशा सवाय समाचार सुचना २ हास मंदेगा इतिवासे ह

संबेह दे शंका। सरेहदुर्भ दे संदिग्धः

संप्राप्त १ अनुसंधान अन्येपण योज रिसर्च कीय २ प्रिसाना होडन सवाना (शर-संहान-धनप पर बाच रधना) निकामा बैटामर निकास समाना निकास कारामा सहय सायमा ।

र्मीरा १ मैन सेंबोव समझीना सुमह, मुमह-सक्काई जुलह-सक्रि २ (श्राधिरस्य) बाँठ वींग जोब (वैधे स्थियात न) ६ बोड विसान ४ (वीविक सब्दो में होने बासे) व्यक्ति-परिवतन क्याबनिक परिवर्तन शक्ति (व्याकाम और मापादिज्ञान म) १ नादवसंधि।

संदर्भ १ हे माम २ प्राप्तस्मेद्रशेषाममा सद्या-दायणी संदर्भ क्राचेंना सम्बोपासन सहयोगातना ।

संस्थातः वद्वत्याय अतुर्वायम प्रथम्या वनिवास वैशाया ।

संस्कृतिकी बागम बोबिम बोबिमी मपरिवरी तापनी दशीहन सपुबादम नायुनी ।

चतुर्वाधमी वती योगी तपसी तपानी तापन परिशायक र्लग्यासी पाराकरी अनीर, बैराबी मुलि यति यसी योगी बीतरावी कत साथ गाथ निक्र।

अमीत-सामशास बागीर पाधवाद बीतत धम-बीमत धन नंपरि संप्रति धन-सपदा भ-गनति निवित्रपत विश्व वैश्वव सरमाया ।

संपदा दे संपत्ति।

कपन्त समीर, बौसदमव धनवान धनाव्य धनी (वे ) संपत्तिसासी

सरमायादार ।

संपर्ते १ तास्मुक वास्ता संबद्ध संसर्व २ घेंट मुताकात सामान्यार।

संपन्न अधिकारी साइवों वाफिसर।

सपादकः । एडीटर पत्रकारः।

तपारकः । एकाटर पत्रकार।

संपादन १ पत्र-पत्रिका-ध्यादन पुस्तक-ध्यादन धंपादन करना पूरा/पूर्व करना (कार्य-ध्यावन) ३ ठीक करना दुक्स करना धरोजन करना युकारना सुधार करना (बीसे यादू मिषि स्थावन)।

संपुद १ कदोना दोना दोनी दोनिया होच होपी २ सप्पर।

करम/पूरी/संपन्न/संपूर्ण/समाप्त हो गई) । संपुषता पूरी तरह से पूर्वत पूर्वनमा पूर्वक्षेण सपूर्वतमा ।

संपुक्त जुड़ा हुवा मिभित संबद्ध, संपुक्त सलाम।

सेपोसा १ पोबा पोना २ जससर्प कोइड्डा।

संप्रति अधुना अभी आवश्य इस वस्त/समय फ्रिसहाल वर्तमान मे वर्तमान समय में हाल-फ्रिसहाल।

संप्रदान १ चतुर्वी (कारक) २ देना प्रदान करना।

सप्रवाद कमात स्थला फिल्का सेक्ट।

त्तप्रदायदाद क्रिस्कापरस्ती।

संप्रदायबादी क्ट्टरपमी क्ट्टरबादी क्रिएकापरस्त संप्रदायिक। संबंध १ मधर्म नाता मातेदारी रिस्ता फिलेवारी हिस्त

```
dala
               २ तबस्पुक तास्पुक शतसब सनाव बास्ता संपर्क
                सरोकार ६ केना केना-देना (बनसे हुमें क्या केना-देना)
संबंध म रखना
                 ४ ब्याह, विवाह सावी ४ पट्ठी (कारक)।
                 न उसी की तेनी न साथी की देनी सेना एक महेना थी।
                  सर्वस्रकोतक समझसम्बद्धः।
   संबंध न रखना
      HAUSTER
                   बुड़ा हुआ मिला हुआ संबद्ध संसन्त ।
                    र गाँउवार रिमेटिव रिमेबन रिम्लेबार २ की बावत के
                   SHIE I
      संबंधिक करेड
                    बारे/विषय/संबंध में विषयक १ बारमक (विश्लेपारमक)
          staffere
                    परक (अमितपरक समीदपरक) मूलक (हिम्बीमूमक
           संबंधी
                     समस्यापे)।
                     हे संबंधित।
                      पाचेय सहारा (हे )।
                       १ समायोजन सप्ताई २ वालन योगण।
              संस्थ
                       १ मुमरिन जनम संभाष्य समामित २ उत्पत्ति जन्म।
               संबस
                       अर्थमन नहीं कि इसवान है इसवामात हैं अवविद्
              संभरण
                        वदावित् वासियन युगिकन युगिकन है जागर संभव है
                संसव
                         संमापना है संमाधित है स्थाप हो न हो हो सकता है।
               संस्थत:
                          १ विरमे न देना थानना २ देए-देख निवदानी पासन-मोदण
                         क्षेत्र क्षित्रीयम् ।
                          करना ३ जिनकर स्थाना सहेबना ४ ईंटबान/प्रकार/
                  लेगाय
                संबातना
                           जनुमान अमेश्रय न होता ज्ञासा खम्मीड करपना मुमनिन
                           श्रवस्था करमा जसामा ।
                            सन्तव नहीं कि मुन्दिन समय संसाध्य हो सबता है कि।
                            होना संमाध्यता हो सबना।
                  संवादना
                   संवाधित
                             हे संमादित।
                    HHIEL
                             हे बातबीत ।
                    संभाषग
                              चबराहट ध्यापुलना शवपवाहट शहम बाना निटिपटाहट !
                             हे सेवृत्र।
                      संबोध
                              वामविया वावशास्त्र।
                                १ जावरणीय (१) द्राजवहार (१०) मन्मानित (१०)
                  संजीतवास्त्र
                                प्रतिथित २ जीवन पंतराया हुआ विश्वास स्वादुन
                       संग्रह
                       संग्रात
                   ९२४ | दिली वर्षाय को ग
```

सिटपिटापा हुमा ।

संबंध प्साट मधीनरी।

संयतः १ निष्क्षी नियंत्रिक सर्वाहित संयुक्तित समिति २ वभीर, स्रोत साहस्या सामीन सीव्याः

स्रोतं बाइस्ता बासीन सीम्ब । सेन्स १ बारमधिया व्यक्तिसम्ब सम्ब

संबस १ बारमनियह वेंद्रियनियह, मनोनियह २ नियंत्रण तंपुनन संयतवा ३ सांविचित्रवा साहस्त्रवरी सासीनवा ४ परहेड।

संपनी १ जारपनिषद्धी इंडियनिषदी २ निर्माणत संतुष्टित संगतः ३ बात साइस्ता शालील ४ परहेबसार।

संयुक्त एकीहरा यंगानमणी जुड़ा हुवा निका हुवा मिला-बुसा निकामा हुवा निका निकार संपुक्त सबक्ष संकल्न संबंधित

संक्षिप्ट समिवत समेक्षित सहयुक्त । संबोध कामेबिस मिसावट मिसम नेस सस्सेपण सम्मिसण

२ इत्रक्काक सबुच्छा वैव-योप। संयोजक १ (convener) धार्मकक (स प्र ) वायोजक कनवीनर, समायोजक समाञ्जाता (स प्र ) २ जोइने नासा योजक

(स्थाकरण)। संयोकन कायोजन कायोजित करना कनवीन करवीन करना बुसाना

समायोजन समायोजित करणा । संरक्षक १ अधिमानक नाजियम देख रेख करने नाला नियहवान २ आध्ययाता अध्ययाता १ एतक रवनाला मुखाहिब ।

संरक्षभ १ वेस-मास वेस रेख नियहणानी २ प्रतिरक्षम नियरानी रख-रखाम रसमासी संपाल हिस्सवतः

संरक्षता पठन बनावट, रचना रचना-विश्वास विन्यास संवठन संवटना स्टुनचर।

र्शनामः १ अनुस्ता अनुसान जुड़ाहुआ धंशतः २ तत्सम तस्सीम सभ्य मश्युक्त रहे।

सीलामक (encloser) जपीग (उ. प्र. वि.) परिविद्ध (वि.) श्रीमान (उ. प्र. वि.)।

र्शताय है। बातचीतः।

संबत् १ वरस वर्षे वस्तर, शाल २ विकम वर्षे।

संबच्छर वरस वर्षे साल। संबच्छ १ छोड़ना दूर करता हटाना (शोध का संबदन) २ जनन

हिम्दी पर्याय कोश / ६२५

चनना चनायः।

अलंक्ष्य क्रोता बनना-ठनता बनाव-सिवार करना महिल बारका विश्वतिक होता व्य बार करका सकता सकता-धकता सजमा-क्रजन सजमा-सँबरमा सक्रिका/सम्बद्धिकारकोता विकास MP2307 3

संबर्ग (cadre) कावर, केंबर 1

स्टब्बंबर सदानेवाका विवाहेक। संबंधन १ बहुना विवर्धित होना २ बहुना विवर्धन करना ।

संबक्तित दे संप्रकृतः।

abece ? बचापक्रकन बायसाय बातचीत बातों बार्लामाय

२ द्वार म्यज संवेश रिपोर्ट समाचार हाम हास-चाल। maifente aunte ufeiten freide nurmiterer : र्वकारकाना संबादी सदस्य तरसम सदस्य (वि ) तत्स्वानी सवस्य (वि ) तदमुसा पै

सबस्य (कि ) समक्पी सबस्य (कि )। र अध्यक्त करणा करणा निवार करणा शिक्ष अरमर सेंबारका विश्ववित्र भारता अंकार करना सत्राता राजाना प्रजाना armenanan araba-dantan firang aran fasan

थटार करना २ दे समारता।

संगाहक कंत्रकार (बस)। (contract) wert, Ster Bert सीवत

ਲੱਗਿਆ ਕ (constitution) बस्टीह्यूकन राज्यनियम राज्यस्थवस्था

(HOU I

संविधि विधिनियम परिनियम (व प्र+ वि म प्र)। क्षानकीय (म॰ प्र ) जोच (म प्र ) परिनिरीक्ता (वि संबोक्त म प्र ) संविधीसा (इ. प्र ) सम्बन्धांव (य. प्र ) साम

परीराम (म॰ म॰)। संदिदमारील प्रतिसंबेशी भाष्य सबेशी सम्बेशनशील शिविदेश।

संदेशका मीवन समवेषका समानुकृति। सनिवयन माधारा भाग भाग भाग श्रीह । भाग स्टेह । संगय सेंगवाल बहुबी लवाल श्रावेशवहा करनवाला अवशी शंबवी :

संगर्भे दे लंबयानः।

१ सञ्चीवरण (सनी) २ भागीयन परिशोधन १ दे

६२६ / दिशी पर्याप कोछ

मुघार ४ तरमीम रिवीवन।

संशोधितः परियानिक परिशोधिक मार्थिक संस्कारिक सुधारी हुई। संस्तित्वः प्रक्षिमच्ट स्मिन्ट वे संयुक्त।

संस्तिपण जोड़ना नियम संयोजन (बाल्य-सर्योजन---एकाधिक बाल्यों को जोडना) सन्मित्रक सर्योज।

सीसर १ पालियानेट, राजसमा कोल्समा २ परिषद् समा

समाय समिति (दे)। संदर्भ १ येल-चोल येल-यिसाय संय संयत संयति संपर्भ सम्बद्ध

सत्तव १ मेल-बोल मेल-विसाय स्था संयत संयोत संयो सर्वा संस्था साथ साहुवर्ष २ सहवास मैचून समोग।

संसार नाथम खनक बस्क चरावर वन वयत् वयत् नहा बहान नियुक्त विकोक दुनिया बरती दरिनी पूकी बहात यत्र वयसायर, युवन पुत्रल भूकोक भूगंडन मर्स्य सोक लोक विका वेदारि सुन्ति ।

संविक्त आर्ड यीका नम भीगा हुआ विक्त ।

संपृति दे संसार। संस्करण १ क्षावृत्ति एक्सियन २ संसोबन (दे)।

संस्कार १ संहोधन (व ) परिभार सुधार १ नाचार-विचार, सम्बद्धा-सम्बद्धा-चम्प मानसिक प्रधाद ।

सैस्कारी आचारणम् निचारनान वंत्कारनाता मुसंस्कृत ।

संस्कृतः १ तह्ववीनमात्रता मंस्कारपुक्तः संस्कृति सम्ब पुसंस्कृतः
२ छात्रः वैक्यापा वेवनाकी सोक्कि संस्कृतः वैक्कि संस्तृतः
संस्कृतिः करुवा, तम्बयुक् तहुबीव हहुबीव-यो तमनुबुक संस्कृतिः कीर

सभ्यता सभ्यता। संस्तुतः अनुसंसित सभितसित सिफारिस विया हुवा। संस्तुति अनुगंना अभिसंसा अधिस्ताव (म म ) रिकमेण्डन

विद्धारिया । १ बार्गनाइन्डान प्रतिविद्यान नावेस बसाठ परिपड् पार्टी प्रतिप्तान नीग व्यवस्था-संघठन(वे ) श्रंप सभा शोसाहरी २ सामाजिक व्यवस्था पार्ग्यरिक सामाजिक व्यवस्था (वैदे

विवाह या मृत्यु संस्थार) १ प्रतिष्ठान संस्थान । बाग प्रतिष्ठान संस्था नार्थगनिक नंस्था । एक (founder) मधिष्ठाता (वि ) प्रतिष्ठापक (स. प्र.)

हिन्दी वर्षाय कोच / ६२७

प्रवर्तक (स. प्र.) फाउंडर, स्थापक स्थापनकर्ता संस्थापन कर्ताः

संस्थरण । यारों की बारात स्मृतियों की वरोहर स्मृतिकेव मेमायसे। संहत १ एकवित कठित संपतित तुमिति २ क्लिप्ट संक्लिप्ट कमारामान सुनंहत (वीरो माना)।

संहति १ सुगठितता विभाग्यता सन्तिप्यता ए ४० संगठन १ डेर, बेरी पुन राजि समृह।

सेहार १ व्यंत नाम (दे ) विव्यंत विकास २ वंत क्यामत

संहारक वादी व्यवस्थ नावक विनासक विद्यवस्य शहार करनेवासा । संहिता १ तियम नियमावसी विधि-संबद्ध कानूमों का मजबूसा/ शंकनक ए संबि (क्याकरक) १ विश्वित संवय ४ कोड ।

सक्ता । स्वाप्त (भारती) है विश्वात सबसे के कोड़ । सक्ता ताक्षर नरामना बस (दे ) नित्त (दे ) सामन्ये । सक्त्रकामा अवक्षामा अध्यतामा क्रिन्देन्यविश्वह होना महबदाना सबहाबामा सद्यतामा सहस्य वाता हरवनामा हस्का-वनका

हो जाना। सक्त अधंड मधिल जेगेप निकेष संपूर्ण (दे ) सद समय

सनस्य । सन्दार १ अधिनावा/इण्डा/काननायुग्त (असे तथान मस्ति) २ कामकाननायुग्त कामी।

सकारे जनस्मुबह तक्ते समेरे भुवह-रामेरे गुवह-मुमह। वे जाता । सक्रीम परित्र परित्र हुवीय मुश्लिम (वेसे यवान) ।

सञ्चातः । नजाना गरनाना गर्मकरना संयोध करना हिपक्चिताः। सक्तानः वृत्तसपुर्वक वृत्रस-श्रेयपूर्वक वर्षौर वर्धीरयतः नही-ससामठ

सनाभत सुरक्षित। सभीता १ पुनिया पुरुष्ट्र भूतवक युरवा २ वनीता बुसिया

सकारा १ कुम्मया कुल्हड् चुनगड् पुरेशा २ नगाय कुमन सन्ती।

सरका निभी मानरी।

समित्र प्रेवित्व कर्यंड बिमानिय्ड किमानीस।

सक्तम केमीटेंट ब्रामधानामा शमतामान् ब्रामधामानी योग्य नमर्चे नामध्येतान्। सन्ता दे क्रिया

सपा देति

सबी अभी वाली पूर्वी सिवनी सहचरी सहचारियी सहेती। सबी उदार दाता दानशील दानी करवात कैनात दमाय।

सम्रा ४ वर्षात् दाना वानग्राम वाना फल्याय फनाव वरान्य समृतः १ कविता काच्य साहित्य २ वातवीत वार्तीकायः।

सञ्जतिकया तकियाननाम ।

केन्द्रत १ दे-नदोर(दे ) कड़ा २ अनुसासनवादी अनुसासनिन्छः वै बहुत बहुन बसिक बहुत बगादा (सङ्ग तकतीछ)।

तज्ञती (श्यवहार थ) १ कठोरता शकार्य र बस्याचार, चुस्म (दे ) चोर-बहम ।

सक्य दे दोली।

सपा १ सपर्व सहोदर, २ सपना कात्मीय नातेसार, रिस्तेसार, स्वकृतीय संबंधी हडीकी।

वयी १ समर्ग सहोदय २ बननी स्वत्नीय स्वसंबंधी हृत्तीकी। समाई टीका तिकत बरक्षा बरिका मेंचनी।

सप्य सविवृह सरेह साकार।

कपुमः शावप्रहसदहसावारः समोजः काल्योय योजियायोजी योचियवसु वैधु-वीष्ठव बोधव

माईबंध समोती स्योधीय सवादीय सरिंह स्वतन।

सम्बन्धः गिसनं गहुन ठोस चना। सम्बन्धः सम्बन्धः

संबन्ध नस्तुतः (दे+) नास्तव मे नाक्रई।

सवाई वसविवत तथ्य यथार्थना बास्तविकता सच्चाई (दे )

स्य स्यातः। सचित्र विजयमा विजयहितः।

संबंद १ समास्य आमास्य दीवान २ परामर्श्यदाता मंत्री मिनिस्टर, वशीर सिक्तार सैकेटरी।

चनियालय वेक्टेरियट।

सचेत अनव (दे ) सतर्ज (दे ) सावधान (दे )।

सचेतर (whip) प्रतोद (स प्र ) हिस्प (स प्र )।

सचेत श्ररना वे बयाना। सच्चरित्र शाचारवानः

न्यरित्र भाषारवान्, परित्रवान् परित्रवामा नेक्पणन परिव्रवा परनीवसी पाक्यामम सम्बद्धिः सद्याचारी तथवदी (स्त्री) सरी-सामनी (स्त्री) ।

सक्ता १ सत्प्रकाम सत्पनिष्ठ, सत्प्रवर्धयय सत्प्रवादी सत्प्रवान्,

हिली पर्याय कोख / ६५१

सत १ वर्ष रस १ कस-वल कीवणी-शावित ठाइन्त दम दस बसबूता यवित १ यरच सार, सारवरच ४ ठठीरच (स्तर्वती कारी)।

सततः १ अभियतं अविरशं निरंतर, वरावर, मृतवातिर, मृतवासम भवातार (वे ) सर्वदा २ वे अमेकाः

सत्तपुण इत्तवुन वैनवुश पुण्ययुन सरवयुन।

सतर अविश आविश क्लार, पंक्ति रेखा सकीर, साइत ।

सप्तर्भ दे शायवान ।

स्तर्यंता (vigilance) बागकरता (य म ) निवरानी (वि ) बावधानया (स०म ) वे शावधानी।

सत्वर्षती पविषयनमा पविषया स्वयंत्रामी सती स्वी-साम्मी स्वी साविषी।

सताना कर देना छाती पर मूँन बनवा अने पर नमक छिड़का तंग/दुर्जी/परैसान करना दुख देना साक में इस करना नाडों अने बबबाना छंठन्त करना छंठाप देना।

सती वे विश्वा।

सतीरमः पवित्रतः पविषयायमका पाविषयः सती साम्मिता।

सर्लमं जन्छ। काम उत्तव गार्थे सर्व-कर्य वैश्व काम पुष्प-कर्म गुप-कर्म मुक्तमं।

सत्कार मातिक्य थावर-सत्कार वावचवत खाविरवारी मेहमान वारी मेहमाननवाडी :

शक्ता १ जस्तित्व अस्तिता हत्ती २ अवस्थि अधिकार, प्रमुख प्रभृतता प्राधिकार बातन हरूमत।

सम् युरेवा जीवमधुरनी सस्यु, सस्युक्त सतुमा धेतुवा ।

तरण १ अतिरास्य अस्मिता सत्ता इस्ती २ तस्य बार, बार्ट्यस्य २ गठ-वम जीवनी-धरित ताकृत वम वम वम-बूता अस्मि।

करव १ (त ) जननी नात तथ्य यजार्थना रास्त (शास्त्रको रास्त्रमोई) बास्त्रिक बास्त्रिकात क्य सही नात स्वार्ध सम्बद्ध १ (ति ) जिनम जनन जननी समार्थ समा-सम्प बास्त्रकिक सम्ब सही ३ धर्म धर्म की नात (तस्य मो जी हो मून्यूरे लिए तस्य सही है) ।

हिन्दी वर्णाय कोच / ६३३

```
१ बरममस बस्तुतः बास्तविनता यह है कि सच्चाई यह है
               कि सक्की बात यह है कि २ संबद्ध (दे )।
               दे सस्प १।
      सत्यता
    सत्पनिध्य
               सत्यकाम सरयपद् सत्यपदानदाः।
   सस्यनिच्छा
              सत्यपरायपदा ।
     सत्यवती
              यंधवती धीवरमुता मस्त्यवधा ।
              चल्त्रयो मतामाणी स्वप्टबक्ता।
    सत्यवादी
     सत्याप्रह
              धरमा पिनेटिंग।
               हे नाज मन्दिमोट, बर्बारी ।
    सत्पानाद्य
    सस्पापन/
               (रक्षश्रंपु) वरिकाइ करना ।
सस्यापित करना
               कार्यनाम (ससद या शिक्षण सस्वायों मे) टर्म सहन ।
         83
               वे सरवा
        सरव
               मनिर्मन जल्द जल्दी कस्पीचे पुरन्त तुरत तेनीस इत
       तचर
               धीम ।
     सत्बहीन
               असार क्लाडीन निस्तत्व निस्तार सारहीन।
               १ शर्सिया मना संयत २ मानिक क्या-बार्टा, मानिक
       त्तस
               प्रवचन-सवारोड मनिनसनीत-समारोह।
               १ म्योडाबर, बीन बारमा बाय-केस- २ बढारा
       Here
               निम्नाबर ।
        संदर
               १ शवन (दे) २ राजसमा १ कोरसमा।
               १ आवान चोट, बस्ता ग्रॉक: २ दूख (६) रंब (६)।
       सरमा
               क्रुपान् स्थान् दे स्याचान रहमदिल।
        त्तदय
               १ प्रचान मुख्य २ मध्यम प्रेसिवेंट समापति।
        सदर
               १ यंत्री विन्तान २ जबाहर वैशिष्ट बबाहर बंदी वैशिष्ट,
       सदरी
               वंशी १
               पार्वेद सबर।
        संबद्ध
               १ सर्वेत करवा हमेशा २ हरवम हरवस्त हरसमय-
         सदा
                क्दे संपानार ४ पूँग प्रतिक्रमनि १.पुकार, ६ सामाद
               ध्यक्षि ।
               १ सवाई सक्वाई, २ सरसना विद्याई।
      सराहत
                बच्छा बाचार-विचार धर्मशीसता धर्मसम्बद्ध बाचार, धर्मा-
      सदायार
```

चार, धर्मावरण धराचरण संदापारिता।

सदाचारी सम्भे आपार विचारवाला धर्मश्रील धर्माचारी धर्मारमा शुकर्मी :

स्थारम १ जवारणीय उवारणेया २ उच्चासम अवास प्रकामानस सरीय सम्भागः

सबी शताची कती सेंभूषी।

सर्कः अभूकण विका तरह तुरच बरावर, वत् भौति समयुक्तः समाग सा।

सब्सका अनुस्पता वरावधी समया नवपुरवता समस्य समानवा।

स्रोह मुक्स्सम् संग्रीर।

सर्वेश है । सदा १२३। सत्रोध ऐनवामा पाणीवामा क्वीवामा नमत (१) मुटिपूर्ण दौष

पूर्व दोवधासा नुस्तवाचा। सदमति युक्ति नोग् (भरमोपराव) अच्छी वया धुवति भूदद्या।

सब्मतिः मुक्ति कोल (भरकोपरातः) सक्की वयाः सुर्वति शुक्ताः। सब्भावः सक्की भिवतः सवास्त्रपाः नव्यावताः।

सर्व भर (दे ) मकान (दे )।

सच्च १ समी इसी बन्द इसी समय २ भाग ही ६ तूरंग दूरत क्षीरम जीम।

सद्र १ अध्यक्ष प्रेसिटेंग सदर समापनि २ शीर्पमान सर्घोच्य स्थान ३ काठी सीना।

सम्रक्षाः मृहानिन नुहानिनी श्रीमान्यवर्गी श्रीमान्यवानिनी। सनः १ वर्षे श्रेनलार, लालः २ इसवी वर्षः ३ वनः सवदे।

सन्तः द्वाप धनस्तर्भः सान्तः २ इतना वयः २ जनः छवः। सन्दकः उत्तमादी केत्र छवन जूनून झक्क धुन मैनिया मिड्रीपमाः। सन्दक्षः १ जन्माय केत्री छत्नश्ची धूनूनी झक्की छिद्गीः १ दे पायनः।

सनव १ दिशी दिप्तीया प्रमान्त्रत्र सरिशिकेट २ प्रमान सबूत । सनव १ प्याया (प्याया) प्रिय (प्रिया) शासूत्र (मासूत्रा)

२ बुत मृति । सनसयी १ शनमनाहर सनमुत्री रायांच रोयांचक रोयांचनारी रुपेन २ सरमना उद्देन सन्दाहर १ हत्तवन ।

नवण विष्युवराष्ट्र बरमध्यकार ।

समापन १ विश्वपानी जिल्ल शास्त्रम स्थानी २ विश्वपान पूरातम पूरामा पूरामानीम प्राचीन ६ वर्षवरात्रतः

६६४ / द्विन्दी वर्तीय शीय

सन् देसन१२।

सम्म जड़ बड़बत् ठक ठक-से चुप मीचक मीचक्का स्टॅमिट

स्तवध इनका-वनकाः।

सम्बद्ध वे स्थार। सम्बद्धी वामा व्यवस्था शामा

सम्बन्धा जाना स्वाक रहे जाना सब्दि मीर मूँह सुना रा सुना रहे काना सारक्ष्मिक हो जाना सारक्ष्मे में पर बाना रूपीय-विमुद्द हो साना पाठ सार जाना फिक्ट्रीयविमुद्द हो साना म्हण्य साना च्हिट हो बाना ठक हो बाना ठान्त्रुव में पर बाना स्टेमिट हो बाना स्टब्स हो बाना इस्टा-बस्टा

हो जाना।

सम्मादा १ एकोट एकानवा निर्धनका सुनक्षान सुनापन २ सामोदी

पुण्डी निकल्पता निर्देशका निरस्कका नीरका सीन
स्वस्थता।

सन्तरह दे तनकाय।

सम्मिक्त सासन्त मञ्जरीक निकट, पास श्रमीप ।

सन्तिश्च निकटता नैकट्स सन्तिकर्य समीपता सामीप्य।

सन्निपातः बेनिरियम निवीय सरसाम सरेसाम ।

सन्निक्य बेंबा हुना संबद्ध संसप्त ।

क्षम्मार्ग सुपय सुमार्ग ।

संपत्त पुरमत वैधी शत्रु ।

सपली नौकन सीव सीवन सीविन।

सपना वेस्वप्न।

सपाड विकता चौरस वयवर, सम समतम हमवार !

सपूर्व वे सुपूर्व।

सपूष योष्य संधान नायक बेटा सुपुत्र ।

सप्त साव।

सप्तम सातवी।

सन्तपरी (विवाह मे) गैवरी मौबर।

सप्तराती सतसई।

सप्ताह हुना ।

सप्राच जानदार भीवंत प्राचदान सजीव।

सफ्र अवार, पॅनिन पति साइन ।

```
सदेश
       सकर पुनकाकी हैकन (हैबल एवेंट) धामच यात्रा सेर सेर
सफर
               १ उत्तीर्थं कामबाब पास सफलकाम सफलमनोप्प
               शक्तीवृत विज्ञाम २ इतकार्य इतहाय हतार्थ क्तीपूर
               I ISIPA
        सफत
                । सार्थकः ४ कारमर ।
                 १ पामपाबी इतकार्यता साफस्य सिद्धि २ सार्यकता।
                के सफ्जा।
      सङ्गदाम
                  सफलता
                 हे सदम्।
                  शेंडा यादमा सपलता/कालवाडी का सहरा बीधना ।
     सफ्त मनोरम
       सक्स होना
             सका ११ वल्ला पूछ पेड बरुं २ साथ स्वच्छ।
         सक्तीमृत हे छका।
            सकार १ नियंत्रका स्वच्छना २ विवयका मुख्या १ (मैस या
                    कूरा-वर्षर) साझ करमा ४ (बोवारोपच के विसक्ति में)
                    वन्योपन प्रतिबाद स्वाद १ स्पटीकरम ।
            सद्भावतः । एवदम साठ स्थलतः।
             सक्राया १ छात्मा समाप्ति २ मात्र वर्षाद सरवानाम ।
                सचेत : १ वपुरी बाजूरी बुख्यवन धवन धोला बर्राट गुक्त
               सचीर ऐक्सबर एसकी राजहुत ।
                       मुख्न करेत सफेर-बर्राट एक्टेर-बुर्राट हिमाम ? सबकात
                       इत्रमा उग्रवम स्पन्ना इ गोध कोरा-विद्दा गोद
                        विट्रा गीरवर्ष गीरवर्षी शीरांप ४ बुद्रिया १ साध
                         १ ध्रवनना गुरमता नुप्रता श्रोतता वदेतिमा २ श्रवदातता
                         बबसायन बन्ध्यसना १ पुताई।
                         १ हे लेपूर्ण २ नायव (सवजन सवएविटर)।
                 सक्रमी
                         १ वाठ २ किया बीय।
                          १ ताञ्चवर बनवान (१ ) वितय्त वनी गरिनगानी
                   RET
                          हे शासा।
                    सबय
                           ल्लारा २ हे प्रदर्ग।
                    सदल
                           दे प्रवास २ वयाही सास्य।
                           १ मदेश।
```

हिन्दी पर्याय कोश / ६३७

१ वे इस २ ६०वालीरताता। १ तरकारी भाषी साथ साय-भाजी २ हरियासी सम्बर्धि व वनस्पति । सम्बद्धाः स्थ्या । प्रच १ देसलाय २ दे धीरण। सभा १ वेनुमन योष्ठी जनसा बरकार (राजबरनार राजसमा) बरम बैठक मजलिए महक्रिक मीटिव विचारबोकी संबोध्दी समायम २ वे सपठम। भवन समाकत समायह समायवन हाल। समामार अध्यक्ष प्रधान प्रसिद्धेट सदर। समापति चेयरमैनशिप सदारत। सभापवित्व समाजवन दे समामार। बरवारी पारिवद् पार्वद मेवर, सदस्य। सभासर सभी दे संपूर्ण । तहबीबवार, तहबीबवानता परिष्कृत शातहबीद शरीफ सम्ब बाइस्ता बालीन विष्ट संस्कृत सुधील सुसस्कृत। तहुंबीब भसमनधाहुत नायकत वाहस्तागी मानीनता सम्पता शिष्टवा भीत्र संस्कृति सन्धनता। १ जीरस हमबार, सपाट २ वे समान। सप हे समान। समक्रम समकासीन भूगीत समकाशिक समयुवीत समवर्ती समसामयिक। समज्ञतपति भोगाइस चौसलर । समक्ष क्जक छामने (दे )। समग्र दे संपूर्ण। मान विभाग बुद्धि (१) विवेक युल-बुम । त्तमञ वे बुद्धिमान्। समझदाद पत्मे पहना मन में बैठना समझना-बुशना हृदयबम कर सेना । समज्ञना १ भरवाना चताना जतनामा जतामा पहामा-सिकाना समसाना बतनाना बताना मन में बैठाना विवेचन/स्थाप्या करना समसाना-बुसाना ह्रूबम्बम कराना २ डाड्ड/बीरण बँघाना सारमना देना ३ एकामंद/राजी करना। (pact) अधिविदा (उ. प्र.) पैक्ट प्रतिमाद (स. प्र.)

सींच (म प्र ) २ (compromise) कंग्रोमास्ड सध्यमार्थ (ज प्र ) १ (agreement) अनुबंध (केन्द्र राज ) बुक्तरालामा (उ प्र ) प्रतिमेट क्रार (केन्द्र राज वि म प्र) रजामंदी (उप्र) सहमति (वि) ४ इकरार माना करारनाया राजीनाया १ सुमह सुमहसरा ( (settlement) निपटारा सेटमपैट । श्वरंत विकता कीरस क्यावर, शेवल स्पाट, सम सीमा े जोड़ बराविंगे गुकाविका २ अनुस्थला अधिशनता इमबार । एक्डपता बरावरी सब्सता समतुत्यता समत्व समानता

१ तालमेल वंदुलन सगरमता सगायाजन सागरस्य साबुस्य १ ₹ श्रमान । नुसंपठि २ मेल संयोध साथ्यक लीममन ।

है तालमेलपुक्त मेल विरुपा हुया संतुत्तित समामोजित हालंबस्यपूर्व (पुस्त मुख्यपरिवत मुसंबत र संबुक्त (ह )। है सम वही टाइम दिन बस्त देना २ करन बात समन्दित बमाना पुर १ जबसर मीडा ४ जबकात कुरमठ

 मृहुते गुजयकी जुल-मृहुत जुलकेका शाहत सामा ६ मधी देर मूल ७ मबीर बालाबीर द बालबन वासपुर्य तमयवक १ पहर प्रहुर १० झेठ अतिम काल

कालक्षेत्र करना वालयापत वरना वक्त ग्रमय देवाला वस्त बुशारना समय व्यनीत करना। समय विताना

शमपतारियी टाइमेनुस । यबातमय वस्त वे भुताबित समय मे।

वैशान-ए-जेग पुत्रशेत पुत्रपूर्ण स्वयोग स्वपूरि समयानुनार F MELE 1 समर समरण : तालमेलपूर्ण (दण लेपूलित समी वा समायोजित साथेबस्य समरमृदि

सम्बद्धाः साम्रोजः सनुष्यः सम्बद्धाः साम्रोजः साम्रोजः

दे समरप्रमि। समरायण

समझ्प मनुक्य एकक्य एक-सा बरावर संवादी समान (दे )।

समर्थ १ उपपूर्व औक्रास्त्रांसा योग्य सक्षम २ सक्षम्त (वे )। समर्वक

१ अनुमोदक पक्षधर पक्षपोधक पृथ्ठपोपक पैरोकार समर्थनकर्ता हायी हिमायती २ अनुपामी बमुवामी मताबनबी ३ पिछनमा पिछनम्ब, पिट्टू ।

तस्बीक ताईव पक्षपोषण पूर्विट पुष्ठपोपण पैरनी। समर्चन

१ बच्यपेन धर्मेच धर्मेच करना व्यक्ति करना सम्प्रित समर्वत्र करना २ देना प्रदान करना सौंपना।

मर्मापत লখির হল মবল।

नोड़ी-पाड़ी समीरिया समध्य हुमउन्न। समबयस्य

१ अवयव-अवयवी संबंध सट्ट शबध पूरा-पूर्णी संबध समबाय मिष्ठ संबंध २ समह १ दे संगठन ।

इक्टठ, सह (सहवान) संयुक्त साथ-साथ सामृहिक (प्राय-समवेत स्वर, यान बादि के साव) ।

१ समानुमृति हमदर्वी २ वम रंज क्रोफः समबेदनाः सीन व्यक्तिसमूह व्यक्तिसमूह समाज समुदाय । समध्डि समसामधिक समकातिक समकासीन समवर्ती।

दे संपूर्ण । समस्त

उसमन कठिन प्रसय कठिन स्विति कठिनाई गुल्बी परेसानी सनस्यः पट्टेकी प्रश्न प्रदेशिका प्रावसम मुस्तिस मुक्तिसाहट सवाका ।

समांतर समानविर ।

समाई १ क्षमवा शारिता २ समता सामर्प्य।

१ (conference) मधियेशन प्रसमा (म प्र ) ससमय सनापमन (ब प्र ) सभा सम्मेलन २ आनगन भाना १ कामनीका केमि प्रसंत भीग मैनून (है ) एतिकीका रमण स्थीप्रस्थ।

१ सबर शून श्वाद (संवाददाता के) २ जुक्तवयी सुम समाचार समाचार गुमसूचना ३ बीर खबर, बोज-सबर हास हास चास ४ बानकारी सूचना १ संदेश।

प्रस रिपोर्टर, रिपोर्टर बृत्तवाता (correspondent समाधारदाता म म ) समाववाता ।

धमानारपण धमान्ति

समाधारपत्र अधानार, म्यूजपेपर, पत्र परवा पेपर :

समाज १ सपटन (१ ) २ सोनाइटी ३ मधन समुदाय (१०)

समूह (मशन-धमात--क्षेत्र जसाव) ४ व्यक्ति-समूह, व्यप्टि-समूह, समस्टि ।

श्रमाजनस्य सोमसियम् ।

समावर दे बादर देश सम्मान ।

समादरकीय है सम्बातनीय।

समावृत सावृत इरवत-मावरु वाला इव्यवदार प्रतिस्टित मान्य सर्वत सम्मानित सम्मान्य ।

समाप्राण १ निवान (स्वस्था का) निराकरण इत २ वंशा-समाप्राण शरेष्ठ् निवारण ३ उत्तर जवाव ४ निपटारा (६)

ह्राणीनान तसस्त्री । समाधि १ मझ्या २ विशा-एकाधता स्थाग स्यायस्वता प्रद्वा श्रीनता जनीयोज चरन योगायस्था ।

समान अभिन्न एक-वैशा एक-र प्रशासीमा एक-वा उपना (देवोचन) ने तराह की गाँ की मानित देवकर का उद्दर सुक्य पुत्रा (तीरप्रोयुत्रा पर) बरावर वरावर म मुद्रासिक का विकास-वृत्राता परका तर्जन तप उपनय समुद्रास

समस्य हुन्नुः । समानता अनुश्राता कांग्रगता कथ्यता एवण्यता वृष्यता वाधारस्य अरावती समझ्यता अपा। प्रमृत्यता वृष्यता समस्यता लाइस्य गामस्य माम्यः ।

समानासर पैरतन गमारार।

समानार्थक एराजेर एराची पर्याय पर्यापवाचक पर्यापवाची समानाची।

संबक्तन अंत अवमान शास्या नि तेय पूर्णना समान्ति।

सम्राज्त अरु गतम पुत्रा हुआ तमाय निराम्न गरितमास्त पर्वे गातिन पूरा पूर्व मणन निर्द्ध ।

क्षमप्त होता अर्था क्यानात होता निष्णत्व हो बाता परितमप्त हो जाता पर्यवानित होता नुबर जाता चुच जाना स्वान होता नि ने वे होता प्राम/द्याग्या होता पुरा होता प्राह्मता पूर्व होता वीरता स्वानी होता।

समाजि समा समाग प्रागहार, गामा भुग पाना समान होना

मुद्धी योटर मोटरी मूच राधि शक्सन स्तुम सब्ह संबय सम्बाय समुख्य १ (क्यिम मादिका) क्यांच बात ४ (पंक्ति में समूह का भाव) श्रवती सार्वास क्यां, पंक्ति मासा भाषी।

समुद्ध वे धनी।

हम्दि बनीधे क्यि-सिश्चि एक से इक्लीस हाना ऐरवर्ष दिन दूनी रात कोमुनी कलाति तरक्की सनाइयना फलना-कूमना रहेंसी सम्लटा सुसंस्थलना।

समेकित एकनित एकमोहूच संबद्धि (राज उ. प्र.) समित

(समो)।

समेदना १ इंक्ट्झ/एकश/एकशिक करना वटोरना (बस्तु या कयाँव)- २ कस्म/कारमा/परिसमापन/परिसमाप्त करना-व सेमानसना।

धमेत देखाया

समैक्य दे एक्ता।

समीरिया समस्यस्क इमदसः।

सम्बन्धि १ परामर्थं भवता भव मद्यक्ति चय समाह २ रकामंत्री सहस्रति ६ अनुका अनुसर्दि साला शादेल हुत्या।

सम्मान १ बादर, जीवर-सम्मान बावर इरवर इट मीरव प्रतिष्ठा मान शान-मर्जादा प्रात-सम्मान खडा समादर, साव २ मावमयत सत्तर ६ बदव (वे )।

सम्मानक वर्गवनिक मानदेशे : सम्माननीय सम्मान्य वे माहरसीय ।

सम्मानित मानृत दरवतवार, श्रीवत प्रतिष्ठित समादृत।

सम्भाग्य १ एक्षेड्रण निकाहुका संयुक्त धमेक्ति २ यस्ट्रीट ग्रामिक्त ३ समाविष्टः

सम्मिश्चयः वानमेस् मिनावट, मिश्रमः योग समीय समीपणः।

सम्मूल दे सामने। सम्मेतन १ आयोजन (दे ) बत्सव वाल्टेंस बैठक महासमा सीटिय समा समापस (दे ) समारोह (दे ) २ जनवट, जनावता।

सम्मोहक वे आवर्षतः

सम्मोहन दे मार्चप।

त्तपृथ्यितः अन्युनितः अवस्य मध्द-विनष्ट फटा हुआ । समुक्रमतः कांतिपृषतः वधकीसः श्रीक्रमतः ।

समुरकात के जावाता।

चमुलुक बधीर, उल्बंदित उल्लुक (वे ) बहुत व्यस ।

समुदाय दे समूह।

समुद्यत दे स्थातः।

पुपत व वयत।

समृद्र वंषुध वंषुनाच वंषुनिधि वंषुपति वंषुपति वंषानिधि

स्रणेपति विद्या वर्णव वर्षात्र सीर्पिध सीरिपिति सीर

एत्यर वन्नित वर्षाति विद्या वर्णव वर्षात्र सीरिपिति सीरिपिति सीर

स्वराज नवीकांत नदीन वर्षात्र सीरिप्त निर्मिति पति सितिति स्वराज नवीकार गीरिप्त निर्मिति पति सीर्वेषि पति पति सहिद्या स्वराज्य सहिद्या स्वराज्य सहिद्या स्वराज्य स्वराज्य सहिद्या स्वराज्य स्वराज्य सहिद्या सारिप्त वर्षात्र स्वराज्य सारिप्त वर्षात्र स्वराज्य सारिप्त वर्षात्र स्वराज्य सारिप्त वर्षात्र सारिप्त सार्प्त सार्प्त सार्प्त सार्प्त सारिप्त सारिप्त सारिप्त सारिप्त सार्पत सार्प्त सार्प्त सार्पत स

समुम्बत है उन्नतः।

समुलति (progress)—क्लोत (वि स स ) नुपारनार्थ (स प्र )।

समुपश्चित है जपरिश्रत :

समुक्तासः १ आनंदातिरेव जमव हर्पातिरेक २ हे सध्याय ।

समुचा देखपूर्यः

समून १ जह सहित कह से भूतसहित २ कारकाहित शरापा । समूह १ (आर्थाया साहिता) सपाहा नमेटी कुम वन परोह सप्ता निरोह तूट तूट तथा कर कम्पट क्याल जमायन कारका जनसा इक शीमा दुम्की टोसी टट वन

मुद्रुठी मोटर मोटरी युव रावि संकलन संकूम संब्रह र्शनम समबाग समुख्यम ३ (किया माविका) कमाप जाव ४ (पश्चि में समझ का भाव) अवसी आवश्चि क्यार पृतित मासा सभी।

समृद्ध

समृद्धि अभीरी काछि सिक्षि एक से श्रम्कीस होना ऐस्मर्य दिन हुनी रात चौयूनी उन्नति तरक्की धनाइयता फलना-फलना रईसी सपन्नता युसंपन्नता।

समेक्ति एकमित एकभीकृत संबद्धित (राज्य च प्र ) स्वित (समी)।

१ इकट्ठा/एकव/एकवित करना बटोरना (शस्तु या समेटना बंबावि) २ धरम/बारमा/परिसमापन/परिसमाप्त करना ३ सँमाम सेना।

दे साम। समेत

समेक्य दे एक्ता।

दे बनी।

समौरिया समक्ष्यस्य हमउन्न। तस्मति

१ परामग्रे मंत्रका यव महिक्स चय सत्ताह २ रकामबी सहमति ३ बनुजा अनुमति बाका आदेश हुरम ।

१ बाबर आवर-सम्मान जावर इरवत क्रब गौरव सम्मान प्रतिष्ठा यान मान-मर्यादा मान-सम्मान सदा समादर सास २ बावमयत सत्थार, ३ वदव (दे )।

सर्वतिनिक आतरीरी । सम्मानक सम्माननीय

सम्मान्यः हे आहरणीय।

भावत व्यवतवार, पुनित प्रतिप्ठित समावत। सम्मानित १ एकीइन्य निश्ना हुमा संयुक्त समेक्ति २ वरीक वामिन

सम्मान्य ३ समाबिष्ट ।

द्यम्मिभन भागमेस मिलावट, मिथाण मीन श्रीमोन श्रीमेपच।

सम्मुक है सामने।

समीतन १ बाबोबन (दे ) प्रसाध कान्केंस बैठक महासमा मीटिय समा समानम (दे ) समारोह (दे ) २ अनवट, जमानहा ।

दे जानर्गक। सम्मोहक

सम्मोहन वे बाकपण।

सरपर

```
सम्पर्
```

सम्मक्षः १ अच्छी तरह भनी भाँति विधिवत् २ पूर्णेतः, पूर्वेतया संपूर्णतः संपूर्वेतया ३ वे जणितः।

समाती महारानी साम्राज्य-समीवनरी।

सम्पाट् चयवर्ती शरेश महाराज महाराजाधिराज शहंसाह समाजेश्वर (

सम्बाजिक्तर । सन्दालका देखना पासना देखना करना विकास करना । दे

र्वेमाक्ता ।

सवाता १ वाणित अवस्य २ दे बुखिमान् ३ दे चामाच ४ दे पूर्वः।

सरंजाम १ वैदारी २ इंतजाम प्रवंध व्यवस्था ३ कार्य-समान्ति। सर १ दे सामाव २ सिर(दे) ३ कोटी सिरा ४ भीमान् (दे)।

सरक्षकाम दे रार्रजाम ।

सरकार गितकना कितलना रेंकमा २ वाने बढ़मा श्रमण श्रविद्य होना हटना।

सरकार पर्वतम्ह राज्य राज्य-व्यवस्था खासन वागन प्रवेश शासन व्यवस्था हक्त्रता।

सरकारी प्रशासनिव राजवीय शासवीय धाननिक ।

सरगना अनुमा गायक (१ ) नेता (१ ) मुथिया शीकर, सरबार।

सरमर्भी १ आरम जरमार जनग जोश मुस्तैवी २ उत्साहपूर्ण नार्य-नारा अभयकरा विधा-कनाय।

शरकार्य अधिवर अधिवार अधिवृहतः।

सर्गत १ दे गामा २ वर्ग व के ससीर।

सरताब किरीट वात्र मुदुट (६ ) शिरोमनि निरतात निरमीर !

त्तरश चरतुवाः

सरकार १ सेनागडि । वे नायक।

सरदारी अनुवार नतात्रीरी शोहरी। सरदी है नदीं।

सरमाप इ. प्रमिद्ध ।

सर्वेष प्रयापुरा प्रमुख वेष नहीं श्रम वंश ।

सरपट सीप्रमृतिन तेज तजनिने तेजी है जून मनिने बहुन राजा सरम्बस क्रासत्।

धरमाया १ वे बन २ दे संपत्ति।

सरम् भागसः सरम् सूरसरसूता।

सरसं १ बासाग बासा बीका वर/बाझा नामी का वर कुनों नी सेवा बच्चों का बेस बाएँ हाव का काम/बेस सुकार हीती-बेस हैंगी-उट्टा २ सुबन १ बीसमस्य सुबोध ४ सहब १ कह्नु सीधा (सरस रेखा) ६ (ब्लॉक्स के सिए) निकार, सोका स्त्रामा सीधा सीधा-साधा।

सरभविशः उदार, सण्यन निष्मपट घोमा घोमा-मामा सरन सहब सामु, सीचा श्रीका-सावा।

सरसता १ भासानी मुकरता २ सुपमता १ सुबोधता ४ सहबता १ ऋजता ६ निष्काटता सावगी सिकाई, सीवापन ।

सरलहुबय वे शरलितः।

सरसः १ वायकेदार, मजेवार रसयुक्त रशीला सुरवाहु, स्वादिष्ट २ मञ्जूर, मीठा (वीचे वार्ते) १ रशिक सहबदा (व्यक्ति)।

सरसता मिठास रसयुक्तका रसीसापन पुस्तादुवा स्वादिप्टवा।

सरसम्ब मुझवार, सहसङ्खाता सम्ब हय हरान्ययः

सरसरी वस्त्री का मोटा साम्रारण सामान्य (प्रायः वृष्टि जांच मादि के किए)।

सरसिज वे कमस।

सरसों जबना कर्कानेह कर्बन कर्बनक नृहस्त तंतुन ततुम तैमहत्त बिबट भूतमा रक्षिताफन राजकानक सर्पेप।

सरस्वती इक्र इस विच्यं यो वीर्देश को बहुनुक्षी पायती बाधीका बाजीवस्यी बाव्यविष्या वाक्र विक्र मान्य बाधी विका बीमापाणि बीमावती बीचावादिनी बाररा हेस्काहिनी।

सरहर सीमा सीमांत सीमारेका।

सराबोर आप्नामित कोश-मोत तरमतर, शराबोर परिप्ताधित पूर्वत भीगा/विक्त प्यविष्ठ समयव।

सराय मुसाफ़िरबामा।

सरासर एक्डम इताई, निवांत निया निहायत पूरी तरह पूर्णता विक्तुस वत प्रतिकात संपूर्णता सर्वमा सवा स्रोतह आने

```
सोलडी झाने ।
```

र नारीक करना सन्तानना नदाई/प्रशंताकरना २ है। सराहना चर्णमा ।

बत्तम कावितेराधिक प्रवंतरीय क्लावनीय क्लाव्य स्तूर्य। सराहरीय River के सर्वी ।

सरीका है समाजा।

वरीत्र १ रॅपनेवाला कीवा/बंदु ए वे सीप।

युने बाम खने तीर वर, सरे बाम स्वच्छा । सरीहर

यमे मान को तौर पर, इंके की चोट पर तरीइन, बरे बाब RÈBIATE संदरत ।

सरेश घरेस सहरेस बोद।

सरोद्धार तमस्मृक शास्त्रक मतकव नेना-देना वास्ता संबंध।

erita . B. EDW 1 सरोक्ट के बहुतभा ।

सरोबर हे तालाव। सर्वत

१ अंश्रम २ वृत्त ३ मित्र-संबत्ती। बर्नुतर परिपन्न ।

धीत समात।

सर्व १ दे अध्याय २ दे संसार।

RT

सबंग १ छीडना फेंडना निकासना विसर्जन २ सस्यकार सस्य-विरित्तक ३ वर्रोहर

विकास निविधि धनाना रचना सूत्रत । मर्जना

सर्वरी भीरा समाना अर्थही करय विशित्सा। सरिकिटर प्रमामपत्र ।

लये राहर सीशास ३

सर्वा छरक्ता।

सर्वे १ जाड़ा शीस भीतसता २ जुकाम सर्वी-जुकाम।

<del>nd</del> है अर्थप ।

तर्रसम नामराज भागुकी बासकेय। सर्विकी सार्विका

সন্দি देशा-मेश अर्थाशार । सर्वे दे चंत्रचे ।

सर्वेतः दे सर्वेत्र।

सर्वत्र वारों ओर, सब ओर, सब अयह सभी अयह सभी स्थान पर,

सर्वेकः वे विष्कृतः।

सर्वेदा अवस रूप से अविषय रूप से निर निर्माणप्रति निर्मासार, रात-विन समातार, सतत सादा (दे १२ ३) सर्व सर्वेद इनेचा इरवना इरसमा ।

सर्वेनास दे नास।

सर्वेबेप्ट उत्तम (रे ) बप्टतम सर्वोच्चप्ट (रे ) सर्वोत्तम।

सर्वसामारम् आम सोय/बनता जन-साधारण बनता सभी सोम सर्व सामान्य।

स्वस्य दूस मानगता सपूर्ण धन-बीसत सव-ना-सव सव कुछ साधा

का सारा।

सर्वहारः मजहूर, अमंत्रीयो अभिक सङ्कर्/अपवीदी/अभिक वस । सर्वामीय चलुम्बी सभी वृद्धिमें से सर्वतोमुखी सर्वमुखी ।

सर्विस मौकरी सेवा।

सर्वे वे सर्वेशय।

सर्वेतम (surecy) शेवनापन (स प्र+) परिमाप (वि स प्र )

सर्वे भूमाप (वि ) भूमापन।

सर्वेतः १ चनवर्ती पना महापना महापनाधियन सम्राट् सर्वेत्वर २ हिन्दु सर्वेत्वर।

सब्देश्यर हे सर्वेछ।

सबँसवाँ वर्ता-बर्ता सब कुछ सबँधनित्रमान्।

क्वर्षे अवर उच्चतम बरम परम महोननम बरिष्ठ क्वर्षेपरि, सूत्रीम।

सर्वोच्यन्यायास्य हे उज्जातम स्थायास्य सुप्रीयकोर्ट।

स्वाच्यायात्रसः द उच्चतम स्थायात्रस सुप्रामणाटः। सर्वोत्तरकः १ बाहरूट उत्तम श्रेष्ठ २ उत्तरपटतम वेहगरीय सप्टडम सर्वथयः सर्वोत्तम सर्वोत्तरः।

सर्वोत्तमः उत्तम भारः, भेष्ठतमः सर्वभेषः, सर्वोत्तृष्टः (१.) । सर्वोपरिः है सर्वोत्तप्टः।

सतस्य सेंपू तस्यानु तस्यातीत धर्मीता संबोधधीन संनोधी।

सनवनत दे बस्त्रनव।

हिन्दी पर्याय कोस / ६४७

सलबट

```
सलबर दे सिनवट।
```

सत्तवार पाधवामा क्रमवार।

सताई १ अजनसताया गुरमणू २ वीसी सताकर ३ किमी विदासमाई माणिकः।

सताच छत्र धनाका सरिया सनाई।

सत्तात वादाव वादावई वादाव वर्ष वंदरी दुवा-सत्ताम सत्ताम-

शरीकुम सन्ताम-नातेषुम है नगरकार।

समामत कृतनपूर्वक वैरिवत ने विदा वीवित सङ्कास बुरप्रितः । सतामती १ कृषक कृतन-रोग वैरियत २ र्राटुसरी स्वस्वता

३ च्या मुख्या।

संतामी १ गार्कबाइक बागर २ दोपींकी समाधि ६ नक्सप्रश कनडी मेंट।

सप्ताह ऐडवाइस परामर्ज (दे ) अवका नक्ष्मचा राग विचार, विचार-विभिन्नय सम्मति (दे )।

चलाहकार परानमें (वि ) परानचें-सता (व प्र वि म प्र )

मनभा-वाना (स. प्र.)। सम्प्रदिवसः शाविनियतः समस्य योग्यना (वे.)।

संसित्त देश्यानी।

समिना : दे नदी।

समीका १ (बण्डा) वंत वरीया करूर १ तमीव सङ्गीव तौर सरीया विष्टता सम्बता १ वर्षाय-व्यवहार।

सप्तीक्रमंत द्वत शक्ररवार तौर-तरीक्रे वाता तमीववार, वहबीबमाध्या बामकर, शक्ररवार, सम्म गुर्गस्तुत :

सलीव : पात्र।

समीत वंगीर, विनीत जांत शारिवशिय घरल सहनशील।

सतीय १ मुत्रागरेकार और भागी (जावा बैक्के क्ष्मील जुर्दू सतील वदान) २ जानान तरन सहज नुपन नुवोध !

समूक गुनूक सामरण वर्गाय-व्यवहार।

समुद्र नगरगार (है ) प्रयाम समाम सैन्यूर : समुत्रो, समोनी रागार्थान रागारी रागी :

सनोका ११ तूंग्य २ तवसीयः

सम्मनक बाबसाहत राज्य साम्राज्य हुनूमकः

९४ × / हिन्दी वर्गीय कीत

गास्ताम । - -वीचीनी १५९२ कारी सबयस्य सरवी वे समनगरका सदयस्य सबर्ध १ एक रग वाले समवर्ष २ एक जाति वासे समाधीय समजातीय १ दिजाति हिंदू, ब्राह्मण-स्निय-वैस्य : १ पूर्ण्य २ नेकी मसाई। सवाब १ सवा सवापुता २ वागे वहकर वह-वडकर। सदाया १ आक्ना चढाहवा (सिरपर स्वार खते 🗐 २ अस्या सवार रोही पुषसवार। सवारी १ वाड़ी यान बाहन २ आक्यु होना चड़ना (उस बोड़े पर धवारी यत करना) ३ आने जाने वाला मुसाफ्रिट, धात्री ४ बमुख शोमायात्रा।

सदाल १ दे प्रकार प्लाइट, बिंदू मुख्या।

सवाम सवाब उत्तर-प्रश्वुतर नहा-मुनी ठर्ड-वितर्क बहुस बाद-विवास हरूमण २ सम्बन्ध तकस्यर विवाद ६ शस्त्रोत्तर।

संवातिया प्रानवाचक प्रस्तसूचक (संवासिया कम्सा) ।

सविता दे सूर्य।

समित्य वित्रश्रताकेशाय वित्यकेशाय शानुन्य शिरभुकाए, ह्याम जोडे।

आह । समेरा अस्पोदम ज्याकाल नगरसम शहका निर्माण प्रत्यूप प्रमास प्राप्त प्राप्तकाल अनर विद्यान आहामुद्रुई पिनसार, मीद

विहान सहर, सकार पुत्रह भुवह-सवेरा सूर्योदय । सवेरे जनस्युवह तहके तारो की स्रोव में यी फटते प्रातः बाह्य मुहते में भूँह जैंडोरे, सकारे, सुबह-सवेरे, सुबह-सुवह।

भूरत म भूर मन ५ तकार पुषर मन ५ पुणर मन प्राप्त १ शिक्त २ तरा हुना जला भन्मीत भयापुर।
सरास्त है स्थितज्ञानी।

सरास्त्र - बारमास्त्रपुष्टन हिमयारबेट ह्रवियारीं सं सैस ।

समिरस्याद अपर छे नीचे तक पुन-का-पुन नव से निव/सिर तर पूर्य का-पूरा साध-मा-सास सिर-ता-मा।

ससम्मान बाहरकत संबंदा साहर।

तस्ता १ कमझीमत कम बाम का सहेंबा (कोई नई महेंचो नोई नई सहेंचो—मीरा) २ नरम यंदा मब्दा १ वटिया मामूनी ताकारण साधान्य।

सस्ती १ मंदापन सस्तापन २ सस्ताई,सस्तापन व मंदापन मंदी।

द्विन्दी नर्याय कोच / ६४१

बताब बान उपव नेत धान्य फरास बस्य। सस्य

समेत, सहित साथ साब-साय। स्र

१ सङ्ग्योग २ सहयोगाधारित संस्था सहयोगी संस्था सहकार

३ भाम (दे ) रनाम।

सहरारी को-जापरेटिव । सहबरी १ सची सहेसी साधित २ दे पत्नी।

१ मासान सरम सुवन २ बनायास स्वतः स्वमावतः सहज ३ बूदरती नैसर्विक प्रष्टत प्राष्ट्रतिक स्वाधारिक ४ सामान्य (नामैन) साबारण।

सहयामनी दे पत्नी।

> सहन १ थांगन चीक प्रायम २ विविधा दरगुदर बर्दान्त सहन शीमवा सहिप्यूवा।

क्षमाबान् समागीस धमग्रोर, विविध् धैर्यमान्, वैर्यमीव सहनदील

सिंद्विष्णु । शमा रामानाव समावृत्ति विविक्ता बीरण वृति वैर्प सहनगीसता

धैयेनीमता काति सहिप्युता। १ वर्षान्त करना सहय करना २ उठावा झेलना भोवना सहना ३ वाने देना वरगुजर करना माण करना ४ निभाना।

सहनीय नाविमे वर्षात्र गवारा सद्घा।

सहमत रकामंद राजी। सहमति इन्छर रवामंदी सुसह ।

सहमना १ वरना (दे) २ वनराना (दे)।

सहयोग १ मवर महायता हाच बताना २ परस्पर सहुबीय परस्पर

बहायता महत्रारिता। सहयोगी १ मददबार, सहायक २ साय-तायकाम करनेदाला सहकर्ता १ सम्बामीनी ४ दे साथी।

सहबास १ दे संग २ दे मैंचून।

जनग्मान् अचानक (दे ) एकदम एक-अ-एक धनबारमी सर्सा यकायक हुटात्।

शहस हकार।

तरानुवृति नमनेदना हुमदर्शि।

सहायक १ बार्या हाच नवदयार, सहयोती २ सहवारी (सहायक किया) ३ असिस्टैट उप डिप्टी नायब सवा

१ इमदाद मदद सहयाय सहारा साव देना हाद बटाना सहायता हेरूप २ एक व सनुवान सांट ४ राहत ५ समर्पन।

(aided) इमदावी (वि ) साहास्थित (म प्र )। सहायता प्राप्त

सहामिकी (aid) सहायता (राव )।

१ बबर्गन भाड़ बार्गन साचय सासरा मोट टक प्रथय सहारा चरीसा २ इनदाद नदव सङ्घायता ३ आधार ४ संबस-१, वस ।

दे साय।

सहित सहिष्यु दे सङ्ग्रचीतः।

सहिष्युता वे सहनदीनका।

१ ठीक मुख्य २ तथ्य यवार्ष (दे) सच सस्यः ३ दे

रुचितुः ४ वस्त्र**क**ण इस्त्राक्तर । सही प्रतितिप (verified copy) मुख प्रतिनिधि (उ. प्र.) मुख प्रति (क प्र वि ) सच्ची प्रति (म प्र ) सच्ची प्रतिसिप

(वि ) सत्पत्रतिसिषि (स प्र ) सही प्रति (वि ) । बुस्त-बुक्स्य क्षेत्र-काढ मजी-माति सुरक्षित सक्तात । सही-सतामद बासानी सुविधा (वे )। सर्गतियत

सङ्ख्य १ कान्यममंत्र काव्यरसिक रसमर्थेश रसिक धनेदनसीस साहित्य-मर्मेज साहित्यरिक २ उदार, इपानु दयामय दयास् दयाधीस ।

१ कोव्यमर्गवता काव्ययक्षिकता रक्षमर्गवता रविपता सङ्ख्यताः <del>र्वदेदनतीलवा साहित्य-गर्नेत्रदा साहित्य-रविषदाः २ अनु</del> क्या उदारता हुमा दया।

(बसी-माठि) बांच-परक कर लेना वैक-माम सेना सँमालना सहेबना रिका-मुनाकर वेता भुपूर्व करना शॉपना। समिनी सची (रे )। सहेली

सहोदर १ (सं) वे पार्व २ (वि) अपना अपना बास सवा। सहोदरा दे वहिन।

काबिनेवर्षास्य वर्षास्य करने सायक सहनेयोच्य । सद्ध साई १ मालिक स्थामी (१) २ ईस्वर (१)-३ प्रशीर। त्रोहत इंबीर, भू बना सिक्कर।

सकिशिक १ टोकेन नागमानकी संदेशकम की २ प्रतीकारमक व योगक बोधक सचकः।

साविषकी स्रीटेस्टिनसः।

सांस्थिकीय (statistical) १ व्यक्तिमा-निषयक व्यक्तिमा-संबंधी (स अ०

संग्रं ) आक्रिक साध्यक (चंग्रं) । स्रोतः अस्त्री भारता वश्यितः।

स्ति वार्थ नाता वार्याः । स्तिपीयाम् स्त्रपं स्ति तक सार्वत पूरा पूर्ण सपूर्वे सभी अपो-उपनिर्धे सहित सभी साम्राज्ञो प्रशासामाँ सहित सम्बक् सर्वादीकाः।

सांधातिक भारत बान नेवा प्राच नेवा प्राचानक।

सीका रुवाफिरमा छर्मा २ पैटर्न ३ छरपा छन्या।

स्रोतः वे संस्था। स्रोट-पाठ १ येल मिकापः २ गुप्त-संक्षि मुप्ति-संक्षि पद्यंत्र-संवि

शानिक। सीक् अञ्चलान् पुनव वसीवर्ष कृप कृपन संब ('सब-नुसंब' मे)

स्रोड । सोडभी १ क्टेंगी नावा क्रेंट २ तीववायी केंद्रमी (

माला शास्त्रातम बाह्य तसम्मी दिवाला मंतीप सथ ।

सांद्र १ विक्रमा निराध २ तक, पता ठम ३ वरितम अस्पक्षिक प्रवेट ४ नोमस स्थित सन्दर।

eter komen

सांच अन अरह, अहि जरन नहुन भौरशी चलुचया छाण डिमिल् ताल पत्तव पत्तवा प्रकार कविक घर्मी पूर्वन पुत्रवम पुत्रव भोगी नशिक्षर, नशी विषयर व्यास सरीमण वर्ष हरि।

सन्तित सानित नाभित भूतंतिनी भूतंती सर्वित

सामिक १ सामुनिक इम समय का साम्कालिक २ प्रपृत्त होतः । सामकामिक १ पंचायमक समयागाविषयक २ फ्रिप्टेबाराना १ दे संग्रहासकाती।

स्त्रियमा अभिवादि ) नामा कृत्यनम् कृत्यवन् क्षांतर नीस्त्रवर्णी यक्ते पंत्रना परणी नाम भा मैचनवर्णी नवास न्यायम न्यायकर्षे नीवराह स्तित्र।

सदिसारमः वानायम् वयाममा वयामाता ।

सौंबा जेव्हारन ब्यामक क्यामाक सर्वा।

सीसः १ थम क्वास २ अवकात्र फूर्येट ३ थमा।

सीसत संसट तक्तिक, दिननत परेवानी फनीइत ववेडा।

सांसारिक इंड्रमीकिक ऐश्विक बुनियाची भवसंभव भौतिक लौकिक। सांस्कृतिक करणस संस्कृति का/विषयक/संबती।

सा सुन्य बराबर, वत् सबुध समान ।

साइंस विकास ।

साइकतः पैरवाडी बाइक बाइसिक्सि साइकता ।

धाइक १ आकाए, क्य संवान २ संवाई बीडाई।

साइड १ शरफ पत बद्धम पार्थ २ शरफवारी पता।

साइतः १ सङ्घ्या सृह्यं श्रुष्म यही शुधकाला २ वही पल समझा सङ्गा।

साइन १ मधिजान चिक्त सकेत सही हस्ताक्षर।

सर्वं दे सौदी।

साई वेशवी बवाना।

साईनबोर्ड १ शास्त्रकृति नामगढ्ड नामगोर्ड नेमबोर्ड २ शूकानबोर्ड ३ व्यवसामबोर्ड ।

साईस अवस्थान रकावबार सईस।

साका १ बाका संबद् सन् २ कीर्ति व्याति नाम प्रसिद्धि यज्ञ । साकार १ बाकारवान् मूर्त २ मूर्तिमान् सासात् १ स्मूस

४ समूच *।* 

साकिन (ना) निवासी (का) छने वाला।

साझी १ नवुनासा अधान पितानेनामी साहीनासा २ मानुका।

साकेत वयोध्या वयोध्यापुरी कोतवपुरी।

साप्ताल १ वाँको के बाने प्रत्यक्ष समक्ष सामने २ मूर्व सामार। सामात्कार १ (interview) वेदार्थन इंटरब्यू, वर्धन फेंट मिनन नुना

कात समझमेंट (स प्र) सास्य परीक्षा (उप) २ प्रक्लोत्तर, बातचीत मेंटवार्टी (रेडियो वादिये)।

साली १ मनाह चनमदीद यनाह २ मनाही सहादत।

साध्य १ गवाही सहादत २ प्रमाण सबूत ।

सास्योकनकरना वे बनुप्रमाचनकरना।

साम्ब १ अकट युवनिस प्रत्यय (नि. म. प्र.) निश्नसनीयदा

हिन्दी पर्याय कोश / ६१३

बाव-पत्र साधवी

```
विश्वास (म• प्र ) २ (तेन-देन की) प्रामाणिकता
१ क्यांति माम प्रसिक्षि ४ सम्मान (दे )।
```

साख-पत्र (credit-note) प्रत्यम-पत्र (ड॰ प्र॰) प्रश्नारपत्र (वि )। साक्षी १ वोहरा बोहा सोरका २ गवाह साली।

त्या १ बाइस वाहा सारका १ वदा

साक्ष्य वाल वृक्ष सास वृक्ष स्वयुक्ताः
साव्य तरकारी भावी बाक्ष्यक्रवी (दे) साव भावी साव सम्बो।

सायर १ रे समुद्र २ कंडाल गंबाल।

सावकाय टीक सामीन।

साम ठाट-बाट समाबट, साम-बाज साम-सरमा सामी-सामान के भारत।

साख १ वाजा वाच वाचवृद २ उपकरण शामान (मोहेका

हाव) १ वनानेवासा (जिल्लासा वीनवाव)। साजन वे ग्रेमी।

साजिक्षा समाजी सरपरवाई साज/वावा वजानेवाला (सामाजिक)।

साबिश वे पद्यंत्र ।

साक्षा १ पती पार्टनिय कराकत क्षेत्र ए, सहभागिता सामेवारी

[हस्सेवारी २ अंश वर्डिट, मान विरक्त हिस्सा ३ वे

इक्ट्ठा।

साती वे सामेदार। सामवार पद्धीवार, पतीवार, वाणी भाषीवार, वरीर सिरमती सह

भागी सामी हिस्सेबार। सामग्रारी पत्तीवारी भागीसारी सहमानिता सामी हिस्सेबारी।

साठ-गांठ गुप-चूप गेंठबोड़।

त्ताठा पष्टिवर्षी साहसाना।

पाठी पवई।

साड़ी एक्साई धोती बाटिका शारी।

साडी नामाई नमाई।

साड़े अर्धनहित नार्ध।

सात सप्ता

सातस्य अविध्यन्यतः निरंगरता नैरंतर्यं समातारतः सत्तत्ता। सारुवी सन्तर्भः

६६४ / हिम्दी पर्याय बोस

सारिक नेक सतोव्यी सदाकारी सद्युपी।

१ संय समित सय-भाव कोसी-दायन का साथ भीर-श्रीर साय का साथ सहवाम साहचर्य साहबतः २ संपर्क संसर्गः । स (सनुमत सम्माप) सह (सहमापी सहयोग) सहित

४ समेड १ इमराह।

१ (बायन बादि के साथ म) तबना बादि बवानाः २ वसी से साय देना कंधा मिलाना नंप देना चहायता करना/देना हाच बँटाना ३ मानाज में भागाज/सुर य सुर/स्वर ये स्वर/ही में ही मिनाना पूरा समर्थन करना।

सानी १ संवाती संयो संयो-सायी सका सङ्घर, सङ्गाती सहयोगी साथो-संगी हमजोली हमदम हमराही हमसद्भर २ बोस्त मित्र (वे ) सुहृद् व जोड़ी-पाड़ी हुमडारा।

सरनता साद्यपन सिमाई सीमापन । सादयो

मावरपूर्वेक बाधावक बाहरवन ससम्मान, सम्मानपूर्वक सारर समद ।

१ निष्काट सरन शीक्षा शीक्षा-शावा धारा . ३ वानित दुढ ४ कोस वाको (शास्त्र) १ साह स्वच्छ।

सादुरय १ एकक्पता सङ्ग्रता भमानता २ तुलना वधवरी।

समिमापा इण्डा (१) कायना इवाहिस मनोरामना । साव १ तपस्की तापस योगी ताथना करनेवासा २ वरिया ताधक वडीमा ३ करम।

क्षत्राय करिया यूनिन संसायन हिस्मन। साधन

१ (वं ) तप तपस्या योग यौषिक साम्रका २ (कि ) सामना (काम) संजाम देना (कामें) पूरा/पूर्व/विज करना १ पास्त बनानाः ४ नियाना/सक्य सामना संमान करनाः १ सम्यास करना बादत हालना।

एक्समेंता धर्मसाद्रस्य समझमन्त्र समानता। साधर्म्य

अवय्य अहता, जाम निविधिष्ट, मामुली सामान्य सामान्य साधारम स्तरीय सार्वजनिक २ बीस्ट ऐवरेज सामान्य ३ बासान सरम सङ्ग्र सहस सुकर-४ व्यापकः।

आमजीर पर, बहुमा आयः, मामुली सौर पर, सामान्यक सामास्यतः

साहित्य एकिक कमा प्रेकक नाद्यवर्षक ।

सामान १ दे सामग्री २ स्वेज ३ शसमान समाविमाठ साची सामान ३

सामान्य १ नार्मेश प्रकृत बदस्तूर, मामूनी मोटा-मोटी साधारण (वे )।

मामायत प्रायः, मामूनी वीर पर, मीटे वीर पर मोटा-मोटी साधारणवः, वाधारणववा सामायवया।

सामान्या 🔻 रेडी ।

सामिप नासाद्वारी (भोजन)।

सामीत्य निकटता नैश्ट्य समीपता। सामृद्विक पंचावती सामुदायिक।

साम्य एकस्पता सुक्षाकः वरावरी सबस्यता समतः स्वानताः

द्यान्त्रशाद शम्यनिश्म ।

साम्यवादी वध्युनिस्ट।

असाधान्य आविष्यत्य भावनाहित्यतः कावनाहि राज्य समस्तना सार्वे जीन वक्ताः

सत्कारकाव इंपीरियमियम साम्राज्यतंत्र साम्राज्यसाही ।

सामात्रो महाराणी रानी। सार्व पोप्ति विनान विवसायसान प्रदोषकाल राजनीमुख शास

ग्रामा (रे ) सीत सार्यकास सूर्यस्य । सामा पेटिकोट ।

सारंग १ के हिरण १ विष्युधनु, विष्युधनुत्र ।

सार १ श्वान्त्रकर, पृथाना वीतेर १ पूर्वत्यक्य सारतस्य सारकृतः सारविधेय सार्वातः १ वीध्यात्र सारवं निकायं सातकः ४ वर्षः निकाकः कृष्ये-मुखाय सत्य १ लाहा (पुर्द पाल के स्रोत सी सार घारत हो लाला)।

सारपनितः पॅनीरः सरवपुर्णः सरवपूर्वः शारिषकः सारपुष्तः सार्यकः।

सारणी टेबुण शारिणी जूणी। सारणी रचणाणक रचवान्,रणी सुन।

साररहित अनार यागना बोबा निरगाय निरमार, बारहीत।

सारस्य देश्यरमता ।

सारांस दे लार १ २ निभी इ भागार्थ ।

सारा दे संपूर्ण :

सारिका मैना शारिका।

सारिको देसारपी।

सार्वकः १ सर्वयभित सर्वपूर्णं अध्युक्त अर्वसिहित सार्व २ महत्त्व पूर्णं ३ शतकार्यं इतहत्व इतार्थं ४ कामयाव कारसर

सफन सफनीभूट। साथे अभैनुकत साइ।

सार्वेशनिक विरंतन नित्य सास्थन सर्वेशासीन। सार्वेशनिक आम पश्चिक राजशीय (वि

काम पश्चिक राजकीय (वि य प्र) मोक्रिक्टित (वि) शासकीय (वि स प्र) सक्का सर्वसाधारम का/ विषयक/संबंधी सार्वजनीय सार्वजन्य भौतिक सार्वभीय

सार्वसीकिक। सार्वक्रमीय के सार्वजिक्छ।

सावजान व सावजानकः। सावजिक विश्वजनीन विश्वज्ञापी सर्वज्ञापी सर्वज्ञापी सार्वजीय सार्वजीतिकः।

सार्वदेशिक विश्वजनीत विश्वज्यापी सभी देखों का सर्वदेशीय सार्वमीन

शार्वमीतिक। सार्वमीय है सार्वमिक है सार्वहेदिक।

झावमास द साववानक द सावदाशक। साल १ वे वर्ष २ शासवा १ दे दर्द।

सासगिष्ह् जन्मदिन जन्मदिवस वर्षमाँठः। सामन १ तरकारी मात्री सम्बो २ निरामिय या सामिय सम्बोः।

सामना चमकना चुमना टीस नारना टीसना पर्र करना दुश्व देना दुखना !

साला (पानी का नाई) स्पावक खिनंदर।

साताना बार्षिक सानियाना ।

सातित अवंधित पूरा पूर्व संपूर्ण (दे ) साबुन।

शासियाना वार्षिक सामाना ।

साली (शलीकी बहिन) सब माइन ।

लाकप्राम क्रवरवाद शैतस्य शोकमा शोकस नायत नायस्य संघत सत्रम सत्रकं सुषत होग्यारः।

साबधान करना जापाई करना उद्युक्त करना खबरदार करना चंत्राता चेतावनी देना चेतन्य करना चौकन्मा/चीक्स करना चताना बाबधान होना

साबधान होना

शहर

बावत करना बेबार करना याव दिलामा सबेत/सबन/धवर्म/ होबिवार करना ।

कान तक होना अवरतार/पीकना/पीकक/वापकक होना संचत/सतर्भ होना सतर्जता बरतना होत मे माना होतियार होना होसियाधी बस्तना ।

सुवरवारी चैतन्यदा चोकमापन चोकसी बावक्कता सावधानी सबयता सामधानता होवियाचै।

श्राध-शाम यसे रखना कीवे की नवार रखना नित-तिनकर तामानी पैर रधना चौकमा पहना चीनसी बरतना कर-करकर इसम/ बरतेबा पैर रखना पूंध-चूंक कर झबय/पैर रखना बतर्वता बरतना ।

सम्बन व्यावध । सावित्री १ आपरनवीका परिवरावका कती-तानिकी २ ब्रह्मापरनी

सरस्वतीः व सम्रवा। साध्योग प्रमाम रंडवत ।

१ बहुत जादर-बम्मान करना २ (ध्यम्प) इतमा छे दूर तायांग पहलां छाया से दूर मागना दूर ध्यूना बहुत बचनर ध्यूनी प्रधान करना

बहुत बचना । १ त्रवम् २ चटमी। ताम १ वनिया बहाबन खाहुबाद, सेठ २ वारी-वदारी न करने

बामा चनामानुस बरीप सम्बन्। साहचर्य १ सन संब-साथ संगति सहस्राता बाब २ संनठन

नहबंध । साहब १ अधिकारी बात हातिम २ नातिक स्वामी ३ वी महाजय यहोदय (यास्टर साज्य - नास्टर की) ४ ईत्वर, १, अंब्रेड कोरा वीरांव व्यक्ति बुरोपियन ६ टाइ-शाट

बामा । साहब कावा पुत्र बेटा ।

१ दुआ-सत्ताम वाना परिचय शामाम्य परिचय २ अनि साहब-नेन्दानत बादम बंदनी सत्ताथ।

१ अपनध नाहव/साहवों का (बाहबी दांठ) २ मिच्या सारुवी भिनान नामुबियन नाहिबियत ३ टाट-बाट बाला । है जिनरा जीवट विलेशी अनोबल हिम्मत हीमना

६६० / हिन्ही वर्षांत्र नोश

साह

<del>---</del> <del>- -</del>

> हर्ग्ड जाचा हर - या र

केलेंग असरक प्रक्रिकारण क्रिके

----

केल केला

स्क्रीता देखा है है है कि स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त

2 Fine more than the second AND STREET STREET angular of the same and the same THE PER LAND print strategic and and STORE FOR STATE OF THE STATE OF

----

The state of the state of

سيعزق ورجاته

THE STORY OF THE THE THE THE

the court with the same of

\*\*\* 1. \*\*\*

THE CHAPTER THE STATE the same and same and market and the second

The same of the sa And the first of the last

And the state of t

-----

प्रियाहे

सिनारा १

आवपाकी सिवत ।

सिद्धर १ अरमधराग नायत्र नागरमत रस्तपूर्ण बोहाम सीमाम्य सीमान्यशिक्षः

तिबूरिया तिबूर के रंब का । दे । मास । विकृति

... सिंघु १ दे समूद्र २ सिंघुनदी।

सिन्द है । हाती।

तिह १ केमरी केमरी केमरी केमरी वाहर, वंचानन पंचास्य मृतराव नृबराह, मृतेश्व चनराव धार्युक्त केर शेर-बनर २ बाप स्वाहा।

सिह्यार मुख्य काटक मेन पेट, स्वर फाटक।

सिष्ठनाड १ गिइनवेंन विह्नवेंना २ (युट) समकार।

सिक्की १ केरली २ वापित ।

विद्ववाहिनी है पूर्वी।

तिहाबतीस्त विह्नमधुष्टि (वे॰) विह्नमावनीयन विह्नावतीयन

सरसरी दृष्टि से बैधना । इस व्यव धानवही धानासन बंधसन ।

निहासन वप्त प तिहनी गेरनी।

तिकड़ी १ हंडी तांशत २ चेन बंबीर (बेचर) ।

शिक्ता बानुग बानु नद रेता।

सिरक्तर बीधान नंत्री बढीट, सनिव धेनेटरी।

तिरहर छीका।

सिक्षुन १ मुरी बस बियन विसवट- २ आयुंचन सिङ्कामा।

तिककृताः १ बोक्षित होता बद्दाना संपूर्णित होता तिमटना २ शुरी/बक/निकन/तिकाट पहनाः

तिन्दक् (वड़ी मोटी) वंबीर तरिसः।

निक्रा : १ (वैभा अक्रमा पंत्री काली जबनी अठमी रुपया को क्षमा आदि मुख्य की टकमाल में बली) वालुपुका २ तीला के आपंत्र प्रकृत कीलवाला शेव शीव।

र कायक प्रमुख कालवाका रावे शिवेश क्रिक्त आर्थे सार्थ अन भीवाश

निक्योरिटी १ मुरक्तप (न प्र ) नुरक्ता (शाय-समी) २ अमानत

६६२ / हिन्दी नवाँच कीव

(उप≁ वि म प्र ) प्रतिभृति (क्रेंग्रादिसभी) ३ म्थ्य पत्र ऋषाधार (वि ) ४ वमानतपत्र प्रतिभृतिभय।

सिगनम चिह्न संकेत। सिकका चैक्चत प्रचाम साप्टान प्रचाम।

सिष्टकिनी अगरी मर्गेसा घटकनी घटवानी।

सिटिप्ता विकर्तव्यविभूत हो जाना घवधा जाना सहस्र वाना सिटिप्टा जाना ।

सिटी नगर सहर (दे)।

सिक् बन्धाव बन्ध धून पानसपन वावसापन सनकः

सिद्धी उत्पाद्य उत्पादी प्रस्ती धुनवासा पापल वावला सन्त्री। सित्रं १वे स्पेत्र (वे ) स्क्रीय (वे ) २ उत्पन्तन पमकीसा।

सित्तन भरवाचार भरवाय उत्पीवन ग्रवं जूनम कोर-जूनम।

सिक्तमपर अत्याचारी बन्यायी चालिम बस्मी।

सिलांगु वे वंद्रमा।

सितारा १ उन्नयम तारक ताच नक्षत नक्षत २ किस्मत तक्ष्यीर, नसीन प्रारको सार्थ।

शिक्ष १ निक्षिण प्रमाणिक धाविक शाविक विश्वाहुमा २ जवाना हुमा पक्षायाहुमा पक्ष ३ पूर्ण श्वपन संपादिक ४ हृद्र कार्य स्थल १ सप्तनी स्थोपुत महारमा (६ ) योगी संका

तिज्ञहरतः कमानाका कुष्यम करी निपृष निष्यात पारंपत प्रवीध साहिए, विक विदेशका

नाशुर, तमा तमाचा । सिकांस माधीयोगॉनी वपपति बसून विवरी व्योपी धारमा नियस यह काद शुवितिहासह शुवा:

सिकार्वे दे बुक्का

सिद्धिः १ कामवानी इतकार्यता सफलका २ प्रमामित/साहित होना: १ बलीफिक प्राप्ति योगिक प्राप्ति ४ कलीफिक शक्ति १ क्यासियत कुतलका निपुत्रता प्रश्नीयता सहारत विखेलता।

सिद्धाई भोलापन धरलका सहजवा साधृता साळप सीमापन। सिद्धारमा १ पमन करना बाना प्रस्थान नरना २ ईतनान होना संस्ताह नो प्यारा होना पंचाव नो प्राप्त होना मरना (१)

```
feet
```

मस्हम होना मृत्यु को प्राप्त होता स्वर्ग शिक्षारणा स्वयवास सिनकता STAT 1 क्रमित्र विजयह हासीर थिएम पूर्वी। BARRY ! লিক্তনা सिनेमा कारटेबस पुरिसं । सिपाडी हे मुन्दे। कीरो सूच्य सूच्या। बनुत्रेश बातशा रिकॉन्डसम संस्तुति। Frigt ृ मातम मुदंगी २ मातमी रोना-धोमा मातमी रोना सिकर तिकारिश मरमी । सिकालिस <sup>६ श्रीवद बहुक श्रुवासः</sup> २ कावर डरपोक सीवः ६ पूर्व विदाया वीरमा । (हे ) मनवार (हे )। HUTT हे राजनीति। राजनीतिक राजनीतिक। सियासत सियासी १ उत्तमान क्यार क्यान धोपडी माया मुंड मूँह मीति हे॰ स्वाह । शिवाह जिर भीत सर २ कोटी सिरा १ प्रधान प्रमुख बना हे स्मादी। तियाही १ क्रिंट मुद्द (हे ) क्रिरोमीय सरवात २ शरवार feet भेष्ठ, शरतान सिरतान । १ क्रिकेट प्रमुट (१ ) शिरोष्ट्रवण मायक मेता प्रधान (ecara (k.)1 कारित मुख्या मूच्य क्यक्ति करवार (दे )! सिरमीर शिरीय मिरीस स्वर्शेष्ट्रपक । १ बनी गोंप व्यान्ट २ विनास छोर। fatti विराष्ट्रामी रीवा विवयारी मुद्दे मूद्दे । Ferti तिरीय : तम माना मृत्यूना सिनशिसा । falex. १ बहुटान पालर (१) जिला २ पटिया (बीतने का) १ वेजस गहत जात २ कम। (hri मोहा विमोटा निमीटी। FRFF

सिमधर १ सिक्त सिहुत्व २ सुरी।

विविश्वास १ कम २ परंपरा परिपाटी मूंचला १ इवजाम करतीय

प्रवेश व्यवस्था ।

सिसिसिमेबार कमश्र कमानुसार कमिक रूप से तथ्यीववार, व्यवस्थित रूप से।

तिषह वे इपियार।

सिलहत्ताना अस्त्रापार, शस्त्रागार, प्रविधारकाना ।

सिनिकर वेलन्।

सिनौदा वडा सिन।

सिनोदी भोटासिन।

सिन्क १ रेशम २ रेशमी क्पडा।

सिहती १ (बीकोर) खंड (बर्ड की सिक्सी) स्मैंब २ काप्टबंड

स्त्रीत ३ सान (धार रोज करने का पत्पर)।

तिवद्धां सिवैदाी। सिवदे सिवदे

विया अतिरिक्त अलावा छोड्कर बाद एकर, विवास :

सिवान नाजेड़ी निमिट सीमांत सीमा इर। सिवाना १ शिवानय विवयंदिर २ मेंदिर (दे०)।

लिक्टि समीनिक नागरिक।

तिवित बार पृद्युखः।

विकित्त सर्वितः अर्थेनिक स्था नागरिक देशा ।

सिवेदां वै सिवद्यां। सिसंस्का चेना (वे॰) सिमक्ते हुए रोगा सिसकी सै-सेकर चेना।

सिहरत : धेमोच विद्धी।

तिहरना १ गोपना (१) २ ठरना (१०) ठिठुरना।

सींक १ जिनका सीली पश्ता बेठन समाई।

सींडबा १ (कोहेकी) छड़ सरिया २ पित्रका शीक्षका १ वेस (रे)।

सीकिया पुरसा-पतसा (शीविया सवान) ।

सौंब विवास शृक्षः

सीचना आवजाती करना पानी देना सिचाई करना। सी आर्च ही १ चक्रिया विभाग २ भूगावट, वेदिया।

हिन्दी पर्याय क्रोस / ६ ६ ऱ

सीकर देश्युद।

सीबेट गुप्तकात नेव सहस्य।

सीका १ छपदेश नशीहत विका २ परामर्श, मंत्रका समाह ।

লীবদ কুলু।

सीबकायर पुत्रविराम।

सीट बासन जनह वटन स्थान।

सीरवा गर्वोशिन करना बीट होकमा बीय मारना/होकमा यह-वहकर बार्वे करमा खेली बचारमा/मारना।

सीबी वियुष द्वार्ग।

सीठा नीरस फीका वेबायका बेमबा।

भावा नारव काका

सीती जीना वर्षनी पीड़ी शोपान।
सीता
१ स्वांबा जनस्कुलारी जनस्पांकिती जनस्कुली जनस्कुला
जनस्कुलारी जनस्पांकिती जनस्कुली जनस्कुला
जनस्का जानगी संप्रीचुला अरासन्ता पुरनमा पुरुषी
पूरिका पुरिस्तावा पुरिस्तुला कृत्या विविधेषकुमारी
सीनिमी रामानिया विवेदकुमारी विवेदकुला वैवेही २ दूँव

हराई, हनाई। सीक्षाक्रम १ कर्डू, काकीचल कुम्ह्बा पुरमांव कोह्डा पैठा

२ सरीका। सीरकार सिसकारी।

सीरकार विवकारी।

सीध १ निज्ञाना सार, जस्य २ सीची रेधा। सीधा १ पुराधियाँ की गाय तक याथ थी भोला योजा-माजा स्वत्रक नरक सरक्तिया तासहृदय छाडु सीधा-सादा २ माजान सरक सहस्त्र पुत्रम १ सेक्सान ४ कर रोग प्रध्या १ स्त्रमु सरक सम्बन्ध समा

सीयापन विश्वाद भोनापन सरनता सहजता सायुगा सारस्व ।

सीधे १ विमा वहीं चुड़े सामने २ विमा लाग-नपेट के स्वय्ट्टः (सीधे वह बेना) २ विमा विरोध के शराध्य से वांति से १

सीन सीनरी दुश्य परिवृत्तय अंश्वर ।

तीना १ माना जानन जर उरस्वम भोड़ छाती नेत बसानन हिंग दिवस हिंग हृदय १ नच्या गरना जूनना ट्रान्स नूरपना मध्यपाकरना विलया विलाह करना।

सीय गुनिन सिनही सिनुही भीवी।

सीपी मुस्ति सिवाही सिवुही सीप।

सीमंत मौग।

सीमात सरहव सीमा हव।

सीमा १ सम्बद्ध सीमाउ सीमारेका २ मर्याचा ३ सिंठ होतहा चरम पराकारत विमिट हव हुत् ४ संत छोर।

सीमागुस्क साधात-निर्यात कर, शूंपी।

सीमित १ परिमित परिशीमित २ मर्गावित ३ कम कोड़ा। सीरत युक्त प्रष्टीति मिकाल मुक्तप्रकृति सहववृत्ति स्वमावः।

सीरा १ पवना इसना थीय २ वासनी।

सीत १ धाप गुण मुहर, बोहर, २ बाइँवा वरी नभी सीह सीसन।

सीलन वे सील २।

सीता आहं पीना धर, नम शीननभन्छ।

सीवन सिसाई, सीवन।

सी-सी सिस्कारी सीलगर सीसी।

सुँवनी नसकार, नस्य हुनास । सुँवर १ जन्छा (दे ) सन्छा-

१ जन्छा(रे ) सन्हा-शासा सनुपम धनुपमेग सनुहा धनुप सरीका अभिराम अभिरूप सलवेला स्वलोकनीय बाक्येक श्राक्षीयान उत्तम उमद्य कमनीय नतित कांत नातिमानु, शान्य शासा भूतनुमा भूतमुरत चंपा चाद विकादयंक चोबा डमोला (छमीली) ठउहरार वर्तनीय विसमध विस-चस्य दिश्य बुश्यमान धबीला नकीस नमसीन नयनामि-राम प्यारा अर्थस्य प्रियं प्रियदर्शन प्रियदर्शी फ्लीका क्रेसी बौका मन्य संबु सबुल संड मनभावन सनमोइन सनहर, मनहरूप मनहार, बनहारी बनोज बनोविधम प्रनीरम मनोहर, मनोहारी मोहक मोहनी रथीला रमचीक रमणीय रम्य बिचर, इपमय कपर्वत कप्रवर्ती कप्रवान् क्यमी करा समाम समित ससित असीसा शीना शोपनीय शाभदार, सुमदर्दन शोधन कोमबीय शोमान्त्रित कोमायमान शोपित भौदुक्त थीवृत सत्रीक्षा सरस समोना सुदर, सुपठित नुबट, सुबटित सुबड़ युवर, शुवाब सुदीन युवर, सुक्रार, मुदर्शन युदेह, युमन (गुमपा) धुरूप (गुरूपा) मुनानित

## ५६० / हिन्दी पर्यात गीम

<u>मुष्टती</u> चानिक पुत्रवान, शासमी सुवभी।

पुरत उत्तम नार्य धर्म-वर्ज धर्मनार्थ पुष्प पृथ्यकार्य सरकर्व गुक्मे ।

मुक्तम अमन दैन बाराम मुख-सांति शांति।

मुक्तारी कोयशांत्री वृद्दनांगी।

पुरमारता देशकोननताः

मानिक । नुक्यार देशोतन।

नुकर्य दे पुष्पा मुक्तमी मुमनपी शलामी बलाती तथाबारी धनंबील धर्मातमा,

मुक्तरता जामानी सरमना सहबता युकायता।

मुक्तर बासान सरम सहत्र शाधारण सीधा सुमाध्य ।

सुई सुवी।

मुका दे सुका।

नुबर बंबायुक्त बाराह मूकर सुबर सुबर सूबर।

सुंदरी अप्यास असवेशी इंड्रकोक की परी गोरी बोरांकी चंड्रमुखी चौर का बुकड़ा कोशहरी का चौर छनीती नावनीत त्रियर्शक्ति परी मीमाशी मूपनयनी र्संड रमची स्पवती स्पती विश्ववती श्रोधना पुरर्शना पुनवना सुधवा तुनुश्री मुमोचना इसीना इर १

भावयेन बाब कपनीयता गांति खूबसूरती चास्ता छटा छनि बीप्ति नक्ष्मसरु बाँकपन प्रव्यता मेंनुता मेंनुतता मञ्जूरिया प्रशेषका प्रशेषम्बता मनोहरका यनोहारिका पाधुधी याधुर्वे मोहक्का रंबीबापन रमणीयका रम्यका सनिरका क्य रीनक कमायता सासित्य सावच्य बदाव काना भी सबीमापम सबस्य समोनापम मुक्यता सुपमा मुदौन-मन नुहानापन सुद्वाबनापन सींदर्व सीम्बता शीय्ज्य हुस्न हृदयशहिता ।

सोफिमाना सीम्य सीम्यदर्शन सीम्यदर्शी स्वस्थवान्, हतीन हरमक्त्री हरमप्राष्ट्री हरमहारी २ असाधारण। शक्तार्वे अनुपमेवता अनुदायन अभिरामका असवैसापन सुररता

मुदेव सूर्वेचित सुक्षीत्रन सुष्ठु, सुधी सुहाना सुहात्रना

मुश्या

समन-चैन में बानद में बानंदित चूत सुग्रहास प्रफूला नुवी प्रकल्पित प्रमुखित प्रसम्भ प्रसम्मचित्त राजी-जुडी सुद्य-चैन मे मुख-कांति में मुख्या। कीर्ति (वे ) व्याप्ति नामवरी प्रसिक्षि बढ़ाई, यस कोहरता। नुस्याति चूत्रकृ सुरिंग सुवास धीरम। सु वय नुर्वेचित भुमन्तर, भूनंतपुरत भूरविषय सुवासपुरत । सुविद्य १ पुरत-पुस्स्त नुपरित हट्टा-गट्टा हृप्ट-पुष्ट २ व्यवस्थित सुब्यवस्थितः। रे गोम। सुयति १ दे सरल २ वस्य। मुपम दे सरमया। चुपमता दे वोवा। सुम्बर मुग्यी क्षोती मूकी। मुपीव साराधिय वारावीश तारानाय सारापति विकेशस्यव र्धनतभय रविनंदन वानरेंद्र हरीय। १ गुडीस सुंबर (वे ) २ कुमल चतुर, निपुच प्रवीग नुपङ् (1) १ तुंबरता (दे ) शुवन्द्र शुवन्त्रम शुवन्द्रकः २ कुलसका मुपदता चतुरता चातुरी निपुचता नैपुध्य प्रशीवता (रे )। हिम्बी पर्याय कोश्च / ६६ ट

दे भुताद। चुडिया वे मुखी।

सुक्रमव सुकांत कामकी।

सुवन कविता काव्य बायरी।

२ व्यक्षी प्रसन्तता हुर्य। मुखकारी दे स्वाद। १ बार्नदराका जानदरायी वारामदायक मुखकर मुखकारी युक्तर मुजदायक मुख्याता भुवया मुख्यायी भुवयायिनी मुखप्रव 🏢 २ सुक्रपूर्णसूचनयः। वे मुक्तवा **नुकरा**ता सुबदायक दे मुख्या

१ इ.सताकी जतादुर्वेजता २ सूचारोप। सुबंदी १ भगन-चैन मानंद भाराम चैन सुख-चैन सुख-दादि युक्त

**नुबं**डी सुमहता

```
मुक्काई
                                                             सुध
     सुषकृष
              दे॰ सुषष्ठता ।
      मुबाद
              १ भक्ता नत्यंत गुंबर, मनोहर, सुंबर (वे०) २ ठीक सही
              (R )1
    मुचितितः मभी-मीति सीवा-समाग्रा सुविचारितः।
    नुविवदण दे विक्रमा।
       तुषत : चीकम्बा सचेत सतर्क सावधान (वे ) होतियार ।
       सुवन देश सरवार।
       भुक्तक मधुयेह सुवाक।
       सुमात
              दुसीन खोदानी।
       मुखान १ चतुर (वे ) समझवार समाना ही विवाद २ बुबल
               निपुष प्रकीश (व ) ३ अवलमंद वृद्धियान् (वे )।
       सुझाव
              १ तबबीय प्राताम सलाह ए योजना ३ इसारा बडेश :
       सुदील
              दे सुंदर।
         मुख
              पुत्र (वे ) वेदा सदका।
       सुदरां १ वदः, वराएव इसनिए, इस बास्ते २ और शी
               शिवहुना ।
              मग्या पुत्री (दे ) वेटी सहकी।
        मुता
               १ अण्छा अवसर/भीका/बक्त/समय अण्छी परिस्थित अण्छी
       मुतार
               स्विति: २ वर्ड विक्पी ।
               निर्मस साथ साध-मुक्ता स्वच्छ (प्राय- बाक्र-मुक्ता क्य वे
       नुबरा
               प्रयुक्त ।
              दे स्वच्छता।
    सुवरापन
              दे सुवरा
      नुसर्गन
      भुशमा कुष्ममधा।
        भूषि मुक्त शुक्त वस मुती।
       मुक्ति वच्छा समय मुमयही।
        न्दी देन्दिः।
        नुदूर कडि/मत्त्रंन/बहुत/बहुन अधिक दूर गुदूरस्य ।
        मुबुद्ध १ कार्यन/बहुन मजबून बहुन बुद्ध २ अटन ।
   नुदेश नुदेह
               दे नुदर।
              बहुन मूचा पाछाना शेंडी।
        नुरा
               चेत्र चनना (१०) याच याददास्त सुध-मध स्मरण स्मृति
         नुष
```

६७ / हिन्दी वर्षीय कीश

होत-वर्ष होस-हवास।

सुषयुष दे सुधा

मुधरना सच्छा बनना धनना संशोधन होना संजीधित होना :

सुधार्य वे चौत्रमा। सुधा वे समृत।

सुधा द समृत।

मुधाकर वे वाला। सनावर वे वाला।

सुनावर देशायाः। सुधानिकि देशायाः।

धुवार उल्लबन परिवार्थन परिजोधन परिप्नार, मरम्बत मार्थन

संयोधन संस्थार वे सुधार करता।

नुभारक संबोधक संस्थारक। नुभारता: १ वच्छा करना ठीक करना मुख करना संवारना संबोधन

करना संशोधित करना सुधार करना २ बीनोंडार करना ठीक करना धुबस्त करना परिमोधित करना पुनरोदार करना भरम्मन करना सँचारना सँबारना सुधारना।

सुद्वाररिम दे चंद्रमा।

त्यात्व च चडनाः। सुद्रियः सीसान खबर,भतः चेतना संज्ञा सुत्र सुद्र-वृक्षः होसः होशः

ह्यासः। १ दे मुद्धिमान् २ पॅक्टिय विद्वान् (दे )।

सुपी १ वे मुखिमान् २ पॅडिय विकान् (वे )। सुनना १ वर्णयोकर/अवण करना २ कान/ब्यान देना ग्रीर करना।

पुन्तवा वरत्त्रभोका मीनाक्षी मुक्तवणी मुक्ती मुम्तीका सुन्तवी मुम्तोकी मुमको विकासकी सुन्ती सुन्ता मुन्ती सुन्नोक्ता सुन्ता हिस्साको के स्वरी।

पुनसाम् समाङ् निर्मन विपासन सीयन।

सुनहरा शोनद्वरास्यगिम द्विरध्यमय । सुनेत्री वे सुनवना।

सुपर पावर वे महासनित।

सुपरवाहबर निरीक्षक।

सुपॉरटेंबेंट अधीयक।

सुपाठ्य स्पष्ट साफ निका हुना साफ-मुक्त निका हुना गुकाच्य । सुपारी नरीनो गुजाक छानिया छानी पुंगीकम सुपाही ।

सुरुष सायकवेटा सपुर ।

हिन्दी पर्याम शोख / ६७१

(क्सिके) किम्मे क्या हुना, वस विया हुना प्रवस सिपूर्व सीपा हुना । सुपूर्व करना (किसी के) किम्मे करना कमाना देना प्रवान करना सिपूर्व करना सींपना इनाने करना । सुपूर्वती दे शुपूर्व करना। मुच्छ : निश्चाहरू निविष्ठ नीर ये सीया हुना प्रसुप्त । सुचित निकामीय। बुक्रविद्यित १ प्रक्रिक्ष (६ ) चुप्रसिद्ध सूचिक्यात २ सम्मास्य (६०) ३ सुस्यित । सुधनात पुत्रमानिया दे नमस्कारः सुप्रमासम् सुप्रसिद्ध वहुत प्रसिद्ध मकहूर सुप्रतिष्ठित भूविस्मात दे० प्रसिद्ध : सुप्राप्य वे सुसम। सुमीय द्यांच्या तुबह अरबोरम अतस्मुरह प्रया तड्डे नियांत शस्पूप प्रभात बाधुनुषुर्व निनसार भीर, विहान सकारे, सबैरे सङ्गर, मुबह-शबेरे श्वचींश्य ! मुश्रहानमस्ता नया वहने नया सूत्र बाह-बाह । सुबुधनोशः अर्थन्यबुक्त भारनुक्तः। सुब्दि १ मन्तमंद बृद्धिमान् (दे०) २ बच्छी अन्त सपुनुद्धि। नुवीय दे वरम सूमक १ वे नुंदर, २ शुक्रविरमत (वे०) यान्यतामी । सुभवा १ दे मुंदरी २ युशिस्मत जान्यतासिकी । सुनक्ष (इप्ल नी बहुन अर्जन की रजी तथा अधिमण्यु शी माना) अर्जुनी बमुरेषमुपारी ! सुभागमानाः दे गुवहानमत्नाः मुत्राचितः अञ्चल सुकवित नृशितः। सुनीतः दे सुविधाः। सुमति १ तर्वृदि सुवृदि २ एक्ता एका ऐक्य मैल सन्भाव : नुमयः दे∘ पूत्र । तुकार्य अच्छा रास्ता सम्बार्ग सुरव ।

समिरत शीति वर तरन स्मरण ।

६७२ / हिन्दी नवाँव कोश

```
समिरनी (नाम वपने की सत्ताईस बागों की) छोटी माला उसबीह
               मामा (रे) सुभरती।
       सुमुख दे सुंदर।
      सुमुक्ती दे सुंदरी।
       सुमेद सुमेर (पर्वत) सुरनिसय स्वर्णीयरि हेमकूट, हेमाहि ।
       सुयोप १ अच्छा समय सुबनतर, २ चास संयोध।
      सुयोग्य बहुत योग्य दे योग्य।
        सुरप १ टोस २ वाक्सी सुरग ३ सुवर्ण सुवर्णी।
              १ दे देवता २ जाबाच व्यक्ति स्वयः ३ स्वयः स्वयः-संकेत
         सुर
               ४ टोन तारत्व पिचलय।
               १ दे रका २ कुनस-क्षेत्र निरायदता बचाव (उ प्र
      सुरका
               म प्र ) नुरस्रव (म प्र ) शुरक्षितता (च प्र )
              सिक्योरिटी सेफ्टी दे रका संरक्षण।
     नुरक्तित
              मह्यूक चत्रुकत स्वामत सही-स्वामत रेफ्रा
              चक्रवा (सूरकाव का पर कगना)।
     सुरकाव
       सुरतः १ ज्यान याव स्मृतिः २ कामधीवा शंधीव।
  तुरतर्रियी दे गंबा।
      सुरतन करपतन अस्पतुम करपनता अस्पन्ध वैनतन देवन्छ।
       सुरति १ कामकेनि मीयनिमास मैथून (६) रित समीप (६)
              २ दे याद≀
     सुरवास दे स्वर्ग।
     सुरमारी भूरवासा सुरसूंबरी दे अप्सरा।
      सूरपित
              दे इंद्रा
सुरपुर सुरतोकः दै स्वर्गः।
      सुर्वा दे सुर्वेश।
      सुरनी १ दे नाग २ वे सुर्येख।
      सुरमह दे कावा ।
      सुरमण् संबनतसाका शताई (सुरमा सवाने की)।
      सुरका अंजन शीमांजन पुर्ना।
      सुरम्य बार्यत मनोरम सुंबर (दे)।
      सुरराज दे इंडा
      सुररिषु असुर, बनुन वानन रासस (१)।
```

हिन्दी पर्याय कोश / ६७३

```
सुराज्य रामराज सुराज।
     सुरालय ताडीकाना पानाबार मविधानय मचवासा मवुजाना
              त्ररावयाना होकी।
    नुराहार
              बनकोहन स्पिरिट (है ) ।
     सुरीका
             वत्तरंठ क्षत्रकंठी मधुर स्वरवाका भीठे स्वरवाका सुकंड
              सुस्वर।
      सुर्वत १ अण्डी/उत्तम द्वार २ कमारयक द्वार
      सुबध दे सुदर।
      क्षर युगार नमा मादकता हुन्का नचा !
       मुद्देव के देत्र।
       नुर्ख दे नास ।
      দুৰ্তাৰ বৰবা।
       कुर्वी १ वे मानिमा २ ईटों ना कुछ।
       सुनी बादनी शवाक तथायु नसवार, गुंपनी ।
     मुन्तरा १ बनना बहुत्रना यसकता (शीतरही मीतर) हुयी/बंतपा
             होना ।
    मुनशाना जनशन/नृत्वी/ननस्या पूर करना ।
      सनदा भीवा (उपटा-मुनटा व धपुनत्)।
             रै॰ समा ।
    नुनतान
     सुमात्रा १ तेशकु २ योजा ३ भरश ३
      শুসম
             उपसम्य अनिकम्प नगरगर सङ्गापसम्य सङ्ग्राप्य
              मुत्राप्य ।
६७४ / दिन्ही बर्याय कीय
```

सुराता : गागगाता वर्षज्याती।
सुरा है सर्थाः
सुरात छेत छेत (है ) छैंप:
सुरात वर्षणः
सुरात वर्षणः
सुरात वर्षणः
सुरात वर्षणः
सुरात गागणः
प्रमुख्यः
सुरात्य प्रमुखः
सुरात्य सुर्वः
सुरात्य सुरावः
सुरात्य सुरात्य सुरावः
सुरात्य सुरात्य सुरावः
सुरात्य सुरात्य सुरावः
सुरात्य सुरात्य सुरात्य सुरावः
सुरात्य सुरात्य सुरात्य सुरावः
सुरात्य सुरात्य सुरात्य सुरात्य सुरात्य सुरात्य सुरावः
सुरात्य सुरात

तरमहर अपृतान कोसने में सतार-बढ़ाव सङ्का स्वर।

भुरक्षरि १ गंगा (वे ) २ मोबावधी।

शुरलोक्त वे स्वयं।

सुरसरिता है यंता।

पुनद п सुलह मेल-मिलाप संचि समझौठा मुलह-सफाई। वर्ताव (दे ) ध्यवहार (दे ) समूका सुनुक सुलीचना १ मीनासी मुनाबी सुनयना सुनैता हरिणा संदरी । सुस्तान दे राजा। सुवर्ष १ दे छोना (स्वर्ग) २ धूर्रवा। स्वाच्य सुपद्ध स्पाद्ध स्पष्ट । सुबास ६० सुबंध। सुविचारित जमी भाँति छोजा-समझा सुजितित । सुविवा बाबानी सङ्गीसयत सुमीता। सुम्पवस्थित है व्यवस्थित। सुवता पतिवता सराचारियी सामी। सुरितिसत अच्छी विद्याशस्त्र मिसित (दे )। सुरीम नम्र विनम्न विनीत चाइस्ता शासीन सक्वरित्र। सुकीमता नमता विनमता बाइस्तवी बालीनता सन्वरि त्तुवीभित १ विश्ववान कोमानमान (वे वहाँ सुर २ वर्षकृत वीरत त्वरियत । सुभी क्रमारी भीमती। सुवना वे सुंदरता। सुवृद्ध १ निवासस्य प्रसुप्त सुप्त सोया हुआ २ निर्म (वैसे क्वाबायुवी) । सुपुष्ति र्थभीर निका सङ्ग्री मीव निका मीद। तुष्ठ १ है। सूंबर; २ वे सप्युक्त । सूर्तमव बरबंध उपमुक्त वे अपनुक्त । सुर्वपम्य अत्योत धनवान बहुत धनी धंपतिसासी समृद्ध सूर्यस्ट्रत वे संस्कृत (विश्वेषण)। सुसन्त्रितः १ वर्तक्य (१ ) भली-मौति समा द्वारा समान् २ वैवार (दे) वैद्य सवा हमा समिता १ बक्पंचा बाससी काहिन दीमा शीमें चस्त निषयमा निष्यम विविक्त स्पृतिहोतः २ प्रशा करना (बकाबट दूर करने के निए) बाराम करना या सकता या मेटना ।

मुस्ती १ बण्डमंत्र्याता बाजकत बासस्य कारिस्ती निष्क्रिया २ विभाई बीम बीकपना बीसापन बीमापन १ व्यक्ताय. निष्मता चैविक्य स्मयता स्मृतिव्यक्तिता ४ माराय की कुण्डा ज्वासी नियसापन नीव विभागेण्या।

मुस्पिर १ निविधत २ विधिधन वृद्ध है बात सुसैतुसित।

सुरबादु दे स्वाविष्ट।

सुहबत १ संब (दे ) संघठ साय २ मैचून (४०) संघीद सहसास स्वीतर्यम ।

सुहाग १ अहिकात सम्मानस्या सोहाग सीमान्य २ सिंदूर ३ सुप्रकारमधी सीमान्य।

सुंहायनं सुहायिन सधवा सोभाव्यवती सौमाव्यसानिनी ।

सुहाताः १ दे सुद्दावता २ अच्छा सवता पत्तंद जाना सन्ता सानूस पद्दशा ३ अच्छा/भना जनना श्रीमा दना सुदर सपना।

सुहारी पूड़ी पूरी वादी पूड़ी।

सुद्दापना १ आनंददायक जानंददायी भर्मा मुख्य सुख्यायी भूधपर २ वे सुदर।

नुदूत् सुदुद् १ द मित्र १ लच्छ हृदयबासा।

सूचना १ मध/मईक/बास सेना २ (बुचके-बुचके) पता समाना भर सेना १ व्यापस्थानी होना अस्थाहार करना बहुत कव धाना ४ नाटना कोट धाना (सीप का)

सुँड (हाची का) तुड शुंड मुहार्चड इस्तिकर।

मूजर १ कोस बैठापुर्व यंग्री पृत्रुस्कंब कराह कराह गुकर २ (शामी) सूजर-का सूजर-ता यंदा यंदा और बैर्या, मोटी चमड़ीवाला।

सुझा १ कोता सुच सुम्या २ वड़ी सुई भूशा सूबा।

मुद्दे १ शृथिका सूची २ तिस्ति।

मृत्य १ ऋचावर्गे ऋचामगुद्द वेदमंत्रवर्गे २ गुरुवितः।

सूरित सदरम मुत्रापित गूत्र।

नूरथ १ अन्य मीहा रेच (नूत्रमाहार) २ समु वच वरवामू,

६७६ / दिग्दी वर्णाय कोल

३ कुश तपु बुबता दुबसा-पतना पतमा बारीक महीन ४ बट्टत छोटा (सूक्ष्मवर्धक यंत्र) १ अस्पष्ट, सूख दुवींघ्र (सुक्सार्थ) ।

पुत्रनापा।
पुत्रना १ जन्नना मृतमा मृतमाना (पहुन्योधा) २ सूचना
पानी कम हो जाना ३ पानी न रहना पानी सूचकर वह
जाना ४ उदाव/कांतिहीन / निष्पम / निस्त्रेत हो जाना
१ इक्ना/दुवेस होना सुज्रकर नोटा हो जाना।

नुका १ कुक गुक्क २ उपठा सुराया मुस्ताया १ रक्ष क्या ४ कठोर, मीस्स रखहेन हुब्बद्धिन १ काव्यपृष्ठ ६ मस्सि-यंत्र कंकाल दुवेल ७ सीठा ८. काविद्योग देवरिहें देवहीन निस्तेत्र १ कोछ साळ (बवाद पता) १ केवम निस्त ११ व्यक्ताल बनावृद्धि १२ सुर्वादी सुवारोग।

सुबक १ जारक छोउक परिचायक बोधक व्यंत्रक धंकेटक २ इन्द्रप्रसेट (प्रापा-छवे) १ यसक ४ विद्व सम्म संकेटा

सुचना समिलूचना इंटियेशन इसका खबर, वीपपा जानकारी ज्ञापन रिपोर्ट, विक्रप्ति विकायन संज्ञापन संदेश संवाद समाचार।

नुषनापद्द नोटिसबोई सूचनापतक।

सुबनायनस नोटिसबोर्ड सुबनायह ।

सूचि नॉकसुई।

सुचित आपित कोतित शोधित व्यंत्रित संस्तित ।

चुचौ १ नामावणी तालिका फर्ड फ्रिहरिस्ट सिस्ट सारिपी २ सुचीपक ६ सुई।

सूचीपत्र (catalogue) केंटलॉय विवरणपत्रिका (उ. प्र.)।

चुचीमेळ यन यना योर, निविद् (बंधनार के लिए प्राय प्रयुक्त)।

सूत्रन पूनना वरम तोष सूत्रना सोविध।

मुजना मुनमा मोध होना सोबिस होना स्वतिय होना।

तुवा मोटीसुई सुधा तुवा। सुवाक मर्भी योगोरिया प्रमेहः

सुनी रवा।

कुस १ मंतर्विट वृध्टि गतर, धूस-पूस २ वृदयदेशी बूरवरिता।

भूगना १ दिशाई बेना/पड़ना बृष्टिनत होना नजर माना २ श्यात याना स्मान में माना विशाध/मस्तिष्य में कींग्र वाना।

सूट १ कोटपैट २ समदार-कमीय।

सुरकेस अवस सङ्गः।

भूत १ डोर डोरा तंतु, ताना ताँत वापा सूता सूच २ सारपी १ चारण वंदी भाट।

सूतक अबुधि अशीप (को बाज वा मृत्यु के कारण परिवार के सभी सबस्यों में माना वाता हैं)।

सूदा दे बूदा

सुतिका जञ्चा प्रसुका।

सुनिवान्स् अण्याखाना अण्यावर, प्रसवन्द् गैटरनिटी होन सीरवृद्व सीरी:

सूती काटन पर्दे कर बना वर्दे के माने से बना ।

सूत्र १ वे सूत्र २ पुर, नियम विद्यात सूत्रवाक्य व पुरवा

४ मृक्तिः।

सूत्रप्रादः १ (शादक मे) मंत्र-स्वतस्थापकः २ आरंगनतौ आरंगनतौ । सूत्रपातः दे बार्रम प्रपतनः।

सुधन इजार, पात्रामा पायनामा नतनार मुक्ता मुक्ति सुप्रवयः।

सुध इटरेस्ट ब्यान ।

सुरकोर स्याजनीयी।

सुना एकांत खानी जनहीन निर्जन बीरात जुनशान।

भूनापन निर्मेनता मीराना सम्बाद्य ।

नूच १ और उसे स्व स्ता बोस्या २ छात्र घटकारी नुसेशी ३ स्तामा पक्ताम घोत्रम व्यंत्रम स्वीई (मूच्छार वैछे सम्बंधि)।

मूपकार साममामा पाचक बावनी रखोहमा रक्षोहरार।

सुपतास्त्रः शानवासम् ।

मुकी १ वनरक् मस्त अस्त्रवीनाः २ गर्भ सीधा सीधा-नावा सीधा-नावा ।

भूमा अदेश प्रति प्रतिवाः

सुम दे सम्पीपूराः

मूर १ देश्यहापुर २ दे अंधा ३ दे भूते ४ सूरशाम ।

मुरव देसूग।

सूरत ई ब्राइटि केहरा-मोहरा नाक-नवत नैन-नवत क्य क्य रस सूरत-रातमा सवत हुनिया २ के सूबरता ३ परि स्थिति स्थिति द्वासत।

सूरन दे जिमीकेवा

सूरमा वे बीर।

यूराक कित्र केर रागा

सूर्यं संसुष्टर, बहुपाठि अंबुपातृ अंबुपाली अच्छा सर्व सारित्य आपदाय कमिनतीपुरूवसम्भ कमिनतीलाव कमिनिपिठि किरसमाली सर्चाल दिनकर विनासक विनेश दिनपिठि विनामित दिल्याल दिनेशव विश्वकर, दिवेब मिनिपिठि मिनतेश पर्चय पद्मिनीनाव प्रयाकर माणु, मास्कर भास्तर मास्माण मार्चक मिल विकासका एवि मिहिर, स्विता सहस्रोष्ट्र, सहस्राचि सहस्रकर, सहस्रकिरण सहस्रती सहस्रपाद सहस्रमोठी सहस्रपरित सुर, सुरूष।

सूर्यबंध रविकृत।

सूर्यास्त वे शाम।

सूर्वीदय वे स्वेख।

. सूली प्रामदंगफोडी शूमी।

सूबन निर्माण निर्मित रचना (व ) सर्वन सर्वेना सृद्धि । सुबिद निर्मित प्रनिद प्रचीत बनाई रचित विर्मित सुद्धः

सुरिद्ध : १ जरपत्ति निर्माण रचना सर्वन सर्वना भूवन २ कायनात सरक दुनिया बहारि विस्त संसार (दे ) संसुति।

सुध्दिकर्ता वे ईंग्वर।

सँड इत खुनवृत्तुर्गतः। सँडर केंद्र।

सेंटर केंद्र। सेंद्रम केंद्रिय केंद्रीय।

सेंस नि बुक्क मुक्त सेंतमेश ।

सेंतमेंत १ वे सेंत २ वेकार ये मुफ़्त में बों ही व्यवें में।

सँघ नक्य सेन्हा

सेंघा साहोरी नगक यहाड़ी नगक ग्रीसन (नगक)।

सेंबई सेंबई, पेयहबा बेंबई, सेविया ।

श्रीत आमोदयावा मुमवनको सूमना बूमना-फिरना हिन सफरीह, पर्यटन परिक्रमण क्रमन याना महरमक्ती मामावरी विकार सपर सैर-सपाटा बनाकोरी:

सैमानी पुषक्त दूरिस्ट वावानर।

सैनाच गर्की पनड बाढ़ (वे )।

सैतून १ नाई की बुकान नाईपाला २ विशिष्ट रेस किया/ कंपार्टमेंट।

सींदा १ बडा वर्षिट साठी २ सबी ३ मासा (भासाबरदार) ४ बालम (वे॰)।

चींठ शृद्धि सुष्क्रमदरकः।

सींचा विवार मुनंपवाका पहली वर्षा है जुन्दी से निकारी संस्थाना निक्टी के नये बर्तन से पानी पड़ने या बना वेसन सादि जुनने से उत्पन्त नंप्रवासा सोन्द्रा ।

सो देवा२ असः इत्तरिण निदान।

सोक्षय - शत्यमिक मैं बढ़ा हूं मैं बही बहा हूं बहुं बहा।स्मि ।

सीकता जूमना जूस तेना रस यौजार मुख्य कर देना सीयण करना सत्ताना

सीक्षा मोला चल लाइने बासर समाना ।

सीरता १ वानुधानी स्माहित पेपर स्याद्वीचूत १ विस्त वसाहुमा

सीग अप्रशीत सम इत्य देव तीक।

सोमी अपनोम प्रकट करमेबासा सन/दूप/रव/योक मनानेवासा इधित सोराकुल भोकादुर।

सीच १ फिन विता दुनिवर्ता २ अदेशा आसंका डर प्रय व अंगडेंड अबेड-मुत संवरूर-विवस्त सोव-विवार ४ पतनामा पत्रवासाय।

सीचना मान्त्र पूर्व नरता जास्य दीवाना अस्य सहाना जास्य के प्रीहे बीहामा हुरात्र करता तीर करता और करवाता वित्रत बरसा विकासमात्र करता विशास स्वाता पतन करता विचार करता लीच-विचार करता स्वीकृता-विचारता ।

सीच-विचार १ अंगाँड बडेड्-चुन धश्रण-विषयः २ चिंगत-मन्त सम्म १ सीडा है जॉला।

६८२ / हिम्दी वर्णाय कोळ

सादी

सारी एडी इंडा दंड यप्टि, शाठी साटा।

सोता १ शरमार भागा जनशास शरना श्रास निर्सेर, २ मुख्य सोता ॥ स्रोत।

सोरसाह - उत्पाह के साब जोध के साथ मामय सास्मास।

क्षीय पूजना भूताव घोष मूजन सीविध ।

श्रोदेश्य शहेम्यवमात् ममलहत्त्र्।

सोन सोनमन स्वर्णमना शोप हिरण्यवाह।

सोनजरी वर्द-वयनी पोसी जही स्वर्पपृथिका।

सोन्हा १ हुचा हुच-मा एक जानवर छुन्।

सीना १ सीव सपना वर्षी भरना वानि क्षेत्रा नीड सना यान करना सदमा २ कोंग्रेडिय केवकर दोना निर्मित्र होकर सोता केवकर होता १ कंपन करक वाक् रास मुक्ते हान्क हिस्स्य बादकर हैन।

सोप साबुक।

सोपान दे नौडी।

स्रोक्रियानाः अच्छा बाक्यंत बन्या मृत्य, मुत्रवियम स्रोक्षियानाः ।

स्रोम १वे चंत्रमा २ चत्रवार शोमवार । सोमलडा ४ विकोस।

सोमरस पिनोयरम भावकरम वैदिक्येत।

सोमतता दिसोपवता चन्त्रन्ति यज्ञवस्ती मीमश्रीच क्षोमकर्माः

सीमचार - चॅडवार, दोग्रम्बा गामार ।

सोयम सीमरा तृतीय। सोमा १ सोमा सारा (माय) २ नितापन्त प्रमुख मुखा।

सोरानिस्य समाजवाद।

सोमाइडी (society) समा (व प्र) समावि (व प्र) संस्था (स प्र) समिति (व प्रवि स प्र) है समाव।

सोसायटी दे समिति।

सोह सोज्हम्। सोहबत दे मुस्बतः।

सोहर (पृत्रीन्यति पर नाया जानैवासा) संबननीत सोहता।

स्रोहाय सम्बद्धान सीमान्य।

सोहारी दे मुहारी।

सींवर्ष दे सुंदरता।

सीपना १ (entrust) हेना (है ) न्यस्त करना (केंडादि) विश्वस्य पर छोड़ना (वि ) सुपूर्व करना हवाओं करना २ (hand over) विश्वदेशकारित करना निषक करना सम्मुदेशित करना (केंडादिक हो १ (surrender) ये देना प्रस्पावीचित करना कर्मन करना (स स०) नियस करना (व० स) विश्वस्य पर छोड़ना (वि०) सुपूर्व करना (वि०) स्वार्चक

करना (स प्र ) । सींक सविष्ठण पूर्णी दाना तापवत्रिया पोविका मञ्जूष मञ्जूषिका सतपुरवा।

सी १ सत सर से सैकड़ा २ अनत अनेक बहुत (ती बार समक्षामा पर बहु माने तब तो) :

धीरमें बासानी शरभता बुकरता नुसाध्यका।

सौरुमार्थं कोनसरा नवाक्ठ नावुक्पन नावुक्पना मुहुबारका स्कोमलसाः

सीस्य देशपुछ।

सीनंद सीनध क्रमम जपन सीहर

सीवास उपहार, बोहफा पनही मेंट प्रेबेंट ।

सीक्षण वदारता मन्त्रनस्त भन्तनसाहत सरस्य सरमनता।

सीव ग्रीम बहर बाबर, दुलाई रखाई शाम।

सीत सपानी कोचन तीतन सीवित । सीतेला १ तीत का २ तीत-नैता/बन/सा ।

श्रीतेला बल्च श्रद्धवाप ।

तीदा १ चीव चीड-सर्गु, शांत बस्तु, सामात २ अमर्नवक्रय गरीद-नेथ ३ रेत-देतः ४ सीदा-मुस्क ४ दग्याद पामस

नंत वावजानन सतक। तौदाई कमादी पायस (दे ) वावना सकती।

सीरापर विकारती रोजपारी व्यवसायी व्यापारी। सीरामरी विकारत रोजमार, व्यवसाय व्यापार।

सीदासिकी देश विकासि :

सींच प्रामाद भवन महत्त (४०) राजप्रासाद राजबहुत : सीविकामा सीरिकामा ।

६**८४ / ट्रिन्दी वर्गाय को**श्र

मौमापिनी

स्कार करना

सीमापिनी भाग्यक्ती (व ) सम्बा सीमाग्यक्ती सीमाग्यसातिनी । सीमाग्य १ सहिवात सम्बापन सुहाय सोहाग २ सक्सा मान्य समान्द्रसम्बद्धीः

सौमाम्पक्ती सद्यवा मुद्वायन सुहायिन ।

सीमाध्यक्षान् उर्देश गृहात्मार सुक्षान्त्रमण सुक्षान्त्रमण सुक्षान्त्रमण सुक्षान्त्रमण सुक्षान्त्रमण सुक्षान्त्रमण सुक्षान्त्रमण स्थानिक्य स्थानि

सीनाप्यशानी दे मान्यवान्।

सौमनस्य १ प्रीति प्रेम स्नेह २ चुधी प्रसम्नता।

सौमित्र दे सक्यय।

सीन्य १ वे मुत्तीच २ वे बांठ ३ दे सुवर ४ वे कोमस।

सीर १ सूर्यं का/संबंधी/विषयक २ बोडगा क्रोज चादर।

सौरभ खुग्रह परिमम मुगेब सुर्राध सुवास।

सौरी चण्यासाना सण्यासर प्रसम्बर प्रसृतिगृह मैटनिटी होन।

सौरव्य नावित्य नावध्य सुंदरता (दे ) सुच्हृता सींदर्य । सीतं कसम नपम (दे )।

सीहार्व १ वे बोस्टी मिनता (दे) मैनी (दे) २ सुदृद्धता। स्त्रीहार्व १ दे बोस्टी मिनता (दे) मैनी (दे) २ सुदृद्धता। स्त्रीव १ सम्बादा

स्कद्माबार (सेना का) कैंग छात्रनी सैन्यतितिर।

स्कर्द नामरा नहुँगा।

म्हाबर बासचर।

स्कालर अपार्शमिक्रियन विद्वान दि )।

स्कीम योगना स्परेका।

स्कृटर तिपहिया दुपहिया।

स्मूल कॉलिंग चटछार, बारलजनूममदरका पाठवाला सङ्घा विद्यालय यूनिवर्षिटी विद्यापीठ विद्या-भवन विद्यालय विश्वविद्यालय साला।

स्केल १ ईची पटिए पैमाना पूट,पूटा रोसर,कल २ केवनमान। स्कोप १ कार्यक्षेत्र क्षेत्र विषय-क्षेत्र विस्तार २ अवसर, अवकान पंजाकत।

स्कोर करना (शोस भावि) बनाना प्राप्त करना।

```
स्तस्थ
140
```

```
१ कियाबर मिपि २ पाडमिपि मैन्युरिवटः।
 frace
          वर्षा ।
  स्कोम
            १ थिरमा (वे ) निवात भीचे विस्ता वतन विस्तवमा
           वेच ।
स्कृ स्वर्ष
            सङ्ख्कामा विषयन २ असफसता माकामयाची नाकामी
           वेबक्स ।
EMPIRAL
   FERR
             तिराहुमा क्युत पतित विश्वतित।
              शोबाउन योदाम अंबार माल सामाम स्टाइ ।
    स्पतित
              र संस्था
     FEIST
              वर्मवारी कर्मवारीनव/बृध्यः।
       स्टाक
               १ छाप मुझा मुद्दर, मोहर २ टिकट।
                १ बसाना चामू करना २ प्रत्यान करना १ आरंग
       स्राफ
       स्राम्य
   स्वार्ट व रमा
                प्रारंभ समारंभ करना ।
                तिवाद, तिरवाद मुद्दा मोदा।
                 स रसमेण स मणा
          RJ.
          स्टेज
                 प्रवेश राज्य सुवा।
           ₽₽E
                 हे समाध्य ।
         स्टेटमेंड
                   १ देलउ १ नाम २ देवियो म्टेमन १ पुलिस बोरी पुलिस
                  ६ हिसयम ।
           स्टेडस
                   इरुविषम मैदाम ।
                    हरेगान ४ झहुडा टिलाला स्थान स्थानम (म प्र )।
         रहेडियम
            स्टेशम
                     नोबाम १
                     बहन रचना मंचटना संरचना ।
             स्कोर
            स्ववर
                      ्रकासम २ शंमा शम्झ सूनी वोस।
                     हरनास ।
             स्ट्राइक
                       १ उरोत पुत्र वृंशी पराधर २ छानी श्रम्यस वर्धात्र
               इसम
                      ह शास्त्र ह
                       श्रीना १ शीर, द्वा यह वीद्रव श्रमय ४ वन।
              स्तीवस
                       अर्थीया अपाद अधिमृत आत्रवर्धवीवन वर्तस्मीवमृत
                रसम
                        हिरुनेम्माबगुइ चरित्र बमापूत का जड़ जड़ीमून टर
                         हंग निरुप्ता भीषा भीषव भीषवता विस्तित (है ) तन
                इलस्य
```

६८६ | हिन्दी वर्णाय वास

सम्म सुरम स्तैभित हक्का-वक्का।

कर्तव्यविमुक्ता किकर्तव्यविमुख्ता जड़ता निश्चेष्टता स्तब्बता

मीरवदा निस्दब्धता शाहि।

१ तह परत सेवस २ स्टैबर्ड ३ धेड वर्ग सेजी। स्तर

स्तदक दे युच्छा।

१ गुमकीर्तन स्तव स्तुधि २ वारीक प्रसंदा बढ़ाई। स्तवन

स्तुति १ नुषकीर्तन प्रार्थना स्तवन २ तारीफ, प्रयंसा (वे ) बढ़ाई, स्तावा ।

स्तुरम काविमेतारीफ प्रशंसनीय प्रशसा/बड़ाई के योग्य वसामनीय।

स्तूप १ टीका इ.इ. २ बीड स्तूप।

स्तेय भोश नौर्य नौर्यकार्य।

स्तोता स्तुविकर्वा स्वोत्रपाठक।

स्त्री १ अंगमा अवसा औरत कत्तर काता कामिनी यृहिसी अनाना अनियां जोक दिय दिरिया (अवसाननासूचक) त्रिया बारा नारी फिनेस बनिता माना मानिनी महिला मारा नामनी योगा योविता रमची समना सुनाई,

मनिष्ठा माना २ मरनी भरवासी परनी बीबी। स्मेम १ नारीसूमध स्त्रियोजितः २ स्थी-संबंधी/विषयक

३ स्थीरत स्थीमीन ४ जिसकी नकेन स्थी के हाथ में हो। ऐडवर्नमेंट, कार्य-स्वपन ।

स्थपन ध्यमनैगेंट नोजन । स्थनन प्रस्ताव

स्ववित अपनाध्ति जनरोशित जनस्य टालाहुमा मुसरावी रोका

हुमा । १ कमीन घरती (वे ) भूबांट भूमान भूमि २ अगह स्थल स्वान (दे ) ३ जुस्की क्षश्चान्य सुमाय (अस-वक्त) ४ मैदान

(युक्तस्वस)। स्थमी दे स्थान।

स्वविर श्रीक्र भिज्

स्वराषु १ वर्षभ वर्षभास्त्रीभ वृती २ महानेव निव (दे)। स्वात

१ आस्पद पाह (कत्रपाह चरानाइ) अमह, वा आययाह, भाष्य (बसासय) ठाँव ठीर, वियार मुकाय मैदान (मैदाने वन) मौक्रा मौका-महस वल: २ मधिवास वयन आकर

हिन्दी पर्याय कोश / ६८७

स्यानपरिवर्तन

स्वता

आमार, जासय आसास घर निनेत हैरा निसय निवास मंदिर देवासय सदन ३ अधिपठान केन्द्र पीठ (विद्यापीठ) बाला (पोशासा) संस्थान ४ जोहुवा दर्जा पद मर्तवा स्थिति १ क्षेत्र प्रदेश देख।

स्वानपरिवर्तन

वरसी ।

स्थानाम्तरण द्रासफर, तबावणा बदली।

स्वानापान एवजी कायममुकाम कार्यमाहरू प्रतिस्वामी।

स्थानीय १ मुकायी सोकस स्थानिक २ आवस्तिक क्षेत्रीय (बोसी) ।

स्वापना १ प्रतिपिद्धतं करना स्वित करना सैद्धाना २ प्रतिपादन

কংনা ই মত চিত্ৰতি ও মতিনতা মুক্তি-ছোণনা। হৰাবনাকংকা ই মতিবাহিত/মতিন্তিত কংলা ই ভাবিল/ভিত্ৰ

१ प्रतिपादिच/प्रतिधिक करना २ धादन/विद्व करना १ सव/विद्वाच रचना/स्वापित करना ४ खड़ा करना पूर्वि/ विद्यप्त प्रतिधिक / स्वापित करना / नवाना १ मिडकत/

सुनिशिचत करना। स्थायी अवक अटल चिर्यतन टियाऊ, श्रृव निरंथ सास्वत स्थिर समिट।

स्थाली १ वाली ए पतीला बटलीई बटुनी।

स्वाकर १ अजम स्विष्, २ वानस्पतिक।

हिचल १ अवसंबिठ जमस्यित बासीन प्रस्थित २ स्वापित ३ मोजूद जिल्लाम ४ अपन प्रच मत विद्वांत या स्थान पर

हटा हुना चूतर्थनस्य बुद्ध १ मधिवासी निकासी ।

रिचितः १ अवस्थिति अवस्था दमा परिश्चिति हास्तद हासाव २ अवह द्वाहान स्थान १ नीटि वर्षा एव पदबी स्टार

व्यवस्था ५ वरितरव ६ व प्रतिष्ठा।

रिकर १ क्षणमा कडिय अधिकार नियत निरमान निराद निरमान २ कटम अनास्कर विरोतन धून १ नायम युद्ध करणारा ४ मृत्यकिंग स्थापी।

स्युक्तावन स्थापाः स्युक्त संभा स्तमः

रबूप १ पीन मांगण भोटा स्थूलवाय २ गोपर, मूर्व ३ मोटा (को<sup>2</sup> कप सं --स्थूल कप सं) रफ।

स्यूनता कीरणा माननता युटा माटाई माटापन स्कूनवायता स्यूनाव । स्यूतमति वृक्ष्युद्धि गोटी अनम/बुद्धिवाला दे पूर्व ।

स्मैय १ वृक्ता (वे ) २ त्वित्ता (वे )।

स्त्रातः नहाया हुवा स्नान किया हुवा ।

स्नातक देनुष्ट।

स्मातकोत्तर (post-graduate) विश्वस्थातक (म प्र ) पोस्टयबुएट।

स्तान सदमाहत युश्च नहान नहाना नहाना-धोना निमञ्जन बाद। स्तानायार युश्यचाना युश्तचाना बाद बायस्थ स्तानपुह स्तानदर,

हमाम हम्माम।

स्नायु शस नसनाशी नाशी पेसी रय।

स्तिमा १ वदश विकता विक्कड़ मसूण मुविदश्य स्तेहपुस्त २ कोमस मझूर, मुद्र, मुद्रस शासीन सीम्य।

स्मुषा पठोडू पुत्रवसृबहुः

स्तेष्ठ १ वे प्रेम २ तैन । स्तेष्ठित प्यास्ट धन करनेवामा प्रमीस्तेष्ठी ।

स्मेही अनुधागी नेही प्रेमी (वे )।

स्पंद स्पदम कंपकंपी कंपन कौपना अवकन प्रकंपन प्रस्कृत्य फब्दकना स्फुरम हमकम (दे ) ।

स्पंदित कपित प्रकपित स्पूर्णित ।

स्पादतः कापतः अकापतः स्पृह्णायः। स्वर्जनीयः इंद्यायोग्यः स्पृह्णीयः।

स्पर्धा क्यां बढ़ावपरी प्रतिक्रक्षिता प्रतिमोत्रिता प्रतिस्पर्धा स्पर्धा

द्दोड़ होज़ाहोड़ी । स्पर्धी वृष्यांनु, बडाउपरी करनेवाना प्रतिद्वती प्रांतयोथी क्षोडाहोड़ी

करनेवासा । स्पर्शे १ छुवन छूना परस सनना सटना स्पर्शन २ स्पर्शस्यवन

स्फोटब्यंबनः। स्पर्धे करनाः। सूनाः परसनाः स्पर्धेन करनाः।

स्पर्शबन्ध सुतहा संजामक (रोप)।

स्पर्शी सूनेवामा स्पर्तधीन।

स्तव्य १ वयां श्रुनासा वाहिर, प्रषट स्थान साफ, सुस्यन्त सुस्पट २ वयरोश धरवस १ वरा स्पटनानी।

स्पद्धतः १ प्रत्यक्षतः, साफ्र-साफ्र, स्पष्टतया स्पष्ट कप से २ अपर से अपर से वैधाने पर, वाहरी तीर पर।

हिम्बी पर्याय शोस / ६०१

```
स्पष्टतया स्पप्टतः, स्पष्ट क्य हे साफ तीर पर, साफ-साफ्र ।
 स्वयाबादिता भाष्मीई, सापन्नवाकी ।
   स्पन्धकाकी मृह्यन्द्र सायमो साध्वयां स्पप्टक्क्याः।
  स्यव्हीकरण
               १ सकाई सफाई करना बढ़ाई देगा स्पष्ट काना
               २ (classification) चवानससनी (उ. म. म. प्र+ हरि )
               ३ उत्तर, वनाव श्रुक्ताता व्याक्ता ।
     निपरिष्ट
               १ इस्पिटिट मधसार सुरासार २ बेहना बीवचरित साहस
               स्फरित ।
      स्रीकर
              १ अध्यक्ष २ भाषणकर्षा वक्ता ।
       स्योष
              तकरीर पापच नेचचर, चक्तव्य व्याख्यान ।
      स्पेतिम
               अशारी वर्षवित्यास वर्तनी हिस्के ।
      स्पेशल
              जताधारक नास विशिष्ट विशेष व्यवस्थ
    स्पेत्रतिस्ट विशेषक् ।
       स्पोर्ट
               केमन्य ।
       रिप्रय नमानी।
      स्फीति भीनाव विस्तार, बुद्धि ।
      रहाँसम दे पित्रपारी।
       श्यति १ अतेयना तेशी तीवता पूर्वी २ पन्कना स्फूरन।
       स्प्रोड पटना विग्योट।
      स्कोदक पुटन/मनकने/स्कोट गारनेवाना ।
        रमर वे नागरेन।
      स्मरण १ अभिकान द्याल पत स्वान वाद (दे ) सूध सूधि
                      नुरित स्तृति २ तुमरम माम-समरम
               गुविरम (१.)।
               दुवान करना याव करना गुद्ध करना सुधि करना सुधि नेना
 स्मरच करना
               हास बारमा ।
रमरण दियाला : का दियामा बाद विभागा गुप्त विभागा गुधि करामा मुद्धि
               शिमाना होग वचाना श्लोण दिलाना।
               (reminder) अनुवासक (उ. म.) अनुव्यासक श्वराचा (वि.
   श्मरण-पत्र
               म प्र ) सपाया (प्र प्र+) प्रापन मोट यमक मेमी
               मेमारेश्रम रिवाण्डर व्यक्तिपत्र (श्र• प्र.) ।
               मेवा याच मावनाश्या
  रमरमसस्य
```

६६ | दिग्दी पर्याप गोग

٦

स्मरणीय स्थापनी

स्मरकीय काविक यादवास्त याद करनेतायक स्मरणयोग्य ।

स्मारक मेमोरियल यादगार, स्मरण करानेवाला स्मरण दिलाने-

थामा। स्मारिका सुवेशियर।

स्मारं मुस्त तीवन तीव धेव फुर्वीसा बमा-छमा बीका-खेसा सवा-संबरा।

स्मिति व वस्युम मंबहास मुस्कराहट मुस्कान मृत्कुराहट।

स्मृति १ माद (वे ) स्मरण २ स्मृतिप्रंच।

स्वक्ष्म के एवं। स्वास के सावद।

स्याना दे समाना।

स्यापा स्रोक मनामा रोना-चिस्साना रोना-क्षोमा रोमा-मीटना ।

स्यार दे विवार।

स्पाह कामा कृष्णवर्णी।

स्याही १ इंक मधि रोजनाई २ कासापन कालिया :

सम्बर्ध वे बहुता। स्राप्त १ वहना रिस्तेना २ वर्णनास वर्णसाव।

भोद्य र मानम २ मन स्रोत ३ सरमा धारा प्रोदा।

स्रोतस्थिती है नदी।

स्सप दे मंदी।

स्तम गंदी वस्ती। स्माइस् संबद्धका व्यवसरोटी की फॉक।

स्ताइस् व्यवदुक्त्। सिन्द्यं विटयर्थीः।

स्मिम छरहरा धुवना-पत्तमा स्मार्ट।

स्तोपन नाधा

स्व स्वकीय व्यपना काश्मीय निज का निजी। स्वकीया पत्नी बीबी स्वाधिमक्त पत्नी।

स्वयक्ष १ जारमणा २ अपने मन से अभाग्य आप ही जाप (कृतन)

स्वगत-कवन ।

स्वचानिक साटोमेटिक। स्थानंद १ उच्छाचन उद्देव सा

स्थमक्रेंद्र १ उण्युक्षम जर्गंड उद्दाग निर्गेष्ट्रश निर्गेश स्त्रेण्डाचारी २ दे स्वर्तन।

हिन्दी वर्गीय क्रीय / ६६१

स्बन्द्रदर्शा १९भावद

स्वरूप्रका दे स्वर्वभवा ।

स्वच्छ १ सनावित्र अमनियाँ व्यवसान स्वता स्वत्यात निर्मेश निपा-पुना विपन्न शुद्ध विशुद्ध साग्र साग्र-मुक्सा २ दे० पवित्र ६ सुपद्ध सुवाच्य स्पटः।

स्थयक्रता निर्मेनता पश्चिता पावनता विभवता बुद्धता विश्वद्वता सञ्चर्धः साक्र-सम्परापनः ।

स्वाम १ जारमान कारमीम आरमीम जन २ नातेबार, रिस्तेबार, संबंधी बंध-बावक सरिंद।

स्वजन्मा अन बारमन स्वजात स्वयंगु स्वयंगुतः

स्वजातीय वापनी पाति का वापने वर्ग का स्वनोधीय स्ववनीय।

स्थतंत्र १ बाबाद निर्वेद मुक्त विमुक्त स्थापीन स्थापक्ष २ सनिययित उच्छूयन निर्देश्व मनमानी धानवामा स्वच्छत स्वेचकाथारी।

रक्तीय करना 'स्वतंत्र' के पर्यायों में 'करना' बीर 'स्वतंत्रता' के प्यायों में वितर' या 'प्रवात करना जोड़कर पर्याय कार्य का सकते हैं। कैंगे 'आकाद करना या 'मुक्ति देना' बादि ।

स्वन आवाद करना था तुःस्य दना बाद । स्वनंत्रता आवादी निर्देषुमना निर्देषदा पुष्टिन स्वाधीनदा स्वच्छंस्ता स्वायसदाः

स्वतः अपने बाप जाप से आप बाप ही आप ही आप युव श्रुव इ-८११ स्वयः ।

रक्षम मधिनार हरः।

स्वरस्थारी मानिक स्वन्याधिवासी स्वामी (दे )।

स्बदेश मातुमुमि बतन स्वराष्ट्र ।

रबरेशी अनुना आस्मदत्ती देशी देशी राष्ट्रीय।

स्वतः नावान ध्वति ।

रवनामधायः । य्यातनामा थीमत् श्रीमान् नृत्रियान मुप्रतिञ्च।

रबध्य न्याथ दशाय सपना गुगना।

रभनाथ १ प्रश्नि प्रवृति मनोवृत्ति मिश्राम पृति २ अन्यात स्राप्त रेश वान सर्थ १ परित्र चान-समन ४ जनर, गुन तासीर १

रक्षभावतः नद्दश्रमण ने भहत्र ही प्रहृतित प्रहृतितमा प्राष्ट्रतिक कप हैं। स्वभावतमा स्थामान ने स्थामानिक कप ने ।

६६२ / हिम्सी पर्याप क्रीज

स्वयः अपने आप आप आप से जाप आप ही खुव खुव-न-श्रुव खुव ही स्वतः स्वतः ही स्वयमेव स्वयं ही।

स्वयम् १ वे बहुत २ वे भागदेव ३ दे विथ्यु ४ वे० महायेव।

स्वपसित्रिः स्वतं सिद्धिः ।

स्थ्यमेच वे स्वयं।

स्वर १ शावाङ स्थान नाथ सन्ध स्वन २ स्वर-वर्ग स्वर-वर्ग १ शरण्युम साम सुरणान सुर ४ श्रमुसान सहसा १.टोन।

----

स्वरका मारश्रका। स्वरायात ऐक्सेंट स्ट्रैस।

स्वराज्य अपना राज्य सारमराज्य।

स्वक्य १ काकार बाइति रूप सम्य सूरत सुरत सम्म २ भैप वेस ३ तीर पर स्वक्य में।

स्वयं अक्षयसोक जमप्पुर, अनरकोच धनपास्त्री गोपुर, योसीक श्रीसात अण्या देवपुरी देवपुरी प्रवास्त्र देवस्तिक योकोच यो आग मईस गाम परमात्राय परमात्र विद्याद विद्विश्त वेक्ट विद्वापुर वित्तृत्यांच वेक्ट अस्त्रमात्र वक्षतोक विद्यालेच औरिष्टिया श्रीमित्रास सावेट सुरमार प्रपारम प्रपुर, प्रशासक पूरव्यत पुरस्त्रमा प्रोप्यसोक स्वर्वनीक स्वासंक द्वारियान द्वारिया सुरस्तिक !

स्वर्गमा नाकावगया श्रंदाकिनी।

स्वयंत्रामी मृतः।

स्वतंत्रेत् कामप्रेत्।

स्वर्थसोक स्वर्ग।

स्वर्गवास बेद्दात वेहावसान शृत्यु ।

स्वयबासी फीत गरहुम मूत स्वर्गेनत स्वर्गस्य स्वर्शीय।

स्यमिक १ अमोनिक देवी २ वे स्वर्गीय।

स्वर्णीय भोलोकवाती विवेगत निर्वायप्राप्त परपूर्य मृत वैटंडवाडी स्वर्णनतः स्वर्णस्य स्वर्णनामी स्वववाती ।

स्वर्नकार थोहरी गुनार, गोनार।

स्थानिम गुनक्य नुनक्ता स्थानियाँ।

स्थान अत्यस्य कम विश्वित् वीका।

स्रवेकस माना हुना भाग्य भाग्यका प्राप्त मेनूरहुदा स्वीकार स्वीकार किया हुआ।

स्योकृति मन्दी रकामधी सहपति हो।

स्बेच्यमा जपनी प्रच्या से अपनी मर्जी से स्बेच्छापूर्वक ।

स्थण्याः अपनी इच्छा बारमेण्याः।

स्वेच्छाचार अनिसंभितता अच्यु धनता निरंधुत्रता मनमानी करना यमेण्डाकार ।

स्बेच्छाचारिकी कामुकी कुमटा पाकुसा व्यक्तिकारिकी व्यक्ति।

स्बेच्छाकारिता १ वनियमित्रका उच्छ ग्रमता निरंकुत्रका निर्वेषता यवेण्यासारिता २ वानावाही।

स्बेन्द्रावारी र बनिपंत्रित उष्कृपाध वर्ष उद्धत मिरंदूत निर्वेष प्रवस्य गरामा करने बासा यथेण्याचारी बारकन सरबीर स्वर्ण्यः, रामानाङ्ग निरंकृतः स्वेच्छावाधी धासकः।

रबेक्सपूर्वक दे स्वेण्ड्या।

रबेद पतीमा प्रस्वेद, समर्विद श्रमगीकर।

र्शिक्टक ऐक्छिक मनमाना यावृत्तिछक।

स्ट्रीर मनमोबी विरोक्त स्वच्छंब स्वेच्छाबारी।

वर्वनिकी के क्षेत्रकावारिकी।

## ₹

बावाब देर पुरार, सनकार । हुकार

उपहर उत्पाद विस्मापी विस्माहट वंबा शीरवृत हस्ता रेमाना

इस्सड़ हुस्सा होहस्सा। हटर क्रोश शाकुक।

हंधी दे होंगी।

र्रतच्य काम हुनशीय दिश्य ।

थनपंट, वसहीत वारदेव धवनपश पुरर्वशक मराम मानव होस भराम यात्रहेन व्येत-बच्न, सार्थ तित्रक्टर सित्रका हंत्रक

ह्ररिय । १ १७ वहा नवाना चित्रचित्राता धीले दियाना/निर्योगना

६२६ / हिन्दी पर्यांग कोन

निवारण करना परिद्वार करना वै वरजना वारनाः

६ पश्रत्याम् । १ अनव करना खरेड़मा विसमाना शिक्षमारमा दूर करना ह्याना बुर हटाना परे करना परे हटाना २ नियनस्य करना

हबार दस सी सहस सहस ह्यार। हटना १ जसग्रहोना विसक जाना विसक्ता दूर भने जाना हुट काना २ अंतर्क्यान होना सोसल होना छिपना

पाळाना फिरना पोकना फराक्त होना बढ़ बर बाना सीच करना । हर बेयारत तीर्थ।

क्षिनतैन्यविमुद्द चनित भौचनका विस्मित स्त्रागत स्तरध हरका-बरका हतप्रम हैरान । क्रियाकरमा केरना भादा फिरना टट्टी करना निपटना हुपना

हुक्रीक्ट असलियत सम्य यथार्थ वास्तविकता समाई।

हरूबकाना दे सनपनाना।

हुइट दे सधिकार।

हुँसोइ - दिस्सवीवाज मजाकिया विनोद्यप्रिय विनोदी।

हेंसुवा दे हॅमिया।

भाँगीरिया गरहनी यैरकी हुँनची। हुँनुनी

परिद्यान मसील मजाक विनोद हुँगी-ठट्टा हुँगी-दिल्लायी हुँमी-मजाक हास्य-विनोद ३ वपहास बिस्सी ।

हॅसिया बरौठी बाभ बाबन परसिया पहुँसूख सबिभ हुँसूबा । हैसी १ अहहास अहजहा ठहाका तबस्पुम मुस्तान मुस्कुराहट, स्थिति हास हास्य २ पूर्ण ठट्टा ठिठोमी विष्नानी

हेंसिनी चनायी बंबुयमना मराको मृबुयामिनी बरटा शस्टी सरकाकी हंगकीता हंगभायी हसिका हसी।

हेसिना कविता (भवाकिया) व्यंप्यात्मक कविता शुस्यकविता ।

हंसवाहिनी बे सरस्वती।

हुँसमुक्त प्रसम्मचित्र प्रसन्तवदन विमोदशील विनोदी हुँसोड हुँसोडा शस्यप्रिय 1

हटाना

ठराकर हुँसना ठट्ठा सगाना ठहाका मारना बत्तीसी विकास २ उपहासकरता।

हर्दरा-न र्टा ह्यक्री

हर्दरा-बट्टा बनिष्ठ, बनी हृष्ट-पुष्ट स्वस्य तमङ्ग घोटा-ठावा भीमकाय।

हठ जड़ माधह इसरार, गहनि अक दिव टेक विरिमाहरु पुराशह जासहरु राजहरु हरुवनिता।

हठ करना अवृत्रा आधह करना विश्व करना टक परवृत्रा पुरायह करना घरना देना नंबई करना नंबई करना स्थलना हठधर्मी करना ।

हठात् १ क्षवरवस्ती विषक्षके हठपूर्वक २ वसपूर्वक वनात् १ क्षवानक अनायास सहसा।

हुठी अववास व्यक्तिमा व्यक्तिमा व्यक्ति एकावी सङ्ग्र करी सड़ी काटर पहेमरा चहेमा बिही टेकी बुवजेता बुक्पितत विसकत माचस स्थित हुटीसा।

हरूप शांतक उपम-पूपन तहसका हनवस ।

हुइकता १ पक्ष भेना भोचे से नक्जा करना हुम्याना हुम्याना ना हुम्याक करना १ दूसरे की बेटाना निवस जाना तील लाना।

हर्वदाना वे गरपनाना।

हरूबद्रिया है उनावला।

हब्बा गरे साम निवृ हावा।

हुद्धी अस्थि हाड़ कीकस कुल्य नेदय।

रत १ माहन शांतिबस्न पायम विशेषं हवाहत हमाक २ रहित वर्षित हीन (वैसे—हमभाष्य)।

हतभाग समाना बर्णनस्मत भाष्यहीन बदनसीब ।

हताता देशशियाता हतोन्ताइ देशियाता

हत्रोत्सार्ट्स १ निराण निरम्साहित ह्नाश २ उदानीय निस्पृह ।

हत्या वरतार्भुटः। हत्या नापातं तरसः सून पातः वसंवसंहतन हिनाः।

हरवा करना दे मार बानना।

हरवारा वातिम सूत्री पातक पात्ती पाति पाइयाळ, वयवर्ठा वक्षित महारच हिनामु हिना

हबझंडा १ तुप्त चाम चानाची बॉबर्रेच चत्र्यंत्र २ क्याय बुल्ति

तरकीय ।

हिमिनी कवरी करटी करिपी करेणुका गंबी धेनुका वासिता हिन्तिनी ।

**ह**ियार १ असमहा अन्य अन्य-सन्य बायुध सस्य इरवा इरवा हिपार २ उपहरव बीकार।

**ह**यियारबंद सनस्य सम्बद्धारी सम्बद्ध सम्बोध सैय ।

**ह**यिसान वक्यांना पोनजाना क्रीसवाना इवसार, इस्तिमाना इावीकाना ।

मंदनि करनम करतमी करपूट यदोरी यही प्रदम हयती पापितम एमक हत्तरी हवेरी हवोरी इस्ततना।

१ मीमा सीमा-रेफा २ अत इंतड्डा चरमसीमा चरमा-हर बस्था पराकारका ३ मर्यादा ४ सरहद सीमास।

यात निमुत्रन मारण वस विनायन इत्या हिसा। हमन इनदा दं मार बालना।

हननीय बम्य बचनीय हत्य।

हुनुसान् संबनानद, अंबनीकुमार, अवनीनव अवनीपुत्र अंबनीमुत सामनम कपिकारी क्पीम केसरीनंदन केसरीनुदन बिटेन्ट्रिय परनपुर्वार, धरमक परनदार्य परवर्गरत परनपुर पदनपूर पदनपूर पदनारमञ्ज अर्थवनकाश पावति बंकट वश्यक्ती वजाबी सदलाम् सङ्खीर सादन सादि मीयकर रजवयुकि रामशास रामहुत रामयका साँगड़ी बजा रटर बारपुर बातासम्ब बारारेन्द्र बायुपुर विक्रम हनुसत रुतुमन् हनुमान् हनिबंध इसी।

सप्ताह । हरता हपनेगार साप्ताहिक ।

नोही-पाही समत्त्व समक्ष्यस्थ समीरिया। हमबन्ध

हुमबोली बोम्न वित्र संबी तथा सहयोगी साथी।

वर्डमंब बूमरे का बर्न/क्यट महसूस करनेवाला सहानुपूर्तिशील ष्टमदर्द हित्रचित्रक हिन्न हित्रच्यू हिर्दियी।

ष्ट्रनदर्श मॅबेबना सङ्गानुपूरित हिनचितन। हमराही

१ समी सहबर सहपविक सहयोगी साबी २ इमजोती हमराह हमबम हमस्प्रर।

```
Raiso
समस
             यमे वर्षविष भूग।
               धात्रमण (वे ) चढाई धाना ।
       हमस
               पृष्टता मासमारी मूचता ।
       हममा
      हमाक्स
                दे सदा सर्वदा।
                सन्ब घोटक घोषा ।
        हमेशा
           gu
                 RIN!
                  १ दे प्रति २ महादव जिला।
                  े बटा करावत २ मीत स्पंतन हिकता-क्रोसना !
           gai
                   बाबारा कुमटा पुरवसी व्यक्तिकारी स्वेक्छावारी।
                   श्रम शाम कहुर कमकरम कांचनक वारंत गोरोच थीर,
            *
          हरवत
                   विश्ववंश्व ताल मटमुख्य नटमहरू पित्र विनशार, बेशपत्रक
          Ecark
           हरताम
                    हरितासक इरितासी।
                     शरपमक नामकृषुम परमाता पारिकात प्रामक्त रागगुणी
                    दे शिववार ।
       हरवा-हवियार
                       े सबुज सम्ब स्थित हरित २ अंपूरी होतई धानी
             हरबाह
                       विमारहार हारभूमार।
                        है आसमान दिया देना परावय देना परावित करना
                        मूर्तिया । ताबा प्रवस्स प्रसम्म ।
                         वरामृत वरमा परान्त करना क्रिकस्त देना हार देना
                         २ आकात करना धवाना सराज्ञायी करना यसाह देना यीसे
                          हटाना बात दना जिपिस करना।
                           ृ बुलबार, पुररीनव प्रथम्स मनोरम सङ्गहाता तरहन्द्र
                          दे हरियामी।
                           २ शुक्रदेव समझात क्यान्यमा समृद्ध।
                            श्रासम्य वामवारी हालीयन निर्वेद्रता निवित्रयता
                 ELIVELI
                             ज्यमच्य आसमी निवरमा विना देहनत वा खाने वासा
                             मुलगारी इरावगीरी।
                              ह जारत दोगमा वर्गनंवर, हरात्री २ हुस्ट पात्री
                   हरामग्रीर
                              मुक्तगार।
                   Cein mei
                               १ नवी ताप २ वहरोग हुन्या दुगार।
                               MENIAL P
                       ि हिन्दी वर्षीय कोल
```

हरि १ वंगति अंबधीय सम्युक्त सन्त सर्गत अर्थ इंद्रावरत्र उपत्र कमसनयन कमसनाम कमसानात वससेश इच्छा केलव खरारि यहासर, यहस्तत्रत्र गोलिव चन्छार चन्छ-पाणि चन्नी चतुर्गुल बंगारि, वस्ताम जयदीस वनावंत क्लिकाकीनाव यामारर वन्नचीर्गतन नारायण प्रमुक्ताम परास्पर पाचन पीतावर, रमावात रमेश शक्तीपनि वन माली बायुवेच विवचंत्रर वैक्ट लेपचाची बीकात सीपति सीरेच बीरसभ धीवस्त सन्तिन सङ्कानन सहस्रात्रन सहस्रात्रन पुरक्तान पुरक्तान पुरक्तान पुरक्तान पुरक्तान पुरक्तान प्रमुक्तान व

हरियम दे सूद्र।

हरिन दे हिरत।

हरिभी दुरमी मृत्री हिरमी हिस्ती २ (स्त्रियो नाएक मद)

चित्रकी ३ हरिता हरी-मरी। हरियाली सन्त्रा इरापन हरिअरी हरिआसी हरियाई हरीतिमा

इरेरी। हरीतिमा दे हरियासी।

तमा व हरणाचाः हुर्ज १ जनाव अङ्गवन स्नमन वाधा व्यवधान २ कमी स्रतिः

चाटा टोटा नुक्रमान इत्य हानि।

हुई करना अकाव करणा अक्रम बासना नुक्रमान करना बाधा बामना स्पद्मधान बासना समय वर्षाद करना हरद करना हानि करना।

हर्जाना कठिपूर्ति मुजाबका भरपाई, हानिपूर्ति ।

हुर बीवंती हुए हरद हरवा हरते हरीनकी हर्स हुरें।

हुवं बागंव भागोब भाक्षाद उल्लास क्रमी पुनक प्रमोद प्रसम्मक्षा रोमाण मुख।

हाँपतः आङ्गादिन उन्मधित विमाहमा पुनिश्त प्रमुदित प्रसन्न फ्ताहमा।

हल १ मुंद्रस सोगल सीर,२ छत्तर(वि स प्र ) नमाझान (उप वि स प्र )।

हत्तका १ अपुर सबुधा इसुन हत्त्वापन २ बातान नरता १ कम ४ ओछा नमीना नीच निश्चित । हमकायम अनुकता सर्वता सरवायम सुबुकाई, हकाई हमकाई हमुकर्द।

हनवास प्रकारित जिल्बारा माधीमण खलात उपल-पुषस दण्डम क्षेप खलबली बहुलत पायकोउ किम्सव स्पर्यत हुंनामा हर्ड्स हुस्सव !

हुसावर १ कर्पक कारतकार किसान इपक इपाय इपिक इपी बस रोपालीच पार्विहर वाची बसौदार साम्बाहत इसमूह, इसवाह इसवाहा इसायुक्त इतिया हाकी २ बसवेस बसवार बसदान ।

हमक दे अपय।

प्रमार्के ब्रोहिश्य आसीतिक शेवनिक शास्त्रती शाहुक पाचक शस्त्रक प्रत्यवार, ग्लोह्या सूच सूपक सूपकार।

हस्त्रात् वे हमधर।

हतवाहा दे हनभर।

हुमाह्म आहेब काडोल पानकट दरेड बरल तील आवहार, विष ।

हतिया दे इसवाहा।

हतुमा नोहनकोव नवसी लग्तिका शीरा हेनुसा हेपुबा ।

प्रका दे हनका १।

हुन्दी स्वीच्छा ज्ञमा चांचणी वावणी हुम्मिन्नी सालवा गास पत्तातिका सौरी परिचली स्वयनी निका निकारणा निकारणा प्रिंडा पित्रम पीठकालुका चीठा बहुला प्रशा संसम्प्रदा संपणा नेत्रस्या पुल्ली पांचित्रस्य रवनी स्वयम बरवनिनी सर्वाची वर्णस्की कविनी विचली निज्या सोकना सोचा इत्यो इतिहा हुडिलालिनी।

हस्तो जामा जंबाहरूपी आमाहरूपी आमिया हसरी आमाग्य नपूर हस्ती याचीमेव प्रयाना गुरनाविका गुर्गेय गुरनिश्रदः

हाना दे शारा

**हबन अनु**च्छाम आबाहन आहृति यत्र आग होम ।

हबल रिमा बाह नृष्णा प्रसाधन गमा मानव शासगा रिप्ता सीन मोगुरशा हिमें।

ह्या १ व जनति वनिनगता वन्निमहाय व्यवनापास वनिर, वन्नपर्ये वनिम वपान समून आगामयारी शावन वानुम बागुभुतिन उदान कपलब्या कथेवेवता धग अवर, बारवास केचर, गधवह गधवाह गंधाशम चंचम चतुप्टोम छुर जनत् वनदाश्वर जनवायु जनद्वज पनिम जनमा वक्तभूयच तन तत् तन्यतु तसुन तीवपति त्रिवसीक दर्वरीक दैत्यदेव भवायक भारावित भूक भूमिभ्यम नभ मूत ममय मध्याय नमस्बर, ममस्बान्, निरुपाठि नियन्तर निरूप निश्वासक परिमर, पब पवधान पाच प्रपत्तास प्रपदश्य पुरोहर पोठा पौन प्रकंपन प्रमायन याण प्रतिप्रिय बहास बाद बाऊ, बाय बाब भीयिशत मस्त मातरिशवा मास्त यम व वर्षेच्य वहांत वहांत विद्वामित वात वाति वाय बाह बास बिद्ध बिह्य बीध्य, बृष्यि ब्यान समीति स्वसन स सरीज सदायित समान समीर समीरण सरट सरव्य सरियन सके सार मुखास मुगर, सूर भृक मृत्रीक मृदाकु स्रोम स्पर्धन स्कुर,स्थदन स्वक्ष्म स्वेदनास इरि हरिद्वासी हाका २ जनन फीरन ३ माबहवा बाहाबरण ४ मफनाह হ সমাৰ।

हवाई

१ कल्पित कास्पनिक खपाली झूठ निराधार, निर्मुत २ हवाका हवासंबंधी वायवीय।

हबाई बहाक पुष्पक बिमान पुष्परच यान बायुवान विमान ध्योमयान।

ह्याताल देशायनार।

हृषः बाङ्गति हृषत-सामग्री हृषतीय हृष्टिय हृषिसा ।

हवेसी दे मकान १।

हसीन दे सुंदर।

हस्त देश्या

हस्तककः वे कारीयरी। हस्तकीशकः दे कारीयरी।

हुस्तकारतः दं कारागयः। हस्तकोपः वक्षभ स्वतस्याको आसा नीवनवान दकावट स्थमसानः।

हस्तजेप करना अवना टॉम बहाना नूकीन में खामक्याह बद्धान देना वस्तं याजी श्रीच में पढ़ना।

वाजी बीच में पड़न हस्तगतः वे प्राप्तः।

हस्तगतः देपाष्टः हस्तनेश्वः देपादृनिधिः।

हस्ताकर बन्तवन सही निम्नेबर।

हस्तिनी वे इविनी।

होक आसान पुषार, मसकार।

हरिना बावे बदाना बनाना बदाना। निदरी का वर्तन मेटिया हवा हैविया हवी हाजिका । होंद्री

elwa: क्रमटी सांस नेना तेज शांस नेना हैफराना हारमा हाँम हाँव

करना श्रीकमा ।

है। ब्राविकारी १ सासक। हाकिम

हाजिर देश संपरियत । हाजिएकमासः प्रत्युरपञ्चनति वाकपट्, वायविवाध बाग्नी।

हाविरी दे उपस्वित ।

हाड **पं+ वाकार** ।

रै सोना ३। हाइक

t figit f हाक

हाका : दे हदया।

दे पेश १। स्ता

१ कर बस्त पाणि इस्त २ बोह बाबू बाहु, शुव सुवा। हाच

हचपून इचर्डकर, हवसीवर। हाबध्स

हाकी व्यव क्रोपप प्रम क्षेत्र, बंदुव धनि क्रश्ती करि, करी वरीह करेवु वालिय कुबर, वसी तब सर्वेह समेह सम रेशामन बंदी दुरव द्विरव हीए हिए नमब नाब पदी पीन पुष्करी प्रीम मनुष्ठ मंदार मनेप महंदम बदयस मरान मातन मैमल बारण वितृष्ट व्यास श्रृंदाल जुडी श्रृजी

सारंग तिथुए, स्तम्मेरण इस्ती ।

हामीकंड श्रुतिनकंद । दे • हथिमान । हाबीसाना

ष्ट्राचीचान देश नहानतः । हाबोहाब यती वरा सन्दी तत्वाल तूरंत वैद्यते-देवते शोध ।

हानि ३ वभी अति पटी पट्टा पाटा वरन टोटा नुप्रमान

वर्षारी २ अपहार अहित हर्जे।

হাবিপুর্বি दे हर्जना।

हानी मंत्र्रे रकार्यरी सहमति श्वीकार स्वीद्वति ।

हार १ वंश्यानिका उरमुविका कटची कंटहार, कंटा धमधी हारमा

हारिस हारिक

हास

हानव

हाता

हा<del>व</del> भाव

हारिया

हास

हावित हास्य

हाहाकोर हिडोला

হিঁৰ

वे सक्या-व ।

हिदता

हिंदी भाषा ।

हासिया-दिप्पची

यक्तिरी चंदनहार, चेत्र बंबीर जयमास बुगुन्, नवसर, नेकलेस नौतका नीसकाहार यदिमाला मुक्ताहार, मोतीसिरी मोहनमामा रामकामी 🌉 🛚 सिन्ही हारन हारमुन्तावसी २ सवय स्वर् पराभव भंग माद शिक्स्त । मात्रात होना भारतमान देवना पराण्टित होन्हीं पीचे इटना पीठ कमीन से सदना मात बाना बसीम् विजित होता विकास खाना विधित होता हार बान इरीट हारत हारित सुम्या। मेंतरंप बातरिक वर्षेत्रोधी स विवयी दिली सच्या। १ बदस्या बचा परिस्थिति यावरा बुतात स्पीरा स्थिति हालन २ कुछल-सेम कुछल-भंगल और-औरियत समाचार, हास चान । दे हास १३ हालांकि अवरने मोकि यद्यपि। दे मराद। हासिया समी का नया। श्रीगिक चेप्टा नाय-नचरा हैता : अंतर (वि ) दिनास (स प्र ) कोर, बट (स प्र ) पार्थ सबसी। (margin note) बयान्त टिप्पमी (उ. प्र. वि.) बनाउ से ब (उप्र) भारती हिप्पणी (स्प्र)। दे हुँसी-१। स्त्रित बदान्त स्पनम्ब प्राप्त हस्त्रपत्त। वे हैंसो १। बुहरान अंदन चीक्-पुरार, चीलार बाहि बाहि बास शमा पालना द्विशेश हिटीलना द्विशेशा हिदीलक । दे भारत।

१ भारतवासी भारतीय हिंदनिवासी हिंदुस्तानी २ हिन्दी

शिन्दो पर्याय कोग / ७ **१** 

हरितनी के हविनी।

होंक माङ्कान पुकार, ससकार।

ष्ट्रीक्ता याचे बढ़ाना बलाना बढ़ाना ।

हाँकी मिट्टी का वर्तन मैटिया हवा हैंबिया हवी हाविका । हरिता उसटी सांस नेना तेन सांस नेना हैकराना हाँगता हाँव हाँग

करना हॉकना।

हाक्षिप दे विश्वकारी-१ सासक। हाजिर दे प्रपत्थित।

श्राजित्यवाव प्रस्कृत्यन्तर्मति वाकपट्ट, वायवियन्त वाम्मी।

हाबिरी दे॰ उपस्थिति।

हार वे गावार।

इन्द्रक दे सीना ६। हाइ दे इन्द्री।

Eift : g fien!

शाता दे∙ भेग १।

हाय १ कर दस्त पाणि इत्प २ वॉह बाबू बाह्न सुवा।

हारकून हवकून हवसकर इवसीरर।

हानी स्वयत सनेकप इस नांबु कंबुक करि कप्टी वरि, कपी वरीत करेनु, कामिल कंबर, कुपी तक पर्वेत पर्यंत नव बंताबन की पुरस्त किया किया किया पर्यंत पर्यं पुरस्ती प्रीत कर्बुड संवाद सनय सत्तव संवयन सराम सातंव संवय बारण वित्तुंत स्वास नुंदाल नृती प्रभी सारंव सिंपुर स्तानेदन हाती।

हाचीकंद हस्तिकंद। हाचीखाना देहियसाम।

शाबीबान दे महाबत्त ।

हाजीहाय क्ती बना बन्दी तत्ताल तुरंग देवते-देवते मीध ।

हानि १ वभी शनि पटी पट्टा बाटा चपन टोटा मुक्मान वर्षाची २ नपहार नहिल हर्जा:

हानिवृति है इर्जाना।

हानी मदूरी रवामधी सहमति स्वीकार स्वीकृति ।

ष्ट्रार १ व्यवसानिका उरमूत्रिका कटबी कटहार क्षेट्रा मसभी

४ / दिन्दी वर्षांय कोश

यमसिरी चंदनहार, चैन बंजीर व्ययसम मुपुनू दिसड़ी नवसर नेकसेस नीसका गीलकाहार गणिमाला माला मुक्ताहार, गोतीसिरी गोहनमावा रामनामी कर, साकिट, सिकड़ी हारक हारमुक्तावसी २ अजय अपजय पराजय परामन मेरा भाव विकस्त ।

भाकांत होना बासमान देखना पराजित होना परापूत होना हारमा पीचे इटना पीठ कमीन से भवना मात काना वत्री मृत होना विविध होना किक्स्त काना विभिन्न होना हार काना।

हारिस **धरीत हारम हारिण** सुम्या।

अंतर्रय बातरिक वर्गमीती से निकरी विशी सभ्या। চাৰিক हरन

१ मबस्या बता परिस्थिति माजय बुत्तात ब्योग स्थिति हासतः २ ब्रुग्रस-सेंग कुत्तव-र्गवश और-औरियत समाचार हास-चाम।

वे द्वाम-१। हानत

हासाँकि अवरचे नौकि वक्तपि। दे सराम।

हाला हातिया अवभीका स्या।

बांगिक नेप्टा नाव-नवारा हेला।

हाब-भाव अनेतर (वि ) फिलापा (म म ) कोर, तट (म म ) हाशिया

थार्खं मगनी। हातिया-विष्यणी (margin note) बपान्त टिप्पगी (उ. प्र वि ) छपाउ

मेका (जप्र) पार्म्भ दिप्पणी (मप्र)।

वे हैंसी-१। हास

हातिल भागित अवाप्त उपसच्य प्राप्त हस्तगत।

दे हैंसी १। हास्य

हाहाकार कुहराम कंदन चीख-पुकार, चीरकार, माहि माहि मास वेदना 1

शुमा वालमा हिंडोल दिवोलना दिवोला दिवोलक। हिंदोला हिंद दे भारत।

दे संख्या-६। हिंदसा

१ मारतवासी भारतीय हिरनिवासी हिरुस्तानी २ हिन्दी हिंदी माचा ।

```
हिंदुस्तान हिमाचस
```

हिंदुरसान दे नारत । हिंदुरसानी दे नारतीय-१।

हिंदू बार्व बैदिन हिंदुस्तानी !

हिसम वे हत्याचाः

हिंचा दे हत्या।

हिताम् वे इत्यासः

हिल पातक वृद्धार हिसक।

द्विक असमवस विश्वक पुनिशा नंकांच द्विपरिचाहरः।

संदेह म पड़ना १

हिचकियाहर दे बुनिया।

रिअका दे नर्पमारः। हिरुक्त अक्षरी वर्णीवपृति स्पैमिनः।

हित अच्छाई उपपार वस्याण नेकी कावदा समा मनाई लाभ।

हितकारण व वे वयशाधि ।

हितवारी वे जवारी।

[हत्तविकः थैग्द्रगह गुर्भावनक जुभावांधी सुभैवी जुभवतु, हितवारी

हिन्नाधक हिन्नु, हितेबस् हिन्दैसी।

हिनु वे हिनविनक।

हिनेथी वे श्रामितक।

हिदायन १ माता भारेत २ निर्देश मानधान गण्या।

हिमहिनामा हिनशाना हिमहिम बाग्या हीसमा ।

रिकामा दे मता १।

िश्य १ पाला वर्ष २ तुपार तुहिल शीहार, शीव ।

हिमक्टर के बहना।

हिमापिर हे हिमालय।

हिमायप वे हिमासय १

रियामु दे चंद्रपा।

हिमाचन है दिनानय।

५ / हिम्ही यवाँय सोल

हियायत 🖣 समर्पन।

हिपायती है समर्वेक।

हिमासय १ हिमाबंड हिमीयीर, हिमप्रस्थ हिमबान् हिमासेस हिमाबस हिमाबस हिमाप्ति २ गिरिराज मिरीप्र मिरीज

नवपति नयेना समेश पर्वतसात्र प्रवते वर, मैंसेन्द्र । १ पराचम पुरुषार्थ बहादसी साहस २ उठाह जल्लाह,

हिस्मतः १ परायम पुरुषार्थं बहादुरी साहसः २ उठाह जस्स हीसला। हिस्मती १ उत्साही यानवार, दिसम्बसा विनेर प्रतयसा २ व

े निकर, निर्मेय पराक्ष्मी बहुतहुर, बाहुबी। हिंघ १ अन्तरम् चित्त दिस मन दिसस दिसा हृदय २ उर क्राठी बसस्यक्त सीना।

क्रिएम ने हिरत।

क्षिरचा दे स्वर्ग।

हिरत करंग करंगम इच्यासार, बारवीयन निरम सुन सारंप

**इ**रिय हरिन हिरय।

हिरणी देहिली।

हिरनी कुरमियी मृषी हरियी हिरवी।

हिरासत दे गायनास। दिसं दे नालम।

एस द नानम

हिलकीर देशहर। हिलोर देशहर।

क्षिसाव एकाउँट तेजा-बोबा हिसाव-क्रियाव।

हिस्सा अंश खड दुवका बाँट भाग ।

हिस्तेवार अधिक सामी सामेवार।

क्षीत अनुस्तरिषुः

शिवना दे दिनहिनाना।

होन १ अ (जनाय-नायहीन) वरीर विना रहित वेचित विहीन पूर्य १ अधन ओडा यहाँ तुक्त निष्ट्य, निम्न नीच स्पृत ।

होतकस दे अपूर्तीन।

होनता १ समाव सत्यना कमी स्तूनता २ शुक्रता तुक्तना निक्रयता नीकता।

```
शैरक
                                                   हुषय-विदारक
       हीरक दे हीरा।
              कमी मुसिस निष्क समिवर बन्दा अध्यमीय बन्दासार, श्रीर,
              STOR!
       हीरों वं नामक-१।
     द्वीरोदन दे नाविका।
 होता-इवासा अलाकामी टासमधीन बहुत्ता बहुत्वाकी होस-हुक्वतः।
       ट्रेकार
              दे बुद्धनाय।
        हंडी
              दे वेक २ ।
        हरू अंक्षुत गीटा।
      हुकुमत अधिकार, भाषिपत्य प्रमुख जासन्।
       सम्
              दे व्यक्ता
              आज्ञापक कादेशपक फरमान ।
   हुबमनामा
  generalt
              अनुनत भाजाकारी बाजापासक करवाबरदार ।
              वनसमूह श्रीव।
       हम्म
              जनावकाली मालिक भीमन्, धीमान् भीपुत्।
       हरूर
              १ नहानुनी बहुस विवाद बाद-विवाद २ वसह शबहा
      ट्टनत
              देश तक्यर सर।
     हतासन
              देश मान ।
       हतर
              दे कसा।
     हु प्रतित
              क्रानंदित साङ्गादित राम नद्दद प्रपृक्तित प्रमुदिन प्रसन्त
              मृदिन हुपिन।
              जानव बाह्याब क्षमंत्र क्षत्राग धर्मा प्रधानता हुएँ।
      न्तरस
      हुतिया
             आकार, बनाबट शहन अक्त-मूटत ।
              जल्यान बगरेय अध्यय शारपुण इस्ता हरूने ।
      हरनाड
       १ १४
              दे सुदरका।
              एक-ना प्रान्ता-त्यों टीक बैला ही सम्बन्ध समान :
       FAF
              अध्यस वरी सुन्दरी।
         T.
              दे जीवम् ।
        Kat
       214
              क्षण्यारण कर चिल जियरा जिया जी दिल यन मान्त
              fer fru KT:
    हरयपाही
              है आपर्यक्र
 ह्रक-दिसारक हृदय-नेत्री ।
```

च द∤हिन्दी नर्याय नोज

हुदयस्पर्शी अभावताली मार्मिकः।

हरपहारी दे भाकर्षक।

हुद्यरंकर परमित्र प्यारा प्राथमन प्राथनात प्राथमित प्राथमक्रमध्य प्राथमक्रम प्राथमक्रम

कृत्या करेती किसरना परमधिया प्राथितया प्राथितया प्राथितया प्रियत्तमा प्रेमिका प्रथमी कस्थामा समिनी सकती।

बुध्वपुष्ट तबुस्त तगडा बनिष्ठ स्वस्य इट्टा कट्टा।

हेंगा पटरा परेक्ता पाटा।

हेरूड़ी १ भवकडपन उपता उजहडपन ऐंठ बाग्ड २ वजरदस्ती बसप्रयोग।

हेक १ शीर्पं सिर २ प्रथम प्रकान प्रमुख मुख्य।

हेतु दे कारम।

हैमत बाड़ा शरदंव श्रीवकास हिमायम।

हेम देस्वर्ग।

हेमपर्वत मेद सुनेद पर्वत हेमविरि, हेमाय हेमाचल हेमाति।

हेय वृधित तुष्छ स्मान्य निवनीय निवित ।

हैर-केर वस्त-वस्त (ग म ) तस्त्रीती (ग म ) परिवर्तन फेर बस्त ।

हैराफेरी जसट-पतट वड़बड़ श्रोसमात वपसा घोटासा चात-वाबी वाब-पेच वेडमानी।

हेनमेल आगवरपुत आवाजाही धनिय्वता गिलना-जुलना मिशाप मूनाकात मेल-जोन शंपति सोहबत।

हेली संबी-साबी सदी बहेबी।

हैसुमा दे हनुमा। हैंडल हैंडिल दरता हत्या।

हैका कॉमरा विज्ञविका विपृत्तिका विग्नविका विज्ञवी।

हैरत अयंभा शास्त्रयं विस्मय।

हैरान १ अर्थभित चकित गाँचनका विस्मित इतबुदि स्तब्ध २ तम परेतान च्यात।

हैवान १ जानवर पत्तु, २ स्वयहड वंत्रती पूर्व । हैतियत जीकाय पौष्प विसात तक्ति तथाई सामर्थ्य ।

हिन्दी पर्याय रोध / ७ ह

```
होंठ अधर बाठ बोठ बोल्ड, रहण्डब तब होंठ होठ।
   होटल द भोजनामय।
    होइ 🕈 मतिप्रविता।
होबाहोसी के प्रतिकृतिका ।
   होती
         १ अपुष्ट कर्व देव नियति प्रारक्षा चनित्रमा माम्य भावी
          विधि २ निस्मत सक्वीर नसीव मान्य।
    होम आहति यश्र ह्रवन ।
 होनिका दे होसी।
   होती क्यूबा पाप होरी होसिका :
    होश
          कीमाम रावर केत केतका संज्ञा सूक्ष सूध-कुछ होता होत
          हवास ।
होशियार १दे चतुर २ दे० सावधानः
होकियारी १ वे चतुरका २ वे साववानी।
 होहरता दे शोर १।
   होबा अुत्रु मणार्क, विभीपिका हाऊ, होवा।
    हींक कर नौर होता।
    श्रीद दे श्रीपा
    होते बाहिन्ता धीमे-शीमे धीरे-धीरे, संबद वित से मंद वित से ।
   हीका दे हीमा।
  इीराचा दे प्रत्माइ।
```

होसारालंक के साहभी १। हराम अपनर्य जनमधि राम शीचका विरायट सनगर्ने पनन। ह्या नागा वीडा संकोच।

हार जानर माहार सामग्री, प्रसम्पदा श

बारतीय विद्या मार्गि शाप प्रतिम्हान बीद्याना 1420 क्यों

